रजिस्ट्री सं बी • — (बी • एन • ) — 73

REGISTERED NO. D-(DN)-7



PUBLISHED & FAUTHORITY

नई विस्लो, शनिवार, फरवरी 16, 1985 (माघ 27, 1906) NEW DELH!, SATURDAY, FEBRUARY 16, 1985 (MAGHA 27, 1906)

भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या दी-जाती हैं जिसते कि या अना संकतन के का में रवा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## मान Ш—खण्ड 1

## PART III-SECTION I

न्यायालयों, नियन्त्रक और महाले अपरीक्षक, संय लो ह सेवा अध्योग, रेन विमान और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं otifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union ublic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Ofices of the Government of India?

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० ए० 32014(1)/84-प्रशां०-III--संघ लोक सेवा आयोग में के० से० संवर्ग के निम्नलिखित झनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति, द्वारा प्रत्येक के नामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामो जादेशों तक , जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुवत किया जाता है।

सं०	ઘ
	_
सर्वश्री	
1. के॰ पी॰ अध्यर 26-11-84 से 3-2-85 त	
2. राम भ्रवतार 30-11-84 से 13-1-85 त	
3. सुदेश कुमार   30-11-84 से 13-1-85 तव	
4. एन० पी० एस० गजराल े 29-11-84 से 19-12-84 त	
5. कृष्ण लाल-II • 15-10-84 से 26-11-84 त	
6. वाई <b>॰ पी ॰ डबास</b> 15-10-84 से 24-11-84 म	₹
7. भ्रानिल कुमार 5-11-84 से 28-11-84 त <sup>3</sup>	দ
उपर्युक्त, ग्रधिकारी कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक मुधार विभा	

उपर्युक्त, ग्रधिकारी कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक मुधार विभाग के कार्श ज्ञा० सं० 12/1/74-सो० एस० (1), दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के ग्रनुमार रु० 75/- प्रं० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे ।

सं० ए० 32014/1/84-प्रणा०-III—इस कार्यालय की सम-संख्यक ग्राधिसूचना दिनांक 20 नवम्बर, 1984 द्वारा ग्राधिसूचित श्री मंजीत कुमार, सहायक, की ग्रनुभाग ग्राधिकारी के रूप में 11-11-84 से 15-12-84 तक की तदर्थ नियुक्ति को एतद द्वास रह किया जाता है।

सं० ए० . 32014/1/84-प्रशा०-III संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग मे के० स० से० के निम्निलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविध के लिये अथवा आगम्मी आदेशों तक जो भो पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारों के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के किए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

ऋम नाम मं०	पदोन्नति को स्रविध
सर्वेश्री	
1. एम० एल० कुमार	30-11-84 से 27-2-85 तक
2. पी० जान	30-11-84 से "3-2-85 तक
3. ए० एम० जाट	30-11-84 से 13-1-85 तक
4 मीं एल भाट	15-10-84 से 26-11-84 तक और
•	10-12-84 से 23-1-85 तक

(5551)

1 2	3
5. भागी रथी कुमा	र 15-10-84 में 24-11-84 तक ग्रीर
	30-11-84 से 11-1-85 <b>त</b> क
6. के० एस० सूद	15-10-84 में 24-11-84 तंक
7. एस० डी० मल	15-11-84 से 28 11-84 तक
8. तारासिंह (ग्र०	जा०) 29-11-84 मे 19-12-84 तक
	<b>ग्र</b> ीर
	1-1-85 से 14-2-85 तक
	एम०पी० जैन

#### गृह मंत्रालय

## पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई बिल्ली-110001, दिनांक 29 दिसम्बर, 1984

सं० 3/33/80-प्रभा०-II—-गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, कलकत्ता में पुलिस उप प्रधीक्षक, के रूप में प्रतिनियुक्त कलकत्ता पुलिस के उप प्रधीक्षक श्री कालीदास भट्टाचार्या, दिनाक 30-11-84 (प्रपराह्म) से प्रपने पद के कार्यभार में मुक्त हो गये हैं।

2. गुप्तचर प्रशिक्षणे स्कूल कलकत्ता में उप प्रधीक्षक के अपने पद के कार्यभार में मुक्त हो जाने पर श्री कालीदाम भट्टाचार्य की सेवाएं, पुलिस श्रीयुक्त, कलकत्ता की 30-11-84 के अपराह्न से अगलो जिय्कित के लिये मीपी जा रही है।

एस० के० मस्लिक महानिदेशक

**ध्र**वर सचिव (प्रशा०)

सघ लोक सेवा श्रायोग

## पुलिस कम्प्यूटर समन्वय निवेशालय नई दिल्ली-110066, दिनांक 24 जनवरी 1985

सं० 33/3/83/प्रशा०/डी० सी०पी० सी०—राष्ट्रपति,, श्री डी० राम, उप श्रधीक्षक पुलिस, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, को 22 विसम्बर 1984 (पूर्वाह्न) से, स्थानान्तरण के श्राधार पर, समन्वय निवेशालय पुलिस कम्प्यूटर्स, गृह मंद्रालय में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपये के वेतनमान में, अगले श्रादेश तक, कनिष्ठ स्टाफ श्रीधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एन० सो० पाधी, निदेणक, डी० सी० पी० मी०

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय अम्बेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1985

सं० ए-19023/7/84 -प्रशासन-5---निदेशक, केन्द्रोय भन्नेषण व्यूरो, एवं पुलिस महानिरोक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद् ब्राराश्री मोहम्मद झाजाद को दिनांक 10 1-1985 के पूर्वाह्न से, झस्थायों रूप में, बतौर लोक झिभयोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो, नियुक्त करते हैं।

#### दिनाक 29 जनवरी 1985

मं० 3/3/85-प्रणासन-5—राष्ट्रपतिजी ने, श्री ज्योति वेहन, भा० पु० सेवा (पंजाब 1977) को दिनांक 17 जनवरी, / 1985 के पूर्वाह्न मे ध्रगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापनो में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस ध्रधीक्षक/सहायक निदेशक के रूप में सहर्ष नियुक्त किया है।

राम स्वरुप नागपाल, प्रणासनिक ग्राधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी,

## महानिदेशालय के० रि० पु० बल, नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1985

मं० ग्रो० दो-1940/84-स्था०—-राष्ट्रपति, श्रोपी० एन० मागो जोकि विधि न्याय ग्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय नई दिल्ली मे ग्रिधिकारी है, को डेपुटेणन, ग्रवधि 3 माह दिनाक 28-12-84 से या नियमित स्थानापन्न तक, जो भी पहले हो, समु० महायक, निदेशक, (विधि), के पद पर महानिदेशालय के० रि० पु० बल मे सहर्ष बढ़ाने को ग्रनुमति दी है।

#### दिनाक 22 जनवरी, 1985

मं० घो०वो० 1942/84-स्थापना— महानिदेशक, केन्द्रीव रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर, (मिसेज), डी० रतना कुमारी को 11 जनवरी, 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उम पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रोय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा श्रिक्षकारी के पद पर महर्ष तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

ग्म० ग्रशोक राजू, ग्० ग्रार० माहीपति, महायक निदेशक, (स्थापना)

नई दिल्ली-110003, दिनाक 24 जनवरी 1985

मं० ग्रो०दो०बा 57 4/81-स्थापना—-राष्ट्रपतिजी ने, डा० टी० के० विजयसारथी, जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड-JI, (डो० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) का त्यागपत्र दिनांक 13 दिसम्बर, 1984 ग्रापाह्म से स्वीकार कर लिया है।

> एम० पी० जखामोला सहायक निवेशक (स्थापना)

## महा निवेशालय

## 🤺 केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, विनाक 21 जनवरी 1985

सं र ई-32015(2)/23/84-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री, एम० एल० खुराना को, प्रोन्निन पर, 4 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्म में 26-3-1985 तक या इस अविध में नियमित नियमित नियमित होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तवर्ष व अस्थाई आधार पर के श्री० सु० बल यूनिट बी०पी० टी० एस० नदरपुर, का कमांडेंट, नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 22 जनवरी 1985

सं व ई-32015(3)/22/84-कार्मिक-ग्र-राष्ट्रपति, श्री श्रो०पी० शर्मा को, प्रोन्नित पर, 5 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्म मे, 26-3-1985 तक या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां, होने तक, जो भी पहले हो पूर्णत्या, तदर्थ व अस्थाई आधार पर के० ग्रौ० सु० बल यूनिट के० सी० सी० खतड़ी, का उप कमांडेंट नियुक्त करने हैं।

सं० ई-32015(5)/25/84-क्तामिक-I—राष्ट्रपति, श्री आर० जी० थामरी को, प्रोन्तित पर, 26 दिसम्बर, 198,4 के पूर्वाह्न से 26-3-85 तक्त या इस अवधि मेप्तियमित नियक्तियां होते तक, जो भी पहले, हो, पूर्णतया तदर्थ व अस्थाई आधार पर के० श्रौ० सु० ब० यूनिट बी० एस० एस०सी० थुम्बा, का उप कमांडेंट, नियुक्त करते हैं।

मं० ई-28017/10/84-क्तामिक-II---निवर्तन की ेआयु पूर्ण होने पर, सरकारी सेवा से मेवा निवृत्त होने के फलस्वैक्ष्य श्री बी० पी० लामा ने 31 दिसम्बर, 1984 के अपराह्म से उप महा निरीक्षक, के० श्री० सु० बल (उत्तरी क्षत्र) नई दिल्ली के। सदायक कमांडेट, (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

#### दिनांक 23 जनवरी 1985

स० ई-32015(3)/21/84-कार्मिक-I—-राष्ट्रपति, श्री सी० डी० कुकरेती को, प्रोन्नति पर, 10 जनवरी, 1985 के पूर्वाह्म से 26-3-85 तक, या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ व अस्थाई आधार पर के० ग्री० सु० व० यूनिट सी० मी० डब्ल्यू० ग्रो०, धनबाद का उप कमांडट नियुक्त करते हैं।

मं० ई-32015(3)/23/84-क्तांमिक-1--राष्ट्रपति, श्री एस० आर० गर्मा को, प्रोन्तिति पर, 5 जनवरी, 1985 के अपराह्म में 26-3-85 तक या इम अविधि में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, के० औ० मु० ब० यूनिट, ई०सी० एल० सीतलपुर, का उप कमांडेंट, पूर्णतया तदर्थ ग्रौर अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

एस० आनन्दराम, महा निदेशक/के०स्रौ०मु०ब०

#### भारत के महारजिस्ट्रार का कार्याखय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जनवरी 1985

सं० 10/7/83-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, जनगणना संगठन के नियमित उप निणदेक, जनगणना कार्य और इस समय नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में सहायक महारजिस्ट्रार (जनगणना और सारणीकरण) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्री एन० राम राव को उसी कार्यालय में दिनांक 12-12-84 के पूर्वाह्म से स्थानान्तरण के आधार पर सहायक महा रजिस्ट्रार (जनगणना ग्रौर सारणीकरण), के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राम राव का मुख्यालय, नई दिल्ली में होगा।

वी० एस० वर्मा, भारत के महा रजिस्ट्रीर

## वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्याविभाग चलार्थ पक्ष मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 14 जनवरी 1985

सं० एन०-77-एन/7628—महा प्रबन्धक चलार्थ पत्र मुद्रणालय, श्री एम० एल० सोनवणे, अनुभाग अधिकारी, चलार्थ पत्र मुद्रणालय की क्रय अधिकारी के पद पर हुई नियुक्ति दिनांक 2 जून, 1984 में 1 जून, 1985 तक एक वर्षके लिये नियमिन प्रति नियुक्ति के आधार पर बढ़ाते हैं।

> सु० द० इडगुंजी, महा प्रबन्धक, चतार्थपत्र मुद्रणालय

## भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 22 जनवरी 1985

सं० 587/क--अधिसूचना मंख्या 450/क दिनांक 17-11-1984 के कम म श्री के० के० पाठक, की उप नियन्त्रण अधिकारी भा० प्र० मृ० के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 7-5-1984 से अगले आदेश तक नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

#### दिनांक 27 जनवरी 1985

सं० 588/क——अधिसूचना सख्या 278/क, दिनांक 22-8-1984 के कम में श्री ए०डी० मालुके को उप नियन्त्रण अधिकारी,भा० प्र० मु० के रूप मे तदर्य आधार पर नियुक्ति को दिनांक 13-8-1984 से अगले आदेश तक नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

> पा० सु० शिवाराम महा प्रबन्धक भारत प्रतिभति मुद्रणालय,

कार्यालय निवेणक लेखा	<del>=====</del> परीक्षा, केन्द्रीय	 प्रजस्ब	1 2	3	
		1			· 4
नई दिल्ली-110002, र्	दिनाक 24 जनव	वर्ग 1985	9 कृष्ण दयाल	1403	17-12-84
स० प्रशा०-1/का० आ०				•	पूर्वाह्न
भाषा विद्या परीक्षा अधिकार्र			10 एस० एन० नर्मा	854	26-12-84
विकास प्राधिकण्ण मे 31-3					पूर्वीह्न ,
वेवरण में समाविष्ट णाती प			11. एम० एम० सक्सेना	h 855	26-12-84
लिया गया है।			•		पूर्वाहर
इसे भारत के नियन्त्रक	क्षत्र जेक्द दर्भ	'श्रद्ध है एवं सम्बद्ध	12. पी० डब्स्यू० भालेराव	900	26-12-84
६स मारत क ।नयन्त्रक 1692-जी०, डी० 11/21-8	=				पूर्वा <b>ह्न</b>
सम्प्रणित भारत सम्बार का			13 डब्ल्यू०आर०मराठे	02/1043	26-12-8
तन्त्रावतं मारतं सम्बतः चत	अनुमायन आर	, , , ह० अपठनीय			पूर्वाह्न
1	* ਜਿਵੇਕਾਤ ਜੇਵ	हु० अगठनाय ग्रा परीक्षा (प्रशा०)	14. एन० के० चतुर्वेदी	1240	28-12-84
34	ા (વિવસ્થ) વહ	। पराका (प्रशाप)			पूर्वाह्न
<del>-</del> -	,		15 ए०एम० हिरदानी	1262	26-12-84
कार्यालय, महालेखाकार, (	( केळा गरीका )	नशार⁴ मध्य चटेन	-		पूर्वाह्न
		•	16. ए०एम० सिकरवार	1307	26-12-84
ग्वालियर, दिना	क 23 <b>जनव</b> री	1985	c <del></del>		पूर्वाह्न
स० प्रणा०-11/समूह-2/	स० ले० प०	अ०2/84-85/प्रम <u>ा</u> ०	17. आर० सी० सक्सेना	1311	26-12-84
गजट   12   366   710 महा व	<mark>नेखाकार,</mark> (लेख	द्वा परीक्षा) प्रथम	18 कै०पी० शर्मा	1205	पूर्वाह्म
मध्य प्रदेश, ग्वालियर के नि	ाम्नानिखि <mark>त</mark> अ	चुभाग अधि हारियौ	18 बारतार शमा	1385	26-12-84 - पूर्वा <b>स</b>
को स्थानापन्न महायक लेख	ा परीक्षा अ	धकारी के पद पर	19. के०एन० श्रीवास्तव	1434	26-12-84
वेननमान रुपये 650-30-7	40-35-880-	इ० रो०-40-1040	19. कार स्वार जानान्यव	1434	20-12-84 पूर्वाह्न
में उनके नाम है सामने,	दर्गाते दिनाक	मे पदान्नत किया	20. पी०एन० मिक्षा	1445	26-12-84
है			201 (1-5,4-14)	14.0	2012 छन्। पूर्वीह्न
—————————————————————————————————————	 स्थाई <b>ऋं</b> ०	— — — महायह ले <b>०</b> प०	21 एम० जी० गर्मा	1578	26-12-84
નામાં મામ	रनाइ गण	अधिकारी के रूप			पूर्वाह्न
	· /j	में पदोन्नति का दिनाक	22. डी० आर० सुमन	. 1332 .	26-12-84
<del></del>			<b>4</b>		पूर्वाह्न.
1 2	3	<del></del> -			ह० अपठनीय
<b>सर्वश्री</b>				उप महालेख	ाकार (प्रशास <b>न</b> )
1. एन० ए०श्रीनिवासन ∤	02/741	29-11-84	•		
		पृ <b>व</b> िह्न	कार्यालय, महालेखा	कार (लेखा परीक्षा)	) सिक्किम
2. बी० डी० घोरे	782	24-12-84		, दिनाक 31 द्रिसम्ब	
		पूर्वाह्न			
3 एस०पी०नन्दा	839	15-11-84	आ० स० 124		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
		पूर्वाह्न	लेखा-परीक्षा अधिकारी (		
4. वी०एस० सक्सेना	841	23-11-84	दिनाक 31-12-1984 (		
		、 पूर्वाह्न	तक, स्थानापन्न लेखा	,	(प्रातानसुक्ति) व
<ol> <li>जे० एम० अर्प्ट(कर]</li> </ol>	845	14-12-84	पद पर नियुक्त कियाज		
<u>-</u>		पृबीह्न		_	अग्र कुमारदेवं (लेखा परीक्षा)
<ol><li>एस० एत० ुसक्सेना</li></ol>	846	11-12-84		महा लेखाकार	(लक्षा पराक्षा)
•		rata			
~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~	/	पूर्वाह्म		क्षालेखाविभाग	
7. टी० सी०अहिरवार	1075	, ,		क्षा लखा विभाग क्षा लेखा महानिय	न्द्रक

पूर्वाह्न

पूर्वाह्र

19-12-84

1216

8. के० एल० सरोज

नयी दिल्ली-110 066, दिनांक 25 जनवरी 1985

तेवा अधिकारा, (0/60), जो मझगाव डाक लिमिटेड, बम्बई

मं० प्रणा०- /2412/82-पी० मी०--श्री जी० वेगटरामन

में प्रतिनियुक्ति पर सेवारत हैं को उस उपक्रम में 31-12-81 (पूर्वाह्म) को स्थायी रूप से ममाहृत कर लिया गया है। तदनु-सार, उन्हें उसी तारीख में रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से हटा दिया गया है।

> वी० के० भंडारकर, रक्षा लेखा उप महा नियन्त्रक (प्रशा०)

वाणिष्य मंत्रालय मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्लीं दिनींक, जनवरीं 1985 अयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं 1/2/84-प्रणासन (राज०)/598—-राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालय के श्री एस० जगन्नाथन (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-I के) अवर सचिव को 1 जनवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से, आगे आदेण होने तक, मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

शकर चन्द उप मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात इतो मुक्य निर्यत्रक, आयात निर्यात

(वाणिज्य विभाग)

गांधीधाम-कच्छ-370230, दिनाक 24 जनवरी, 19.85

सं० मु० क्षे०/प्रणा०/7/2/79/1662—विकास आयुक्त, कांडला, मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांघीधाम, (कच्छ), श्री ई० वि० दवे, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पादक शुल्क, राजकोट, को वित्त मंद्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 10(24)60 ई०-Ш, दिनांक 4-5-1961के आधार पर सुरक्षा अधिकारी के पद पर, जिसका वेतनमान ६० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 है, प्रतिनियुक्ति की शनौ पर 15 जनवरी, 1985 के पूर्वीह्र से एक वर्ष के लिय नियुक्त करते हैं।

व० श्री गोपालाकृशन विकास आयुक्त, कांडला मुक्त **ध्**यापार क्षेत्र

उद्योग मंद्रालय

ग्रीद्योगिक गिकास विभाग विहास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1985

म० ए-19018(104)/73-प्रणासन-(राज०)---राष्ट्रपति लघु उद्योग भेवा संस्थान, कलकत्ता के महायक निदेशक, प्रश्ना, (आर्थिक अन्वेषण) श्री एम० एन० सेन गुप्ता, को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनाक 30 नवम्बर, 1984 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

#### दिनाक 25 जनवरी 1985

सं० 12(491)/65-प्रणासन (राज०) खण्ड - —-राष्ट्र-पति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर के उप निदेशक, (यांत्रिकी), श्री डी० सी० झा को, दिनांक 13-12-84 से, अगले आदेशों नक, प्रक्रिया-सह-उत्पाद विकास केन्द्र, आगरा में निदेशक, ग्रेड-1, (यांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018/359/78- प्रणा०(राज०)—-राष्ट्रपति, सखेद घोषणा करते हैं कि लघु उद्योग विकास संगठन के निदेशक, ग्रेड 1 (धातु), डा० मंजीत सिंह की, जो केन्द्रीय हस्त ग्रीजार मंस्थान, जालन्धर में मुख्य निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, 30 नवम्बर, 1984 को मृत्यु हो गई है।

मी० मी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रीर खान मत्नालय (खान विभाग ) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 25 जनवरी 1985

मं० 551 बी /ए-19012 (3-एच० के० पी० )/80-19बी—-भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रमायज डा० एच० के० पुरोहित को 2-6-84 (अपराह्न) से त्यागण्य परमुक्त किया जा रहा है।

> अमित कुमारी निदेशक (कामिक) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

#### आकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी, 1985

मं० 4/3/84-एम-दो-अकाणवाणी महा निदेशालय की अधिमूचना संख्या 4/3/84-एम-दो, दिनांक 6-2-84 के अनुक्रम में महानिदेशक, आकाणवाणी, श्री आनन्द व्रिपाठी, हिन्दी अनुवादक, आकाणवाणी लखनऊ जो वर्तमान समय में प्रतिनियुक्ति पर आकाणवाणी, लखनऊ मे हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से 650-740-35-810-द० रो-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में कार्य कर रहे हैं की प्रतिनियुक्ति की अविध दिनांक 11-1-85 के बाद अगले आदेशों तक आगामी एक वर्ष के लिए बढ़ाते हैं।

#### दिनांक 25ं जनवरी 1985

सं० 4/4/83-एस-घो—आकाशवाणी, महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या 4/4/83-एस-दो, दिनांक 13-10-83 तथा समसंख्यक शुद्धिपत्त, दिनांक 16-11-1983 के अनुक्रम में महानिदेशक, आकावाणी श्री एन० जी० गोयल, अनुसंधान सहायक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली जो कि प्रति-नियुक्ति पर हिन्दी अधिकारी के पद पर आकाशवाणी में तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में कार्य कर रहे हैं, की प्रतिनियुक्ति की अवधि दिनांक 30-9-1984 में पहले की ही शती के आधार पर अगले आदेशों तक आगामी एक वर्ष के लिए बढ़ा ते हैं।

सं० 29/2/85-एस-दो---महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एच० यू० जारगर, फार्म रेखियो, रिपोर्टर रेखियो कण्मीर, श्रीनगर को 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 रुपये के वेतमान में दिनांक 20-12-1984 से अगले आदेशों तक आकाशवाणी, में फार्म रेडियो अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एच० यू० जारगर ने आकाशवाणी, अम्बिकापुर में उसी दिन से फार्म रेडियो अधिकारी के पद का कार्यभार संभार लिया है।

> मोह्न फ्रांसिस प्रशासन उप निशदक कृते महानिवेशक

#### नई दिल्ली, दिनाँक 22 जनवरी 1985

मं० 4(37)/84-एस-एक---महानिदेशक, आकाशवाणी श्री के० के० रत्तू को 13 सितम्बर, 1984 मे अगले आदेशों तक 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में, दूरदर्शन केन्द्र, जालन्धर में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक दिनांक 23 जनवरी 1985

सं० 4(63)/84-एम० टी०—महा निदेशक, आकाणवाणी एतद्वारा श्री टींकांग पर रन को 31-12-1984 से अगले आदेण तक 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाणजाणी जित्रुगढ़ में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल, प्रशासन उप निदेशक कृते महा निदेशक

## सूचना श्रीर प्रसारण मंत्र।लय विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय नई विल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1985

सं० ए-38013/1/85-स्था०---निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर, विज्ञापन धौर दृश्य प्रचार निदेशालय, सूचना धौर प्रसारण मंत्रालय क स्थायी सहायक उत्पादन प्रबन्धक (बाह्य प्रचार), श्री एस० एल० सीम 31-12-84 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

> जी० पी० भट्टी ् उप निदेशक (प्रशासन)

#### स्वास्थ्य सेवा महा निवेशालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1985

ं सं ए० 19018, 8, 80-के० स० स्वा० यो०-1—डा० वी० पी० पाण्डे, का त्याग-पन्न मंजूर हो जाने के फलस्वरूप, उन्होंने 17 दिसम्बर, 1984 (अपराह्म) में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन आयुर्वेदिक चिकित्सक के तदर्थ पद का कार्य-भार छोड़ दिया है।

> टी० एस० राव, उप निदेशक प्रणासन (के० स० स्वा० यो०-1)

#### नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी, 1985

सं० ए-12026, 4,84,पीं० एच० (सी० डी० एण्ड एस०)— स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने श्री आर० के० बला को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन, राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में 1 जनवरी, 1985 (पूर्वाह्म), से आगामी आदेशों तक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

> नारायण सिंह, उप निदेशक प्रशासन (भी० युच०)

#### नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1985

सं० ए-12026/4/83/एम० (एफ० एण्ड एस०) --राष्ट्रपति ने श्री एस० रंगाराव, वैज्ञानिक अधिकारी, सह-ट्यूटर, जवाहरानाल स्नातकोत्तर, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुमंधान संस्थान पाण्डीचेरो, को उसी संस्थान में विकिरण चिकित्सा विज्ञान (रेज्ञियोलाजी), के लेक्चरार के पद पर 19 नवम्बर, 1984 पूर्वाह्म से 6 मास की अवधि के लिये या जब तक अह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त किया है।

पी॰ एन॰ ठाकुर उप निवेशक प्रशासन (सी॰ एण्ड बी॰) कृषि मंत्र(लय,

(कृषि, एवं सहकारिना, विभाग) वनस्पति, रक्षा, मंगरोध और मग्रह निदेशालय,

#### फरीदावाद, दिनांक 19 जनवरी 1985

सं० 7-3,84-अ० प्रथम-वनस्पति रक्षा सलाहकार, भारत सरकार, डा० कमलेण चन्द्र गुप्ता, को 11-1-1985 (पूर्वाह्न) से हैंडक्वाटर, निदेणालय में ६० 650-30-740-35-810-द०, री०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक विषाण, विज्ञानी, के राजपत्रित पद पर अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

एस० पी० कुटार मुख्य प्रणासनिक अधिकारी कृते वनस्पति सलाहकार

## भाभां परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बस्बई-400 085, दिनांक 19 दिसम्बर, 1984

मं० वी/415/मेखि०/स्थापना-4007-श्रीमती तारा रामचन्द्र बलसंगकर, ने मेट्रन पद का पद भार दिनांक 30-4-84 अपराह्म को सेवा निवृत्ति पर छोड़ दिया ।

> के० वेंकटकृष्णत, उप स्थापना अधिकारी

## बम्बई-400 085, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० पी० ए० 79(17), 84-आर-3—नियन्त्रक, भामा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री तिचूर सुन्नमण्यम परमेश्वरम, को रुपये 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेनन ऋम में इसी अनुसंधान केन्द्र में 28 दिसम्बर, 1984 अपराह्न से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न प्रणासन अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

एन० एल० वेंकटे श्वरन उप-स्थापना मधिकारी

## बम्बई 400085 दिनांक 17 जनवरी 1985

सं० पी० ए०, 79(5) 83, आर-3-नियन्त्रक, भाभा परमाण् अनुर्मधान केन्द्र परमाण् ऊर्जा विभाग में सहायक पद पर कार्यरत, श्रीमती लितका रमेशकुमार गोयल की 28 दिसम्बर, 1984 पूर्वाह्न से आंगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०,79(5),83-आर-3—ित्यन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्त महायक श्री बिन्दो शमाचार्या अध्टपुत्रे को 3 जनबरी, 1985 पूर्वाह्न से आगामी आदेण होने तक इमी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर स्थानापन्त रूप से नियुक्त करने हैं।

#### दिनाक 18 जनवरी 1985

सं० पी० ए०/79/(5)/83-आर०-III---नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी ज्ञान श्रेणी लिपिक श्री थेक्केथिनिकल केशवन पुष्पांगदन को 17 दिसम्बर, 1984 (पूर्वाह्न) से 27 दिसम्बर, 1984 (अपराह्म) तक नदर्थ आधार पर तथा 28 दिसम्बर, 1984 पूर्वाह्म से आगामी आदेश होने तक, नियमित आधार पर इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर स्थाना-पन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० डी० गाडगिल उपस्थापना अधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग कम ग्रौर भंडार निरेशालय

बम्बई-400 001, दिनाक 21 जनवरी 1985

मं० डी०पी० एस०/41/12/85-प्रशा०/108--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋष ग्रीर भंडार निदेशालय, के निदेशक, ने स्थायी सहायक लेखापाल श्री वीरेन्द्र कुमार को इसी निदेशालय में दिनांक 18-9-1984 (पृष्ठांह्र), मे 9-11-1984 (अपराह्र) तक रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनंमान में सहायक लेखा अधाकारी के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापत्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति, महायक लेखा अधिकारी श्री एम० एल० सेठी, के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

पी० गोपालन प्रणासन अधिकारी

## नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र 🛕 हैदराबाद-500 762, दिनांक 23 जनवरी 1985

मं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0704/147—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना० ई० म०/का०प्र०भ०/0704/2796, दिनांक 24 नवम्बर, 1984 के कम में महायक लेखाकार श्री चु० रा० प्रभाकरन की तदर्थ आधार पर क० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेननमान में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति को दिनाक 22-3-1985 पर्यन्त या आगामी आदेगों पर्यन्त इन में से जी भी पूर्व घटित हो, आगे वहाया जाता है।

जी ० जी ० कुलकर्णी प्रबन्धक कार्मिक व प्रशासन

## महा निदेशक नागरविमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1985

म० ए-38012/3/84-ई० मी०—-राष्ट्रपति ने निदेगक, रेखियो निर्माण श्रीर विकास एकक कार्यालय, नई दिल्ली के श्री पी० के० हींगरा, तकनीकी अधिकारी (तद्यों) को सी० सी० एस० पेंशन, नियम 1972 के नियम 48(ए), के अधीन दिनांक 30-11-1984 (अपराह्म) को सरकारी सेवा से स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की है।

#### दिनांक 19 जनवरी 1985

स० ए० 35018/2/82-ई०-1—हम विभाग के नियन्त्रणा-धीन नागर विमानन मुरक्षा निवेणालय के श्री बी० एम० आर्य, विरिष्ठ मुरक्षा अधिकारी को दिनांक 22-2-1984 (अपराह्न) से अपने मूल कार्यालय के० रि० पु० ब० में वापन भेज दिया गया है।

सं० ए-32014/1/84-ई० मी०(.)—-महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित संघार सहायकों को कार्यभार ग्रहण करने की नागिख से छः मास की अवधि के लिये या पद्यों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, रुपये 650—1200 के वेतनमान में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदथे आधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

ऋम सं०	नाम	वर्तमान सैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर <b>तै</b> नात <sup>्</sup> किया गया	कार्य भार ग्रहण करने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
- <del></del>	र्विश्री:			<del>- +</del>
1. Ų	प० सरकार	कलकसा	कलकत्ता	10-9-84 (पूर्वाह्म)
2. ŋ	न० एन० पाल	' कलकता	कलकत्ता	10-9-84 <b>(पू</b> र्वाह्म)
3. म	दन सिंह 🕫	दिल्ली	दिल्ली	9-11-84 (पूर्वाह्न)
4. স	गदीश चन्द्र	दिल्ली	दिल्ली	31-8-84 (पूर्वाह्म)
5. র্জ	ो० एन० नैसः	वाल दिस्ली	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्या०) नई विल्ली ।	2-7-84 (पूर्वा <b>न्न</b> )
6. tī	म <b>ा</b> एम०भारि	य्या दिल्ली	वाराणमी	31-8-84 ′(पूर्वाह्न)

1	2		3	5
7. आ	र० एम० ना.	गर जयपुर	दिल्ली	30-11-84 (पूर्वाह्न)
8. पी दा	० मी० नालु <sup>‡</sup> र	ह- गु <mark>वाह</mark> टी	गुवाहटी	30-6-84 (अपराह्म)

2. उपरोक्त अधिकारी महायक मंचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति के फलस्वरुप नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे श्रौर तदर्थ आधार पर की गई सेवा न तो ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिये श्रौर न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नित की पान्नता के लिये ग्रीनी जायेगी।

सं० ए 38012/4/84 ई०:मीं०--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री एस० धार० मेठी, वरिष्ठ मंचार ध्रिधकारी को दिनांक 20-12-1984 (ध्रपराह्म) से केन्द्रीय सिविल सेवा पेंणन, नियमावली, 1972 के नियम 48 (1) (क) के ध्रन्तर्गत सरकारी सेवा से स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त होने की स्वीकृति प्रदान की है।

सं० 38013/1/84-ई० सी०--नागर विमानन विभाग के श्री एम० के० कुरियन, सहायक संचार श्रीधकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, भोपाल, ने दिनांक 30-11-1984 (श्रपराह्न) से निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए-32013/6/84-ई० मी०—-राष्ट्रपति ने श्रो डी०पी० चौहान, संचार, श्राधकारो, बैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली को दिनाक 20-12-1984 (पूर्वाह्न) से छः माम को श्रवधि के लिए, वरिष्ठ मंचार अधिकारो के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है, और उन्हें उसो स्टेशन पर नैनात किया है।

श्रो डो० पो० चौहान, वरिष्ठ मंचार प्रधिकारी के ग्रड में सदर्थ जिन्न कित के फलस्वरूप, नियमिन नियुक्ति का दावा करने के हकवार नही होंगे श्रौर नदर्थ श्राधार पर की गई मेवान तो ग्रेड में वरियना के प्रयोजन के लिये श्रौर न हा प्रगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति को पावता के लिये गिनो जायेगी।

## दिनांक 21 जनवरो 1985

सं० ए० 1.9011/4/84-ई०-1/---दिस्लो एयरपोर्ट के विमान क्षेत्र निदेणक, श्री ग्रार० ग्राई० मिह निवर्तन ग्राय प्राप्त

कर लेने पर दिनांक 31-12-84 (प्रपदाह्न) को सरकारी सेवा से. नियुत्त हो गये हैं।

#### दिनांक 23 जनवरी 1985

मं॰ ए॰ 35018/15/83-ई-I---निम्नलिखित श्रधिकारियों की प्रत्येक के सामने दी गई प्रविध के लिये इस कार्यालय के नागर विमानन सुरक्षा निदेशालय में रुपये 650-1200 के वेतनमान में वरिष्ठ सुरक्षा श्रधिकारी नियक्त किया गया है :--

٠	<del>,</del> • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	सक
1. श्री एस० एल० ग्रार्थ	23-11-84	23-4-85
	(पूर्वाह्न)	(भ्रपराह्म)
2. श्रीटी० जी० मेनन	23-11-84 (पर्वाह्न)	31-12-84 (भ्रथराह्य)
3. श्री के०के० हांडा	28-11-84	
	(पूर्वाह्न)	(म्रपराह्न)

व1० जयचन्द्रन सहायक निवेशक प्रशासन

## नई दिल्लों, दिनांक 19 जनवरी 1985

सं० ए-32014/1/84-ई॰एस॰---महा निदेशक विमानन ने निम्नलिखित प्रधीक्षकों को रु 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 के वेसनमान में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से मीर बिए गए स्टेशनों पर 6 मास की अवधि के लिये अध्यवा पदों के नियमित प्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो,

## स्थानापन्त रूप से प्रशासनिक प्रधिकारी के पद पर सदर्थ भाधार पर नियुक्त किया है:-

ऋ० नाम सं∘	, ,	ारी जिस स्टेशन पर प्रशासनिक श्रधि-• कारी (सदर्य) के पद पर नियुक्त किए गये हैं
सर्वे श्री 1. एस <b>् प्रार</b> ्वर्सा	5-9-84	क्षेत्रीय मिदेशक,
ा. एस० भारण्यमा	<del>5-8-64</del>	पापाप । जपसम्, दिल्लो
2. श्री० एन० सहोरे	6-9-84	विमान क्षेत्न, ग्रिधिकारी सफदर- जंग एयर पोर्ट
3. जी० बालन	5-9-84	क्षेत्रोय निदेशक, मद्रास ।
	सहाय	बि० भौमिक क निदेशक, प्रशासन

## केन्द्रोय उत्पाद गुरुक समाहर्ता का कार्यालय बम्बर्ध, दिनांक 16 जनवरी 1985

सं 0 11/3ई (ए) 2/77-पार्ट-II---बम्बई-1 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालय के निम्न प्रधीक्षक समह "ए" के राजपवित ग्रिधिकारी, अपने नाम के आगे दशीई गई तारीख से आधिवार्षिकी पर/स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो गये हैं :---

<b>₹</b> 60	नाम व पदनाम	सेवानिवृत्त होने की
सं०		तारीख
1. জ্বী	मार० जी० शिवदासा	नी:, 1-10-1984, (म्राधिवाणिकी
भार	<b>ीक्ष</b> क	पर)
2. শ্ৰ	। एला० ए० पुरन्दरे,	1-11-84 (स्वेच्छा से सेवा
1074	री श्रासः	ਜ਼ਿਲ• \

#### दिनांक 21 जनवरी 1985

सं० एस० टी०-2/84-85--केन्द्रीय उत्पाद गुत्क नियमावली, 1944 के नियम 232ए, के उप नियभ (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद शुरक व लवण प्रधिनियम, 1944 की धारा 9 के प्रधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाय गये व्यक्तियों भीर अधिनियम की धारा 33 में संदर्भित आधिकारी द्वारा ६० 10,000/- या उससे अधिक की राणि के लिये वण्डित व्यक्तियों के नाम व पते उप नियम - 2 में उल्लिखित शन्य विवरणो सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किये जाने हैं।

		1. न्यायालय	(क मामल	
			्रजून, 1984 को <del>र</del>	तमाप्त तिमाही का विवरण
क्रम स०	व्यक्तिकानाम	पता	वे प्रावधान जिनका उरुअंघन किया गया	श्रधिरोपित दंड राशि
	22	3	4	5
	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	<del></del>	्रत्य	

			2. विभागीय म्याय वि	मर्णयन		
कम सं०	व्यक्तियों का नाम	पता	ग्रधिनियम के प्रावधान या इसके श्रंतर्गत बने नियम जिनका उल्लंघन किया गया	दण्ड	धारा 33 के प्रन्तर्गत जब्त किये जाने वाले शुल्वय माल का प्रधि- कारी द्वारा न्याय निर्णीत भूल्ये	श्रिधिनियम की धारा 34 के श्रधीन जब्ती के स्थान पर श्रर्थ दंड की राणि
i	2	3	4	5	6	7
1.	सैफी रेलिंग वर्कस	मिलीटरी रोड, संलग्न, मरोल मरोशी रोड, मरोल, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 059	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 53 तथा 226 के साथ पठित नियम 173 जी (4) तथा नियम 52 ए सङ्क्रित नियम 9(1) 173जी -(2) के साथ पठित नियम 173 एक 173 जी-1	<b>হ∘ 25,000</b> /		
2.	मैट्रेफिन इन्डस्ट्रीज	यथोपरि	यथोपरि	ব০ 10,000	_	

एच० एम० सिंह् समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, बम्बई-1

## निरीक्षण महानिवेशालय. सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

, नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1985

सं० 1/85—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलय, कलकता-I के श्री एस० मिलक, श्रधीक्षक ग्रुप "ख" ने, जो पहले, सीमा शुल्क तथा स्वर्ण (नियन्त्रण) श्रपीलीय मिधकरण, नई विल्ली में तकनीकी श्रिधकारी के रूप में नैनात थे, इस महा निदेशालय में दिनांक 3-1-85 के श्रादेश सी० सं० 1041/47/84 द्वारा निरीक्षण तथा लेखा परीक्षा महा निवेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में दिनांक 11-1-85 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण श्रिष्ठकारी (ग्रुप "ख") के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 2/85—श्री रमेश चन्दर ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुक्क समाहर्तालय, मेरठ में श्रधीक्षक ग्रुप "ख" के पद पर रीनात थे, इस महा निदेशालय, के दिनांक 3-1-1985 के झावेश सी० सं० 1041/47/84 द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा महा निदेशालय, नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में दिनांक 14-1-1985 के (पूर्वाह्म) में निरीक्षण श्रधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 3/85—श्री डी० सी० झाहजा के, वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर, निरीक्षण महा निवेशालय, सीमा शुरूक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरूक नई विल्ली से विनोक 31-12-84 (पूर्वाह्म) में निरीक्षण झिछकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार त्याग विया।

ए० सी० सल्डाना, निरोक्षण महा निदेशक

#### केन्द्रीय जल झायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 17 जनवरी 1985

सं० ए-32012/1/84-स्थापना 5 (खंड-दो) — झध्यक्ष, केन्द्रीय जल झायोग, विभागीय पदोन्नति समिति (समूह ख) की सिफारिशों पर, केन्द्रीय जल झायोग में झितिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजी नियर (सिवल/यांद्रिकी) पर पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ झाधार पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत निम्नलिखित झिधकारियों को उसी ग्रेड में

31 विसम्बर, 1984 (पूर्वाह्न) से मन्य मादेशों तक नियमित भाषार पर नियुक्त करते हैं।

المراجعية المراجعة المراجعة والمراجعة والمراجعة والمراجعة والمراجعة والمراجعة والمراجعة والمراجعة والمراجعة	ر. 
सर्वं श्री	जहां कार्यरत हैं
1. नल्लन सिंह .	नवगांव ग्रभिकल्प कक्ष
<ol> <li>प्रजयकुमार .</li> </ol>	कंक्रोट, ग्रौर चिनाई बांघ <mark>प्रा</mark> भकल्प दो निदेशालय,
3. ग्रार०के०विज .	जल-विद्युत सिविल भ्रमिकल्प-दो निदेशालय ।
4. ऋषिकुमार ग्रग्नवाल .	बराज श्रौर नहर श्रभिकल्प-एक निदेशालय ।∤
<ol> <li>ग्ररविन्द गुप्ता .</li> </ol>	नवगांव मभिकल्प कक्ष
<ol> <li>भ्रमरजीत सिंह</li> </ol>	श्रायोजन <sup>े</sup> श्रीर विकास <sup>क्</sup> मिकिल, न <b>ई</b> दिल्ली ।
7. बी० बी० पाण्डें 🏃 .	कंकीट, श्रीर चिनाई वांध श्रीभ- कल्प—दोे निदेशालय, ।
<ol> <li>संतोष धर दोवान .</li> </ol>	एन० एच० पी०डी०
9. सलोम <b>श्रहम</b> द .	ई०े म्रार० डी० - डी.े <b>दो</b> निदेशालय ।
10. राम प्रकाश शुक्त }.	टी० सी० डो०—दो, केन्द्रीय प्राधिकरण ।]
11. राज किशोर उपाध्याय	नींव इंजीनियरी निवेशालय।

- 2. उपर्युक्त प्रधिकारो उक्त तारीख से दो वर्ष की प्रविध के लिये केन्द्रोय जल प्रायोग में प्रतिरिक्त सहायक निवेशक/ सहायक इंजीनियर के ग्रेड में परिवीक्षा पर रहेंगे।
- 3. उपर्युक्त ग्राधिकारियों की पदीन्नति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन सिविल रूल न० 1082 (इज्ल्यू) के निर्णय के प्राध्याधीन है।
- 4. वे अधिकारों जो निचले पद के वेतनमान में अगली वेतनवृद्धि की संभूति की तारीख पर मूल नियम 22 (ग) के उपबन्धों के आधार पर अपना वेतन पुनर्नियत करवाने के इच्छुक हों, उन्हें गृह मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग), के कार्यालय ज्ञापन सं० 7/1/80-स्था०, पी० एक, दिनांक 26-9-81 के साथ पठित का० ज्ञा० संख्या, 13/26/82-स्था० पी० एक, दिनांक 8-2-1983 में निहित प्रावधानों में सथापेशित ऐसे पुन-नियतन हेनु अपना विकल्प नियमित पदोन्नित की तारीख सेएक माह के अन्दर-अन्दर दे देना चाहिए।
- पहली जनवरी, 1985 से उन अधिकारियों का जो केन्द्रीय, सरकारी कर्मचारी ग्रुप बीमा मोजना, 1980

के सबस्य है का इस योजना में ग्रंशवान, 20/- ६० से बढ़ाकर, 40/- ६० ये प्रतिमाह कर दिया गया है। ग्रंधिकारी पूर्वोक्त, तिथि से योजना के ग्रुप-बी, को दिए जाने वाले लाभों के हकदार होंगे। संबंधित श्रधिकारियों की सेवा-पुस्तिका, में इस संबंद्ध में आवश्यक प्रविष्टियां कर दी जाएंगी।

मोनाक्षी भरोड़ा, भवर सचिव, केन्द्रीय जल भ्रायोग

## नई दिल्ला, दिनांक 15 अनवरी 1985

सं० 30/29/83-ई० सी०——I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सङ्घ्यया इंजीनियरों (सिविल) को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में तपर्थ आधार पर उनके नामों के आगे दिखाई गई सारोखों से अगले आदेशों, तक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के नाते नियुक्त करते हैं।

#### सर्वे श्रा :

1. के० एल ० लंकर	26-9-84
2. ओ०पा० गुप्ता	30-8-84
<ol><li>आई० पो० मित्तल,</li></ol>	20-9-84
4. आर० एम० अग्रवाल	29-10-84
5. ज॰ एन० सेन	30-11-84
•	🖟 (दोपहर बाध)
6. भारत भूषण	9-10-84

#### दिनांक 18 जनवरी 1985

सं० 30/36/83-६० सी०-ा—राष्ट्रपति, ॄिनम्निलिखित सहायक कार्यपालक इंजोनिरों (सिविल), की केन्द्राय लोक निर्माण विभाग में तदर्थ आधार पर उनके नामों के आगे दिखाई गई तारोखों से अगले आदेशों तक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के नाते नियुक्त करते है।

#### सर्वेश्री:

1. राजेन्द्रा पी० माथुर,	7-5-1984
2. व्रिजेश्वर एन० मल्होता	8-5-1984
3. मु <b>कुन्य</b> जोशी	9-7-1984
4. अभी सिन्हा,	19-5-1984
5. उपेन्द्र मलिक	27-8-1984
<ol> <li>राजोव कुमार</li> </ol>	12-9-1984
7. राजकुमार पो गोलकौं <b>डा</b> ,	31-8-1984
(अनु० जन जाति)	

नीना गर्ग प्रशासन उप निदेशन

## पूर्ति विभाग राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

#### कलकत्ता-27, दिनांक 19 जनवरी, 1985

सं० जी-65/एस० ग्रो०--महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण, गृह कलकता, निम्नलिखित विज्ञान सहायकों (रसायन) को राष्ट्रीय परीक्षण गृह , कलकत्ता एवं उनके शाखा कार्यालयों, कमशः बम्बई, मद्रास तथा गाजियात्राद में विज्ञान प्रधिकारी (रसायन) के रूप में ग्रस्थायी ग्राधार पर किसी ग्रगले ग्रादेश के न मिलने तक नियुक्त करते हैं। जोकि प्रत्येक के सामने दिये गये दिनांक के श्रनुसार प्रमावी होगा।

क्रम सं०	नाम	प्रोन्मत पव	पदोन्नति का दिनांक	कार्यालय मे
1. প্র্	ो प्रभात भट्टाचार्या,	विज्ञान ग्रधिकारी (रसायन)	31-7-84	रा०५०गृ० कलकत्ता
वि	ज्ञान सहायक (रसायन)	"	(पूर्वाह्न)	-
2. প্র	ोपी० सी० मजूमदार	**	13	"
,	विज्ञान सहायक (रसायन)			
3. প্র	। एस० के० घोषाल	n .	n	713
वि	ज्ञान सहायक (रसायन)			
4. %	टी० के० मजूमदार	"	,,	33
वि	ज्ञान सहायक (रसायन)			
5. প্র	एस० राऊत	))	1)	"
,	विज्ञान सहायक (रसायन)			
s. श्री	। एन० एन० साराचन् <b>दानी</b>	u	11	रा० प० गृ०
वि	ज्ञान सहायक (रसायन)	1		गाजियाबाद
7. %সী	वि पी ० तालुकदार	11	4-8-84	रा० प० गू०,बम्बई
	ज्ञान सहायक (रसायन)		(पूर्वाह्सः)	•
	ए० के० भ्रष्टुतन	,,	31-7-84	रा० प० गृ०, मद्रास
बि	ज्ञान सहायक (रसायन)		(पूर्वाह्म)	_
	एस० चन्द्रगेखरन		11	11
वि	ज्ञान सहायक (रसायन)			

जे० एम० मट्टाचार्या, उप निदेशक (प्रशासन)

.कृते महानिदेशक, रा०प० गृ० कलकत्ता

विधि न्याय भीर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय, कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेन्दिल आण्डवर चिट फण्ड प्रा० लि० के विषय में।

मद्रास, दिनांक 15 दिसम्बद्ध 1984

मं० 5323/560/84—- सम्पना अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् बारा यह सूचना दो जाता है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिन्धल आण्डवर चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर वी जाएगी।

बी० ए० विजयन मैनन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाडु उद्योग और अस्पनी कार्य मंत्रालय (कस्पनी कार्य विभाग)

कम्पना विधि बोर्ड

कम्पर्नाः रिक्स्ट्रारं का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 के विषय में और ईस्टकोस्ट मेटकैप्न प्राइवेट निमिटेड के विषय में । पांडिचेरः, विनोक 17 जनवरी 1985

सं 0 150/560(3) — कम्पना अधिनियम, 1956 की धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दो जाते हैं कि इस तार ख से तान मास के अवसान पर ईस्टकोस्ट मेटकैप्स प्राईवेट लिमिटेड ता नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दो जाएगी।

बी० कोटेश्वर राव, कम्पर्ना रिकस्ट्रार ं प्रकृष बार्ष: टी. एन. एस. ----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 59-7 (1) के शधीत सुचना

भारत भ्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 जनवरी 1985 सं० जीव आई० आर० संख्या ए-158/ए० सीव क्यू०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधान मत्मम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाप सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एक किला मकान है तथा जो मोहल्ला कोहना मुगलपुरा मुरादााबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकार, के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29-5-1984

को पूर्वा कर विषय नामार मूल्य से कम के दिन्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल क पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निधनलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वासिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बक्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उन्ह बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व को कभी कारने या सबसे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा जन्म जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनाथ जनतिरती द्वारा प्रकट नहीं विचा गरा या या किया आना जाहिए या, विकास में गुविस के लिए?

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यंक्तियों, अर्थात:---

1. भीमती बदर जहां बेगम।

(भ्रन्तरक)

2. 1. श्री प्रब्दुल समद

2. श्री भ्रब्दुल बहाब

(भ्रन्तरिती)

3 वित्रेता

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है:)

का यह सुचना चारी करके पृष्ठोंकत सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपर्दित में ∳हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए की सकींगे।

स्भव्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ' हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया हैं।

अनुसूची

एक किता मकान मय भूमि पैमाईसी 210 वर्ग मीटर स्थित मोहल्ला कोहना मुगलपुरा मुरादाबाद जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रोकर्सा श्रीधकारी मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 29-5-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक माथकर ग्रामुक्त प्रार्जम क्षेत्र लखनऊ

तारीख: 4-1-1985

### प्ररूप बाइ . सी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यात्रयः, सहायक आयकर जायुक्तः (निरुध्कण) प्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

.संखनक, नांक ५ जावरी 1 285

सं० जो० आई० आर० संख्या ए०159/ए० मॅ,० क्यू०:---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25,000/-रुट से अधिक है

भौर जिसको संख्या

है सथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय , में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1980 का 16) के श्राधीन दिनोक

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती सम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरच के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निश्निकिचा उद्देश्य से उच्च पन्तरण लिखित में वास्त-विक का म द्वारा नहीं दिशा गवा है:--

- (स) जम्बरण से हुई तिनी पान की बानव छन। श्रीक्ष-निवस के स्वीत करवन के प्रश्तरण के वासिस्य में कार करन या छससे नवन में सुनिधा के खिए। धीर/धा
  - ्ता) एंसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में कविधा के लिए;

बत: अब, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के बंधीन, निकालिखित व्यक्तियों, अर्थील् ⊯— 1. খা

(ग्रन्तरक)

- 2. 1. श्रीं प्रफसर भली खान
  - 2 শ্ৰী শ্ৰবিৰ গ্ৰলী আদ
  - 3. श्री शराफत श्रली खान

(भ्रन्तरित))

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति की अर्थन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्परित के वर्जन के सभ्वन्थ में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मंबीभ वाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वांक्स क्यांस्त्रयों में से किसी व्यक्तिय तुकारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा सकोंगे।

स्वष्ठिकरणः — इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नभूसूची

भूमि पैमाईस) 16 एकड़, 28 जिसमिल स्थित ग्राम शिवपुर। परगना ग्रीर जिला मुरावाबाद (जैसा फार्म 37 जी संख्या 3937 में वर्णित है), जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता मुरावाबाद के कार्यालय में मई, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकार। सहायक भ्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण भर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 5-1-1985

प्रकथ बाह्य, टी. एवं एत . -----

नायकर जिथितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्थता

#### गाउन चत्रमाङ

कार्यालय, सहावक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, विमीक 8 जनवरो 1985

सं० जी॰ ऋग्राई॰ार॰ संख्या एच-55/ए सी॰ क्यू--यत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

नासकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के सधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विख्यात करने का अग्ररण है कि स्थानर सम्मिता, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- रा. से जिथक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 40ई/12 है तथा जो मोहल्ला तबैला, मुरावाबाद में श्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं क्षम के हश्यमान पितफार के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह रिक्नात करने का कारण है कि प्रथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार गृस्य, उनके ध्रवमान प्रतिफास से एसे श्रवमान प्रतिफास का नित्त का अन्तरण का प्रतिफास के जीर अन्तरका (अन्तरका) जीर जेतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफास, निम्नीलियत उच्चेष्ट में उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आब की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वान प्रसार नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, क्यांत् ह——

- 1. श्री याकूब हुसैन
  - 2. श्राः मकसूद हुसैन
  - 3. श्री जुबैद हुसैन

(अन्तरक)

2 श्री हाजी सफीज ग्रवरार हुसैन

(ब्रग्तरितो)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिया शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस त्यान के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीझ से 30 दिन की सर्वीध, जो भी तथि। बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्किरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं ही, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया ही।

#### अगर की

मकान सम्पत्ति नं० 40ई/12, स्थित मोहल्ला, तबेला, जिला मुरावाबाद (जैमा फार्म 37 जी संख्या 3934 में विणित है), जिसका पंजीकरण र्राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारो मुरावाबाद के कार्यालय में मई, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन क्षेत्र, सखनक

तारीख: 8-1-1985

मोहर

\_\_\_\_\_\_

प्रमूप, शाइ . टी एन. एस ------

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आय्क्त (निरीक्षण) श्रजेंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अनवरो 1985

सं० जो० भाई० भार० संख्या एन-88/ए० सो० क्यू०:---यत: मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' काहा गया हैं), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

और जिसको संख्या एक किला मकान है तथा जो मोहल्ला बिसरील, झब्बू का नालो, मुख्दाबाद में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरड्रें कर्त्ता अधिकारें के कार्यालय मुराटाबाद में रिजरड्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के जिन्त नाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापुर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त नाजार मूल्य उसके रूप्यमान प्रतिकल सं, एसे रूप्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितंत्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निजनित्सित उद्देश्य में उक्त अन्तरण चिलित में वास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की शावत, उक्त स्रीधिनियम के क्यींग कार्य योजे के लन्तरक के स्रीयत्व में कभी करने या उससे बचने मा स्रीविधा क सिए; बरि∕वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) को उजर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को पणजनाथ अतिरिती ब्वाट प्रकार नहीं किया गया था या किया आरा आसिए था, छिना में सिनधा के रिया

अतः अबः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं जक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्निजिसित स्यक्तियों, अर्थाद्य :---

- 1. 1. श्री मी० धनोल
  - 2. मी० इत्यास

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स न्यू रेडियन ब्रास मार्ट बेयर, किसरील मुरादाबाद। पार्टनर श्रों मौ० याकुब चौधरी

(अन्तरितः)

को यह स्थाना जारी करके पृथेक्ति सापिन के वर्जन के निए आर्थनाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के साथ में फ्रोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में (क) दिन की बर्गाध था तत्में बंध (क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी कि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्यारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराल स 45 विन के भीतर उक्त स्थानिर समास्ति की हित-बब्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए या सकींगे।

स्पर्वेक्षकरण:--इसमें प्रयक्त अव्यों और एटा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय या दिमा गया है।

#### बनसूची

एक किता मकान श्रव भूमि पैमाईस। 220 वर्ग मीटर स्थित मोहर्ल्य किसरौल बब्धू का नाला मुरादाबाद, जिसका पंजोकरण र्राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्याक्षय मे मई, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 4-1-1985

प्रकम् आर्थः, ठीत् प्रमुख्य प्रकारतन्त्रन

भाग्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### HIGH BERNS

कार्यालय, तहायक अायकर आयुक्त (निराक्तिक) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 जनवरीं 1985

सं ० जी० भ्राई० भार० संख्या ए सं – 35/ए० सी० न्यू०:--यतः मुक्षे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियमें कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राध्कारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित शाचार मृत्य 25,000/-राप्य से स्थिक हैं

भौर जिसकी संख्या

है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे

उपाबद्ध श्रन्सूची में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रो-कर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कक के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया एका है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की वावत अक्त बीध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के खाँगल में कनी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अस्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्वियाने में स्विभा के सिए;

अतः वश्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण की ते, उक्त स्थिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ने स्थीत, निक्निसिक्त व्यक्तियों, वश्रीत है—

3—456GI/84

1. শ্ৰী

(भन्तरक)

- 2. 1. श्रीमती स्वर्ण देवी अग्रवाल
  - 2. श्रीमती आशा अग्रवाल

(मन्तरित))

ऋता

(वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है:)

को यह सूचना बादी करके पृष्टिंकतः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए आ रहींगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा ओ उस अध्याय में दिया पूरा है।

### प्रमुची

प्लाट नं 18/2, पैमाईसी 12000 वर्ग फुट, स्थिस 18, मदन मोहन मालवीय मार्ग, थाना हजरत गंज, लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी लखनऊ के कार्यालय में 6-5-1984 की किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) शर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारींच : 5-1-1985

मोहर 🖈

## प्रकृत वार्षाः, को , प्रमृत् प्रस्तः======

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन स्थान

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (नि.रोक्षण) श्रर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जनवरा, 1985

सं०स हे॰ प्रार० 62/44172/84-85:- -अतः मुझे प्रार० भारद्वाजः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका संख्या 445 है, तथा जो महालक्ष्मी ग्रीर बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूका में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधान, कारीख मई, 1984।

को प्यॉनिस सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया इतिफल, निम्नतिश्वित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय लागकर प्रिंतियम, 1002 की, 1002 की 11) या उन्नत अधिनियम, या भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

वतः वन, उन्त निवित्यतः की भाग 269-न के वंश्वरण ने, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को गधीन, निम्नलिखित स्पेक्तियों, अधातः — जे० नारायण सिंह,
नं० 448. श्राटकी क्लास रोड,
महालक्ष्मा लेश्रोट,
बेंगलूर--86।

(भन्तरक)

 श्री दासेगीडा, सन्तेनागेनाहल्लि, यन्नापन्दा तालुक, मैसूर डिस्ट्रिक्ट।

(भ्रन्तरिता)

का यह सूचना बारो करके प्याँकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहिया करता हु।

#### वनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की क्षत्रिक्ष, जो भी
  अविधि बाद में कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त
  स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की हारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, जो उस मध्याय में दिया गया।

#### नन्स्ची

(दस्तावेज 703/84 तारोख मई, 84) सम्पत्ति है जिसका सं० 445, जो महालक्ष्मों लेखोट, बेंगलुर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, मक्षम प्राधिकारा, सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर ।

दिनांक: 5-1-1985

मोहरः

## इस्य वाहीत कीत एकत एस्ट------

क्षांबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### नारत सरकार

कार्थालय, सहत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जनवरो, 1985

सं० सं० भार०-62/37ईई/ग्रार०-1168/84-85:---यतः मझे, ग्रार० भारहाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परण्त 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या चाखता नं० 2763 श्रीर 277 है तथा जो पंनजिम सब डिस्ट्रिक्ट ग्राफ इलहास, डिस्ट्रिक्ट ग्राफ गोवा में स्थित है (श्रीर इससे से उपावत श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, हार्राख 29 मई, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मृस्य से कम के स्थमान, प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण संहुद क्षिती बानुकी वानंत, क्षमध् समितियम् के ब्रुपील कर दोने के बन्तरक से दायित्व में क्षमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; शहर/वा
- (ख) एंसी किसी आन या किसी अन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बतः गव, उक्त मिनियम की भारा 269-ए के अनुस्रण में, में, उक्त मिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, सर्भात् ह—

- 1. श्रा मरिया हेलेना डि सोजा
- 2. बर्टा बेनेडिटा डि सौजा
- 3. कासटानी फानसिसकी डि सोजा
- 4. बेरनाडिनो लुइस डि सौजा
- 5. मरिया इमा प्रजाररेडोवो डिसौजा
- 6. भान्टोनिया बसिलिओ डिसौजा
- 7. जोसे एग्निभियर डि सौजा भौर

मिरिय। लिजिवा
 मेनेजिस डि सोजा सब रहते हैं डाक्टर,
 डोमिन गोस राक्यु डि सौजा रोड,

पनजिम गोवा,।

(ग्रन्तरक)

- 1. हवाब वेलाजि,
- क्वेसोवन गोबिन्दा दुरि,
- 3. वासुदेवा कारोटिन
- लुकारामलादु मलगोबिन्का,
- रहनो डिसौजा
- स्कावु सिग्नापुरकर
- (7) दत्ताराम वेलुसकर,
- (8) जोर्नाफहो वाज,
- (9) बारनाबे सौजा,
- (10) साटिया बिटिबाई गोविन्दा, राइकार
- (11) कालिनाथ वरेनकर
- (12) डियोडाटा शिवोडकर,
- (13) राजानम करपूरकर,
- (14) क्लाब वास को ई। गामा श्रीर
- (15) ग्रोनर्स--डाक्टर डोमिन्गोस राक्यू डि सौजा पंजिम, गोवा।

(श्रन्तिंरर्तः)

को बहु सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के सजपन में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविभ, जा भी विषय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त क्षेत्रों मृद्धि यूवों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, नहीं मूर्य होगा बांभ्वस मध्याय में दिया नुवा है।

#### अनुसुची

(दस्तावेज सं० 967/84 तारीख 29-5-84) सब सम्पत्ति है जिसका चालता नं० ॄै276 और 277, जो पनजिम, सब डिस्ट्रिक्ट श्राफ इलहास, डिस्ट्रिक्ट श्राफ \ गोवा, में स्थित है।

> भार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, [सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, बंगसूर

तारीख: 3-1-1985

#### शस्य बार्ड-टी.एम.एस्.======

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुब्दा

#### मार्त सरकार

कार्धालय, सहायक झायकर नाथ्नत (निरीक्शण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, विनांक 3 जनवरी, 1985

सं० भार० 62/37ईई/ब्रार-1177/84-85:--- यतः मुझे, स्नार० भारद्वाज.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या चालता नं 132, 133, 134 मीर 135 मीर भाग प्राफ चालता नं 139 है तथा जो पिन्जम तालुक इलहास म्राफ पिन्जम में स्थित है (भीर इस से उपाबद अनुस्वा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधान, ताराख 28-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर में भारा 269-ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख के पास रिजस्ट्रोकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है बार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वयेश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, सक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के विक्रिय में कमी करने या उससे स्थाने में सृतिधा के लिए: जरि/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनाथ अन्तरिदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया के या जिल्या आना वाहिए था. कियाने ये सुविधा के लिए;

कतः नक, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हरू  श्रं मन्युग्नस सिम्पिलिसियो कारवेलहो गौर मैसर्स एसिनवल हेलेना एक्सेलटाका कारवेलहो, हौस नं० ई-338, स्वामो विवेकानन्व रोड, पण्जी, गोवा।

(भन्तरक)

 श्रो डामिनक इसाक, प्रोमियर बिलडर्स, पणजा, गोवा

(भन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूं।

#### ब क्या संपर्देश को कर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप है----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्षित्र द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यीकरणः --- इसमें अयुक्त शब्दों जीर पदों का, थे। उक्त अधिकि में, के अध्याद १०-व मा प्रिक्तियन ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया ही।

#### नंग संच

सब सम्पत्ति है जिसका भाग जो पंजिम तालुक इलहास सब बिस्ट्रिक्ट माफ इलहास, बिस्ट्रिक्ट माफ गोवा, में स्थित है।

> ; ;

ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बंगलर

तारी**च**: 3-1-1085

अरूप आर्द्ध**्टी.एन**्**एस**्नन्नन्नन्न

कांग्रेकर कींधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं॰ एम॰ -667/84-85--अतः मुझे जे॰ पी॰ हिलोरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो मिद माल मसूरी में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्याणय देहली के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-5-1984 में

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तुरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखह में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन किनियम किन्यां, अर्थात् क्र- भीमती ज्ञानवती,
 नि० ६स्तगी मोहल्ला,
 चन्दौसी, जिला मुरावाबाद।

(अन्तरक)

 मै० सुपीरियर होटल्स एण्ड प्रापर्टीज (प्रत०) लि०, स-यम सिनेमा बिल्डिंग, रंजीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्द्रवी

सम्पत्ति 'केनिलवर्ष लाज' जो दि माल, मसूरी में स्थित है।

> जे० पी० हिलोरी, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कानपुर

ता**रीख**ः 10-1-1985

## प्रकृ बाह्यै हो . एव . एस . -----

कायक<u>र</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### प्राप्त प्रकार

कार्यांतय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्धिक्षण)

श्रर्जन रेज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985

तिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ $3_l$ एस० आर०-2/5-84/2010 —अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिथिनियम' केहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थायर मम्पत्ति, जिसका उचित नेजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 162 है तथा को ग्राम चौखण्डी दिल्ली स्थित है, <sup>™</sup>(ग्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण स्प में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दित्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नजिखित उद्दृश्य से उन्नत अन्तर विश्वति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बधने में सृविधा के सिए; बीर्⁄या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्क्स अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

अत. अब,, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन हो निम्नि लिखिए व्यक्तियों, अर्थात् .——

 श्री मिलखी राम शर्मा सुपुत्र श्री चरन दास शर्मा, निवासी-15,1, तिसक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री सूरज प्रकाश दुगल सुपुत्र श्री घसीटा मल दुगल श्रीमती बिमला रानी पत्नी श्री एस० पी० दुगल, निवासी 196 ए० 2, एस० पी० मुखर्जी, पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के सिए कार्यवाहिया कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाइ. क्रियेखत में किये वा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

#### अनुसूची

सिंगल स्टारी म्युनिसियल नं० 162, ग्राम शौखण्डी दिल्ली, एक ड्राबीग कम डाइनिंग रूम, तीन बैंड रूम, एक किचन, एक स्टोर, बाथ, टायलेट भौर कोर्ट बोर्ड, तादादी 225.5/9 वर्ग गज, खसरा नं० 15/25, खतौनी नं 3 ग्राम चौखण्डी, दिल्ली।

जी० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, दिल्ली

नारीख . 8-1-1985 मोहरु छ

#### इंक्स बाहरें, जी, एस, एस्,------

# शायकर थाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्वीत स्वा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू,  $3_{\rm j}$ एस०आर०2/5-84/2026:— अतः मुझे जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परभात् . 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से बाँधक है

म्रौर जिसकी संख्या सी०-52 है तथा जो इन्दरपुरी कालोनी मौजे नरायणा दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कर्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्षत संपत्ति को उचित वाजार मृत्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के बीच एमें अन्तरण के निष्ण् तय पाया गया प्रतिक ल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तरिक स्थ से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉह/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः अक्तः विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

शीमती इश्वर मीना पत्नी शी पी० इश्वर अहयर, निवासी मी०-52, इन्दरपुरी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती सुमन सिंह पत्नी जी० सिंह, निवासी भी० 52, इन्दरपुरी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सृच्यना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिल कार्यकाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इममें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्थी

प्रो० नं० मी-52, तादादी 500 वर्गगज, इन्दरपुरी, मौजे नगयणा, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल, प्रमक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3्रुनई दिल्ली

नारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाहे.टि. इन , एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

सं अाई ० ए० सी /एक्यू ०/3/एस०आर० 2/5/84 2177:— अतः मझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 31/35 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से ब्राणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुड़ै किसीं जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धाके लिए;

अतः अध्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री राजिन्दर सिंह,
 सुपुत्र श्री एस० जसवन्त सिंह
श्रीमती मतीरिवेन्दर कौर
 पत्नी श्री राजिन्दर सिंह,
 निवासी 1039 कुका नटकां,
 चौदनी चौक, दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्री वेग बन्धु गुप्सा, 31/35 पंचाबी बाग, नई विल्ली

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समासि में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमे प्रयुक्त घब्वों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याव 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नपूस्ची

प्रो० नं. 31/35 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

जी॰ एस॰ गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भुद्वपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अ मई विल्ली

तारीख: 8-1-1985

मोहार अ

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकड वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिस्ली नई दिल्ली, विनांक 8, जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर०2/5-84/ 2514-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

(1961 का 43) (जिसे नायकार मिनियस, 1961 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 /- रत. से **जधिक हैं** 

भौर जिसकी संख्या सी०/99 है तथा जो अकाल गढ़, पतेह नगर, याम तिहाड़, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

का पूर्वीक्त संपर्ति के उचित राजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय शिवाजि नगर में धारा 269 एं. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूल /के पास रिज-स्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मृल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदुवरिय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से **इ.इ. किसी बाद की बादस, उन्ह** विधिनियम के मुधीन कर दोने कें अन्तरक की दामित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (बा) ए`सी किली अगम वा किली भन या जन्म आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इबोचनार्थ क्लारिती हुनारा प्रकट नहीं किया चवा भारत किया जाता प्राहिष्ट था विभागे में सविभाके लिए;

- डा० अनिस कुमार गुप्ता,
- 🚁 सुपुत्र श्री केशवा नन्द गुप्ता, निवासी-सी/6के, ब्लाक टाबर, हरी नगर, नई दिल्ली। (सी/68 घंटा घर हरी नगर, नई फिल्ली) ै (अन्तरक)
- 2. श्री सुभाष चन्दर जीपड़ा, अशोक चौपड़ा, लक्षीत चौपड़ा, सुपुत्र गण श्री बनारसी लाल चौपड़ा, निवासी-नियर गत्रर्नमेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल धरौँदा, जिला-करनाल (हरियाणा)

(भन्तरिती)

**वी यह क्षमा भारी करके नृपानित कम्मीत्त के नर्पन के <u>वि</u>ष्** कार्यगाहिमां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सो 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 विन की मनधि, जो भी जनभि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति · व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी अहे पास लिफित में किए वा शकें में ।

स्पक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा है।

प्साट नं॰ सी/99, नादावी 200 वर्गगज, खसरा में॰ 539, अवाल नढ़, फतेह नगर, एरिया ग्राम तिहाड़, नई हिल्ली ।

> जी० एसग गोपास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्कण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली

बद्ध: बब, बक्त अधिमियन की पारा 269-क के अनुसरक (f) में , उक्त विभिनियम की भारा 269-थ की उपभाड़ा (f) के कथीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, जर्थात् 🛶

भोहर

तारीच: 8-1-1985

4--456GI/84

### प्रक्ष, बाह्री, टी. प्रव., प्रच., =====

# नायकाण जिथितियम, 1961- (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज नई विस्त्री नई विस्त्री, दिनांक 8 जनवरी 1985 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर-2/5-84/ 2126--- अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास खरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्य 25,000/-स से अधिक है

पौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रेक्सा खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण कर मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई, 1984।

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृस्य से कम के एक्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास कारने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके देश्यमान प्रतिफाल से, एसे द्व्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के बचीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व को अभी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या बस्य कारितयों को जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वन, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-म् क वहस्याः मं, मं, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-मः की स्पंधारा (1) के विभीतः, निम्नसिवितं स्मिक्त्यों स्वाति ३०० श्री विजेन्दर सिंह,
राकेश कुमार,
हन्दर सिंह,
राम कुमार,
सुपुत्रगण स्व० श्री कपतान सिंह,
मिवासी ग्राम छावला, विल्ली।

(अन्सरक)

2. मैं एक्सक्लुसिब प्रोपर्टीज प्रा० लि०, की-4/4, सफदरजंग इनकलेव, नई दिल्ली।

(अन्तिग्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सदिश या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील के 30 दिन को अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पृबोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निक्ति में किए हा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियत्र, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया क्या है।

#### वनस्य

कृषि भूमि तादादी 3 बिघे एम० नं० 9, किला नं०  $15_{1}2_{1}2(0-4)$ , एम० नं० 10, किला नं० 11/2(2-16), ग्राम रेवला, खानपुर, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🎋

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. =-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू, 3/एस० आर-2, 5-84/ 2125—अत. मुझे, जी० एस० गोपाल,

श्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रेवला, खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्र्ण अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

का पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तिरती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुएं किसी आय की याबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंतः अबः,, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण माँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नांतिस्ति व्यक्तियां, अर्थात् :--  श्री छोटू, सुपुत्र श्री सीस राम, नियासी-चावला, दिल्ली।

(अन्सरक)

 मै० एवरेस्ट फार्म हाउस प्रा० लि०, बी-4/4 सफदरजंग इन्कलेब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धं! व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्**ष्यी

कृषि भूमि तादादी 3 बिघे यौर 12 तिण्ये, एम० नं० 10, किला नं० 20/2 ग्राम, रेक्ला खानगुर, नई दिल्ली।

> जी० एम० गीनाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, (दल्ली/नई दिल्ली

नारीख: 8-1-1985

मोहर 🚜

### प्रकप बाई .टी.एभ.एस-≛-----

## मायकर् विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर-2/5-84/ 2072--यत: मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्व 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाधदा अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय,दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

करें पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्योग्य से उक्त अंतरण निवित में नास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुक्क किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी जिन्नी आय का किसी धन या अन्य झास्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ भी उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अभीत :---

श्रीमती बमो देवी,
 पत्नी श्री पोखर मल,
 निवासी बी-5/8 राणा प्रताप बाग,
 विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री मुरजीत सिंह, सुपुत श्री हरनाम सिंह, निवासी-एच० डी०/47, बिशाखा इन्कलेब, प्रीतम पुरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, शो भी अविध साथ में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिस्स बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिंस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गवा है।

#### सनसर्ची

कृषि भूमि तातादो, 2 किला, खसरा नं० 1873 (4-16) 1874 (4-16), ग्राम अलीपुर, दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 8-1-1985

मोहरः

#### प्ररूप बाइ : टी. एन . एस . ------

## बायकार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाहा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-3, नई बिल्ली

**मई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985** 

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस० आर-2/5-84/ 2071--अत मुझे, जी० एम० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ से अधिक है

धौर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीवर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों उन सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एोमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्नुसिवित उद्विष्ट से उस्त जन्तरण मिचित् में बाल्तिक क्ष से किया नहीं किया नवा है:—

- (क) अन्तरण संहर्ष िकसी आयं का बाबत, उन्नत नियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (थ) एनी किसी जाव या किसी धन था अध्य जास्तिन। अही, धिनकूँ आरतीय आवकर विधिनयम, 1922 (1922 स्त्र 11) या तक्त व्यक्तिनयम, या धन-कर व्यधिनयम, 1957 1957 का 27) के प्रतिवाधि अस्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, जिनाने में वृतिधा से ज़िएए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, क्रैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीत, जिम्मीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् .——

 श्रीमती कमलंश गोयल पत्नी श्री सुरेश चन्द गोयल, निवासी बी-5/8, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र श्री हरनामि सिंह, निवासी एस० डी०--47, विशाखा इनकलेव, प्रीतम पुरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पृत्रों क्त सपत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत् ६--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कार की तामील से 30 दिन की जब्दी , जो भी अवधि वास वें समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य वाक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थण्डीकरण.---इसमें प्रयुक्त सम्बं और पवां का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

## - बनुसुची

कृषि भूमि तादादी 2 किला खसरा नं 1781 (4-16) 1872 (4-16), ग्राम अलोपुर, दिल्ली।

> जी० एस० गोयस, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 8-1-198**5** 

माहर

प्रक्यः नार्दः, टी.; एन्.: एसः, -----

नायन अस्मिनियम,, 1961 (1961 क्षा 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीकण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस० आर०—2/5—84/ 2070—अत: मुझा, जी० एस० गोपाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्रोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्त सस्प्रित का उचित बाजार मृत्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे इद्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उब्बेर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है .---

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्स बिधिनियम के बधीन कर दोनें के बन्तिरक के वायित्व को कभी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए, और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्ही भागपीय आय-यार अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था था किया जाना बाहिए था, छिपाने सा ख्रांचभा के सिए।

कतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, गक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:——  श्रीमती कमलेश गोयल पत्नी श्री सुरेश चन्द गोयल, निवासी बी-5/8, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह सुपुत श्री हरनाम सिंह, निवासी एच० डी-47, विसाखा इनकलेव, श्रीतम पुरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकींगे।

स्पन्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगृत्वी

कृषि भूमि तावादी 1 किला खसरा नं० 1857  $(4\dot{-}16)$ , ग्राम अलीपुर, दिल्ली।

जी॰ एस॰ गोपास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्लो।

तारीख: 8-1-1985

## प्ररूप बार्ड. टी. १स. एत. -------

आयकर बेिंचिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

#### भार्यानय, सहायक जायकर आवृक्त (जिल्लीक्षक)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस-आर-2/5-84/ 2038--यतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भिम है तथा जो ग्राम अलीपुर दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसके जंगाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गाम्सिनक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एनी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती जवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपपारा (1) के अधीन, निम्नलि**सित व्यक्तियों, अर्थात** —

- 1. (1) किशन सिंह
  - (2) हेम सिंह
  - (3) जयमल सिंह
  - (4) धरमा
  - (5) मोहिन्दर सुपुत्रगण श्री शेर मिह, निवासी ग्राम अली पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री रमत कुमार बहल, श्री रमेश बहल, सुपुत्र श्री वौलत राम बहल, निवासी-सी-111 कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ग्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे के

स्पर्धाकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्सूची

कृषि भूमि तादादी 11 किये श्रीर 3 विश्वे, खसरा नं० 982 (1-11), 995(3-4), 994(3-4), 1013(3-4), ग्राम अलीपुर, दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली।

तारीख: 8-1-1985

मोहर: 🖔

प्रस्य त्रार्डा.टी.एन एस.------

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस आर-2/5/84/ 2013-अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहरण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 3/43-44, डी/एस है तथा जो तिलक नगर, नई बिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिलत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनिय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इध्यमान कें लिए अन्तरित की गह-कारण है कि यथा-मभ्रे विश्वास करने का यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य,, उसके इदयमान प्रति-फेल से, एसे रूक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं पाया गया 🕏 ः——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कभी करने या उससे वचने में महिशा के रिष्टु; बीडु/बा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी धन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए दा, छिपान में सुविधा से लिए;

वतः भव, उक्त निमित्यम की कारा 269-ग के नमुसरण में, में, उक्त निमित्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, नभीत् :--- श्री वनारसी लाल,
 निवासी जे-5/75, राजौरी गार्डन
 नई दिल्ली द्वारा
 जी० ए० जगदीश चन्दर,
 नरेश कुमार,
 श्रोम प्रकाश,
 राम प्रकाश,
 श्रीर अनूप इन्दर कुमार।

(अन्तरक)

 श्री केवल कृष्ण सुपुत्र श्री बनारमी लाल, निवासी 3/43-44, डी० एस०, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त विश्वीनवन, के ब्रुध्याय 20-के में प्रिभाविद्य हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।।

#### अमुसुची

सरकारी बना हुआ क्वाटर नं० 3/43-44, छी०/एस०, तिलक नगर, नई दिल्ली।

> जीं॰ एम॰ गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∳3, दिल्ली, दिल्ली ।

तारीख: 8-1-1985

## प्रकेत बाहै, टी. एत, एक,,------

नायकर मिपिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/3/एस० आर०-2/ 5-84/2061—श्रत मुझे, जी० एस० गोपाल

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिंघोला, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,उ विल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिकल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अरेर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए हे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाग की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री स्वर्ण कुमार चौधरी सुपुत श्री नत्था सिंह, निवासी सी-2/234, जनकपुरी, नई दिल्ली। श्री सन्तोष सिंह मुपुत श्री तारा सिंह, निवासी जे-11/81, राजोरी गार्डेन,

(ग्रन्सरक)

(2) श्री प्रमोद गुप्ता सुपुन्न श्री लख्मी चन्द, निवासी बी० क्यू०-24, शालीमार बाग, दिल्ली । स्थाई निवासी: 14/39, शक्ति नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ी भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी क पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उनस निभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्भ होगा था उस अभ्याय में दिया गया है ॥

#### **अनुस्घो**

कृषि भूमि तावादी 6 बीचे 8 बिख्वे, खसरा नं० 10/14 (4-16), 10/17 (1-12), ग्राम सिधोला, दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-व (1) के अभीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू० / 3/एस० श्रार०--2/ 5-84/2060---ग्रत. मुझे, जी० एस० गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिघौला, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णितहै ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उफ्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

\_\_(1) श्री कुलदीप सिंह गोम्बर सुपृत श्री ठाकर सिंह, श्री कृपाल सिंह चौधरी सुपृत श्री नत्था सिंह, निवासी बी० एल०-15, जेल रोड, ग्रानन्द विहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तुरक)

(2) श्रीमती कमलेश श्रग्नवाल पत्नी श्री ग्रोम प्रकाश ग्रग्नवाल, निवासी बी० क्यू-24, शालीमार बाग, दिल्ली। स्थाई निवासी बाच सदन, ब्राच स्ट्रीट, बम्बई।

(श्रन्तरिती)

की यह स्थान जारी करके प्वांचित सम्परित् के वर्धन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंने।

स्वध्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो सबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विजा पना है।

#### अन्सूची

कृषि भूमि तादादी 5 बीघे 18 विष्ये, खसरा नं 0/3 (2-14), 10/8/2 (3-4), ग्राम सिघोला, दिल्ली 1

जी० एस० गोपास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारी**ख**: 8-1-1985

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

#### कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एकपू०/3/एस० ग्रार०-2/5-84/2059—श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जा ग्राम सिघोली, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालयं, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पद्मा प्रतिफल है किया गया है ----

- (क) अन्तर्ण से हुई किशी शाव की वायतः, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियं। को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) भू अधीय, निम्नीविधित व्यक्तियों, वर्षात् ४--- (1) श्री कुलदीप सिंह गोम्बर सुपुत श्री ठाकर सिंह गोम्बर, श्रीर श्री कृपाल सिंह चौधरी सुपुत श्री नत्था सिंह, निवासी बी० एल०-15, श्रानन्द विहार, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

, . .

(2) श्री श्रोम प्रकाश अग्रवाल सुपुत्र श्री राज कुमार अग्रवाल, निवासी बी० क्यू-24, शालीमार बाग, दिल्ली। स्थायी निसामी ब्रांच सदन, क्रांच स्ट्रीट, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त बंपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 पिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां ध्व सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओर उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नन्त्रभी

कृषि भूमि ताबादी 4 बीघे 8 बिक्वे, खासरा नं 10/7 (4∸8), ग्राम सिंघोली, दिल्ली ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

17

प्ररूपः आर्थः टी. एन. एस. - - - -

जायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपित स्वता

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० भ्रार•-2/ 5-84/2058--भ्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- इस के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रौरल्जसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिघोला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीफर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई. 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीसिक उद्योदय से उक्त अन्तरक. निस्तिस में बास्तविक स्थ से अधिक नहीं किया गया है ध---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) कं अथीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री निर्मल सिंह गोम्बर सुपुत श्री ठाकर सिंह गोम्बर, निवासी एच० एल०--15, ब्लाक सी, जेल रोड, ग्रानन्द विहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रनिल कुमार अग्रवाल सुपुत श्री श्रोम प्रकाश श्रग्रवाल, निवासी बी० क्यू – 24, गालीमार बाग, दिल्ली। स्थाई पता बी – 3, श्रतुर पार्क, एस० टी० रोड, चेम्बुर, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

#### वरसंची

े कुषि भूमि तादादी 6 बीघे और 1 बिश्वा, खसरा नं 10/23 /2 (1-5), 10/24 (4-16), ग्राम सिंघोला, दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीचं : 8-1-1985

प्ररूप काइ<sup>र</sup>. टी. एव., एत<sub>े व</sub>------

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के नधीन क्चना

#### भारती स्टब्स्

## कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निड्रीक्सण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 19.85

निदेश स० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/ एस० ग्रार०-2/ 5-84/2057--श्रन: मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- एउ. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिथोला, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबच श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्देश्य से उचत बन्तरण कि बिद से बास्तरिक क्षेत्र से किया नहीं किया नया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोन के अन्तरफ के बायित्व में कभी करने मा उत्तरे वचने में सुन्धा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी थय वा बन्त आस्तिवाँ को, जिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अत: अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रुपिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री स्वर्ण कुमार चौधरी सुपुत्र श्री मत्था सिंह, निवासी-सी-2/234 जनकपुरी, नई दिल्ली। श्री सन्तोष सिंह सुपुत श्री तारा चन्द, निवासी जे-11/81, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह गुप्ता सुपुत्र श्री केवल कृष्ण श्रग्रवाल, निवासी बी० क्यू०-24, शालीमार बाग, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के सिध् कर्वनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस बूचना के राज्यन में प्रकाशन की रार्शित से 45 दिश की जनभि या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर स्चना की तालील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि शहर में बनाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के बात सिवित में किए वा सकोंचे।

रुवकीकारण्ड—स्तामें प्रयुक्त वस्यों और पर्यों का, वो जवक विविश्विका के वस्थाव 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष क्षेत्रा को उस अध्याद में विवा स्था हैं क्ष

#### नन्सूची

कृषि भूमि तावादी 1 बीधा 19 बिश्वे, खसरा नं० 10/18 2 (1-19), ग्राम सिंघोला, विल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-1-1985

प्रकृष काई. टी. एन ् एस.----

नायकार नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

, नई दिल्लो, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सो०/एक्यू०/3/एस० म्रार०-3/ 5-84/2056--म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीरह्जसको स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिघोला, दिल्ली मं स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ला में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाषा नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, स्थिमने में स्विधा वे सिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्थात् क्र--- (1) श्री स्वर्ण कुमार चौधरी सुपुत्त श्रा नत्या सिंह, के निवासां-2/234, जनकपुरी, नई दिल्ला। श्री सन्तोष सिंह भोबेराय सुपुत्र श्री तारा सिंह, निवासो जे-11/81, राजोरो गार्डेन, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रं: विनोद कुमार ग्रग्नवाल सुपुत श्री लखमी चन्द, निवासी बी० क्यू०--24, शालीमार बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के यास् सिसित में किए जा सकोंग।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बंही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 जो घे 4 बिश्वे, खसरा नं० 10/17 (3-4) ग्राम सिंघोला, दिल्ली ।

जी० एस० गोपास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8~1~1985

प्ररूप आई. दी. एन एस.-----

माध कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) - क्री भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवर। 1985

निदेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-2/5-84/2055--श्रतः मुझे, जा० एस० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मिघोला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप में विणित

स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूच। मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारां के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) क श्रधोन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोक्त सम्पत्ति का अच्य बाजार मूक्य, उसके क्यथमान प्रतिफल से, एसं क्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अतरण के सिए तय पायण प्या प्राप्तका, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बतरण निम्बित में बास्तांबक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) विदारण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिए, क्यों क्या.
- (प) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया बया था या किया बाना जाहिए था छिपाने के स्विधा असे लिए,

अतः। शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रा कृपाल सिह सुपुत श्री नत्था सिह, श्री कुलदीप सिह सुपुत श्री ठाकर सिह, निवासी बा० एल०-15, जेल रोड, ग्रानन्द विहार, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्रोम प्रकाश स्रग्नवाल सुपुत श्री राजकुमार भ्रग्नवाल, निवासी बी० वयू०-24, शार्लामार वाग दिल्ली, स्थायी निवासी ब्राच सदन, ब्राच स्ट्रंग्ट, वस्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर जिल्ला में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीता उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पान निश्चित में किस सा सकेंद्रे हैं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त किं। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## and di

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे और 1 बिश्वा, खसरा न o 10/6~(21-1), ग्राम सिघोला, दिल्लो ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकार। सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रृर्जन रेज--3, नई दिल्लं,

ताराख . 8—1—1985 मो**ह्र**ध

## प्रकल बाहै. टी, एन हे एस .-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० त्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/ 5-84/2095--- प्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाबार मुस्व 25,000/-छ। से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुझेला, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबक अनुसूर्च। में भौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख मई, 1984

को पूर्वीस सस्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान भौतफल के लिए जन्तरित की गई है बौर मुर्फे यह विस्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी अाम की बाबत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उत्तरते वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी साम या किसी थन वा जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

बतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिक्त स्थितित्यों, नथित : न्या (1) श्री हरो सिंह सुपुन श्री राम मेहर, निवामो मकान नं० 95, हुमायूं पुर, दिल्ली-29 । \*

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रो नारायण बनर्जी
2. श्रनुपम बमर्जी (माइनर)
सुपुत श्रो जनार्देन बनर्जी,
निवासो 9-ए,
हुमायूंपुर,
नई दिल्ली-29 ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

अन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जबिभ, को भी जबिभ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **प्रनुसूची**

हुषि भूमि तादादी 23 बीधे और 6 बिषवे, रेकटेन्गल नं० 29, खसरा नं० 11/2 (3-5), 12/2 (3-16), 19 (4-16), 20 (4-16), 22(4-16), 28 (0-02), किला /रेक्टेंगल नं० 28 16/1(1-15), ग्राम मुन्डेला,खुर्द, तहसील दिल्लो।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) . भ्रजन रेंज-3, दिल्लो/नई दिल्लो

तारोख : 8-1-1985

प्ररूप आईं,टी.एन.एस. ------

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

🕳 👉 नई दिल्लाः, दिनोतः 😮 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० /3/एस० श्रार०-3-8 4/2039---श्रतः मुझे, जंर० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड प्रमुख्यः में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत. है), र्राजस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में र्राजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख गई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचिते बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का जिवत बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तेह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलियत उद्देष्य में उवत अन्तरण कि बिन्त पो वास्तिकत भी से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्षमने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आणकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---6-456 G1/84

- (1) 1. श्री किणन सिंह
  - 2. श्री हेम सिंह
  - अः जयमल सिंह
  - ा. श्री धरमा
  - श्री महिन्दर सिंह सुपुत्र
     श्री गेरसिंह सभी निवासी:
     ग्राम श्रलीपुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राकेश श्रार० भाह सुपुत श्री रमेश एच० शाह, श्रीमती शर्रमठा शाह पत्नी श्री रमेशर एच० शाह, निवासी 1115-ए, विछामल बिल्डिंग दूसरा मंजिल, कमला नगर, दिल्लो।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहि भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अधं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

कृषि भूमि तादाद 12 बीघे 4 बिश्वे, खसरानं० 982 (1-11), 1014 (0-17), खातानं० 137 ग्राम-भ्रालीपुर, दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निलीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,दिल्ली/नई दिल्ली

नारीख : 8-1-1985

अस्म ७ ई ही असे. अ ------

शासकार अधिनियम, 1961 (1961 জা 43) কী পাব। 269-খ (1) को सभीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-3, नई दिल्ल।

नई दिल्लो, दिनाक ८ जनवरा 1985 निदेण स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० / 3/एस० ग्रार०-2/ 5-84/2037--श्रत मझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमः इसके परवात 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज. से अधिक है

श्रीर जिसकी में व कृषि भूमि है तथा जो ग्राम ग्रालीपुर , दिल्ल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री हर्ता ग्रिंधकारी के कार्यालय, दिल्लों में रिज-स्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिक्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित काजत मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिर्या) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रीम फल, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अतरण लिखित में वास्त-विक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उसमें क्याने में भूकिए के लिए और/बा
- (स) एसी विजय आग या किसी धन या अन्य आस्तियों जां। जिन्हा भारतीय अपकार जिल्हा भारतीय अपकार जिल्हा सियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्यांजनार्थ अन्यांजनार्थ अन्यांजनारथ अन्यांजन अन्यांजनारथ अन्यांजनारथ अन्यांजनारथ अन्यांजनारथ अन्यांजनारथ अन्यांजनारथ अन्यांजनारथ अन्यांजनारथ अन्यांजन अन्या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण श्रं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दो अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों अर्थात :---

- 1. था हरपाल मिह
  - 2. श्री कश्मीरी लाल
  - 3. थी राजपाल सिह
  - श्री रणधीर सिंह सुपृत्रगण श्री करीस सिंह, स्वासा ग्राम ग्रामीपुर , दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राकेण श्रार० शाह सुपुत श्री रमेश एच० शाह, श्रीमतो शर्मिथा शाह, पत्नो श्री रमेश एच० शाह, निवामी 115-ए, मीछामल विल्डिंग, दूसरी मजिल, कमला नगर, दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सृक्षना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्मा की तामीस से 30 दिन की स्वधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भया है।

#### वस्त्रची

कृषि भूमि तादादो 12 बोधे 4 विश्वे, समरा नं० 992 (3-4), 993 (3-4) 1015 (2-7), 1023(3-9) ग्राम ग्रसापूर, दिल्ले ।

जॉ० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

मारोख : 8-1-1985 मोहर

## प्ररूप आहे. टी. एन. एस.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश स० प्राई० ए० मी० /एवयू०/3/एस० प्राप्त०-2/ 5-84/2040-- प्रतः भझे, जाः० एस० मोपाल आयकर अधिक्यिम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका डाँ मत बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जियक। स० भूमि है तथा जो ग्राम थल पूर, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रजिस्दोकर्ता भाधकार) के कार्यालय, दिल्ल। मे रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधोन, तार ख मई. 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्कानत सम्पति का उचित बाजार मान्य, उसके द्रम्यमान प्रतिफल सी, एसे द्रम्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिकात में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्त-रिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नीलिक्स उद्देश्य में उत्तर अन्तरण निश्चित में पास्तविक रूप से यथिय नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरम से हुए किसी जान की बाबता, जकत मधितियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के यायित्व में कमी करने या इससे रचने में स्विधा ाः निमाः सन्द /गः
- (ख) एसे किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्त्रियाँ का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर भ्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दणरा प्रकट नहीं किया गया था या विध्या जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

वतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन, निम्मतिशित व्यक्तियों , न्याह्य १---

- (1) 1. श्राविभन मिह
  - 2. श्राहम सिह
  - 3 श्र. ज्यमल यह
  - 4. श्रीधरमा
  - 5 श्रा महिन्दर भुप्तनगण था गेर सिह, पर्वः निवास। ग्राम ग्रज्भपुर, दिल्लं । ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्राध्यशीक नागपाल सुप्त था बलायनः यस और श्रोमतः प्रेम कुमार्गः एनः श्रा बलायतः राम, निवासः 3520, छडान्ः मजन, ू निकलस्र मोरी गेट, दिल्ली।

(ग्रन्त(रनी)

का यह सूचना जार। करके एजा एक सम्मान के अर्जन के लिए अर्थाहिया सम्बक्तरता हु । .

उक्त सम्पत्ति के अर्जन ए अस्वर्य मा कोर्ड भी आक्षेप :---

- (ल) इस स्चना के राज्या स प्रकाशन की तारीस **से** 45 विन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुबना को तम्मील ग 30 विन की अवधि, जो भी अविभि ताद र अस्पन अनी हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ प म भेडमी व्यक्ति दवारा:
- (श) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि ।दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी : पास लिखित में किए जा गर्वा ।

स्पष्टीकरण .--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिक्यिम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

भूमि तादादी ह बोपे खगरा न० 982(1-11), 995 (1-12), 1014(1-3), 1013(1-12), 994(1-12), खाता न० 137, ग्राम भ्रालीपुर, दिल्ला राज्य, दिल्ली।

> जोठ एस० भोषाल सक्षम प्राधिकारी यहाय । जायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्राजेन रेज-3, नई दिल्ली

नारीख 8-1-1985 मोहर :

## प्रकृप आई, टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेण सं० श्राई० ए० सी॰० | एक्यू०|3|एस० श्रार०-2| 5-84|2035--- स्रतः मुझे, जी॰० एस० गोपाल एसकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे हसर्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ख्रिसका उचित बाजर मृल्य 25,000/- उ. से अधिक है

भीर जिसकी मं० भूमि है तथा जो ग्राम भ्रलीपुर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, दिल्ली में राजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारोख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास भरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त क्योंनि का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफन के, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पण्ट्रह प्रतिशत से यधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक, विम्मासिक्स हहेश्य से उपत अन्तरण निकित के बाध्विक अप से माबित मही

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की वावस, उन्सत्त अधिनियम के अधीन कर देने को, अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्थिधा के तिए; बार/या
- (ज) एसं किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1942 का (1) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या
- नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1), 1. श्री हरपाल सिह
  - 2. श्रीकशमीरी लाल
  - श्री राजवाल लिह
  - श्री रणधीर सिह सुपुत्रगण
     श्री करन सिह सभी निवासी
     ग्राम श्रनीपुर, दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्री श्रशंक नागपाल मुपुत श्री वलायतो राम श्रीर श्रीमतो श्रेम बुमारा पत्नी श्री वलायती राम, निवामो 3520, मोरोगेट, दिल्लो ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र यें प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

#### जन संची

भूमि तादादी 6 वीघे और 15 विस्वे, खसरा नं० 992-(1-12), 993 (1-12), 1023 (2-4), 1012(1-7), ग्राम भ्रमीपुर दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

माहर :

## प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊸3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश मं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०-3/
3-84/1983—ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-स के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि तथा जो ग्राम बुधपुर, बीजापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) के बीच एसे प्रन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि निम्नलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि निम्नलिखत अच्चेष्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्कृष्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा, के लिए।

का पत्र अस्त आधानमण की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री देवराज सुपुत्र श्री शेरसिंह
  - 2. श्री महताव सिंह मुपुत्र श्री महाबीर सिंह
  - 3. श्री जयपाल सिंह
  - 4. श्री राजसिंह
  - श्री जसवन्त सिंह सुपुत्रगण श्री सीसरामः
  - 6. श्रीतेज सिंह
  - 7. श्री धरम सिंह
  - 8. श्री राजन सिंह एनियास राजेन्द्र सिंह
  - श्री मुरेन्द्र सिंह सुपुत्रगण श्री बलदेव सिंह
  - 10. श्री जसबीर सिह
  - श्री मजमन्दर सिंह सुपुत्रगण श्री जय देव, सभी निवासी ग्राम नांगली पूना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० जैन फैमिली ट्रस्ट, डी-18, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली डारा ट्रस्टी : श्रीपी० एच० गाह मुपुत श्री हस्तीमल गाक, निवासी डी-18, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में की इंभी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

 स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>रू</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

भिम तादादी 4 बीघे 16 त्रिक्वे, खसरा नं० 266 284, 285, 286, 287 श्रीर 306, ग्राम बुधपुर बीजापुर, दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

## प्रकार कार्यः सी एनः एसः----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन नृपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज—3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवर। 1985 निदेश मं० आई० ए० मो०√एयू० /3/एम० आर०-3/ 5-84/1982—अतः मुझे, जी० एम० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अवस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुधपुल बोजापुर

श्रीर जिसकी में कृषि भूमि है तथा जो श्रीम बृधपुल बाजपुर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्लीम राजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख मर्थ, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्वत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय शाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्घेषय से उथा अगारा निम्नलिखित उद्घेषय से उथा स्वाप्त हैं

- (क) अंतरण स हुई किसी आम की आवत, उक्त अवमायत के कि स्राप्त के अन्तरक के शामिक भौकारी करते । उससे वससे यो स्विधा के निधः बीर/मा
- (क) एसी किसी आव या किसी भन दा अन्य अशिन्तथं की जिन्हों भारतीय जायकार जीधिनियम, 10?... (1922 का 11) या उक्त जांधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को परोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्यरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. थी देवराज सूप्त श्रा शेरीसह
  - 2. श्रो महताव सिंह सुपन्न श्रो महाबीर सिंह
  - 3. श्री जयपाल मिह
  - 4. श्रीराजसिंह
  - आ जमकान गिह् सुपुत्रगण श्री सोसराम
  - 6. श्रीतेज सिंह
  - 8. श्रो राजन सिंह एलीयास राजेन्द्र सिह
  - 9. श्राभ्रेन्द्र सिह स्पृत्र श्राबलदेव सिंह
  - 10. श्रो जसबीर सिंह
  - श्री जसमन्दर सिंह सुपुत्रगण श्री जय देव सभी निवासी ग्राम नागली प्रना, दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) मैं ० जैन फैमिली ट्रस्ट, डा-18, ग्रोन पार्क. नई दिल्लो, हारा ट्रस्टी श्री पीं ० एच० शाह सुपुत श्री हस्तीमल शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहिया 'हारता हों ।

- कि सम्पन्ति को कर्जन क सम्बन्ध मी बता**र्ड भी जाक्षेप:**---------
  - (क) इस सचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से ते किन की निर्माण पर पर पर की निर्माण की निर्माण पर सूचना की निर्माण से 30 दिन की अवधि, को भी किन के निर्माण की निर्माण की निर्माण स्थानिस व्यक्ति हैं। में शिवर पूर्वानस व्यक्तिसों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकालन की तारींच थे 45 तिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित्ववृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त नियम है अही पर्य होता तो उस प्रध्याय में दिया नवाह ।

### *पन्*म्ची

भिम तादादी 4 बीघे और 16 विश्वे, खमरा नं० 266, 284, 285, 286, 287 और 306, ग्राम बुधपुर बीजापुर, दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी पहायक आयक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाइ ुटी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

## श्वारत् बुरकाड

## कार्यानय, सहायक बायकर बायकत (निराधका)

ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरो 1985
निदेश स० ग्राई० ए० सा०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०-3/
5-84/1981—-ग्रत मुझे, जी० एस० गोपाल
गायकर अधिक्यम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन ,सक्षम प्राधिकारी कां, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य
25,000/- रठ. से अधिक हैं
गौर जिसको स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम वृधपुर-बोजापुर, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकिरी के कार्यालय, दिल्ली में—रिजस्ट्रीकर्ण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम प्रिंसफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे य विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत में, एस दृश्यमान प्रफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अंतरितियों) के बीच एस अतरण के लिए तम पा प्रतिकृत किस निम्मतिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित वास्तिवक क्य में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्ट विधिनियम कं अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के निए: और/या
- (क) एंसी किसी अाथ या फिसी धन या अन्य आस्तिबों को जिन्हों भारतीय लाय-चन ति ज्या 1929 (1922 जा 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकृत नदी किया के स्थापन के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन रिक्टिंग व्यक्तियों, अर्थात् क्रिं

- (1) 1 श्री देवराज सुपुत श्री शेरीसह
  - 2 श्री महताव मिह सुपुत श्री महाबीर सिंह
  - 3 श्रो जयपान मिह
  - 4 श्री राज मिह
  - 5. था जपवन्त सिह मुपुत्र श्रो सीसराम
  - 6 श्री नेज मिह
  - 7 श्रीधरम सिह
  - 8 श्री राजन मिह एलीयास श्रा राजेन्द्र सिह
  - 9 श्रो सुरेन्द्र, सिंह सुपुत श्रो वलदेव सिंह
  - 10 श्रीजपवरमिह
  - 11 श्री जसमन्दर सिहं सुपुत श्री जय देव सभी निवासी ग्राम नागली पूर्ता, दिल्ली।

(अन्तरक) `

(2) मैं ० जैन फैंमिली ट्रस्ट, डो-18, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली द्वारा ट्रस्टी: श्रीपा० एच० शाह सुपुत श्रीहस्तीमल शाह, निवासी: डो-18, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त सक्यत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: ---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वा की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भी
  अर्जाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए इस्स्केंग ।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### बर्स्ची

भूमि तादादो 4 बीघा स्रोर 16 बिश्वा, खसरा नं० 266 284, 285, 286, 287 श्रीर 306, ग्राम बुधपुर-बाजापुर, दिल्ली।

जो० एम० गोपाल • सक्षम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रंज-3, नई दिल्ला

नारोख . 8-1-1985

## प्रक्ष् बाइ. टी., एन. एवं.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमृता

## भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेण सं० ग्राह० ए० सीः0/0नथू0/3/0स०-ग्रार०-2/0

5-84/2113--श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुधपुर बीजापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रिजस्ट्रीकर्ण ग्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, ऐसे रायमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिकां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उच्च पाया गया प्रतिफल निम्नलिशत उच्च रेय से उसत अन्तरण लिए त्या पाया गया प्रतिफल निम्नलिशत उच्च रेय से उसत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक से बुद्ध किया बाब की बाबत, उक्त प्रक्रिमियम के उन्नीत कर देने के झस्तरक के बाबित्व को कभी करने वा उससे वजने को सुविधा के बिए; बॉर/बा
- पेसी किसी लाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ क्रें जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः जय, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्यिक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धरम सिंह सुपुत श्री बलदेव तथा श्रन्य, निवासी ग्राम बुधपुरा-बीजापुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० जैन फैमिली ट्रस्ट, •
द्वारा ट्रस्टी श्री पीं० एव० माह
सुपुत्र श्री हस्ती मल माह,
निवासी डी-13,
ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकते।

स्पन्दीका निर्मा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याभ में दिया गया है।

#### वयस भी

प्रापर्टी कृषि भूमि तादादो—5 बीघे श्रौर 19 बिख्वे, खसरा नं० 266, 284, 285, 286, 287 श्रौर 306, - ग्राम बुधपुर—बीजापुर, दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल मक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख . 8-1-1985

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश मं श्राई० ए० सी०/एक्य०/3/एस०-श्रार०-2/ 5-84/2112--श्रतः मृझे, जी० एस० गोपाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम ब्धपुर बीजापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनमुर्च) मे ग्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, दिल्ली में र्राजस्ट्रोकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तिपितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त बन्तरण लिखित भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनाथ कारिती बनार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा मो सिए:

अतः अव, उक्त जिनियम की धारा 269-ग को जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की प्रधारा (1) वह अधीन, निम्नलिखित ज्यवितयों, अर्थात :---7-456 GI/84

(1) श्रीधरम सिह सप्त श्री बलदेव सिंह तथा श्रन्य, निवासा बधपुर-बोजापुर. दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० जैन फैमिला ट्रस्ट, \* हारा दुस्टी · श्रो पी० एच० शाह सुपूत श्री हस्ती मल गाह. निवासी डी-18, ग्रीन पार्क नई दिल्ली।

(अन्तिरती)

को सप्त समना अरी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन की कायवाहियां शरू करता है 🗀 📒

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाय मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाग;
- (स) इस स्वना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिरा गया है।

#### नन्सची

कृषि भूमि नादादो । बोधे और 16 बिश्वे, खमरा नं० 266, 284, 285, 286, 287 और 306 ग्राम व्धपूर-बोजापूर, दिल्ली।

> जीव एसव गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निर्धिण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

ता**रीख** : 8-2-1985

## प्रस्प आईं.टी.एन.एस.-----

क्षासफर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर ज्ञायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस०/ग्रार०-2 5-84/2118—ग्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्स, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नांगली पूना, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्णित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया गया है:—

- (क) अंतरण से हर्इ किसी आय की बाबत,, उक्त किमिनयम के अधीन भर केने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भरें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने हों स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिय व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री देवराज सुपुत्र श्री शेर सिंह,
 श्री महताब सिंह,
 श्री वरिन्दर सिंह सुपुत्र श्री महाबीर सिंह,
 निवासी ग्राम नांगली पूना, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्राप्तम वल्लभ जैन स्मारक निधि, 2/88, रूप नगर दिल्लो–7, द्वारा सचिव, श्री राज कुमार जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पृत्रोंक्त मुस्पत्ति के वर्षम के सिक् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होगा जो उसर अध्याय में दिया भूग हैं।

#### **ग्**ग्लुची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे श्रीर 8 बिश्वे, वेक्टें० नं० 13, किला नं० 10, ग्राम नांगली पूना, दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी यहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख : 8-1~1985

## प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. -----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के कथीन ल्याना

## भारत सरकार

## कार्यासय, बहायक नायकर अध्यक्त (निरोक्तक)

ग्रजीन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985 निदेश स० ग्राई० ए० मी०/एनयू०/3/एस०-ग्रार०-2/ 5-84/2117-- ग्रत मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नागली पूना, दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ना ग्राधकारी के कार्यालय, दिल्लो मे र्राजस्ट्री-करण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख़ मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एोसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण वं हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, जिपाने में सिवध के लिए:

जतात जब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की जनसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री देवराज सुपुत्र श्री शेर सिंह , श्री महताब सिंह, श्री वरिन्दर सिंह, सुपुत्तगण श्री महाबीर सिंह, निवासो-ग्राम नागली पूना, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रातम वल्लभ जैन स्मारक शिक्षा निधि, 2/88, रूप नगर, दिल्ली-7 द्वारा सचिवश्री राज कुमार जैन ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिल में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे श्रीर 8 विश्वे, रेक्टे० न० 13, किला न० 11, ग्राम नागली पूना, दिल्ली-36।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-1-1985 मोहर

## प्ररूप बाइ .टी. एत. एस. -----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

## भारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अनयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० श्चाई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/ 5-84/2116-श्चर्तः मुझे, जी० एस० गोपाल

आयकर अभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्शास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नांगली पूना, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण छप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, तारीख मई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया एया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनिय्म के अधीन कर द्वार के न्यार न दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मोंं, तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, जिल्लिमिन पिक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो देवराज सुपुत श्री ग्रेर सिह. 'श्रो महसाब सिह, श्री वरिन्दर सिह सुपुत्रगण श्री महाबीर सिह, निवासी ग्राम नांगली पुना, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रातम वस्लभ जैन स्मारक शिक्षा निधि, 2/88, रूप नगर, विल्ली-7 द्वारा पविव श्री राज कुमार जैन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी बरके पूर्वे क्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

, उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 2 बोघे ग्रीर 8 विण्वे, रेक्ट० नं० 13, किलानं० 11, ग्राम नांगली पूना, दिल्ली।

> ं जो० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-1-1985

मोहर 🤈

## प्रस्त नाइं, टी. एन. एत. ----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश म० श्राई० ए० सा०/एवयू०/3/एस०-श्रार०-2/5-84/2115—श्रत. मुझे, जो० एस० गोपाल कामकर अधिनियम, 1961 (1961 \*7 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नागली पूना, दिल्ली 36 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकतो श्रीधरारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधितियम, 1908 (1098 का 16) के ग्राधीन, तारीख मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गर्इ अरि म्भे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वाचित सप्रित का उत्चित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्म्नालिसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आयकी बाबतः, उक्ष्य अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बार/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अप्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था ख्रियान में स्विधा के जिए;

भत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ब., तै, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की सपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री देवराज सुपुत
 श्री गोर सिह,
 श्री-महताब सिंह,
 श्री वरिन्दर सिंह सुपुत
 श्री महाबीर सिंह,
 निवासी ग्राम नागली पूना,
 दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्राप्तमं विल्लभ जैन जैन स्मारक शिक्षा निधि, 2/88, रूप नगर, दिल्लो-7 द्वारा मचिव श्री राजकुमार जैन।

(अन्तरितीः)

को यह स्चना जारी करके प्रविक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्स सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्याय.
- (स) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन को नारीस म 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किभी अन्य व्यक्ति १५०२ प्रधाहस्ताक्षरी के पास निषित में किए का सकोंगे।

म्यव्यक्तिकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

## भनुसूची

भूमि तादावी 2 बीचे श्रौर 8 बिख्वे, कृषि भूमि रेक्ट० नं० 13, किला न० 10, ग्राम नागली पूना, दिल्ली-36

> जीं एस गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-1-1985

## प्रकथ बार्च, टी. ध्व. एस.-----

बायकर बीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्थान

#### माउव चरकात

## कार्याक्य, सहायक नायुकर जागुनत (निर्देश्क्)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० /3/एस०-धार०-2/ 7-84/2456-धतः मुझे, जो० एस० गोपाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 51/26 है तथा जो पंजाबी वाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उल्ल बिध-नियम की अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सविधा के लिए;

धत', अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनगरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

l,

(1) श्री किशोरी लाल सुपुत श्री रघुनाथ प्रसम्ब, निवासी 9~डो, कमला नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० हाल मार्क टेक्सटाइल लि० कं०, बी-127, नारायणा विहार, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्रीमती ग्रामिता थापर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्तिकत संपत्ति के बर्चन क निर् कायवाहिया अरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राष्प्रक में प्रकाशन की तारी का सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विवसयों में कियी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्शे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेंग जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## अनुसुची

प्लाट नं० 26, रोड नं० 51, तादादी 533.33 वर्ग गज, पंजाबी बाग, ग्राम भादीपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 10--1--198**5** 

भोहर:

प्ररूप आइ<sup>\*</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज—3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरो 1985 निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/एम० श्रार०3/ 5-84/698—श्रतः मुझे, जो०एम० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ♣3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० जें 5-ए/ बी है स्था जो ग्रोन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ना श्रिकारों के कार्यालय, दिल्ली में राजिस्ट्री-करण श्रीर्धानयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एके अस्तरण के नित्र तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक एप स कथित नहीं किए। गया वे ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी साय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

अत. अब, उकत अधिनियम, का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उतत अधिनियम की भाग 269-घ की उण्धाग (1) के अधीन, निम्मलिंग्लिय व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रो श्रविमाण बिन्दल मुपुत श्रो जे ० पी० बिन्दल, नियामी एफ-59, ग्रोन पार्क, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञानेन्द्र मीहन सक्सेना सुपुत्त स्व० के० एत० सक्सेना, श्रीमती उपा सक्सेना पत्नी श्री ज्ञानेन्द्र मीहन सक्सेना, निवासी जे-5-ए, ग्रान पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशोंक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्स्ची

प्रापर्टी नं० फ्लैट नं० 'वी' ग्राउन्ड क्लोर, तादादी 1150 वर्ग फीट, प्रा०नं० जे—5-ए, ग्रीन पार्क, एक्सटेनगन, नई दिल्ली।

> जी ० एस १ गोपाल रक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

वारीक : 8-1-1985

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एत्रगू०/3/ एस०-श्रार०~3/ 5-84/642—श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके परकास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 80/4-ए है तथा जो मालविया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रंकितों अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरति (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्तित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुइ किसी बाब की बाबत, अकत विभिनियम के मधीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कभी करने या उसमे बच्चों में मुविधा के लिए; वरि/बा
- (क) ऐसी किसी हाथ या किसी धन या अन्य व्यक्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, अपनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती इंपारा प्रकट गही, किया गया था ना किया भाना वाहिए था खिलाने यो स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीत. निम्निलिकत स्योक्तियों, अधीतः—

(1) श्री मृलकराज सुपृत श्री ठाकुर दास, निवासी 80/4-ए, मालवीया नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेण कुमार मचदेवा मुपुत्र श्री करतार चन्द सचदेवा, निवासी सो-22, बोठ केठ दच कालोनी, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्णा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षा के लिए कार्यवाहिया करता हुर्हे।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान को राजपन में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अविच या तत्सम्बन्धी अधिकतयों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कि मी स्वाप्त दिना द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित ने किए जा सकेंगे।

स्यख्यीकरण: ----इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हाग्या त उस अध्याय में दिया गवा है, ह

## वन्स्की

प्रा० नं०  $80/\sqrt{-4}$ , मालवीया नगर, नई दिल्ली. नादादी 105.5 वर्ग गज 1

जार एपर गोपाल सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज~3, नई दिल्ली

नारीख : 8-1-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन सल्ला

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/3/एस०-आर०-3/5-84/672-अत मुझे, जी० एस० गोपाल जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/- रा. से ज्यिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी-1/16 है तथा जो मालवीया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वेवत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्याम करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पित का उचित बाजार मृस्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिए (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तिक स्प"से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी काय की वाबत, उनका अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व जंक्षी अपने वा पश्चमें अधने जे सुविधा के लिए: गीठ रिश
- त्र) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्नरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलियिन व्यक्तियों, अर्थातः :---8---456 G1/84 (1) श्री इन्दर सिंह मुन्जाल
 (कर्ता) एच० यू० एफ०,
 निवासी वी-1/16,
 मालवीया नगर,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री मुरारी लाल कक्षीया, निवासी 16-बी/17, श्रीरिजनलं रोड, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

भा मा स्थान करके वृत्रांक्त सम्वित्त के ज्वान के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्यम्बर्धी ज्याकितयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे बत ज्याकितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखात में किए जा नकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## नगृस्ची

प्रा० न० वी--1/16, मालवीया नगर, दिल्लो नई, सरकारी सरकारी बना हुग्रा मकान ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम श्रिधिकारी सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-3, नई दिल्लो

तारीख : 8-1-1985

## प्रक्ष्यः, नाइं. टी. एन. एतं. -----

# भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/3/एस० ग्रार०-3/ 5-84/676--श्रत: मुझे, जी०एस० गोपाल

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2558 (श्रोल्ड) 2580 (न्यू) वार्ड नं० 16, है तथा जो करील बाग में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्ते अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य मों कमी करने या उससे बच्चने मी सुविधा के लिए; बारि/धर
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जारा नाहिए रा ियान में स्विधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-स को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निमनिविस्त व्यक्तिनयों, अर्थात् .---

(1) श्री नरिन्दर राज श्रीर श्री वास देव, निवासी 5658, निकलसन रोड, श्रम्बाला कैन्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बृज मोहन अरोड़ा श्रौर श्रीमती प्रभा श्ररोड़ा, श्रौर मास्टर विमल श्ररोड़ा । निवासी 17-ए, श्रार्या कुमार रोड, रणजीत नगर, पटना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसूची:

प्रा० नं० 2558 श्रीर 2580 (न्यू) विद्यनपुरा, वार्ड नं० 16, करौल वाग, नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, नई दिल्ली

तारीख : 8-1-1985

## प्रकम बाह्र . टी. एन . एम . -----

# नायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के नधीन भूषमा

भारत भुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-3/ 5-84/679--श्रतः मुक्षे, जो० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम 1,961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हर. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं शाप नं 96 है तथा जो भगन सिंह मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज्ज श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भग्नरितियों) के बीत ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भग्नरण लिखित में बास्तबिक क्य में किचा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आहेर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधि यम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधि सम, या धन-कर विभिन्नम, या धन-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकटे नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री शाम लाल खण्डपुर सुपुत श्री एच० एस० खण्डपुरा, निवासी 76, भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रांश्यनी कुमार बेरी सुपुत श्री पी० एन० बेरी, निवासी 65/8, रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकता।

स्थाकटीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में. परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सरकारी बना हुन्ना गाप नं० 96, भगत सिंह मार्केंट नई दिल्ली, ताचादी 385 वर्ग फोट, श्रिधभार 2/3 भाग एफo/एफo एफo।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख: 8-1-1985

मोहर ा

## प्रकप् मार्च. दौ. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत दरकार

ग्धायालिय, सहायक आयकर आयवस (निरीक्षण)

• ग्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-3/ 5-84/683--श्रत मुझे, जी० एस० गोपाल

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के श्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 15/84 है तथा जो श्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के अवित काषार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं आर मूमं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिणों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य स उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री देवेन्दर कुमार, निवासी 15/84, ग्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० एवन कन्सल्टेंट प्रा० लि०, द्वारा डायरेक्टर: श्री संदीप चाँधरी, निवासी 1206, सूर्य किर्न, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारक पूर्वोक्त सम्भूति के अर्थन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सबध में कोई भी गाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ल क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति सुवारा:
- (खं) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यब्धीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंपिनस के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सरकारी बना हुन्ना मकान न० 15/84, स्रोल्द राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, तादादी 57.4 वर्ग गज ।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-३, नई दिल्ली

अतः बन, उथल अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-3/ 5-84/682--श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3507 से 3510 है तथा जो बस्ती रेहगर, करील बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रिष्ठांनयम, 1908 (1908 का 16) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यणाण्याक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत सिम्मीनांचत् उद्दश्य से उभत बन्तरण सिक्ति में बास्ट्रीक रूप से किथत नहीं किया गया है क्ष्रे

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, सकत जाभनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे वृषये में सुविधा कालए; जांद्र√वा
- (स) एती किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

वतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिविधित व्यक्तियां, वर्थात् :--- (1) श्री भाम सुन्दर लाल सुपुत्र श्री बंसी लाल, निवासी ग्रार०→646, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(बन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द चुघ श्रीर श्री दीना नाथ, श्री सुरेश कुमार चुघ, सुपुत्रगण श्री काशीराम, नियासी 3117, संगत्राशन, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

को सुद्द सूचना चारी करके पूर्वोस्त सम्मृतित के वर्षत् के जिल्ला कार्यनाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं '45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बर्डि पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्वस्थित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### थनसमी

मकान नं० 3507 से 3510 तादादी 130 वर्ग गज, खसरा नं० 2321 ग्रीर 3222, ब्लाक नं० 'एल' प्लाट नं० 144/7 श्रीर 144/8 बस्ती रेगर पुरा, करौल बाग, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाल सक्षम श्रिधकारी सहायक ग्रायक्रर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-1-1985

## प्रकृत बार्ड .टी.एन.एक .....

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985

तिदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० म्रार०-3/ . 5 + 84/686 -म्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य \_5,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 4-बी/35 है तथा जो घोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणतहै ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्ति। कि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; आट्रिया
- (क) एसी किसी जाय या किसी अंग या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

 लब: रुव, उक्त निधानियम, की धारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 जे अधीन: निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री रोशन लाल सुपुत
श्री राम दास,
 निवासी मी-3, इन्दरपुरी,
नई दिल्ली, द्वारा जी० ए०
श्री राजिन्दर पाल सुपुत
श्री कन्हन चन्द,
निवासी सी-29, इन्दरपुरी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर प्रभा पत्नी श्री गुलशन कुमार, निवासी 11-बी/60, नेहरू नगर, गाजियाबाद (यु० पी०) ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वाक्त अम्पित्त के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टौरीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबक्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस्त सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीय वें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  मिवित में किए वा सकों वें।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, मही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विवा भवा है।

## मनसची

जी० बी० पी० क्वाटर नं० \4-बी/35, म्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, तादादी 85.9 वर्ग गज ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारी**ख**: 8-1-1985

प्ररूप आहुँ, टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

#### भारत तरकार

भार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश स० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/एम० आर०-3/ 5-84/690—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सी०-63, है तथा जो एम० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मई 1984

को पूर्विक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विनत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिक्षत से अभिक हो और नतरक (अंतरकों) मौर जतरिती (जंतरितिथां) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक का निम्मिनियत उद्देश्य म उनत अंतरण निश्चित में वास्तविक क्य में का भत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्षण अधिनियम के अधीन कार दान क अतरक क दायित्व में कामी करने या उससे बचन मा मिणिया के सिए; और/वा
- (वा) एंबी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया क्या, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती दवारा प्रनाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के निय;

वत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात्:—  मैं० ग्लोब हि-फैब प्रा० लि०, एन०-10, कनाट सर्कम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैं० ईस्ट वैस्ट कन्स्फटेट प्रा० लि०, एण्ड के० एल० पी० फाडनन्स लि०, नई दिल्ली।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाय;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमे प्रयुक्त भक्तों और पक्षों का, जो उक्स विभिन्यमं, के अध्याय 20-क में परिभाजित हाँ, वहीं अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में विका प्रया हाँ।

## नम्स्यी

बेंसमेंट प्रो० न० सी-63, तादादी 500 वर्गगज, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिद्धली।

> जी० एस० गोराल सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-23, दिल्ली, नई दिल्ली-11000

भागेखा: 8−1−1985

मोष्टर:

## अक्य बाइ<sup>4</sup>. टी. एव. एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनकुरोंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 जनवरी 1985
निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आर०-3/
5-84/631—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,
भायकर मणिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पर्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण
है कि स्वावर संपर्ति जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी सं० प्लाट न० 1, है तथा जो सावित्री नगर, श्रोल्ड गेख सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की वावल, उज्ज अधिजियम के अधीन कर वीने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्वने में सुनिधा के सिए, कीर/वा
- (वा) एवी किसी बाव या किसी थन या जन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त सिधिनियमः भी धारा 269-गं के अनुसरण भो, भी, उक्त सिधिनियम कर्ने भाग 269-णं की उण्यास (1) के अभीन, निम्मनेलीयत व्यक्तियों अथाति हो—— श्रीमित्। सनवन्त कौर पत्नी स्व० एस० हरनाम सिंह, द्वारा जी० ए० एस०, ह्रिन्दर पाल सिंह, सुपुत्र स्व० श्रा सरदार दलीप सिंह, निवासी --12/161 मालवीय नगर, नई दिल्ली:

(अन्तरिती)

2 श्री एम० हुकम सिंह मुपुत स्व० श्री हरजीत सिंह निवासी—1650—51, डी० एल० एफ०, छतरपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना थारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में पार्श्व भी बार्श्वय :---

- (क) इस स्वामा के राज्यम में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अधिथ या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थाना की क्षामील से 30 दिन की सविध जो भी सविध बाद में सजाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों भा में किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाशन की ताही है ते 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रक्ष किसी बन्न क्यांक्ति व्याय, अधोहस्ताक्षरी को पाव लिकिट में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को सकत विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा अर उस अध्याय में दिया क्या है।

#### अपुरुषा

प्लाट न० 1, तादादी 470 वर्गगज, खसरा न० 5478/ 135, आबादी लालडोरा, साविती नगण, घ्रोल्ड शेख सराय, नई दिल्ली।

> जीं० एम० गोपाल संजम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 दिल्दी, नई दिल्दी-110002

नारीख 8-1-1985 मो**हर** 🛚

## त्रस्य वार्ड. टी. रच. एक.: ----

## बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/

5-84/700-ए०---अतः मुझे, जी० एस० गोपाल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त, प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्सका उचित बाजार मृस्य

25,000/-रा में अधिक हैं भौर जिसकी संब् आरब्म 756, है तथा जो न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (शीर इससे उपायक्ष अनुसूची

में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984 को प्रांकत संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के अध्यक्षक प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापर्जेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके क्ष्यसान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफस, निम्नसिवित उद्वेश्यों से उच्त अन्तरण के किया गया है :—

- (क) बन्तरण वे हुई फिली बाय की बायछ, छचछ बिधिनियम के बधीप कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने ना उससे बचने में सुविधा के सिए; डॉर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी यन वा बन्य बारिसवाँ की जिन्हों भारतीय आय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स जिभिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के सिक्ष;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

श्रीमती राज कुमारी
पत्नी स्व० श्री प्राण नाथ मेरा,
निवासी—70-डीं,
रेलवे कालोनी,
सहारनपुर,
यू० पी०।

(अन्त रक)

2. श्रीमती प्रतिभा शर्मा, श्री अनीश कुमार शर्मा निवासी—12, पंडित मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्थान भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किस् कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) यभ स्चना के राजपत्र मों पकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देष किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यम्बीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदों का, को स्वक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं क्यें होगा भी उस सभाय में दिका नवा हैं।

## मन्स्ची

सरकारी बना हुआ प्रो० नं० आर०-756, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्गगज।

> जीं॰ एस॰ गोवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-1-1985

## प्ररूप नाइं. टी. एन. एस्.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेशं सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/3/एस० आर०-3/5-84/6699--अतः मुझे, जी० एस० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,903/- रु. से अधिक है

- (कां) जन्नरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त लिख-नियम को अधीन कर दन के जन्तरक के दायित्य को कमा करन या उससे अचने में स्थिधा के लिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्यर्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवा के लिए:

बतः अवः, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ए के अनुसरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, विकास स्वित व्यक्तियों, अर्थात् 4—

श्री सत नारायण
सुपुत्र श्री हरी चन्द
निवासी—श्री—29,
रतन पार्क,
नई दिल्ली।
श्री इन्दरेश कुमार
सुपुत्र श्री ठाकर दास टुटेजा,
निवासी—29/123,
वेस्ट पटेल नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रमेण चन्दर
श्रीर गुल करणजीत,
सुपुत्र स्व० श्री बिहारी लाख,
निवासी--29/21,
श्रील्ड राजिन्दर नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियं करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

एम० सी० डी० सोप नं० 123, ग्राजम्ब फ्लोर 134.81 वर्गफिट, म्यूनिसियल मार्केट, सरस्वती मार्ग, करोल बाग, नई दिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख **्राॅं 8-[1-**1985 मो**हर** ध प्ररूप आइं. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रजी; रेंज-III, न**ई** दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-3/ 5-84/629--श्रतः मुझे, जं१० एस० गोपाल,

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु., से अधिक है

श्रीर जिसको सै० दूकान नं० 31, है तथा जो वर्ड रोड़, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारांख मई, 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) नराडण से हुई किसी नाम की नामत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे बजने में सुविधा के सिए; आदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविभा के अब्ह,

अत: शव, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक् अर्दे, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निशिवत व्यक्तियों, अर्थात् अ---  श्रो धरम बोर, निवासी—5471, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

2. श्रोमती दलजीत कीर, निवासी—4443, कटरा रायजो, पहाड़ गंज, नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकरिक्षा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहा भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, एन भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ती।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिफाणिक है, यही अर्थ डोगा जो उस अध्याय मा दिक्श गया है।

### अग्तर्या

प्रो॰ नठ॰ यूकान नं॰ 31, बर्ड रोड़, नई दिल्ली, सादादी 19.7 वर्गेगज।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, दिल्ली; नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-1-19854

योहर 🛭

प्रकष आहें. टी. एन. एस. -----

रजिस्द्रीकरण

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 31 दिसम्बर 1984

निवेश सं० भ्राई० ए० सो०/एनयू०/3/एस० भ्रार०-3/5-84/628-भतः मुझे, जी० एस० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाष 269-अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं भौर जिसको सं० गली न० 1, है तथा जो चूना मंडी, पहाड़ गंज, नई दिल्ला में स्थित हैं (भौर इससे उपावद भ्रमुखी में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राध-

मई 1984
को पूर्वोक्द सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास
करन का कारण ही कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एस इश्यमान प्रतिफल का
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एस इश्यमान प्रतिफल का
मृत्य, प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में
बास्सिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख

कारी के कार्यालय, दिल्लीं में

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिनियम के बधीन कर विने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने या उलमे वचन से मृतिधा के लिए; बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारः 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन । निम्मीविकत व्यक्तियों, वर्षात ह—

मास्टर राजेश

मास्टर कमल,

मास्टर ग्रगोक,

बारा उनके पिता सही ग्रभिभावक
श्री धर्मवीर खातर,

निवासी—431, मथुरा रोइ,

नई दिल्ली।

(घन्तरक)

मै० जिन्बर स्टोल ट्यूब लि०, बारा डायरेक्टर, श्रो झर्रावन्द जिन्दरल, एन० छो०-5-4-86/92(एक्स०), रानी गंज, एम० जो० रोड़, सिकन्दराबाद, (श्रा० प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

कां यह स्थाना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए शर्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

## भ्रनुसूची

गलो नं∘ 1, चूना मंडो, पहाड़ गंज, नई दिल्ली, तादादो—145 वर्ग गज।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, विल्लो/नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1984

मोहर 🥫

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन सुमना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरोक्षण)

प्रजैन रेंज-III, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एसं० ग्रार०-3/ 5-84/627—ग्रतः मुधी, जी० ऐस० गीपाल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गली नं० 1, है तथा जी चूना मंडी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारांख मई

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथिश नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः। अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ध--- मास्टर राजेश,
 मास्टर कमल,
 मास्टर प्रकोक,
 बारा उनके पिता एवं सभी ग्रिभिभावक,
 श्रो धरमवीर खातर,
 निवासी—431 मथुरा रोब,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री विनेश जिन्दल
सुपुत्र श्री देवी सहाय जिन्दल,
निवासी—1/77, पंजाबी बाग,
नई विल्लो।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भनसची

गली नं 0 1, चूमा मंडी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली, सादावी 145 वर्गगज।

> जी० एस० गोपाल सक्षम ग्रीधकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, विल्ली:/नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ, टी, एन, एस.-----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई घिल्ली, विनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/5-84/626—आतः मुझे, जी० एस० गोपाल,
आयश्चर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० गलो नं० 1, है तथा जो पहाड़ गंज, चुना मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख मई 84

करे भ्वंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रात्तफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्ष्म अध्कारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्त उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के-, अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर्ड∕या
- (थं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गृविधा के लिए;

कतः अब, उनतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उनतं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) कं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ध्रम्म मास्टर राजेश,
 मास्टर कमल,
 मास्टर ग्रगोक,
 द्वारा उनके पिता एवं सही ग्रभीभावक,
 श्री धरमबीर खतर,
 निवासी---431, मथुरा रोड़,
 नर्ष विल्ली।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती उषा जिन्दल, पत्नी श्री कैसाश जिन्दल, निवासी-1/77, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त.सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताएं सि से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया है।

#### वनुसूची

प्रो० नं० गली नं० 1, चुना मंडी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली तादादी 145 वर्ग गज।

> जो॰ एस॰ गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरोक्षण) द्यर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-12-1984

प्रकप बाइं. टी. एन्. एस्.,=======

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

## भा<u>रत,</u> तरका<u>र</u>

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1954

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० धार०-3/ 5-84/625---भतः मृक्षे, जी० एस० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गली नं० 1, है तथा जो चुना मंडी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वांणत है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तरीख गई 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं. और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार कृष्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सृत्यिक्षा के लिए; और√या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए:

अत: श्राध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा** (1) के अधीन, निम्नलि**खित व्यक्तियों, वर्षीत् ध**—— मास्टर राजेग,
 मास्टर कमल,
 मास्टर मगोक,
 द्वारा उनके पिता एवं सही मिभावक,
 श्री धरमबीर खातर,
 निवासी 431, मथुरा रोड़,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती श्रानिसा जिन्दल पत्नी श्री धर्रावन्य जिन्दल, निवासी—1/77, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सियो जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वांगा, जो उस कथ्याय में स्था सवा है।

#### क्रस्थी

गली नं० 1, चुना मंडी, पहाड़ गंज, नई दिस्ली, ताबादी 145 वर्गगज।

> जीं० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 दिल्ली

दिर्नांक :- 31-12-1984 मोहर :- अंख्य बाइ .टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० आई० ए० सी० /एवयू०/3/एस— आर-3 /5-84/624,—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समस्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गली नं० 1, है सथा जो पहाड़ गंज, चुना
मंडी, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय र्राजस्ट्रोकरण श्रितिनयम
1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1984
को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह जिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और
अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए सथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निकार में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मास्टर राजेश, मास्टर कमल, मास्टर प्रशोक, द्वारा उनके पिता भौर सहा भ्रमोभावक श्री धरमबोर खातर, निवासो-431 मथुरा रोड़, नई दिल्लो,।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रोमतो बन्दना जिन्दल परनी श्रो श्रानल जिन्दल निवासी-1/77 पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति र
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रास सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

गली नं० 1, मंड़ी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली, तादादी-145 वर्गगज, ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विनांक: 31-12-1984

## त्रक्य बाइ . सी. एवं. एवं. - - - ----

## भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाख 269-व (1) के वधीन स्वया

#### मारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3 नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/3 एम श्चार-3 5--84/623--श्चतः मझे, जी० एम० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य े 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० गलो नं० 1, है तथा जो चुना मंडी, पहाड़ गंज, नई दिल्लो, में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है ), रिजिन्द्रीकर्ता झिंधकारी के कार्यालय, दिल्लो, में भारतीय रिजिन्द्रीकरण झिंधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा अवसे वचने में मृतिधा के निए और/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्थिनों में सुविधा के तिए;

भतः अन, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थन ----10----456 GI/84

- (1) मास्टर राजेश, मास्टर कमल, मास्टर श्रशोक द्वारा उनके पिता श्रीर श्रभिभावक श्री धरमबोर खातर, निवासी—431 मथुरा रोड़, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री देवी सहाय जिन्दल कुमारी सवीता जिन्दल, निवामी-1/67, पंजाबीं वाग, नई क्लिं। (ध्रन्तरिती)

को यह तूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के बिद कार्थशिहियां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहते अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं॥

#### क्रांसची

PAY

गती तं । , बुना मंडो, ग्हाड़ गंज नई विल्ली, 145 वर्गगज ,

> जी॰ एस॰ गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली,

दिनॉक :- 31---12-1984 मोहर ≝

## अक्य आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985 प

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यु०/3/एस०-श्रार०-3 5-84 /645, --श्रतः मुझे जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उल्क्ल अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं नं० 25, है तथा जो बर्ड रोड़ मार्केंट' नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपावत प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है ), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्लो, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम , 1908 (1908 1908 का 16 ) के प्रधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अपर मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण । सिश्चित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (का) एेसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियौ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हे अधीन, मिम्नलिबित व्यक्तियों, वर्षात :----

- (1) श्रीमती करतार कौर पत्नी स्व० पाल सिंह, निवासी ग्राम मेंगा पी० सी० गडीबाल, जिला होशियारपुर, इस्ट पंजाब, वर्तमान निवासी-51-बी, 1 साहापुरा, नई दिल्लो । (भ्रन्सरक)
- (2) श्री सुभाष चन्दर सुपुत्र श्री धरमबीर, निवासो– ए-38, फतेह नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्तं सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 👢

दुकान नं० 25 तादादी 19.7 वर्गगज, एरीया बर्ड रोड़ मार्केट, नई घिल्ली।

> जी० एस० गोपाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली.

विनांक :- 8-1-1985

प्ररूप आइं.टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज, दिल्ली

दिल्ली दिनांक, 5 जनवरी, 1985

क्टिदेश सं शक्टई ०ए०सी ०/एनयू ०/ ३/एस-म्रार- ३/ ५/ ८४ ४४ ८५ ४--- भ्रतः मुक्के, जीवएसव गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० क5/3049, है सथा जो चुना मण्डी, पहाड़ गंज, नई दिल्लो, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में और पूर्ण - रूप से वणित हैं) रिजस्ट्रोकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्लो, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, मई, 1984

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, का कारण है कि उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वादित्य में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनसरण मै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत्:— 1 मास्टर राजेश, मास्टर कमल, मास्टर प्रशोक द्वारा उनके पिता तथा सभी ग्रिभिवावक श्री धर्मवीर कत्तार, निवास-431, मधुरा रोड, नई दिल्ली

(अपन्रक)

2 श्री संजय जैन, निवासी-बी-2, 16ए, माडल टाउन, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थासत्त्रों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रन् सूची

ग्राउन्ड फ्लोर प्रो॰नं॰ 15/3049, सादादो 375 वर्ग फोट गली नं॰ 1; चुना मण्डी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली ।

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जनरेंज 3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-2985

मोहर 🕄

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

# सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सब्झाई०ए०सी०/एवयु०/3/एस-झाए-3/5—84/652, भतः मुझे जी० एस० गोपाल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कि के 5/3048 है तथा जो चुना मण्डी, पहाड़ गंज, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ताराख भई, क़984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धीरा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मास्टर राजेश, मास्टर कमल, मास्टर प्रशोक बारा ,प्रभिवायक तथा उनके पिता श्री धर्मवीर कत्तार, निवासी—431, मथुरा रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

2 श्री मदन लाल जैन, निवासी-श्री-2/16, माइल टाउन विल्ली

(अम्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश हूं, की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे। गया है।

स्पाध्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्जूनी

जीव्यक्ष प्रोवनं व क्रि. (3048, ताबादी 375 वर्गफीट, गली नं व 1, चुना मण्डी, पहाङ्गंज, नई दिल्ली

जी० एस० गोपाल संभाषम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरें ज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-1-1985

प्रकप भाइ, टी. एन. एस.-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्थान

#### शारत सरकार

कार्याभय, सहायक वायकर वास्कत् (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 31 दिसम्बर, 1984

निदेश में राज्य हैं। एवं सी । /एक्यू । / 3/एम । श्राप - 3/5-84/653 श्रत मुझे जी । एस । गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतने इसके प्रकास उकत अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संस्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसको म० 3050 है तथा जो चुना मण्डा पहाड गज नई दिल्लो, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूचों में श्रीर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, क984

कों प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रहयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रुक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेषेय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जलरण ते हुई किसी भाव की पावल, अवस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जलरक के श्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिसी दुवारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः कवः, उत्सत अधिनियम की धारा 269-म के बनुतरक मों, मों, उबत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 मास्टर राजेण, मास्टर कमल, मास्टर अशोक द्वारा उनके निता श्रीर सही श्रमिभावक श्री धर्मवीर कातर निवासी—431, मथुरा रोड, नई दिल्ली । (श्रन्सरक)
- 2. श्रो सज्जन कुमार जैन, 30/75 पजाबी बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती

को बहु सूचना चारी करके पृत्रावित सपरित के वर्धन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सर्वध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षत की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीकः से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभाक्षरनाक्षरी के पाह, लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वों का, जो उक्त जीभनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विवश् यवा है।

### ग्रनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर प्रो० न० 3050 (न्यू) तादादो 350 वर्गफीट, गली नं० 1, चुना रोड, पहाड गंज, नई दिल्ली

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख: 31-12-1984

मोहर .

प्ररूप . अरड् . टी . एन . एस . - - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सुचना

#### भारत मुख्यार

कार्यात्मय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजनरेज 3, नई विल्ली

नई दिल्लो दिनांक 31 दिसम्बर, 1984

निवेश गं० ग्राई ए० सी॰/एवयू०/3/एसवग्राए-4/5/84/ 1209, ग्रतः मुझ जी० एस० गोवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पील, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- गा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 207/4 है तथा जो प्लाट नं० 6, ग्राम-थोन्डली गाहदरा, दिल्ली-51, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपस्वत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजिम्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, मई-क984

को पूर्णिकत सभ्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफान के लिए बन्तरित की गद्दं है और मूझे यह विश्वास करें श्री कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप के धित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सकत अधिनियम का अधीन कार दोने के जन्तरक के रामित्य में जानी कारन मा असमे अधन में मृथिधा के लिए: कीर/मा
- (स) एसी किसी जाए या किसी धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयापनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यहा था या धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में बाँबिभा के सिष्ट;

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन जिम्मिलिश्वित स्थितियों, अर्थात् ः—  श्री किशन चन्द्र एलियस कृष्ण चन्द्र सुपुत श्री त रासिह अग्रवाल, श्रीर श्रीमित कान्ता देवी पत्नि श्रीकृष्ण चन्द्र, निवासी—सतीश भवन, श्रशोक कालोनी, करनाल; हरियाणा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमित पुष्पा वेबी पर्तन श्री एस० सी० गुप्ता, निवासी-ए-6,/9 कृष्णा नगर, णाहबरा, दिल्ली-51 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा करेड़ी भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि की ध्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस स्वान क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अश्रेष्ट्रस्ताक्षरी के पास जिवित में किए ता सकेगे।

स्पध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### BAR W

मकान नं० 207/4, प्लाट नं० 6, ब्लाक-क्रक़ए, सिँमा ब्लाक, ताद्यादी-36 2/3 वर्गगज, ग्राम-घोन्डली, फ्रष्णा नगर, शाहबरा, दिल्ली-51

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 3, नई दिल्लो

तारीख: 31-12-1984

मोहर 🛚

## प्रकार नार्दा. टी. एव<sub>ं</sub> एस<sub>्नन्नन्तनस्था</sub>

# मायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में मधीन स्वनः

#### बाउट ब्रुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
प्रजीनरें ज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 31 दिसम्बर, 1984

निदेण मं० ग्राई० ए० मी०/एक्य्/3/एस-श्राप-4/5-84/ 1208, **श्रा**: मुझे जी० एम**० गी**पॉल

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 207/4, है तथा जो ग्राम घेन्डली, कृष्ण नगर, शाहदरा , नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वीणत हैं) राजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, सक्ते दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप मे कथित महीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा के लिए:

त्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, बन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) को उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री किशन चन्द एलियम श्री कृष्ण चन्द,
गुपुत श्री ताराचन्द प्रग्रवास,
श्रोमित कान्ता देवी पत्नि श्री कृष्ण चन्द,
निवासी—गतीश भवन, ध्रशोक कालानी, करनाल
(हिरयाणा)

(श्रन्तरक)

2 श्रीमति पुष्पा देवी पर्तान श्री एस० सी० गुन्ता निवासी-ए-6/9, कृष्णा नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का वह त्यना बारी करके पृवासित सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

## जनत सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में खोड़ें भी बाखेंप:~

- (क) इस सुमना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इक् सूचना के राज्यक के प्रकारण की तारीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पार किया का मकोगे।

स्पर्व्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

मकान नं० 207/4, प्लाट नं० 6, ब्लाक-2-ए, सिनेमा ब्लाक, तादादी 30 वर्गगज, ग्राम-घोन्डली, कृष्णा नगर, णाहदरा बिल्ली-51

> जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

तारीख : 31-12-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जनरें ज 3 नई दिल्ली

श्रनई दिल्लो दिनांक उक्त दिसम्बर, क985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु/3/एस० श्रार०-4/ 5-84/1242, श्रतः मुझे जी० एस० गोपाल

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा सं अधिक है

ग्रीर जियकी सं ० जे-11, है तथा जो कुष्ण नगर, घोन्डली, णाहदरा, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्णेन्य से विणन है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिक रोकि कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख मई, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एंसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरितीं (अन्तरितिया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा केलि;
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया एया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा कै किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री जय किशन दाव वर्मा

मुपुत श्री प्यारे लाल वर्मा,

निवासी-जे-11, कृष्ण नगर, दिल्ली-51

(भ्रन्सरक)

 श्री राधे किशन वर्मा सुपुत्र श्रो अंगाली सिंह वर्मी निसासी—1855, चादनी चौक, दिल्ली—6 (ग्रन्नरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त मम्पित्स के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस स्थान के राजधन के प्रकायन की तारी वा बे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थित्यों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पव्हीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो॰ न॰ जे-11, कृष्ण नगर, ग्राम-घोन्डली, एरिया शाहदरा, दिल्ली, तादादी 141-2/3 वर्गगज

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज 3, नई दिल्ली

नारी**ख**: 31-12-1984

प्ररूप आह्". टी. एन. एस. ------

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 जनवरी, 1985

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/3/एस-म्रार-4/5-84/ 1196, म्रतः मुझे जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काम्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० डो/9, है तथा जो विवेक बिहार, शीलमिल ताहिर पुर, दिल्लो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूचो में श्रीर पूर्व रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रोक्तर श्रीधकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय र्राजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के— श्रधोन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अंतरिती की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है यह प्लेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, सक्स विभिन्न के वभीन कर दोने के बन्तरक वें बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कर अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा को निए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निचितित व्यक्तिया अर्थात् हि—— 11—456 GI/84

- श्री डीं० पीं० वधना सुपुत्र श्री दिवान चन्द, निवासी—सी/40, पंचशील इन्कलेव, नई दिल्ली (श्रन्त<sup>7</sup>
- श्रीमित्त क्रुमुम जैन पितन श्री विमल क्रुमार जैन, सुपुत्री श्री हरी राम जैन निवासी—डो/130, विवेक बिहार, शाहदरा, दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के बर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सभ्यन्भ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरण - जसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वा का उन्न अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सम्याय में विया गया है।

## **मन्**त्रची

डी-डी-ए प्लाट नं० डी०/9, विवेक विहार, झिलमिल ताहिए-पुर, निवासीय योजना स्कीम तादादी 305.6 वर्गगज, है अन्तरक द्वारा बना हुआ मकान का योजना डी०डी०ए० द्वारा मान्य है।

> जी ० एस० गोपाल सक्षम घिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जनरें ज 3, नई दिल्ली

तारीख: 8-1-1985

## वक्य आहें ही हरा हम् अन्यन्त्रमातः

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जनरें ज 3, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली दिनांक 15 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई २० ए० सी/एक्यु०/3/एस०-ग्रार०-2 5-84/1975, श्रतः मझ जी० एस० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- के अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० एफ-10 है तथा जो भगवान दास नगर, ग्राम-शक्तर पुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इगसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मर्ष, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उदित बाजार यूल्य से कम के स्टामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उवित बाजार भूत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल में एमें स्थ्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकी! और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एमें अन्तरक के किए स्थ पाया गया पर्ति-फल निस्तिकीकत उद्दर्षिय में उसल मंतरिक किसिय में अध्नतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है-—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाम की बानत उपक शिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए की ए/पा
- (क) इंकी तिक्की बाब वा किसी थव था अथ्य जान्तियों को, विन्हें प्रारतीय नावकर निर्मानयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयन, वा धन- शहर निर्मानयन, वा धन- शहर निर्मानयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियानं में सुविधा वी निर्मः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26०-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. श्री जे० बी० सिंह, निवासो--एफ-10, भगवान दास नगर, नई दिल्ली । (भन्तरक)
- श्रीमिति शोभा रानी,
   निवासी—ए—1ए, डी॰डी॰ए॰ फ्लेटस,
   ध्रशोक बिहार, भाग—2,
   दिल्ली

को यह स्पना जारी करके प्योंक्स संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

## उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्मवंधी स्पिक्तयों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है नहीं कर्ष हुग्या को यस अध्याय में दिया गया है।

## **प्र**नुसूची

प्लाट नं ० एफ०-10, लादावी 334 वर्गगज, भगवान दास नगर, एरिया ग्राम-शकरपुर, दिल्ली

> शी० एस० गोपाल सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरें ज 3 नहीं दिल्ली

तारीख: 15-1-1985 मोहर: प्ररूप माई.टी.एन.एस. -----

भाषक ः ज्भितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### मारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेनरेंज 2 नई दिल्लो

नई दिल्ली विमांक 15 जनवरी, 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सां/एक्यू/2/एस०प्रार०1-/5-84/ 1 6, श्रतः मुझे श्रार०पो० राजेश,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3202 से 3206 है तथा जो वार्ड नं० कृचा पंडीत खाल कुंग्रा दिल्लों, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीथकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारताय रिजस्ट्रीकरण ग्रीथनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रध न तारीख मई, 1984

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पल्झह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम् कं अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी शय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--- श्री बंदतायर लाल
सुपुत्र श्री दौलत राम,
नित्रासी—स)—51, राजौर'। गाउंन, नई दिल्ली,
(2) श्री गुरदास राम
सुपुत्र श्री गुलाबराय,
निवासो—मकान नं० 19, रोड नं० 14, इस्ट पंजाबी धाग
नई दिल्ली
श्री वौलत राम
सुपुत्र श्री गुलाबराय
सी०—52, राजौरी गाउन, नई दिल्ली
रामलाल सुपुत्र श्री गुलाबराय
सी—38, राजौरी गाउंन, नई दिल्ली,
श्री रिव भूषण मदन
सुपुत्र श्री एल०एस० मदन,
निवासो—बी-2/40—डी, लारें स रोड, एम० धाई० जो०,
दिल्ली

(भन्तरक)

मोहम्मद इस्माइल
सुपुत्र श्री मोहम्मद शकी,
निवासी 3204-कृचा पडीत, लाल कृशा, दिल्ल।
(श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तित्रयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाग्र;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकींगे।

स्मण्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### क्षत्र संची

प्रो० नं० 3202 से 3206 वार्ड नं० तावादी 120 वर्गगज, कचा पंडीस, लाल कंग्रा, दिल्ली

आर० पी॰ राजेश सक्षम श्रीयकारी सहायक प्रायकर भायूक (निरोक्षण) अर्जन रेंज नई विस्ली

**सारीख: 15-1-1985** 

मोहर 🖫

## प्रकृष बाह<sup>\*</sup>. ट्री. एव. एक. n - - :---:

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचनर

#### धारत बहुकारु

## कार्यासम, सहायक कायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरें ज 2 मई दिल्ली नई बिल्ली दिनांक 15 जनवरी, 1985 निवेश सं० ग्राई० ए० एस०/एन्यू०/2/एस०-ग्रार०-1/ 5-84/133, ग्रत: मुझे ग्रार० पो० राजेण,

लायकश अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. स अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी/50-ए०, हैं तथा जो विनय नगर, दिल्ली, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रं।कर्ती ग्रीथकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रं।कर्रा ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधान, सारीख मई, 1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भ्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट् प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निचित्र में वस्तिकल रूप से कथित नहीं सिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शिवल्य में कमी करने या उत्तरी यचने में सृविधा की सिए; वरि/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए का कियाने में सुविधा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री राजेन्द्र कुमार सुपुत्र श्रो जगदोश राम सुरी, निवास—डी/146, श्रा उटम लाइन, के कैम्प, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमित राम साविती पर्रान श्री राघा किशन, निवासी-वो०/50 ए०, विजय नगर, दिल्लो (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करत हूं।

## चनत सम्परित के अर्धन के संबंध में को**ई भी आक्षय** ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्वंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

## **अनुसूर्या**

जीव्यीव्योव नंव बीव्/50एव, तादादी 100 वर्गगज, विजय नगर, दिल्ली

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) र्अनरेंज 2 म**ई** दिल्लो

तारीख: 15-1-1985

प्रारुप आर्थ. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायसत (निरीक्षण)

धर्जनरें ज 2 नई विल्ली नई दिल्ली दिनांक 15 जनवरा, 1985 श्राह० ए० स\०/एक्य०/2/एस०-श्रार०-1

निदेश सं० श्राई० ए० स10/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-1/5 – 84/134, श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसका सं० 26/17 है तथा जो नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ला, में स्थित है (श्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप ते वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ती श्रीधकार। के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के धार्धान, तारीख मई, 1984

कां पूर्विक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा केलिए; और/श
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

नेशनल केमिकल्स इन्डस्ट्र.ज लि॰
 नेशनल केमिकल्स इन्डस्ट्र.ज लि॰
 नेशनल केमिकल्स इन्डस्ट्र.ज लि॰

(भ्रत्तरक)

2 लक्षमण इलेक्ट्रोनिक्स मैनुफक्चरिंग कं प्रा० ि > 224, रिवन्द्रा सराना, कलकत्ता

(भ्रन्तरिता)

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---को यह सृष्या जारी करके पूर्वेक्ति सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरों।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रयाहरी।

## बन्स्ची

प्रो० नं० 26/17, नजफ गढ़ सु, नई विल्लो, सावादो 461 रू 52 वर्गगज

> आर० ती० राजेश सक्षम ग्रथिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज 2, मई हिल्ली

अतः प्रवास, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ताराख : 15—1—1985

प्रकल आहें. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार ं

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जनरेंज 2 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 15 जनवरी, 1985

निवेश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यु०/2/एस०-ग्रार०-1/5-84/ 137, ग्रतः मुझे ग्रार० पा० राजेश,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

धीर जिसकी सं० 25/23, है तथा जो पंजाबा बाग नई दिल्ला में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध धनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता धिकारों के कार्यालय, विल्लों में भारतीय रजिस्ट्रोकरण धिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख मई, 1984,

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्परित का उचित बाजार मूस्थ, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्तर

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिव में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा कोलिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 डा० विनोद कुमार वम् , सुपुत श्री सिथु राम, निवासी-25/23, पंजाबो बाग, निवासी-(अन्तरक)

2 श्रीमित सुदर्शन कुमारी बासन., सुपुता श्री रामलाल वासन श्रीर श्रीमित सुवेश क्कुमारी पर्तन श्री लेख राज, निवास! → 9/141, न्यू मोतो नगर, करमपुरा, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना गारो करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोठी नं 25/23 (प्लाट ० ± 25, रीड नं ० 23,) तादादी 375.96 वर्गगज, क्लाम डी ०, ग्राम-बसई-दारापुर, माबादी पंजाबी बाग, नई दिल्ली

आर० पी'० राजेश
• सक्षम ग्रधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)
ग्रजैनरेंज 2 नई दिल्ली

**सारोख**: 15-1-1985

मोहर 🛭

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत संदुकानु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/ एक्यू०/2/एस-आर-1/5/84/138--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

स्रीर जिसकी संख्या 36/66, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणिन है), रिजिल्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अर्थंल 1984

को पर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की सभ्ते यह विश्वास करने कारण ह का यथापर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उब्द्रेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बलारण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अलारक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; कर्र/बा
- (च) एसी किसी आय वा किसी धन या अप्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने कें सुनिधा कें लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

- (1) श्रीमती कुलराज कौर प-नी श्री मोहन सिंह प्रुथी निवासी 36/66 पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री गुरबचन सिंह श्रीर जसबीर सिंह, निवासी--73/42 पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख री 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वागः;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए का सकरें।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वन्स्ची

प्रो० नं० 36, रोड़ मं. 66 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

आर॰ पी॰ राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक : 15-1-1985

प्ररूप शाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज:2, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1 5-84/140--अतः मुझे आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें .सके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य, 25,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 5833-33/1 है तथा जो बस्ती हरफुल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास इस्त्रनं का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से एसे टश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह मारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती चन्दर कान्ता घर्मपरनी श्री बनारसी लाल शर्मा निवासी-5/137बी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

(2) श्रीमती मीना अग्रवाल धर्मपत्नी श्री राकेश कुमार अग्रवाल निवासी-ए-ई-53, शालीमार बाग, दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टोकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मगसचीं ।

प्री॰ नं॰ 5726 (फ्रोल्ड) न्यू नं॰ 5833-33/1, एरीया नं॰ 14 वस्ती हरफुल सिंह सदर बाजार, दिल्ली, तादादी 63 वर्ग फिट

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-1-1985

प्ररूप आहूरं टी. एन. एस. ------

**बारकार अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-घ (1) के अभीग स्**च**ना

#### पार्व बरकाड

न्हार्यालय, सहायक आयातर आयावत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनाक 15 जनवरी 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस—आर-1/ 5-84/153—अतः मुझे, आप पी० राजेण,

शायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 6736/14, है तथा जो गली नं० 18 अहाता केदारा, बारा हिन्दु राव, में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने बिणत हैं), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1985 को

को पूर्वोक्त सम्पोल्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए कन्तिरित की गई हैं और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संहुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-निमम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए:

बात: अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण ग. मी. यकत अधिनियम की पारा 269-ग की उपधारा (1) हो अधीर किन्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् .----12—456 GI/84 (1) श्री बालक राम सुपुत श्री परमानन्द, निवामी—6737—38 अहाला किदारा, बारा हिन्दु राव, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद जलाल सुपुत्र श्री मोहम्मद जिमल निवासी-314 गली गढ़ीया, बाजार मिटया महल जामा मिन्जद, दिल्ली,

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करक प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वेदित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-वस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

डबल स्टोरी मकान न० 6735, वार्ड न० 14, नादादी 55 वर्गगज गर्म। न० 18 अहाता किदारा, बारा हिन्दु राव, दिल्ली ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-2, नई दिल्ली,

दिनाक 15-1-1985

## प्रकथ बार्च, टी. एत. एस. ------

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निवेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-2 5/84/154-अत मुझे, आर० पी० राजेर्श,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 646, 647 श्रीर 647/1, 647/2 है तथा जो चान्दनी महल, गंजमीर खां, दिल्ली में स्थिन है (श्रीर इससे उपाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बस्जार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तीवक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे अजने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्त अधिनियम, या धनक्त अधिनियम, या धनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया शिना जाहिए था, विष्णार्थ में सविष्ण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) नन्द प्रकाश सुपुत्र स्व० श्री दूराम लाल, नित्रासी 620 सेक्टर 16, फरीदाबाद (हरियाणा) (अन्तरिक)
- (2) श्री निजामुद्दीन ग्रीर शाहबुद्दीन सुपुत्र मोहम्मद ग्रेर, निवासी 2016 गंज मीर खां, नियर डिलाइट मीनेमा, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

**को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन के लिए** कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जन्म सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें
  45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवींकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीख सें 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिसबेद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### नगस परि

प्रो० नं० 647, 647, 647/1 और 647/2 ग्राउन्ड, फ्लोर, तादादी 100 वर्गगज, चान्दनी, महल, नीयर गंज मीर खांन, दिल्ली,

. आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-1985

मोहर 🏲

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

बामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### पाउँ वरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस— आर—1/5-84/156—अतः मुझे, आर० पी० राजेंश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- स्रौर जिसकी सं० 443, है तथा जो गली राजन कला, मोरी गेट, दिल्ली, में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
- 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--
  - (कं) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाें पर के सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ब) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था, जिन्माने के सिक्ध के स्थित के सिक्ध;

कतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः \*——

- (1) श्री धन श्याम सिंह सुपुत्र श्री श्याम लाल, निवासी - 4067, गांधी गली, फतेह पुरी, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार सुपुत्र श्री जसवन्त राय, निवासी-ए-96, गुजरानवाला टाउन विल्ली। (अन्तरिती)

को बहु सुमना कारी करके प्वाँक्त सम्मित्ति के बर्जन के निक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियस, के अध्यास 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्या है।

#### ग्रनुसूची

प्रो० नं० 443, तादादी 80 वर्गगज लगभग $^\prime$ गली राजन कलां, मोरी गेट, दिल्ली, ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ।

दिनांक : 15-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1984
निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० आर०/
1-5-84/152—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- का से अधिक है

ग्रीर जिमकी सं० 14/4 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालर्र, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रनित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में.. एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए !'

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेजर जेनरल (रिटा०) विक्रम प्रकाश वधेरा सुपुत्र राय बहादुर भीम सेन वघेरा, निवासी-एस-50, पंचशीला पार्क, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2') मैं० गावरी ब्रदर्स प्रा० लि०
  7303 जंगल वाली मस्जीद , नीयर डी० एस०.
  एम० दिल्ली-6, द्वारा डाइरैक्टर श्री राघेय ग्याम
  सुपुत्र श्री राम चन्द गावरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शद में स्माप्त होती हो, के भीतर पर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूवी

प्रो० नं० 14 , ब्लाक नं० 1 , इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्गगज  $2\frac{1}{2}$  मंजिला बिल्डिंग।

आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -------

प्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०आ२०-1/5-84/ 171—अत मुझे आर० पी० राजेंग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कथ्ठा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3958/3 है, तथा जो गली सत वाली, चावरी बाजार, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उपित बाजार मृन्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दंश्य से उक्त बन्तरण लिसित मे बास्तियक रूप से किया गया है:—

- (क) मन्तरण स हुवा किसी आय की आवध, जक्त निधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और या/
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध≀रा (1) डेअधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत .—

- 1. श्रीमती लक्ष्मी देवी टडन, पत्नी श्री जगदीश पाल टडन निवासी जे-11/30, राजारी गार्डेन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्री राकेण, विज श्रीर राजेश विज सुपुत्रगण स्व० श्री जवाहर लाल विज, निवासी बी-32, कैलाश अपार्टमन्ट, लाला लाजपत राय राष्ट्र, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके प्योंक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायार संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य क्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया हैं।

#### वरसर्च

प्रो० नं० 3958/3, तीन दुकाने ग्राजन्छ पलोर. 3 रूम, एक स्टोर, एक बाथरूम, एक डब्ल्यू-सी- के साथ स्टेयर केस, पहली मंजिल, श्रीर 3 रूम एक टायलेट ग्रीर स्टेयर केस, दूसरी मंजिल, पर बना हुआ, तासादी 62.5/9 वर्ग गज, गली सत वाली, चावरी बाजार, दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर निर्धानस्त, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीम स्थान

#### 

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस०आर०-1/5-84/ 179——अतः मुझे आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य, 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 848 है, तथा जो वार्ड नं० 10, चांदनी महल, कामरा बंगस, दिल्ली-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिशी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया नया प्रतिफल निम्नसिबित उक्षेत्र से उक्त अन्तरण मिक्सि में शस्तिक कथ सं कथित नहीं किया नया हैं:--

- (७) बन्तरच ते हुई किसी बाब की वाबत, उच्छ अधिनियम के अधीत, कर दोने के जन्तरण के अधित्य में क्सी करने वा उससे बचने में सुनिधा के जिल्ह; और स्था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरियी ब्यारा प्रकट नहीं किया या था वा वा वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सविधा के निए,

नतः नव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण है, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---  सैयद मोहम्मद साहीद सुपुत्र सैयद, मौहम्मद हिवायत निवासी 690, चांदनी महल, कमरा धंगस, किल्ली-61

(अन्तरक)

 मोहम्मद इकरम मौर मौहम्मद इस्लाम, सुपुत मौहम्मद इसार, निवासी 2085, गंज, मीर खान, तर्कमान गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का थह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से ^5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा
- (व) इस ब्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीख वे 45 विन के भीतर अवत स्थान्य सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास जिस्ति में किए वा सकोंगे ।

स्वयाकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्यां और वर्यों का, वा अवस्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवस गया है।

## सन्**स्**ची

प्रो० नं० 848 वार्ड , नं० 10, चांदनी महस्त, कमरा शंगस, दिल्ली-6, तादादी 120-4/9 वर्ग गज ।

आर० पी० राजेश संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नहैं दिस्ली

दिनोंक : 15-1-85

प्ररूप आर्ध. टी. एम. एस. -----

कायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू-2/एस०आर-1/5-84/ 180—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं० 971, 979 है तथा जो कटरा पपथा रवाला, जावरी बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफ व के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफ ल से एसे दश्यमान प्रतिफ ल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

क्षतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपभारा (1) के अभीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री अब्दुल हकीम सुपुत्र श्री अब्दुल कावीर माकी. निवासी 1031-32, माकी मंजिल, जामा मिन्जिद के पीछे. दिल्ली .

(अन्तरक)

 श्री मुलख( राज आनन्द सुपुत्र श्री नथु राम, निवामी---979, छोटा छीपीवारा, प्राना कटरा पथरवाला, चावरी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शृरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकने।

स्वक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो अस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्रकी

अविभाजित 1/10 भाग प्रो० नं० 971 श्रौर 979, छोटा छीपीवारा, पुराना कटरा, पथरवाना, चावरी बाजार, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) , अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-1985

माहिर 🙄

\ \ \ प्ररूप आइ'. टो. एच एस.-----

# बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को वधीन स्वना

14 /FE #314

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अनंन रेंज, 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1984 निवेश मं० आई० ए० मी०/ए यू०/2/एस०आर०-1/5-8 233—अत: मुझ आर० पी० राजेश

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा १69-म से अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2556 है, तथा जो बारावरी सराफगन, बाली मारान, दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूणं रूप ने विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्य संपत्ति का उचित याजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (वा) एमा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को धिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयो था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्थिभा के सिए;

 श्रीमतो अजिजान श्रीर मुमताज, मुपुर्वा मूनिक्हीन, निवासी 1076, कटरा धुलम, मोहम्मद लाल, कुआं, दिल्ली।

(अन्मरक)

2. श्री फजलर रहमान, ह्विबर रहमान, अजिजुर रहमान सभी मुपुतगडण मोहम्मद सुलतान, निवास: 2556, बारादर, णेराफ गन, बाला मारन, दिल्ला।

(ग्रन्सरिता)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (सं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा लक्ष्ये।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमं प्रयक्त कन्दों और पदों का., जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हिं, अही अर्थ हार्फ जो उस अध्याय में विसा गया है:

### वन्स्ची

मकान नं० 2556, बारादरी, शराफ गम, बाली मारन दिल्ला, 3 स्टोरड, क्षादादा 96.8 वर्ग गज।

> श्रार०पः० राजेण सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

**प्रभारा** (1) दिनांक: 16-1-85

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्मतिषित जिल्लामों, वर्षात् क्

**प्रथम् वार्चः दीः, एनः, एसः,- - - =--**ः

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

#### भारत बरकार

## कार्यालय, सहायक गायकर बायूक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश स० आर्४० ए.० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०चे 1,5-84/ 188—अत मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पीत, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० सी-2/8 है तथा जो राजोरी गार्डन, बसई दारा-पुर, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीक्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्क्षित रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविभा के लिए, और/या
- (च) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए,

शत अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के बन्सरंभ में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—
13—456 GI/84

श्री चानन सिंह सुपुत्र श्री खेरा सिंह,
 जे-3/169, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री अशोक कुमार दग, सुपुत्र श्री कुन्दन लाल दग, निवासी सी-3/46, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को प्रष्ट सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थान के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकी

स्थव्योकरण '--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्षर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्स्यी

मकान को प्लाट नं० सी-2/8, तादादी, 50 वर्ग गज, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली आबादी ग्राम—-बहई-दारापुर, दिल्ली।

आर० पी० राजेश, मझम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाक : 15-1-1985

प्रस्थ नाइ. दी, एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश मं० आई० ए० मी०/ त्रयू०-2/एस० आए०-1/5-84/ 189——अनः मुझे, आए० पी० राजेण,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 221 है तथा जो श्रोल्ड रोहतक रोड, किशन गंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किती जाव की वाबंध, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वास्तिस्य में कनी करने वा उच्छे क्यने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तिमां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में निया के सिए;

- श्री यशपाल
   निवासी—-1797, गली चाबुक मावर, लाल कुंबा,
   दिल्ली-6।
   (अन्तरक)
- 2. श्री स्नेह परत्रीन, ग्रीर निम्बा करमेण, निवासी-219/4,गली नं० 8, पदम नगर, किणन गंज, दिल्ली।

(अन्तरितौ)

को यह स्वना बारी करके प्रॉक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़" भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति को हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास तिस्ति में किए जा सकेंगें।

स्पष्णीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननुसूची

सरकारी बना हुआ दुकान नं 221, श्रील्ड रोहतक रोड, किशन गंज, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई विल्ली

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के क्थीन, निम्निचित व्यक्तियों, कथित :—

दिनांक : 15-1-85

प्रकप बाई.टी, एन. पुस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### बारत बरकाड

कार्यालय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 जनवरी, 1985

निर्देणि स० आई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०आर०-1/5-84/ 199——अत मुझो, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25000 रुट से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 5/29 ए है तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबंद अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोजत सपित के उचित बाबार मून्य से कम के स्वयंत्रान अतिफल के लिए बतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयंग्रान प्रतिफल का पन्तह अतिशाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया नया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चोद्यों से उक्त कन्तरण मिकित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुइं किसी नाय का बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर पंते के जन्तरक के बायित्व में कमी करने यर उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसे किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्;

कतः जवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री मुलख राज,
   निवासी 5/29-ए, मोती नगर, नई दिल्ली।
   (अन्तरक)
- श्री नन्द किसोर, निवासी 5/29-ए, मोती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सबध में कोई भी काक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

न्यच्हीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में निजा गया है।

**प्रनुस्**ची

क्वाटर नि० 5/29-ए, मोतीनगर, नई विल्ली, तादादी।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनाक 15-1-1985 मोहर

### प्रकृप भार्च . टी . एव . एव . ---

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### EISG ESGIS

कार्याजय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्तण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/5-84/200-अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका अधित याजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० एफ-ए/92(श्रोल्ड) है तथी जो एफ-334(न्यू) मानमरोबर गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के जिसत नाजार मृत्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल हो, एसे दृष्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरच के लिए तय पामा गया प्रतिक्क कल निम्नलिखित उद्वर्षिय से उकत अंतरण सिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृदिश्या के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप्धारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती दिलजीत कौर पत्नी श्री जगजीत सिंह, निवासी-2382/83-12, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली, ।

वर्तमान :

11/363, सुन्दर विहार, पण्चिमी पुरी, नई दिल्ली, द्वारा: जी॰ ए॰, श्री मनोहर लाल सुपुत्र श्री वासुराम, निवासी टी-235/1ए, बलजीत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा देवी, पत्नी श्री मनोहर लाल, निवासी-टी-235/1-ए, बलजीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां शह सुक्ता कारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के वर्धन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्त सम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्भान के राअपन में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्द्रध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वं. शस लिखिस में किए जा सकोंने।

स्पद्धकरणः --- इसमें प्रयुक्त शृथ्यों अर्थि पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

## वन्त्रची

प्लाट नं० एफ-ए/92, (स्रोल्ड) स्रौर एफ-344 (न्यू) तादादी, 200 वर्ग गज, खमरा नं० 1399, मानसरोवर गार्डेन, नई दिल्ली, ग्राम बसई-दारापुर, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

**दिनांक**: 15-1-85

प्रक्ष बाद . टी . एन् . एस . ------

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भाइत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/5-84/ 203—अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रो अनेसकी स० 12/29 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को प्रशेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान, शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंसूह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देषिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक हम से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से कृष्ट किसी जाय की बाबल, अक्स लिपिनियस के जधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधि-स्थिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिये वा, कियाने में सृविभा स्वै निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरज में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1)

🖷 वर्षीत, निस्तिशिविव व्यक्तियों, वर्षात् :---

- श्रीमती आर० बी० तलवार (रुक्तमणी बाई),
   निवासी——12/29, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
   (अन्तरक)
- श्री जगदीण राज पठेला श्रीर श्रीमती राम प्यारी पठेला निवासी—12/29, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को नह स्थान बारी करके प्यॉक्स सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

जनत संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोड़ें भी काक्षण :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबपूथ किसी अन्य अपिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त संस्वां और पदां का, जो उनतः अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### -Everti

प्रो० नं० 12/29, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, नादादी 200 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-1-1985

प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . ------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज। 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-1/5-84/ 204--अतः मझे, आर०पी० राजेश,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2607 है, तथा जो मोहला, निहारियां, जी० बी० रोड, दिल्ली-6 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) दूरिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1,6) के अधीन दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निस्ति में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने वा उक्कसे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीप, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:——

- श्री मोहम्मद इशाक सुपुत्र मोहम्मद हुसैन, निवासी—2605, मोहला, निहारियां, जी०बी० रोड के पीछे, दिल्ली-6।
  - (अन्तरक) जग संगतिकी अञ्चल तनित
- श्री मोहम्मद असलम सुपुत्र श्री अब्दुल विह्नद, निवासी—2477, कष्टरा राजाजी, जी० बी० रोड के पीछे, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतन पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 2607, तादादी 77.56, वर्ग गज, मोहला निहारिया, जी० बी रोव, नई दिल्ली-6 ।

> आर० पी० राजेंग, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक : 15-1-1985

प्ररूप आईंटी एन एस. -----

श्रीयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जर रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 15 जनवरी 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुठ से अधिक है

श्रीर जिसकी म० 594 है, तथा जो ग्राम भरौला, मजलीम पार्क दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड अनुसूची श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई, 1984

को पूर्वोक्त समित्त का उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से धुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अपस्तियों कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ॥—— 1 कुमारी रानी बाला सेठ, सुपुत्र श्री भ्रमर नाथ, निवासी-ए29, इन्द्रा नगर, जी० टी० रोड, दिल्ली-33।

(श्रन्तरक)

2. श्रोमती शीला देवी पन्नी, श्री प्यारे लाल, निवासी, मी-580, गर्ली न० 12, मजलीस पार्क, दिल्ली-33

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी बाबांप :---

- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तयों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (च) इत् स्थना के राज्यम में प्रकावन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में क्रिए का संकर्ति।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## मन्स् ची

प्रो॰ न॰ 594, तादादी, 111 वर्ग गज, खसरा, नं॰ 262/258/217/4, ग्राम भरौला ग्राबादी मजलीस स पार्क, दिल्ली, ब्लाक 'सी' दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेश, सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली

विनाक 15-1-1985 मोहर : प्ररूप बार्च. टी. एन. एव. -----

जायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 15 जनवरी, 1985

निदेश सं श्राप् ए० सो । (एक्यु । / 2/एस श्राप् । 1/5-84/ 206-- म्रतः मझे श्रार० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है"), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 3185, वार्ड 3 है, तथा जो गली सुई वाली, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्कृत्त का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपयमान प्रतिफाल से एसे रूपयमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकाँ) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देविय से उक्त अन्तरण जिल्हें में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वासके, उत्तर अभिनियम को अभीन कर दोने के जन्सरक को क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को 'जिन्ह' भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के. प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण 🖈, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (🖣 के अधीन, निम्मिलिशित व्यक्तियों अर्थात् :----

, 1. श्री शादा लाल सपूत्र श्री गुरदत्त सिंह निवसी के-1/10, माइल टाउन, दिल्लो,।

(अन्तरक)

2. श्री मदन लाल गर्मा मुप्त श्री छोटे लाल णर्माइ श्रोमतो रोणन देवा पत्नी श्री मदन लाल णर्मा, श्रो बाबुराम सुपुत्रश्री छीटे लाल शर्मा ग्रीर श्रोभती कृष्णा देवी, पत्नी श्री बाब् राम मभी निवासी गली कन्डील कणां, 234, फतेहपूरी, दिल्ली-6

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
  - (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकरें।

स्प**ब्स्किरणः—इस**में अध्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है ।

प्रो० नं० 3185, वार्ड नं० 3, गली। सुई वाली, मोरी गेट, दिल्ली-6, डबल स्टोरी, बिल्डिंग नादादी, 95 वर्ग गज, इलैक्ट्रीक, श्रौर बाटर कनेक्शन, द्वारा प्रवनिधन।

> श्रार०पी० राजेश, मक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन "रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 15-1-1985

## प्रक्म बाहें . डी . एन . एत . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ध्रजंब रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० मो०/एक्यू-2/एस० आर०-1/5-84/ 209—-अतः मुझे आर० पो० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 5998/12 है, तथा जो प्लाट नं० 43-जी. 44ए, जवाहर नगर, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर जो पूर्णस्य में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीक्षकारी के कार्यालय दिल्ली में र्राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 116) के श्रधीन दिनाक मई, 1984

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत में अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में अस्तरण के सिए तम

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त र्रे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सर्विधा के स्थिह; बौर/का
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ की, जिस्हें भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तौरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में व्याधा से सिए;

सत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के सभीन निम्बलिक्कित व्यक्तितमें, अवित :---

 श्रीमती तारादेवी, पत्नी श्री हरीवंश लाल, निवासी 5998/12 यू० ए, अलाक, जवाहर नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री गणिभुणन, दुगल मुपुत्र श्री भगत राम, निवासी 5998/12, यू-ए, ब्लाक, जवाहरं नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

स्त्रे यह प्राना जारी करके प्रानिश्त कम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

कन्य सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस त्यान के राजपन के प्रकाशन की तारीय से
  45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अभोहरताअरी के
  पास निविक्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गवा

**प्रनुसूची** 

पहली मंजिल, प्रो॰ नं॰ 5998/12, यू-ए, बिलाक, प्लाट नं॰ 43-बी, 44-ए, नादादी 175 वर्ग गज, जवाहर नगर, दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश, सक्षम अधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 15-1-1985 मोहर :

(ग्रन्तरक)

प्ररूप बाहा. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1985

निवेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-1/4-84/ 218—श्रतः मुझे श्रार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- त ग अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5/19ए है, तथां जो मोतीनगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याक्षय दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1984

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्दृह प्रशिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या क्रन्य बारित्स्य को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में उतिराह के लिए,

जन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के बनुसरण ८, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निश्निक्षित स्यक्तियाँ, चर्चात् ---

- शीमती नरायण देवी, पत्नी श्री विष्णु दत्त, निवासी 5/19-ए, मोती नगर, नई दिल्ली। द्वारा जी० ए० श्री मदन लाल वाधवा, मुपुत श्री मोहन लाल वाधवा, निवासी 5/19ए, मोती नगर, नई दिल्ली।
- श्रोमती वीना वधवा, पन्नी श्रो मदन लाल वधवा, निवासी 5/19-ए, मोती नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्नरिती)

को यह सुचना <mark>जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियों करसा **ह**ुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण्य में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भासर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा स्कींगे।

स्यख्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया यमा है।

## अनुसूची

सरकारी बना हुम्रा क्वाटर , नं० 19-ए, ब्लाक 5, (भ्रपर फ्लोर,), मोती नगर, नई दिल्ली तादादी 255 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक 15-1-1985 मोहर :

## 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनाक 15 जनवरी, 1985

। नदेश प्राई० ए० मो०/एक्यू०/2/एस०प्रार०-1/5-84 219--म्रत. मुझे प्रार० पोठ राजेश,

बायक र आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 205 है, तथा जो राजा गार्डेन, श्राम बसई दारापुर, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षम, दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई, 1984

को पृशं करा सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि गंधापृशोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक भू और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्धेरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कोचन द्वी किया गया है :--

- (क) बन्तरण ने हुई कियी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे सिए; बॉर/या
- १९) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) के अभीन, निम्निलित व्यक्तियों अर्थास्:——

- 1. श्रीमती कुसुम कुज, पत्नी श्री वेद प्रकाश ग्रीर श्री पृथ्व। राज, नागपाल मुपुत्र श्री वीरभान निवासी 205 म्युनिसिपल न० डक्ल्यू-जैड-61, राजा गार्डेन, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- 2 श्री मखन सिह सपुत एस० अस<sup>7</sup> सिह, निवासी-जी-12, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

## **उक्त** सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन करी अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उम्रत स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सहस्र स

मकान नं० प्लाट नं० 205, म्युनि सपल नं० उब्ल्यू जैड 61, राजा गार्डेन, नई दिल्ली तादावी 93 वर्ग गज, एरिया, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेेेेेेेंग, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन २ेज 2, न**ई** दिल्ली

दिनाक 15-1-1985 मोहर .

## प्रस्थ गाइ. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस०धार०-1/5-84 221—प्रतः मुझे भार० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 26/ए हैं, तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्त कि स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियद के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- नेशनल कमिकल इनास्ट्रीज, लि०
 नेशनल कमिकल इनास्ट्रीज, लि०
 नेशनल नेशनल

(भ्रन्तरक)

 टोबु इन्टरप्राइजेज, प्रा० लि० 8/29, कीति हैगर, इन्डस्ट्रीयल, एरिया, नई विल्लो ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के क्षर्यन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संगरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकेंगे।

स्पद्धतिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्त्रकी

प्रो॰ नं॰ 26/9, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15, सादादी 196.94 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 15-1-1985 मोहर:

# प्र**क्षम् आर्थः, दर्वः, एक्** हुन्न--व्यवन्ता

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायंक मायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1985 निदेश सं० आई० ए० सी० /एक ०/2/एस०आर०बा/5-84/ 225—अतः मुझे आर०पी० राजेश

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे ६समें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० 55, ब्लाक 'ई' है, तथा जो शिवाजी रोड, स्नादर्ण नगर, दिल्लो में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रीर जो पूर्ण का में विजान है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारों के के कार्यालय दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मई, 1984

को पृशांक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य शंकम के दस्यमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गृहं हैं और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पर्तित का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिज्ञत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी माय की शावत, उक्स अधिनियम, अते अधीन कर दोने को अन्यरक अने वायित्व में कमी करने था उससं अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविभा के निए:

बतः अय, उक्त सीमीनयम की भारा 269-त से बन्सरभ में ,मैं उभत सीमीनयम को भारा 269-त की उपभारा (1) के अभीन । भारतिविद्यत व्यक्तियों, समृत्युः—

1 श्री हरवम लाल दुआ, सुपुत श्री गोपाल दास दुआ, निवासी 14443, शम्भु नाथ बिहिडग, गांधी नगर, दिल्ली।

(भन्तरक)

2. कैलाण चन्दर गर्ग सुपूत्र श्रो द्वार० डो० गर्ग, निवासीई-6, महा राजा रण जीत सिंह, रोड, ब्रादर्श नगर, दिल्ली-33

(भ्रन्तरिती)

को यह भृषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिर् कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त संपत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों यो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापुर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी सन्य व्यक्ति इसारा स्थाहस्ताक्षरी के एस निवित में किए या सकेंगे।

स्पन्धकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्थ होगा, को उस अध्याय में विका क्या ही।

## वन्स्ची

प्लाट नें० 55, ब्लाक 'ई', शियाजी रोड, श्रादर्भ नगर, दिल्ली, तादादी, 150 वर्ग गज।

ग्रार० पी० राजेश, सक्षम ग्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजंन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-1985

माहर .

## प्रकृत बाह्र . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्लो, धिनांक 15 जनवरो, 1985

निदेण स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०//1/5-84 232-श्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मूख्य 25,000/- रंज से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 2256/10 है, तथा जो गलो डकोटा, तुर्कमान गेट, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्राधकारोके कार्यालय दिल्लों में रिजस्ट्रोकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक मई, 1985

की पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक्षं हुई किसी बाब की वायतः, उक्तः वृत्तित्रमध्ये अधीम कर देने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उसके वचने में सृतिधा के सिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों. अर्थात :—  मोहम्मद मुस्तािकम सुपुत्र श्री श्रब्दुल कयाम, निवासी 1291, गली शरीफ वाली, काला महल, दरीया गंज, नई दिल्ली, । मोहम्मद, रफीक, सुपुत्र श्री मोहम्मद हिनफ, निवासी गली गोंधनी वाली, काला महल, दिल्ली-6।

(भ्रन्सरक)

2. मोहम्मद भ्रजिज सुपुत श्री मोहम्मद यासीन श्रीर श्रीमती रोशनारा बेगम सुपुती श्री जहुरूद्दीन, पत्नी श्री मोहम्मद भ्रजीज, निवासी 1877, गली वजीर बेक तुर्कमान गेट, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकें पृवाँक्त सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विधियों में से किसी स्पत्ति इवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त व्यक्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्रो० ० 2256, वार्ड नं० 10, तादाक्षी, 66.7 वर्गगज गलो डकोटा, नुर्कमान गेट, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश, सक्षम ग्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-1-1985

प्रकप नाइ .टी. एन. एस ु-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुधना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नहै दिल्ली

नहैं दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्वेण मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/5-84/ 186—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 1761-64 है तथा जो वार्ड नं० 11, कुषा, दक्षिणी दिरया गंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरेतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस, निम्निसिबत उद्वेष से उपत अन्तरण निवित्त में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के शरिदल्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधाः के सिए; बाँद्र/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्ही भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम या अवकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृविधा के शिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निजिमित व्यक्तियों, अर्थात :——  प्रेम सिंह मुपुल स्व० श्री जीवन सिंह, निवासी 1610, पटौदी हाउस, दरीया गंज दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री दलीप सिंह सुपुत्र स्व० श्री जीवन सिंह, निवासी—1610, पटोदी हाउस, दरीया गज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृवािकत सम्परित के वर्जन के जिल् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🆫

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में विस्वतंश किसी अन्यः व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पांख लिखित में किए जा संकों।

स्पव्यक्तिकरण :—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मिम, के अभ्याय 20-क में विराधित है, वहीं जर्म होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

समस्त्री

आर० पी० राजेज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-1-1985

4.1

Ę

## प्रक्ष बार्च हो. एक् एक ु-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## मारत् सरकारः

'जार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० भी०/एक्यू०/2/एस०आर०/1/5-84/ 234—अतः मुझे आर० पी० राजेण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 1875 है, तथा जो कुचा खयाली राम, पाती राम बाजार, सीताराम, मेंस्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्कि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उश्त अंतरण निखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त बीधीनवस के जधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; कीर/व।
- (क) एंनी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियों की, विन्ही भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

कतः कवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण् मों, मैं, ज़क्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :--  श्री रिवन्दर कुमार सुपुत्र श्री श्री स्रोमप्रकाण अग्रवालें निवासी 3529, गला हकोम बाका चावरी बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरक)

श्रीमती श्रोमवती, पत्नी श्री दुली चन्द गुप्ता,
 निवामी 1875, कुवा ख्याली राम, कुवा पानी राम,
 वाजार, सीत राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पृश्वेषत सम्मत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

जनत बम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस सध्याय में दिया चैंबा हैं।

#### and the

पह्ली मंजिल, नादादी 115 वर्ग गज, प्रो० नं० 1875 जुचा ख्याली राम, जुचा पाती राम, बाजार सीताराम, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश, सक्षम अधिकारी, महायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 15-1-1985 मोहर : प्ररूप नार्ड . ती . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1985

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/5-84/ 238--अतः मुझ आर०पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000 /- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 397 है, तथा जो लाल कटरा सब्जी मंडी, दिल्लीम स्थित है 'ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण कृप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिरुक्त को लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निच्ति से बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निमम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रियक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के∢लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 15—456GI/84

- श्रीमती दया बती पत्नी श्री बूज किशोर, निवासी 2123, मुकिम पुरा, सब्जी मंडी, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती राम दुलारी, पत्नी श्री बाल सरूप सिंह, निवासी बारा बाजार, दोदरी, जिला गाजियाबाद, यू० पी०

(भ्रन्तरितोः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पन्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास निख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाशित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

**भ्र**नुसूची

प्रो० नं० 397, लाल कटरा सब्जी मंडी, दिल्ली, तादादी 32.25 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 15-1-1985 मोहर: अस्य वाह .टो. एन .एस . .....

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यात्मय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिफली, दिनोक 15 जनवरी, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/2/एस०आर०/1/5-84/ 244—अतः मुझे आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य :5,000 - रठ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 2260 है, (भ्रोल्ड) है, तथा जो न्यू 3380 गली तबला वाला प्रनाद, बाजार सीताराम, दिल्लो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूर्या में श्रौर जो पूणं रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

कां पूर्तोक्त मध्यित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रितिफल से एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की शायक, अवस जीभिनियम के अभीन कर बने के अन्तरक औं वासित्म में कभी करने या उत्तर बम्म में सुविधा के निष्, और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धून या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री विकम वत्त, सुपुत श्री सन्त राम श्रीर
 श्री अधिवनी कुमार सुपुत श्री विकम सिंह, दत्त
 निवासी 17/261, जाली गली, चिली इन्टीच्यूट,रोड, आगरा-3 यू० पी०।

(अन्तरक)

 श्रीमती कृष्णा गृष्ता, पत्नी श्री चन्दरगप्रकाश गृष्ता निवासी 2770, गली आर्या समाज बाजार सीताराम, दिल्ली-8

(अन्तरिती)

को बहु श्वाम कारी करके प्वांक्त सम्परित के वर्षन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी माभेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्तों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा को अध्याय में विया गया है।

## धनुसूची

एक मंजिला, मकान म्युनिसिपल नं० श्रोल्ड नं० 2260, श्रीर न्यू नं० 3380, तादादी 150 वर्ग गज, गली तबला वाजा प्रसाद, बाजार सीताराम, वार्ड नं० 9, दिल्ली ।

> आर॰ पी॰ राजेश, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , नई दिल्ल

दिनांक 15-1-1985 मोहर ः वस्य नाइं. टी. एन. एस. -----

नामकार निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुकता

## भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अजन रेंज-II, नहें दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 15 जनवरी, 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए यू०/2/एस०आर०-1/5-84/ 250—अतः मुझे आर० पी० राजेश

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी हैं। इस कि कि कि कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० 4847/12 है, तथा जो आर्यापुरा, सम्जी मंडी, दिल्ली में स्थित हैं (छौर इससे उपाबद अनुसूधी और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि बभापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-रिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकास, निम्नोशिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिक क्य से कृष्णित नहीं किया नवा है है—

- (का) ब्रम्बर्ग ५ इन्हें किसी साव की वाशस, उन्हें समितियम के ब्रमीय कर योगे के ब्रन्दरम क सावित्य में कमी करने या उन्हों नक्ष्ये में सुन्धिमा के ब्रिस्ट कोड/मा
- (च) ऐसी किसी नान वा किसी भन या नन्य आस्तियां को, चिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या किया वाता चाहिए था, जिमाने में सुविभा के निए;

नतः जब, उन्त निर्माणयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निर्माणयम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के निर्माणिक व्यक्तियों, स्थाउ हिल्ल

- श्री तिलकराज सुपुत्र श्री कृष्ण,
   निवासी 4847 आर्यापुरा, सब्जी मंडी, दिल्ली।
   (अन्तरक)
- 2. श्री रमेश चन्दर, सुपुत्र श्री हरचन्द मल, निवासी 908, शीश मह्ल, आजाद मार्केट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विषय गया हैं।

## अनुसूची

प्रो॰ तं॰ 4847, वाडं तं॰ 12, आर्यीपुरा, सब्जी मन्डी, दिल्ली, स्टेयर केस ग्राउन्ड, फ्लोर, ग्रीर पहली मंजिल, तावादी, 125 वर्ग गज ।

> आर॰ पी॰ राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

|दनांक 15-1-1985 मोहर: प्रस्प आहे. टी. एन. एस.,-----

# नावफर निपानसम्, 1961 (1961 का 43) की नाडा 269-ए (1) के मुधीन बुचना

## शारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/5-84/ 261—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4327 है, तथा ओ गली कायस्थन, ग्रंसारी रोड, दिल्मी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृन्द्रहु प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक कि निम्नितिष्ठ उद्वेषय से उक्त मृत्यण निविद्त में वास्त्रिक क्ष्य स्थ का स्थ हैं कि सामा है के

- (क) अध्यक्षक से हुन हैं हैं करी बाब की बाव्छ उनक वृषिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में क्ष्मी कड़ने या उब्हें ब्लूने में सृष्टिभा के निए; मोड़/शा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना था हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उदत बीधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त:—  श्री सतीम चन्द, रमेण चन्द, हर्ष चन्द और डा. योगेश चन्द सभी सुपुत्र गण, कैलाश चन्द, निवासी 220, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

 मै० सत्यम बिल्डसं, चेम्बर नं० 19, 8 मंजिल, मयुर भवन, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सृष्यना था<u>री करके पृत्रों कर सम्</u>पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति वृतारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकीं।

स्पृथ्यीकरण: -- प्रसमें प्रयूक्त शब्दा और पदों का, जा उनक् अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया वना है।

## वन्सुची

प्रो० नं० 4327, तादादी, 136 वर्ग गज, गली कायस्थन भंसारी रोड, विल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक 15-1-1985 मोहर & प्रस्प कार्यः ही. एन , एव . -----

नायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० अई० ए० सी ०/एक्यू ०/2/एस०आर०/1/5-84/ 264--अतः मुझे आर० पी० राजश

भानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से बिधिक हैं

मोर जिन्हों ति हो/43, है तथा जो माम हैदरपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पृणं रूप से विणा है) रिजिन्द्रोहर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिन्द्रोहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई, 1984

का पृथींकत सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्हिवास करने का कारण है कि यथापृथींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदेग से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जाव की वावत न उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्त में सविभा के सिए; और/या
  - (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बच्च बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुनिभा के निए;

अतः अव, उक्त अभिनियम् की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीत, निम्निलिखित क्युक्तियों अभात् ६——  श्री ईशिर सिंह, बजाज, नियासी मकान न० 8, रोड, न०14, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै॰ कैलाम स्पेमल, स्टी प्रा॰ लिमिटिड, सी/22, भाग-1, अमोक विहार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबंध में कोई भी वाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 विन की अप्रधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तिया में भे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के एतस तिकाल में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

#### अन्त्रज्ञी

प्रो॰ न॰ डी/43, एस॰ एम॰ ए॰ को-आपरेटिव इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, लि॰ ग्राम हैदरपुर, विल्ली 1228.8 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक' 1*5*-1-1985 मोहर: प्ररूप भाइ. टी. एव. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुमना

## भारत सरकार

# कार्यांक्य, सहायक कार्यकर बायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 1985

निवेश सं अाई० ए० सी०/एम्यू०/2/एस०आर०/1/5-84/ 246—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3248 से 50 है, तथा जो मोरी गेंट, विल्ली में स्थित है (शौर इससे उपाबद अनुसूची में शौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्रीक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) ब्लारण वे हुई किसीं बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के ब्र्धीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे व्यने में सुनिधा के लिए; वार्ष्ट/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाबा बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए.

वतः जय उत्तर मीधीनयम की धारा 269-म के जनुसरण मैं, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे नधीन, निम्मसिचित व्यक्तियों () संधारत ह—  श्रीमती उमिल, निवासी 3304, मोरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश लाल सेठी, निवासी 3250, मोरी गेट विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पृथ्मित सम्परित के अर्थन के रिन्ध कार्यवाहियां करता हु-।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकर्षि।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्वी

1/3 भाग, त्रो॰ नं॰ 3248 से 3250, मोरी गेंट, विल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी <sup>;</sup>सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनोक 15-1-1985 पोहर क्ष प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

## सारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जम रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भार०-1/ 5-84/249---मत: मुझे, म्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार भृत्य 25,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2167 है तथा जो चाह इन्द्रा, एच०, सी० सेन रोड, विल्ली-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांणत है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1984

को पृवंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक का से किथत नहीं किया स्वा है है—

- (क) जन्तरण ते हुद्द किसी बाय की बाबत उक्त अधि-जियम को अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या टब्से बचने में तृतिथा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निजिकित अधिनतमों, अर्थात् :---- (1) श्रो सुनोल मोहन, नियासो डो-316, डिफेंस कालोनो, नई दिल्लो, जी० ए० श्रोमती विमला देवी।

(मन्तरक,)

(2) श्रीमती लक्ष्मी शर्मा, निवासी 2163, चाह इन्द्रा, एच० सो० रोड, दिल्लो-6।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपर---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील में 30 दिन की बनीध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वाराः
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्प्रध्वीकरणः -- इसमें प्रयक्त कर्यों और पदौं का, जो उक्त जिथितयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय गया है।

#### मनसूची

प्रापर्टी नं॰ 2167, जाह इन्द्रा, एच॰ सी॰ रोड, दिस्सी-6 160 वर्गे गज ।

> मार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

सारीख: 15-1-1985

मोहर 🙄

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/ 5-84/257--श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्धावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  $25,000/-\tau$ : से अधिक है

श्रीर ीजसकी सं० सी-426 है तथा जो मजिलस पार्क, दिस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालया दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी. आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, नियनिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्  $\varepsilon$ —

(1) श्रीमती सन्तोष कुमारी मार्वाह श्रीर श्री धनीश कुमार मार्वाह, पत्नी श्रीर सुपुत्र स्व० श्री श्री मेलाराम मार्वाह, निवासी सी-509, मजिस पार्क, दिस्ली-33 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रोणन लाल मिश्रा सुपुत्र पण्डित राम चन्द, निवासो ए-152, मजलिस पार्क, दिल्लो-33।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- शब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्रस्थक्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनुस्यी

प्लाट नं० सी-426, तादादी 111 वर्ग गज, मजलिस पार्क, कालोनी, दिल्लं:-33 ग्राम भरौला खसरा नं० 262/ 258/217/4 ।

> ग्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्लो

तारीख : 15-1-1985

## प्ररूप बांधी, टी. एन. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाम

## भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,2, हैदराबाद

.हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एनपू०/2/एस० धार०-1/ 5-84/258—-झत: मुझे, घ्रार० पी० राजेश,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- क. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० 7-ए है तथा जो ब्लाक 'सी' मजलिस पार्क दिल्ली-33 में स्थित है (श्रौर इससे उपावस धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है'), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्दोस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जॅतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाब का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नेलिखित व्यक्तियों, जभातः——
16—456G1/84

(1) श्रीमती ग्रमृत कौर पत्नी श्री वाल मुकुन्द, निवासी मकान नं० 51, गुजरन वाला टाउन, भाग-2, दिल्ली- ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती राजकली पत्नी श्रोकंषर सेन, निवासो मकान नं० 260, ब्लाक ए, मजलिस पार्क, दिल्ली-33 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उच्या सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तिश्वां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उथात अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

व्लाट नं० 7-ए ब्लाक सी गली नं० 5 मजलिस पार्क, दिल्लो-33, तादादी 111 वर्ग गज ।

प्रार० पी० राजेश, डूसक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-1-1985

मोहर ∷

## प्रकप् भार्यः, टी. एन., एस. ----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत त्वना

## भारत चडुकार

आर्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरो 1985

25,000/- से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० 321/2-सी है तथा जो ग्राम सधोरा खुर्द,
थान मिंह नगर, श्रानन्द पर्वत, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16( के श्रधीन; तारीख मई, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह निष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
गदह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देशिय से उक्त अन्तरण लिखित
में अम्तरिकक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बालत, उभव अभिनियम के अभीत कर दोने के अंतरण के दासित्य में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय का किसी धन या जन्य जास्तियाँ का जिन्ह भारतीय , जायंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधां के लिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित अधिकत्यों, अधीत् हि—

(1) श्री सोहन लाल सुपुत्र श्रो सुन्दर लाल, निवासी 16/873, ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती नस्तूरो देवी पत्नी श्री गनपत राम, निवासी 10414, बागीची श्रलाउद्दोन, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिह कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी **स** 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में में किसी अवितर द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिमित में किए जा सकोंगे।

श्यस्टाकरणः—-इसमें प्रयुक्त शन्दों और,पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस\* गया है।

#### वतस्त्रको

मकान नं० प्लाट नं० 321/2-सी, तादावी 100 वर्ग गज, खसरा नं० 782/171, ग्राम सम्रीरा खुर्द, धान सिहनगर, ग्रानन्द पर्वत, नर्ष दिल्ली।

> श्रार० पी० रााजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी, एन. एस.,-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०,एस्यू०,2,एस० आर०-1,5-84,269- अत: मुझे, आर० पी० राजेश नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की भार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिव हैं तथा जो गलाब मोहम्मद खान

न्नीर जिसकी र्स० 1083,6 है तथा जो गुलाब मोहम्मद खान बाजार साल कुंआ, दिल्ली में स्थित है न्नीर इससे उपाब इ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है(, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनिर्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्शिलिशित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) बन्तरण से हुई किसी जाव की बावन उक्त खिंध-निवस के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी भग या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, मा भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विभा के सिए;

ं अतः अन उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण वी, वी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिवित व्यक्तिगरी, अर्थात् :---

(1) श्रीमती अक्सर मुलतान जहां बेगम एलियास छामी विधवा पत्नी: डा० मिर्जा सुलतान अहमद, निवासी 1204, गली मजार वाली, काला मस्जिद, दिल्ली:

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मोहम्मद शफा 2. मोहम्मद जाकी श्रीर मोहम्मद खलील सुपुत्रगण श्री मोहम्मद ताकी, निवासी -116, मस्जिद तेवर खां, नया बांस, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन खें लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को उपजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा क्केंग।

हमध्यू किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधि-नियम के सभ्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन संची

प्रो॰ नं॰ 1083, वार्ड नं॰ 6, तादादी 187 वर्ग गज, कटरा गुलाम मोहम्मद खां, बाजार लाल कुंआ, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-1-1985

मोक्षर:

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

नाइत सरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 15 जनवरी 1985

निवेश र्स० अर्थ ए० सी०,एस्यू०, 2,एस० आर०-1 5-84,2733-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० 956,7 हैं तथा जो गली चाह गरीन फराश खाना, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची, में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मिया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अंतरण कि लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव की वावत, उक्त वीधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में समिधा के लिए: और/वा
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात ८--- (1) श्री मनोहर लाल मनचन्दा सुपुत श्री कन्हेंथा लाल मनचन्दा, निवासी-एस-26, कृष्ण नगर, विल्ली-51 ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद समीउदीन सुपुत्र श्री जहुरु—उद्दीन, निवासी-960, 962, गली चाह शरीन, फराश खाना, दिल्ली। श्री रद्स—उद्दीन सुपुत्र श्री जहुरुउदीन, निवासी 1724, गली अखाड़ा वाली, होज सुद्दीवालान,

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्चन के लिख कार्यवाहियां कुक करता हुं।

उन्त राज्यति के वर्षन के राज्यन्थ में कोई भी नाओर :----

- (क) इस ब्रुचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवृधि, जो औ अविध्या में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यासत्
- (क) इस सूचना के युवपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति इताय अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्वक्किरण :----इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का, जो उक्त निधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिवा ग्या हैं।

## अनुसूची

सिंगल स्टोरी गोडाउन नं० 956,वार्ड नं० 7, गली चाह गरीन, फराग खाना, विल्ली, तादाबी 116-75वर्ग गज ।

> आर॰ पी॰ राजेश क् सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-1-1985

## प्रकम आई. ही. एन. इस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा , 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1995

निवेश सं० आई० ए० सी०,एक्यू०,2,एस० **भार**०-1/5-8.4/2.74-- अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुप्त स अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 133 है तथा जो गडोडिया मार्केट, खारी बाबला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) दिंके अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिकित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुदं किसी बाब की बाबत, उपके अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व यें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिभा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण बें. में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, मिन्निनिवित स्यक्तियों, अर्थाव ६—- (1) एस० उत्तम सिंह सुपुत्र श्री भगवान सिह, निवासी-बी-33, गुजरान वाला टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

1

(2) श्री मन मोहन सिंह सुपुत श्री निरजन सिंह, निवासी-ए--73, कीति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस स 45 विन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्रकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीक रण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो सम अध्याय के दिया गया हैं।

## वनुस्ची

1/2 भाग दुकान नं० 133, तादादी 54.63 वर्ग फीट, गडोडिया मार्केट, खारी बावली, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्लो/मई दिल्ली।

तारीख: 15-1-1985

मोहरः

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०,एक्यू०,2,0स० आर०-1/5-84/275- अतः मुझे, आर० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पदवात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राभिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 13-ए है तथा जो ग्राम राजपुर छ वनी, भ्रोल्ड गुप्ता कालोनी, दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचेने के सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने भें सुविधा क रिलए,

वतः अवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसारणं कों, में उवत विधिनियमं की धारा 269-णं की लपधारा (1) को अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:— (1) श्री हंसराज सागर सुपुत्र श्री छ।जू राम, निवासी कोठी नं० 469, फ्रेस-1, एस०ए० एस० नगर, डिस्ट्रिक्ट रोपर,पंजाब।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरवना रानी धर्मपत्नी श्री दर्शन लाल, निवासी 131-ए, ग्रोल्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिन में हितबद्त किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अभ्याय 20 क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिवा गया है।

#### मनसर्ची

प्रौ०नं० 131/तादादी 52-1/2 गज खसरा नं० 736/ ग्राम-राजपुर छावनी आबादी ओल्ड गुप्ता कालोना दिल्ला)

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 16-1-1985

मांहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

कार्यास्य, सहायक आयकार काय्यका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 5-84/277—अतः मुझे, आर० पी० राजेश.

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 11 है तथा जो हकीकत नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

करें प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास क एने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाग गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बायत अक्त अधि-निवस के अधीन कर दीने को अन्तरक को दाष्टिस्य में कभी करने वा असमे तचने में सुविधा क लिये; बहु/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना साहिए था, जिल्लाने से निवध वी विवद;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के बधीन, किस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री सागर मन मुपुत्र श्रा रताराम अग्रवाल निवासी 11 हकावत नगर दिल्ली द्वारा जी० ए०, श्री बदरी नाथ मलहोत्रा।

• (अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला देवी अग्रवाल, पत्नी श्री राम निवास अग्रवाल, निवासी 16, हकीकत नगर, दिल्ली। \

(अन्तरिती)

को यह सुवर्ग जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी जाबीब ह----

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति इसारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

#### नगत ची

जी० बी० पी० क्यार्टर नं० 11, हकीकत नगर, दिल्ली, तादादी 123 वर्ग गज ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1985

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 914/84-85 यतः मुग्ने, आर० पा० राजेश,

आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका संव 3,3830 है तथा जो पटौदी हाऊस, वरिया गज, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीय इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख़ 1 मई, 1984

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर दिक्षण में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है, मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विध्य से उक्त लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट मही किया गया या या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में निविधा के सिए:

ध्न भव, उक्त अधिनियम की धारा १६० ग के, बन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा १६० म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री क्रुपाल सिंह, निवासी गिल फार्म, पोस्ट मदनगीर, नई दिल्ल्ये

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती कुसुम गुप्ता,निवामी ई-15,22,
- कृष्णा नगर,
   दिल्ली-51 ।

(अन्तरिती)

को ग्रह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उवस सपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का,, जो जनतें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स् ची

फ्लैट नं० 3, बिल्डिंग नं० 3830, पटी ही हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली, तादांची 262 वर्ग फीट ।

> आर० पी० **राजेक** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुकुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीखा : 14-1-1985

माहर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-1,37 ईई०,2468,83-84-अतः मुझे, ए० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 22, तीसरा माला, राजगिर चेम्बर्स, 12/14 शहीद भगत सिंह रोड, ग्रोल्ड कस्टम हाऊस के सामने है तथा जो बम्बर्स में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बर्स स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिएमूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंशरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कार दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए: और/दा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

शतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ;── 17—456GI/84

(1) मै० राजगिर विल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मै० रिक्षवी फाउन्डेशन्स।

(अन्तरिती)

को वह त्यान आरी करके पूर्वोक्त सच्यत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुते।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गया है।

## अनुसुची

आफिस नं० 22, तीसरा माला राजगिर चेम्बर्स, 12,14, शहीद भगत सिंह रोई, भ्रोल्ड कस्टम हाऊस के सामने, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-1/37 ईई०/2305, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मई, 1984 को रैजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

प्ररूप आई. दी., एन. एस.,-----

मायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० $-2_l$ 37 ईई०l4729l83-84--अतः मुझे, कक्ष्मण दास

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार भूक्ष 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, पहली मंजिल कुंज बिहारी को-आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, गुर्जर लेन, सांताकूस (पिक्चम), बम्बई हैं तथा जो बम्बई-400054 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं,

1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान ब्रितिफ ल के शैलए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास केंद्रेन का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह बिताय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिक का निम्मिसिका उद्हरेग से उचेत जन्तरण मिसिक में वास्तरिक क्या परी है:---

- (क) कन्तरम संक्षुतं भिक्ती शायकी बागत, उपस वीवनियम के अभीत कर योगे के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) श्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए बा, कियाने वो स्विधा के निए;

कतः अब उनत विभिनियम की भाय 269-ग के जन्तरक व, व, जमत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, गिम्निलिशित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्री शिरीश छगन लर्लि झवेरी।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक रसिक लाल शाह।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

श्रा यह श्रूचना भारी करके पुनाँक्त सम्मिति के वर्षन के निर कार्यगाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जगींथ या तरकव्यन्थी व्यक्तिकों पर कृषना की तानीज से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ नाद में तमाप्त होती हो, के भीषर पूर्वों कर क्षांक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकों ने।

सम्बद्धित्यः—इसमें प्रभूतस्य सम्बद्धित्य वर्षे का, को उपस् विभिन्नम्, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

## **प्रशुप्**री

फ्लैट मं० 2, जो पहली मंजिल, कुंज बिहारी को० आपरेटिव होर्झिसंग सोसाइटी लिमिटेड, गुर्जर लेन, सोताकूज (पश्चिम), बम्बेई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई:2/37 ईई०,4729, 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, बम्बई

तारीख : 4-1-1985

प्रकथ गाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहाँदक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं ० आई ० 2/37 हेई ०/4778/83-84-अतः मुर्झे, मुझे, लेक्सण पास

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, दूसरी मंजिल, बी विंग, जार्जियाना गीलीं राजन विलेज, बाग्ना है तथा जो बम्बई—400050 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारंनामा आयकरअधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है

को पूर्वोकत सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्योध्य से उच्त अन्तरण निश्वित को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उनते अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी धन या जन्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) मै० रेशमा कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरह)

(2) श्री मोहम्मद खान एलाही।

(अन्तरिती)

(3) अंतरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही जर्भ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### नर्स्यी

पसैट नं 201, जो दूसरी मंजिल, विंग 'बी'इ जाजियाना, सी' टी एस प्लाट नं सी | 1308, 1284, 1283, एवं 1304 शेली राजन विलेज, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/4778/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्**ष

तारीख: 2-1-1985

प्रस्य बाइंु टॉ∴ एत , एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/4783/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 307, तीसरी मंजिल, 'शिरीन सोहराब प्लेस, बिल्डिंग प्लाट नं० 225, नरीमन रोड, विले पार्ले (पूर्व) है तथा जो बम्बई-400057 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से विणित है),

भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य जिसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिएह बौर/बा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्त अपिस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) मै० सवाली मैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती ऊषा प्रवीण चन्द्र मेहता, तथा
  - 2. श्री तुषार प्रवीण चन्द्र मेहसा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया है।

#### वसमर्च

फ्लैट नं० 307, जो तीसरी मंजिल, 'शिरीन सोहराब प्लेस, बिल्डिंग प्लाप्ट नं० 225, नरीमन रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/4783/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 3-1-1985

## प्रकार बाहें. दी. हम . इस . ------

# नावकार मिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

## मारत तरकार

## भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/4784/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. संअधिक हैं

स्रोर जिसकी स० फ्लैप्ट नं० 104, जो पहली मंजिल, 'शिरीन सोहराझ प्लेस', बिल्डिंग प्लाट न० 225, निरमन रोड है तथा जो विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे स्रोर पूर्ण रूप से विणित है),

भ्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, धम्बई में रजिस्ट्री हैतारीख 7 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रदिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्त- विकल्प हो किया नहीं किया नवा है:---

- रिका) जन्तरक से हुन्द किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्य में कसी कहुने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

बत:, बय, अक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरक कें, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० सवानी फैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री केणव सदाणिय णिरोडकर तथा
  - 2. श्री अमित शरद शिरोडकर।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीकत संपरित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उचत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिक्त में हिन-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा ओ उस अध्याय मे दिया गया हैं!

## जन्स्ची

पलैटनं० 104 जो पहली मंजिल, 'णिरीन सोहराब प्लेस, बिल्डिंग, प्लाट नं० 225, नरिमन रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई०-2/37 ईई०/4784/ 83-84 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 3-1-1985

प्रक्म कार्ड्, टी., एन. एस.-----

कायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वृधीन सूचना

#### भारत सर्कार

## कार्यांत्रयः, सहायकः वायकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० अई० -2/37 ईई0/48044/83-84—अतः मझे, लक्ष्मण वास

नायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपर्तित जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

मोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, हिमाथ घर को० आपरेटिय हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, टोलीफोन एक्सचेज के पीछे, 13वां रास्ता, है तथा जो खार बम्बई-400052 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधींन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 11 मई, 1984

को पूर्वांचर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रमान प्रतिकस के लिए बन्तरित की गई है, बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संघापूर्वोक्त संपर्तित का उचित् बाबार बूक्य, उत्तके क्रमान प्रतिकस से एसे द्रम्मान प्रतिकस का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया गया बिक्य, विक्तृजिधित अबुवेश्य से उच्त बन्तरण सिधित से बास्तर्विक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अस्तरण वं हुई किसी नाव की बावत उक्त अधि-जिस्का के अधीय कर दोने के अस्तरक के दामित्व में कभी करने मा उससे वचने में तृतिभा के लिए; बीर/वा
- [वा) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों कां, जिन्हें बारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर बाँचिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्लारिती ब्वास प्रकट वहीं किया यम था या किया बात चाहिए बा, क्थिन में सुविभा के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) श्रीमती पुष्पा ईम्बर वास वारीनवानी। (अन्तरक)
- (2) श्रीराम **६**म्बर वास गंगवानी । (अन्तरिती)
- (3) अंतरिती और अन्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह सुचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

न्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गण हाँ।

#### and the

फ्लैट नं० 6, जो हिम्मत घर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसांइटी लिमिटेंड, प्लाट नं० 539-ए, 13 वां रास्ता, टी० पी० एस० तीन टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/4804/83-84 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 4-1-1985

# प्रक्ष बाइ .टी.एन.एस.-----

माथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मृथना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, दूसरी मंजिल, साविधा-2 विल्झिंग डा० डायस रोड़ के सामने, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (और इससे उपाबत धनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 11/5/1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिक्षत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वांय से उस्त अंतरण लिखत में वास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया गया है :—

- (क) जनारण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियर; के अधीन कर दोने के जन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी भाय या किसी भन या अस्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के शिए.

भत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अगुसरच में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स कान्काई एन्टरप्राइजेस

(भन्तरक)

(2) श्रो जोसेफ विली पिन्टो, तथा 2. श्रोमती ज्युडिया पिन्टो

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी कन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ने संची

फ्लैट नं० 4, ओ "सविद्या-2" बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, डा॰ पेट्री डायस रोड़, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित

प्रतुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/4808/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11/5/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासे सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-1-1985

प्रकप् भाष्ट्रं, टी. एन. एव.------

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बायुकर वायुक्त (विरीक्श)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निर्देश सं० भई-2/37ईई/4826/83-84- अत: मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्मित्त, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक ह

स्रोर जिसकी सं० युनिट नं० 403—एम०, माधवा, प्लाट सी—4, "ई" ब्लाक, कुर्ला—बान्द्रा कर्माणयल काम्प्लेक्स, बान्द्रा (पू०), बम्बई 400051 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची मे ग्रीर पूर्णरूप से वणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याख्य में रजिस्ट्री तरीख 11/5/1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया च्या इतिफल, निम्निसिचत उद्देष्य से उच्द क्लरण निम्निसिचत संवास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अप्तरण से हुए किसी बाव की वावत ववव अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्व में कभी करने या उससे वचने में कृषिभा के निष्, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

सत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसियत व्यक्तियों, अर्थीय हम्म (1) मैसर्स माधवा युनाईटेड हाटेल्स

(म्रन्तरक)

(2) 1. श्री एम॰ जी॰ नाईक, तथा 2 श्रीमती सुमिता जी॰ नाईक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की संबंधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की सर्विध, को भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 फिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में हितबहुथ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताकारी के पास किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्ची

"युनिट नं० 403-एम०, माधवा जो प्लाट सी०-4, "है" ब्लाक, बान्त्रा कुर्ली कर्माशयल काम्प्लेक्स, बान्त्रा (पू०) बम्बई-400051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/4826/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11/5/84 को रजिस्टडें किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 2-1-1985

मोहर ः

## प्रकृष् आइं.टी.एन्.एस. - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्मालय, सहायक आयकर वाय्यत (निरक्षिण) प्रजन रेंज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निर्देश मं० श्रई-2/37ईई/4827/83-84—-श्रत: मुझे, नक्ष्मण दाम,

बायवार लिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्रियान हो, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संव युनिट नंव 404-एमव, माधवा प्लाट सीव-4, ''ई'' ब्लाक बान्द्रा-कुर्ली कर्माणयल काम्प्लेक्स, बान्द्रा (पूव्व), बम्बई 400051 में स्थित है (श्रीर इससे उपायब श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे

रिजस्ट्री है, तारीख 11/5/1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ष है और मूओ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्छ ह
प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित
को वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आव की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्सरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बार/शा
- (ल) एन प्रनी त मी घर या उपय अधिनयमें को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निकास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास की किया आरा धी हिए था दिल्लाने में मुख्या के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधित :--- 8—456 GI/84

(1) मैंगर्स माधवा गूनाईटेड हाटैल्स (इन्टर-नेशनल) लि०

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री मुमन्त जो० नाईक, तथा 2. श्री एम० जी० नाईक

(स्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के रिज्ञ कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सभ्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 निन की अवधि या तत्मबभी व्यक्तियों पर मूचना की तामीलार 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदी का, जो उसत अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-कि में पीर्-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

"यूनिट नं० 404-एम०, माधवा प्लाट नं० सी-4,से जो "ई" ब्लाक, बान्द्रा-कुर्ला कर्माशयल काम्प्लेक्स, बान्द्रा (पू०), बम्बई 400051 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं धई-2/37ईई/4827/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 11/5/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायकेत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-1-1985

## प्रकप बाह्". टी. एम. एस. \*\*\*\*\*\*\*

# जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के जभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 3, पहली मंजिल, 'ए' ब्लाक, सागर संजोग को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, 50-सी० जे० पी० रोड, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पश्चिम) है तथा जो वम्बई-400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन, मक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रश्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किन्तिरितियों) के बीच एसे बस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं बायित्व में कभी करने वा उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिणाने के स्विधा के निए;

अतः अदः, उक्तः अधितियमं की धारा 269-गं के अनुसंरण के जैं. तक्त अधितियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पीटर नेलास्को डिसौजा ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री नरेश जेठानन्द सुखवानी तथा
  - 2. श्री मुरली जेठानन्द सुखवानी ।

(भ्रन्तरिती)

को नह स्थान भारी करके प्वानित सम्पत्ति के वर्षन के निव कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उन्द दभारित के वर्षन के तस्वत्थ में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी खंचे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी स्थानत ह्वारा;
- इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### वगत भी

प्लैंट नं० 5, जो पहली मंजिल, "ए" ब्लाक, सागर संजोग को० श्रापरेटिव हाऊर्सिंग सोसाइटी लिमिटेड, 50-सी, जे० पी० रोड, सर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-61

श्रनुसूची जैसा कि ऋभ सं० श्रई०-2/37 ईई०/4840/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रिजस्टर्ड कियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज−2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/4864/83-84--- ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ईमला के साथ जमीन का भूभाग एवं भूखण्ड श्रन्धेरी गांवठाण त० साउथ सालसेट, रिज डिस्ट्रिक्ट एवं सब-डिस्ट्रिक्ट बम्बई शहर तथा बम्बई सब-निर्धारित सी० एस० नं० 93 एवं पारडी णनं० 34/1, 4/2 है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुद्दं किसी जाब की बाबत, अक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तस बचने में सुविधा के किए; ब्रोट्/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी अन अन्य आस्तियों की रिजन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा जी निए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) ♣ अधीन, निम्नौलिखित स्यक्तियों, अर्थाष् ः——

- (1) 1. श्री मोती राम पी० चावला तथा
  - 2. श्री मोहन सिंह एस० नागपाल।

(अन्सरका)

(2) मै० सम्प्राट बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) 1. श्री एम॰ एम॰ जैन
  - 2. श्री अल्लारखां जुसूब,
  - 3. श्री इप्राहिम एम० घौड़ी वाला
  - 4. श्रीमती अमीना बाई वाऊदर्शी
  - श्री एन० जे० पटेल एवं
     श्री सी० एच० रहमान ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सैं 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

**धन्**स्ची

ईमला (स्ट्रक्षचर) के साथ जमीन का भूखण्ड जो ग्रन्धेरी गांवठाण, तहसील साउथ सालसेट, रिजनल डिस्ट्रिक्ट एवं सब-डिस्ट्रिक्ट धारित सी० एस० हं० 93 तथा पारडी नं० 34/1, 4/2, बम्बई शहर एवं बम्बई उप नगर में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-2/37 ईई0/4864/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-1-1985

## प्रकृष बाइ". डी. एम: एच.-----

# नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के वधीन स्वाम

## भारत्व स्टब्स

कार्यालय, सहायक बायकर बायक (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० प्रई०-2/37 ईई०/4875/83-84—प्रतः मेझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13 एवं 14 तीसरी मंजिल, 'शीश महल', शीश महल को० आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी, 5-ए डी, माउन्ट रोड है तथा वान्द्रा (पिचम), बम्बई-500050 में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारन(मा आयकर श्रधिपनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्टी है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त राम्पिति के जीचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिल की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय नामा मया प्रतिफन, निम्निविचित उद्देशका से उक्त कन्तरक जिला के लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बावत, उक्त विभिन्निम के कशीन कर देने के बन्सरक के काबिरन के कभी करने या उक्क क्चिय के सिक्ट, आहै/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी भन या छन्य आस्तिमों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना भाहिये था, छिपाने में स्थिभा के निष्;

नतः सन, अनत सिर्धिनयम की भारा 269-ग के जनुतरण में, में, उक्त सिर्धिनयम की भारा 269-ग की उपभादा (1) के सभीन, निम्मसिनित व्यक्तियों, सभीत ह— (1) श्री माधनमस खेमचन्द छाबालानी ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. कुमारी दोमी करसेटजी वकील तथा
  - 2. मै० काकड प्रापर्टी डेवलपसं कनफर्मिंग पार्टी )।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख ह 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उन्तर स्थायर सम्पित मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## ननस्थी

फ्लैट नं० 13 एवं 14, जो तीसरी मंडिल, 'शीश महल', शीश महल को० श्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी 5-एडी माउन्ट रोड, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई-400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैमाकि क ०सं०अई-2/37ईई/4875/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई द्वारा दिनाँक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

बायकर बिधिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक बायकर जायक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० प्राई०-2/37 ईई/4909/83-84—भ्रत. मुझे, लक्ष्मण दाम

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 314, तीसरी मजिल, वसींवा मनीप को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिड, 'डी'/विंग, 43, मनीप नगर ग्रन्थेरी (पश्चिम) है तथा जो बम्बई—400058 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध नियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय, में रजिस्टी है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वा का सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अतिरत की गई है और मृद्रा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण सं**हुइं किसी आय की आवत, उन्नत** अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत कि, उस्त रिपिनियम की तारा १६९-ग के अनुसरण मं, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) 1. श्री श्रख्तर नजीर ग्रहमद तथा
  - 2 श्रीसरवर घली नजील घहमद।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जोनाधन फर्नौडीम कोरिया तथा
  - 2. श्रीमती स्टेला कोरिया।

(अन्तरिती)

(3) कुवारी

(वह व्याक्त जिसके अधिभोग में सम्पति है।) को यह स्चना जारी करके प्योक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

ज्ञान सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूचना की तामील न 30 दिन की अविधि जो भी अत्रिध पार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति में से किसी टाक्ति बुवाया;
- .खं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर के स्थानर सम्पत्ति में हिनबब्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरों के सम्बद्धि निस्तर किया जा सकत्ता

## नगुत्रकी

फ्लैट नं० 314, जो तीसरी मजिल, बर्मोबा मनीय को भ्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 'डी' विग, 43-मनीय नगर, श्रन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400058 में स्थित

भ्रनुसूची जैसा कि कम स० ग्राई०-2/37 ईई/4099/ 83-84 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई झारा दिनाक 14 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज--2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

## °प्ररूप आर्ड, टी, एन, एस्.-----

# बायकर बाधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई/4911/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दामं

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स फे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, पहली मंजिल, श्रमर कुंज बिल्डिंग, बेंजट स्ट्रीट, सांताभुस (पश्चिम) है तथा जो बम्बई 400054 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि— नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी वम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई फिसी आय की नामत, उत्तर अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के सिष्ट; बॉड/बा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— . (1) मैं० गोवानी बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

- (·2) 1. श्री मृदुलाबेन बिपिन चन्द्र भाह तथा •
  - 2. श्री बिपिन चन्द्र चन्द्रकांत शाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस तृषना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यें क्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णक्ष निभित्त में किए जा सकरेंगे।

श्यक्टीकरणः ----हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया डैं।

#### असम की

पलैट नं० 7, जो पहली मंजिल, अमर क्रुंज बिल्डिंग, बेजट स्ट्रीट, सांताकुस (पश्चिम), बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-2/37 ईई/4911/83-84 भौर जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-1-1985

प्रसन् कर्मा हो। एकः एकः ----

नायकार सीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्बालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

नायकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्व 25,000/- रु से अधिक है

ग्रौर्जिसकी सं० शाप नं० 6, 'सिक्रेस्ट' बिल्डिंग नं० 1, सात बंगलोज, जे० पी० रोड है तथा जो ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400061 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका कलरारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को प्रांचित सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के स्थमान मित्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यणाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निक्ति में बाल्सिन के स्थित नहीं किया में इन्तरित अन्तरण से सिक्त से क्षित नहीं किया में इन्तरित अन्तरण सिक्ति में काल्सिन के स्थान स्थान हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी अप की वाबत, उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के वस्तरक के वाहित्व में कमी करने या उससे यचने में तृतिभा के जिए. नार्/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिक्ट।

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निय्निनिवित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीइन्द्रकृमार एन० चावला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शफीक ग्रहमद ग्रब्दुल हमीद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांध्र भी आक्षोप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इम सूचना के राजपात स्मां प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिसिन को किसा जा सकोंगे।

. पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में प्रिशाधित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

## वनुसूची

शाप नं 0 6, जो 'सीक्रेस्ट' बिल्डिंग न 0 1, सात बंगलोज, जे 0 पी 0 रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-500061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई०-2/37 ईई०/4914/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-1~1985

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

क्षत्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जेन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० ब्राई-2/37ईई/4922/83-84—ब्रत: मुक् लक्ष्मण दाम,

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीत मक्षम प्राधिकारी को. यह विक्वाम करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, पांचवीं मंजिल, बेल्ले उल्ह" 44-45, 'पेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-5-1984

को प्रवोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उत्दिच्य से उस्त अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अजिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नस अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अविद्यो है तिया पटा नहीं विद्या गया था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कतः क्षतः, उक्त किंपिनियमे की धारा 269-ग के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. मैसर्स सुशील कत्मदुक्शन्स

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री कैमिल्लों कुड़ाम तथा
  - (2) श्रीमती चेरील रोज, कुड्रास।

(ग्रन्तिरो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा अकोंगे।

स्पर्काकरण :--इसमें प्रथुकत शब्दों और पदों का, जो उजते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिए हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### annet i

फ्लैंट नं० 501, जो पांचवीं मंजिल, "बेल्ले उव्ह" (निर्माणाधान) 44-45,पेरा रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा कि क० सं० श्राई-2/37ईई/4922/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-1-1985

#### प्ररूप नाइ.टी.एम.एस. ------

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मंभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985 निदेश सं० भ्राई-2/37ईई/4928/83-84—श्रतः मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 75,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० पलाट नं० 502 पांचवी मंजिल, "वाणक्य" बिल्डिंग, लल्लूभाई पार्क रोड, श्रन्धेरी (पश्चिम), अम्बई-58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी हैं, दिनांक 18-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यास कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसिस में बास्तरिक स्मू से क्षिण नहीं कि बा गया है दुल्ल

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 को 27) के प्रयोज-नाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सिवधा के लिए:

बतः अब, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19---456 G1/84

श्री दौलाल, एचं० भक्तार, तथा
 श्रीमती पृष्पा, डी० भत्तार ।

(धन्तरक)

- 2. (1) श्री दिल निम्मू मू० मेडे, तथा
  - (2) श्रीमती सुषमा, डी० मेडे ।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना चारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिग्रा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, "चाणक्य" बिल्डिंग, लल्लूभाई पार्क रोड, अन्धेरी, (पश्चिम)अ बम्बई-400 058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि के० सं० श्राई-2/37ईई/4928/83-84 श्रौर जो सेक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंब-2, अम्बर्ड

दिनांक 14-1-1985 **मोहर**: प्रशस्य आईं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### श्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध
बम्बर्श, दिनाक 2 जनवरी, 1985

निदेण सं० ग्राई-2/37ईई/493**8**/83-84---ग्रत: मुझे

'सक्ष्मण दाम

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्यान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 5, शिवस्मृति, सोसायटी, प्लाट न० 32/33, विलेपार्ले, खार, बम्बई-400 052 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब इ अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 18-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतररियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भागतिक अब में कियत नहीं कियों प्रसा है:—-

- िक) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त श्रीधिनियद के अधीन कार दोने के अंतरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में मृतिका के लिए; और√मा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य अस्तियों करा, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा एकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना महिला था, छिपाने भों सुविधा के सिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) श्रो अधीन निरामितीका स्थानितायों, स्थान क श्री पीटर हे नरी, फर्नान्डीस ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मीना एस० खन्ना।

(ग्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यताहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्जिन के संबंध में कोई भी बाक्षर ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियो १२ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्थोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुर्मा हैं।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 5, जो शिव स्मृति मोमायटी, प्लाट न० 32/33, बिलेपार्ले खार, ह्यम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्राई-2/437ईई/4938/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास गक्षम प्राविकारी महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस., -----

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/5034/83-84--श्रतः मुझे लक्ष्म**क्क** दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गरा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार राष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, तिसरी मंजिल, "ए" विंग, सी-शेल, सात बगलोज, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रेंर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मून्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे व्यममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नसिवित उद्देष्य से उक्त वृन्तरण सिव्ति में बास्तिविक क्यू से कथित नहीं किया पथा है:—

- (वां) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिमियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए!

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिकत व्यक्तियों, अर्थात् धि—

1. मैसर्स चेतन डेवलपमेंन्ट्स ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री एस० के० शर्मा, (कर्ता एच० यू० एफ०) तथा
  - (2) श्रीमती मृदुला भर्मा,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्खन के लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :---

- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी त्र्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जाँ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी । कित इवारा;
- (क) इस सूर्णना के राजपत्र भा प्रधाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्रिंग गया है।

#### पनस्परे

फ्लैंट नं 304, जो तीसरी मंजिल, "ए" विंग, सी-णल, सात बंगलोज, वर्सीवा श्रन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/5034/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्ट्री हम्रा है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-1-1985

माहर हा

प्ररूप बाह्र .टी.एन,एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन सूचना

#### भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/5036/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तु अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उन्चित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लैट नं ० 602, छठी मजिल, "ए" विग, सी-शेल, सात बंगला, यसींवा, श्रन्धेरी (पिष्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्ति, तियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के वधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; बौद्र/मा
- (वा) एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय वावकर विधिन्दमं, 1922 (1922 का 11) वा अक्ट जीधिन्दमं, वा धन-कर विधिन्दमं, वा धन-कर विधिन्दमं अन्तिरती व्वारा प्रस्ट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में धृविधा के विवृद्ध

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिं  $_{5}^{-}$  अधीत  $_{6}^{-}$ —

1. मैंसर्स चेतन डेबलपमेंटस, ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजन मार० रामचन्दानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (स) इस स्वमा के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्काकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, वो उस बध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्पी

फ़्लैट नं॰ ६०२, जो छठी मंजिल, "ए" विंग, सी-सेल, सार बंगलो, वर्सोवा, भन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-४०० ०५८ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/5036/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो वस्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को राजस्टिंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक: 14-1-1985

मोहर ा

#### प्रकृष काइ टी. एम. एस. ------

मार्थकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० प्रार्द्ध-2/37ईई/5037/84-83—प्रात: मुझे, लक्ष्मण धास

आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा एया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकार हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैट सं० 203, दूसरी यंजिल, "बी" विंग, सो-ग्रैल, सान बंगता, बसंवा, अवंगा (पश्चिम), बस्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्ये यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उबस बंतरण मिखित में वाक्सिनिक स्था है अधिक नद्गी वित्या मया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भीध-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसन बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी बाब था किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मार उन्हें आधितियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया क्रांच वादिए वा क्यांच में द्विया के अष्ट;

नतः नन उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर ८—→ 1. मैंसर्स चेतन डेवलपमेंट्।

(मन्तरक)

श्री परकार कमरुद्दीन, फसलुद्दीन।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्ह उन्हरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबर्ध व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित स्वित्यों में में किसी स्वित्य द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीक की 45 विज् के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास निवित में किए जा सकोंगे।

न्यक्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त सम्बांकीर पर्योका, बांउणस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रूही, वहीं जर्भ होगा जो उस कथ्याय में दिया प्रयाही।

#### अनुसूची

प्लैट नं 203, जो दूसरी मजिल, "बी" विंग, सी-शेल, सात बंगला, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि कि सं श्राई-2/37ईई/5037/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज 2, बस्बई

दिनांक : 14-1-1985

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस\_-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा व 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, वक्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश मं० म्राई-2/37ईई/5038/83-84---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट न० 703, सातथी मजिल, "ए" विंग, सी-शेल, सात बंगला, वर्सीया, ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनयम, 1908 1961 का धारा 269 कव के ग्रीन सजम ग्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्द्रों है दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाध्यक में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतेजनार्थ अंतिरियम, 1957 (1957 का या प्रतेजनार्थ अंतिरिय व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया पाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नितिशित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मेंसर्स चेतन डेवलपमेन्ट्स।

(अन्तरक)

2. श्री विसम्भर ध्याल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां खुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सके थे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### बगस परि

फ्लैट नं० 703, जो सातवीं मजिल, "ए" विग, सी-शेस, सात बंगला, वर्सीवा, श्रन्धेरो (पिष्धिम), बम्बई-400 058 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्राई-2/37ईई/5038/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मञ्जम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

षिमांक: 14-1-1985

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कावसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्ब

बम्बई, धिनांक 14 जनवरी, 1985

निदेश सं० भाई-2/3 ईई/5039/83-84—भ्रतः मु लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर संपरित जिसका अचित वाकार मृख्य 25,000/- रंसे अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, दूसरी जिल, "ए" विंग, सी-शैल, सात अंगलाज, वर्सोवा श्रन्धेरी (पिम्श्चिम), अम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रविनियम 1961 को धारा 269 कवा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्दी है विनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंदान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण निस्त में बास्तविक रूप से कमित महीं किया गया इत :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरफ के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सविधा के लिए और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

ंशतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अमृतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तिसों, अर्थात्:—— 1. मैसर्स -चेतन डेवलपमेन्ट्स।

्(श्रन्तरक)

2. श्री मोहन शेवराम माथानी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के वर्षन के सन्दर्भ में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इंड स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र के प्रकाशन की सारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्रित में हिस - बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा सथोहस्ताक्षरी के शत्र व्यक्ति में किश का सबनेता

रूक्टांध्दरणः --- इसमें प्रयुक्त ग्रहा की एवं का जा उपल अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अधं होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### अन् सूची

फ्लैट नं 201, जो दूसरी मंजिल, "ए" विंग, सी-गैल, बिहिंडग, सात बंगलोज, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अ० सं० श्राई-2/37ईई/5039/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई, द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 14-1-1985 मोहर :

#### प्रस्य बाह्र . टी . एन . एस . ------

नायकर निधानियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन समा

#### भारत सरकाङ

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निवेश सं० श्राई-2/37ईई/5040/83-84—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 401, चौथा मंजिल, "बी" विंग, सी-शैल, सात बंगला, वर्सोबा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावब श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्टी है दिनांक 19-5-1984

को पूर्वीक्ष्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हां और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृज्य, उसके श्रथमान एतिफल से, एमे श्रथमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्त्रितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निखिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उच्च किथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अधा, सक्त अभिनियम कौ भारा 269-म को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की ध्याय 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स चेतन डेवलपंमेन्ट्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रब्दुल माजिद ग्रली, मोहम्मद जुमानी, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र भें पकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे :

स्यव्योकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मों दिया गया हाँ।

#### श्रमसर्ची

फ्लैट नं० 401, जो चौथो मंजिल, "बी" विंग, सी-शैल, सात बंगला, वर्सोबा, धन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची बैसा कि ऋ० मं० आई-2/37ईई/5040/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिन्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 14-1-1985

#### प्ररूप बाहै.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, धिनांक 14 जनवरी 1985

निवेण सं० ग्राई०-2/37ईई/5041/83-84—श्रतः मुझे. लक्ष्मण धास

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर श्विसकी सं० पलैट नं० 604, छठी मंजिल, "ए" विग, मी-शेल, सात बंगला, वर्सोवा अन्धेरी (पश्चिम) बग्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से मंजित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चि बार्जार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल सी,, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्भ के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; बॉर/या
- 'ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्थ के अन्सरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-म्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् .---20—456GI/84 1. मैसर्स चेतन डेवलपमेन्ट्स ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती राजरानी भाटिया, तथा श्रीमती वीणा भाटिया,

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इसि पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्**म्यी**

फ्लैट नं० 604, जो छठी मंजिल, "ए" विंग, सी-शैल, सात बगला, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।"

ग्रनुसूची जैसा कि %० मं० ग्राई-2/37ईई/5041/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 14-1-1985

मोहर 🗯

#### प्ररूप बाइ'.टी.एन.एस.

बाय हर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

मार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जनवरी 1985

निर्देश स० श्रार्ड-2/37र्डर्ड/5042/83-84—श्रत मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स वे अधीन राक्ष्म पाधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्स 25,000 /- एउ स अधिक हैं

ग्रीर जिसकी म० फ्लैट न० 201, दूसरी मजिल, "ए" विग, मी-फ़ेल, सात बगला वर्मोवा, ग्रन्धेरी (पिष्टम), बम्बई-58 में म्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर निधानयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनाक 19-5-1984

को प्वित सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिका ने लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का अन्द्रह प्रतिकृत से अधिव. है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (यन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत विम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बाग्न- "कब रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- अन्तरक मं हुई किसी बाय की बाबत, उक्द क्षितियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या जबसे जबसे में परिधा अंजिल, खीर/मः
- को एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्त्यां अब , जिन्हें भारतीय आय-कर लिभिनियस, 1922 का 11) या उक्त अधिनियस, 1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या रहा अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नेही स्थित स्था का या किया बाना चाहिए का किया र्

्र अंड, तक अधिनितम सी धारा 269-ग क, अनुसरण र्रे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ सी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात — 1 मैरार्स वेतन हेवलपमेन्ट्स ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री परकार भ्रव्दुलकादर, फजलहोन,।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सचना जारी करके पृत्रावित सम्मिति के अर्थन के लिए। कार्यवाहिया शुरू कारण हो।

उत्तर त्यानिय म तार्जन के सहयन्त्र हो कोई भी जासीय '--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत नामिल में किसी व्यक्ति कारा,
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अवाहस्ताक्षरी के पान किए नामक 4 '

स्पष्टाकरण - इसम प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जा उक्त रिधनियम, के रायाय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाया जा उम्बंबध्याय पादिया गया है।

#### वन्स्की

"फ्लैट न० 201, जो दूगरी, मिजल, "ए" विंग, सी-मेल, सात बगला, उसीवा ग्रन्थेरी, (पश्चिम), वस्वई-400 058 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैंगा कि त्र० स० ग्राई-2/37ईई/5042/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार के बम्बई द्वारा, दिनाक 19-5-1984 को रिजस्टर्ड निया गण है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी गडायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बर्ड

दिनाक . 14-1-1985 मोहर प्ररूप आई'.टा एन एस -----

----

बाव्हर लोशनियम, 196, (195) के 43) की मरा 260-र (1) के रघी (चन

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनाक 14 जन रर। 1985

निदेश स० ग्राई०-2/37ईई/5043/83-84—-ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारा का यह । श्वाम उरत का कारण है कि स्थावर सपिता जिमका रिवत बाजार मूल्य 25,000/- रा सर्धिक .

श्रीर जिसकी स फ्लैट न 402, चौथा मिल, 'ए" विग, सी-शेल, सात वगला, वर्सोवा ग्रन्धेरा (पिस्म),बस्बई-58 में स्थित हे (ग्रीर इससे आगड़ अनुस्था में ग्रीर जो पूर्ण रूप स विणत हे) श्रीर जिस्का परारामा प्रायान श्रीधिरायम 1961 की धारा 269 कख के अशीन स्थम श्रीधिरारों के नार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 19-5-1984

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मून स कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि दक्षापूर्वाक्न सम्प्रीता का उचित बाजार मून्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एस उद्यमान प्रतिफल सा पढ़ प्रतिश्वत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरिति याँ) के बीन एम उन्तर्ग है लिए कि नाम नाम कि कल निम्मालिखत उद्देश्य स उक्त प्रारण गर सित में नाम निम्म

- (य अमार्ग म द "११" त्य ता दाबत १८४१ सिंधिनियम यो अपीत अप दी क अन्तर अ दायित्य में कमा करा ग उपस बचत हैं स्वीत्रध
- (स) हमी किसी अय या किमी ने का स्व अगेन्द्रवा किसी अय या किमी ने का स्व अगेन्द्रवा किसी (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए.

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियां, अर्थात - :

1 मैसर्स चेतन डेवलपमेन्दस ।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती सोफी ए० शहापुरवाला।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा दिया गया है,

#### अन्स्सी

पलैट न० 402, जो चौथी मजिल, 'ए' बिग सी-सेल, सात बगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम स० ग्राई-2/37ईई/5043/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वस्बई

दिनाक: 14-1-1985

मोहर

प्रकृष साइ.टी.एन.एस. -----

न (मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### प्रारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० माई-2/37ईई/5044/83-84—धतः मुझे, सक्ष्मण दास

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित शाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट न० 302, तीसरो मंजिल, "ए" बिग सी शेल, साल बंगला वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम) अम्बई-58 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से स्निणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय अस्बई में राजिस्ट्रों है दिनाक 19-5-1984

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे क्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गवा प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिश्वित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुव् किसी जाम की बाबत उक्ते । विजियम के जभीन कर दोने के अन्तरक थे वाजित्म में किसी करने या उत्तरों वेचने में सुविधा के किस, कार/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 10.57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था. छिपाने में सृतिथा के निए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

मैसर्स चेतन डेवलपमेन्ट्स, ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री माजोर ए० के० कोछार, ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त तल्पीरत के जर्बन के किए कार्यनाहियां करता हूं।

#### उनत कम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अधि , जो भी विषय नाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वाय स्थाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्थाकरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उच्छ विधिनिवस के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस बच्चाय में दिया पत्रा है।

#### वनुसूची

फ्लैट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, "ए" विंग, सी ग्रेल, सात बंगला, वर्सोवा, भ्रन्धेरी (पिंचम) बम्बई-400 058 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कै० सं० भ्राई-2/37ईई/5044/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14 जनवरी, 1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी, 1985

निदेश सं० भ्राई-2/37ईई/5045/83-84—भ्रतः मुझै, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, "ए" बिंग, सी-शेल, सात बंगला, वसीवा , ग्रन्धेरी (पश्चिम) वम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण स्था से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 19-5-1984

पूर्नोक्त सम्पत्ति को उधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिकाल से, एमे इश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वागत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; जार/या
- ाण) ऐसी किसी बाम मा किसी धन मा अन्य आपंस्तराँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए,

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखिल व्यक्तियों, अधीत्:— 1. मैसर्स चेतन डेवलपमेन्ट्स ।

(धन्तरक)

2. श्रीमती मीना ए० कोछर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वस्त्र्यो

फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, "ए" विग सी शेल, सात बंगला, वसीवा, प्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई-2/37ईई/5045/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजन्2, बम्बई

दिनांक: 14-1-1985

प्रकृप बाइं .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्थमा

#### भारतंसरकार

कार्यानय, सहायक आजकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जनवरी 11985

निदेश मं० अ१६०~2/37६६/5046/83-84---अनः मुझे, लक्ष्मण दाम

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिरु इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मूच्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, छठी मंजिल, ''बी'' विंग, सी-शेल, सात बंगला, वर्मावा, अन्धेरी (पिण्चम), बम्बई-400058 में स्थित है (स्रार ३५ने उपावद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका जाराज्ञामा आयकार अधिनियम 1961 की धारा 269 राख के अधीन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनाक 19-5-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजुक्स मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एमें ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आरू तो बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दाने के अन्तरक के दायित्व में असी करने में उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकत अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनयम, या पन-कर अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकान के सन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भागा काहिए था. कियान में सन्तिया के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स चेतन खेबलपमेन्ट्र ।

(अन्तरक)

श्रीमती। गुरुदीप कीर ।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारो करके गुनिन्ति सम्पत्ति की अर्थन को भेल? कार्यका रूप राज्य की

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आध्रेग .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रताहत की नाशील से 45 दिन की व्यविध मा तत्याकरणी व्यविधया पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविक, को भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकृत
- (म) इस स्चरा के राजाय के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के जीतर उक्त स्थानर संपरित में हिंच-ब्द्ध किसी अन्य करित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकार।

स्पत्कीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त स्पिनियम को अध्याय 20-% में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उसे अध्याय में शिका गया है।

#### भगस्यी

पर्नेष्ट न० 601, में अधि सिनित, "ती" विम, सा० सेल, सात बंगला, दर्गीवा अन्धेरी (पश्चिम), वस्वई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि लि आई-2/37ईई/5046/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लन्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) श्रजैन परिक्षेत्र, बम्बर्ड

दिनाक: 14-1-1985

प्ररूप आहु .टी एन.एस.-----

जापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक नायकर श्रावात (निरोक्तण)

अर्जन रंज 2, बगबई

बम्बर्र, दिनात 14 जनवरी, 1985

निदेश न० आई-?/37ईई/5048/83-84--अन मुझे लक्ष्मण दास,

बार कर शंभिनिया, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चान 'उनत ग्रिंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स है अधीर स्थम एपिशियों को यह विश्वान करने का कारण हैं कि स्थार सम्पोत्त, शिसका रिचन बाजार मृत्य 25,000/- रास से अधिक हैं

ग्रौर ि की संव पर्नेष्ट एवं 204, हुगरी सजिन, "बी" विम, सी-णेर, नान बाता, वसीता अन्धेरी (पण्डिम) बम्बई-58 में स्थित है (प्रीप इनसे उपाबद्ध अनुसूर्वी में भीर जो पूर्ण रूप में विजात है) भीर जिन्हा करारणासा सायवर अधिनियम 1961 की द्वारा 269 कवा अधीत नजम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिरही है दिनार 19-5-1984

को पूर्वाकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान परिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक एप स कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मंहाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घोने के अनरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बावने मा स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्रार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मिनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैंसमी चेतान देवलपमेन्ट्स ।

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री राजेण नरेन्द्र मल धीआ, तथा
  - (२) भारित प्णिमा, राजेग धीला।

(अन्तिकारिका)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर रचना की तामील से 30 दिन की जर्बाध, जो भी अविधि अदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीदारणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गंगा है।

#### अमृस्ची

पलैट न० 204, जो दूयरी मजिल, "बा" बिग, सी-शेल, गात बगला, वर्मोवा, अन्पेरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुगूती जैसा वि ऋ० स० आई-2/37ईई/5048/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ट द्वारा दिनाक 19-5-1984 को रिजर्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजन रेज-2, बम्बई

ंदिनाक 14-1-1985 माहर

#### प्रक्रम आहाँ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिरियाग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### **भारत सरका**र

#### कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई०-2/37ईई/5049/83-84—अतः मृझे लक्ष्मण दास

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिमेका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव प्लैट नंव 404, चौथी मंजिल, "बी" विग मी-शेल, सात बंगला, वसोंवा, अन्धेरी (पिष्ण्चम) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कीधारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में वम्बई में रजिस्टी है दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कप के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाथ वा किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ता भन कर अधिनियम, ता भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:---

1. मैसर्स चेतन डेवलपमेन्ट्स ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री कमल जयराम माण्डवानी, तथा

(2) श्री गुरेण नान्दवानी।

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए अव्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

पलैंट नं० 404, जो चौथी मंजिल, "बी" विंग, सी-णेल, मात बंगला, बर्मोवा, अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के आई-2/37ईई/5049/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है.।

> लक्ष्मण दास **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्झई

दिनांक: 14-1-1985

भोद्वर :

1 2 41

#### प्रकष् आर्च . स्रो . १५ . एव . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### शारुव चरुकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्वेण मं० आई-2/37ईई/5051/84-84---अत मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित नाजार मृख्य 25,000/-रः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 703, सातवी मजिल, "बी" विंग, सी-शेल, सात बंगला, वर्मीवा अन्धेरी (पिश्चम) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कप में विजित है) श्रीर अजिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 19-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहममान प्रतिकाल से, एमे रहयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त संधिनियम के बधीन भार देने के बन्तरक के शाबित्य में कमी करने या उक्तसे वचने में सुविधा बे किए; श्रीद्र/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आरितायों को. किही भारतीय आय-रूर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) ा उन्त सिधिनयम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्किना के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अशीत्:—— 21—456 GI/84 मैसर्म चेतन देवलपमेन्ट्स ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० ई० दाऊदानी ।

(अन्तरिनी)

वा वह तुषना बारी करके पृशांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशास्त्रियां करता हूं।

अवत सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध के कोई' भी वाक्षेप हन-

- (क) इस सुजान के राजपून में प्रकाशन की सारीज हैं
  45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों प
  सुजान की तामील से 30 दिन की अबिध, ओ भी
  अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्लाकोकरणः --इसमें प्रमुक्त सन्धां और वयों का, वो उत्थर विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी वर्ष होंगा को उस बध्याय में विधा गया है।

#### वन्त्यी

फ्लेट न० 703, जो हातवी म.ल, "बी" विग, सी शेल सात बंगला, वसीवा, अन्धेरी (पिण्चम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० स० आई-2/37ईई/5051/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनाव 19-5-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, बस्बई

दिनांक: 14-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत पार्च पार्च पार्च (1) के अधीन समाना

#### माइत सरकार

### क्तर्याचय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-2. यम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवर, 1985

निदेश मं० श्राई०-2/37ईई/5064/83-84—-ग्रत मुझे लक्ष्मण दोस

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पानात 'क्ति अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपंक्ति का उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसक मं० फ्लैंट नं० 30, पानवी, मंजिल, वि० नं० 22, श्रमरज्योति, को-श्रापरेटिन, हाजिसग सोगायटा लि० चार बगलोज, श्रन्धेरा, वसींवा, रोड, श्रन्धेरा (पाण्चम) वम्बई-400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपावट प्रनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण सप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के धारा 269 कक्ष के श्रधान सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय वम्बई में राजस्टा है दिनाक 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है: :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाव की बाबत, उत्क जीको तथब के वजीन कर कोने के अन्तरक के दारिएक मो किसी करने या उससे जवने मो सुविधा के लिए, बौर/या
- (ख) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या जन्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, शिं कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मंतिया के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्राके० চন০ দীঘারি ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रा जान साबेखा, इजानियर्स ।

(धन्तरित )

को यह मूचना जारी कर्क पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहरै।

#### अन्**मृचो**

फ्लैट नं० 35. जो पाचबी मंजिल, बिल्डिंग नं० 22, ग्रमरज्योति, को-ग्रापरेटिय हार्जीसग सोसायटा लिमिटेड, चार बंगलोज, श्रन्धेरी, बर्सीबा रोड, ग्रन्धेरी (पिण्चम), बस्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/5064/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, वस्बई

दिनाक : 14 जनवरो, 1985

प्ररूप गाइँ. टी. एन. एस.-----

भायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (f) के अभीन स्चमः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेण सं० ग्राई०-2/37ईई/5076/83-84--श्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /~ रु. से अधिक है<sup>\*</sup>

धौर जिसको मं० फ्लैंट नं० ३, पहला मंजिल. "सत्याशया" 8-बी, बेस्ट एवेन्यू, सान्ताऋज (पश्चिम), बम्बई-400 054 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूर्चा में ग्रीर जी पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 क: धारा 269 कख के श्रधान सक्षम प्राधिकार के कार्यालय बम्बई में रजिस्टा है दिनाक 19-5-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के रूपयमान प्रतिफल को लिए रजिस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं। और अंतरक (अंतरकों) और अनिरिती (अनिरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगित उद्देदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व भी कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें धारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा । प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसुरण मं, मं, अकत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. था। रामन एच० मेहता।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्रा मोहनलाल जः पटेल, तथा
  - (2) श्र<u>ा</u>मतः हिराबेन मोहनलाल पटेल । (भ्रन्तरितीं)

का यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ▲5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हर्∙।

#### नगराची

फ्लैट नं अ 3, जो पहुला मंजिल, "सत्याश्रया" - 8 बी, वेस्ट एवेन्यु, सान्ताऋज, (पश्चिम) बम्बई-400 054 में स्थित है।

श्रनुसूचा जेसा कि अल मं० श्राई-2/37ईई/5076/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनाक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास गक्षम प्राधिकारी **ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** महायंक श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 2-1-185

े **कारण कार्य ह**ी, प्रस्त, एस.----

बायकार **संधितियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-व (1) को स्वीत सुचना

#### भारत शरकार

#### कार्यालय, सहायक बायकर आव्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 3 जनवरी 1985 निदेश मं० ग्राई-2/37ईई/5081/83-84--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- म के अधीन भक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/ र र से अधिक है

श्रीर जिसकी संव यूनिट नंव 91, जो तासर मंजिल, "रतन-ज्योत" इस्टेट, विव्डिंग, इर्ली, गावटाण, विलेपोर्से (पश्चिम), बस्बई-400 056 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकार। बस्बई, में र्जिस्ट्रा है दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्या से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास करने फा कारण है कि यथाप्वोंक्त नंपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण से लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त हथिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाजित्य में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के आए; बार/वा
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रसोवनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अतः, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, में, अवस अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रामता नाला बां० देसाई

(अन्तरक)

2. श्रामतः विद्यावेन, प्रतापशकर पाण्डया

(ग्रन्तरितो)

का यह मुख्या आरी करके प्राचित सम्पृत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यद:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 दिन की नवींस या तत्सम्बन्धी म्युन्तकों दर स्थान की तामीस से 30 दिन की सविध, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानतयों में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पाइ लिक्सि में क्षिप्र का सकेंगे।

न्यक्टीक रण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा भवा हैं।

#### वन्त्र व

"यूनिट नं० 91, जो तासरी मंजिल, "रतनज्योति" इण्डस्ट्रियल, इस्टेट,, बिल्डिंग, मा०टा० एस० नं० 744 (पार्ट), इर्ली, गांवठाण, विले पार्ले, (पश्चिम), बम्बई-400 056 में स्थित है।

ध्रनुसूचः जैसा कि अस सं० ध्राई-2/37ईई/5081/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारः बम्बई, ब्रारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 3-1-1985

प्रस्य बार्च<u>ः</u> टी., एन., एक.- - -- -

भायकर निभानियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाफ 8 जनवरी 1985

निवेश स० ग्राई०-2/37ईई/5094/83-84--अवतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 110, पहिली मंजिल, माऊण्ट मेरो घ्रपार्ट, डा० पीटर, डायस रोड, बान्द्रा (पिण्चम) बम्बई-400 050 में स्थित है (श्रीरं इसमे उपावद्ध अनुसूचो में और जो पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धार, 269 कल के श्रधौन सक्षम प्राधिकारो बम्बई में रजिस्ट्रों है दिनांक 21-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति' के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वसास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल सा पन्तृह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्ण संबुद्ध किसी जाम की बायत उपक्त अधि-नियम का अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; बाह्य/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या च्या-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का जा का का जाना का जाना का स्थान के स्थान स्थान

बत. बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के विवृत्तरण व", में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे वधीन, निम्निचित व्यक्तियों, वजीत :--- 1. श्रोमनो अरीमा सदल्ही , धारवानी,

(ग्रन्सरक)

2. श्रो प्रकबर सुलेमान रंगोला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन् के जिल्ला कार्यमाहियां करता हुं।

सन्ध सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेत्र:----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्यूच किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, कथोह्स्ताक्षरी के दास विश्वित में किए वा सकते।

स्पच्य तरणः — इसमें प्रमुक्त सम्बा और पदां का, भो उक्त गिथिनियम के सध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसर्ची

फ्लैट, नं० 110, जो पहिलो मंजिल, माउण्ट मेरी श्रपार्ट-मेन्ट्स, डा० पीटर, डायस रोड, बान्द्रा, (पश्चिम), बम्बई-400050 में स्थित है।

त्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-2/37ईई/5094 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड, झारा विनोक 21-5€1984 को रिकस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक: 8-1-1985

मोहर 🔢

प्रकल काइंं टी. एन. एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरो 1985

निवेश सं० म्राई-2/37ईई/5108/83-84--म्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इम्को परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 7, पहिलो मंजिल, गौतम दर्णन को-श्रापरेटिब, हाउसिंग सोसायटा , जे० पा० रोड, के सामने, सातबंगला, श्रन्धेरो, (पिंचम), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूच। में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 क. धारा 269 के ख के श्रधान सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रो है दिनांक 21-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह नितशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में स्थित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना खाहिए था, खिपाने में मृतिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रामता कुन्दा भानेराव।

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स बेगाल लैम्पेस, लिमिटेड।

(अन्तरिता)

को यह स्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मो कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरोब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अवधि, जो भी अवधि अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के शध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ हागा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### **मन्स्**ची

फ्लैंट नं० 7, जो पहिला माजिल, गौतम दर्णन को-श्रापरेटिव हाउमिंग सोमायटो जे०पा० रोड, के सामने, साप्त बंगलाज, श्रन्धेरी, (पश्चिम), बम्बई-400058में स्थित है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ब**स्बर्ध**

दिनांक : 14-1-1985

प्रकम् बाह्रं, टी. एन. एव.,-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### नारत् वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश मं० भ्राई०-2/37ईई/5135/83-84--श्रतः मुझे

लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकां सं० फ्लैट नं० 6, देवमोहन को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी सान्ताकूज, (पिण्चम), बम्बई-400 054 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूच में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के श्रधोन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 22-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकं दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की लाजन अक्त अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयं के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के विए;

जत: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण की, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (में) के जभीन, निम्तनिज्ञित व्यक्तियों, वर्णत्

श्राविनोदकुमार जयचन्द भट्ट ।

(धन्तरक)

 श्री प्रकाण व्यंकटेश कोप्पार, तथा श्रामतः जनलक्ष्मः प्रकाण कोप्पार ।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरिनाः

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में भम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संकधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मनस्पी**

फ्लैट नं० 6, जो देव मोहन को-ग्रापरेटिव, हाउसिंग होसायटी, प्लाट नं० 71, टीं०पो० एस० छः, सान्ताकूज, (पश्चिम), बम्बई-400 054 में स्थित है।

श्रनुसूच। जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/5135/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकाए। बम्बई हारा दिनांक 22-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2. बम्बई

दिनांक: 2-1-1985

· \*\*\*\*

बक्य वार्षः डी. एव , एव .-----

## जावका<u>र</u> जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारत तरकार

क्षार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई० -2/37ईई/5144/83-84—-ग्रत मुझे लक्ष्मण दास

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसंकी मं० यूनिट नं० 97, तीसरी मंजिल, ए-बा, बिल्डिंग, रतमञ्योत इण्डस्ट्रीयल, इस्टेंट, इर्ला गांवठाण, विलेपार्ले (पश्चिम) बम्बई-400 056 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है)

श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 21-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविश्व रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत सक्तः अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक वे दायित्य में कमी करने या उत्तस बचने में सुविश् के लिए; और/वा
- (क) एती किसी बाय वा किसी थन या बन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर बिभिनियम, वा धन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियानं में सुविधा के निक्षः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— 1. श्रामती रामेख्वरी, देवी दास दानवाणी ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मधुकाल गिरधारी लाल बालिया, तथा श्रोमती इन्दुबाला, एम० बालिया ।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाधेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

रचण्डीकरण : इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 97, जो तासरीं मंजिल, ए-बीं, बिल्डिंग, रतनज्योति इण्डस्ट्रींगल, इस्टेट, इर्ली गावठाण विलेपालें (पश्चिम), बम्बई-400 056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्क्सू सं० ग्राई-2/37ईई/5144/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई, द्वारा दिनांक 21-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-1-1985

मोहर 🎖

#### प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० भाई-2/37ईई/5152/83-84---भ्रतः मुझे लक्ष्मणदास

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 न्य 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर िसक। सं० फ्लैट नं० 13, दूसरं। मंजिल, जलदेव को-ध्रापरेटिव, हाउसिंग, सोसायटी पलाप्ट नं० 491, 33 वां, रास्ता, बान्ब्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (धौर इससे उपाबज अनुसूची मे धौर जो पूर्ण रूप से विणत है) धौर जिसका करारनामा ध्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के धर्मान सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रा है दिनांक 22-5-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कब के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कृत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

कतः कवः, उत्त अधिनियम की धारा 269 म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22-456 GI/84

1. श्रीमती राणा लाल जी शेठिया,

(भ्रन्तरक)

श्रीमती राणी लाल जी,
 श्रा जगदाशटो० श्राजवाना।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ितए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी न्विध बाद में समीप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त किनदों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस स्थान के राजपन में प्रकाबन का तारीब वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

फ्लैंट नं० 13, जो दूसर)मंजिल, जलदेव की-श्रापरेटिय हार्जासम सोसायट 33 वां, रास्ता बान्द्रा, बम्बई-400 050 मेस्थित है।

श्रनुसूच, जैसा कि कि के साई-2/37ईई/5152/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 22-5/1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **सम्ब**ई

दिनाक : 4 जनवरः, 1985 **मोह**र : प्रकप काईं, टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के बभीन सुचना

#### मारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निवेश सं. श्राई०-2/37 ईई०/5162/83-84-श्रतः मझे, सक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से बीधक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 101, पहली जिल, जाजिया विग, 'बी' मेली राजन विलेज, है तथा जो बांद्रा , बस्बई—400050 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनिधम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी वस्बई के कार्यालय, में रजिस्दों है तारीख 2 मई, 1984

को पूर्वीन सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यामार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मक्के यह विकास करने का अरण है कि स्थाप्बेंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्दह प्रतिक में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीज एमें बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निमालिसित उद्वेश्य में उक्त अंतरण सिसित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (म्ध) जंदरण है हुई किसी बाय की बाबदा, उक्क बीधिन्यत्र के बधीन कर दोने के बंदरक के धायित्य में कभी करने या उससे यचने में मृथिधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी दक्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैं० रेशमा कन्स्ट्रक्शन्स।

8.4

(ग्रन्सरक)

(2) डा० जे० वी० भट्ट ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन को निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) तम मुखना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्याम मों हित-कृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकरी के पाम लिसित मों किए जा सकीं।

स्पद्धीय रण: -- इसमें प्रमुक्त खब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय वे दिया वदा है।

#### अनुसूची

पलैट नं 0 101, जो पहली मंजिल, निर्माणाभीन ईमारत, व्रे 'जॉजिना' विंग बी, सी० टी० एस० प्लाट नं सी/1308; 1284, 1283 तथा 1304 शेली राजन विलेज, बोबा; बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्रम आई०-2/37 ईई०/5162/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2, मई. 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सञ्जम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंग-2, सम्बद्ध

कतः, अव, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के वनुसरण वै, गै उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीत, निस्तिसिस्त व्यक्तिया, अर्थात् :---

दिनांक: 2-1-85

प्रकार मार्थ, टी. एन् एस. -- -

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### शारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, बम्बई

भम्बई, दिनाक 14 जनवरी 1985

निदेश सर्थ ग्राई०-2/37ईई/5190/83-84--- ग्रन मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,0000/- रुपये से अधिक हैं

भीर जिसको स० पर्नेट न० 803, श्राठवी माजिल, योच भाषार्टमेन्द्रत को० ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, जे० पा० रोड वसींवा बम्बई-400061 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुषूत्रों में श्रोर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधोन, ताराख 23 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों और अतरिती (अतरिक्तियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में शास्त्रिक एस से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शिवित्य में कभी करने या उसते यथने में सूरियभ के लिए; और/या
- (ख) एगी जिसी आप या किसी धन या अन्य अपस्तिय। करं, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1172 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् हु---

(1) श्रोचयंत कुमारजैत दुषण कुमारजैत, (एच० यु० एफ०) ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्रीसईद ग्राबूनसीर तथा 2 श्रीमती फर्जनानसीर।

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरितः)

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कायवा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थन, की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आदे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित्र सामा सामित से व्यक्ति इतारा,
- (क) इस मुचना की राजपत्र मा प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयूक्त खब्दों और पद्यों का जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननसर्थी

फ्लैट नं० 803, जो भाठवी मजिल, बीच भ्रपारंमेट्स, को०-आपरेटिव हाऊसिंग सीसाइटी जे० पी० रोड, वर्मोवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा कि क्रम स० श्राई०~2/37 ईई/5190/ 83~84 और जो सक्षम प्राधिकारो, वस्वई द्वारा दिनाक 23 मई, 1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज~2, बम्बई

तागोख 14-1-1985

मोहर 🖫

#### प्रक्ष्य बार्ड. दी. एन्, एस,----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बभीन स्पना

#### धाउव चुडकाड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निवेश सं० भ्राई०-2/37 ईई०/5197/83-84---भ्रतः

भुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 509-के, पांचवीं मंजिल, केशवा प्लाट सी/5, बांबा, कुर्ला कमियियल कम्पलेक्स है तथा जो बांबा (पूर्व), बम्बई-400051 में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ख़रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वोद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देशिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में स्थिधा के लिए; भौर/या
- (क) एसी किसी भाग वा किसी भन वा अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में त्विका अर्थ जिए;

जतः गुब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं • माधवा यूनाइटेड होटल्स इन्टरनेशनल लिमिटेड ।

(मन्तरक)

- (2) 1. श्री मनमोहन कोहली श्रानिता कोहली।
  - श्री रक्षा श्रोहरी तथा
     श्री एम० एल० जौहरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपण के प्रकासन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए सा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अमुसूची

यूनिट नं के - 509, जो पांचवी जिल, केशवा प्लाट सी - 5, बांद्रा - कुर्ली कर्माशया कम्पलेक्स, बाद्रा (पूर्व), बम्बई - 400051 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-2/37 ईई०/5196/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बाई

**सारीख** : 2-1-1985

प्रकप बाइं.टी.एन एस. ----

वायकर गिपिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

#### भारत सरकारु

### कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० भाई०-2/37 ईई०/5199/83-84--श्रत मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं. फ्लैंट नं. 103, जमुना महरा, प्रभात कालोनी, शान्ता कृक्ष (पू), बम्बर्झ-400 005,

है तथा जो सांतानुस (पूर्व), बम्बई-400055 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रांधिनयम, 1961 क. धारा 269 क ख के ग्रंधान सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्टी है तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिक त है एसे दृश्यमान प्रतिक के क्लाह प्रतिकति से विभिन्न है और अंतरकों और अर्तारती (अंतिद्रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्षण, निम्निसित उद्देश्य से उक्त जतरण लिखित में गस्ति क

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाम की बाबस, टक्स अधिनियम के अधीन कर बेने के अतरण के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/का
- (क) ध्रेसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया बना बाहिए था, किया में स्विधा के लिए;

जतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, विस्नितिखतु व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं ० जमना दास एम ० चोकसी एण्ड एसोसिएट्स।

(मन्तरक)

- (2) 1. श्रोनगोन दास मृल्यन्द **पौहान**,
  - 2. श्री प्रशोक नगोनदास **चौ**हान तथा
  - 3. श्री किशोर नगोनदास चौहान।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हुए।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आर्भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### भ्रनुसूची

पलैट नं॰ 103, भो पहली मंजिल, अमुना महल, एफ॰ पी॰ नं॰ 83, खाट नं॰ 73, पी॰ एस॰ पांच प्रभास कालोनी, सांताकुस (पूर्व), बम्बई-400055 में स्थित है।

धनुसूचा जैसा कि भ्रम सं० ग्रई०~2/37 ईई०/5199/ 83~84 श्रीरजोसक्षम प्राधिकारा, बस्बई द्वारा दिनांक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारोख : 2-1-1985

मोहर 🖫

प्रका बाहं. टी. एत. एस.----- (1)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, शहादक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं भाई०-2/37ईई/5205/83-84-मतः

मुझे, लक्ष्मग दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाजार मृश्व 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसको सं ०था पैलेस प्लाट नं ० ए, जय भवानी माता मार्ग, सोझर नोड के सामने, भ्राम्बोवली, भ्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रमुर्ची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधित्यम, 1961 को धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 19 मई,

को पूर्वे ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का भेग्न हु प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) जौर अन्तरितें। (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उच पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण है जिस में बारशिया इस से कथित नहीं किया गया है क्रि

- (%) जंतरण में हाई किसी जाय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के जंतरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयापनार्थ असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के जिए;

कतः श्रथः अकतः विधिनियमं की धारा 269-गं के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नस्थित व्यक्तियों, वर्षातः ह— (1) मै॰ श्रल्फा इन्टरश्राइमेस।

(म्रन्सरक)

(2) श्रो सिरील भ्रत्योनी विगान्धा ।

(ग्रन्तरितो)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्विध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वें विध् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिशित में फिए वा सकेंगे।

न्यध्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त<del>्रकी</del>

जमीन सह ईमारत, जो थामर्स पैलेस, प्लांट नं० ए, सी० टी० एस० नं० 385, जय भनानी माता मार्ग, सीझर रोड के सामने 'ग्रम्बावली, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

भनुसूची जैस कि क्रम सं० भ्राई०-2/37 ईई/5205/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

प्रकल नाइ, दी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

शर्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1985

निवेश सं० भ्रा $\delta c-2/37$  ईई0/5218/83-84—मतः मुक्के, रूथमण दास

बाउकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ६०थात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसको बंद पर्लंट नंद 205, दूसरी मंजिल, 'ग्रैंप्ड कन्याल विल्डिंग, 87, पाली हिस रोड, बांद्रा है स्था जो बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर र ससे उपाबढ़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका वारारनामा आयकर श्रीविनयम, 1961 को धारा 269 कल के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यास्थ में रिजिस्ट्री है सार्ख 25 मई, 1984

को पृशांशित सम्पत्ति को उधित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंगरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्राधान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिष्ठत है अधिक है और अंतरका अंतरका और अंतरिती (अंत-रित्यों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से लक्त अंतरण लिखित में वास्ति कि रूप से सिथत नहीं किया गया है :—

- शिल्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनयम है अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में बमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, अर्थ या
- (धः एसे किसी छाप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्यारा प्रकट नही किया गया था या किया नाना काहिए था. छिपाने में मृतिधा से लिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नीलिश्वित अधिकतयों, अधीत :---- (1) श्रोमतो भारती देवी मेहरमान सिंह आ४० राणा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीराजन के शावका।

(श्रन्तरितो)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को निए कार्यवाही गुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोड़े भी आक्षप :---

- (क) इस स्वान के राष्प्रपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तितयों पर स्वान की सामीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की गारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोतस्ताक्षरी वो पास निवित में किए या सकोंगे।

स्वच्छीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पकों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### नगत्रभी

पजैटनं० 205, जो दूसरोमाजिल, 'ग्रैण्ड त्ल्यान वित्ङ्ग, 87, पालो हिल रोड, बांग्रा, बम्बई—400050 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि श्रम सं० श्राई०-2/37 ईई०/5218/ 83-8 4 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई बारा दिनांक 25 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) ग्राजन रेंज-2, बम्बई

**डारोख** : 4-1-1985

### प्रकल् बाद् : टी. एन. एत्.---

बायकर कांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वात

#### भारत सरकार

कार्यालग, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 जनकरी 1985

निदेण सं० आई० ०-2/37 ईई०/5227/83-84--श्रतः मझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच्यू 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स वा अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० शाप नं० 14, मनीय नगर शापिंग सेन्टर, प्लाट नं० 7, 8 9 जे० पी० रोड, भन्धरी (पिष्चम), बम्बई—53 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के श्रधीन सक्षम शाधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

को प्वींका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिहत उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित मे वायनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अग्रेश के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लाउ और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए,

अत: अब, उक्त शिधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-न्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्रीमती प्रनुसूया सदाशिव कांगीकर ।

(धन्तरक)

(2) श्री पद्मश्री अमृतलाल निशर।

(ब्रन्तरितो)

क्यं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

जनत सम्पार्व के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धाकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भाँ विया मया है।

#### वन्तूचीं

शाप नट० 14, जो मनीष नगर शापिग सेन्टर, प्लाट न० 7, 8, 9 जो० पो० रोड, ध्रन्धेरो (पश्चिम), सम्बर्ध-40058 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि अम सं० श्राई०-2/37 ईई०/5227/ 83-84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारों, बस्वई द्वारा दिनाक 25 मर्दे, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षत प्राधिकारी ,सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेा−2, **बम्बई**

तारीख . 14—1—1985 मोहर 

#### प्ररूप आह्र .टी. एन. एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजिन रेज-2, बम्बई हैदराबाद, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश मं० ग्राई०-2/37 ईई०/5228/83-84--ग्रन:

मझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक **है** 

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, पांचवी मंजिल, 'बी' विंग, बी न ० 2, बीरा देसाई रोड, 'सिन्नु मिनार' है तथा जो श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-4000 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध **ग्र**न्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269 के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है नारीख 25 मई,

23-456 GI/84

को पर्वोक्त समात्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्पन्नान प्रौतिफल के लिए अन्तरित की गर्द्ध और मुभ्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बजार मल्य, ७ उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एैमे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रिक्तिकल्., निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनिगम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स्व) एेसी क्रिसी आय या किसी धन बा अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि<sup>नि</sup>सस, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्हरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

अप्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 26प⊸। के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थाल ----

(1) श्री मिन्न बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जैनी प्रेही ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्कोंगे।

-पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, **जो उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया Ę® t⊨

#### नन्स्ची

फ्लैंट नं० 504, जो पाचवी मंजिल,य'बी' विग, बिहिंडग, नं० 2, 'मिग्रसु मीनार' वीरा देसाई गोट, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बाई में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि ऋम स० श्राई०-2/37 ईई०/5228/ 83-84 श्रीर जो सक्षम शाधिकारी, वस्बई द्वारा दिलाक 25 मई, 1984 को र्शाजन्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख : 14-1-1985 मोहर :

प्ररूप बाइं.टी एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश स॰ ग्राई॰-2/37 ईई॰/5250/83-84---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० नं० 107, सातवी मिजल, 'माउण्ट' बिल्डिंग, जे० पी० रोड, है तथा जो वर्सोवा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसकों करारनामा आयकर ग्रीधिनियम, 1961 के ग्राधीन, धारा 269 कख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई में रिजस्ट्रो है तारोख 26 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स रिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अंतरण लिखित स बान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम क अधीन कर दन के अतरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार करिनियम, 192 (1922 का 11) या उचन अधिनियम जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा एकट नहीं किया का परिवास के निया काना चरिए । लिधान है स्थित के नियः

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बर्गन विकासिक व्यक्तियों. अर्थात ---- (1) श्रोमता कमला ग्राई० केसवानी।

(ग्रन्तरक)

- से(2) 1 श्रो**म**ता लोलावता किरोट शाह तथा
  - 2. श्रो किरोट नटवर लाल शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्तं सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किये जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

पलैट नं० 701, जो सातवी मंजिल, 'माउन्ट' विल्डिंग, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा अन्धेरो (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित र ।

स्रनुसूची जैसा कि कम स० स्राई०-2/37 ईई०/5220/83-84 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाक 26 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वस्बई

तारोख 14-1-1985 माहर

#### प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस्.,-----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

#### कार्यासय, सहायक वायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० भाई०-2/37 ईई/5254/83-84--- प्रतः मस्ते, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर मुस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 36, तल माला, ज्यूबेल महल शापिंग सेन्टर प्रिमिसेस को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसारटी लिमिटेड, गार्डन के सामने, सात बंगलोज, जे० पो० रोड, है तथा जो श्रन्धेरी (पिण्चम). बस्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका ककरारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के को धारा 269 तख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारीके बस्बई के कार्यालय में एजिस्ट्री है तारीख 26 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंकरण से हुई किसी आय की आवत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्भ अधाने में सुविधा के लिए; और/या
- 'क) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तिय। की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

#स. क्षत्र, जनत निधिनियम की भारा 269-म के जनसरण में, भी, जनत अधिनियम की भारा 269-म की उण्धारा (1) के भूभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात : --- (1) श्री कनकराय श्रानन्दजी ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री हरीश जगन्नाथ नरीन्द्र तथा
  - श्री प्रशोक कुमार जगझाय नरीन्द्र । (धन्सरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिकता में से किसी ध्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में अन्य किए का करोंग ।

स्पष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

णाप नं० 36, जो तल माला, ज्यूवेल महल णापिंग सेन्टर, प्रिमिसेस को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, गार्डन के सामने, मात बंगलों, जे० पीं० रोड, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई -400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-2/37 ईई/5254/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 मई, 1984 को रजिस्टडें किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सम्मना

#### भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 2 जनवरी 1985

निदेश स० भ्राई०-2/37 ईई०/5273/83-84---श्रत मुझे, लक्ष्मण दास अग्रकर अक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम

अधिकर आवानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

अीर जिसका स० प्लैट कि 15, पाचवा भाजिल प्रभादेवी बम्बई -400025 में स्थित है (श्रीर इसरे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्री मिसम, 1961 की धारा 269 क खाज के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है तारीख 26 मई, 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार पृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को प्रतिकल को पदह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ए से अन्तरण के लिए स्य गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखत में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिकमा जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीत, निम्मिनिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

(1) मैं० सकेत बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्रोमतो लक्ष्मी बाई श्री निवास हेगडे तथा
  - 2. कुमारी साविती श्री निवास हेगड़े। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना **वारी करके पू**र्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां के फरता हुए।

#### उक्त संपात के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त जीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनु**सूची**

फ्लैट न० 15, जो पाचवी मजिल निर्माणाधीन ईमारत एफ० पी० न० 1262 (ए). टा० पी० एस० चार माहिम, प्रभा देवी, बम्बई -400025 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम स० ग्राई०-2/36 ईई०/5273/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्ब**र्ड** 

**तारीख: 2-1-1985** 

मोहर 🕠

प्रस्प भाइ . टी. एन ु एस् .-----

भायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध्य (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनाक 2 जनवरी 1985

निदेश में० आई $\circ -2/37$  र्ही/5274/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थाभ प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. के अधिक है

श्राँर जिसकी मं० फ्लंट नं० 14, जा पांचवी मंजिल, निर्माणा— धीन ईसारत एम० प्रभा देवी, वस्बई—400025 में स्थित हैं, (श्राँर इससे उपाबद्ध अन्रची में श्राँर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्राँर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में ह तारीख 25 मई, 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बनारण सं हुइं किसी साथ की वाजज, उपर सिंपनियन के अभीन कर देन के जन्हरक को काचित्व में कमी करने या उससं यनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना भाहिए बा, डिपान में मृत्रिका के लिए;

क्षतः कवः, उच्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1), को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० संकेत बिल्डमं।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सामित्री श्री निवास हेगडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हिनबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा स्कार।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-िन व पिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अगस की

फ्लैंट नं० 14, पांचवीं मंजिल, निर्माधीन ईमारल, एफ० पी० नं० 12612 (ए), टी० पी० एस० चार माहिम, प्रभादेवी, बस्बहै-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० आई०-2/37 ईई/5274/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई हारा दिनांक 26 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

ता**रीख** । 2-1-1985

नोहर 🛭

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई  $\int$ 

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/5277/83-84—अनः मुक्ते, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की रह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्त याजाश मृत्य 25,000/- 27. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० भाप नं० 2, तल माना, 'अजय आपिंग सेन्टर बिल्डिंग, टी० एच० पी० कटारिया मार्ग, माटूंगा (पश्चिम), है तथा जो बम्बहै 400016 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण 'रूप से बिणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री है तारीख 26 महै, 1984

को पूर्वे ति संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोह्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप स क्रिंशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वाक्स. उन्ह मींपनियम के अभीन फर दोन के सन्तरफ के दावित्य में कभी करने का उसके कपने में धृविधा की निष्, और/गः
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने यो निवधा या निरः

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियिन व्यक्तित्यों, अर्थात् :--

(1) श्री मोरारजी नेन्सी बोरा।

(अन्तरक)

(2) मनी लाख कानजी मोटा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपर्णि के वर्चन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### aku di

शाप नं० 2, (आधा भाग), जो तल माला, 'अजय शापिंग सेन्टर बिल्डिंग, टी० एच० कटारिया मार्ग, माटूगा (पश्चिम), बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०; 2/37 ईई०/5277/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 म/ई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रेंज**-2, वम्बई

तारीख: 2-1-1985

मोहर 🛭

### प्ररूप बार्च - दी : एत - एस - ----------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्धई

बम्बई , दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/5613/83-84—अतः मुझे, सक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 1. पहली मंजिल, बी नं० 8, बेहराम बाँग के पीछे, जोगेण्वरी (पिश्चम) है तथा जो बम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करौरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 26 मई,

को पूर्वे किस संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सपित्त का उचित नाजार पूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक रूप से क्रीचल नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण मं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए: और/बा
- (क) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक कि अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण यो, मी, अबत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अबी ता निकासिकमित अधिकायों, अधारा नार (1) श्री णियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद पीर मोहम्मद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ६स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन का अर्वात या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से दिन्सी व्यक्ति ह्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्छ स्थायर संपन्ति में हितबहुध विस्ति का व्यक्ति हजारा अवाह-तालरी के पास विस्तित में किए जा राजनी।

स्पष्टीकरण: ---इसमे पयुक्त जब्दा और पदा का, शो उक्त अधिनियम, के जब्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, का उस अध्याद में दिया गया है।

धनुसूची ं

फ्लैट नं० 1, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० के, एस० नं० 41 (पार्ट), ग्रोणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगश्वरी पश्चिम, बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई०~2/37 हैई०/5613 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 महै 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संभाम प्राधिकारी महायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 14-1-1985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जनवरी 1985

निवेण स० आर्ड०-2/37 ईई०/5617/83-84—अतः मुक्के लक्ष्मण दास

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रुठ से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० शाप न० 16, तल माला, 'मिन्नू मिनार'' वीरा देसाई रोड है तथा जो अन्धेरी (पिन्चम), बम्बई—400057 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26 मई, 1984

को पूर्वोक्त स्मात्ति के उचित वाजार मल्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं ० मिन्नू बिल्बर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तस्तीम अब्दुल सन्तार मुकी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सापित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हो।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विदित द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

"शाप नं ० 16, जो तात महना, "मिश्रू मीनार" बीरा देसाई रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०-2/37 ईई०,5617,83-84 मौर जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 मई, 1984 कार्रातस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रीजंन रेज-2, बम्बर्ट

तारीख 14-1-198**5** मोहर : प्रकप नाइं.टी.एन.एस. -----

नायकर विधिनियव, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सूचना

धारत सरकाड

कार्यातव, सङ्गयक जायकर शायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आर्ड०-2, 37 ईई०, 5618, 83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण वास

सायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाबार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

पीर जिसकी सं० शाप नं० 15, तल माला 'मिलू मीनार'' वीरा देसाई रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400057 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकरअधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 26 मई, 1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर≃ का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित की उचित बाजार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से, एोसे व्यथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-कल विम्मिनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक क्य से अधिक मुद्दी किया पचा है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानिस्य में कभी करने या संबंध वचने में सुविधा के लिए; स्रीप्ट/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी थन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय नाय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा। था किया जाना धाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः अन, उच्त अधिनियम की भारा 269-म के असूचरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, नर्भात् ह—— 24—456 GI/84 (1) मै० मिश्रुबिल्डसं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हमीदा इकबान रामरतकर।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सक्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में में किसी व्यक्ति द्यारा,
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाये।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वा उक्स वीधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिक्षाविष्ठ हैं, यही अर्थ होना वो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अन्सूची

'णाप नें० 15, जो तल माला, 'मिन्नू मीनार" वीरा देसाई रोब, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० आई०-2/37 ईई०/5618/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वांरा दिनांक 26 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख . 14-1-1985

### भूषम् आर्ष*्यो, सुन*्युक्षः व्यातवास्त्रास्त्र

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्मय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1985

निवेण सें० आई०-2/37 ईई०/5629,83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000 - रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 4, तल माला, नई ईमारत आजाद रोड, है तथा जो विले पार्ले, बम्बई-400057 में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजिस्ट्री है तारीख 26 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जनतड्ज वे हुई किवी आग भी धावस, जक्छ अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के बाबित्य में कनी करने या उत्तस अचमें में सुविधा को लिए; बाँदु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपात्रनार्थ अन्तिरियम, 1957 (1957 का 17) के उपात्रनार्थ अन्तिरियम, विश्वारा प्रकट महीं किसा गया था या किया प्राप्ता चाहिए था, खियान में मुद्रिक के लिए;

अतः अग्न उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. डा० अशांक राजभाई महना श्रीर नथा
  - 2 श्रीमती शिरीन अशोक मेहता ।

(अन्तरक)

- (2) 1 श्रीप्रमोदचन्द्र वी० शाह
  - 2. श्रीमती जसवन्ती पी० शाहर
  - 3 भी कमलेश पी० शाइतथा
  - श्रीमती तृष्ति के० गाह् ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जादी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन् के दिन्छ कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यों कि दुवारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध
  िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिख्दि में किए ना सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

#### **ननस**ची

णाप नं० 4, जो तल माला, नई ईमारत, एफ० पी० नं० 473, टी० पी० एस० पांच, सी० टी० एस० नं० 1898 (पार्ट), आजाद रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-4000057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं ० आई०-2, 37 ईई०/5629/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 मई. 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज–2, बस्बई

तारीख · 3-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज~2, बम्बई बम्बई, दिनाक 2 जनवरी 1985

निदेश स० म्राई०-2/37 ईई०/5630/83-84--म्रत. रे लक्ष्मण टाम

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख अं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अभार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 204, रूपरी मजिल, 'श्रमर टावर', चन्दन सिनेमा के पास, जुहू है तथा जो बस्वई-400049 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अन्यूची म श्रीर पूर्ण रूप रो विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा कख के स्रवीन, तारी सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

कां पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रक्कामान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य उसके एश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्रीबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलि<u>खि</u>त व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) मै० ग्रमर कन्स्ट्रक्णन्स ।
   श्रा लालभाई मनालाल झवेरी तथा (ग्रन्तरक)
   2 श्री निर्मल एस० झवेरी ।
  - (ग्रन्तरिती)

(3) अतिरिती

वह व्यक्ति, जिसकै रिधभोग में सम्पत्ति है

की यह मुख्या आरी करके पूराक्त सम्मास्त के अञ्चन क निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स
  45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
  स्चना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त राग्पिन में हिनबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्ष हस्ताक्षर्य के पान लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरण:--धमम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ओधनियम, की अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अपी होंगा जो उस अत्याय में दिसा गया है।

### अनुसूची

पलैट न० 204, जो दूसरी मजिल, 'ग्रमर टावर', चन्दन सिनेमा क पास, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है ।

श्रनुमूची जैसा कि कम स० ग्राई०-2/37 ईई०/5630/ 83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड क्रिया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख 2-1-1985 मोहर :

### प्रक्य बार्च. टी. एन. एस.------

कायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-व (1) के जधीन सूचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 2 जनवरी 1985

निदेश स० ग्राई०-2/37 ईई/5632/83-84--ग्रत. मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर बिधानियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० ही 810, 8वा मजिल, मजु महल, 41, पाली हिल रोड, बाद्रा है तथा जो बम्बई-400050 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारमाना श्रीयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26 मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे उस्प्रमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उपत बॉध-नियम के अधीन धर दोन के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उनसे अधने में स्विधा के लिए. बीर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा औ 'अए;

जतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण जों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) बै अधीन, अश्रीनिवित्त व्यक्तित्वों, जनति रू—-

- (1) श्रीमती वर्षाए० शेठ ।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रूपेश पी० झवेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वेद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### स्त स ची

फ्लैंट न० डी-810, 8वी मजिल, मजू महल, 41, पाली हिल रोड, बाद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ।

अनुसूची जैमा कि क्रम स० स्राई-2+37 ईई $\circ$ +5632/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख . 2—1—1985

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

बॉयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुधना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> > भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई०-2/37 ईई०/5635/83-84--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

मायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 703-ए, सातवीं मंजिल, भारती भारतीं भारतिंद्स, 'ए' शेलीं राजन विलेज हैं तथा जो बांद्रा, बम्बई- 400050 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन तारीख सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 26 मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्ते रेख से हुई किसी जान की नागत, उपित विचित्रम के कभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविचा से सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित क्यिक्सियों अधीर हिल्ल (1) श्रा मेसर्ग नव भरत ड बलपमेन्ट र्कापोरेशन।

(भन्तरक)

(2) श्री लालचन्द उत्तम चन्द जीगेश्वरं।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवाँक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धार;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसेत स्थायर संम्यत्ति में हितबध्रंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीने।

स्पव्यक्तिरणं : --इसमें प्रयुक्त संस्थों और पदों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभोषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### are A

पबेट गं॰ 703-ए , जो सातवो मंजींल, भारतो अपार्टभेन्स । 'ए' योलीं राजन विलेज, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/5635/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 मई; 1984 को रजिस्टर्ड कियां गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 2-1-1985

प्रकप बाइ .टी. एन. एस . -------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० स्राई०-2/37 ईई०/5654/83-84—-स्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-3, पहली मंजिल, 'बी' बिल्डिंग, प्रमावती ग्रीणिवरा विलेज, चार बंगलीज के पास है तथा जा वर्सोवा अन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक केंप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरणं से हुई किसी आय की धावस, रायस विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधां के निए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

जतः गय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) कुमारी विल्मा छिसौजा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुनीरा रमजान श्रली माण्डी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्धन के निए कार्यवाहिया करसा हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यों।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्यी

पर्लंडनं० बी-3, जो पहली मंजिल, 'बी' बिल्डिंग, पद्मावसी (निर्माणाधीन), एस० न० 41 (पार्ट), प्वलाट नं० 54, भ्रोशिवरा विलेज, चार बंगलोज के पास, जे० पी० रोड के सामने, वर्सोबा श्रन्धेरी (पश्चिम), बांद्रा बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-2/37 ईई०/5654/ 83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 14-1-1985

प्रकृष नाइ. टी. एन. एस. ----

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### हारव रहकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-2/37 ईई०/**5**6**7**7/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थागर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रोर जिसकी संव पर्लंड नव 210, दूसरी मजिल, ''मी'' ब्लाक, संजली बिल्डिंग, सात बंगलोज, वर्मोवा विलेज, जेव पीव रोड, बम्बई—400059 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 28 मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्मलिवित उद्देश्य से उच्त बन्तरण मिविद में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की वायत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशिस्य मों कभी करने या उससे अपने मों सुविधा के लिए; बार/वा
- (व्य) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा खें लिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन., निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मै० बाम्बे हाउसिंग कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती रेखा मोहन मूलचन्दानी , तथा

2. श्री मुनील मोहन मूलचन्दानी ।

(अर्न्तारती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति। को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपक् में प्रकाशन की तारीबु से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

### जनुसूची

प्लैट नं० 210, जो दूसरी मंजिल, 'सी" ब्लाक, ग्रंजली बिल्डिंग, एस० नं० 21, प्लाट नं० 2, मात बंगलोज, वसींबा विलेज, बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 **ईई०**/567/7 83-84 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकगर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

माहर :

### प्रकृत कार्<u>यः</u> दो<sub>श</sub> पृष्<sub>य</sub> सुर्व<sub>शास</sub>क्ष-स्थान

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्था

#### गारत राज्य

JAKE 1

भार्यालय, सहायक आयकर **आयुक्त (निर्दाक्षण)** 

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 14 जनवरी, 1985

निर्देश सं० अ० ई०-2/37 ई० ई०,5684,83-84---् अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' बद्धा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित वाजार मुख्य 25,000/-छ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 105/106, पहिली मंजिल, "बी" विंग, बिहिंडग नं० 42, मनीघनगर, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिजित है, ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-5-84

को प्वोंक्स संपरित् के उपित वाकार मून्य से कम के क्षमान प्रतिकास के लिए बन्दरित की नहीं ही बीर मुक्ते वह विक्थाल करने का कारण ही कि संभापूर्वोंक्स सम्परित का उपित काजार मून्य, उसके क्षमान प्रतिकत्त है, एते क्षमान प्रतिकत का पंतर श्वित्त से विभक्त ही बीर सन्तरक (बन्दरकों) बीर वंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तब पाना प्रता प्रति-कस निम्मीसिव्त खबुदोन से उन्तर मन्तरण निविद्य में पान्तरिक कम से कथित नहीं किया नवा है :——

- (क) अन्तरण से हुई क्रिकी आयं की वायत, उक्त अधिनियम के अधीय कर दोने के अंतरक में दायित्व में कमी करने या उससे वचले में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी बाव का किसी भन का बन्न बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बावकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क्रे प्रधोचनार्थ जन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के विद्;

अतः वदः अवत विधिनियम की नारः 269-च की वनुसरच मे, में, सकत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को वधीन, नित्मसिनिय व्यक्तियों, वंधीत्ः— (1) श्री क्रिज भूषण हाण्डा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला मलहोत्रा

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काकोप्:---

- (क) इस सूचना को उपपाप में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन में जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा;
- ं (च) इस स्वेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का को इस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### यमपर्या

प्लैट नं० 105/106, जो पहिली मंजिल, "बी" बिंग, बिंग, बिंग नं० 42, मनीषनगर, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० औ० ६०-2/37 ६० ६०/ 5684,83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 28,5,1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, **बस्बर्ध**

तारीखा: 14-1-1985

मोहर 🗓

### प्रकथ बार्ड . टी . इन् . एस् , -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 208•व (1) के प्रधीन सुवका

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० अ० ई०-2/37-ई० ई०/5694/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- च० से अधिक है

मौर जिसकी सं० भाप नं० 106, "बी" बिल्डिंग, लारम सेन्टर प्रीमा, को-आप० सोसा० लिमिटेंड, एम० ए० रोड, अन्धेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर पूर्ण रूप सेविणत है), घीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-5-1984

को पूर्योक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक ! और प्रकारक (अन्तरकों) भीर प्रकारियों (प्रश्नितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिए तय पाया गया प्रति- प्रका निम्नितियों वे वास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों का, 'जन्हें भारतीय यायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त प्रधिनियम, मा धन कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए या; छिमाने में सुना के लिए ;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्।—— 25—456 GI/84

(1) 1 श्री वीपक पी० कुरील, तथा 2 बी० प्रेममन्द एम कुरील

(अन्तरक)

- (2) 1 श्री शांगपंडी नारायनन नाडर,
  - 7 श्री थांगपंडी राजा नाडर,
  - 3. श्री थांगपंडी बलराज ना इर, तथा
  - 4. श्री षांगपंडी नटेसन नाडर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

### बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कासीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संवंधी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- धद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 के में यथा परिभाविश हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस् वता हैं।

### अनुसूची

शाप नं 108, जो बिल्डिंग-बी, लारम सेन्टर प्रीमायसेस को-आपरेटिंग्स सोसाईटी लिमिटेड, एम० ए० रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अं ई०-2/3 ई० ई०/ 5694/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21/5/1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास समम त्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई।

तारीख: 14-1-1985

मोहर 🕄

प्रकृष वार्च. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निर्देश सं० अ० ६०-2/37 ६० ६०/5701/84-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धन ने एक तल् जिस्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार भूका 25,000/-रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० बी०-206 से 210, दूसरी मंजिल, बलराम बिल्डिंग, बांद्रा कुर्ला कार्माशयल काम्पलेक्स, बान्द्रा (पू०), बम्बई 400056, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है, ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 21-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मृभ्ने यह वश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य समके अपमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में नास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के मन्तरक के दिवाल में कमी करने या उससे स्वतं में भृषिधा के लिए; और/वा
- (म) ऐसी किसी बाय वा किसी वस वा अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया प्राथा क्या जाना छाहिए था, खिगाने से सविभा के निरुष्।

मतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अभित् :--- (1) मैसर्स यूनाइटेड बिल्डर्स कन्स्ट्रक्शन (ईडिया) प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मौलिक जमुभाई ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के वर्षन् के तिए कार्यवाहिया करता हो।

उन्त सम्पत्ति को कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकानन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किस जा सकोंगे।

स्वक्टीकरणः -----श्समें प्रयुक्त संख्यों और पदों का, औं उपत किंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा को उस अध्याय में विका नक्ष हैं।

#### वन्तुवा

यूनिट नं॰ बी-206 से 210, जो दूसरी मंजिल, बलराम बिस्डिंग, बान्द्रा फुर्ला कार्मागयल काम्पलेक्स, बान्द्रा (पू॰), बम्बई 400051 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ६०-2/37 ६० ६०/ 5701/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्मण दास , सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख: 2-1-1985

प्रक्रम वार्षः टी. एन. एव. ----

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-ज (1) के बजीव सूचमा

### मार्थ संस्कृत

कार्यानय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निवेश सं॰ पर्ध-2/37/ईई/5713/83-84---मतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

कोर जिसका संव पलैंड नंव 4, तलमाला, ला—तेरेसा, को—आपरेडिव हार्ऊसिंग सोसाइट बिव कामगार नगर के पास, खार बंगलोज, अन्धेरा वसींवा रोड, अन्धेरी (पव) बम्बई—59 में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की घारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 30 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान श्रांतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से एसे दूस्यमान प्रतिफल का बम्बद्ध प्रतिकत से बिधक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनिक्यम के अधीन कर दीते के अन्तरक के शाबित्व में कभी करने था उत्तर बचन के श्रीक्या के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्त आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या वर-कर अभिनियम, या वर-कर अभिनियम, 1957 (1957 को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिसिया व्यक्तियमों, अर्थात् ह (1) श्रा जान सावकशा इंजानियर ।

(अन्तरिती)

(2) श्री प्रवीण चन्त्र जी राणा तथा श्रीमती मंजुला पी० राणा:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निर् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनत सम्पत्ति को कर्चन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनाए;
- (५) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की 'तारीस खं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति अ जिल-वर्ष किसी अन्य स्थाबन द्वारा, वताहरताक्षरों के एस निभिन्न में किस्तु रामकांचे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवन्त्र, अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभीशित ही, वहीं अर्थ होंगा, या उस अध्याय में दिया सर्व है।

### अनुसूची

प्लैंट नं० 4, जो तल माला ला विरेसा को० आपरेप्टिय हार्जीसग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं० 140-की, कामगार नगर के पास, चार बंगलोज, अन्धेरी वसींवा रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37 ईई०/5713/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 30 मई, को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

तारीख: 14-1-1985

मोक्टर ३

प्रकष् बाध् .टी .एन .घध -----

बावकर व्यथिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुधना

#### मारत सूरकात

फार्यालय, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-2/37 ईई०/5727/83-84--अतः मझे, सक्ष्मण बास

मार्वेकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उक्त मिनियम' कहा गया है), की वारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, जुड़ू कापरी को आपरेटिव हाऊसिंग सोसा टी विभिटेंड, ग्रीम फिल्ड्स, ए० बी० नायर रोड है तथा जो जुड़ू, बम्बई-400049 है में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से मंजित है), ग्रीर जिसका कररनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्याल्य में रजिस्ट्री है तारीख 28 मई, 1984

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य,, उसके दश्यकान प्रतिकल से, एसे क्ययमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल,, निम्निचित उद्योक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण ते हुई किसी नाम की बायत , अवस वीपित्यम के भवीन कर दोने के जन्दरक के वायित्य में कभी कड़ने याँ उत्तरों देवनों में द्विशा के सिए; और/वा
- (क) एंची किसी नाय या किसी धन या अस्य आस्तियों की , चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या चन्-कर विधिनियम, या चन्-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया पवा चा या किया वाना चाहिए था, छिपान में सृतिया हो जिए;

जतः जब, जनत निधनियम की धारा 269-ग को जनुसरन् जो, जो, जनक निधनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) कुँ जधीय, जिन्निनियस व्यक्तिकों, निधीय ह-— (1) मैं एयरवेज ट्रेवल ब्यूरो।

(अन्तरक)

(2) श्रं अमिजित राजन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पर्टिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील ते 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा हितबसूध किसी अन्ध न्यक्ति स्वारा अधोहरनाक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

### नेन्स्ची

पलैटनं 302, जो तीसरी मंजिल, जुहू काप्री को आप रेटिव हार्जीसंग सोसाटी लिमिटेड, ग्रीन फिल्ड्स, ए० बी० नायररोड, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/5727/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई एपरा दिनांक 28 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 4-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की \ भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्काल)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/5729/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, जुहू काश्री को आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, श्रीन फिर्ड्स, ए० बी० नायर, मार्ग, है तथा जो जुहूँ बम्बई—400049 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अध्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भाग्न 269-म के अनुसरण में, भैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिक व्यक्तित्यों, अर्थात् ह— (1) मैं० कुमार बदर्स कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) मैं० आश राज होस्डिग्ज प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्शिक अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाढ़ सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियक गया हैं।

धनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, जुहू कापरी को आपरेटिव हाऊसिंग सीसाइटी लिमिटेड, ग्रीन फिल्ड्स ए०बी० नायर रोड, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/5729/ 83-84 भीरजो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 28 मई, 1984 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> लक्सण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-1-1985

प्ररूप काईं. टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

भारीत्रय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/5926/83-84--असः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गांधी भवन, एस० वी० रोष, विले पार्लें (पिष्यम), है तथा जो बम्बई-400056 में स्थित है (ग्रीर प्रिंगर हमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिनका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम 1961 कि धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्ट्री है तारीख 28 मई, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक ही बीच अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में साक्ष-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुई किसी भाग की मान्त, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दाशित्य में कमी करने या उससे यक्तने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किनी जाय या किनी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत् अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाजा कार्यक्र का किया मां कार्यक्र के किया में स्विया के किया के किया के किया

असः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् के—

- (1) श्री द्वारका चास अमृत लाल गांधी कर्ता
- (2) मै॰ सुन्दर बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

- (3) श्रामती भाक्षोत । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) श्रामतो ग्रन्तरक और अन्य पांच (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हिंतबद्ध है ।)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के लर्बन के सम्बन्ध में काई' भी आक्रोब ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विवृक्षी अविधि या तत्सम्बन्धी अविधियों पर स्थान की तामीस से 30 विश की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बर क्यां किया में से किसी स्यों के वृष्टरा;
- (ण) इस स्वान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीण सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निभित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त लख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

गांधी भवन जो एस० वी० रोड, विले पार्ले (पश्चिम), बम्बई--400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि \कम सं० आई०-2/37 ईई०/5928/ 83-84 भीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारी**ख** : 3—1—85

मोहर 🚜

प्रस्प बार्षं.टी.एन.एस.,-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकडु नायुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं ० आई०-2/47 ईई०/6124/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके ५३ जान् 'उक्त जीनीत्यम' कहा गया ही), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 75 का में- का से **अधिक हैं** भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, चौथी मंजिल, जैनिका अपार्टमेंट्स एस० बी० रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), है तथा जो बम्बई-400060 में स्थित (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बष्मबर्ड में रजिस्ट्री है तारीख 28 मई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकात ने एसे भ्रायमान प्रतिकास का पन्द्रत प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकत, निक्तिसित उपवेष से उपत अन्तरण विविद् में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधि-तियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-गण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः अव, उत्तत विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अर्धान मानिका विश्व विभागों, वर्षा हिल्ल (1) मैं ० जैनिका बिल्डर्स।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती महमूदा इस्साक तथा
- (2) श्रीमती खतीजा सुलेमान ।

(अन्तरिती)

्को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायंक्रीहथा करता हो।

उक्त सम्पत्ति व अखन के मम्बन्ध मी कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्णना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्थ किसी अन्य व्यक्ति दवारा निप्यम्प्राज्ञरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होंगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुमूचो

प्लीटनं० 404, जो चौथी मंजिल, जैनीका अपार्टमेंट्स, एस० वी० रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई—400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37 ईई०/6124/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-1-1985

मोष्ट्र 🛭

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

### कायकर क्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** धारा 269-व (1) के **वधीन सूचना**

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर भाष्युक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-2, बम्बई मम्बई,दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० काई०-2/37 ईई०/6127/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई/13, चौथी मंजिल, पारस नगर को० आपरेटिव हौ० सोसाइटी लिमिटेड, मजास रोड, जोगेश्वरी (पूर्व), है तथा जो बम्बई-400060 में स्थित है (भौर इससे उपाबंद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है),भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28 मई, 1984

को प्वांक्त मध्यति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क्क) अन्तरण से हुइ किसी जाब की अबस उक्त बाँध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्क में फमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१९22 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः त्रयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः— (1) श्रीमती तार्का महेश देसाई।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीटिकमधन्द बी० **पौ**हान तथा
  - 2. श्रीमती चमेली टी॰ पौहान।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितो

। वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है।

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🌤

- (क) इत सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस पं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्य किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### . बवृत्यी

पत्तैष्ट नं ० ई/13, जो चौथी मंजिल, पारस नगर को० आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मजास रोड, जोगेश्वरी (पूर्व), बस्वई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/6127/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 भई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-1-1985

### प्रस्य बाइ. 2%. एन. एस.----

श्रामकर की भनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भाग्य सरकार

### कार्यालय , सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/6672/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ राज्य से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अमित सी उर्दा एस व नं 41, 62, 59 (पार्ट), एवं 799 है तथा जो अन्धेरी विलेज, तहसील अन्धेरी बी एस अधि है तथा जो अन्धेरी विलेज, तहसील अनुसूची में श्रीर पूर्ण का में विणित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28 मई, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का स्वरंग है कि प्रथापूर्वों ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसा रेश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया शितफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण मिषित में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निगम के अधी। कर दोन के अन्तरक के दर्गायत्व ने कमी करने या उगसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया रहा चाहिए था, छिपार सो मृचिया के निए,

जत जय, उवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, नि⊊ियालत व्यक्तियों, अर्थात .—— 26.—456 GI/84 (1) श्रीवसन्त कें गोरेगांवकर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीन्र मोहम्मद आदम हलाई तथा
  - 2. श्रीफारूख आदम हलाई भौर
  - श्री आबूबकर हाजी अहमद कामम सोराठिया। (अन्तरिती)
- · (3) 1. श्री ईस्माले नूरमोहम्मद हलाई तथा
  - मैं० गोविन्द जी एण्ड कम्पनी ।
     (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टभोग में सम्पत्ति है)
  - (4) 1. श्री इस्माले नूरमोहम्मद हलाई तथा
    - 2. मैं ० गोविन्दजी एण्ड कम्पनी ।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है

किवह सम्पत्ति में हिलबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

### उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन की अयिथ या तत्संबंधी अपित्रियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितगव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थव्दीकरण: -- इरामें प्रयुक्त शब्दी काँर अदी का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सबा हैं।

### अनुस्ची

जमान भूखण्ड महित, जिसका सी० टी० एस० नं० 41, 62, 59 (पार्ट), तथा 799 अन्धेरी विलेज, तहसील अन्धेरी, बम्बई उप नगर जिला में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/6672/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-1-1980

### म्बद् बार्च हो .एव .एक .-----

जायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### TREE STREET

### कार्यां बया, सहायक वार्यकर आयुक्त (निर्दाक्त)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1985

निषेश सं० आई०-2/37/ईई/6684/83-84--अतः मझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ज से अधिक है

और जिसको सं० पर्नेट नं० 10, एवं 14, तौसरी मंजिन, बी० नं० 2, प्ताट नं० 6, मरोल मरोणी रोड है तथा जो अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400059 ने स्थित है और इपें उपाबद अनुसूची और पूर्ण कर रे विणित है, और जिसका बरारनामा आयशर अजिनमि, 1961 को धारा 269क ख दे अर्ज उसका प्राक्त प्राप्त 28 मई, 1984

को प्योंकित सम्पत्ति के उचित धाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गद्द है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया प्रया प्रतिफल, निम्निजिन्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि स्ति में वास्तिबक अप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी मार की बावत, उक्त सिंधिनियम के अभीन कार दोने के बन्दारक के बाग्निरण में कमी करनेया उपसे अचने में सुविधा के मिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत: अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं० दीपक बिल्डर्स प्राप्तवेट लिमिटेड ।

(अन्तरका) (2) श्रीबास्को एम० बी० नोरोन्हा।

2) श्रीबास्को एम० बी० नौरन्हि। (अन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के किए कार्यवाहियां करता हूं।

### उनत सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाजेंद्र-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं बैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की मामील से 30 दिन की अविध, थो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- [क] इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाइं निक्ति में किए का सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट नं 13 एवं 14, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं 2, प्लाट नं 6, 'भवानी नगर' मरोल मरोबी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनूसूतो जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई०/66840 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मई 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-1-1980

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.-----

**मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-व (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

धार्यालय, मरायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई 121648/3-84--अत मुझ, लक्ष्मण दास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिधिनियम' कृहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्ती सं० पर्नेट नं० 204, दूसरी मृंजिल, 'स।' विश, धाभिषक ध्रपार्टमेन्टस, चार बंगलोस, वसीवा, धम्बई (और इससे उपाबद्ध अनूसूच। में और पूर्ण रूप से विणित है, और ज़िस्सा करारन मा ,अ।यकर अधिनियम, 1961 को धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तरोख 1 मई, 1984

को प्नांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के द्विए; और√या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय कायकर शिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मै० शोम प्रकाश एण्ड कम्पना ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती पदमासुधाकर।

(अन्तिरितो)

(3) अन्तरका।

(वह व्यक्तिन, जिसके

अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) है ० बोममा जै० वाडिया।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि

वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ष व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः हु इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पर्नैट नं० 204, जो दूसरो मंजिल, 'सो' विंग, अभिषेत अपार्टमेंट्स, (निर्माणाधीन (ईमारत), ई० एस० आई० सी० नगर के पोछे, चार बंगला, वसींवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कम सं० आई—मैं 3क ईई/12164 83~84 और जा पक्षम प्राधितारा, बम्बई द्वारा दिनाङ 1 मई, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम अधिकारो महायक आयकर आयुक्मे (निरीक्षण) अर्जड रैंज⊶2, बम्बई

तारोख: 14~1~1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-237 ईईवं० 12232] 783-84--

अतः मुझे, लक्ष्मण धास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, तल माला, बो० नं० नं०ए-4, ह्योकेश 'डी' अपना घर यूनिट नं० 1, को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, स्त्रामी समर्थ नगर, चार बंगलीज अन्धेरा (पश्चिम), बम्बई में स्थित है और इसने उपाबद्ध अनूसूची मे और पूर्ण रूप से वाणिन है(, और जिसका करार नामा आयार अधिनियम, 1961 का धारा 269 के अधिक, सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय, बम्बई मैं रजिस्ट्री है ताराख 9 मई, 1989

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय इलहस में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा दायित्व के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1)ं के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ः——

(1) मैं० समैर्थं डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) डा० हाचिकेश बी० पारीखा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्टु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी द द 45' दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी चें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभावितः है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम् सुची

(4)

पलैंट नं० 2, जो तल माला, बिस्डिंग नं० एन्यु हृ षिकेण 'डा' अपना घर यूनिट नं० 1 को० आपरेटिंब हाऊसिंग सोसेाइटी लिमिटेड, स्वामी समर्थ नगर, चार बंगलोज अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनूसूचः जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई0/12232/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां 0 9 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण **दास** सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निर<sup>्</sup>क्षण) अर्जन रेंज- 2, **बम्बई** 

तारीख 14-1-1985 मोहर 🛚 प्रक्ष बाह्रं, टी. एन. एस.-----

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक बायकर बायक्तः (निरीक्षण)
अर्ज रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 19 जनवरः 1980

निदेश सं० आई०-2/37 ईई/12240/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 306, जो तंसरे मंजिर, 'स ० ट ० ओशिवरा, चार बंगलोज, अन्धेरी (पश्चिम), वम्बई—400058 में स्थित है (और इसंस उपाबद्ध अनुसूच, में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क ख के अयोन, तरोख 4 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफन का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से किया नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ अधे दायित्व में कभी करने या उसके बच्च में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को: जिन्हें भारताय आय-कार अवसानयम. 1922 (1922 का 11) या उकत आसानयम. या धन-कार अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुनारा प्रकट नहा विक्रा गया था या किया जाना चाहिए था, जिस्सार अस्तरित के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ के अन्भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च का उपधारा (१) के बधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधारा :--- (1) मैं० रिवराज करपीरेशन।

(श्रन्तरक)

- (2) 1 श्री रमेश एच० तेज सिंघानी
  - 2. श्रामती ज्योति आर० तेज सिंघानी । (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करकं प्रांवत सपति के अवन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया इस सूचना की तामील से 30 दिने की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताथरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया । गया है।

### ग्रनुसूची

पत्रैट नं० 306, जो तोसरा मंजिल, 'सोटिशन', विल्डिंग, प्लाट नं० 27, एस० नं० 41 (पार्टे), ओशिवरा, चार बंगाल, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है । अनुसूर्वा जैसा कि कम सं० आई-2/37 ईई०/12240/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर अग्युक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज- 2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

### प्रथम बार्च . डी. एव. एव. .....

आयक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-म (1) के नभीन स्मना

### शारत दरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायक (निरीक्रण) ी अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, विमांक 14 जनवरी 1985

मिदेश मं० आई०, 2/37 ईई०/12255/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

मौर जिसकी सं० शाप नं० 4, तल माला, निर्माणाधीन 'ईमारत 'प्रेरणा' झे,शिवरा विलेज, भार बंगलोज, जे० पी० रोड, के सामने, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—400058 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5 मई, 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिष्ट से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रति-क के निम्नितिकत उद्देश्य से उच्य बन्तरण विश्वास में वास्त्-विक रूप से अनित नहीं किया प्रवाहित-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने बा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों का, किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धाय 269-ग के अनुसरण कं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीन हु---

- (1) मै॰ शर्मा प्रापर्टीज प्रा० लिमिटेड।
- (अन्तरक)
- (2) मै॰ राज भुभार एजेंसीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्ट सम्मन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीय में 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जांभी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानस्था में किसी स्थानस बुवारा;
- (क) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकायन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियन, के बभ्याय 20-क ने परिभाजिल हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सभा है।

### अ**न्**स्ची

शाप नं० 4, जो तल माला, निर्माणाधीन ईमारत 'श्रेरणा, प्लाट नं० 67, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशियरा विलेज, जे० पी० रोड के सामने, वार बंगलोज, वर्सीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/12255/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 मई 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

ः चेहर ३

### प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

### बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०,12256/83-84--अत:

मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार जिथिनियम कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी स० शाप न० 2, तल माला, 'प्रेरणा' बिर्हिडग, भ्रोशिवरा विलेज, चार बंगलीज, जे० पी० रोड, के सामने, बसोंवा अग्धेरी (पिण्चम), बम्बई-400058 में स्थित है भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4 मई, 1984

को पूर्वाक्त अम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किसित में शस्तिबन, लप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में मृतिधा क लए; और म
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भाग्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :— (1) मै॰ शर्मा प्रापर्टीज प्रा॰ लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती दोपा आर० चोप्रा, तथा श्रीमती चित्रा प्रेम मेहरा।

(अन्तिरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबय में कीई भी जाशप ---

- (क) धस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इदारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45, दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितत्र द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरूत अयो के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

शाप नं० 2, जो तल माजा, निर्माणाधीन ईमारत 'प्रेरणा' प्लाट नं० 67, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशियरा दिलेज, धार बंगलोज, जे० पी० रोड, के सामने, वर्सीवा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई०-2/37 ईई०/112256/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4 मई, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, वस्बर्ध

तारीच 14-1-1985

प्रकथ, बार्ष, टी. पून, एस. -----

सायकर अस्तित्यमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश मं० आर्४०- $2_{l}$  37 **१**ई०/12257/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्न असमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावन सम्पत्ति, जिल्हा प्रचित्त राजान मृत्य 25,000/-गः से अधिक हैं

भौर जिसकी स० शाप न० 3, तल माला, 'प्रेरणा' ओशिवरा विलेज, जे० पी० रोड के सामने, वर्सोवा अन्धेरी (पिन्सि) अम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन सक्षम अधिनारों के कार्यालय, अम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ताजार मृत्य से कम के इत्यापत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह दिण्यार करने का कारण है कि स्थाप्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिकृत का प्रतिकृति के विक एसे अतर्थ के लिए तय पाया ग्रा प्रतिकृत निम्नितित्त उद्यंश्य से उक्त अंतरण निम्नित्त स वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्र) अररण में हुई। फिली आय की नजर, उक्त के धिनियम के अभीन कार देने के अन्तरक के द्रांधत्व में कभी कारने मा उसने बचने मा रिनात में सिए करि√या
- (क) एसी किसी आस या किसी धम रा ग्यास आस्तियाँ के के किन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 1 के प्रयाजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट कही कि स्था भा रा किया जाना चाहिए था, ष्टिपान के स्था के लिए.

जतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्ष्य अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (१) के प्रभीत, जिल्लाकिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सै० शर्मा प्रापर्टीज प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरःः)

(2) श्री राज कुमार एजेंमीज।

(अन्तरिती)

कां यह सुपर जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

े स्टिपान के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इन स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तरिशेश सं :5 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर नूबना की तामील से 30 दिन की व्यथि, भी औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्ष प्रकारित यक्ति हों में किसी व्यक्ति द्वास,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार**ैश अ 45** व्यन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए। व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पार विवित में किए जा मकींगे।

रमान्या -- सिमी प्रयादण शब्दी और पदी का, की सुषत अधिनियम के अध्याय 20-क में पीएक्ष के ही, वहीं अर्थ कामा को सम अध्यार में विष्णु गा ही।

### अनुसूची

गाप नं० 5, जो तल माला, निर्माणाधीन 'प्रेरणा', प्लाट नं० 67, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेश, चार बंगलाज, तर्पात्रा, जे० पी० रोड के पास, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अपूर् ि जैसा कि कम सं० आई०-2,37 ईई०/12257/ 83-81 प्रौरजो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्पण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्फ्

तारीख : 14-1-1985

माहिरः \*

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

हासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के वधीन सुचना

### भारत सर्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर नामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, विनांक 14 जनवरी 1985

निदेश मं० आई०-2/37 **ई**ई०/12268/83-84--अतः मुक्ते, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 501, पांचवीं मंजिल, 'श्रोशिवयानीक' एक सात बंगलीज के नामने, वर्सोवा, अन्धेरी (पिण्वम), बम्बई—400056 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से (विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकण अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख्के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 11 मई, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह िश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निसिश्चत उव्वदेश में उक्त अन्तरण लिकिन में कारतिवस लप से किथित नहीं किया गया है ;—

- (क्क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

- (1) श्रीमती गोमनी रूप चन्द वजीरानी । (अन्तरक)
- (2) 1. क्रमारी रशीदा टी० मीताब्खन श्रीर
  - 2. श्रीमती जनाव टी० मीताबखन तथा
  - 3. कुमारी मुनीरा टी० मीताब्खन एवं
  - 4. मास्टर मोहम्मद टी० सीताबखन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (चा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्यूची

फ्लैंट नं० 501, जो पांचवी मंजित, 'ग्रोशिअनीक एक' प्लाट प्ं० 1296 से 1300, सात बंगलोज के सामने, वर्सोवा अन्धेरी (पश्चिम), बस्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/12268/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनाक 11 मई. 1984 को रिजस्टई किया गया है ।

्रेलक्ष्मण ्दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, **ब**म्बई

नारीख : 14-1-1985

### प्ररूप बार्ड टी एन. एस. -----

### बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### पारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जनवरी 1985

निदेश स० आई०-2/37 ईई०/12273,83<del>-</del>84--अन मुझे, लक्ष्मण दास

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसर्में इसके परभात् 'उक्त अधिनियमे' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह निव्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार सकर 25,000 <sup>/</sup>--रु से **अधि**क हैं।

भीर जिसकी स० पर्लेट न० ४२, चौथी मजिल, 'ए' बिंग, प्लाट न ० 24, श्री स्वामी प्रसन्न को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइर्ट। लिं०, चार बगलोज, के पास, वसीवा, अन्धेरी बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के अधान सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है तारीख 5 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मध्य से कम के दश्यमान के लिए अन्तरित की करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उवित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकार) और अन्तरिर्त. (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण ी निम् अप प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोस्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है. ---

- (का) अन्तरण से हुए किसी काव को बाबत,, उक्क अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के द्वाधिन भे कमी करने या उससे बचने मा समिका को सिह अ\*र/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ज्यान्तिका को, जिन्हों भारतीय प्राय-कर अभियंतरम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मा सुविधा त िनए

अस. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियें अर्थात् --

(1) मैं० ट्राईका कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री शरद रामकृष्ण दाडेकर।

(अन्तरिती)

ं (3) अन्तरक (बह व्यापन जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यिः शरु करता ह।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षण 😁 🕟

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी<del>ख</del> 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो लेक्षिय बाद में समाप्त होती हा, या भीतर प्रविकत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्भीतन मो हित-वव्य किसी बन्य व्यक्ति द्याग अधोहस्ताक्षरी के वास लि। सत में किए जा सकेंगे।

स्थ्यतोकरण — ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें विया

फ्लैटन० 42, जो चौथी मिलिय 'ए' बिंग प्लाट न० 24, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को आयरेटिव हार्जीसम सोसाइटी लिमिटेड, (प्रोपोज्ड) एरा० न० 41 (पाट), श्रोशिवरा विलेज, चार बगलोज के पास वर्सोवा, अन्धेरी बम्बई मे स्थित है । अनुसूची जैसा कि क्रम म० आई०-2/37 ईई०/12273/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी। जम्बई द्वारा दिनाक 5 सई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त ((निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख 14-1-1985

मोहर 🕆

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश स० /अई०-2/37 ईई०/12274/83-84--अतः मुझे लक्षमण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

, और जिसकी सं पलैट नं०/54पॉभन। मंजिल 'की' विंग, श्री स्वामी ममर्थ को आप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, ग्रोशिवरा व लेज, चार बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, मे पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन,सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है लारीख 5 मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बागर मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रीयत्व में किसी करने या उसस बचने को सविधा अलिए, और पर
- (स) एसे किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों के जिला १९२२ (1922 का 11) या उक्ट प्रतिस्थित, या कर प्रावित्य । १९ वे प्रशासनीय अंतरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया भा या विया जाना चाहिए था, रिप्रारे में स्ट्रीयधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

(1) मैं ० टॉईका कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री अभय बेहेरे ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

् उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- -(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो के उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्की

फ्लैंट नं० 54, जो पांचवी मंजिल, 'बी' विंग, 'ट्राइहैका' अपार्टमेंटस, प्लार्ट नं० 24, एस० नं० 41 (पार्ट), श्री स्वामी समेर्थ प्रसन्न को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (प्रोपोज्ड), ग्रीशिवरा विलेज, चार बंगलोज, के पास, वसींवा अन्धेरा, बम्बंई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कम सं० आई०-2, 37 ईई०, 12274, 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, व्यम्बई द्वारा दिनांक 5 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्**बई** 

तारीख : 14-1-1985

मोहर 🚜

प्रकार बार्ड टी. एन. एस.

बाय्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (३) के बभीन स्वना

### बाइदे बहुका

## कार्याज्य, सङ्घयक शायकर शायुक्त (निराक्षण)

श्रर्जन रेज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी, 1985 सं॰ श्रई-2/37ईई/12278/83-84:--श्रत: मुझे, लक्ष्मण हास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिजर इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), भरी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रापिकाकी की यह विकास करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित नावार मृत्य 95 000/रा. से विचक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 308, तीसरी मंजिल, 'बी'', ब्लाक श्रंजली बिल्डिंग, सात बंगलोज, वर्सोवा वीलेज, जे० पी० रोड, बम्बई-400056 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपान्बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, खंके श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-5-1984।

को पूर्वाक्य सन्मित्त के उपित समार मृत्य से कम के स्थमान प्रिक्षण्य के स्थिए अन्यद्भित की गई है और बुक्ते यह सिर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्य सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए त्रय पाया गया इतिक स हिम्मी सिंख उप्योक्ष से उसत अन्तरण कि सिंत में बारतिया स्प से इस्थित नहीं किया गया है :--

- (क) जनसम्बक्त से हुन्हैं किसी आय की जानत, उक्ता अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिकित व्यक्तियों, सर्थात् :--

1. बाम्बे हाउसिंग कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री किर्मन कैलाश नरायन मेहरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वॉक्त संपृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

### बच्छ संस्थित् भी अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के ग्रावपण में प्रकाशन की तारोच के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की जबिंध यो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (अ) इस सूपना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के जीतर उवत स्थावर संपर्ति में हित्तबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सर्कोंगे।

स्थळीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया तथा है।

### **प्रनुसूची**

फ्लैट नं० 308, जो तीसरी मंजिल, 'बी'' ब्लाक, श्रंजली बिल्डिंग, एस० नं० 121, प्लाट नं० 2, सात बगलीज, वर्सोबा विलेज, जे० पी० रोड, बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/12278/83-84 थौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 बम्बर्ड

तारी**ख**: 14-1-1985

माहर 🖫

दास,

### प्ररूप बाइ टी.एन.एस.-----

### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2, वस्बई बम्बई, दिनाक 3 जनवरी 1985 सं० श्रई-2/37ईई/12293/83-84'---यत'. मुझे, लक्ष्मण

आयकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या णाप नं० 1, तलमाला, जतीन श्रार्शा कोन्नाप सोंसा० नटवर नकर रोड नं० 1, सिन्दू फेन्डस, सोसा० के सामने, जोगेश्वरी (यू०) बम्बई-400060, में स्थित है, (ग्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7→5→1984।

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का फल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंप्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्तिषित उद्देश्य से उपस अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क् अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अर्दिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

जन अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री देवणी कावा सातरा।

(अन्तरक)

2 श्री प्रेम जी मिमशी शाह, तथा
2. श्री खिमची करमन शाह ।

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती तथा परिवार

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों अरेर पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्सूधी

श्राप नं० 1, जो जातीन श्राणोष को श्राप सोसाईटी नटवर नगर रोड नं० 1, ज्लाट नं० 60, मि० टी० एस नं० 61, हिम्बू फेन्डज सोसाईटी रोड के सामने, तलमाला, जोगेश्वरी (पू०), बम्बई 4000050 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा क्रि क सं० ग्राई-2/37ईई//12293/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** 

ता**रीख।** 3—1—1984 मो**हर्**∎

### प्ररूप नाइं.टी. एंन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बंई, दिनाक 14 जनवरी 1985

मं० ग्रई-2/37ईई/12294/83-84.— ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मख्या फ्लैंट नं० 41, चीथी मंजिल "ए", विंग, स्वामी समर्थ प्रसन्न को० श्राप० हो० सोसाइटी लि० (प्रायोजना) श्रोशिवरा विलेज, चार बंगलोज के साथ, वर्सोया, श्रद्धेरी, वस्वई—में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रन्-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1984।

को प्वोंबत सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उसत अन्तरण लिखित में शस्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्थ के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गर-अ
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के किए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थास् :--- 1. मैससं ट्राइका कन्स्ट्रवशन कम्पनी।

(अन्तरक)

- 2. श्री नीलकण्ट रबुनाथ मोडक, तथा
  - 2. श्रीमती नीलाम्बरी नीलकण्ठ, मोडक।

(श्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उपसा सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भीषर पृर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पाल क्लिंग में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्वोका, चो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गमा है।

### **भनुसूची**

फ्लैंट न० 41, जो चौथी मंजिल, "ए" विंग, ट्राइका अपार्टमेंटस", श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को आपरेटिव हाउमिंग सोसाईटी लि०, (प्रायोजित), एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 24, श्रोशिवरा विलेज, चार बगलौज के पास. वर्सोवा, श्रम्बेरी, बम्बई में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा कि क स० प्रर्ह-2/37ईई/12294/8484 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रजीन रेज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

मांहर :

प्ररूप काइ . टी . एन . एस . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), श्राप्ति रेंज 2, बस्वई

ब्रम्बई, दिनांक 14 जनवरी, 1985

निर्देश मं० ग्रर्ड--2/37ईई/12302/83--84:--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्दर्भ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000 रा गे रुधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैंट न० 45, तीसरी मजिल, निर्भय, को स्राप सार्जासग मोपा० लि०, जे० पी० रोड, के सामने, स्रोशिवरा विलेज, श्रन्धेरी (पश्चिम), वस्वई--400058, में श्रार पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रिजस्ट्री है तारीख 7-5-1984

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फो यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृषींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्च स्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त की क्षिपित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने भी सृष्टिभा के लिए: सर्दिश्या
- स्रो तिसी किसी आय ये। किसी धन **सा अन्य आस्तियाँ** को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें पर्योजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गरा को का विद्या जाना धाहिए का, फियान में स्वित्य के लिए।

अतः अस् , उक्त अ**धिनियम की धारा** 269-ग **कै अनसरण** मं , मे , उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिसित व्यक्तियों , अर्थात :---

- 1. दि॰ निर्भय कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- 2 डा० एम० पार० कल्याणपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ाक्र

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध गढ़ में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीकल व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति व्वाग;
- (स) हम सूचना के राजपत्र मो प्रकार्शन की तारीका स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहाँ अध होगा जो उस अध्याय में दिया। स्या हाँ।

#### बहसची

फ्लैंट नं० 45, जो तिसरी मंजिल, निर्भय को श्रापरेटिव हार्जीसग सोसाईटी लिमिटेंड, प्लाट न० एस-11, श्रोशिवरा विलेज, जे० पी० रोड के सामने, श्रन्धेरी (पण्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अर्ड-2/37ईई/12302/83-84 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास.
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक स्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण
स्रर्जन रंज-2, बम्बई

नारीख 14-1-1985 मोहर

### प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जनवरी, 1985

निर्देश सं० श्रर्कै-2/37ईई/12307/83-84:—श्रक्तः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट न० 11, बौथी मंजिल, "ए", विग, श्री स्वामी समर्थ प्रसुन्न को ग्रापरेटिव सोसाईटी लि०, (प्रोग्रोजिन), श्रोशिवरा विलेज, चार बगलौज के पास, वसौँवा, श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रन्भूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1984

को पूर्वोक्त सःपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निलिखित उद्देशिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण सं धुर्द किसी जाय की शायत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कामी करने या उससे स्वने में सुनिधा के निष्ट: और/वा
- (च) ए'सी किसी जाय या किसी धन या कन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किधिनियम, या धन-कर किधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मृविधा के निष्ण:

अत अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भों, उक्त अधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स ट्राईका कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(म्रन्तरक)

- 2. श्री नीलकण्ठ रधुनाथ मोडक, तथा
  - 2. श्रीमती नी।लाम्बरी नीलकण्ठ मोडक।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जा उत्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसंची

पलैट नं० 41, जो चौथी मंजिल, "ए" विंग, श्री स्वामी ममर्थ प्रसन्न को ग्राप, साउसिंग मोमाईटी लिमिटेड (प्रायो) एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट न० 24, जो शिवरा विलेज, चार बंगलोज के पास वसीवा. श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-2/37ईई/12307/72-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 5-5-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 14-1-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस,------

आयकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ्र ग्रर्जन रैंज-2, बम्बर्ड

बम्बई दिनाक 14 जनवरी, 1985

स० ग्राई-2/37ईई/12331/83-84/—-श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 '- रु. से अधिक है

शीर जिसकी सम्या प्लैट न० 504 पाचर्ती मजिल, स्किप्पर बीच क्वीन, जे० पी० रोड, वर्सोवा, बम्बई—40006 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण क्प से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन, सक्षम श्रायकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8—5—1984। को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से एसे स्थमान श्रतिफल का पन्द्रह श्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सृविधा क्ष्मे तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान --- 28 -456 GI 84

- 1 मैंसर्स स्किप्पर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्रा० लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2 श्रीभनी किरण बाला वोहरा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्ष्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर इस्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमे प्रयावत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स् ची

पलट न० 304, जो पाचवी मजिल, स्किप्पर बीच क्वीन, जय प्रकाश रोड (वर्मावा रोड), वर्मावा बम्बई—100061 मे स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क० स० आई-2/37ईई/12331/83-81 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 8-5-1981 का रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बम्बई

तारीख 14-1-1985 मोहर

# प्ररूप बाइ .टी. एन. एम. ------

आधनार आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

महायक भ्रायुकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनाक 14 जनवरी, 1985

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित वाजार प्रमूल्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 117-कीं नलमाला लाम शापिंग सेन्टर, रेलवे स्टेशन के पास, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंड अनुसूच: में श्रीर पूर्णा रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है नारीख 8-5-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रिक्तिक को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उभत अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने भें सृविधा के लिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाये। चाहिए था, कियाने मा मुविधः के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती इन्द्रुबरला मधुकांत वालिया तथा श्री मध्कांत जी० वालिया ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० एस० तुंग (एस० यु० एफ०)
2. श्री सुनील सुमार शर्मा तथा,
3. श्री संजीव शार्शा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

# उसर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, हो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) धस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबदभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरनाक्षरों के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय गया है।

#### वनसूची

शाप नं 117-बी जो तलर्माला, लारम शापिंग सेन्टर बिल्डिंग रेलवे स्टेशन के पास, श्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400058 में स्थित है।

प्रमुस्त्री जैया कि कर्म गं० प्रर्ह-2/37ईई/12338/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास गधान प्राधिकारी सहायक पापकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 वस्वर्ष

दिनांक : 1/1--1--1985 मोहर :

## प्ररूप बाइ .टी.एन.एस ------

आयकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जनवरी 1985 निदेश स० ग्रई-2/37ईई/12341/83-84--ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास

प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षण प्रधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उधित बाबार मृख्य 25,000/- रु से अधिक है

भौर जिसकी सु० फ्लैट न० 105, 305 एव 306, बिल्डिंग न० से -27/28, एरं न० 41 (पार्ट) भ्रोमिवरा वेलेज अन्धेर (पिष्टिम), बम्बई-400058 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में भ्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) भ्रौर जिसका रगरनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधांत सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रों है तारोख 8-5-1984

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य म कम क दश्यमान प्रतिफल को लिए अतिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का \$4) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सुविधा को सिकाए;

अति अत्र, उक्त आँधितियम की धारा 269-ग के अनसरण भैं., मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) क अधीर, निस्तिसिक स्वितियों, अर्थात् ⊶ (1) ढोलिक्या एण्ड दयाल बिल्डस

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रादेवी गुप्ता ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त रूपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध मा कार्ड भी काक्षेप

- (क) इस नूचना ह राजपत म जकाशत की तारीख -45 दिन की भराध था तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की भविष्ठ, जो भी शविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तिया में में किंगी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया

# बन्स्या

पलैट न० 105, 305 एव 306 जो बिल्डिंग न० सो० 27/28 यमुना नगर प्लाट न० 41 (पार्ट) श्रोशिवरा विलेज, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं। श्रन्भूची जैनाकि श्र म० श्रई-2/37ईई/12341/83-81 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 8-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रन्जन रेंज-2, बम्बई

तारील 1 (-1-1985 मोहर प्रकप बाह्रं.टी.एन.एस.------

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरां, 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/12342/83-84.—-श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धान 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हुं

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 2, छठा मजाल, "ए" विग, नि० न० 2, "मिन्नू मिनार" वीरा दसाई रोड, श्रन्धेरी (५० बम्बई में स्थित है। श्रोर इसमें उपावड श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में बणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्राय कर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 का, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रा है, ताराख 8-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और अर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजा मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए नय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योख से उच्त अतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) वंताहण से हुइं किसी काय की बाजत, उक्छ अधिनियम के अधीन कार दोने के बनारक के वासित्व में कभी कारने या उससे बबने मा सुविधा के लिए; अप्रिया
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १५५७ (1957 को प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किए गया था या किया जाना स्रोति था छिला के स्तिविष्कः

अतः अव उक्त अधिनियम को धारा १८५-१ अं अनुमूरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैसर्म मिन्नू बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन के० राव।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी कर्न पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त सम्पति यो गर्जन पो प्रभूप में का**ड**े भी अक्षय :---

- (क) इस म्मा ६ पारात्र मी प्रकाशत कर हरायि से 45 दिन की अवादि या तत्सवधी व्यक्तिमा पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उन्तर स्थावर स्थावर मा जिनवद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित मो किए जा सकी।

स्पष्टीकरण.----१समो प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जा उक्त प्रीधिनियम, के अध्याय 20-१ मी परिकृष्टित हो, वही अर्थ द्वाचा वने उस अध्याय म दिया गया हो।

#### मगराची

पनैट न० 2, जो छटो मंजिल, भू"ए" विग. विल्डिंग 2, मिश्रू मिनार" वीरा देसाई रोड, अन्धेरी १(पण्चिम), यम्बई में स्थित है।"

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० यई-2/37ईई/12342/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास, नक्षम प्राधिकारी महायक आपक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बस्बर्ष

नारीख: 24-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-4 (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रजंन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाव 14 जनवर, 1985 स॰ ऋई-2/37ईई/12353/83-84.--ऋत मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरचात 'उल्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण हो कि तथार सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भल्य 25,0)0/- रु भे ाधिक हैं श्रीर जिसको संध्या फ्लैट नं० 203, दर्या दर्शन, प्लाट न० 30-बींंंंं जेंं पीं रोड, वर्शीवा, प्रन्धेरे (पिष्चम), बम्बई 400059 में स्थित है (भौर इससे उभागद्ध ग्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से ,विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 व भारा 269 क, ख के श्रर्धन, सक्षम प्राधिकार के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट है, तर ख 11-5-84 को पुर्वेक्त सपीत्त के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्वींक्त सम्पन्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इत्यनान जीतफल से एमं इत्यमान अतिफल के पन्द्रह प्रतिहन से अधिक है और अन्तरक (अनारकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के एयिन्स के स्पीन करने या उससे असने में सुविधा है लिए; और/दा
- (स) एसी किसी आण या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अप्य-पर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) गा , उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजन वे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना साहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधे . निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री विन्सेट मोहसिन सयानी।

(अन्तरक)

2. श्री रोजारिस्रो डिसोजा।

(अ्रन्तरिती)

3 ग्रन्तरक

(वह र्व्याक्त, जिसके ग्राधिभोग मे सम्पत्ति है।,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया,
- (६) इस सूचरा के राजपत्र मा पकाशन की सकी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के सम किसी मा किए मा करका ।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा का उस प्राय मा दिया गया है।

## मन्स्ची

फ्लैट नं० 203, जो दर्या दर्शन, प्लाट नं० 30-बी०, जे० पी० रोड, वर्सीवा, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-440059 मे स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क स० ग्रई-2/37ईई/12353/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को .रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणा) प्रजन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 13-1-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरो, 1985

सं० प्रश्-2/37ईई/12356/83-84:—-श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'ज्क्स अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को एह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पर्लंट न० 320, 325 वन 326, तिसरी मिजिल, "जी ब्लाक, "जलो" मात बंगलोज, वर्सोवा विलेज, जे० पं१० रोड, बम्बई-400058, स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशितयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल रो, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दर्ध मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. बाम्बे हाउसिंग कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री गोबिन्द बुलचन्द वासवानी, तथा
  - 2. श्रोमती किरण गोबिन्द पासवानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मन्हेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्यो

फ्लैंट नं० 320, 325 एवं 326, जो तिसरी मंजिल, "जी" ब्लाक, "ग्रंजली" बिल्डिंग, एस० नं० 121 के प्लाट नं० 2, मात बंगलीज, यसींवा विलेज, जे० पी० रोड, बम्बई 400058 में स्थित है।"

श्रनुमूची जमा कि क सं० श्रई-2/37ईई/12357/83-84 श्रीर जो लक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, बम्बई

तारीख: 11-1-1985

मोहर 🔅

प्रकृष् बाइं.टी एन एस.------

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनोक 4 जनवरः 1985

स० ग्रईड2/37ईई/12373/83-84--ग्रन मुझे, लक्ष्मण दाग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रभात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रू से अधिक है

धौर जिसको सख्या फ्लैट न० 603, छठी मजिल, घि० न० ई, नवोन पार्क, राजमाना जिजाबाई, रोड, पम्प हाउस, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई-40069 मे स्थित है (भौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्तो है, नारोख 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कस के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिश्वत में अभिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में यास्तावक स्पास क्षिण नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण वे हुइं किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में अभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'सी 'किस्में आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट गड़ी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंक्श के सिए;

अप्तः एवं उत्तर आँधनियम की धान 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नि ॥ छत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री हेमन्त रियक्लाल भ्राया

(ग्रन्तरक)

2 श्रो उत्तम बादरमल बाफना।

(ग्रन्सरिनी)

3 श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति को अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी दाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्वत है अजप्त्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन्बव्ध किसी प्रत्य व्यक्ति व्वारा, अश्राहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकी गे।

स्पष्टीकरण :---इसमाँ प्रयूक्त राज्या और पदों का, भी उन्त अधिनयम के अध्यार 20 र माँ परिभाषित हैं, यहाँ अर्थ हागा कर उस वागाय में विका न्या हैं।

### **प्रन्**मूचा

फ्लट नं० 603, जो छठो मजिल, "ई" बिल्डिंग, मनीष कार्क राजमाता जिजाबाई रोड, पम्य हाउस, मन्धेरी (पू०), बम्बई-400069 में स्थित है।

भ्रमुस्ती जैसा कि क स० श्रई-2/37ईई/12373/83-84 और जी पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 11-5-1981 को रजिस्टई किया नया है।

> लक्ष्मण द्वान, सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रानैन रोज-2, बस्ब**र्ड**

नारोख 4-1-1985 **मोहर** 🕽 

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की पार 260-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी, 1985

सं० प्रई--2/37ईई/12392/83-84:--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

भाष्टकर अधिनिएक. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 '- रुट से अधिक हैं

और जिसकी संख्या माला नं० 48, पहली मंजिल, "बी क्लाक, नन्दर्भवन, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, ग्रन्थरां, (पू०), वस्वई--400093 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपावक श्रन्युकी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), भीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिकिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रक्षीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 11-5-1984

को पूर्विक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिगम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जस: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधिन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधितु:—— 1. 1. श्री एस० प्राप्तः शानभाग, तथा 2. श्री ए. इब्ह्य०, शानभाग।

(अन्तरक)

 मसर्व झेरिए। लिक्ट्रो । एकडास छ।० लिमिटेड (अल्लिश्तो)

3. मन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभेग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूछना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### ग्रन्मूची

माला नं 48, जो फलिं। मंजिन, "बी" ब्लाक, नन्द भवन, इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, महाकाल केवल रोड, श्रन्धेरी (पू०) बम्बई 400093 में स्थित है।

श्रानुस्की जैसा कि के सं० श्राई-2/37ईई/12302/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारः, बस्बई हारा दिनाक 11-5-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास, सक्षम ग्रावेकारः महागक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज−2 बम्बर्ष

तारांख: 3-1-1485

# प्रकल बाह् हो . एन् . एत . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के जधीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी, 1985

सं॰ **घई**-2/37ईई/17323/83-84:--**घ**त मुझे, लक्ष्मण बास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भोर जिसकी संख्या शाप नं ०-1 ए, लक्ष्मण झूला बिल्डिंग, नवरंग सिनेमा के सामने, अंधेरी (पिश्चम) प्लाट नं ० 107, वस्वर्ध-400058, में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करार-नामा भायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 8-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिधात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देशों से उक्त अन्तरण जिबित में वास्तिक रूप से किंधत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृबिधा अधिनए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने धें स्विधा के सिए;

श्रतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः— 29—456 GI/84 1. मैसर्स हितेश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

2. 1. श्री सुन्दर के० जाबी, तथा 2. श्री जगवीश के० पंजाबी

(मन्तरिती

(अन्तरक)

कार यह सृष्यना भारी करके प्रशेवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यां कर बाद में से किसी व्यक्ति व्यक्ति गाँ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य ऋषित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

"न्नाप नं० 1 ए, जो लक्ष्मण भूला बिल्डिंग, प्लाट नं० 107, नवरंग सिनेमा के सामने, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/17323/84-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्यण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीख: 14-1-1985

प्रक्म बाइ. टी. एन. एस. - - - --

भायकर **मिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-म (1) के जभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बर्ह, दिनांक 14 जनवरी 1985 निदेश र्स॰ अई-2, 37ईई, 17324, 83-84—अतः मुक्के, लक्ष्मण दास

कायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धि, विसक्ता उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सँ० एनैंट नं० 4, पांचवी मंजिल बि० नं० 2, "ए" विंग, "मिन्नू बाजार" वीरा देसाई रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-400057 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची मे भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 5-5-1984

को प्रांमित सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के बब्यमान प्रतिर्फेल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे, यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्रांचित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बब्यमान प्रतिफाल से, एसे बब्यमान प्रतिफाल से पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आद की बाबत, उक्त अभिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्य कर अधिनियम, या धन्य कर अधिनियम, 1957 का 27) के जान किया गया का या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं जन्म अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) मेसर्स मिन्न बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश बन्सीलाल अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उनत सम्पत्ति क्रे वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वर्गीच या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंतरा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्सूची

पलैंट जो नं० 4, पांचवीं मंजिल, "ए' विग, बिहिंखग नं० 7, मिन्तू मिनार थीरा देसाई रोड़, अन्धेरी (पश्चिम), अम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2,37ईई,17324/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है:

> ्लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी प सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक : 14-1-198**5** 

मोहर 🖫

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. - - -

नावकर लीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### मारव बरका

कार्यांतय, सहायक बायकर बाय्क्त (निहासन) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 14 जनवरी 1985 निदेश र्सं० अर्ध-2/37ईई/4867/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 206, जो दूसरी मंजिल, शोले श्रीमायसेस को० श्रोप० सोसायटी लिमिटेड, 50-54 सात बंगलीज वर्सोवा, बम्बई-400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उियत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके रहय-मान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी खाय की बानता, उन्स् निधित्रियम की बभीन कर दोने के अन्तरक के क्षीतरण में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा क्षेत्रिय संदर्भना
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाक (1) के क्यीन, निम्मीलिक्स व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्रीमती जे० डी० माथुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री एच॰ जी॰ अस्यर, तथा2. श्रीमती विद्या जी॰ अस्यर,

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया। गया हैं।

#### अनुसुची

फ्लैंट नं॰ 206 जो दूसरी मंजिल, घोले प्रीमायसेस धोप॰ सोसायटी लिमिटेड, 50-54 सात बंगलीज, वर्सोबा, बम्बई 400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/4867/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांब : 14-1-1985

मोहर 🖫

प्रक्षप नार्च. टी. एन. एस. ------

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन समान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985 निदेश स॰ अई-2,37ईई/5047/83-84-अतः मुझे सक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 704, सातवी मंजिल, 'ए' विंग, सी० शेल, सात बंगला, वर्सोवा, अन्धेरी (पिष्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में में रजिस्ट्री है, तारीख 19-5-1984

को पूर्वोक्स संप्रति को उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की दावत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना जाहिए था, जिन्मा में सुविभा के निए;

कतः अव, उक्त अभिनियमं की धारा 269-गं के अनुस्तरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अभीन. निम्निकिटिक व्यक्तियों. क्याँत ह— (1) मेसर्स चेतन डेवलपमेंट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चमेली देवी अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में येथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

फ्लेट सं० 704, जो सातवी मंजिल "ए" विग, सी शेल, सात बंगला, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई5047 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-1-1985

प्ररूप कार्ड : ट्री. एन : एस .------

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

## भारत सरकार

# कार्यालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-2, 37ईई/5050/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी र्सं० फ्लैंट नं० 403, चौथी मंजिल, "बी" विग, सी गेल, सात बंगला, यसेंवा, अन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्की है, तारीख 19-5-1984

का पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अन्तरित की गइ को लिए मभ्हे विद्वास करने का कारण यह है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंधिनियम के अवीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उसस बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा । कट नहीं किया भया धा या किया जाना चाहिए ता, छिपान में मृति ता के लिए।

अतः मन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मेसर्स चेतन डेवेलपमेट ।

(लन्तरक)

(2) श्रीमती तीना जयरामवास मांडवानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रुम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्रें में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा; \
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तीरीख स 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्ति में किए जा सकेंग।

स्भव्योकरण. — इसमे प्रमुक्त शब्दा और गर्दा है।, उन उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्र्य

फ्लैंट नें० 403, चौथी मंजिल "बी" विंग सी शेल, सात बंगला, वर्सीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2,37ईई/5050,83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

 सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

**चिनांक** : 14-1-1985

# त्रक्ष वाद्यं हो .एव . एव .; -----

# कासकर वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन बूचना

#### मारूव संस्थार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (नि<del>्स</del>कान)

श्रर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाय 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका अधित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० युनिट नं० 143 श्रन्धेरी इण्ड श्रीमा० को श्रापरेटिव सोसायटो लिमिटेड प्लाट नं० 22 श्राम्बीवली, वसोंवा रोड, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है ) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है दिदांक 19 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्युष्टिय से उक्क वन्त्ररण लिखित में वास्तविक रूप से कांवर कहाँ धिका का है धिका

- (क) जल्तरण से हुन्द्र किसी अब का भावता, उन्तर अधिनियम के जभीन कार दोने के जन्तरका के दायित्व में कभी कारने या उससे स्थने में सुविधा के जिए; बॉर/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तिक को विन्हें भारतीय वायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ वन्सरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, खिनाने में सर्विधा के बिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उणल अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, जर्थात् ज़----

- (1) मैसर्स मोहम्मद श्रव्वैल एण्ड श्राफक मानझारे (ध्रन्तरक)
- (2) मैसर्स ग्रनोरा एक्स्पोर्टस प्रा० लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मस्ति के वर्षन् के लिए कार्य-वाहिनां करता हुः।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में काहे थी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रक्रकार की बारीच ते 45 दिन की जवींच वा सत्त्वं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील ते 30 दिन की ववींच, जो मी जवींच बाद में तथाप्त होती हो, के मीकार पूर्वोंक्स व्यक्तियों में चे किती अविक्त क्यात्तः;
- (क) इस तृष्या के राज्यपत्र में प्रकाशन की ताशी से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थादर सम्भीता में हितकद्ध किसी जन्म व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास विशित्त में किए वा तकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ झोंगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

## मनसंची

"यूनिट नं० 143 जो श्रंधेरी इण्डस्ट्रियल प्रीमायसेस को श्रापरेटिव सोसायटी लिमीटेड प्लाट नं० 22 श्राम्बविली, वसीवा रोड, श्रन्धेरी (पश्चिम ), बम्बई में स्थित है "

श्रनुसूचों जैसा कि ऋ० स० श्राई-2/37ईई/5072 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ॄसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक :- 14-1-1985

प्ररूपः मादः दीः एतः एसः ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मू (1) के मधीन सूचना

#### पारत सरकार

कार्याजय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज 2 अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1984

निवेश सं० न्नाई०-2/37ईई/5165/83-84-म्प्रतः

मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 102 पहिली, मंजील, "बी" विंग, डिन्सिल बिल्डिंग श्रीणिषरा, वर्सेया, श्रंधेरी (पश्चिम) बम्बई, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 कि धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्री है दिनांक 22 सर्थ 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) मैसर्स रविराज डेवलपर्म

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कैलाश जन्दर भाटिया तथा, कुमारी मुनीता के भाटिया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना भारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

'फ्लैट नं० 102, जो पहिली मंजिल, "बी" विंग, डेन्झिल बिल्डिंग एस नं० 41 (पार्ट) प्लाट नं० 31 श्रोशिवरा, वसौँवा श्रन्धेरी (पश्चिम), बस्बई 400058 में स्थित है)"

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्राई 2/37 ईई/5165/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 बम्बई

दिनांक :- 14-1-1985

प्रकृष् बाइ. टी., एन. एव.,- - न =---

मायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) श्रर्जन रोंज 2, अम्बई

बम्बई, धिनांक 14 जनवरी 1985 निवेश सं० माई-2/37ईई/5614/83-84—मतः मुझे, लक्ष्मण धास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

स्रोर जिसकीं सं० पलैट नं० 301, तीमरी मंजिल, "बी" विंग, "सी-शेल" सात बंगलोज, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), यम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के ग्राधीन सक्षम प्राधकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 26-5-84

को प्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्बोंकत संपर्ति का उभित्र बाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित्र के वास्तिक रूप से कावत नहीं किया वया है।——

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाय की वावस, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरफ के बायित्व मों कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, 4ए धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाजिए प्रा छिपाने में स्विधा के सिता:

अस: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व कर नेपधारण (!) के अधीन, निस्तिशिक्त स्पित्तयों, अविति हुन्स 1. मैसर्स चेतन डेवलपमेन्टस ।

(ग्रन्तरक)

2. डा० चन्द्र हंस मोनाप्पा, पुष्रारी,

(ग्रन्तरिती)

की यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रन सची

पर्लंट नं ० 301, जो तीसरी मंजिला, "बी" विंग, "सी-शेल" बिस्डिंग, सात बंगलोज, वर्सोवा, प्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सं भाई-2/37ईई/5614/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बर्म्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बस्बई

धिनांक 14-1-1985 मोहर ध 144 415 . Cl . C4 . C4 . ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) झर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० भाई०-2/37ईई/5929/83-84---- मतः मुझे लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. में अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, तीसरी मंजिल, "मातृ छाया" बिहिंडग, विट्ठ लभाई पटेल, रोड, अन्धेरी (पिष्पम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है बिनांक 28-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी अप की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः नव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत िस्तिनियम व्यक्तियों, जमित् :----

1. मैसंस सुन्दर बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो फिरोज शेराली हुसैनभाई हड्डा ।,

(ग्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपन में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिश्व, जो भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्व व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्मा है।

#### वन्स्यो

फ्लैट नं॰ 11, जो तीसरी मंजिल, मातृष्ठाया, बिर्दिडग, बिहु लभाई पटेल रोड, मन्धेरो (पहिचम), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्राई-2/37ईई/5259/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नस्बद्ध

दिनांक 14-1-1985

प्रकृष बाई . टी . एनं . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

#### भारत सम्बार

कायालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेण सं० भाई-2/37ईई/6108/83-84---भानः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य \_`,000 /-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्रलैट नं 26, पांचवी मंजिल, वसींवा गिलम्पेस, को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी जे पी रोड, श्रन्धेरो (प०), बम्बई-400 061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वृणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधाकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 14-5-1984

को एर्लाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से काम के श्रथमान प्रतिष्ठक के लिए अंतरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने को जारण है कि श्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से, एमे दश्यमान प्रतिष्ठल का पन्सह प्रतिष्ठत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरि त्यों) के बीच एसे अन्तरण के निष्ठ तय पाया गया कित्रका निष्मिति प्रवित अन्तरण से विश्वत अन्तरण सिवित वे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्यक्त हुई निस्ती आय की वाबर, उक्त अध्यान्यक में अधीन कर बाने के अन्यक के बागित्व मां कमी अपन का चर्म अपने मां मां अधा के लिए. अहि/वा
- (ख) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियों क्रिंडिस्ट्रें भारतीय आय-क्रार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट तहीं किया गया के मा जिया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा की लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थातः :— 1. श्री तथा श्रीमतो एस० एस० कपूर।

(भ्रन्तरक)

2. डा० महेश चन्द्र निगम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के 'लए कार्यवाहिमा करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना को राजपथ में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामित ए 30 पन की अविध , जा में अविध बाद मा गयाप्त हानी हो, को भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में रिक्ती व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी मन्य स्थिक्त द्वारा अधाहरताङ्गी के णस् निस्ति में किए जा सक्षेगे।

स्पचीकरण: - इसमें पयुक्त शब्दा धौर पदों का, दो जिस्त सिंधिनयम के अध्याण 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिसा गया हैं।

#### **बन्ध्**ची

फ्लैंट नं॰ 26, जो पांचवी मंजिल, वर्सीवा सी-ग्लिम्पेम को-ग्रापरेटिव हाउसिंग मोसायटी जे०पी॰ रोड, श्रन्धेरा (पश्चिम बम्बर्ष-400 061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37ईई/6108/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई छारा दिनाक 28-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रार्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 14-1-1985 मोहर: प्रकार कार्यः हो। एवः एकः, ज्याननामान

आयकार आधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अधीन सृचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर बाम्क्त (निरीक्षण) प्रार्थन रोंज 2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 14, जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०ब2/37ईई/6674/83-84—ग्रतः मुसे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें , इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपमें है अधिक अ

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, "बूडलैण्ड बी", लोख डताला काम्प्लैक्स, चार बंगलोज, अधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अमुसूचो में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणिस है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की घारा 269 कख के श्रधान सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में राजस्ट्रो है दिनांक

24-5-1984

को पूर्वाक्त राम्पत्ति के शिवत बाजार मूल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्निलिसित उद्युष्ट्य से उस्त अन्तरण कि कि से गस्तिक भें गस्तिक क्य से सियत नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्ज के बन्तरक के वायित्व में कमी व्यनं या उससे बचने में सूविधा के लिए शर्ड/मा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः अतः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री मनोहर के० हिरानी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमतो भगवन्ती रामचन्द रोहिरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की सार्राध स 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा की व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधिहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-फ म परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा को उस मध्याय में दिया गया हैं।

### मन्सूची

पलैट नं० 301,. जो तीसरी मंजिल, "वूडलैण्डःबी", लोखंडवाला काम्प्लैंबस, चार बंगलोग, ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/6674/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 24-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 14-1-1985 मोहर ः प्रकृष बाइ .टी.एन.एत. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ज (1) के सभीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निद्रक्तिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 जनवरी, 1985

निवेश सं. आई०-2/37ईई/12337/83-84--भतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट मं० 301, तीसरी मंजिल, ग्रन्धेरी मनाष गार्डन, की-आपरेटिन, हाउसिंग सीसायटी लि०, मनोषनगर नार बंगलीज, जे०पा० रोड, श्रन्धेरी (पिष्टिम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से निणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है बिनांक 8-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बूल्य से कम क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास इस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल के बल्द्रह प्रतिक्त से विभिक्त है और बन्तरक (अन्तरकार्गे) और अंतरिती (अंतरितियार्गे) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसीं बाध की बाबस, उक्त जिल्लीस्थम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; जीट/बा
- (क) एसी किसी आम वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभादा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

1. श्रीमती कमलेश टिकिया ।

(भ्रन्सरक)

2. श्री वालमजी प्रेमजी शाह ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पन्न किरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बन्ध्यी

पर्लैट न ॰ 301, जो तीसरी मंजिल, भ्रन्धेरी मनीष गार्डम, को-भापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मनीषनगर, चार बंगलोज, जे॰ पी॰ रोड, भ्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के संब भाई-2/37ईई/12337/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 8-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

विनोक: 14-1-1985

मोहर 🗄

# प्रकम नोड्", डी., एन., ६४., ४----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनोक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37ईई/12343/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

घोर जिसकी सं० फ्लैष्ट नं० 601, छठी मंजिल, शोले प्रीमाइसेस को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी प्लाट नं० 50 से 54, सात बगंला, बम्बई-400061 में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से बणित है) भीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 11-5-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्य के अनुसरक भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमती पूनम राजिन्दरलाल चावला, तथा
  - (2) श्रीमती मोदीया राजिन्दरलाल चावला,

(अन्तरक)

2. श्रीमती अम्जना बेदी, ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुस्ची

पर्लंट न० 601, छठी मंजिल, शोले प्रोमाइसेस, को-आपरेटिव, हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 50 से 54 तक, सात बंगला, बम्बई-400 061 में स्थित है।

अनुसूनी जैसा कि कि के सं आई-2/37ईई/12343/83-84 भीर जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा विनांक 11-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास, सम्रम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनोष : 14-1-1985

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

भार्यालयः, सहायक मायकर मायकः (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी, 1985

निवेश सं० आई-2/37ईई/12409/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रह. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 104, पहली मंजिल, "ए" विंग, "सी मौल", सात बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वगने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया जा किया आना चाहिए था, छिपाने में मृतिका से सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह —

1. म सर्स चेतन डेवलपमेन्ट्स ।

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर अस्थाना।

(अन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शिक के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विन की जनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितप्रवृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

•गच्यीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-कः मः परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बन्स्ची

पलैट नं० 104, जो पहली मंजिल, "ए" विंग, "सी शैल", बिल्डिंग, सात बंगलोज, वर्सोवा अन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अाई-2/37ईई/12409/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक: 14-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37ईई/17338/83-84—अतः मुझै, लक्ष्मण दास,

अगयकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 303, तीसरी मंजिल, "ए" विंग, "सी शैल", सात बंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विंगल है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 11-5-1984

को पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्षेक्त स्म्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अधने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 1. मैसर्स चेतन डेबलपमेन्ट्स ।

(अन्तरह)

2. श्री गिराजशंकर रामनिशोर सिंह,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृषेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरणः — ॥ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैंटनं 303, जो तिमिरी मंजिल, "ए" विंग, "सी गौल", बिल्डिंग, सात बंगलोज, वर्सोडा अन्वेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/17338/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधि हारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 14-1-1984

प्ररूपः बाह्रं. टी. एन्, एसः -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक मामकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं॰ आई-2/37ईई/4728/83-84--अतः मुझें लक्ष्मण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, पांचवीं मंजिल, नि० घं० 2, केदार अपाटं, माहिम, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) घौर जिसक करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कर्ख के

अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपित्ति का जावत बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेलिकत में वास्तिक कप से कथित नहीं किया बया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैससं केवार बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री नरेन्द्र राजाराम शिन्वे, तथा
  - (2) श्रीमती माधुरी नरेन्द्र शिन्दे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में तितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्यीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा वसा हैं।

#### नगराची

पलैट नं० 2, जो पांचवीं मंजिल, विल्डिंग, नं० 2, केवार अपाटेमेन्ट्स, प्लाट नं० 290, टी ०पी० एस० तीन, माहिम, बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/4728/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड/किया गया है।

> लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजू-2, बम्बई

दिनांक : 8-1-1985

)

भारत विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं) भारा 269-मु (1) के अधीन सूचना

#### बारत बढकाड

# कार्यासय, सहायक शायकर नामुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज 2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37ईई/4738/83-84--- अतः मुर्झे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पसैट नं० बी-2, संगम को-आपरेटिव, हाउमिंग सोसायटी, लिमिटेंड, आम्बेडकर रोड, बान्द्रा, बम्बर्ड-400 050 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा जायकर अधिनियम

1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालाय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित से बास्तविक रूप से काँचित वृद्देद से उक्त अंतरण लिखित

- (क) अन्तरन से हुई किसी नार की नानत, उस्त जिथिनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को खिन्ह भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गय। धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा जै लिए है।

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन. निम्निसिस्ति क्योंक्तियों, क्यांत हे—— 31—456 GI/84 1. श्री विश्व भूषण ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रिटाकौर, तथा श्री सरदार मन्त्रोक सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकिश में किए का सकोंगे।

स्वाचीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिन्तम के वश्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होंगा को उस वश्याय में विद्या प्रशाही।

#### बन्द्र्या

फ्लैट नं बी-2, जो संगम को-आपरेटिय हाउसिंग सोसामडी आम्बेडकर रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कि सं आई-2/37ईई/4738/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, सम्बद्ध

**दिनांक** 15-1-1985 साहर :

# प्रकृत वार्त्य ही , एत , एत .....

# भायकार अभिनित्यम्, 1961 (1961 का 43) कौं भारत 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### शास्त्र बडकाड

# कार्यास्य, सङ्घायक नायकर नायुक्त (निरीक्क) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37ईई/4763/83-84---अतः मुझे लक्ष्मण चासः

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'स्वत विधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, दूसरी मंजिल, "श्रंकोरेज" सेंट अलैक्शम रोड, बान्द्रा, (पिक्स), अम्बई-400 050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 5-5-1984

को पूर्वोक्त समाप्ति के उचित बाजार मूला से कम के दरगमान प्रिपफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रिपफल से, एसे दृश्यमान प्रिपफल का पन्द्रह प्रिप्तात से अधिक हैं और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रिफल, निम्निलिखित उद्योक्यों में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- ित्ती अन्तरण ये हुई जिल्ली आब को शक्षण, सबल अभिनयम के अभीत कर एवे के उन्तरक के रायित्व में कमी कर्न या उत्तरे अपने में स्पिधा जे सिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य बारिसभी को भिन्हों भारतीय साथ-कर जिम्हों न्याम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या अनकर विभिन्यम, या अनकर विभिन्यम, या अनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ सम्मारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, फिसाने से सुदिश्य के किए;

जतः अव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. नेशनल कन्स्ट्रक्शन्स प्राईवेट लिमिटेड, (अन्तरक)
- 2. (1) श्री कमरुद्दीन जी० लोखंडवाला, तथा (2) श्रीमती श्रमीम के० लोखंडवाला ।

(अन्तरिती)

का शह सूचका चारी करके पृष्टित्य संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हैं।

दक्त राम्परित के वर्षन के राम्पर्भ में कोई भी वाशीप:-----

- (क) इस स्वाग के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव की जबति वा तत्त्वम्ब की व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनकृष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताकारी के पास निवक्त में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, ओ उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, दही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुस्ची

पलैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, "अंकोरेज, बिल्डिंग, सी०टी० एस० नं० 553,सेंट, अलैक्शिस रोड, बान्द्रा (प०) कम्बई-400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/4763/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनोक 15-1-1985 मोहर : भूषण बाह्<sup>®</sup>् हो<sub>ल</sub> पुष<sub>्र</sub> पुष्<sub>र</sub> अत्र सन स्थल ।

1. श्री एन० एस० राघवहरीहरन ।

(अन्तरक)

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

2. श्रीमती एन० आर० वेंगुआम्मल।

(अन्तरिती)

#### ज्ञारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-2/37ईई/4771/83-84---अतः मुझे लक्ष्मण वास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुठ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० सी/30, जो, बिल्डिंग, "गोपाल", (ग्राउन्ड फ्लोर), तेजपाल, स्किम, 2री, मंजिल, बिले पार्ले, (पूर्व), बम्बई-57में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गर्म है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरच के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचित् उद्विवय से उच्छ अन्तरच निवित में शास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण ते हुई किसी जाव की वाब्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्णु; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभादा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी वाक्षेप हैं---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ , को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त विकास में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए या सुकारी।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पत्रैट नं भा/30, जा, बिल्डिंग 'गोराल'' (ग्राउड फलोंग) तेजपाल स्फिम, 2 रा मजिल, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई - 57 में गिथत है।

श्रानुसूचो जैमा कि कि ने अई-2/37ईई/4771/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अम्बई

दिनांक 15-1-1985 मोहर् ॥ प्रकम भाषाँ हो हो पुन ु प्राप्त अन्यव्यक्त

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकाउ

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरुक्तिण) .

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4796/83 -84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० भाग नं० 3, तलमाला, अल्साहाह अपार्टमेन्ट, "ए" विंग, एल० जे० क्रास रोड, माहिम , बम्बई-400 016 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 8-5-1984

भी पूर्निक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विष्वास कर्ने का कारण ही कि यभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्षित को वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया ही ह—

- (क), अन्तरण सं हुर्इ किसी नाय की वायत, उक्त निध-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के वायित्व म कभी करने या उक्षसे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किया नियं या किसी भन या अस्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविभा को लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निकित स्थितियों है अधीन, निम्निकित स्थितियों है अधीन,

1. मै० फाईव्ह स्टार ईन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री शहेनशाह नवाब,
  - (2) मेह्रमूद उस्मान पडयार
  - (3) फारक यूसूफ कादाबाला तथा,
  - (4) कनीम हैदर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं ते।

उक्त सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

ल्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जिथितियम के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नन्त्र्या

शाप नं० 3, जो तलमाला, "ए" विग अल्सालाह अपार्टमेन्ट एल० जे० कास रोड, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/4796/83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 1-1-1985

मोहर .

प्रकार मार्च <sub>स</sub> द्वील पुराल पुरालकारण

बायक<u>र</u> विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के विधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर बायुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन-रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेण सं० आई०-2<sub>|</sub> 37ईई| 4772<sub>|</sub> 83-84---अतः मुझे, सक्ष्मण वास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अभिक है

शीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 505, जो 5 वी मंजिल, श्रीर गैरेज ग्राउन्ड, फ्लोर, में, "श्रफोडील्स, बिल्डिंग, पाली हिल बांबा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 5-5-1984

को प्वोंक्त सम्पर्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच पाया है है—

- (क) बन्धरण से हुइ किसी बाय काँ वासत, उक्त बीधिन्यम के ब्रुधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी कर्डने या उससे बचने में सुविधा क लिए. बॉर/या
- (थ) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिन में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निस्नीलिखित व्यक्तियों, अभृति के— 1. दि आरती-अबर दूस्ट।

(अन्तरक)

2. ऋाम्पदम ग्रेव्हज लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हूं।

उक्त स्थारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीए ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्ट्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब्र्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पीस सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वाकिरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीट पत्नों का, जो उक्त जिथिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं जभी होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

#### जनसंची

फ्लैट नं० 505, जो 5 वीं मंजिल, श्रीर रेज, ग्राउन्ड फ्लोर, में, "डफोडिल्स" बिल्डिंग, पाली हिल, बांबा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-2/37 ईई, 4772, 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांकः 15-1-1985

मोहर 🛭

अक्ष्यु वार्षः **टी. ए**∀ ए**य**ु------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-2/ईईई 37, 4806/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं.), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 1, तथा 2, बी-2, गंगा विहार पोद्दार, रोड, सान्ताकूज, (पिष्यम), बम्बई-400 054 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई भे रिजस्ट्री है दिनांक 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण य हुए किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औंऽ/या
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दूबारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना आहिए था, डिप्पाने में सुविधा के सिए;

कतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. मैसर्स गंगा बिहार इन्टरप्राइजेस

(अन्तरक)

2. मैसर्स अलेक्सा कार्पोरेशन।

(अन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

्वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सेम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कड़के पूर्वोक्त, स्म्पृत्ति के अर्जन् खे लिए कार्यवाहियां कड़ता हुं।

डमत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों चर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा को उस अध्याय में दिना गया है।

#### वनस्थी

'शाप नं० 1 तथा 2, जो तलमाला, बी-2, बिल्डिंग गंगा विहार पोद्दार, रोड, सान्ताकूज, (पश्चिम), बम्बई-400 054 में सिथत है । ''

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/4806/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 11-5-1984 को राजस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 2-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्काड

# कार्यांतय, सहायक धायकर सायुक्त (निरीक्तण) अर्जंह रेंज-2, बस्बर्ह

बम्ब,ई दिनांक 2 जनवरी, 1985

निदेश सं॰ आई-2,37ईई,4813,83-84—अतः मुझे लक्ष्मण दास.

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,003/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 306, तिसरी मंजिल, "बी" ब्लाक, मंजृ महल, चेतक, को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० 41-पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- क्या निम्निसित उद्वर्ष से उच्त बन्तरण बिचित में बास्त- विक क्या से कथित नहीं किया मना है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्बल अधि-श्रियक में अणीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उन्नड देवने में सुविधा के लिए; जौर/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तेरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कर, उक्त जीधीनियम की भारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- 1. देवीवयाम स्टेनलेग स्टील, इण्डस्ट्रीज, प्रा० लि० (अन्तरक)
- 2. श्रीमती अम्मू जासेथ सारत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के सिए कर्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस इसारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जा उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पर्लंट नं 306., जो तीसरी मंजिल, ''बी'' ब्लाक, मंजूर महल, वेतक को-आपरीटव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 41-पाली हिल, बान्द्रा, बम्बद्दे-400050 में स्थित है।

अगुसूची जैसािक फ. सं. आई -2/37 ईई /4813/83 -84 और जो सक्षम प्राप्तिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 11-5-84 को रिजस्टर्ड किया गया  $6^3$ ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-२, बम्बर्ड

दिनांक : 2-1-1985

प्ररूपः आहुरै. टी. एन. एस. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

1. श्रीमती निरन्जना सुरेश नानावटी ।

(अन्तरक)

2. श्री टी० वी० कृष्णामूर्ती।

(अन्तरिती)

#### भारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, बिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/4823/84-84---अत:, मुझे, लक्ष्मण दस,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 3, तलमाला, नव-चित्रकूट, अपार्ट, को-आपरेटिव, हाउसिंग सोसायटी लि०, 15 वां, रास्ता तथा चि० धृ० मार्ग, जंक्शन, खार, बम्बई-400 052 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से धणित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री है दिनांक 11-5-1984

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिकत को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण्ये हुए किसी शाय की कारत, उक्त विधिन्तम को नधीन कर दोने के बन्तुरक में वासित्व में कमी करने वा उद्यक्त बच्चमें के स्विधा मी चिष्; मो%/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ज की अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

### उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्द्रीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास खिकित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुषुची

पर्लंट नं० 3, जो तलमाला, नव-चित्रकूट, अपार्टमेन्ट, को-आपरेटिव, हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 468, 15 वां, रास्ता, तथा चित्रकार, धुरंधर मार्ग जंक्शन, खार, बम्बई-400 052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2,37,4823,83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा विनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ं सक्षण प्राधिकारी सहायक आयकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बस्बर्ष

दिनोंक 7-1-1985 मोहर : प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन 🕶 ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 जनवरी 1985

निदेश म० आई०- $2_{l}$  3.7ई $\delta_{l}$   $1824_{l}$  83-84---अन मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसक। स० बी-3, तलमाला, प्लाट न० 35, शेली, राजन रोड, श्रोम सोसतीर्थ, को-आपरेटिव, हाउसिंग मोसायटी, लिमिटेड, बान्द्रा, (पिश्चम), बम्बई-400 050 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री हैं दिनांक 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्येश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की जावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आव का किसी धन या अन्य आस्तियों कर्न, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चिहिए था, छिपाने में अविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——
32—45601/84

1 श्री रोक जान कार्लीस।

(अन्तरक)

2 श्री मत्यावर्त घोष ।

(अन्त्रारती)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसक अधिभीग में सम्पति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जन कार्यवाहिया करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखेर के

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किम्ये जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पष्टिकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### जनसची

पर्लैट न० बी-3, जो तलमाला श्रोम मोमतीर्थ, को-आप० हाउसिंग सोमायटी, लिमिटेड, प्ताट त० 35, शेला, राजन रोड, बान्द्रा, (पश्चिम), बम्बर्ड 400 050में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि त्र० स० आई-2,37ईहै,1824/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड्स किया गया है।

> नदमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-८, वस्तई

दिनाक: 7-1-1985

मोहर

## प्रस्थ भाष'. टी. एन. एन.-----

बासकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनोक 5 जनवरी 1985

निदेश मं०ई आई-2/37ईई/4833/83-84--अत: मुझे. लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,∩00/- फ. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, तीसर्धु मंजिल, नील जिल्डिंग, नील-शील, प्रीमा, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड. 182-बी, पोलिस, स्टेशन, रोड, विलेपार्ले, (प०),बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 11-5-1984

भी पूर्वनित संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाब करने का कप्रक्रण हैं कि यथाप्वॉक्स संपरित का उचित वाजार मृत्यः, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण में हुई किसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कनी करने या उससे बचने मे सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियन, या धनकर **व्यथितियम**, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिल

नतः अव, उपल अधिनियम की धारा 269-ग के अभमारण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपभारा (1) 🕏 मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात :----

1. श्रीमती कमला देवी बा० छाडीया।

(अन्तरक)

2. श्री हम्सनानन्द जे० छान्निया,

(अन्तरिती)

अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुः।

बक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्मन्थ में कोई भी बासाय :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पड़ सचनाकी तामील से 30 दिन की बदिधा, जो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**श्यक्षीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, वो अवत** बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नवा 🐒 ।

### अन्सूची

फ्लैट नं ० 16, जो तीसरी मंजिल, नील बिर्देडग, नील-शील प्रीमायसेस को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 182-बी, पोलिस स्टेशन, रोड, बिलेपार्ले, (पश्चिम), बम्धई-400 056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/4833/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बिम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 5-1-1985

### प्रकल नाहाँ . टी . एन् . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-2/37ईई/4834/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्श्वात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 2, अजथ अपार्टमेन्ट, को-आपरेटिय हाऊसिंग सोमायटी लिमिटेड, सरम्वती रोड, सान्तात्रूज (पिष्टिम), बम्बई-400 054 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 11-5-1984 को पूर्विक्श सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पद्ध प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतरिती (अंतरित्तियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक इप से किया नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से शुर्च किसी नाम की वावत, उक्त अधिनयम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के शिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाबा बाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती रत्नाबाई आर० शेणॉय ।

(अन्तरक)

श्री रत्नाकर टी० ग्रौट्टी तथा
 श्रीमती सरस् टी० ग्रौट्टी ।

(अन्तरिनी)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकाँगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ann wh

पलैट नं० 2, जो अजय अपार्टमेन्ट्स, को-आपरेटिब, हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, सरस्वती रोड, सान्ताकूज, (पिष्यम), बम्बई-400054में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-2,37ईई,4839,83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वे।रादिनांक 11-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारोः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 4-1-1985

## प्रकृष काइ. टी. एन एस.-----

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के कभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, महायक आग्रकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्ब,ई दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश स० आई०-2/37 ईई०/4851/83-84—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राज्य स अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 3, तलमाला, 'अमर कुंज', बेझट स्ट्रीट, साताकृस (पिक्सि), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

का प्योक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अतरकार्ने) और अतरिती (अतिरितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क), जतरण स हुई किशी झाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दन के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सत निम्नियम की भाग 269-न कें, जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सभीन निम्निलियन, व्यक्तियों, अर्थात् '── (1) मै० गोवानी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री तुषार गुणवन्त लाल महता।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरितः

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधियोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त पाट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### मन्सूची

प्लैट न० 3, जो तलमाला, ''अमर कुज', वीझट स्ट्रीट, साताऋुज (पश्चिम), बम्बई—100054 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम म० आई०--2/37 ईई०/4851/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 7-1-1985 मोहर . प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की · धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश स० आई०-2/37 ईई०/4878/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  $\frac{1}{4}$  (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० पलैट नं० 15, बिल्डिंग नं० जी, भीम नगर माथुरदास वासन जी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्त विश्वन में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिन, व्यक्तियो, अर्थात् .--

(1) श्रीमती मीना भूपेन्द्र शाह।

(अन्तरक)

(2) श्री सूर्यकात कहाण्यदास थानावाला।

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नस सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में द्विया गया है।

#### वन्त्वी

पलैट नं० 15, बिल्डिंग न० जी, भीम नगर, माथुरदास वामनजी रोड, भ्रन्धेर। (पूर्व) बम्बई 400069 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम स० आई/2-37 ईई०/4878/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 7-1-1985

मांहर :

प्रकृष काइ". टी. एन. एस. ------

बायकर वाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/4899/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दासः,

आयकर जी पनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुज से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, छठी मंजिल, ''हार्मोनी/ए'' बिल्डिंग, चार बंगली, वर्सीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलात है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण को लिए तब पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उच्चदेय से उच्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा से बिस्ट।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिय व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) मै० यास्मिन कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० ई० मर्चेन्ट।

(असरिती)

(3) मे० फ्रोशियरा लैण्ड डेबलप क० लि० (यह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यव्यक्तिकरणः--६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## नपूज्बी

फ्लैट न० 604, जो छठ। मिजिल, 'हार्मोनी/एँ'' बिहिंडग, फ्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलो, वर्सोना अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400068 में स्मित है।

अनुसूची जैसा कि अम् सं० आई०-2/37 ईई०/4899-83-84 श्रीर जो सक्षम श्रीधकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 14 मई , 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 14-1-1985

इक्ष्य जाद्र<sup>र</sup> , टी :**एन . एश** . -----

# आयकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### शारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश र्स० आई०-2/37 ईई०/4900/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार ब्रुस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

25,000/- र. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 201, दूसरी मंजिल, 'होम कोर्ट'',
बिल्डिंग, बार बंगलोज, वसींवा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—
400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि—
नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984
को पूर्वें करा सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान
श्रीतक्ष के निए बंतरित की गई है और मुश्ने यह बिश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वें कत संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान श्रीतफल का
निम्ह प्रतिकात से बिधक है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती
(बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्य निम्नसिवित उद्योग से सक्त कन्तरण निविद में बास्तिवक
रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संह्यं किसी बाय की बायत, उक्त निधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के याधित्य में कमी करने या उनसे बचने में मृतिका के खिद; सौर/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, धा विकट अधिनियम, धा विकट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने जे ब्विभा के लिए;

जत: वय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अमृतरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० यास्मिम कारपेरिशन।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जे० एन० दास तथा

2. श्रीमती के० निलनी देवी।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षक के तिथ् कार्यवाहियां करता हूं।

## इक्त क्यतित् के वर्षन के तकान में कोई थी नाकीए उ--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी समीध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्तों कर व्यक्तियों में ते किसी स्थित बृतारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थित व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सर्वोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त खब्दों ज़ौर पदों का, वो खब्द व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैटनं० 201, जो दूसरी मंजिल, 'होम कोर्ट'', बिल्डिंग प्लाटनं० 336, एस० नं० 41 (पार्ट), चारबंगलोज, वर्सोवा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्वित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/4900/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख : 14-1-198**5** 

मोष्टर:

प्ररूप बाइ . टी , एम , एस , ------

घायकर वि**विचित, 1981 (1981 का 43) की छा**र !89-व(1) के **घणी**न न्यना

WITTER WITTER (

कार्यालय, सहायक कार्यकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/4902/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर स्विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारि को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं

धौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 106-ए, पहली मंजिल, 'ए विंग, निर्माणाधीन ईमारत, चार बंगलोर, श्रोणिवरा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 4 मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपाव में स्वार मूल्य से कर के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क्नतरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या

बक अप्र, उबत अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं० यास्मिन इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती अपोलिना मोन्टेरिश्रो तथा
  - 2. श्रीमती इसीदोर जोसेफ मोन्टेरिश्रो । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी डाक्रपे :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारींब वें 45 विन की, जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टींक्ट स्वित्यों में से किसी स्वित्त बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा कथाहरूदाकरी के पाइ निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया दया है।

#### अन्स्ची

फ्लैट नं० 106-ए, पहली मंजिस, ''ए'' विंग, एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 4, चार बंगला, श्रोणिवरा, वर्मोवा, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/4902/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनाँक 4 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारः सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

ं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० ब्राई०-2/37 ईई०/4903/83-84--- मतः मुझे, सक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 2, पहली एवं दूसरी मंजिल, 'सन्नीसाइड यूनिट' नं० 3, बिल्डिंग, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पिष्वम) बम्बई—400058 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणिप है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14 मई, 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत उक्त आधि-ोनसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्य शे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, गरिया
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए थां, छिपाने में सुविधा के निए.

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधार। (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, वर्षात् :---33—456 GI/84

- (1) मै॰ लोखण्डवाला डेबलपमेंट कारपोरेशन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीसुरेन्द्र कुमार भ्राहूजा (एच० यू० एफ०) ।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैंट नं० 2, जो पहली तथा दूसरी मंजिल, 'सम्नीसाइड यूनिट नं० 3, बिल्डिंग, प्लाट नं० 355, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, वसीवा अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—400058 में स्थित है।

स्रनुस्ती जैमा कि कम सं० श्राहै०-2/37 ईई०/4903/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

प्रकम बाह्रें, टी. एनं, एस.------

# जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सहकार

# कार्यात्मय, सहायक जायक र नागुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निवेश सं शाई०-2/37 ई॰ई॰/4913/83-84--श्रतः मुस्ते, सक्ष्मण दास

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 701, किवता श्रपार्टमेंट्स, यारी रोड, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पिश्चम), बम्बई—400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में तारीख 14 मई, 1984

को पृवींक संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाक्त, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधन में सुविध। जी सिए, और/या
- (श) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति स्तियों दवारा प्रकट नहीं रिज्या गण था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्णः

कत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजेश प्रेमजी शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता संगीता विनोद भट्ट ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मास्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसुची

पर्लंट नं० 701, जो कविता श्रपार्टमेंट्स, सी० टी० एस० नं० 1030, यारी रोड, वर्सीवा, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई— 400061 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ध्राई०-2/37 ई०ई०/4913/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

मोहर

प्ररूप बाइं., टी., एन., एस. . -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) के अभीत तुमना

#### भारत तरकार

कार्यासम्, सहायक कायकर वायकत (निरक्षिण) भर्जन रेज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० माई०-2/37 ई०ई०/4915/83-84--- म्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उचित वावार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिन्नको सं के पर्नीट नं क. 303, तोसरी मंजिल, श्रारती श्रार्टीमेंट्स, यारी रोड, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पिष्वम), बम्बई—400061 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकार के कार्यालय, बम्बई में तारीख 4 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्विक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) ब्रुग्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के ब्रुगीन कर दोने के अन्त्ररक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्रुगने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्रिके को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

जराः जवं, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) फें अधीत्, निम्हिलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ५---

- (1) मैं ० एणियन डेवलपमेंट कारपोरेशन।
- (धन्तरक)
- (2) श्रीपी० टी० सुरेन्द्रन ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

धनक सम्मितित की वर्षन को सरभन्ध में कोई भी नाक्षेप .---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों दूर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औ अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकोंगे

स्पष्टीकरण कि इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा को उन्न अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, आरतो अपार्टमेंट्स, सी० टी० एस० नं० 1027, यारो रोड, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा कि कम सं श्राई०-2/37 ई०ई०/4915/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, वस्थ

सारीख: 15-1-1985

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सःरकार

कार्यासम, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजेंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निवेश सं श्राई 0-2/37 ई 0 ई 0/4916/83-84--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, भारती प्रपार्टीमेंट्स, यारी रोड, वसींबा, अन्धेरी (पिंचम), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में तारीख 4 मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उरुक श्रम्यमान प्रतिफल से एसे श्रम्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अनुबदक के बायित्व में कभी करने या उससे अधन में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी नाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) मै॰ एशियन डेवलपमेंट कारपोरेशन।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रायुब मसूद खाँन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करकी पृथींकत सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पान निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बनसची

प्लैंट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, ग्रारती श्रपार्टमेंट्स, सो० टो० एस० नं० 1027, यारी रोड, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पिष्चम), बम्बई-400061 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कम सं० घ्राई०-2/37 ई०ई०/4916, 83-84 भौर सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 4 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 15-11985

प्रस्प आ**इ**. टी. एन<sub>ः </sub> एस<sub>ः =========</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985 निदेण सं० म्राई०-2/37 ई०ई०/4917/83-84--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, पहली मंजिल, श्रारती श्रेगर्टमेंट्स, यारी रोड, वसींवा, श्रेग्धेरी (पिष्चिम), बम्बई—400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रृनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध—नियम, 1961 की धारा 269 क ख के, श्रेधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में तारीख 4 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपन्ति के उधित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिबक क्य से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी श्रास की बावत उक्त अचि-निवस से अभीत कर दोने के अन्तरक के दावित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्थिया
- (क) एरेरी किसी बाद वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, बिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ क्न्सिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया , वया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के जिया;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अधीत ध— (1) मैं ० एशियन डेवलपमेट कारपोरेशन ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती फातिमा त्रेगम फहिम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दोक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्राणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका भेया है।

#### वनसूची

पर्लंट नं० 103, जो पहली मंजिल, श्रारती श्रपार्टमेंट्स, सी० टी० एस० नं० 1037, यारी रोड, वर्सोवा, रोड श्रन्धेरी (पिंचम), बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अभ सं० आई०-2/37 ई०ई०/4917/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 4 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज−2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

माहर 🛚

प्रकृष आई o टी o एन o एस o-

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

#### भारत बहुनगढ

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बहै

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निवेश सं० आई०-2/37 ई०ई०/4925/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रहे. संअधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैट न० एफ/15, तीसरी मंजिल, एवर शाईन अपार्टमेंट्स नं० 2, जे० पी० रोड, अन्धेरी (पिश्चम), बम्बई—400058 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई तारीख 17 मई, 1984

को पूर्वोंकत समपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान शितफल के लिए अतिरित्त को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की नावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना धाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिबत व्यक्तियों, अर्थात् ३—

- (1) 1.श्रीसी० टी० आडवानी तथा
  - 2. श्रीमती एम० सी० आडवानी।

(अग्तरक)

(2) श्रीमती मरियम झुबेर लकड़ावाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 चिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबवध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लि। खत में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया हु<sup>8</sup>।

#### **ब्नुसूची**

फ्लैंट नं० एक/15, जो तीसरी मंजिल, ''एफ'' बिह्डिंग, एवर शाईन अपार्टमेंटस नं० 2, प्लाट नं०  $142_{1}2_{1}$ ए तथा  $142_{1}2_{1}$ बी, जय प्रकाश नारायण रोड, अन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400058 में स्थित है।

अनुचची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ई०ई०/4925/83-84 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 मई, 1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, यम्बई

तारीख: 15-1-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं आई० $-2_{l}$  37 ई०ई० $_{l}$ 4939 $_{l}$ 83-84-अत:

मुझे, लक्ष्मण दास, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, बिल्डिंग नं० 3, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बस्बई-400059 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में तारीख 18 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बनारण सं हुई किसी जान की सावत उपत विध-जिसम के अधीन कर देने के बन्तरक के धासित्व में कमी करने या उस्ते अचने में सुविधा के लिये; और/धा
- (क) एसी किसी काय या किसी धन बन्ध जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिर्भी धृतारा प्रकट रही किया गवा वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खें लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ. अर्थात :— (1) श्री वर्गीस सैम्मुएस तथा श्रीमती ए० सैमुएस।

(अन्तरक)

(2) श्री धामस मैथ्यू।

्य (अन्तरिती)

को **यह मूचना जारी करके प्**र्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचन की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगब्ध किसी अन्य व्यक्ति चुनारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लैंट नं० 2, जो बिल्डिंग नं० 3, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2,37 ई०ई०,4939,83-84 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख : 7-1-1985

# प्रस्थ बाह्र .टी .एम् .एस् ,,------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

#### HING CASAL

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2<sub>1</sub>37 ई०ई०<sub>1</sub>4993<sub>1</sub>83-84 --अत: मुझे, लक्ष्मण दास

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सभूम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 502, पांचवी मंजिल, 'क्रास गेट-2' बिल्डिंग, चार बंगलोज वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में सारीख 18 मई, 1984

को प्यांकत सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य उसके क्यमान प्रतिफाल से, एसे क्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफाल निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विश्त में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क्क) बन्तरण वं कृषं किसी बाब की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में स्विधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः वज उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग कि उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मै० यास्मिन कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री किशोर जे० बहाना निया तथा

2. श्री शेखर जे० बहानानिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्भन्भ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां किता में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्ठीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

# **गनुसू**ची

पलैंट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, 'रिच क्रांस गेट-2' बिल्डिंग, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 334 पर, चार बंगलोज, वर्सीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2,37 ई०ई०,4993,83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18 मई,1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अ**जैन रेंज** 2, बम्**ब**ई

तारीख: 14-1-1985

प्रकृप कार्च. टी. एन. एस. ५ - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985
निदेश सं० आई०-2,37 ई०ई०,5029,83-84---अतः
मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म पाधिदान का, गष्ट विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

मोर जिसकी सं० शाप नं० 11, तलमाला, 'सिकी साईड' मार बंगलोज, वर्सेवा, अन्धेरी (पिश्चम), वस्बई-400058 नाय बंगलोज, वर्सेवा, अन्धेरी (पिश्चम), बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), भ्रौर जिसका करारनामा अ।यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकार कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 19 मई, 1984

को पृथेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इपियत्थ मैं कमी करने या उससे बचने में सूविधा के तिए; और/या
- (म) एग्पै किमी आय या किसी धन या अन्य आस्टिं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने दें स्विभा के निग्;

(1) श्रीतनवीर वशीर खलफे।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम मुस्तफा हाजी उस्मान ।

(अन्तरिती)

(3) मैं० ओशिवरा लैंण्ड डेवलप, कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके ग्राधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ⊱ 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की नारीक है 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगसची

शाप नं । 11, जो तलमाला, 'सन्नी साईड, बिल्डिंग, एस॰ नं॰ 41 (पार्ट), प्लाट नं॰ 355, चार बंगला, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—400058 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ई०ई०/5029/83-84 भौरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बर्ध** 

सारीख : 14-1-1985

मोहर 🕄

# प्रकथ बाह्य हो. एन . एस . -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 15 जनवरी 1984

निवेश सं० आई०-2/37 ईई०/5056/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 10, तीसरी मंजिल, 'ए' विंग, अभिषेक, श्रीशिवरा विलेज, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई— में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 मई, 1984

का प्रशंकत सपिन्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा की लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धवाजनार्थ अन्तिरितो इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीत, जिस्तीयिधित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) मै० आशीर्वाद इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती सुरेखा ए० भट्ट तथा

2. श्री अरूण एन० मट्ट ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यिक्ततयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उजत स्थावर संपत्ति म दितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिखित में फिए जा सकी।

स्वकटीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया गया है।

#### अनसुची

फ्लैंट नं० 10, जो तीसरी मंजिल, 'ए' विग, 'अभिषेक', निर्माणाधीन ईमारत, एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 12, श्रोणिवरा विलेज, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० आई०-2/37 ईई०/5056/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** : 15-1-1985

मोहर

प्रकृप आई. टी. एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, 'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, विनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-2/37 ई०ई०/5057/83-84--अत: मझे, सक्ष्मण धास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सें० फ्लैट नें० 28, पहली मजिल, 'बी', विंग, 'आशीर्वाद', श्रीशिवरा विलेज, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उकर अधिनियम के अधीन कर दोर के जनारक व धायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० आशीर्वाद इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमले के॰ माहेरवरी।

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुसूची

प्लैट नं० 28, जो पहली मंजिल, 'बी' विंग, 'आशीर्वाद, निर्माणाधीन ईमारत) स्रोशिवरा (पश्चिम), एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 11, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/5057/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15-1-1985

# वस्य वाइ. डी. एव. एड.------

# भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निवेश शं० म्रई-2/37ईई/5058/83-84-म्ब्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 52, सातवीं मंजिल, 'बी' विंग, आशिर्वाद', श्रोणिवरा विलेज, है तथा जो अन्धेरी (पिष्चम), 'बम्बई— में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगित है), श्रीर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 मई, 1984

को (वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान गर्ह £ और लिए **अ**न्तरित प्रतिभल के विद्यास करने का कारण कि मथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रीयत न्हीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उत्तर विधिनियम के नभीन कर वेने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिस्; कार्ड/वा
- (च) एसी किसी नाय वा किसी वन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत विभिनियम, या धनकर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं. में, छक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की अधीक किकामित व्यक्तियों है अधीक है— (1) मैं० आशीर्वादं इन्टरप्राइसेज ।

(अन्तरक)

(2) श्री ललित जी० सुन्दरजी।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पृथां क्त श्रंपरित के वर्षन के बिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्स संपृत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरों के पाक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनद् अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्रची

फ्लैट नं० 52, जो सातवीं मंजिल, 'बी' विंग, 'आशीविद, निर्माणाधीन ईमारत, एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 11 धोणिवरा विलेज, अन्धेरी (पश्चिम), बस्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/5057/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बाई

सारीख: 15-1-1985

मोष्ठर 🖫

प्रस्प धार्द्र ही. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धनरा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई०/5074/83-84---अतः मृक्षो, लक्ष्मण दासः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 505, जो विंग ए, पांचवीं मंजिल, डेन्जील बिल्डिंग, प्लौट नं० 31 आफ एस० नं० 41 (अंग), भोशिवरा वसींवा, अन्धेरी (पश्चिम), अम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 19 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण जिल्लिक में वास्तियक रूप से कथित नहीं कया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६—- (1) मै० रविराज डेवलपर्स।

(अन्तरक)

(2) कुमारी लिलता जीवनलाल ठाकुर तथा . श्रीलक्षमन जीवनलाल ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 505, जो विंग 'ए', पांचवीं मंजिल, क्रेन्जील बिल्डिंग औन प्लाट नं० 31 आफ एस० नं० 41 (अंग), श्रोणिवरा, वर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/5074/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारी**ख** : 15-1-1985

मोहर 🔏

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचनः

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/5078/83-84---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण टाम

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - २, में अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, दूसरी मंजिल, शाको अपार्ट-मेंट्स, कृपा नगर रोड, इर्ला विलेपार्ले (पिष्चम), बम्बई— 400056 में स्थित हैं (प्रौर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है) प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 19 मई, 1984

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम मह 'ह' करने का कारण है कि यथापृश्विक सपित्त के उचित भाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के प्रत्य प्रतिकाल के प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य में उकत अन्तरण सिखित में वाक्षियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितनथम के अधीर कर दोने के अन्तरक की दायित्व यो कसी अरुर या उससे अचन में स्विधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिषा के तिए;

कतः जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीक, दिस्निमिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---- (1) मै० शाको कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक टी० आर०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## उनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधात मों किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह

#### अनुसुची

फ्लैट नं० 202, दूम्री मंजिल, शाको अपार्टमेट्स, कृपा नगर रोड, इर्ला, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई -400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई०-2/37 ईई०/5078/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाररा दिनाक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1985

## प्ररूप आहर्: टी. एन. एस------

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्वेण सं० अई०-2/37 ईई०/5084/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 207, दूसरी मंजिल, वर्सीवा, चेतना प्रीमा को०-आपरेटिय हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जे०पी०रोड के सामने, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में रिथत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 19 मई, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य असकं दश्यमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के तील एस अन्तरित के लिए तथ पारा गण प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिक में शस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कुमारो को मिला वर्क ।

(अस्तरह)

(2) श्रीक्गाधी जिमानी लक्ष्मण ।

(अन्यरिती)

(3) भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का वह सुकता आरी करके पृत्रा सिमारित के अर्थन के सिए कार्यवातियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति तो अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:--

- (क) इस श्लान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से उन्हें की तर उसत स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकीं ।

स्पर्धीकरणः --- असमे प्रमुक्त शब्दों और दर्दों का, जो उजस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

पलेट नं० 207, जो दूमरी मंजिल, वर्सीवा, चेतना प्रोमायसेस को०-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेंड, प्लाट नं० 142/143/ए, वर्सीवा, जे० पी० रोड के सामने अन्धेरी (पश्चिम), वस्वई  $\sim 400058$  में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कर सं अई०-2/37ईई०/5084/83-84 श्रौर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 15-1-1985

प्रकप आई. टी. एम. एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्वेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/5086/83-84---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, पहली मंजिल, "ए" विंग, द्विन टावर्स, श्रोक्षिवरा विलेज, घार बंगला वसींवा, श्रन्धेरं (पिष्चम) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4 मई, 1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्विध्य से उक्त बन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, डेक्त जीभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने यें सृविधा के सिए; बौर/या
- '(ख) ऐसी किसी आय या किसी अस या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा प्रकट किया गया भाषां अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिल्हार के एक्टिस के लिए;

बतः बन, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-व के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिसिक्षत व्यक्तियों अर्थातः:— (1) मैं० इन्द्रजोत प्रापर्टीज प्राइवेट लिभिटेड ।

(मन्तरक)

(2) डॉ॰ ग्राग्या सिंह कोचर।

(भन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य स्थावत द्वारा सभोहस्ताक्षरी के वाह्य
  सिवित में किए वा सकेंगे।

ं स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्क अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिन्। वबाहै।

# नम्स्ची

पलैट नं० 2, जो पहली मंजिल, "ए" विंग, ट्विन टावर्स, एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 8-ए तथा 8-बी, भ्रोणिवरा विलेज, चार बंगला, जे० पी० रोड के सामने, वर्सोवा, भ्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० घ्रई०-2/37 ईई०/5086-83-84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारोख: 15-1-1985

प्रकृष भाषी, दी, एस, एष्, उन न न नन

कायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

## कार्यातय, सक्षयक शायकर शायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्वेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/5089/93-84-- ग्रतः मुसे, लक्ष्मण, दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-इन के अधीन सभम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० पसीट नं० 202 दूसरी मंजिल, 'श्रिश्रेगौल्ट्स'', श्रोशिवरा, विलेज, तहसील श्रग्धेरी, बी० एस० डी० है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध~ 1961 की धारा 269 कर्ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21 मई, 1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संबद्ध किसी बाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए है

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : 35—456GI/84

(1) मैं० विजय बिल्डर्स।

(मन्तरक)

(2) मैं ० दीपक दोषी दूस्ट।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त जिपियम् के जभ्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### मनसभी

फ्लैट नं 202, जो दूसरी मंजिल, "ग्रकोपोल्ट्स" बिल्डिंग, एस व नं 41 (पार्ट), प्लाट नं 28, ग्रोशिवरा विलेज, तहसील ग्रन्धेरी, बी एस की में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि किम सं प्रह०-2/37 हैई 0/5089/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 21 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो [सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्शण) धर्मन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/5095/83-84--म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

अपनेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अरी सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,003/-रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्तैट नं० 7-बी, तलमाला, प्रोस्मान चेम्बर्स, जुहू तारा, दूसरी पण्डया लेन, बम्बई-49 में स्थित है (प्रौर इसने उपाबद्ध प्रनुसूर्व। में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा घायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 कुछ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है ताराख 19 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेश के अनुसार अंतरित कीचर्र है और एक यह विश्वास करने का कारण है कि वह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके अध्यमिन प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्दोश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अगिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिधा के लिए; और/या
- (ग) एमि किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अिरिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः. उकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) श्रीमती सोफिया एस० गुलाट। ।

(धन्तरक)

(2) कुमारी शिलें ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राष्ट्रपण में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन की बर्बीध या तस्त्रम्बर्थी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिख-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अप्रिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, चो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

# अनुसूची

पलैट नं० 7-थी, जी तल माला, श्रोस्मान चेम्बर्स, जुहू तारा, सेकण्ड पण्डया लेन, बम्बई-400049 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/5095/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

**सारोख : 15-1-1985** 

# इसन बाइ , दी , एइ हु इस . ------

जासकर श्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के जभीत स्पना

#### भारत चढकार

# कार्यासय, सहायक बावफार बाब्यूक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 15 जनवरी 1985

निर्वेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/5106/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्जित वाजार मूच्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लॉट नं० 4~ए, तल माला, लीला श्रपार्टमेंट्स, गुलमोहर गार्डन के सामने, यारी रोड, वर्सोवा, अन्धेरी (पिष्त्रम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है ) श्रीर जिसका करारनामा धायकर श्रिधिनियम, 1961 के, धारा 269 कख के धधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुनो यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनुषत बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (जंतुरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिचित उद्शेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्तिक प्रम से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाव की बावत्, उक्त विभिन्नियम को नभीन कर देने के अन्तर्क के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विभा कै निए; शीट/बा
- (क) एवी किसी शाय या किसी धन या अस्य बास्तियों का, हैं कर्च भारतीय नायकर निवित्तम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर निवित्तम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा में किए:

नतः जन, उत्तर निभिनियम की भारा 269-न में अनुसरण में, में उन्त निभीनयम की भारा 269-व की उपधारा (1) वे नभीन, निभातिचित व्यक्तियों, नभीत ह—- (1) मैं ० एशियन कन्स्ट्रमशन्स कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बालकृष्णन एन० देसाई।

(भन्तरिती)

का यह भूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षोप १---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर रूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, वो जन पर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षकरणः — इसमै प्रवृक्त बन्दों और पदौं का, को सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अन्याय में दिवा गया है।

## अनुसुधी

"फ्लेट नं० 4-ए, तलमाला, लीला ध्रपार्टमेट्स, गुल मोहोर गार्डन, के सामने,यारी रोड, वर्सीया श्रन्धेरी (पश्चिम), में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० भ्राई०-2/37 ईई०/5106/ 83-54 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई, 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरक्षिण) ग्रानि रेंज-2, बम्बई

तारीख · 15-1-1985 मोहर :

# प्रकृष नाहर् हो. एन एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वु (1) के बभीन सुज्जा

#### भारत चंडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० भाई०-2/37 ईई०/5132/83-84--भतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ह"

भीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 302, तीसरी मंजिल, भाको भपार्टमेंट्स, कुपा नगर रोड, ईला, विलेपार्ले (पश्चिम), है तथा जो बम्बई-400056 में स्थित है (भीर इससे उपाबस भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायकर ग्रांधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 22 मई, 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है बौद अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित बै बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त जिथ-चित्रमु के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा उक्त क्वन में सुद्धिया के सिए, अदि/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ अन्यरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना जाहिए था, कियाने जें स्विधा के जिए;

अतः जय, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्न्जिस्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- (1) मै० शाकी कन्स्ट्रकशन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पाबेन डी० शाह।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के निय कार्यगाहिया करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीद्धि में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकत्ये।

स्वाच्चीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया यस है।

### भनसूची

प्लैट नं० 302, जो तीसरी नंजिल, शाको श्रपार्टमेंट्स, क्रुपा नगर रोड ईला, विलेपार्ले (पश्चिम), वम्बई-400056 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-2/37 ईई०/5132/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 गई, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्प (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1985

प्रक्ष बाइ. टी. एन ्यस्. ------

(1) मै० भारत देखिंग कम्पनी।

(अन्तरक)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 269-न (1) ने वजीन स्का

(2) श्रीपी० के० मट्टा

(मन्तरिती)

भारत शुरुवार

शार्थालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० म्रई०-2/37 ईई०/5134/83-84---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उच्चित आबार मृत्य 25,000/- फ. संबध्धिक हैं

ष्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, तल माला, 'सी' बिल्डिंग, घन्दन मपार्टमेंट, ईला गांवटवाला, विलेपार्लें (पश्चिम), बम्बई— 400058 में स्थित है (श्रीर इससे पाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर प्रधि— नियम, 1961 की धारा 269 क ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान मितिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिवियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस निम्निसित उद्श्वेष से उक्त बस्त्रण कि बिचित में बास्तिविक रूप से का भत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीव-नियम के बधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के बिद्द;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु ।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीच से 30 दिन की वदिया, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बद स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वहुभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिं। ना में किए वा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

बन्सूची

फ्लैट नं ० 1, जो तल माला, 'सी' बिल्डिंग, चन्दन भपार्टमेंट, ईला गांवठाण, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-2/37 ईई०/5134/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह्ययक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-85

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सम्बर्६, दिनांक 7 जनवरी 1985 निर्देश सं० श्रई०-2/37 हर्ई०/5139/83-84--भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० यूनिट न० 9 तलमाला, जय महावीर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, साकीनाका, बम्बई-400072 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रीचीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 22 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ॐ पान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्य (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की न्याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए। और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए,

(1) मैं० चेतना मेटल इण्डस्ट्रीज ।

(भन्तरक)

(2) श्री दत्तात्रय वामन पवार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव,र सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>6</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रनुसूची

''यूनिट न॰ 9, जो तलमाला, जय महावीर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, तेजपाल इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, के सामने, साकीनाका, बम्बई-400072 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-2/37 ईई०/5139/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 मई, 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज–2, बम्बर्र

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बभीन, निम्मितिकत व्यक्तियों, अर्थात् क्ष---

तारीख : 7-1-1985

मोहर् 🛭 -

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्धामद , सहायक बायकर मायुक्त (निरीक्षण)

न्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

. निर्वेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/5153/83-84--ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण धास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 32, लक्ष्मी श्रागार्टमेंट्स, प्रकाला विलेज, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम शाधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 21 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक मण से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए।

अत: शब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन निम्निसियत व्यक्तियों वर्णात् हि—

- (1) 1. श्री जगदीप ग्ररविंद मर्चेन्ट, तथा
  - 2. श्रीमती गिरा जगदीप मर्चेन्ट।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री दादमचन्द ताराचन्द जैन, तथा
  - 2. श्रीमती सुशीला देवी दादमचन्द जैन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध लिखित में किए था सर्कोंगे।

स्मव्धीकरण : — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समय की

"फ्लैट नं० 32, जो तीसरी मंजिल, लक्ष्मी भ्रपार्टमेंट्स, जकाला विलेज, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/5153/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 21 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

. लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

**सारीख**: 15-1-1985

# प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.------

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1985

निवेश सं० धाई०-2/37 ईई०/5161/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजौर म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० पलैंट नं० 302, तीसरी मंजिल, 'जांजिया' ए विंग, बांद्रा बस्वर्ध-400050 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वांजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 की घारा 269 क खू के श्रधीन, सलम प्राधिकरिं।, के कार्यालय, बस्बर्ध में रिजस्ट्री है तारीख 22 मई, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यजान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मतिश्वित उद्वोदय से उक्त जंतरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी नाय की बाबत, अक्त जीधीनयभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे त्याने में जीवधा के बिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, जिम्मिसिस व्यक्तिमों, सर्थात् :--- (1) मैं० रेशमा कन्स्ट्रक्शन्स ।

(म्रन्तरक)

(2) प्रो॰ (श्रीमती) लीला जोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई आक्षेप है---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपर्ति में हिटबब्ध किसी जन्म स्थावन द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पात निचित्त में किए जा सकरों।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गवाहै।

#### वन्त्रच

फ्लैट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, 'आर्जिना', ए बिंग, निर्माणाधीन ईमारत, सी० टी० एस० नं० सी०/ 1304, 1284, 1283 एवं 1302 शेर्ली राजन विलेज, बांबा, बस्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम मं० भ्राई०-2/37 ईई०/5161/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 7-1-1985

# प्रकृष् मार्डे. टी. ११. एस. -----

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के भूभीन सुभूना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त,र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० भ्राई०-2/37 ईई०/5164/83-84--मतः मझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलेंट नं० 602—बी, जो छवीं मंजिल, हैन्जील 31 मा एस० नं० 41 (श्रंग) 4 बंगलीन वर्सोवा, भ्रन्धेरी (पण्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्राधिनयम, 1961 की धारा 269 कल कि भ्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है सारीख 21 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल् से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच् ऐसे अन्तरण् के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण् निधित से बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है क्ष्

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सम्बं अधिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिस द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के करीय निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्क्ष—— 36—456 GI/84

(1) मैं रिवराज श्वेसपर्स।

(प्रन्तरक)

(2) कुमारी माया जेथमल चटलामी ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बन्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (प) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में वीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया स्वाह ।

## **मनुसूची**

फ्लटन० 602-बी, जो छठवीं मंजिल, डेम्जोल, 31 भ्राफ एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगलोज, श्रोशिवरा वर्सीवा, भन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

धानुसूची जैसा कि क्रम सं० धाई०-2/37 ईई०/5164/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 भई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर झामुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 15-1-198**5** 

मोहर 🖫

प्रकण आहे. टी<sub>ं</sub> एन् एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयक र आयुक्त (विद्रीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० प्रार्थ--2/37 ईप्र-/5187/83-84---मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे बसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 302, तीसरी मंजिल, 'भीन फिल्ड्स-की'' विल्डिंग, चार बंगली, वसींवा भन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—400058 में स्थित है (भीर इससे पावद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा भायकर भिध-नियम, 1961 की धारा 269 कल के भधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है तारीख 23 मई 1984

के कार्यालय, बस्वर्ड में रिजस्ट्री है तारीख 23 मई 1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योग्य से उक्त अंतरण निवित्त में गास्त्रिक कम से कथित नहीं किया गवा है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने वा उत्तरों बचने में सुनिधा के लिए; बाँड/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल (1) श्रीप्रकाशएम० ध्रक्यर।

(मन्सरक)

(2) श्री मल्लिफार्जुन इप० धरूपर।

(ग्रन्सरिती)

को बहु भूषना आरी करके पूर्वेक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुतं ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में हित- निष्ण किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

पलट नं ० 302, जो तीसरी मंजिल, 'ग्रीन फिल्ड्स-बी', बिल्डिंग, प्लाट नं ० 333, नं ० 41 (पार्ट), चार बंगला, बर्सोवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ध्रई०-2/37 ईहै०/5187/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका री सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीख : 14-1-1985

मोहर 🕄

# क्ष्म बार्च , की<sub>ल</sub> एक , क्षा<sub>र</sub> अस्थानसम्ब

# नामक्त व्यापितियम, 1961 (1961 का 43) की पार्रा 269-म (1) के नृपीन सूचना

#### BILL SERIE

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरक्षिण)

द्यर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्वेश सं० आई०--2/37 ईई०/5185/83-84/---**मतः** मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्साय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 605, छठी मंजिल, भारेना ए', बिल्डिंग, चार बंगलोज, वर्सोबा, भन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—400058 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा भागकर मिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारोख 23 मई, 1984

को पूर्णांक्त संपत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का नवित बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तम् पाया गवा प्रतिफल, निम्ननिचित् उद्वेष्ट् से उच्य क्षण्डरण कि विव में बास्टीनक क्य से कचित वहीं किया व्या है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कर बाबता, उकत आधानियम के अधीन कर बाने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क श्वर, बांड/बा
- (थ) एसी किसी बाब या किसी वन या बाज वास्तियों की, विनह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रुतः अव, स्वतः अभिनेत्रम की भारा 269-व के अमृबारच में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों अर्थात् ः— (1) मै० यास्भीन कारपोरेशन।

(मन्तरक)

(2) श्री एल० बी० काझानी तथा श्री मास्टर शहीर झब्बास ।

(भन्तरिती)

(4) मे॰ श्रोशिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्थाना जारी करके पृथायत संपरित के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- ं (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इसं स्थान के राजपव में प्रकाशन की सारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा व्यक्तिकारी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सूर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### मन्त् की

पर्लंट नं० 605, जो छठी मंजिल, 'ग्ररेना-ए', बिल्डिंग, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 338 पर सार बंगलोज, वर्सीवा, भ्रन्धेरी (पिचम), बम्बई-400058 में स्थित है। भ्रतुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-2/37 ईडि०/5185/83-84 और मो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 23 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 14-1-1985

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) को अधीन सुखना

#### भारत सरकार

कार्याभव, सहायक भायकार मायुक्त (निर्दाक्षण) भ्रार्थन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 15 जनवरी 1984

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/5188/83-84-- मतः मुक्ते, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका जिलत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० पलैट नं० 301, जो तोसरो मंजिल, 'ए', विग, श्राशिक श्रवार्टमेंट, 1-सी, तेजपाल स्किम्स, विलेपालें (पूर्व), वम्बई-400057 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्य भनुसूच। मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा पायकर शिंधिनयम, 1961 की घारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 22 पई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रीचफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उस्त अन्तरुण निकत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तद्रण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे दणने में सुविधा के लिए; शद्ध/या
- (क) पूर्वी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की प्रिनह अर्दिय वायक के विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

ज्तः अर्थ, उक्त अधिनियम की भास 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों है वर्षा कि

से(1) श्रीरजनी भाई जै० व्यास।

(भन्तरक)

(2) श्री शरव जगजीवन दास मेहता ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त यन्त्रों और पर्वी का, को उक्त , अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

**ध्रनु**सूची

फ्लट नं ॰ 301, जो तीसरी मंजिल, 'ए विंग, धाशिक धपार्टमेंट्स, 1-सी, तेजपाल स्किम्स, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है ।

भनुसूचो जसा कि अम सं० भाई०-2/37 ईई०/5188/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 2 भई, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1995

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 2 जनवरी 1985

निर्देश सं० प्राई०-2/37 ईई०/5198/83-84--- जतः मुक्ते, लक्ष्मण वास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन जिसका भाषा हिस्सा, जो प्लाट एन० ए० प्लाट नं० 37, सी० टी० एस० नं० सी/627, 'पालाकार्प लाज', न्यू कांतावाड़ी, पेरी रोड, बांद्रा, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुभूची में पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिश्चत उय्षदेय से उक्त अन्तरण निश्चत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण म हुन्दं किसी आय को शक्त उपन अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरफ के दाजिएक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिख़े; कीराना
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा से किए;

बत: वय, उक्त विधिनियम, की भारा 269-न की बनुसरण में, में:, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात :— (1) श्री बेन्सिक्स परेरा (उर्फ) वेन्सेस्लॉन परेरा।

(भन्तरक)

(2) मैं । ठाकुर कन्स्ट्रनशन्स ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्य के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ब्सूस्ची

जमीन जिसका घाधा हिस्सा, एन० ए० प्लाट नं० 37, सी० टी० एस० वं० सी०/627, 'पाली कार्प लॉज', न्यू कान्तवाड़ी, पेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि कम सं० प्राई०-2/37 ईई०/5198/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी स**हायक भाग**कर भागुक्त (निरीक्षण) **भर्जम** रेंज−2, **यम्ब**ई

तारीख: 2-1-1985

# भ्र**क्ष्य आह**्रं **टी . एस<u>्. एक</u> ु**क्षान्त्रान्य

आयकर गाँधनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-ण (1) को जधीन स्चना

#### शहरत चत्रकाड

# कार्यालयः, सहायक आयकर नावृक्त (नि<u>र्</u>शिक्तक) प्रजन रेंज-2, वस्वर्ष

बम्बई, दिनाक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० अ:६०-2/37 ई६०/5201/83-84-- **भराः** मुक्को, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 109, जो ज्यूपिटर श्रपार्टमेंट्स हीरानन्दानी इस्टेंट, 4 बंगलोज, श्रन्धेरा (पिष्चम), बम्बई में, स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची मे पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रवान सक्षम श्राधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24 मई, 1984

को पूर्विविध सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रित्तिल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विवेध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की भाषत, उनस् क्षिरिनयम के कपीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्, और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय। गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, क्षांत् ह---

(1) मै० हीरानन्दानी बिल्डसें;।

(मन्तरक)

(2) श्री जोसेफ टी० मेनान्जीस।

(पन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुः।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख़ से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिज, जो भी जनिल बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर विस्तार में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाषन की तारीक सं 45 दिन के गीसर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण :~ उसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उससं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# वनस्वी

फ्लैट नं 109, जो ज्यूपीटर झपार्टमेंट्स, हीरानं दानी इस्टेट, चार बंगलोज, झन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। झनुसूची जैसा कि कम सं आई०-2/37 ईई०/5201/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिगकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 24 मई, 1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास ' सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रिज-2, बम्बर्ड

तारीख: 15-1-1985

प्रकृष आहुर . टी, एस. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बद्द

बम्बई, दिनांक 9 जनवरो 1985

निदेश सं० **भाई०-2/37ईई/5204/83-84--- भ**तः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 15, पहली मंजिल, 'बी' बिल्डिंग, सराफ कासकर इण्डस्ट्रोयल इस्टेट, श्रोशिवरा, क्रिज, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई—400060 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर भीविनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कायलिय; बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 24 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य रसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (गंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निविचित उच्चे वेस उच्चे अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ून्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने के सृविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए या, जिपाने यो स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तित्वां, जर्थात क्रिक्ट (1) मैं० किंग्ज इण्डस्ट्रीज।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एस० ए० मोहिद्दोन ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के भूर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वयधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में किनक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय '20-कः में परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याक में दिया गया है।

#### वन्स्ची

यूनिट नं० 15, जो पहली मंजिल, 'बी' विल्डिंग, सराफ कासकर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, श्रीणिवरा क्रिज, जोगेश्वको (पश्चिम), बम्बई-400060 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि श्रम सं० श्राई०-2/37 ईई/5204/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 9-1-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देण सं० आई०-2/37 ईई०/5208/83-84--**अ**तः मुझे, सक्ष्मण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक **है** 

ग्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 701, सातवीं मंजिल, 'ग्रीनफिल्ड्स -बी', चार अंगलोज, वर्सीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राध-निमम, 1961 की धारा 269 क न्द्र के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में राजस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

को पर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और सभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत संपत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रनिक्षत से अधिक ही और अलग्क (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के रिलए तय थाबा नया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योदय से उक्ष अन्तरण कि बिश में धास्तविक रूप से की धत नहीं किया गरः है:---

- (क), बन्तरंग से हुई किसी भाग की बाबत उक्त निधिनियम को मधीन कर दंने को बन्तरक औ दायित्व में कभी करने या उक्क के बचने में समिधा के लिए; और/या
- (क) एैसी किसी अपूर्य या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का** 2.7) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया **वा का किया जाना चाहिए** था, स्थिपाने में सविधा € लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं व्यास्मान कारपोरेशन।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री धनवन्त मोतीलाल कांटोल।

(ग्रन्तरिती)

(3) मैं ओशिवरा लैंड डेवलप को० लि।मटेड । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग सम्पत्ति है

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- ्क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, णां उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, को उप्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

''फ्लैट नं० 701, जो सातवीं मंझील, ''ग्रोनफिल्डस बो" बिर्लिडग, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 333 पर, कार बंगलोज, वसीवा, अन्धेरा पश्चिम बम्बई 40 0058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसाकि ऋम सं० श्राई°०−2/37 ईई*°*/52.07/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 14-1-1985

### प्रकृष बाह्य हो एत. एस् : ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्ज न रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 जनवरी 1995

निदेश सं० भाई०-2ह्/37 ईई०/5209/83-94--- आटः मुझे, लक्ष्मण दास स्थानक अरोधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 704, सातवीं मंजिल, 'रिचमण्ड बिल्डिंग, चार बंगलोज, वर्सोना, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई— 400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीम— नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

को पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल िस्निलिखत उन्देष से उक्त अंतरण लिखित में यासिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के निष्; और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन वा वस्त वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) मै० एलझेड इनवेस्टमेंट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेणुका नायर।

(भ्रन्तरिती)

(3) मैं० ओशिवरा लैण्ड डैवलप क० लि० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के एजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहम्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्थळितरण : इसमें प्रयुक्त पान्दों और पर्दों का, जो उक्त । जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सम्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

प्लीट नं० 704, जो सातवीं मंजिल, 'रिचमण्ड', बिल्डिंग, एसं० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 13 (नया प्लाट नं० 345—ए), चार बगलोज, वसींवा ,प्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० माई०-2/37 ईई०/5209/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 25 मई, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

मोहर 🕉

### प्ररूप **वाइं.टी.एन.एस-----**

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीम सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/5210/83-95--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य

25,000/-रः. से अधिक ह

भीर जिसकी सं प्लैंट नं 703, सातवीं मंजिल, 'रिचमण्ड', बिल्डिंग, चार बंगलोज, वर्सोवा, ग्रन्थेरी (पिष्चम), बम्बई—400058 में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायकर प्रधि—नियम, 1961 की घारा 269 क ख के भाषीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और जंतरिती (अंतरितियों) के बील एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियितं उददेश्य में उक्त अंतरण तिचित में कास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक को रायिन्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्त्रियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्वीचभा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मैं० एलजेड इनवेस्टमेंट्स।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीरीपन कुमार नायर।

(धन्तरिती)

(3) में अभिशवरा लैण्ड देवलप कं लि । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

ज्वत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसम प्रयुक्त जब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ननुसूची

फ्लैट नं० 703, जो साह्यीं मंजिल, 'रिचमण्ड' बिल्डिंग, प्लाट नं० 13 (नया प्लाट नं० 345-ए), एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, वसोंवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

मनुसूची जैसा कि कम सं० माई०-2/37 ईई०/5210/83 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> . लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-1-1985

नोहर 🛭

प्रकृप आर्ड . टी . एन . एस . -----

धावकर निभागियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-इ (1) के नभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निवेश सं० माई०-2/37 ईई०/5222/83-84-भतः मुझे, लक्ष्मण थास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पर्लंड नं० 110, पहली मंजिल, 'एवरेस्ट', बिल्डिंग, के० पी० रोड, वर्सोना, भ्रन्धेरी (पिरचम), बस्बई—61 में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भागकर भीधिनयम, 1961 की घारा 269 के ख के भाषीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्टी है तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित्त बाजार मूल्य, उसके स्वयंत्रान प्रतिफल से ऐसे स्थयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया क्रिक्त निम्नितिचित उद्देष्य हे उसक अन्तरण मिचित के अस्तिक एसे अन्तरित्व स्थान करने सिंहर के स्थान करने सिंहर के अस्तरित्व स्थान करने सिंहर के अस्तरित्व स्थान करने सिंहर के अस्तर्भ से स्थान नहीं किया नहीं किया नहीं के स्थान है है —

- (क्त) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और की
- (क) ्सी किसी जाय या किसी, धन था जन्य जास्तिवाँ का, जिन्हों भारतीय नायकर निधितवन, 1922 (1922 का 11) या उनत निधितवम, या धन-कत निधितवर्ग, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्यरिती बुवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना थाहिए ना, जिनाय में सुविधा में तिए?

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्री अशोक एस० शाहा

(अन्तरक)

(2) श्रीषाती जरीना भारमल।

(पन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों कर्त संपत्ति के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हो।

बक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जविध वाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए आ शकों से।

स्वयाकरण:--इसमें प्रयानत शब्दों और पदां का, जो उत्तत किथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्वची

प्लैट नं० 110, जो पहली मंजिल, 'एवरेस्ट बिल्डिग', जय प्रकाश रोड, वर्सोवा अन्धेरो (पश्चिम), बस्बई-400061 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-2/37 ईई०/5222/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाससे सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख: 14-1-1985

मोहर 🖫

### शास्य नार्षं दी एन् एष ;----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, विनांक 15 जनवरी 1985 गिदेश सं० अई-2/37ईई/5230/83-84-अतः

लक्ष्मण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 260-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विश्वास बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, तीसरी मंजिल, सुमन बिल्डिंग, यारी रोड, वसोंवा, अन्धेरी (पिष्चम), ध्वम्बई 400 058, में रियंत है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वसेणत है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रजिस्ट्री है, तारीख 24-5-1984

को पूर्वोक्स सम्परित के शिषद बाजार मृत्य से कम के अस्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है जौर मृक्षे यह विक्यास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपति का उचित बाजार भृत्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देश्य से सकत अन्तरण लिखित में सास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी जान की वाक्स, उक्स सीमीन्यम के अधीन कर दोन की जन्तरक की याधिरम की कमी करने या उससे वानने में निमृतिधा से सिए; बांड/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हें भगरतीय जायकार जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया धा किया जाना जाहिए था जियाने में सुन्वा की लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स हितेश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीना विजय गुप्ता

(मन्तरिती)

सांबह सुमना जारी करके पुनर्वित सुम्पृतित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हं क्लूं ...

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सख्यों और पदों का, यो उपल अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अमृस्ची

"फ्लैट नं० 301, जो तोसरी मंजिल, सुमन बिस्डिंग, एस० नं० 27, सी० टी० एस० नं० 1206, यारी रोड, वर्सोदा, मन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।"

धनुसूची जैसा कि क० सं० धर्ध $-3/\xi \xi/5230/83-84$  श्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

मोहर 🕄

- G

प्रकप बाइ टी. एन. एस. ------

and the state of t

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के ज्भीन सुचना

#### भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985 निर्वेश सं० मई-2/37ईई/5231/83-84—मतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, ते.सरी मंजिल, सुभन बिल्डिंग, यारी रोड, वसींबा, उन्धेरी, (पिक्सि), बम्बई 400 058, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौरपूर्ण रूप से विणत भौर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-5-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूस्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाक् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूस्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ठह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरम् के निए त्य बाबा नमा प्रतिफस, निम्निचित् उद्वेष्य से उक्त बन्तरम दिव्या में वास्त्विक स्थ से दृष्ठित वृद्धी किया गया है :---

- (क) अन्तरभ सं हूर्य किसी बाव की वावस, उक्ट रुभिनियम को अभीन कर दोने की बन्दरक को दामित्व में कभी करने वा उद्युखे वचने में सूर्विका के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी बाव या किसी धन वा कृत्व बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाय-अन्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निपनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिये था. कियाने में मुनिया के सिए;

जतः अन्, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को जन्मरण कों, में, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्निस्थित व्यक्तियों स्थीत क्र- (1) मैसर्स हितेश कन्स्ट्रकशन कम्पनी।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम सतीश गुप्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशभ की तारीं के 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध वाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति हुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध-किसी मन्य व्यक्ति इवारा सभाहस्ताक्षरी के पाठ तिश्वत में किस वा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### ग्रुची

"पलैंट नं ॰ 302, जो तीसरी मंजिल, सुमन बिल्डिंग, एस० नं ॰ 27, सिट्टी, एस० नं ॰ 1206, यारी रोष्ठ, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।"

धनुसूची जैसा कि कि के सं धई-2/37ईई/5231/83-84 धौर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनोक : 15-1-1985

मोहुद्ध 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्योन सुवाग

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनोक 15 जनवरी 1985 निर्वेश सं० प्रई-2/37ईई/5232/83-84-मतः मुझै, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एमके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लीट नं० 303, सुमन बिल्डिंग, यारी रोड, वर्सोना, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्र, है, तारीख 24-5-1984

को प्वांक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमनान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापुर्वार्कत सर्पात का उचित बाजार मृल्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कि पिए तम् पावा है है—

- (क) अलहरूम से शुरू किसी जान की वान्त, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अलहरक के समित्व में कभी करने या उससे अधने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनगहर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा से सिए।

अस: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स हितेश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(मन्तरक)

(2) श्री सतीम जे गुप्ता

(मन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन् के निष् कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विधि, वो जी सम्बि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (व) इंड स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्च निवित्त में किए वा सकींगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त कर्को और पर्यो का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

### अनुसूची

"फ्लैंड नं 303, जो सुमन बिल्डिंग, एस० नं 27, सी० टी० एस० नं 1206, यारी रोड, वर्सीवा, बन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि कि के सं पई-2/37ईई/5232/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा विनांक 24-5-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

> (लक्ष्मण वास) सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन र्रेज-2, पम्बद्धी

तारीख : 15-1-1985

मोहर 🚨

प्रस्प बाहु : दी. एन. एस. ----

भायकड मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्वेश सं॰ मई-2/37ईई/5233/83-84--- अतः मुझे लक्ष्मण वास,

नायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं भिक्र स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृस्य 25,000/- सा से सीभक हैं

भीर जिसकी सं० पलैटनं० 304, तीसरी मंजिल, सुमन बिल्डिंग, यारी रोड, वर्सों वा अन्धेरी (पिन्निम), बम्बई 400 058, में स्थित है (भीर इससे उपावज अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-5-1984

को पूर्वोक्स संपरित के उधित बाआर मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजाए मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिक का पन्तर का पन्तर का पन्तर का पन्तर का पन्तर का विकास का पन्तर प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अत्रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाना मना प्रतिफल निम्लिखित उद्देश्य से उक्त अंवरण कि विकास में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गना है:——

- (क) बन्तारण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त लिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाम वा किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिमियम, 1922 (1922 का 11) या उसरा जिमितमा, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किनाने में सुविधा के सिए;

बतः स्वा, उक्त अभिनियम की भाष 269-न के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भाग 269-न की उपधारा (1) के अभीत. निम्नसिचित स्यक्तियों, वर्णात् :--- (1) मैसर्स हितेश कन्स्णद्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती फूलबन्ती जै० गुप्ता ।

(मन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिनबदध किसी अन्य स्थितित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंचे।

### वन्स्ची

"पर्लैट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, सुमन बिल्डिंग, एस० नं० 27, सी० टी० एस० नं० 1206, यारी रोड, वर्सोवा, भ्रम्बेरी (पश्चिम), बम्बई 400058में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-2/37ईई/5233/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, जम्बई द्वारा दिनांक 22-5-1984 को रजिस्टर्ग किया गया है।

> (लक्ष्मण दास) सक्षम प्राज्ञिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बर्घ।

तारीख: 15-1-1985

मोहर ः

प्ररूप काइ . टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नधीन सुमना

#### मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भर्जनरेंज-2, बम्बर्घ

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी, 1985

निर्वश सं० भ्रई--2/37ईई/5234/83--84---भतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-म अधिक है

भीर जिसको सं० फ्लैट नं० 503, पांचवी मंजिल, सुमन विल्गिड यारी रोड, वसींवा, अन्धेरी (पिष्चम), बम्बई 400 058 में स्थित है (और इससे उपाबट अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृन्य से कम के रहामान प्रीतफल को लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृल्यः उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण को निए तय नया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिल भास्तिक रूप है कीचत नहीं किया यहा है क्र-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में तृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए, और/या

अतः लक्ष, उक्षत मिर्मिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की खपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) भैसर्स हितेश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ (श्रीमती) म्नार॰ मोहिनी नर्रीसंग रावा। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारियों कारु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संघंध में कोई भी अक्षप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में किये बह्भ किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरां ज गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीनियम के अध्याय 20-क म कि निक्रे हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया प्या हैं।

### अनुसूची

"पर्लीट नं० 503, जो पांचवी मंजिल, सुमन विल्डिंग, एस० नं 27, सी०टी० एस० नं० 1206, यारो रोड, वसीवा, ध्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।"

भनुसूत्रो जैसा कि कि सं कि म्रई-2/37ईई/5234/83-84 भौर सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनाक 22-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> (लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारो सहायक झायकर झायुक्त (निरोण), श्रर्जन रैज-2, बम्बई

सारीख: 15-1-1985·

महिर:

प्रकृष बाहै, टी. एन, एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, अम्बद्द बम्बद्दे दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्वेश सं० मई-2/37ईई/5252/83-84-मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मानुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-च की अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000-'- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, तीसरी मंजिल, माप्खान नग "डी" बिल्डिंग, मरोल मरोशी, रोड, ब्रन्धेरी (पू०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 केख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-5-1984

का पूर्वों त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गृद्दं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिपत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निग्; और/गा
- (क) ्से किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ श्रि, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ्1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा स्टे सिए;

बतः बयं, उक्त अधिनियमं की भारा, 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ी की उपभारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, बधीत् :---38—456 GI/84 (1) मैसर्स ए० एस० बिल्डर्स

(धन्तरकः)

(2) 1. श्री लोबीस मच्याडो, तथा 2. श्रीमतो मारीलीने मध्याडो

(भ्रनिरती)

(3) मन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बर्ध आहि पद्यों का, को उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया

"फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, "डी" बिल्डिंग माप खान नगर, मरोल मरोशी रोड, भ्रन्धेरी (पूरब), बम्बई 400059 में स्थित है।"

श्रंनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/5252/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास श्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज⊸2, बम्बई ।

तारीख: 15-1-1985

मोहर 🗈

### इंक्य बार्ड. टी., एन. एस. ----

### श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (प) (1) के वधीन स्चना

### भारत सरकार

## कार्यानय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बई ,

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश मं० मई-2/37ईई/5253/83-84--- म्राजः गुझे, लक्ष्मण दाग

शायकर मिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वाण 'उक्त मिंगियम' कहा गया है), की घररा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ से अधिक है

- (क) वितरण से हुई किसी बाय की बाबत, जकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के जियत्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा है सिए; बौर/या
- (क) रामी किसी जाय या किसी धन या अन्य कास्तिनी को जिन्हीं भारतीय आय-कर लिधिनियम, 1922 की 11) या उकत लिधिनियम, को नकर अधिनियम, को नकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विज्ञा जाना स्मेहिए था, कियाने में स्निधा के लिए,

भतः संघ, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग सी अनुसरध मों, मों, उस्त सिधिनियम की धारा 269-प की उपधारा ' के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वाहः--- (1) मैसर्स ए० एस० बिस्डर्स

(भन्तरक)

(2) श्री निसार प्रहमद बेग ग्रीर श्रन्य।

(भ्रन्तरित)

(3) श्री निसार ग्रहमद।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिः है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के हैं लए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ड---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीब के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ख्वारा;
- (क) इस म्चना के राजपत्र मों प्रकाशन को तारी सं अन्त दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों शितवष्य । क्यों किया व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास कि किया मों किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स गया है।

### **न**म्स्**या**

"क्लैट नं० 403, जो, "डी" बिल्डिंग, 4थी मंजिल, माप खान नगर, भरोल मरोशी रोड, ध्रन्धेरी (पूर्वे), वम्बई-59 में स्थित है।

अनुतूचो जैना कि कि से ब्रई-2/37ईई/5253/83-84 विशेष जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण), ग्रुजन रेज-2, बम्बई ।

प्रचि 1 -- 1-- 1995ु मोहर. प्ररूप मीई टी. एन. एम.-----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा** 269-घ (1) के बधी। स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

बम्बई, दिनाक 7 जनवरो 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/5256/83-84-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने की कारण है कि स्थावर सपित्त जिसका 2. चन जानार राज्य 25,000 र रा. से अधिक हैं और जिसकी संव फलैट नंव बी-4, वर्षी मिनन, वर्षी क लोनों सहार रोड, अन्धेरी (पूरव), बम्बई 400 099 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर आधिनयम 1961 क, धारा 269 कख के अधान, सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, यम्बई में रिजिस्ट्रों है तार, ख 26-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारों के सम्म्ख/के पास रिज-स्ट्रोकृत किया गया है। मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीड/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिहां भारताय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु— (1) श्रीमती पालिम डिसीजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेशभाई पूनमचन्द वर्मा

(अन्तरितो),

को यह स्वना दारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यगिहिया करण हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4: दिन में अमें या तत्सम्बन्धें क्ये नियो पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्म. व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनके विधिनदम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया हैं।

### अमुसूची

"फ्लैंट नं० बी-4, जो वर्षा मिलन, को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोमाईटो, वर्षा कालोनो, सहार रोड, श्रन्धेरो (पूरब), बम्बई 400 099 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/5256/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-ई-1984को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🖫

### प्रकृष वार्डा, टी., एवं., एवं., =------

भावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 अनवरी 1985

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परवात 'उक्त श्रीभिनयमं' कहा गया हैं), की वाद 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् वाचार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 4, तलमाला, बिल्डिंग, नं ० 5, घनधेरी वर्मा नगर को-प्राप० हो । सोसा० लिमिटेड घोल्ड नागरदास रोड, ग्रन्धेरो (पू०) बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसचो मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीर्धानयम 1961 की धारा 269 कख के श्रायोन, सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ट्री है तारोख 26-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परिस उचित उसके दश्यभान प्रतिफल् से, एसे प्रत्यभान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तुबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण वं हुई फिबी नान की बाबत, उपस अभिनियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कमी करने ना उससे वथने में बृविधा के लिए; बॉर/बा
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 हैं 1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या जन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे डिपु;

भरा क्या, अवस विभिन्यम की धारा 269-ग के बनुसरण था, मी, अवस विभिन्यम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षास् :— (1) श्रीमती सुशीला भानुशंकर व्यास।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयश्री एन० शेट्टी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविक्षिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इ.स. सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की द्वारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित्तवस्थ् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित मों किए बा सकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

### अनुसूची

"फ्लैट नं० 4 जो तलमाला बिल्डिंग नं० 5 ग्रन्धेरी वर्मानगर को-श्रापरेटिव होसिंग सोसाईटी लिमिटेड, श्रोल्ड नागर-दास रोड, ग्रन्धेरी (पूरव), बम्बई 400 069 में स्थित है।"

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/5264/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-2, बम्बर्ष ।

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🛭

प्र**क्ष्यु आई.टी.एन.**एस. -------

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पन्य 269-म (1) के मधीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 7 जनवरी 1985

निर्देश सं० **मई**-2/37ईई/5266/83-84-भतः स्हे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्तार हारों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० प्लैंट नं० 3, दूसरी मंजिल, "श्रार्चलीन" इ. जिन् वाही स्त्रिम, सालसेट कथा, की-श्राप० हो० मोना० नि०, सेन्ट पालज रोड, बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है (श्रीट इ.सि उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीर्धानयम 1961 की धारा 269 ब्यु के श्रीत, सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्याजस्त्री है तारीख 26-5-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त से उचित बॉजार मृत्य से क्रम के दृश्यमान . शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्विध्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख में आस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के जभीन कर दोने के अन्तरक विशेष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं जिल्हा नियम था था किया थाना थाहिए था, छिपान में सुविधा ने विकार

जतः अज, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-ग के अनुमरण कें, जैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-यं की उपधारा (१) के स्थीन, निम्नुसिखित व्यक्तितुयों, अथात् ु—

(1) श्री परेरा एन्टरप्राईजेस

(भ्रन्तरक)

· (2) कुमारी वेरा क्लारा **ग्रासा एडवांड**स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्मृत्ति को अर्चन के सिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना की राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बदिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यां नस्तों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशम की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-मद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों अग, जो अक्त सिंपनियम के मध्याय 20-क में परिभाविष्ट हैं, नहीं मर्थ होगा को उस सध्याय में विका गया है।

### अनुसुची

"पलट नं० 3, जो दूसरी मंजिल, "श्राचंलीन", प्लाट नं० 12, कान्तवाडी िन्कम, सालसेट कथालिक को-श्राप० हो० सोसाईटी लिमिटेड, सेंट पालज रोड, बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई—2/37ईई/5266/83—84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26—5—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक **प्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), **ग्रर्जन रेंज**--2, बम्ब**ई** ।

तारोख: 7-1-1985

मोहर 🛚

प्ररूप बाई, टी. एव., एत.,-------

अपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायकर नायवत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बर्ड अम्बर्ड, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश २:० **अई--2/37ईई/5285/83-84--- ब्रतः मुझे,** लक्ष्मण दास

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का सार्थ हैं दिया स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसके किमीन, प्लाट नं 242, शेर-ए-पंजाब की-ग्राप हाउकी में गईटी लिमिटेड, महाकाल केवज रीड, श्रन्धेरो, (पू), वस्वई 400 069 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इस से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा प्रापकर श्रीधिनयम 1961 के धारा 269 केख के श्रधीन, सक्षम श्रीध-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारोख 26-5-84

को प्रिंचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान शितपाल के लिए अन्तिरित की गई हैं अोर मुझे यह विश्वास का ने का वारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति पित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तीयक रूप से किथित नहीं किया गया हैं :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भाकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः, अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प्रा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमती राज मेहरा

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स विंशा ग्रसोसिएटस ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील सै 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के वास लिखित में किए जा सकारी।

स्पस्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ्हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वगुसूची

"जमीन जो सी० टी० एस०—, प्लाट नं० 242, घोर-ए₁ पंजाब को—आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, महाकाली केवज रोड धन्झेरी (पूरब), बम्बई 400 069 में स्थित है।" धनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० धई—2/37ईई/5285/83—84 धौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 26—5—1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण); भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारोख: 7-1-85

मोहर :

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुवत (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

रिर्देण सं० ग्राई-2/37ईई/5616/83-84---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विज्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

भौर जिसकी पलैट नं० 503, पांचवी मंजिल, बसींबा बुडर्लण्ड की-आप० हो०० सीसाईटी, लि०, लोखंडवाला काम्पलैक्स, चार बंगलोज के सामने, श्रम्बेरी (पिक्चम), बम्बई-58 में स्थित है (शौर इससे उपावड अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वणित है), शौर जिसका करारनामा, श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कल हो श्रधीन, सक्षम शाधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रो है नार ख 21-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाण जीकत सम्पत्ति का उपित आजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त रूपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य ने कमी करने मा खत्तसं व्यवं ने सृविधा के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धन से किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अधित् :—— (1) मैसर्स लोखंडवाला डेवलपमेंट कार्पोरेशप

(अन्तपन्)

(2) कुमारी बी० सूद

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहिया करता हुं।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क गया है। ₁

### **भ**नुसूची

"फ्लैंट नं० 503, जो पांचवी मंजिल, वर्सोवा व्युक्तैण्य को— ग्रापरीटव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, लोखंडावार 7 वास्पनैवस चार बंगला के सामने, श्रन्थेरो (पश्चिम), बम्बई—400 058 में स्थित है।"

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/5616/83-84 भीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भागुक्त (निर.क्षण), श्रर्जन रेज-2, बम्बई।

तारीख: 15-1~1985

मोहर :

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन मुखना

### मारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश सं ॰ अई-2/37ईई/5623/83-84-- प्रतः मुझे लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह से अधिक है

भौर जिसको सं ० यूनिट सं ० 18-ए, तलमाला, बिल्डिंग नं ० ए-1, अन्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड, साकोनाका, बरवई 400 072 में सित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से गणित है), और जिसका करारनामा प्रायक्षर प्रधिन्नियम 1961 के थारा 269 कला के प्रधान, सक्षम प्राथिकारों के कार्यालय, रमबई में रिजस्ट्रों है सार.ख 26-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यणान प्रतिफल के शिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन को कार है कि यथाप्याक्त सपत्ति को अचि प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति कर कार है कि यथाप्याक्त सपत्ति को अचि प्रति अतिरक्षों और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निम्नस बास्यीयक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ वं शुरं निजयी आव का बाबत उक्त भौधनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कभी करने वा उससे वचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (स) ए पी किसी साय अ किसी भने ता अन्य आफिन्दी नंदी, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1907 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयाजनार्थ अन्ती रती द्रारा प्रकट नहीं किया अध्याजनार्थ अन्ती रती द्रारा प्रकट नहीं किया अध्याजनार्थ अन्ती रती व्रारा प्रकट नहीं किया अध्याजनार्थ अन्ती रती व्रारा प्रकट नहीं किया अध्याजनार्थ अन्ति ए था, फियाने में मूर्गिक धा की लिए:

बतः वय, उकत विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वो, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्भीत्:—

- (1) 1. श्र: रमाकान्स वासुदेव पै, तथा
  2. मैमर्स राजेश मेटल एण्ड इलेक्ट्रिक्ल इण्डस्ट्रिक् (भन्तरक)
- (2) मैं सर्स अन्सा बिल्डर्स

(भन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यनार्वश करता हुं।

ज्वत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

- (46) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शरीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त अविकाश में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (अ) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितथबुध किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोड्स्साक्षरों के पाद रिगत मा विश्य जा सकोंगे।

व्यक्तिका निवास के अध्यास 20-क में परिभाषित अभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो तस अध्यास में दिया गया है।

### मनुसुची

वृतिट नं ० 18-ए, जो तलमाला, बिल्डिंग नं ० ए-- 1, झन्सा इण्डांग्ट्रयल इस्टेट, साकी विहार रोड, साकीनाका, अम्बर्ध 400 072 थे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/5621/83-34 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 26/5/1934 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम ग्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरोधण), श्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🖫

### प्ररूप बाह्र'\_टी..एर..्ष्स . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### जारत बहुकार्

कार्यांतय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्धिक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्द

बम्बर्ड, दिनांक 17 जनवरी 1985 निर्देश सं० **धर्र**-2/37**६ई**/5626/83-84---धतः मुझे, **लक्ष्मण** दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, पांचवीं मंजिल, "रिचमण्ड" बिह्डिंग, चार बंगलीज, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिमी), बम्बई 400 058 में स्थित है (भीर इससे उपावस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की थारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखा में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, रिज्यान में स्विधा के शिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अजीत :—— 39—456 GI/84

(1) मैसर्स एलश्रड इनवेस्टमेंटस ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रव संस्ताज सिह्युकराल

(ग्रन्तरिती)

(3) मैं० ओशिवरा लैण्ड डेवलप० क० लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विन्तयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीला उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्सूची

"फ्लैंट नं० 503, जो पाचवी माजिल, "रिचमण्ड" बिल्डिंग एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 13 (नया प्लाट नं०, 345-ए), चार बगलोज वसोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैमा कि ऋ० म० ग्रई-2/37/ईई/5626/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, अस्बई।

नारीख : 17-1-1985

मोहर

त्ररूप सार्चः टी. एव. एस. ------

**कायकर अधिनियम, 1961** (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं॰ श्रई--2/37ईई/5627/83-84---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार साथ 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, पांचवीं मंजिल, "रिचमण्ड" विल्डिंग, चार बगलोज, वसींवा, श्रन्धेरी (पण्चिम), बस्वर्ड 400 058 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्वर्ड में रजिस्ट्री है तारीख 26-5-1984

को पूर्वो कि सम्पति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से विश्वह है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तित है सप म किथत नहीं किया गया है ----

- (क्ष) जन्तरण से हुन्दैं किसी जाय की बाबत, उत्तक अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे स्वाने में सुविधा क लिए, और/या
- ) एती फिल्मी श्राप या किसी धन या अल्प आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त किभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स एलक्षेड इनवेस्टमेंट

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजवश ठुकराल

(ग्रन्तरिती)

(3) में ब्रोणिवरा लैण्ड डेवलयम कं लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पास्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांहस्ताक्षरी क पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगरा ची

"फ्लैंट नं० 504, जो पांचवीं मंजिल, "रिचमण्ड" बिल्डिंग, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 13 (तथा प्लाट नं० 345-ए), चार् बगलोज, वसीता, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित,हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/5627/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख 14-1-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश मं० ग्रई-2/37ईई/5637/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-25, तिसरी मंजिल, कृष्णा मोसाईटी, जुह रोड, जुह, नार्थ बम्बई 400 049 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269कख के श्रथीन, सक्षम प्राथिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की वानत, धनत, अभिनियम के जभीन कार दोने के जन्तरक से दायित्व में कभी करने या उससे नचने में बुनिधा से किए, बुद्धि/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रक्रंट नहीं किया गया था यन किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त' अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् 🔐 (1) श्री पट्टियाल प्रभाकरन

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री प्रकाण जी पारेख, तथा 2. श्रीमती केहामा प्रकाण पारेख

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**स्ची

फ्लैट नं० बी-25, जो तीसरी मंजिल, कृष्णा सोसाईटी, ज्हरोड, जुहु नार्थ बम्बई 400 039 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/5637/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी ृसहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 15-1-1985

मोहर:

### प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)
ग्रर्जन रंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/5653/83-84--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 15, जनक-दीप बिल्डिंग, सात बंग-लोज, वर्सीवा, बम्बई 400 061 में स्थित है (गौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 को थारा 269 कख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 21-5-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एस० सी० वासवानी

(अन्तरक)

(2) श्री दाते ग्रब्धुल रशीद हसन

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिस के ग्रधिभोग में सम्पत्ति कै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### बनुसूची

"शाप नं 15, जो जनक-दीप बिल्डिंग, सात बंगलीज वर्सीवा, बम्बई 400 061 में स्थित है।"

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/5653/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ऋायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 14-1-1985

मोहर:

### प्रकृप आहूं. टी. एत. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/5655/83-84—---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से बिधक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 38, सिच्चिदानन्द को-आप, मोसाईटी लिमिटेड, एन० पी० ठक्कर रोड, विलेपार्ले (पू०) बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में गौर पूर्ज रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 केख के अधीन, सक्षम प्राथिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 21-5-1984

को पूर्वाक्त संपीरत के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिअत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त कृधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । ख्राने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिरियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित ग्यक्तिसयों अर्थातः :---- (1) श्रीमती चन्द्रकान्ता एल० जोशी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सिवताबेन सी० दोरा, तथा श्री हरेन्द्र सी० वोरा

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आकां :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीटर प्रांकिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

### अनुसूची

"फ्लैंट नं० 11, जो तीसरी मंजिल, प्लाट न० 308, सिच्चिदा-नन्द को-श्रापरेटिव हाउसिंग मोसाईटी लिमिटेड, एन० पी० ठक्कर रोड (गुजरात मण्डल रोड), विलेपार्ले (पूरब), बस्बई 400 057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37ईई/5655/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 21-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज∽2, बम्बई।

तारीख: 7-1-1985

मोह्य :

### एक्य बाह्रे टी.एट.एस. ------

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### शास्त्र तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भजन रेज-2, बम्बईसे बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश स $\circ$  ग्राई-2/37ईई/5667/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से प्रियक हैं

प्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 22-ए, तन्द किशोर इण्डस्ट्रियल स्टेट,महाकाली के वज रोड, ग्रन्धेरा (पु०), वस्वई 400 093 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख, के श्राधीन, सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्री है ारोख 28-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वान महिल्ल का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे ब्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) बन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उपत जीधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की बायित्व में कमी करने या उपसे वचने में स्विधा % जिए; और/मा
- (क) तोसी किसी आय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) ज सभा अधिनियम, या धनफर अधिनियम, या धनफर अधिनियम, या धनफर अधिनियम, वा धनफर अधिनियम, विश्वासियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यम वा वा किया जाना वाहिए वा कियाने में श्रीवाधा के किय;

अतः अञ्च. त्रम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) 1. श्री प्रार०पी० हरन, तथा
2. श्री प्रान्ति गुफ्ता (एष० यू० एफ०)
(पार्टनमं मैं० एल० के० इण्डस्ट्रि)

(धन्तरक)

(2) मेसर्स एल० के० इण्डस्ट्रिज

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रांधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :--

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनभि या सुत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थाना की तामीन से 30 दिन की अवधि, नो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित स्थानतयों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूचीं

"यूनिट नं० 22-ए, नन्दिकशोर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महा-कालो, केवज रोड, श्रन्धेरी (पूरब), बम्बई 400 093 में स्थित है।"

श्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/5667/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-2, बम्बई

सारीखा: 7-1-1985

मोहर:

### प्ररूप बार्ड ्टी ्पन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) क अधीन नुमना

#### भारत सरकाडे

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1985

निर्वेण स ० अई-2/37/ईई/5571/83-84—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फलट नं० बी—32. आनन्द अपार्टमेन्टस सान्ता कून सबने रोड. बम्बई 400 054 में स्थित है (भ्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है). श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 के धारा 269 कल के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 28-5-84 को पूर्वोपत सम्पत्ति के उवित बागार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितिफल, निम्नितिक स्प से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत उक्त किंधि-नियम के अधीन कर कोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में तुर्विभा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अग्ना शाहिए था, स्थिपाने में सविधा को किए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राजेश्वर कुमार जैन

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती दिप्ती के० पटेल. तथा
  - डा० किर्ती पटेल, श्रीप
  - 3. श्रा रमेश पो० पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसभे प्रयुक्त शब्दा और पर्दो का, जो उक्त अभिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विमा गवा है। मया है।

### नन्स्ची

"फ्लैट नं० बी-32, जो म्रानन्द म्राार्टपेन्ट, आनन्द मिलन प्रोमायमेस को-म्रापरेटिव मोमाईटी लिमिटेड, मान्ताकूज सबवे रोड, मान्ताकूज (पिण्चम), बम्बई 400 054 में स्थित है। अनुसूची जैसा की कल्सल अई-2/37ईई/5671/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजीत रेज-2, बस्बई ।

तारीख: 2-1-1985 मोहर प्ररूप आइ. दी. एन. एस. -----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/5673/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25.000/ - 35 म अधिक ही

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 405, म्युनि० कार्पो० ग्रेटर बाम्बे स्टाफ्स गिलबर्ट को-आप० हो० सोसा०लि०, गिलबर्ट हिल, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयक्तर भांधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है तारीख 21-5-1984

मा प्रॉक्त सण्यान यं जीवत राजार मृत्य से कम के दृश्यमा प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगम में धारा 269 ए. ब्री. के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के सम्मृत्य रिजस्ट्रीकृत किया गया गया है और मुझे यह विद्याम करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाब की वावत, उपल सिधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के धायित्व में कमी करने था उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एसे किसी बाय वा किसी धन या बन्य वास्तियां करें जिन्हों भारतीय आसकर विधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में मुजिया के सिए:

कतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रोमती प्राणजातकौर।

(मन्तरक)

(2) श्रो टुकाराम घोंडू कराडकर।

(भ्रन्तिरती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके क्रांधभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक एवं अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रवोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पृत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गांक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थितयाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वीकर्त में से रिस्मी व्यक्ति द्वार,
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की ताप्ती से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकींगे।

स्थळकिरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्तुकी

"फ्लैट न० 405, जो म्युनिसियल कारपोरेशन ग्राफ ग्रेटर बाम्बे स्टाफ गिलवर्ट को-ग्राप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, गिलवर्ट हिल, अन्धेरी (पिष्णिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।"

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37/ईई/5673/83-84 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 21-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई ।

तारीख: 14-1-1985

मोहर 🎍

प्ररूप बार्इ. टी. एन. एस. - - -

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269 व(1) के बभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजुन रेंज-2, धम्बई बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985 निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/5678/83-84-भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी फ्लैट नं० 110, जो पहिली मुंजिल, "श्रंजली से सात बंगला, वसींवा वीलेज, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 061 में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 26~5~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप रूप से किथा नहीं किया गया है देन

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के यथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 40—456 GI/84 (1) बाम्बे हाऊसिंग कापेरिशन

(मन्तरक)

(2) श्री जी० के० शिणकर।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च चे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण :—-इसमे प्रयुक्त भव्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ हाता, जाउन अव्यास में दिया गया है।

#### नन्त्यी

फ्लैट नं 110, जो पहिली मुजिल, "ग्रंजली" बिल्डिंग,, एस॰ नं 121, प्लाट नं 2, सात बंगला, वर्सोवा वीलेज से धन्धेरी पश्मि, बम्बई 400 061 में स्थित है।"

भनुसूची जैसा कि ऋ० स० भई-2/37ईई/5678/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 26-5-1984 को राजस्टकं किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), झजुन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख: 15~1-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० द्यई-2/37ईई/5692/83-84--- ग्रतः मुझे क्षमण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलट नं० 16/242, तलमाला, भाजाद नगर, स्वीट सिक्स्टन की-प्राप० हों० सोसाईटी लि०, भन्छेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूण रूप से विणत र), भीर जिसका करारनामा भायकर प्राधिनयम 1961 की धारा 269 कल के भधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 28-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दोयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार्ट/वा
- (च) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा संविधा के सिए,

नतः समा, उनत निधितयम की धारा 269-ग के अनुसरज म, में, उनत निधितयम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को सधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बाब्रुमल मूलचन्द शांभियानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नेलराय पार्थर डिमेलो।

(प्रन्तरिती)

(3) मन्तरक श्रीर मन्य

(बह्र व्यक्ति जिसके बिधमोग में सम्यक्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वगृज्ञ्यी

"फ्लैट नं० 16-242, जो सलमाला, स्वीट सिविस्टन को-आपरेटिव हाऊंसिंग सोसाईटी लिमिटेड, प्राजाद नगर, बन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।"

धनुसूची जसा कि फ० सं० धई-2/37ईई/5692/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 28-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दार सक्षम प्राधिकार सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बर्ग

तरीच , : 15-1-1985

मोहर 🛭

्रप्रकप बार्ड्: टॉॉ. एवं. एवं.-======

मायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के भभीन स्पना

भारत सहकाड

कार्याक्ष्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भजंन रेंज-2, सम्बद्ध सम्बद्ध, दिनांक 7 जनसरी 1985

निर्वेश सं ० भई-2/37ईई/5693/83-84--- मृत्ते लक्ष्मण वास

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बाड़ा 269-क के गधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्का अधित वाजार मूम्ब 25,000/- रा. से अधिक हैं

त्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 18, मधुबन इण्डस्ट्रियल इस्टेट महाकाली केवज रोड के सामने, अन्धेरी (पू०), 400 093 में स्थित है (भौर इस, उपाबत अनुसूची में भौर पूर्ण रूप विणत है), शौर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क्ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है तारोख 28-5-1984

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उत्तके स्थ्यमान प्रतिफल से, हसे स्थ्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण जिवित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथा नियम के अभीन कर दोने हैं जन्तरक के दायित्व में कमी कद्भने या असवे बल्ला में सुविधा को लिए; बीट/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विधा वे लिए;

बतः वष, सबत विभिनियम, की धारा 269-ग कै बनुसरक में, में, उन्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, बधीत हि— (1) 1. श्रीमती उमाबी० गुप्ता, तथा 2. श्रीमती श्रनोता एस० गुप्ता।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स धार्ट पैंक

(मन्तरिती)

(3) प्रनारक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वपुत्रकी

"यूनिट नं 18, जो मधुबन इण्डस्ट्रियल इस्टट, सहाकाली रोड सामने, के प्रन्धेरी (पूरब), बम्बई 400 093 में स्थित है

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37/ईई/5693/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, जिम्बई द्वारा दिमांक 28-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्वर्ष

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहुरै.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्ज न रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 15 जनवरी 1985

निर्वेश सं० धर्६-2/37ईई/5718/83-84--- मतः मूझे, लक्ष्मण वास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट मं० 427 (पाट), बान्त्रा टाउन प्लामिंग नं० 3, 15नीं पा० एस०-- 3 बान्त्रा, बम्बई में स्थित है (भीर इस उपायक भनुसूत्ती में भीर पूण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के भधीम, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28--5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रिपिक्त के लिए बन्तरित की गई है

है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्स सिंधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भग या बन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में वृद्धा के जिल्हा

वतः वयः, उत्ततः विधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसर्थ में तमें, उपत विधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, पिस्निसिक्त व्यक्तियों, अथात् "--- (1) लिटल प्लोबर को-ग्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसाईटी लिमिटेंड।

(प्रन्तरक)

- (2) मैंसर्स वेभव लेन्ड डेबलपमेन्ट कारपोरेशन। (अन्तरिती)
- (3) टिलर्स और डाक्यूमेंट (ग्रर्जन डी॰ श्रीराधारा और 2 ग्रन्य क्लेमेन्ट) (वह व्यक्ति , जिसके ग्रधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्य
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

### ममसूची

"जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं० 427 (पार्ट), बान्त्रा टाउन प्लानिंग नं० 3, 15वीं टोपी एस०-3 बान्द्रा सिटी में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० धई-2/37ईई/5718/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख : 15-1-1985

मोहर 🕄

प्रकल मार्ड. टी. एन. एस.------

(1) मैसर्स समय डेवलपमेन्ट कार्पेरिशन

(मन्शरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना (2) श्री धन्योनी डामनिक मेन्डोका

(मन्तरिती)

#### भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायका (निरीक्षण) भजन रेंज-2, बम्बई

यम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं ० प्रई-2/37ईई/5719/83-84-- मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000 रं रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 008, तलमाला, बी० नं० ए-21, अपना घरयूनिट नं० 5, की-आप० हों० सोसा० लि०, भोशिवरा विलेज, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (भीर इससे पावक अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है तारीख 4-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रमिश्वत से अधिक है और बंतरिक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्त्विक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय का आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### **मन्स्**ची

प्लैट नं० 008, जो तलमाला, बिल्झिंग नं० ए-21, भ्रयना घर यूनिट नं० 5 को-ग्रापरेटिय हार्ऊसिंग सोसाईटी लिमिटेझ भ्रोणिवरा, जे० पी० रोड, चार बंगला के पास, भ्रम्धेरी (पश्चिम) बस्बई में स्थित है।"

श्रनुसूत्रो जसा कि कि कं सं कि मई-2/37ईई/5719/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 4-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संसम प्राधिकारी, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण), बर्जन रेंज-2, बस्बई।

तारीख: 15-1-1985

मोहर 🗈

### प्रक्य**ु वाह्र<u>ै.</u> डी. एन., एस**.-----

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अभीन स्वना

### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/5730/83-84---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन सहित वाल, सी०टी० एस० नं० 661, 661/1,661/2 तथा 661/3, बीलेज विलेपार्ले (प०), ईला गांवाठण, बम्बई 400 056 में स्थित है (श्रीर इस, उपाबद, भनुसूची में श्रीर पूण रूप विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 कखाय के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28-5-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य में कम के रहयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल में, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया जया प्रतिफल निम्नसिक्त उद्देश्य से उन्त अंतरण सिवित् में शास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है द्

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम को अधीन कर दोने के अस्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

जतः अष. उक्त अधिनियमं की धारा 269-व के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री जाव उर्फ डामनीक परेरा

(मन्तरक)

(2) मैसर्स निकेश ईण्टरप्राइजेस

(मन्तरिती)

(3) भाडोत।

(बह ध्यक्ति, जिसके ग्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां बुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगरा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नप्तुनी

"जमीन सहित भाल जो सी०टी० एस० नं० 661,661/ 1, एवं 661/3, ईला मांवठाण, वीलेज विलेपाल (पश्मि), बम्बई 400 056 में स्थित है।"

भनुसूची जसा कि कि क सं क्याई-2/37ईई/5730/83~84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🖫

प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

(1) जे० पी० बिल्डासं।

(2) श्री चम्पकलाल मागरचन्द जैन।

से (भ्रन्तरक)

(धन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का । भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### प्रांच्य सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निड्किन) धजन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनोक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० भई-2/37ईई/5696/83-84---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, तीसरी जिल, यिद्या विला नं० 3-ए, 24-सी/ए, भोल्ड बागरदास रीड, श्रन्धेरी (पूरब), बम्बई 400059, में स्थित है (श्रीर इससे, उपाबद्ध स्रनुसूची भौर पूण रूप से बणित है), भौर जिसका करारनामा स्नायकर अधिनयम 1961 की घारा 269 कल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यांत्व बबंई में रजिस्ट्री है तारीख 28-5-1984

को पूर्वोक्त संस्पित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफंश के तिए जन्तरित की गई है जौर मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निनिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए। बीर/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृजिधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### ननुसूची

"पसैट नं ० 4 जो तीसरी मंजिल, विद्या विला नं ० 3-ए 24-सी/ए० घोरुड नागरदास रोड, प्रन्धेरी (पूरव), बम्बई 400 069 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/5696/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनोक 28-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण), भ्रजन रेंज-2, बम्बई ।

कतः, अन्, उक्त विभिनियमं कौ भारा 269-ए कौ अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

**सारीख: 15-1-1985** 

मोहर 🖫

१कप् नाह्रौ्ु टॉ ्र एम् . एस ु॰ - ≃ ----

# भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

### प्राप्त ब्रुकान

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रजंम रेंज-2, बम्बई बम्बई, बिनांक 15 जनवरी 1985 निवेंग सं० श्रई-2/37ईई/6103/83-84---थतः मुझे सक्मण वास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, तथा गैरेज, 'मिरी लैण्डस नाथं म्रउतेन्यू, सान्ताकूज (पश्चिम), बम्बई—54 में स्थित है (भौर इससे ऊपायत अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भायकर भधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 14-5-1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वस्तरण से हुई किसी अध्य की बावत, उक्त विधिषयम को अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, बॉर/मा
- (श) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के सिए;

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण को, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिक्त व्यक्तियों, अधीन, सम्मसिक्त व्यक्तियों, अधीन,

(1) मैसर्स एम॰ पार॰ एन्टरप्राधित :

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राहुल देव बर्मन।

(भ्रन्तरिती)

(3) मन्तरक

(यह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों । र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चित्रित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया प्या हैं।

### वन्स्पी

पर्लंट नं० 102 तथा गैरेज, 'मेरीलण्डस" बिह्डिंग, नाथ भवेग्यू, सान्ताकूज (पश्चिम), बस्बई 400 054 में स्थित है।' भनुसूची जैसा कि क० सं० मई-2/ईई/6103/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को एजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीच: 15-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. - -

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्र $\frac{1}{2}$ -2/37ई $\frac{1}{2}$  $\frac{1}{6}$ 120/83-84-श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, छठी मंजिल, कोहिनूर अपार्टमेंटस "ए", जोगेश्वरी (पश्चिम), वस्बई 400 060, में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रजिस्ट्री है तारोख 28-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियां का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनेक्श के निया

कतः बवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के झर्म्स्स्य में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 41—456 G1/84 (1) श्रोमनी प्रनीता आडवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रोमतो मरियम मुलेमान, तथा 2. श्रोमतो झलेखा मोहम्मद रिफक।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पर्वाकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### • जनसूची

पर्लट नं० 604, जो छठो मंजिल, कोहिन्र, ग्रापार्टमेंट "ए", जोगेश्वरो (पिण्चम), बस्वई 400 060 में स्थित है।" श्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/6120/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 28-5-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)। श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-5-1985

मोहर:

### प्ररूप बाद् . टी . एत् . एस . ------

**बायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के बधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रर्ड-2/37ईर्ड/5634/83-84---श्रत. मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलट नं० बा-4, पहिली मंजिल, श्रीम सोमतार्थ को-श्राप० ही० सोसा० लिमिटेड, 35-जेली राजन,
बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा
श्रायकर श्रीधीनयम 1961 का धारा 269 कख के श्र्यांन, सक्षम
प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है तारोख 25-5-84
को पूर्णेक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इर्यमान
कितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य,
उसके दरयमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंभ
वित्रकत किया निम्नोक्तिक एस्टेडेंग के करन करने निर्माक किया में अस्तिक कर में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अल्प्यास हो किसी आय की सम्बक्त, उक्त अधिनियम के अधीन धर हो। के अन्तरक के दायित्व में काभी करने या उसमें बचने में सुजिधा के लिए; बीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 \* (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर विधिनियम 1057 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

बात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ बाधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) थी। गीड़क रिबेली

(श्रन्तरक)

(2) श्री मरियाना सायमन परेरा।

(भ्रन्त∫रती)

(3) ग्रन्तरितं। ग्रीर परिवार।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यशहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रिंधी स्थितिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० बो~4, जो पहिली मंजिल, श्रोम साई-सीयं को~ग्राप० हौसिंग सोयाईटा लिमिटेड, शेली राजन, बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है।"

श्रनुसूची जसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/5634/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाक 25~5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तार्गा**ख**: 7−1−1985

माहर

### प्रकृष् आहें. टो. एन. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-- ४, वम्बर्र

बम्बई, दिनाक 15 जनवरी 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसका स० पनट न० 18, पावरी मजिन, "ए" व ग, "ग्राशिवाद", ग्रोशिवरा वोतेज, अन्वेरी (पश्चिम), वस्वई में स्थित हैं (ग्रीर इसम उपावड प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वणित हैं), ग्रीर जिसका करारगामा ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कब के ग्राधीन वस्वई स्थित सक्षप प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, नारीख 4-5-1984

को पुर्वोध्नत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कै रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिथों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिपियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) र उत्त प्राधिनियम, क धन-कर अधिनियम, क प्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या क किया जाना बणहण्या, छिपाने में नुविधा क लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मसर्म अर्शिवाद इण्टरप्राईजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतः स्रजिता श्रार० शाह ।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके द्वांधभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग म श्रधोहस्ता-क्षरा जानना है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्थन को किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सुबना के राजपान प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्य तस्त्रेबंबी व्यक्तियों पर सुबना का तानील में 30 दिन की अविध्य, जो भी अविध्य बाद म समापा होती ते, क भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजरत में प्रकाशा की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर मस्पत्ति में हित्बश किसी प्रत्य व्यक्ति अरा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त जना पोर पर्धा का, जो उन्त प्रश्चि-त्रयम है अध्याय 11) ह में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उम भ्रष्टयाय में दिथा गया है।

#### बराय की

पलट नं० 18, जो पालवी मजिल, "ए" विग, "ग्राणिबाद," निर्माणाधीन ईमारत, एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 11 भ्रोणिबरा वीलेज, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बस्बई में स्थित है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

**नारीख. 15-1--1985** 

मोहर:

प्रकप आहें .टी. एन , एस . ------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० प्रई--2/37ईई/12193/83--84--भ्रतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिकात

भीर जिसकी सं० पलैट नं० बी/5, तलमाला, "बी" बिल्डिंग, सुनीत निवास की--श्राप० ही० सोसा० लि०, चार बंगलीज के पास, जे०पी० रोड, श्रन्धेरी, (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिवीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्जिस्ट्री है तारीख 1-5-1984

प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय ह् बली में धारा 269 ए. बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है और मुभ्ने ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे सस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकार्य) को बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) होती किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्यिनों में सर्विधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण वें, मैं उक्ते अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसित्तित व्यक्तियों, अर्थात् डिल्स् (1) श्री हरेश बी० कोटवानी।

(भन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर नारायण मोहिले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्जान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ध) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

### भनुसुची

"फ्लैट नं० बी/5, जो तलमाला, "बी" बिल्डिंग, सुनीत निवास जो-म्राप० हाउसिंग सोसाईटी लिमीटिंड, प्लाट नं० 89-90, चार बंगलोज के पास, जे०पो० रोड, ग्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है)"

श्रनुसूचो जैसा कि कि सं० श्रई-2/37ईई/2193/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख: 14-1-1985

मांहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

## कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

शायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी प्सं० पलट नं० 301, तीसरं। मंजिल, "पाईम रोड" बिल्डिंग, चार बंगलोज, वर्सीवा, श्रन्धेरी (पिण्चम) बम्बई 400 058 में स्थित है (श्रीर इससे, उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रयकर अधिनियम 1961 के धार, 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारी खान-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में समिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः वनः, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-गं के वन्सरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित :— (1) मैसर्स यास्मान कार्पोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मलीम मोहम्मद सानी वल्द मयत मोहम्मद महमूद सानी।

(धन्तरिती)

(4) मैसर्स ग्रो। शवरा लैण्ड डेवलप० क० लिमिटेड (वही व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षर) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करक करता हुं।

## उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, शही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ध**नुसूची

"फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, "प्राईस रोज" बिल्डिंग, एस० नं० 41 (पार्ट) के म्लाट न० 318 पर, बार-बगलोज, बर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), वम्बई 400 058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जसा कि कै० सं० ग्रई-2/37ईई/12198/83-84 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका**री,** सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज→2, **बम्बई**।

तारीख: 14-1-1985

## प्रकृप बाईं.टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 198.5 निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/12199/83-84—श्रत. मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 2, तलमाला, "कमानी फिल्ड" बिल्डिंग, चार बंगलीज, वर्मीवा, अन्धेरी (पश्चिम), वस्बई 400 058 में स्थित है (श्रौर इसने उपावद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूपर से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में राजिस्ट्री है तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उत्तित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य मं उक्त अन्तरण चिखत में वास्तविक रूप से क्षिय नहीं किया गया है ---

- (फ) अन्तरण म हुई किसी लाध की बावत, उत्कत्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिगाने में सुविधा के लिए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रामतः लक्ष्मा रमण भाटिया, तथा श्रा रमेशठाकुरदास भाटिया

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हसन ग्रली मिर्जी

(अन्तरितीं)

(4) म० ग्रोशिवर लैण्ड डेवलप० कम्पन। (प्र०), लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जन्ता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

कां यह सूचना आरी करक पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्ति में पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, के भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस स्चिता के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्रतार अधाहस्यक्षरी के पास निर्माचन मा किए जा सक्ती।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुस<del>ूची</del>

"शाप न० 2, नलमाला, 'क्लानिफल्ड'' बिल्डिंग, एस० नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 15 चार बंगलोज, वर्सोवा, भ्रन्धेरी (पश्चिमी) बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कल्सल अई-2/37ईई/12199/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2, बम्बई ।

> > 1 4

तारीख : 14-1-1985

## प्रकल बाह्र'. टी एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जनवरा 1985

निदेश स अई-2/37-56/12200/63-84—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रविधनारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर नज्यां न जिसका योचत बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लंटन० 102, पहली मजिल, ''क्राममेंट्स 2'' बिल्डिंग, चार बंगलोज, वर्सोबा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), श्रीर जिलका करारनामा बायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीत गक्षम श्रीधकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीखत उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण निम्तित विश्वत

- (क) जनतरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त बाधिनिष्ट्रज के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या रससे बचने में सृविधा के लिए बार/वा
- (था) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्यास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अर अधिनियम, या धन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था छिपान मा स्तिधा के लिए

बत अक्ष उक्रत अधिनियम को धारा 269-ग क अनुसरण कां, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तितयो, अर्थात —— 1 मेमर्स यारमीन कार्परिशन

(अन्तरक)

अभी पीटर नोलास्को ईसीकोर डिमोजा

(अस्तरिती)

4 मेसमं ओशिवरा लैंण्ड डेवलप० क० लिमिटेड। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्मत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह<sup>ू</sup>!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्मन के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद प्रसमाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण. — इसमें अयुक्त शब्दों और पर्वो का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## बनसभी

फ्लैंट न० 102, भो पहली मजिल, "कासमेंट्स-2" बिल्डिंग, एस० न० 41 (पार्ट) के प्लाट न० 334 पर बार बंगलोज, बर्मोबा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैमा कि क० म० अई-2/37-ईई/12200/ 83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक र-5-1984 की रिजस्टिंग किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयक्त अायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, **बम्बई**

तारीख 14-1-1985 मोहर प्रस्प बरहाँ, टी., एत्. एस्.,-----

भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यांकव, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12205/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी/6, जो तलमाला, "बी" विंग, सुनील निवास को-आप० हो० सोसायटी लि० चार बंगलोज के पास, जे० पी० रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिखित में अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्स विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा को सिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 26%-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26%-य की उपधार (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :- 1. श्री लक्ष्मण डी० कोटबानी

(अन्तरक)

2. श्री विनय प्रभाकर मोहिले

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के कर्जन के निध् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोए भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी भन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्त्यी

फ्लैट नं० बी/6, जो तलमाला, इहूबी" विंग, मुनील निवास की-आपरेटिव हार्जीसग सोसाईटी लिमिटेड, प्लाप्ट नं० 89-90, चार बंगलोज के पास, जे० पी० रोड, अन्धेरी (फिचम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-2/37-ई5/12205/83-84गौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/12210/83-84--अत: मुर्झे लक्ष्मण वास,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुत्र से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 703, सातवी मंजिल, ठक्कर अपार्ट मेंट ''ए'', मी० डी० बर्फीबाला मार्ग, अन्येंरी (पिष्चम), बम्बई-400058 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विच्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्विच्य से उक्त अन्तरण किचल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दाचित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविकाल लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तिस्यों, अर्थात :----

1. मेसर्स कु अमरदीप अदर्स

(अन्तरक)

2. श्री णमसुद्दीन मोहिद्दीन अली

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिबर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

प्लैष्ट नं० 703, जो सातबी मंजिल, ठक्कर अपार्टमेंट, हुए", सी० डी० बर्फीवाला मार्ग, अन्थेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37-ईई/12210/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाहु<sup>5</sup>. टी. एन. एस. -----

आग्रफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कायां तयः, रहायक गायकार आधुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई अम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० अर्ध-3/37-ईई/12211/83-84--अतः मुझै, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उठन अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के डार्गा गश्य प्राधिकारी का, यह प्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पास, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-11, जो, अवर होम को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिं०, प्लाट नं० 18-21, थाके कालोनी के वाजू में, श्रंपेरी, बम्बई-58 में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पूर्वा किन संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269-ए. बी के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूच के पासे रिजस्ट्रीकृत किया गया ही जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तिगित्रों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलीखत उद्देश्य से अक्षा अन्तरण लिखत में वास्तिक का म किथत नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय याकिसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अस्तिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिनी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया रास, चाहिए था विषया में सुविधा के लिए;

अत अब, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधीत् — 1. श्रीमती एस० ए० लेविस

(अन्तरक)

2. श्री रमेण एस० वाडके और अन्य

(अन्तरिती)

3. अन्तरतियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस स्थान के राज्यज में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त गींधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्तुची

फ्लैंट नं० ए-11, जो अबर होम को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि० प्लाट नं० 18-21, थाके कालनी, गंथेरी, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० धिक्द-2/37-ईई/12211/ 83-84 गौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

## इक्स काई., टी., एन., एच.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

## मारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/12212/83-84-**- मत**ः मुम्ने, लक्ष्मण दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्समें इसके पश्च्त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 205, दूसरी मंजिल, राज महल एम्पार्ट, बी० नं० सी० गोडन के पास, एक्स्प्रेस हायवे, जोगेश्वरी (पू०), बम्बई-400060 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 2-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इत्यमान अन्तरित की गहुर के लिए और अन्तरिप्त प्रतिफल के की गर्ह लिए रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धर्ममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरती (अंतरिसियों) के बीच एं से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कम्मारण से हुई किसी बाव की वाबत, सक्तु विधिनियम् के अभीन कर देने के बन्तुरक के दायित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविभा के सिए; और/या
- (च) एकि किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया बाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बतः बन, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग कै जगुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री भीमराव काणोराव ठाकरे सथा,
 (2) श्री ग्राप्टण भीमराव ठाकरे

(ग्रन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र जयक्रष्ण गोसावी

(भन्तरिती)

3. यन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की बहु सूचना बारी कारके प्वोक्त सम्पत्ति के अजन के तिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उन्तर सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सञ्चन्यी व्यक्तित को पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर नुर्धान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बंदभ किसी केन्स्र व्यक्ति द्वारा, अधोहम्लाक्षरी के पास निधित में किस्तु का सकेंगे।

स्वकाकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों अदि पदों का, को उक्त विधितियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हारेगर जा उस अध्याय में दिया गुजा है।

## अनुसुची

पलैट नं० 205, जो दूसरा मंजिल, राज मह्ल श्रपार्ट मेंटस, बी० एम० सी० गार्डन के पास, एक्सप्रेस हायवे, जोगेश्वरी (पूर्व) एस० नं० 138 एवं 138/1 से 30 तक मजास वीलेज, जोगेश्वरी (पूरव), सहसील श्रन्धेरी बम्बई 400 060 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० म० श्रई-2/37-ईई 12212/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ् लक्ष्मण दास मक्षम शाधिकारी स**हायक भ्राय**कर भ्रायुक्त (निरीक्षण) **भ्रजन** रेज-2, बस्बई

**वारीख:** 5-1-1985

बक्ष. बाइ े टी. एक. एस. ----अ

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं॰ **भई**-2/37 **ईई**/12227/83-84---**भ**तः

मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 404, चौथी मिजल, हार्मोनी बा बिल्डिंग, चारबंगलोज, वर्सोवा, अन्धेरी, (पश्चिम), वम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधव नियम 1961 की धारा 269क, खे के प्रधीन, सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, तारीख 4-5-1984

को प्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रांक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं पाया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अस्तरक के दायित्व मां कमी करने या उसमे बचन मों मृतिधा के निए; और/या
- (क) एसी कियी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना नीहिए था, छिपान हो स्विधा के किया

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. मेसर्स यास्मीन कार्पोरेशन

(भन्तरक)

2. (1) श्रो मोहम्मद फारुख मली तथा (2) श्रीमती मली

(भ्रन्तरिती)

3. मैं० भ्रोशियरा लैण्ड डेबलप कं० लिमिटेड .
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
श्रिधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक प्याक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए का सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## वम्स्यी

फ्लैट नं० 404, भो चौयो मंजिल, ''हार्मोनो-बो बिहिंडग, एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट ौनं० 343 पर चार बंगलोज, वसोवा, प्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।''

भ्रानुसूची भैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37 ईई/12227/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को राजस्टड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, यम्बई

तारीख: 14-1-1985

बच्च बार्ड . ठी . एव . एव . ------

मायकर अभिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के क्यींच सूच्या

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेज-2, बम्बर्घ बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985 निदेश सं० भ्रई-2/37-ईई/12228/83-84--- श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्तम प्राभिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्चित्त बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी स० पलट त० 14, बिल्डिंग त० 20, मनीय-नगर, अन्धेरी (पिण्चम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-5-1984

को प्विधित संपरित् के उचित बाधार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मृके यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीं को बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तक्विक स्था से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक बो दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा चे शिए; अडि/वा
- (क) एसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, ६६९ विभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिनम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. श्री बिज किशोर शर्मी

(भ्रन्तरक)

(1) श्रीमती वलीबेन धनजी पटेल, तथा
 (2) श्री घनजी गेला पटेल

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के किन कार्यक्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कार्ड्स भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जविथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति इता;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में दितवद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वाय वधोहस्ताक्षरी के पाड़ जिवित में किए वा सकोंगे।

स्पर्व्यक्रिरणः— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रमुख्य

फ्लैट नं० 14, जो बिल्डिंग न० 20, मनीनगर, ग्रन्धेरी (पिंचम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37 हर्दि/12228/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रॅंज-2, **वस्वर्ध**

तारीख: 15-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप. बाइ. टी. धन. एस. ----

बायकर ब्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व्र (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/12231/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ी जिसकी सं० पलैट नं० 301, जो, तीसरी मंजिल, सिटी-जन, प्लाट नं० 27, एस० नं० 41 (अंग), ओणिवरा 4 बंगलीज, अंधेरी (प०) बम्बई-58, में स्थित है (और इससे उपावक्क अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 8 मई 1984

कां पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तहक ते हुइ किसी बाव की बावत, उक्त बाधितियम् के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; क्षी अ/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में स्विया के लिए;

अतः अस , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (।)
के अधीम, निम्नसिति व्यक्तियों, वर्षात् ■—-

(1) मैसर्स रविराज कार्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री मोहमद युसूफ हिंगवाला, और श्रीमती रहिंमाबाई एस० हिंगवाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहयां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या ततस्वनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में क्षे कियी स्थित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकते.

स्बद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनसर्ची

फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मजिल; सिटीजन, प्लाट नं० 27, एस० नं० 41 (अंग) ओणिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई-59 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि० क० सं० आई-2/37 ईई/12231/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 मई को 1984 रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 15-1-1985

मोहर 🖫

## प्रकप नार्. टी., एन. एस.-----

- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० आण-2/37हैहै/12233---अतः मुक्षे लक्ष्मण दास,

स्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601 जो 6वी मंजिल, "सिटीजन" फ्लाट नं० 27 आफ एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगलोज, ओशिबरा, वर्सोवा, अंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), गौर जिसका करारनामा आयकर अथिनियम 1961 7 कि थारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। दिनांक 3 मई 1985

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दृलहाम म धारा 269 एम०बी० के अर्तिगत सक्षप अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजिस्ट्रीकृत किया गया है और मुझे यह विक्वास

करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रिक्ति के एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिस उद्योद्य से उच्छ अन्तरण निम्निसित में वास्त्र-बिक रूप मे कथित नहीं किया गया है :--

- (क) नन्तरण में हुई किसी बाय की बावत बच्छ विध-सियम के नभीन कर दोने के बच्चरक से बाजित्व के कमी करने या सससे स्थाने के सुविचा के सिवे; बार या/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नी=किंक व्यक्तियों, अभित् ः⊸ (1) मैसर्म रविराज कार्पीरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री मेख शब्बीर अमिर।

(अन्तरिती)

का यह भूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कायवाहियां मुक्त करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्व्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिक्सित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चवा ही।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 601 जो 6वीं मंजिल प्लाट नं० 27, सिटीजन एस नं० 41 (श्रंष), 4 बंगलोज, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की० ऋ० सं० आई-2/37ईई/12233/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/7मई 1984 को रजिस्टर्ड किया कया है।

लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक<sup>र</sup> श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

विमांक : 1-1-1985

मोहरः

## प्रकृष आर्ड. टी. एष. एस. -----

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

## भारत संरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, वस्वद्

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/8152/83-84---अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

शामकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आंफिस बेंअरीं नं० 33, लक्ष्मी नारायण शांपिंग सेंटर, पोदारं रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की थारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 मई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कस निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन धार धाने के बक्तरक के दाधिस्त में कभी कारने वा उससे बचने में सुविधा के बिए, और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन वा बन्य बास्तिबों को जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना थाहिए जा, कियाने में सुविधा के किए,

बतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भारत कुमार सी० गाधी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीनिता निवेतन कोठारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की सबीध या सत्संबंधी त्यक्तियाँ पर सूचना की डामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि दाई में समादत लोकी हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के शावपत्र में प्रकाशन की सार्रीत हैं
  45 जिन के भीतर उक्त स्थान्त क्यारित में दितन्त्र किसी अन्य व्यक्तित त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

स्मक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को अक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उसा प्रध्याय में दिया नवा हैं।

## अनुसूची

आंफिस बेअरींग नं० 33, जो, लक्ष्मी नारायण शांपिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/8152/83-84 ग्रीर जो पत्रत्र प्राणिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ¶1-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

महिर :

## प्ररूप कार्य: टी. एन. एस.-----

## भाषकर लिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के लभीन स्वना

## भारत सरकार

आर्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० आई-2/2/37ईई/12239/83-84---- अद: मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- ए की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं 502, पांचवी मंझील, "रिचमण्ड" बिल्डिंग वर्सेंबा, चार बंगलोज, अंधेरी (पिष्चम), बम्बई—400058, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है और जिसका करारनाम आयकर अधिन्तियम 1961 कि धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्रा-धिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 4 मई 1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक ने बायित्व में क्यी करने या उनसे अपने में मृतिभा के निए; बार/बा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का रि) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैसर्स एलझेड इनवैस्टमेंटस ।

(अन्तरक)

- (2) श्री हसन इनबालअली क्वैसरअली मर्चन्ट । (अन्तरिती
- (3) में गोशियरा लैंण्ड डेवलप कं लि । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।

को यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्गवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से A5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ष्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं मर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं० 502, भो पांचवी मंझील, "रिचूमण्व" विल्बिग एस० नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 13 (नया प्लाट नं० 345 (ए) चार बंगलौज सबर्सेवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची भैसा की ऋ० सं० आई-2,37 ईई12239 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया है )

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :- 14-1-1985 मोहर:

· 43 -456 GI/84

प्ररूप, आई. ही. एन. एस. -----

आयः र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार **काय्क्त (निरीक्षण)** श्रजन रेज 2 वस्व**ई** 

बम्बई, दिनाक 15 जनवरी 1985

निर्देश स० **गई**-2/37**ई**%/12259/83-84 मुझे लक्ष्मण धास,

आपकर र्गां विश्वस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रिक्ट प्रारंग्य उदान अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% में अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मृज्य १/२ स अधिक है

ग्रीर जिसको स० फ्लॅट न० ए~1 तलमाला विश्वगीत को श्रापरेटिव हाऊपिंग सोमाईटो सिमिटेड घार ोड ग्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400058 मे (धीर इसम उपाबद्ध धनुमुचा मे घीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिलवा करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 र्लि धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रतिधकार के बार्यालय में रिजस्ट्रो है विनांक 4 मई 1984 का अभावत सपस्ति क सचित बाजार मूल्य से कम के कपमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का करण है कि यशाप्तीयत संस्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसकी अध्यमान परिष्कल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया र्जालक अल्लाहर का अल्लाहर के स्वाप्त के स्वाप वान्टरीय रूप में किशत नहीं किया गया है है---

- (१) धा भा से हाइ किसी आय की वाबत, उक्त गा।त्यम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाशिल्य में बामी कंग्न या उसस बचन में सुविधा मान करियां का
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या कन्य आस्तियों ना, ि शारित्यों आयकर अधिनियम, 192? (192? क) 11) या उक्त अधिनियम, या धनना प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के स्योजन(थ जंतिरित्री दवारा प्रकट नहीं किया गया भारा किया पाना चाक्षिण था, खिपाने में सुविधा के किया

बत बच उपल बिधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में उदन अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिनिस्त स्थिततार्थों, अर्थात — (1) मेख कुतवृद्दीन गुलाम हुसैन ।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री धरमबीर राम

(भन्तरिती)

को यह समान आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जबत सम्परित है अर्जन के संबंध में कोर्ज भी आक्षेप --

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 44 विन की अनीन या नत्मवाध व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी अविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से तिस्मी क्यक्ति दवारा,
- (म) इस सचना क राजगत्र मा पताशन को ताराख स 45 दिन क भीता गत्त स्थात्र सम्पत्ति मे हित-बद्ध किमी यादित देवान, प्रधाहिस्ताक्षणी के पास निभित्त माँ चिए का सर्वान।

स्यव्योक्तणण '--- ममाँ प्रयक्त शब्दा और दिशा, जो उक्त शिविषिम, के अध्याद 20-क माँ परिभाषित हैं, बही श्री शिंगा जो उस अध्याद माँ दिया समा हैं।

## वन्स्वी

"फ्लैट न० ए-1, जो तलमाला, विश्वगीत को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमाटेड, चार बंगला रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई - 400058 में स्थित हैं।" अनुसूचों जैम: कि अम स० अई-2/37ई<sup>2</sup>/12259/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनाक 4 मई 1984 को राजिस्टर्ड किया गंगा है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2 बम्बई

विनांक : 15-1-1985

म ज्य माइ र . दी . एन एस . -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभाग

## MERCH BECKER

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्वर्ष्ट

बम्बई, दिनाक 15 जनवर। 1985

निदेश सं० **प्रई**-2/37ईई/12267/83-84--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्व 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिनक सं० फ्लैट न० 33, गुरुनगर बिल्डिंग नं० 11, त्य श्रवेड ज्योल प्रोमा को० श्रापरेटिंव हाउसिंग सोमायटो, जे० पी० रोड, श्रन्धेरां, (प) बम्बई -59 , मे स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंड श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं श्रीर जिपका करारनामा, श्रायकर श्रिधिनिय, 1961 की धारा 269 के खं के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे राजस्ट्रो है दिनांक 4 मई 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, छत्तके रूप्यमान प्रतिकल से एसे व्यवमान प्रतिकल का प्रमुख्य, छत्तके रूप्यमान प्रतिकल से एसे व्यवमान प्रतिकल का प्रमुख्य प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिंह तब पाना गमा प्रतिकल, निम्नसिखत उद्ध वस से उक्त अन्तरण निविष्त में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसो जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिस्हं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 1392 / का 11) ा उनत जांचीनकर, या अन कर जांधानयम, 1957 (1957 को 27) में प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
   अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथाति ह---

(1) श्रोमतो क्षरोना ग्रजक्ष जान ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रा जावेद ग्रस्तर मिद्दको तथा

(2) श्रोमती नयनतारा सिद्दिकी ।

(मर्त्तारती)

का मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) एस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 4.0 दिन को अनिव मा तत्सम्बन्धी व्यायतया पर म्चना की बामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यायः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंग।

स्वक्कोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों गौर पदों का, जो उक्त गौधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ हांगा जो उसे अध्याय में विया गया है।

## मनुस्ची

"फ्लैट नं० 33 जो गुरु नगर बिल्डिंग नं० 11, न्यू ज्योत प्रीमायसेस को भ्रापरिट्य हाण्याम सोमायटा जे० भी० रोड, श्रन्धेरा (पश्चिम ), बम्दई -400058 में स्थित है।" अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37 ईह/12267/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांह 4 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी. सहाकम ग्रायकर ग्रायक्त (दिरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बज्बई

दिनांक : 15-1-1985

मोहर:-

बन्द आर्थ टी. **एन** . एस . -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक नायकर कायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2 वम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

छोर जिसको सं० फ्लैट नं० 8, चौथी मंजिल, श्री. सस्था, न्यू, इण्डिया कालोन। के सामने जुहु लेन श्रन्धरेर। (पण्चिम), बम्बई -400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। में और पूर्ण इप से वणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनयम 1961 कि धारा 269 क छ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्द्री है दिनांक 5 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रति-फल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेख में उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं पाया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किती बाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिक्सा के लिल्; और/बा
- (च) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (192? जा 1:) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था., कियाने में सुविधा के निएए,

असः अन , उक्त अधिनियम की धारा 269-म के नन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स सोतालक्ष्मा एण्ड कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० रामस्वामी।

(ग्रन्तरिती)

(4) मैं हाउसिंग क्षेत्रलपमेन्ट एण्ड फायनान्स कार्पोरेशन लि० (वह व्यक्ति , जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

## अनुसूची

"फ्लैट नं० 8 जो श्रीथी मंझील, श्री सस्था, न्यू इण्डिया कालोनी के सामने जुह लेन ग्रन्धेरी (पण्चिम), एस नं० 207 की तथा 207 डी (पार्ट) एवं० सीं०टीं० एस० नं० 518 (पार्ट) प्लाट "सी" बम्बई -400058 में स्थित है श्रनुसूची जैसा कीं० ऋ० सं० श्रई-2/ 37 ईई/12275/ 83- 4 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 मई 1984 को राजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

िवनांक :-- 1-1--1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जागुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० म्राई—2/37ईई/12283/83—84——म्रतः मुझे, क्ष्मण दास,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 319-ई, तिसरो मंजिल, ग्रंजली एस० नं० 121 प्लाट नं० 2 सात बंगला वसीवा वोसोन बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम, 1961 का धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4 मई

को पृथांक्त सम्पोत्त के उचित बाजार मृल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तिया करो जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवः., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स बाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशन ।

(भ्रन्सरक)

(2) (1) श्रीमती तुराबबी मोहम्मद खाजा तथा

(2) श्री मोहम्मद खाजा शेख मेहबुख ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तम्मील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकते।

स्पर्ध्वीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो डक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

"फ्लैंट नं० 319-ई जो तिसरी मंजिल : ''घंजली'' बिल्डिंग, एस० नं० 121, प्लाट नं० 2, सात बंगला वर्सोवा वीलेज, बम्बई में स्थित है।''

श्रनुसूची जैसा कि० क० सं० धर्ड-2/37 हैई/12283 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 मई 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भा**युक्त निरक्षिण) **श्रजं**न रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनांक :- 15-1-1985

शहर :

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, विनांक 15 जनवरी 1985
निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12286/83-84-प्रातः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 120, पहिली मंजिल, ब्लौक "ई", श्रंजली, वर्सोवा वीलेज, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 5 मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे रहयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ये किथत किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिशाके लिए;

ङत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स बाम्बे हाऊसिंग कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्द वैंकटराव जोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- धद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बनुसूची

"फ्लेट नं० 120, जो पहिली मंजिल, क्लॉक "ई", भंजली बिल्डिंग, एस० नं० 121, प्लाट नं० 2, सात बंगलोज, वर्सोवा बीलेज, बम्बई में स्थित हैं।"

ग्रनुसूची जैसा कि फ़०सं० ग्राई-2/37—ईई/12286/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रैंज-2, **बम्बई** 

तारीख: 15-1-1985

मोहर 🗯

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० भई-2/37 ईई/12288/83-84--- श्रतः मुझे, **अक्**मग दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 428, "श्रंजली", चौथी मंजिल, ब्लाक "जी", वर्सोवा वीलेज, बम्बई, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रजीस्ट्री है, तारीख 4 मई 1984

को पूर्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेसर्स बाम्बे हाऊसिंग कार्पोरेशन ।

(श्रन्तरक)

(2) डॉ॰ सतीश वी॰ तुपकारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## जनस ची

"फ्लेट नं० 428, "ग्रंजली" बिल्डिंग जो एस० नं० 121, प्लाट नं० 2, सात वंगला, वर्सोत्रा वीलेज, बम्बई में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि क॰सं॰ श्र $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{2$ 

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीज्ञण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

मोहरः

## प्रकृत बाइं.टी.एन.एस.------

नापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

## भारत सुरकाइ

## कार्यालय, सहायक भायकार वायुक्त (निरीक्तण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1985 निर्देश सं० ग्नई-2/37 ईई/12290/83-84---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, जो, ग्राउंड फलोग्नर, विनेता-बी, बिल्डिंग, डां० चरत सिंग रोड, चकाला, ग्रंथेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 5 मई 1984

कां पृथांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उाचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था. किया में स्विधा के निष्;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :--- '(1) शशी प्रौपर्टोज एण्ड इंडस्ट्रिज लि०, (डेव्हलोपर्स) ।

(मन्तरक)

(2) श्री विरुफेड डिकोस्टा।

(म्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरकः। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रथिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिंखित में किये जा सकोंगे।

स्युष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

"फ्लेट नं० 4, जो, ग्राउंड फनोग्नर, विनेता—बी" बिल्डिंग, चकला, डॉ॰ चरत सिंग रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि०सं० श्रई-2/37 ईई/12290/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

## प्ररूप थाइ. टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आगकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्नर्जन रेंज−2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985 निर्देण सं० श्रई-2/37 ईई/12291/83-84—श्रतः मुझे, क्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० रूम, फ्लैट नं० 3 के बाजू में, दूसरी मंजिल "विनीता", "बी" बिल्डिंग, काला, श्रन्धेरी (पूरब) बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कु,ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, नारीख 5 मई,

कों पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अपय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में. उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) वे कर्षक विधवनित्रमित व्यक्तियों, अर्थात् ६—-44—456 G1/84  (1) 1 मेसर्स भाषी प्रापटींज एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमीटेड तथा
 2. विनीता श्रन्धेरी को-प्राप० हो०मोसा०, लिमिटेड।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एम०एडवर्ड यड्डीस ।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

"रूम, जो दूसरी तथा तःसरीमंजिल के दरम्यान, "विनीता", फ्लेट नं० 3 के पास, जकाला, श्रन्धेरी (पूरब), बम्बई में स्थित हैं।"

ग्रनुमूची जैसा की ऋ०सं० ग्राई-2/37 ईई/12291/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज⊶2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

त्रकप बाइं.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## भारत बरकार

कार्यालय, स**हायक आय**कार आयुक्त (**निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12296—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101-श्री, जो, पहली मंजिल, डेन्झील बिल्डिंग, प्लॉट नं० 31, एस०नं० 41 (ग्रंशे), श्रोशियरा, 4 बंगलोज, ग्रंझेरी (पं०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 5 मई 1984।

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर में धारा 269-ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रोकृत किया गया है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिता (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, खबत शिंकियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य जास्तियां करे, विनहां भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनसा अधिनियम, वा धन-फार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुनिवा के लिए;

कतः थवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स रविराज डेम्ह्लोपर्स ।

(ग्रन्त रक)

(2) श्री मुभाष रामचंद्र पेवेकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

## ब बच संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नामीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की व्यक्ति या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के मीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मपित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-य से परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

## म्मृत् की

पस्तैट नं 101-बी, जो, पहली मंजिल, डेग्झील बिल्डिंग, प्लांट नं 31, एस०नं 41(श्रंग), घोणिवरा, 4 बंगलोज, श्रंधेरी (पं), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/12296/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1984 को रजीस्टर्ज किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

मोहर:

7 M. . . . .

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर वृधिनियन, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांफ, 14 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12301/83-84—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं०-3, तलमाला, बिल्डिंग नं० 5; वर्मानगर, श्रोल्ड नागरदास रोड, श्रन्धेरी (पू०), बस्बई 400 069, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री है तारीख 7 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय शिवाजि नगर मे धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूल/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरुष से हुइ किसी बाद की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रामित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या कत्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोचवार्ज स्थारती इवारा प्रकट नहीं किया ववा वा वा विकास का आहिए था कियाने वें स्विभा के सिए;

बतः वन, उपल अधिनियम की बाख 269-न के अमृतरण वी, मी, उसल अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— (1) श्री हर्षदराय भानुशकर व्यास ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नारायण जी० सेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को मह सुखन। नारौ करके प्रांकित सम्परित के वर्जन के तिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध, में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निकार में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मसर्ची

"फ्लेट नं० 3, जो तलमाला, बिल्डिंग नं० 5, **वर्मी** नगर, ग्रोल्ड नागरदास रोड, श्रन्धेरी (पूरब), बम्बई 400 069 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37-ईई/12301/ 83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षत जाबिकारो सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 14-1-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भागकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सुद्धन्तर

## कार्यान्य, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, अम्बई

बम्बई दिनांक, 15 जनवरी 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/12305/83-84---श्रतः मुझे, सक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूम्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० फ्लेट नं० 8, दूसरी मंजिल, "ए" विंग, "श्राणिवाद", श्रोणिवरा बीलेज, ग्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 7 मई 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धीने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जन जल, उन्त जिन्नियम की धारा 269-थ के जनसरण अ, अ, अक्त जिथिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) ले क्योर, निस्तिजिस स्थितियों, जर्थात् ः—- (1) श्रीमती सरोज के० मेहतां।

(जगरह)

(2) श्रीमनी कविता एस० घई।

(अन्तरिती)

- (3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रन्तरक ।
  (वह व्यक्ति, जिसके
  बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह
  सम्पत्ति में हितबद्ध
  है)

को यह सूचना भाषी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की हारीब सं 45 दिन की वर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस स्कृता के राजपत्र में अकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किश जा सकरें।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथीं का, जो उक्त अधिनियम, के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नमृत्यी

"फ्लेट न० 8, जो दूसरी मंजिल, "ए" विंग, "भ्राणि-बाद" निर्माणाधीन ईमारत, एस०नं० 41(पार्ट), प्लाट नं० 11, भ्रोणिवरा वीलेज, भ्रन्धेरी, बम्बई में स्थित हैं।"

धनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ध्रई-2/37-ईई/12305/ 83-84 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकची, बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण द⊥स

सक्षम प्राधिका ह

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15~1-1985

## वक्त बहाँ, टो. एन्. एवं.------

## जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुचना

## ब्राइत चंद्रकाड

## कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>हाक्षण)</u> श्रर्जन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 15 अनवरी 1985

निदेश स० श्रर्श-2/37-ईई/12306/83-84---श्रतः मुझे, . लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पलेट न०सी-4, गीता प्रकाश को-श्राप० हाँसिंग सांसाईटी, चार बगला के पास, जे०पी० रोड, श्रन्धेरी (पिल्वम), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 5 मई 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान्
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, इसक ख्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंग्रह
प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अत्रकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया
प्रतिफल, निम्ननिचित् उद्यक्ष से उन्तु बन्तर्ण लिचित
में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्स विभिनियम के व्योग कर दोने के वृन्दर्क के श्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा चे विष्टु; ब्राहर्टवा
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन था अन्य आस्तियों कार, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या भन्कड अधिनियम, या भन्कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने से सुविधा के लिए,

वदः वृतः अन्तः जीवनियमः वशी भाषः 269-व के व्यवस्थानः वो, गी, उक्तः जीभनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1), को अभीतः, निस्तनिधित क्यींक्सयों, अर्थास् क्ष्यकः (1) श्री मधुकर शकर फहाणे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी लछमनदास शहानी। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृत्रों क्य संप्रतित के अर्थन के निर् कार्यवाहियां करता हुए।

## उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियुं;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्धों और पर्वों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया परा हैं।

## समस्त्री

"फ्लेट न० सी-4, जो गीता प्रकाण हाऊसिंग सोसाईटी, चार बंगला के पास, जे०पी० रोड, श्रन्धेरी (पिश्चम); बम्बई 400 058 में स्थित हैं। ♣

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०स० श्रई-2/37-ईई/12306/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-मई 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 15<del>-</del>1-1985

मोह्रर :

प्ररूप आर्च. टी. एन., एस., =-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अभीत सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/12310/83-84—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० पलेट नं० जी, 202. जो, समोर, दूसरी मंजिल, श्रविनाश के पीछे, जे०पी० रोड, सेवन बंगलोज, ग्रंधेरो (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रदान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्री है, ताराख 7 मई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्धा पूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रुप्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्रत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् ः— (1) श्रामती मंजू मिश्रा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोविवेक प्रभाकर नावने।

(भ्रन्तरिता)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति कुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंबे।

स्थळकिरणः ---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसुची

"फ्लेट नं० जी-202, दूसरी मंजिल, समीर, धविनाश के पीछे, जे०पी० रोड, सेवन बंगलौज, भ्रंधेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क॰मं॰ ग्रई-2,37-ईई/12310,83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

अधिभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) की अधीन सचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० धर्इ-2,37-ईई,123/1683-84—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० णाप नं० 12, तलमाला, "सी" बिल्डिंग, झोहरा ग्राचाडी नगर, यारी रोड, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधोन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्न अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स बाम्बे बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

(2) श्रा राम श्राचरण यादव।

(श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4 ि दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकैंगे।

स्थव्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

"शाप नं० 12, जो तलमाला, झोहरा ग्राघाडी नगर, "सी" बिल्डिंग, यारी रोड, बर्सोंबा, बम्बई में स्थित हैं" श्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० श्रई-2,37-ईई,12316,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14—1—1985

मोहर 🛭

प्रस्म गाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अधीन स्वना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, तारोख 14 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/12319/83-84--- भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25.000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० फ्लेट नं० 304, जो तोसरो मंजिल, "ग्रीन फिल्डम-की" विलिडंग, चार बंगलोज, वर्सोबा, भ्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 को धारा 269 क,ख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावस, उक्स विधिवयम के संधीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कमी करने वा उबसे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) एमे फिसी बाय या किसी थन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा असे निए '

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) मेसर्स यास्मीन कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामता विमला भारिया।

(श्रन्तरितः)

(3) मैं अोशिवरा लैंग्ड डेवलप० क० लि०

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पक्ति हैं) गरीकरके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

"फ्लैट नं० 304, जो तोसरी मंजिल, "ग्रीन फिल्डस्-बी" बिल्डिंग, एस०मं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 333 पर, चार बंगलोज, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा,की क॰सं॰ भई-2/37/ईई/12319/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

प्रक्प. बाह्र . टी. एन. एत. -----

# नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

भ्रजैन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12335/83-84—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 411, जो, चौथी मंजिल, वसींवा मनिष को-ग्रांप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, मनिष नगर, 4 बैंगलोज, जे०पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजोस्ट्री है, तारीख 7 मई 1984 को प्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूके यह बिखाम करने करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दिश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, है निम्नितिवित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण कि लिए त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोनं के जन्तरक के दायित्व के कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग क अमृतरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलि**धित व्यक्तियों**. अथित । (1) श्री शिराझ अकबर अली मेहेरग्रली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनाल कुमार दास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## समस्यो

"फ्लेट नं० 411, जो, चौथी मंजिल, वर्सोवा मनिष को-आंप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, मनिष नगर, 4 बंगलोज, जे०पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्ष०सं० श्रई-2/37-ईई/12335/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-1984 को रजीस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

मारीख : 15-1-1985 मोहर :

45 ---456 GI /84

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आध्यक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12336/83-84—न्न्रतः मुझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2 तथा शाप नं० 2, तरुण भारत को-ग्राप० होर्झीसंग सोसाईटी लिमाटेड, डा० करंजीया रोड, चकाला, ग्रन्धेरी (पू०), बस्बई 400 099 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिशिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 8 मई 1984।

को पूर्वेक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पन्ति का उचिता बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती कम्सरितियों) के भीच ऐस प्रन्तरक के निए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नालिक्ट उर्वेश से उसल सम्बर्ग लिखित में बासा-

- (क) प्रश्नारण से हुई विश्वी आय की बाबत एक्ट प्रसि-विवस के ब्रहीन करवन के प्रश्तारण के वाजिए में क्री करन या क्यांसे वसन में सुविधा के ब्रिए; फीर्स्या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गन्ना था या किया जाना महिए था, निकार व सविभा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमतो णालिनी लक्ष्मण भेडें।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री घिसूलाल अनराज नाहर।

(भ्रन्तरितो)

(3) ग्रन्तरितो । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिमोग मे सम्पत्ति है)

का मह सूचना आरी करके पृशांक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

चनत सम्परित के क्षर्यन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अभाषत होती हो, के भीतर पूर्वाकत करविरामों में से सिक्की ध्यवित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा राजेंगे।

स्पाका करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नगा है।

## वस्य ची

"फ्लेट नं० 2 तथा शाप नं० 2 जो तरुण भारत को-ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाईटा, प्लाट नं० 34, डा० करंजिया रोड, चकाला, ग्रन्धेरी (पूरव), बम्बई 400 099 में स्थिस हैं।"

प्रमुस्त्री जैसा की कर्स० श्रई-2/37-ईई/12336/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1985

प्रकृष आहें. टी. एक. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अभीन स्वता

## भारत बहुकाड

स्थर्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्डीक्रण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवर। 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12361/83-84—-प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क्य कारण है कि स्थावर संपरिस जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसका सं० फ्लेट नं० 2, जो, ग्राइंड फलोभ्रर, विभावरा को-ग्राप० हार्क्सग सोसाईटा लि०, 4 बंगलोज रोड, ग्रंधेरा (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनयम, 1961 का धारा 269 क,ख के अधान वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10 गई 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिकित या वास्त है क्या स्था है क्या

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-दिवस के अधीन कर दोन के अन्तरक के वास्तिल भें कभी करने या जससे व्याने में शुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या वन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिस व्यक्तियों, अर्थार :--- (1) श्री जयंत नामदेव शिवलकर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मीबेन रतन्थी।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की वारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की वासील से 30 दिन की अविध, को भी वविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति स्वारत;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्तोकरण ह—इसमें प्रयुक्त अन्दां और पर्यों का, ओ जन्त जिन्दाम् के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा मना हैं ।

## अनुसूची

"फ्लेट नं० 2, जो, ग्राउड फलोश्चर, विभावरी को-ग्रॉप० हार्जिसग सोसाईटी लि०, 4 बंगलोज रोड, ग्रंघेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/12361/8 3-8 4 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **भर्जन रेंज-2**, बम्ब**ई**

सारीय . 15-1-1985

माहेच 🛭

प्रक्य बाह्रें, टी. एन ु एस :-----

भायकर माधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउ 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार आयुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेज-2, बम्बई
वम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/12362/8 3-8 4--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित आजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० फ्लेट नं० 5, दूसरी मंजिल, "ए" विग, पदमावती, ग्रोशिवरा, जें०पी० रोड, वसींवा, श्रन्धेरी (पिचम), बम्बई 400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 4 मई 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् श्रितशत से मिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया नवा श्रितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , धिन्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्

बतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को सभीगृ, निम्नतिथित व्यक्तियों, वर्थात् म्र--- (1) श्री पव्मावती जैवलपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रा दुराई स्वामी श्रीधरण।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

## अनसची

"फ्लैट नं० 5, दूसरी मंजिल, जो "ए" बिंग, "पद्मा-वती", एस०नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 54, श्रोशिवरा, जे०पी० रोड, चार बंगला के सामने, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 059 में स्थित हैं।"

प्रमुख्ती जैसा कि कल्सं प्रई-2/37-ईई/12362/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख : 15-1-1985

माहर 🛭

. .

## प्रकार बार्ड. टी. एन. एस<u>.</u>------

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अप्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निदेश सं॰ ग्रई-2/37-ईई/12363/83-84---- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख अधिनी सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, खीथी मंजिल, "बी" विंग, श्रीशिवरा, श्रम्धेरी (पिश्चम), वम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारतामा आयकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजांस्ट्री है, तारीख 4 मई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण के बिस्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने में उसमें अचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था फिपाने में सविधा के सिए;

बत: अज, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, कक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रा पद्मावती डेवलपसं।

(भ्रन्सरक)

(2) 1. श्रीमता बीणा एन० जमानिया, तथा 2. श्री नरेश पी० जगानिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बर्णा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख स 45 दिन के भीतर उक्ष्म स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी ह पास लिसिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- हसमें प्रयुक्त शब्दों शरेर १था का, जा उक्त जाभिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

"फ्लेट नं० 4, जो चौथी मंजिल, "बी" विग, एस०नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 54, ग्रोणियरा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं।"

भ्रनुसूची जैसा कि क्र॰सं० श्रई-2/37-ईई/12363/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दारीख: 15-1-198 5

मोहर 🏅

प्ररूप आईं. टी, एन. एस.,-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1985

वम्बद्ध । दनाक 15 जनवरा 1985

निवेंश सं० ऋई-2/37-ईई/12365/83-84—-भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, छठा मंजिल, "ए" विंग, श्री पदमावती डेवलपर, श्रन्धेरी (पश्चिम)में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्य) में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीविनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तार ख 4 मई 1984।

को पूर्वीत सस्म्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीकन सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्ति खिक रूप से किश्वत में वास्ति खिक रूप से किश्वत में वास्ति खिक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आं€/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम था धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स श्री पद्मावती डेवलपर्स ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रो धानी खूबचन्द शिवदासानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति सो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (खं) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो छब्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

"फ्लेट नं० 5, जो छठी मंजिल, "ए" विग, एस०नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० 54, श्री पद्मावती डेवलपर, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं।"

श्रमुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/12365/83-84 और जी सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 4-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हापक ग्रायक**र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रैंज-2 बम्ब**र्ड**

तारोख: 15-1-1985

मांहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभवा

## भारत सरकाड

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

वम्बई दिनाक 15 जनवरो 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12378/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका मं० पलेट न० 4-ग/34, जो, वसींवा व्हयू को-ऑग् हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० 13, 4 बंगलो रोड, ग्रंथेरा (प०) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्रनुसूचा मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रंथान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 10 मई, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितंत्रल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया थया प्रतिफल निम्नतिवित उप्देश से उक्त अंतरण जिथित के बास्तिविक रूप से अस्त अंतरण सिक्षित

- (क) अन्तरण के हुई किसी नाव की वाबता,, उनस विवित्यम के बचीन कर दोने के नंसरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में समिधा को सिए, और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य कास्तियों का, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुहरण में, में, उदन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीगः, निम्निजित्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह--- (1) भी मेन्युग्रल वेल्लापन मेलविन ।

(ग्रन्तरक)

(2) थ्रा गापाचय गंगाराम मधराना ।

(श्रन्तरितीः)

(3) श्रम्तारत। । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

à

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

बजत संपरित की अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास व्यक्तिय। में में किसी व्यक्ति द्वारण:
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उस्त स्थापर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अला जीतर द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास निम्नित में कि ए जा सर्कोंचे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदांका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गबा हैं।

## यगच्छी

"फ्लेट नं० 4-ए/34, जो, बर्सीवा, ब्ह्यूको-ऑप० हाउ-सिंग सोसाईटो लि०, प्लाट नं० 13, 4 बंगलो रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क॰सं॰ अई-2/37-ईई/12378/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 10-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ल**क्ष्मण** दाम मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख 15-1-1985

## पक्ष बाइ . टी . एव . एव . -----

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की बाड़ा 269-च (1) को अधीन सूचना

## शारत दरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12398/83-84---- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हुँ

श्रीर जिसकी मं० पलेट नं० 403, चौथी मंजिल, "ग्रीन-फिल्डस्-बी" बिल्डिंग, चारबंगलोज, वर्सोबा, ग्रन्धेरी (पिष्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 11 मई 1984।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इद्यमान प्रतिफास से, एसे इद्यमान प्रतिफाल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल कल, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अंतरण लिखित में घास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त ऑध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिखल में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाश प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) उझीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात् ः--- (1) मैसर्स यास्मीन कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तृम्दा चन्द्रशेखर।

(मन्तरिती)

(3) मैं० ओशिवरा लेन्ड डेवलप'' कं० लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिह कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सन्धि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 29-क में प्ररिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

## बन्स्की

"फ्लेट नं० 403, जो चौथी मंजिल, "ग्रीनिफिल्डस्-बी" बिल्डिंग, एस०नं० 41 (पार्ट) के प्लाट नं० 333 पर, भार बंगलोज, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पिष्चम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/12398/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 14-1-1985

### प्रकार कार्र टी. एन. एस. - - - ----

# भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रई~2/37-ईई/12407/83-84—श्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/-रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 13, तासरी मंजिल, सुमीत, जै०बी० नगर, प्लाट नं० 17, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई 400 059 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 11 मई, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिकल् के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया पया है :---

- (क) अन्तरण ने अपूर्ण किसी आय की वावत, उपत अभिनियम के अभीन कर वीने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने मा अमस त्याने में सुविधा के सिरु आहै / धा
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह अगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चालिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरणः में, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) से निधनित किस्तिका कामितकों कर्मातः ।——

46 -456 GI/84

(1) श्रीमती कान्ताबेन दामोदरभाई गांधी।

(म्रन्तरक)

(2) 1. श्री अभय दत्तात्रय प्रथाल्ये, तथा 2. श्रीमती श्राध्विनी ग्रभय श्राठल्ये।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकारों।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया . गया है।



#### धनसर्ची

"फ्लेट नं० 13, जो तीसरी मंजिल, सुमीत बिल्डिंग, फ्लाट नं० 17, जे०बी० नगर, ग्रन्धेरी (पूरब), बम्बई 400 059 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा की क॰सं॰ ग्रई-2/37-ईई/12407/83- 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11/5- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बस्बई** 

तारीख: 15-1-1985

### प्रक्य वार्षः दीः एनः एकः ------

मायकर मॅभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के मभीन सूचना

#### माहत बहुकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायका (फिट्रीजन) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1985 निर्वेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13402/83-84—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1906-ए, 19वीं मंजिल, ''ब्राईटन टावर-ए'', चार बंगला, वर्सोदा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई 400 058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से बंणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11 मई, 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे गृह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल सं कि प्रथामन प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिश्ति में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है :---

- (क) मन्तरक वे इन्हें जिल्ही बाब की बाबस, उसस मित्रियम में प्रधीन संग नेने के स्रान्तरक के मित्रक में कभी करने वा उससे जजने में सुविधा के जिल्हा और/बा
- श्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अल-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के गर जरार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया आना बाहिए था कियाने में सुविधा है सिए।

जतः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधित :---

- (1) श्री श्री चन्द विष्णूदास लालवानी। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मीनू हरीय पारियानी। . (अन्तरितो)
- (3) मे० ग्रोणिवरा लैण्ड डेबलप० कं० (प्रा०) लिनीपेड । (वह व्यक्ति, जिसके आंधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पृताक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी असे पास निवित में किए जा सकर्ग।

स्थळीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा सा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ दोगा जो उस अध्याथ में दिया गया ह<sup>3</sup>!

#### 444

"फ्लेट नं० 1906-ए, जो 19त्री मजिल, "ब्राईटन् टावर्स-ए" एस०नं० 41(पार्ट), जाट न० 356, चार बंगला, बसौंदा, श्रन्धेरी (पिचम), जम्बई 400 058 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०स० अई-2/37-ईई/13402/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 11-5-198/4 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सन्नम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15-1-1985

प्ररूप आहे टी एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

### भारत स्रकात्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० भई-2/37-ईई/17325/83-84—भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, छठी मंजिल, "नेसल" बिल्डिंग, जे०पी० रोड के सामने, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारेनामा भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14 मई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नवा मा या किया जाना चाहिए था, कियाने जे सिक्श के सिक्:

कतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिविद्या व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) हरासिद्ध कार्पोरेशन।

(श्रन्तरक)

(2) पंकज जे॰ दुबला।

(अन्तरिती)

 वा वह क्ष्मना थाड़ी करके व्यक्ति नम्परित के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पर्वाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विधिनयमः के कथ्याव 20-कः में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ववा है।

#### भनुसूची

"फ्लेट नं० 6, जो छठी मंजिल, "नेसल" (निर्माणाधीन ईमारत), श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-ग्राप० हाऊसिंग सोसा-ईटी लिमिटेड (प्रायो०) प्लाट नं० 78, युनिट नं० 638, जे०पी० रोड के सामने, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400 058 में स्थित हैं।"

श्रनुसूची जैसा की श्र०सं० श्राई-2/37-ईई/17325/83-84 श्रोर जो सक्षम - प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-1-1985

मोहर 🛭

### प्रकाप बाइं. टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना -

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37-जी/3635/83-84—अतः, मुझै, सक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिनकी सं० प्लाट न्यू एम० नं० 1/1554 पार्ट सी० एस० नं० 375, कलेक्टर का नया नं० 1/14557, माहिम डिब्हीजन, कड़ेल रोड, बम्बई (स्ट्रक्चर के साथ), में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन सारीख 16 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास फरन त कारण है कि यथापूर्वोक्त उम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृक्यमान प्रतिफल से, ऐत वृक्ष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश सं प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्नविक ७० के खावित नहीं किया गया है !—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बच्चणे में सृविधा के सिए; आंड/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

कतः बद, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) 1. श्रीमती झैनाब हणन रहीमतूला
  2. प्रोफु (श्रीमती) रोकाया सूलतान डोसाल घौर
  3. डां० रहिम हुसेनअली मूलजानी।
  (अन्तरक)
- (2) श्री मधूकर बाबा कोटीयन ग्रौर श्रीमती नरसी मधूकर कोटीयन। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

- उत्कर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्तं अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

"अनुसूची जैसा की विलेख सं० बाम 2761/80 ग्रीर जो उप-रजीस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 16-5-1984 को रजीस्टर्फ किया गया है।

> नक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 1**4<sup>2</sup>्-**1985

मोहर ्

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

आग्रकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37-जी/3642/83-84---अतः मुझे, सक्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं प्रापर्टी स्ट्रक्चर के साथ, जो, प्लांट नं एस बने 278 एच बने 13 पार्ट, सी ब्टी ब्रिंग विदेश एस बने 1456 (पार्ट) एस बने 284 एच बने 5 पार्ट, सी ब्टी ब्रिंग विदेश एस बने 1449 पार्ट, एस बने 278 एच बने 18, सी ब्टी ब्रिंग विदेश एम बने 1459, व्हिलेज दांडा, ग्रेली राजन, बान्द्रा, वम्बई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विपत है), रजीस्ट्रीकंती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 25 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया इं

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधीन,

(1) घंलेक्स माटींन फर्नान्डेस श्रीर फेलोक्स लॉरेन्स फर्नान्डेस !

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ इत्यू वर्ड को-आंपरेटिय हार्डीसग सोसाईटी लि॰। (भ्रन्तरितो)

को यह 'सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग ।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### वन्स्धी

''अनुसूची जैसा की विलेख सं० 2217/83, और जो उप-रजीस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।'

> लक्ष्मण दास सभा प्राधिकारी सहायक खायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थं न रेंज-2, वस्वई

वारीख: 14-1-1985

माहर 🖫

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

19277 - 7 4 7 370 200 - 211

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुद्ध (निर्माक्षण)

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1985

निया सं॰ आई-2/37/ईई12238--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, तो धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,009/- रा. भ अधिक ही

और जिसकी सं० 3 पर्लंट नं० 406, ए जो, 4थी मजिल केन्स्रील बिल्डिंग 31 एस० न० 41 (अंग), श्रीमिवरा, 4 बंगलोज, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है ), श्रौर जिसका करारनामा आयकर आधिनियम, 1961 कि धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 3 मई 1984

को प्रविक्त सपित्त के उचित जाजार मूल्य र कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है औं मूर्क यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचं एसं अन्तरण के िए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक एप से किथत नहीं किया गया है....

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय का बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दी के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने मध्यन में सृतिका के सिक्ट; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 'या धन-कर बाँधनियम, 'या धन-कर बाँधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविभा के निए;

भातः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मैसर्स रिवराज डेव्हलोपर्स ।

(श्रन्तरक)

(2) मुलचंद कुंदनदास मनवानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सबंध में कोई भी माक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा चो उस अध्याय में "दिया गया हैं।

#### **मन्**स्पी

"पलैट नं० 406-ए, जो 4थी, मंजिल हेन्सील बिल्डिंग, 31 एस० नं० 41(अंश), ओशिवरा, 4 बंगलीज, श्रंधेरी (प०), बस्बई-58 में स्थित है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी . सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोक :-- 15-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

### भारत बुदकाड

### कार्यातय, सहायक कायकर कामृक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं॰ अई-3/37-ईई/8173/83-84---अत:, मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 303, जो, तीसरी मंजिल, "एफ विंग, "ग्रंटलान्टा", प्लॉट नं० 38, ऑफ वालनाय व्हिलेज, मार्व रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अथिनियंम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 मई 1984।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से ब्रिक है और अंतर्क (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त बंतरण निकित में बास्तिवक
क्य से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तरण में हुई किसी बार्य की बावस, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग कैं अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेचस् आर०जी० बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री गणपथी वेंकट अय्यर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करन हु।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारीन की तारी ह से 45 विश्व की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

श्वष्टीकरण - प्राप्त भव्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही वर्थ होगा वो उस अध्याय में विदा

#### वनसची

फ्लेट नं० 303, जो, तीसरी मंजिल, "एफ" विंग, "ग्रंटलान्टा", प्लांट नं० 38, आफ वालनाथ व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-3/37-ईई/8173/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख . 10-1-1985

प्ररूप आर्चे.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, १०६१ (1961 का 43) की धारा २६०-छ (1) के सधीम मचना

#### मारत सर्वम्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/8150/83-84---अतः, मुझे, ए० प्रसादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम पाधिकारों को यह विद्यास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका तिवत बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक हैं

25,0007-र से का विक है

भीर जिसकी सं उ दुकान बेअरींग नं 27, जो, प्लॉट बेअरींग सी किटी एम वर्न 348, एफ व्यो वर्न 5-ए, लक्ष्मी तारायण शांपिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिपका फरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ज हे अधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 को पूर्व कि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रतिकास के लिए बतरित की गई है जरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्व कित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एमें क्ष्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे असरण के लिय नय पाया नया प्रतिकाल नैम्मिसिकत उब्देश्य से उसत बन्तरण के लिय नय पाया नया प्रतिकाल निम्मिसिकत उब्देश्य से उसत बन्तरण के लिय नय पाया नया प्रतिकाल निम्मिसिकत उब्देश्य से उसत बन्तरण के लिय नय पाया नया प्रतिकाल निम्मिसिकत उब्देश्य से उसत बन्तरण के लिय नय पाया नया प्रतिकाल निम्मिसिकत उब्देश्य से उसत बन्तरण के लिय नय पाया नया प्रतिकाल कर्य से किया नहीं किया वहा है ---

- (क्या) जल्लारण संशुद्धं क्यिन्द्री आस की जातन उपन स्थिनियम के अभीन कर दाने के शन्तारण के शिक्षिक मां कमी करणे था उसस स्वाने की सांबिका के व्यक्ति, बीस क
- (क) एसी किसी शय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम 10 र (1422 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं भिया गया था वा किया जाना चाहिए अर किस्सान धे
- कत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के अभीत, निम्निलिसित अक्तियों, अर्थात -

(1) श्रीमती हंसा ए० शहा, श्रीमती मालती एच० गहा, भीर श्रीमती विमल एस० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री हनुमान ट्रेडर्स (पार्टनर) खेताराम बी० संत, भवरलाल एल० चौहान, विष्णुदास टी० वेस नूवे।

(अम्तरिती)

को ५व स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादिया शुरू करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपितत द्वारा
- (व) इस ब्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव वें
  45 विन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध
  किसी बन्ध व्यक्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के पाव
  निवित में किस वा सकोंगे।

स्वक्यीकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उन्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं,, बहुति अर्थे होगा को उस अध्याय में विका गया है।

#### यमस्यो

दुकान बेंबरींग नं० 27, जो, प्लॉट बेंबरींग सी०टी० एम० न० 348, एफ०पी०नं० 5ए, लक्ष्मीनारायण शांपिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/8150/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राथिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनोक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० अई-3/37अईई/8128/83-84--अतः, मुझे,

ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दूकान नं० 2, जो ग्राउंब फ्लोअर, (निर्माना-धीन इमारत) पार्ट "एँ जमीन बेऑरंग सी० टी० एस नं० 397, 397, 1 से 6, विलेज वालनाय जे० बी० कालोनों भोलेंम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क; ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ब्यो गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापृतोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोत्तात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जंतकरण के जिए तय पाक भ्या प्राप्तकन, निम्नलिखित उद्योक्य से उसत जंतरण निचित में बाकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) बंतरण भी कृषं किसी गाय की बाबता, उक्त जिल्लीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (N) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य असिसयों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 कि(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विभा की लिए,

यत: शय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---47---456 GI/84 1. मेसर्स लुबीन इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

श्रीमती गुलशन सहानी .
 श्रीर कुमारी गुनीता सहानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

डक्त सम्परित को यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षांप '--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 चिन की सबिध मा तत्सम्बन्ध क्विसायों प्रव स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत पारितलयों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 । दन क भीतर जन्म स्थाप्त प्रमत्ति में हित- वह किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए का कर्में ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदो का, जो उकत अधि-नियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### *।* अस्य ची

दुकान नैं० 7, जो प्राउंड फ्लोअर निर्माणाधीन डमारत, पार्ट-ए, जमीन बेअरिंग नं० सी० टी० एस० नं० 397, 397/1 से , विलेज वालनाय, जे० बी०कालोनी, श्रोलेम मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3,37अईई/8128 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्झ किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (भिरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्र**रूप**. आई. टी. एत. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० अर्ध-3/37-ईर्ध/7803/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य (1904 के से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 37, जो 4भी मंजिल, मालाड विश्वशांति को आप हाउसिंग सोसाईटी लि०, केदारमल रोड़ मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार एवं उसके दुव्यमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्योग से उक्त अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्योग से उक्त अन्तरण के लिए तथ

- 'का) अरारण सं हुई किसी जाय की बाबत उपस अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करन या उससे उचने मो मृतिधा के लिए, और/या
- स्रो एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 /1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पा-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रशासनाथ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की लिए

अस त्रवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मां, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) का अनेन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

1. श्री मूलजी भाई देवशीनाई पटेल

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल कानजी पटेल

(अन्तरिती)

को बह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध ए कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अभी। या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्त्रा की जनीध जा भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि त्यक्तियों में स कियी व्यक्ति दगरा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्य किसी अस्य व्यक्ति दार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिन के किए जा सकर्ष।

स्पष्टांकरण '—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पटों का, जो उसत अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरे अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

Ŋ.

### बन्स्की

क्लैट नें० 37, जो 4थी मेंजिल, मालाब विश्वशांति की-आप० हार्जीसंग सोसाईटी लि०, केदारम रोड़, मालाब (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-3/37-ईई/7803, 83-84 भौर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, **बम्बई**

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आर्ष: दी. एन. एषः : "----

1. मेसर्स न्लेम्बल ईटरप्र।यसेस

(अन्तरक)

आयध्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

2. कुमारी लारेन केरेजो

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3,37ईई,8081,83-84-अतः मुझे ए० प्रसाब,

आयक र अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं**अ**धिक हौ

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो 1ली मंजिल, निर्माणा-**धीन इ**मारत, प्लाट र्न० 16,ए, सी० टी० एस० न० 432, विलेज वालनाय, भोर्लेम, मालाब (प०), बम्बई-764 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख ) अधीन, बम्बहै स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मृल्य से कम को ध्ययमान प्रतिफोल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपीतत का अधित नाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेदेय से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित मही किया गया है 🦫

- (क) अन्तरण संहार्ड किसीकाय की शावतः, **७वरा** अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने मा उससे बजने में भौतिभा के लिए; और गा/
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन **या अन्य आस्तियाँ** को, ज़िन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या अवन अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविभा को लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🕏 अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात ः---

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि **बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्य**क्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थाबार संपर्तित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकरें।

**स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और** पदीका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया हु ।

पर्कंट नं० 6, जो 1ली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत--प्लाट नं 16,ए, सी टी एस० नं 432, वालनाय, म्रोर्लेम, मालाब (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--3,37--ईई,8081,-83-84 सीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🚁

प्रकप नाइ . टी ु एन ु एस , पर-----

बायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-मं (1) के मधीन सुमन।

### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई--3,37--ईई,8058,83-84---अतः मुझे, ए० प्रसादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

भौर जिसकी सं० दूकान नं० 10, जो ग्राउण्ड फ्लोर, उषा बिहिंडग, प्लाट नं० एल०, विलेज मालवनी, मालाब (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 19081961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनाक 1-5-1984

को प्रवेक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्स है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दब्दमान प्रतिफल से ऐसे दब्दमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देक्य से उक्त अंतरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में मुनिधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेसर्स घोसवाल बिल्डर्स

(अन्तरक)

श्री विधयसानी प्रसिद्धनाथ दूबे,
 भौर श्री इंब्रजीत प्रसिद्ध दूबे

(अन्तरिती)

1

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीं व से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पदः
  स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास लिकिस मी किए जा सकेग।

स्पच्छिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्यी

वुकाम नै 010, जो, ग्राउण्य फ्लोर, उषा बिल्बि॰, प्लाट नं॰ एल॰, बिलेज, मालवनी, मालाब प॰), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3,37अईई,8058,83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🏞

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६९-घ (1) के बधीन स्थना

### भारत परकाड

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-- $3_137$ --ईई $_17807_183$ --84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 3, जो 1ली मंजिल, बिस्डिंग
"दिप सदन को-आप० हार्डीसंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं०
19/20, एस० वि० रोड़, मालाव (प०), बम्बई-64 में
स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269क, ख के अधीन, तारीख बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख
1-5-1984

को प्र्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के 'एश्यमान प्रितिपल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उकत अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत संबंद की भ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

श्रीमती मायावंती वाला,
 ग्रीर प्रीतम सिंग।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद सी० कामरा रिप्रेजेंटिंग कमल ट्रेडिंग कं०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिंत- बंद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसूषी

फ्लैंट नं॰ 3, जो, 1ली मंजिल, बिल्डिंग, "विप सदन को-आप॰ हार्जीसंग सोसायटी लि॰ प्लाट नं॰ 19/20, एस॰ वि॰ रोर्ड, मालाव प॰) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई $-3_{l}.37/$ ईई $_{l}$ 7807 $_{l}$ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🚁

प्रकृष ताइ'. टी. एन. एम.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत र राजाह

क्तर्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बर्ध सम्बर्द, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं अई-3/37ईई/8021/83-84-अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 32 जी, (शेअर बेअरिंग मंबसं 591 से 595 ग्रीर राईट टायटल ग्रीर ईटरेस्ट के साथ) बिल्बिंग न० ए-2, दि नव संरक्षण की-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, लिवर्टी गार्डन के बाजू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 261 की धारा 269क, खके अधीन बम्बहै स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1-5-1984

को प्वांक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- बिक इस से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आहु/या
- (य) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य अगस्तिथा को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने अं स्विधा के लिए;

शतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्मितिकित क्रिक्तमों क्षा अर्थात् क्ष--- 1. श्री बीरेन्द्र कुमार वर्मा

(अन्तरक)

2. श्रीमती हेमलता दिनेश चन्द्रा.

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विशिष्त में किए अस्तिक न

स्पष्टीक रण: - इसमें पयन्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ हाथा जो उस अध्याय में दिया गया है:

### अनुसूची

पसैट मं० 32, जी, (मोअर्स बेअरिंग नंबर्स 591 से 595 भीर राईट टायलट और ईटरेस्ट के साथ) बिल्डिंग मं० ए-2, दीनव संरक्षण को-आप० हाउसिंग सोसाईटी जि०, जिवटीं गाईन के बाजू में, मालाब (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुवर्गी जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/8021/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ग किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप अरक्.टी.एन.एस. -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई । बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० अई-3/37अईई/7716/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर पिश्वित्य , 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 16, जो ग्राउण्ड फ्लोर, मन-सरोवर सोसाईटी, जंक्शन आफ गोविंद नगर एण्ड एस० वी० रोड़, मालाब (प०) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को प्वींवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के एवसमान प्रतिफल के लिए अत्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के जिए त्य पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वैष्य से उक्त अन्तरण कि जिस में जम्मितिक कप से किथा नहीं किया नवा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या जिन्या जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा की निए।

अतः अव, उक्त अधिनियग की भारा 269-ग के, अनुसरण मो, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री अशोक जी० हेमनानी •

(अन्तरक)

 (1) गुलाम हुसैन अली मोहम्मद सेलिया और

(2) हैवर अली गुलाम सेलिया

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी क्रक पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हिनबस्थ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

बुकान र्ने० 1, जो ग्राउण्ड प्लोर मन-सरोवर सोसाईटी, जंमगन आफ गोविंद नगर, एण्ड एस० वी० रोड, मालाब (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ अई-3,37ईई,7716,83-84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-5-1984 की रिजस्टिंग किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्यकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई , बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985 निवेश सं० अई--3/37 ईई/7689/83--84---अतः मुझे, ए० प्रसाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो ग्राडण्ड फ्लोर, भोम जय आराधना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 389, एन० एल० रोड, सोमवार बाजार, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के,ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रशिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिकी (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखत उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल का स्थान हों किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय काँ बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर वंत्रे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उलसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः जव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म के जमुबरण में. में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, ऐनम्नकिसित स्यक्तियों, समात् क्र--- 1. श्री दुर्लभगी परशतम भेडा ।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार करसरवास मोहिल। (अन्तरिती)

की यह सुचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिंसपों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगृत्यी

दूकान नं० 2, जो गाउण्ड प्लोर ग्रोम जय आराधना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 389, एन० एल० रोड़, सोमबार बाजार, मालाब (प०), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3,37-ईई,7689, 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रथम बार्ड हो. यम . यस . ....

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को मधीन स्पना

### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7686/83-84--अतः मुझे, एर्० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सङ्ग्रम के निर्देश के किस्त्राम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

- (क) अभ्यत्य च द्वार्ष कियी साम की वास्त, उस्त विभिन्नम के व्योग कर दोने के अन्तरन क राजित्व में कभी करने था समझे नचने में बृजिवा के लिए; ब्योर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नम्स आस्तियों को, चिन्हों भारतीय नायकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) थे। उपत्त लिधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, धिपाने में सुविधा के निए;

कतः कव, उक्त किथानियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथाति ः⊸ 48 —456 GI/84 1. श्री अन्थोनी जोसेफ परताथु

(अन्तरक)

2. श्री कोशी धर्गीस

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहरताक्षरी के 'पास जिल्लित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आगे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ) है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लैट नं० 5, जो ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 2, ग्रीन पार्क, रिलीफ रोंड, ओर्लेम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-3/37-ईई/7686/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,यम्बई

**सारीख:** 10-1-1985

**प्राप्त वार्य**्ड **दी** , **एक . एक** , स न व करवर

आवकर श्रीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के श्रीन स्थार

#### ALCO ANDIS

## कार्याचन, बहायक नामकर वाग्यत (निर्दासन) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/7814/83-84-अतः मुर्झे, ए० प्रसाद,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवाद 'उक्त विधिनियम' कहा गया हो), की भार 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. ते वधिक है

मौर जिसकी सं० कूकान नं० 8 जो, प्राउण्ड फ्लोर, "मनाली' विस्डिंग नं० 1, प्लाट नंबर्स 48, 49 थ्रीर 50, घालनाय विलेज, मालाड (प०) बिम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रित्मल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित्र के बास्तिचक क्या से कावत महीं जिल्ला गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कमी करने ना उक्क वचने में मुविधा में निए; और/बा
- , (क) ध्रेंसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ वक्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था कियाने में स्थिश के विद्

अतः बच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस स्थिन्सियों, अर्थात :---

1. मेसर्स भनाकी कार्पोरेशन

(अम्तरक)

2. श्री काशीराम डेंग्रोमल जशनानी

(अम्सरिती)

को यह सुधना वारी करके पूर्वोक्छ संपत्ति के वर्वस के सिध् कार्यसाहियां करता हुं ।

एक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुवा ही।

### अनुसूची

दूकाम नं० 8, जो ग्राउण्ड फ्लोर, "मनाली" बिल्डिंग नं० 1, प्लॉट मंबर्स 48, 49, ग्रीर 50 वालनाय विलेज, मालाड (प०) बम्बई-64 ; स्थित है।

अमुस्त्री जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/7814/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

### वक्य बाहु 🕝 🛍 पुरु पुरु 🚥 🚥 🗝

मायक र मंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में संधीन ब्लाना

#### भारत बहुकार

### कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (रिनर्रीक्रण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनबरी 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/7823/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० यूनिटन ं० 22, जो ग्राउण्ड क्लोर, विनय इंडस्ट्रियल इस्टेंट, सर्वे नं० 428/1, देख्खकर बाडी, विच बंदर रोड़, मालाड (प०), वम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारतामा आयकर, अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यान्त्य में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पृथोंक्त सम्पति के उचित बाजार मृस्य से कम के सम्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गहे हैं और मुक्ते यह व्हिवास करने का कारण है कि यथापृषेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी आध की बाबत, अवस विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सक्तिया के निए; बौर/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था किया में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभात् :--- 1. श्री विनोदयन्त्र सेवंतीलाल सोसंकी

(अन्तरक)

2. मेसर्से सनविम प्रिष्टिंग इन्थस०

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यनाहियां करता हुं।

### डक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🕬

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन में भीतर उसत स्थायत सम्पत्ति में हितसप्थ किसी अन्य स्थायत इसारा अधाहस्ताभरी के पृथ्य लिखित में किस सा सकीं ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में किया गमा है।

#### -

यूमिट मं० 22, जी प्राउण्ड फ्लॉर, विनय इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 428/1, डेरुखर बाडी, बिंच बंदर रोड़, मालाड (ग०), बम्बई-64 म स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/7813/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-84 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसीव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रकृष् भाषाँ, दी ् प्रन<sub>ा</sub> एक् ुम्प्पप्पप्प

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुन्ता

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्शिक्त)

अर्जन रंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निदेश स॰ अई-3/37-ईई/8157/83-84--अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित आजार मुख्य 25,000/- रह से अधिक ही

ग्रीर जिसकी म० पसैष्ट न० डी०-49, जो बिल्डिंग न० 3, बाफहिरा नगर, विलेज मालवनजा, मालाड (प०), बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयरकर अधिनियम की धारा 1961 का धारा 269क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-84 को पूर्वांकत सर्गात्त के अधिन के दश्यमान प्रतिफल के निष् उन्हरित की गई है-भीर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूद्यांकत संपत्ति का उपित वाचार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल को लिए उन्हरित की गई है-भीर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूद्यांकत संपत्ति का उपित वाचार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और बन्तरक (सन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एंग्रे अन्तरण के लिए तम पाया यवा प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उसता जन्तरण निवत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है 4--

- (क) अन्तरण से हुई किनी जान की बाबत कथड़ विभिनियम औं वधीन कर दोने के जनारक थी बायित्व में कभी करने या उससे वचने में बृद्धिभा को निए; कार/म:
- (ल) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्तें भारतीय काय-कर श्रीधनियम, 1952 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, का अन-कर अधिनियम, का अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बत: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण ब, में उक्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हो बधीन, निस्तिविद्यत अधिनयों, वर्षांतु द्र--- 1. मेसर्स बाफहिरा बिल्डसं

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० एस० भगत

(अ तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां एक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीशर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिखिन में किए जा सकेगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## पनुयूची

पलैट नं० डी-49, जो बिल्डिंग नं० 3, बाफ हिरा नगर, विलेज मालवनजी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-4/37—ईई/8157/83–84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5–1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद मक्षम अधिकारी **सहायक आयकर आगु**क्त (निरी**क्षण)** अ**र्जन रेंज-4, बम्बई** 

दिनांक: 10~1~1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ े.टी. एन. एस . -----

नायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37—ईई/7952/83—84—श्रतः मुक्ते। ए०प्रसाद,

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिन बाजकर मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पलट नंव 12, जो, ग्राउंड पलीर, हेमल श्रपाटमेंब, प्लॉट बेग्नीरंग सीव एसव नंव 19, 41 नंबर्स 85/5, 96/1, विलेज मालपणी, मालाइ (पव), वस्वई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-5-198

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विच्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उकत अन्तरण शिकात में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी नाम की वाबद, अक्स विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तर क्यां स्विधा के निष्: वरि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन अन्य अस्तियाँ की फिलहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की सिए;

शतः अत्र अत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. मेसस हेमल इंटरप्राइजेस

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती बंबना गोविंद पांडे

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबब्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नमा हैं।

**प्रनुस्**ची

फ्लंट नं० 12, जो ग्राउण्ड फ्लोर, हेमल श्रपाटमेंट, प्लॉट बेग्निरिंग मी० ए.प.० नं० 19, 41 नंबर्स 85/5, 96/1, विलेज मालवणी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/7952/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) **प्रजैन रेंज-3,बम्बई** 

तारीख: 10-1-1985

### प्रकल नाइ े टी., एन., एव.,-----

### वायकर वीभनियम, 1961 (1961 का 43) की । वारा 269-व (1) के बचीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-3, बस्बई बस्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/8122/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

क्षायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, श्रिसका उचित वाजार मृन्य 25,,000/- रु. से विध्वा है

भौर जिसकी संव दुकान नंव 16, जो, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नंव ए-5, हायने व्हयू स्कीम, संतराम टेंन्क बाजू में, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूण रूप से विजत हैं), श्रीर जिसका रकरारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और कंत-रिक्षी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नाविकत उद्वर्ष्य से उक्त अंतरण लिखिइ में बास्तविक क्ष से कथित नहीं किया ग्या है ६——

- (क) क्लारण चे हुई किसी बाव की वावत , अवस विधानम्ब के वृथीन चर दोने के वन्तुण्ड के वामित्य में कमी करने वा अस्ते क्ष्म में सुनिधा के सिए; बर्डिन्स
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. मै० प्रागरवास कंस्ट्रमशन कंपनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री माधववास कालिवास रत, श्रीर सोमालाल माधवलाल लिब्र्चिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्परित के अर्थन के सर्वेजन्य में कोई भी जाओप ६

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
  45 विन की अमधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की ताशील वे 30 विन की जबधि, जो भी
  जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी स्प्रक्ति हुए।
- (क) इस स्कार के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवहभ किती कम्य व्यक्ति द्वारा , अभोहस्ताक्षरी के पाइ सिचित में किए जा सकारो।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को उक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क्र में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### सम्बद्ध

दुशान नं 16, जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं ए-5, हायवे व्यू स्कीम, संतराम टेन्क बाजू में, मालाङ (पूर्व) बम्बाई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० प्रई-3/37-ईई/8122/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्राय**कर **भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई** 

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

जायकर अभिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

两江

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका) श्राजीम रेज-3, बम्सई

बम्बई, दिनांक 10 जमबरी 1985

निवेश सं० ग्रार्ड-3/37-ईई/8048/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाव,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से मिथक है

भीर जिसकी सं फ्लट नं 408के, जो, 4थी मंजिल, प्रजिल पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वांणत है), भीर जिसका करारनामा भामकर प्रधि-नियम, 1961 को धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-84 को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (जंतरितों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक खे दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एति किसी आव या किसी धन या अन्य जास्तिकों का, जिन्हीं भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुनिया के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अभीत् १—

- 1. मैं० देशमुख बिल्डर्स प्राइमेट लिमिटेड
  - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती स्मिता गंगाराम शिदे

(म्रन्सरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पास के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां पुरकरता हूं।

उच्या सम्मारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में क्षित्रबक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहम्ताक्षणी के एक लिखित में किए को सकेंदे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस नध्याय में दिया मया है।

SHIP W

पस्तट नं० 408, जो, 4थी मंजिल, श्रजित पार्क-बी, सोमबार बाजार रोड़, मालाड (प०), बस्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि से पर्य-3/37-ईई/8048/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा चिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

जीहर 🥫

शुक्त बाहु । दी , एम् , एव . -----

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

#### HIS RETAIL

### कार्याक्षय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्धिक्रक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 13, जो, ग्राउंण्ड फ्लोर, सोमैया ग्रापिंग सेंटर, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे 'उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख श्रिथोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाम गया प्रतिफन, निम्निन्दित उद्देश्य से उसत बन्तरण सिविक में अस्तिक कम में किवत नहीं किया गया है कु----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अभरक की समितन वें कभी करने वा उससे व्यन में सुविकत के जिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या क्य शास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिये था, क्याने में नुविधा के निद;

जत: जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री किणिनदास माधवदास

(ग्रन्तरक)

.2 श्रो श्राल्मचंद डी० रामनानी

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी क्रुके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएँ जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिद ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद्ध में रिया गया है।

#### अनुसूची

प्रनुसूची जसा कि ऋ० सं० ध्रई-3/37-ईई/8093/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्णन रेंज-3, बस्ब**र्ध**

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आर्घ.टी. एन्. एस. - - --

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

### भारत सरकारु

### कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्सक)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० प्रश्-3/37-ईई/8041/83-84--- प्रतः मझे, ए० प्रसाय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अभीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, सम्प्राट जनकल्याण नगर, मालाड (प०), अम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रन्भुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 को एवोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्या, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्ति रितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक मप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरंग से हुई किसी जान की बाबत, जल्लह अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) एमे किसी अहा प्रितिधन या, उन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

1. मैसर्स शांग्रीला कंस्ट्रक्शन कंपनी

(भन्तरक)

2. श्री शरद बी० पावनीकर

(भ्रन्सरिती)

को यह स्थाना आर्री करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्पन के जिल्ह कार्यगाहियां करता हुं।

शक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ह-

- (क) इस स्वनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 1

### अनुसूची

फ्लट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, सम्बाट, जनकल्याण नगर, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

मनसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-34/37-ईई/8041/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियाँ, वर्णात ध---49 -456 GI/84

दिनांक: 10-1-1984

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

ब्रह्मकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विमांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ब्रई-3/37-ईई/8059/83-84--- ब्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इत के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं० बुकान नं० 13, जो, ग्राउंड फ्लोर, प्लाट नं० 1, सर्वे नं० 84, एच० नं० 1 से 5, एस० नं० 85, एच० नं० 1 से 4 प्रोर 6, विलेज मालयनी, पालाड (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससी उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर भिष्तिसम, 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को प्वोंक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य में कम के श्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके अवयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्निसित्तित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंग्स नहीं जिन्ना गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; बार/या
  - (क) एोसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिल्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रणोजनार्थ अंगरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जधीन, निम्नुसिचित व्यक्तियों, जथात् ह

1. मेसस श्रोस्वाल बिल्डर्स

(भन्तरक)

2. श्री शैलार शशिकांत पांडुरंग

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अपोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

### वन्स्वी

दूकान नं० 13, जो ग्राउण्ड फ्लोर, प्लांट नं० 1, सर्वे नं० 84, एज० नं० 1 से 5, एस० नं० 85, एज० नं० 1 से 4 ग्रीर 6, विलेज मालवणी, मालाड (प०), सम्बद्द में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं मई-3/37-ईई/8059/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर ध

प्रकम बाई : दी. एत. एव. - - - - =-

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं॰ मई-3/37-ईई/8050/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लट नं० ए०-304, जो उरी मंजिल, 'श्रीराम टावर्स'', टेन्क लेन, श्रोलेंम चर्च के बाजू में, श्राफ मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क ख, श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीथ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उब्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अन्त की बाबत, उक्त वृधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृत्विधा के सिए; आर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त जिभितिषमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) ले चधीन। निकासिक व्यक्तियों, जर्थात् :--- 1. श्री राम कन्स्ट्रक्शन्स प्रायवेट लिमिटेड

(मन्तरक)

2. श्रीमती कोसेस मोंघेरो

(मर्सारती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी शक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ड्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समीप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के की 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिक्षित सा किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशायिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लट नं० ए-304, जो, 3री मंजिल, "श्रीराम दांबर्स" टेन्क लेन, श्रोलेंम चर्च के बाजू में, श्राफ मार्वे रोड़, भाजाड, (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूनो जैसा कि कि सं० ग्रई-3/37-ईई/8050/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आब 269-ण (1) के ज्योग स्वता

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/8049/83-84--मृत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलट नं० 206, जो, 2रो मजिल, प्रजित पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, मालाङ (प॰), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा भायकर ग्रांधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्रो है, तारी । 1-5-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से विधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती /क्तिरित्यों को बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्ति कि रूप से कि रूप से किया गया है .—

- (क) अन्तरण वं हुई किसी नाथ की बाबत अक्ट जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व मा कमी करने वा उससे अक्टमें में सुविधा के लिए, और/स।
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, डियाने में सुविधा के सिए;

वतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग को अनुसर्थ को भी अक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक व्यक्तियों, वर्षात् :--- श्री देशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(प्रन्तरक)

2. श्री पुरंदर एम० करकेरा

(प्रन्तरिती)

भी बहु सुचना बा<u>री करके पृत्रों कर सम्पत्ति के वर्षन</u> के निष्यु कार्यवाहिया करता हुं।

उन्ह सम्मन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा,
- (०.) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा स्कोगे।

स्वक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा स्याही।

#### मन्स्यो

पलट नं० 206, जो 2री मजिल, श्रजित पार्क-बी, सोमबार बाजार रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं० श्रई-3/37-ईई/8049/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा धिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आह .टी.एन.एस.-----

भागकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूच्या

भारत सरकार कार्यासय, सहायक जावकर जायुक्त (निट्येक्शक) धर्णन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० **धाई**-4/37-ईई/8203/83-84--- मतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, श्रमोवसिंद्ध, भूरके वाडी, तुरल पखाडी रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 26 9क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकार। के कार्यालय यमें रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चकेय से उक्त अन्तरण निच्न स्था गया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के किए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अभूसरण मों, मीं, उक्त अधिनिय की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध-- 1. देसांई भूके एण्ड एसोसिऐटस

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती माधुरी एम० जोशी

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपर्तित को अर्जन को लिए कार्मवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन संबंध में कोई भी वाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति सुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए का सकरें।

स्पष्टीकरणः --इसमं पय्वत शब्दों और पदों का, जा उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

### **अनुस्**ची

फ्लैट नं० 301, जो, श्रमोधिस्त, भूरके वाडो, तुरल पखाडी रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/8203/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों के बार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5~1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) गर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 10-1-1985

प्ररूप माई, टी. एन. एस. ---- +--

1. मेसर्स लूबिन इंटरप्राईज ।

(मन्तरक)

2. श्री जोसेफ विक्टर नरोन्हा।

(भन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्याचय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

मजन रेंजब3, बम्बई

ंबम्बई, दिनांक 10 जनवरो 1985

निदेश सं० **अर्थ-**3/37-ईई/8051/83-84---मतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 र र ले अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान न० 4, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, निर्माना-धीन इमारस, पार्ट "ए", जमीन बेग्नरिंग सीं० टीं० एस० नं० 397, 397/1 से 6, विलेज बालनाय, जे० बो० कालोनी, प्रोलेंग, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के यधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-

लय में रजिस्ट्र। है, तारांख 1-5-1984
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान
प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार
मूद्य, उसके द्रायमान प्रतिफल स, एसे द्रायमान प्रतिफल का
पन्सह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय
पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरकार
निकास में अस्तिवक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयित्य में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनिय, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में की है भी बाक्षेप रू-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त कथ्यां और पतो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

दूकान नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोर, निर्मानाधीन इमारस पार्ट ''ए'', जमीन बेग्नरिंग नं० सी० टी०एस० नं० 397, 397/1 से 6, बिलेज वालनाय, जे० बी० कालीनी, ग्रोलेंम मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं धर्ष-3/37-ईई/8051/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

सारीख: 10-1-1985

मोहर 👉

प्रकप आह्र टी. एन . एस . -----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मिथीन सुभना

### भारत बरकाड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० श्र**ई**-3/37-ईई/7732/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भाग 269-कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्व 25000 इन से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० दूकान नं० 13, जो, जयकर स्मृति को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्रारे रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके रूपयमान प्रतिफल से. एसे क्यमान प्रतिफल का पत्यह श्रितवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के बिए तक पावा भवा श्रीतफल, निम्नसिचित उद्वोद्यों से उक्त अन्तरण सिचित में शास्तिक कम से कांचत महीं किया नया है :----

- (क) अस्तरण से हुई किसी नाम का बावत, उक्त जीधीनयम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने य√ उससे बचने में सुविधा के सिए; और√वा
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयंकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वे किए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिचित स्पिन्तियों, अर्थात् :— 1. श्री ग्रमोक पंचूभाई गाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामभाऊ भ्रवाड ।

(भ्रन्तरिती)

को सह स्वता बारी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकिस ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति उथारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल विकास में किए जा सकी।

स्पच्छीक रण '---इस्मो प्रयुक्ता शन्दों और पदों का, जो जन्ज कियानियम के अन्याय 20-क में श्रीरभागित हैं जहीं कर्ष होगा को उस अध्यास से दिला गया है।

### **प्रनुस्**ची

सूकान नं० 13, जो जयकर स्मृति को-श्राप० हाउसिंग. सोसाईटी लि०, श्रारे रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० धर्द-3/37-ईर्द/7732/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ट द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, वस्वर्ध

सारोख: 10-1-1985

मोहर ः

1

वरण आर्दा टी.एन.एस -----

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत मुरकार

### कार्यालय, सहायक भायकार भायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश मं० ग्रई-3/37-ईई/7583/83-84--- प्रतः मुझे. ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित योजार मृज्य 75.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 120, जो दौलत उद्योग भवन, वाधवली विलेज, चेंबूर, बम्ब्रई-71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, तारीख 1-5-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित के बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) बन्तरण से हाई किसी काय की बावस, ज़क्त ब्राधिनियम के संधीत कर दोने के ब्रह्मरक के दायित्व में कभी कारने या उससे तचन में सुधिका के जिए ब्राप्टिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सविधा ने रिपा

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपारा (1) को अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मै० फायबरग्लास ब्राईटवेअर इंडस्ट्रीज।
   (ग्रन्तरक)
- 2 मैंसर्स सत्यनारायण इंडस्ट्रियल सप्लायर्स। (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्णीकरण — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया नया है।

### ग्रनुसूची

यूनिट नं 120, जो दौलत उद्योग भवन, वाधवलो विलेज रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है। प्रमुद्धो जैसा कि ऋ सं प्रई-3/37-ईई/7583/83-84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारोख: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. -----

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई-3/37-ईई/7841/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'लक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० दूकान नं० जी-17, गोकुल धाम, जो, सेक्टर शापिंग सेंटर, विलेज दीनडोशी/चिन्नोली, बोरीवली तालुका, गोरेगांव, मुलंड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रन्सूनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका कराएनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सो, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्दूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कालारण के किए तथ

- (ख) अरतरण से हुइ किसी बाव की बाबत, उपत विभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अन्ति ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं० कांतवृड कल्स्ट्रक्शन कं० प्राइवेट लिमिटेड । (झन्तरक)
- 2. श्री हरबंससिंग केदारनाथ सिंग।

(धन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिया कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

दूकान नं जी-17, जो, सेक्टर शाधिंग सेंटर, गोकुल-धाम, विलेज दीनडोशो/चिकोलो, बोरीवली तालुका, गोरेगांव-मालाड लिंक रोड, गोरेगांवं (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रह-3/37-ईई/7841/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेंन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रकृष बाहु . टी., एन., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवृता

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-3, बस्यर्ध

बम्बई, दिमांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० **घर्ध-**3/37**-६६/7779/83-84--ग्रतः मुझ**े, ए० प्रसाद.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित गाजार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 211, जो 2री मंजिल, "ए" विल्डिंग, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), शौर जिसका करारनामा भागकर अधिन्तमा, 1961 की धारा 269क, ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1~5~1984

को पूर्शेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निम्तिकत में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जान की नानस, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कजी करने ना अवसे नचने में तृषित्रा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में हिया के लिए;

अतः अन, उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्री महीद एन० सैयद अली

(भ्रन्तरक)

2. श्री सैयद र्राहम सैयद भ्रली

(भ्रन्तरिती)

की यह बुचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि,या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोजन व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस स्पान के राजधन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए जा सकोंगें।

#### बस संची

यूनिट नं० 211, जो, 2री मंजिल, "ए" बिल्डिंग, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, सिबा के सामने, गोरेगांव (पूर्व), वम्बई-63 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/7779/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा विनांक

1-5-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

श्रुप नार<sup>®</sup>् दी<sub>य</sub> प्रमुख प्रमुख = × ××××

1. डा० ए० एस० नागेन्द्र ।

बायकर ब्रिशियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सङ्गता

### भारत चरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर बायुक्त (निहासिक) मर्जन रेज-3. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० **मई-3/37-ईई/7439/83-84--म**त: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25.,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो, "कमलेश" रोड नं० 4, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा द्यायकर ऋधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के द्यधीन, तारीख बम्बई स्थिप सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति को उचित् बाषार मृत्य से कम को अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मुल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्धित में बास्त्रविक रूप से किंभित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्य से ठूइ किसी अाय की बाबत ; उक्त निधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के[स्ए; बौर∕या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों 🗸 को जिन्हें भारतीय अधुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए:

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाब् ः—ः

(ग्रन्तरक)

2. श्री एन० वेवनाथन 🕆

(मन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति, के वर्जन के सिए कार्यवाहियां केंद्रता हरू।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोर्द भी बाक्षेपु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की सारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन् की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवुध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० रें 2, जो "कमलेश", रोड नं० 4, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्ड-3/37-ईई/7439/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

तारीख: 10-1-1985

मोद्वर :

### भ्रम् वार् ्टी . एन् . पुब् ु------

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभूग

#### माउव बरकार

कार्यातय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/8013/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाथ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 201, जो, बिल्डिंग ए, भागनारी को-ऑप० हार्जसग सोसाईटो लि०, डंकन कॉजवे रोड, चुनाभट्टो, बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्-सूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में र्राजस्ट्रों है, सारोखा 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य संक्रिशत नहीं किया गया है ध---

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिचा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती गीता धर्जुन कनार।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्याम परणोत्तमदास कुलचंद्र ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथानिक सम्मिति से अर्थन के निष् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

### बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्से :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उन्हरू अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बस सची

फ्लैट नं० 201, जो, बिल्डिंग नं० ए०, भागनारी को-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटो लि०, डंकन कांजवे रोड, चुनाभट्टो, बम्बई-22 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि फ़ सं प्रई-3/37-ईई/8013/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रक्ष बाह् . टी . एन . एसं . --- -----

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रंजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/8009/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसादः

श्रासकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्चित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० यूनिट नं० 9-ए, जो विरवाना इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-प्राप्त० सोमाईटा लि०, वेस्टर्न एक्सप्रेस क्षायते, गोरेगाव, बम्बई में स्थत है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधीनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफंल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तर मित्रस्त से प्रक्षित है और प्रन्तर है (प्रन्तर की) भीर अन्तरित (प्रम्तरितियों) के बीज एस प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तिक कर से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचनी में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के किए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् ध— ा. श्री एस० एच० भाटवारा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती इंदरजीत भाटिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जयत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर न्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्स्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **थो उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

यूनिट नं० 9--ए, जो, विरवानीः इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ग्राप० सोसाईटी लि०, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37—ईई/8009/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर् 🛭

# प्रकार बाह् द्वी, एनं . दुस् -------

1. श्रीमती लक्ष्मी नारायण

(ग्रन्सरक)

2. श्री एन० बी० रामानी

(भ्रन्तरिती)

भायकर भौभोनभन, 1961 (1961 वर्ष 40) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### मार्ख चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/78 78/8 3-8 4---ग्रतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 🖫 2) (भिन्नसं इसमें इसके परभात 'उपत मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 35, जो, हीरामणी रतन को-भ्राप० हार्डीसग सोसायटी, एम० जी० रोड़, बांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में राजस्टी है, तारीख 1-5-1984

का पूर्वा कर सम्मरित के उचित बाजार मूल्य स कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण ही कि यथापुर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देविय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-कि रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्दे किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: मीर/या
- (अ) ए'सी किसी जाय वा किसी भन या बन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपोने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ः----

को यह स्वाना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबद्रध सुभना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इब सूचना के दाव्यन के प्रकादन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनवृध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया नवा है ।

#### नगसची

दुकान नं० 35, जो, हीरामणी रतन को-घाप० हाउसिंग सोताईटी, एम० जी० रोड़, बांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची: जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/78.78/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🗄

# प्रकृत कार्ड . टी., एन , पुत्र . ल - - ----

# बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-मं (1) के मभीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/78 59/83-8 4--- म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान ग्राउण्ड फ्लोर बेसमेंट में, जो, विलेज वीनकोशी/किलोलो, बोरीवर्ली लालुका, गोरेगांव मुलुंड लिक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान लिए अन्तरित की गर्ष है प्रतिफल के यह विद्यास करने का कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके खप्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी जाय की बाबल, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा जे

अत: अब, उंबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं.. औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की सपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, समृति :---

- ् 1. म० कॉनवूड कंस्ट्रक्शन कंपन। प्रायवेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- 2. श्री कांतीलाल पी० हरीया।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिए की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूत्रना का तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (श) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति अधिहस्ताक्षरी के पास निरक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण ---दग्प प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभावित ही. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं!

#### मन् सूची

दुकान ग्राउण्ड फ्लोर पर, बेंसमेंट में, जो, विलेख दीन-डोगी/चिचोली, योरीवली तालुक, गोरेगांव-मुलूंड लिक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि सं० ग्राई-3/37-ईई/7859/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ग्रारा दिनांक 1--5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप वार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर क्रायूक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 10 जनवरो 1985 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/78 39/8 3-8 4--ग्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनयम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 /- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० दूकान विलेज दीन्छोगः / चिंचोलः में, जो; बोरीवली तालुका, गोरेगांव-मुलूंड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूचः में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सारीख 1∼5−1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिते बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्सरण से हर्ड किसी आग की बाबत, नक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे, बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्राग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ं अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :---

- 1 कॉनवूड क स्ट्रक्शन कंपनी प्रायवेट लि॰ । (भ्रग्तरक)
- 2. श्रो उमाकांत ह्वालदार सिंग।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

दुकान नं विलेज दीनडीशो/चिनोत्ती में, जो, बोरीवली सालुका, गोरेगांव मुल्ंड लिंक रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/7839/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

## प्रकम साई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजॅन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० ध्रई-3/37-ईई/8078/83-84--भतः मुझे; ए० प्रसाद

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 250 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/- क. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० राईट, टायटल श्रीर इन्टरेस्ट के साथ माला नं० 27-ए, प्रवासी इस्टेट, दीनडोशी विलेज, गीरेगांव (पूर्व), ग्राफ ग्रारे रोड़, बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुस्ची में ग्रीर पूण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रायीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

कां प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापर्योचन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, एगले दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलियित उद्देश्य से उचत अन्तरण निम्लित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हार्ड किसी आय की बाबत, जिक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिशा के लिए: और/पा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों कां, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया करना चाहिए था, शिक्षाने में रिकार के लिए। के लिए।

अत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में में उनन अधिकियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के सभीन जिस्सीसिस व्यक्तियों, अर्थात :— 51—456 GI/84

 एम० एन० पटेल ट्रस्टो आफ राज् शेलेश ट्रस्ट और अन्य

(भ्रन्तरक)

2. मेसस डिलक्स इलेक्ट्रोनिक्स ।

(श्रन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन की लिए कार्गवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन का उद्देश, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के किस प्रकार प्रकार व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थानर राज्यित में हित- बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो सक्त अधिनियम के शध्याय 20-के में परिन्तांपः है, वहीं अर्थ होगा, जो तथ अध्याय भें विया गया हैं।

## वमस् ची

राईट, टाइटल श्रीर इन्टरेस्ट के साथ माला नं० 27-,ए, जो, प्रवासो, इस्टेट (प्रपोज्ड), श्राफ श्रारे रोड़, दीनडोणी विलेज, गोरेगांव (पूर्व), बस्बई-63 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-3/37-ईई/8078/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को र्राजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेजक्ष3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रका नाइ. टी. एव. एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के अभीन सूच्या

#### भारत सरकातु

# कार्यासभ, सहायक वायकर बायुक्त (निरोक्ष्क)

ध्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० **भई-3/37-ईई/7525/83-84--भ**त: मुझे, १० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निषवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लट नं० 42, जो, "सी" विग, 3री मंजिल प्रेम प्रकाश को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, लक्ष्मी कालनी माहल रोड़, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रद्योन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दंश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत रे अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिबित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (का) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उल्ल अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः, अब, अक्न अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती कांता देवी वेदप्रकाश कीचर।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती प्रेमिला वि० कोचर।

(म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के अर्जन के जिल्ल कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकार स्थानित यों में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वृष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा प्रधेत्रस्ताकरी के पास जिसित में किए जा सकोंगें।

स्पब्लीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होस्य जो उस अध्याय में दिखा गया है।

#### **उन्**स्ची

पलट नं० 42, जो, "सी" विंग, 3री मजिल, प्रेम प्रकाश को-प्राप० हार्जासग सोसाईटी लि०, प्लाट नंबर्स 5, 6 श्रीर 7, लक्ष्मी कालोनी, माहूल रोड़, चेंब्र, वम्बई-74 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-3/37-ईई/7525/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड की गई है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बष्वा

बम्बई, विनोक 10 जनवरी 1985 निवेण सं श्रई-3/37-ईई/7718/83-84---मतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं बंगली नंबर्स 6, जो, प्लॉट नंबर्स 3 ग्रीर 4, बिलेज बोली, श्रमर सिनेमा के बाजू में, गोवंडी बम्बई 88 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/धा
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतादनार्थ अंगरिती द्वार तकट नहीं दिया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के प्रधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती निना बी० वाघवान

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स सोनपेक इंडिया।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कायवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरू अने के पास सिवित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उक्त . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा, जो उस अध्याय में विरूप गया हैं।

#### नगसची

बंगलो नं० 6, जो प्लाट नवर्स 3 श्रीर 4, विलेज बोर्ला, श्रमर सिनेमा के बाजू में, गोवंडी, बम्बई-88 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/7718/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, वस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रक्ष वाइ. टी. एन एस . ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

# कार्यात्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ध्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरो 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/7895/843-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मृल्य

घोर जिसकी सं० सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 45, जो 1ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारी 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वावत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्प्रत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गक्द हैं:—

- (क) वंतरण सं हुई किसी आप की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्य भों काभी कारने या उससे क्याने में सुविधा रु लिए; और/बा
- (म) एंसी किसी आप या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में निष्धा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अधित्य- 1. मेसर्स गुंदेचा विल्डसं

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप चंपकलाल संघवी।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
  - (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
    45 दिन कं भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
    पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गमा है।

## **अनुसूची**

स्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 45, जो, 1ली मंजिल, किरण इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जो० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि कि ग्रई-3/37-ईई/7895/83-84 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधाकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ध** 

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश मं० ग्राई-3/37-ईई/7858/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण : कि न्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25 990/- रा से अधिक है

ग्रीर जिमकी स० यूनिट नं० 126, जो, 1ली मंजिल, "गुरु गरिवर सिग इंडस्ट्रियल इस्टेट" वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगाव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को प्वायत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उरके दश्यमान प्रतिफल से, एस रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्राप्तशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अजिथों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाय गया प्रति-फल निम्निलिंशित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निश्वत में वान्तिक क्ष से स्रीधन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकर जीधीन्यम के अधीन कर दोने के अतरक के दापित्व में कामी अरने या उसम बाने मां मुविधा गतिए, और/या
- (क) एकी किसी जाय या किसी भून या अन्य जास्तिया की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए;

अत. अब, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भे, भे, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की सपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- 1. श्रीमती ज्योति जेथानंद चाटलानी

(श्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी शवर भौधरी

(भ्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहमां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप कि --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि और में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में। कर्ए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों कि, औ उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विश पया है।

#### मन्सूची

यूनिट सं० 126, जो 1लो मंजिल, "गुरु गोविन्ध सिंग इंडस्ट्रियल इस्टेट" वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/7858/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3. बस्बर्ष

सारीख: 10-1-1985

प्रचल आहु<sup>\*</sup>. टी. **ए**न. **एत**. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत अधिन सुभूता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० **अई-**3/37-ईई/7772/83-84--श्रत मुझे, एं० प्रसाद,

अध्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िंद इसम इसके पश्चात् 'उक्त श्रीविनयम' बादा गया ही), की बारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार म्ल्ब १ १८,०००/- स में अधिक है

भीर जिसको सं० सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नं० 24, जो भाउंड फ्लोर, किरण इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनुसूचो में भीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा भायकर भिंधिनयम, 1961 को भारा 269क, ख के भाषीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कभी कान या उक्षण उक्षने भी भूत्यक्षा के लिए, आंर/भ
- (स) एस किसी आय या किसी धन ए। अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया राजन से स्वार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया राजन से स्वार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया के लिए;

सतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. मेसर्स गुंदेचा बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री जें एम शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ने वर्चन के किए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस मूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस**बब्ध** किसी अन्य व्यक्तित ब्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और धवाँ का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वांगा, चा उस अध्याय मा दिया गया है।

# मनुसूची

सबिस इण्डस्ट्रियल माला नं० 24, जो ग्राउण्ड फ्लोर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जो० रोड़, गौरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/7772/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनाक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस,----

मायकार मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुच्या

#### भारत सरकार

# कार्याययः, सहायक आयक्त नाम्क्त (जिरीक्तक) श्रजन रेंज-3, वस्वई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7840/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपमें से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० गाला नं० 7, जो ग्राउंड फ्लोर, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, राम मंदिर रोड़, गोरेगांव (पूर्व), वस्वई 63 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 को पूर्वोक्त संपर्शित के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्शित का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल में, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अप्तरण नं हाई" िकसी नाग की माबत, उत्पत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य ग्रंग्या करने या उत्पत्त रूपणे में मिल्ला के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर की धरियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रशासनीय जन्मीरती ययारा प्रकृत नहीं फिरा गया था या नियस जाना का नियस था, कियान और मविका है लिए।

मतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग वाँ अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 260-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिशिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स इरोलाइट इलेक्ट्रोकल

(झन्तरक)

श्रीमतो सुणीला ग्रानन्द गेट्टी,
 श्रीर प्रोप्राइटर श्राफ—
 मेसर्स चेतना मेटल इंडस्ट्रियल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तत्त्रीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकर्ग।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का., भी उक्त सिंगियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा ही।

#### अनुसूची

य्निट नं० 7, ग्राखण्ड प्लोर, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, राम मंदिर रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-3/37-ईई/7840/83-84 श्रीर जी मक्षम प्राधिकारी बम्बई ग्रारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं श्र श्र श्र = 3/37-ईई/7769/83-84---- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास यारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो 1 ली मंजिल, "स्वामी" प्लाट नं० 55, स्वास्तिक पार्क, सायन-ट्रास्वे रोड़, चेंबूर, वस्वई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन वस्मई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजिस्ट्री है, सारोख 1-5-1984

को पर्वोक्त सम्पिश के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृल्य, उपके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया गया है .—

- (की अंतरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त विधितियम के अधीन कर दीने के अंतरक में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्षेर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्ष्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :— 1. श्रोमतो सुनीता मधुकर सोहनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री सोली ई० घोडेंकर, श्रीर श्रीमतो ए० सोली चोडेंकर

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हुं।

उनत संपत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थाना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त क्षोती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा राजाय प्रका के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिसम् :--- इसमाँ प्रयुक्त शब्बों श्रीर पदों का, जो उनके कि नियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उना अध्याय में निर्माणित स्वा हैं।

#### जनसंख्यी

फ्लैंट नं० 4, जो 1लो मंजिल, "स्वामी", प्लाट नं० 55, स्वास्तिक पार्क, सायन-ट्राम्बे रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/7769/ 83-84 श्रीर जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (fनरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख: 10-1-1985

मोहर 🌣

7

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वता

कार्यांत्रय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/8025/83-84--- स्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 3, जो, "ई" बिहिडग, कामगार को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी, हिल रोड़, मोहन नगर, चूनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को प्रांक्त संपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्ध से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी काम की वाबत उक्त किय-निवम की अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये, बर्ध-पा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या विक्या जाना चाहिए था, खिपाने मा स्विधा के अन्दः

जतः जब, उनत जिभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उनत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाद :---

**32**—456 GI /84

 श्री डी० एच० वाघमारे श्रीर श्री एस० एच० वाघमारे

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रमरीता सतिष भांडे

(मलरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं के 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वयिष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिशा गया है।

#### नग्त्वी

ब्लाक नं० 3, जो, "ई" बिल्डिंग, कामगार को-धाप० हाउसिंग सोसाइटी, हिल रोड़, चूनाभट्टी, मोहन नगर, बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-3/37-ईई/8025/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्रकप् मार्ड, टी. एन. एस. ----

बायकड विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की ... भारा 269-ए (1) के अभीन स्वना

#### भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेजि-3, अस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं० श्रई-3/37-ईई/7584/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- से.अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-101, जो, 1ली मंजिल, रामेश्वर बिहिंडग, सिना निवास, को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, स्थास्तिक पार्क, सायन-ट्राम्बे रोड, चेंब्र्र, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह जिल्हास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धादेय से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिक स्थ से किया गया है :---

- (%) अन्तरम से हुई फिसी बाब की बाबस, उन्धर अभिजियम के अभीन कर दोने के अंतरण के वासित्य संक्रिमी करने या उससे बचने में मृतिधा के जिए; भीर/या
- (ब) एंसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्ति सीहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री बी० जी० पारेख

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० ए० खरवंदीकर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिष् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय गया है।

#### असल की

फ्लैट नं॰ ए-101, जो, 1ली मंजिल, रामेश्वर बिल्डिंग, सिना निवास, को-श्राप॰ हाउसिंग सोसाईटी लि॰, प्लॉट नं॰ 8 श्रीर 9, स्वास्तिक पार्क, भायन ट्राम्बे रोड़, चेंब्र, बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० म० मई-3/37-ईई/7584/83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ध्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, वस्बई

तारीख: 10-1-1985

माहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/7945/83-84--- **ग्रतः मुझे,** ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दशके परचात् 'उबल अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षा प्रतिधास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित माजार मृज्य 25,000/- रः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० गाला न० बी-310 श्रीर बी-सी/4, जो विस्वानी इडिस्ट्रयल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, 3री मंजिल, गोरेगाव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269कख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए दब भागा गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निषक्ष में बास्तविक रूप से कथित नहीं निम्मा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जि.ध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उसने वचने में सविधा के निष्; बीडः/वा
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्दू अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

सत: अव, उत्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसर्भ में, में, उस्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित स्पन्तियों, अभात्:— मैसर्स बी० पारीख एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स फलकत्ता श्रार्ट ज्वेलर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकों पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अंग्रीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रीप, जो भी अयिस बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति सुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की हारीच है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सपरित में हिस बब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए के सकरेगा

प्रमुक्त ग्रन्थों और पदाँ का, जा सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय मा विद्या क्या है।

# वन् सूची

गाला नं० बी-310 श्रौर बी-सी/4, जो विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, 3री मंजिल, गोरे-गांव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है।

ण अनुसूची जैसा कि कि सं अई—3/37—ईई/7945/ 83—84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-3, म्बर्ड

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृप बाई दी: एन . एस . -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं॰ भई-3/37-ईई/7753/83-84--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 207, जो 2री मंजिल, "गुरू गोबिदिसंग इंडिस्ट्रयल इस्टेट", वेस्टर्न एयसप्रेस हायवे, गोरे-गांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल म, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अंतरण लिखिए में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/सा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (१) चै सभीन, निम्निसिस स्पक्तियों, सभित् है---- 1. श्री गोबिन्द के० वर्यनानी ।

(मन्तरक)

2. मैससे श्राप्यन इंटरप्राइजेस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चिन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ं यूनिट नं॰ 207, जो 2री मंजिल, "गृरू गोबिदसिंग इंडस्ट्रियल इस्टेट", वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37—ईई/7753/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई क्षारा विनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकाी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, **ग्रम्बर्ध** 

वारीख: 10-1-1985

मोहरू 🕃

प्ररूप आई. टी, एन. एस -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) - ग्रोन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-?, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई-3/37-ईइ/7771/83-84--- ग्रतः मूजे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० माला नं० 65, जो, 2री मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), वम्बई-62 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रन्ग्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के रचित बाजार पूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान क्षिण क का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाव की वाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्द धे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

आतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसरण मा, मा, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मै० गुंदेया बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

 श्री बिट्रठलभाई एम० पटेल ग्रौर मगनभाई एन० पटेल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 जिन के शीतर उक्त स्थाबर संपीत्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्शारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा ककेंगे।

स्पष्ट्रोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्त्र**की

सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 65, जो, 2री मंजिल, किरण इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूर्च: जैसा कि क० सं० श्राई-3/37—ईई/7771/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तरोख: 10-1-1985

मोहर 🛭

प्रकप वार्षे .टी .एन .एस . ------

बायकर अभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सम्बना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जनवरी 1985 निदेश सं० आई-3/37-ईई/7985/83-84~--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके परचात् (उकत श्रीधनियम) कहा गण हो, की लिए 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी स० दूकान नं० 11, ओ, भानुमती प्रिमायसेस को-ग्राप० मोपाईटा लि०, बागूर नगर, एम० जी० रोड, गोरेगाव (प०), बम्बई-90 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिमका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा हैं, साराख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह परिकास में अधिक है और अंतरक (अनुक्तें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीक एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित से बास्तिक रूप से कीशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के वासित्व में कभी करने या उससे अचने में मिथिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अतः अवन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, दक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात ध---

1. श्रीमती सुवर्णाबेन भिख्नभाई पटेल

(भ्रन्तरक)

श्रोमती प्रभा ग्रजय ग्रगरवाल,
 ग्रीर श्री ग्रजय बी० ग्रगरवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्क कार्यत्राहिया भूक करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क्क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (ण) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण :---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

दूकान नं 11, जो, भानूमती प्रिमायसेस को-न्नाप० सोसाईटी लि०, बागूर नगर, एम० जी० रोड, गोरेगान (प०), बम्बई-90 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि कि आई-3/37-ईई/7985/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

461 414 . 21. 21. 21.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं०'श्राई-3/37-ईई/8014,83-8△--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 6, जो, 1ली मंजिल, सौभाग्य सी, प्लाट नं० 36, ⊿1 श्रौर ४2,छेडा नगर चैबूर बम्बई 89 में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिसका करारनामा धायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269क ख के श्रधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि सन्तर्भावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के मिए तय पामा गया प्रति-फल निम्मिशित उद्देश्य से उनत अन्तरण विकित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स शुद्धं किसी जाथ की वासत, उक्स अफिशनदम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/शः
- (श) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के चभीन, निम्नीसिंशित व्यक्तियों, अधित :--- 1. श्री टा० एल० करकेरा

(प्रन्तरक)

2 र्था उमश एन० उचिल

(अन्तरितो)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीकत सम्मृतित के वर्धन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मात्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्वित्या में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभक्षित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### वनुसूची

फ्लैट नं० 6 जो, 1ली मंजिल, सौभाग्य-सो, प्लाट नं० 36,41 श्रौर 42 छेडा नगर, चैबूर, बम्बई-89 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि कि सं श्राई- 3/37-ईई/8014<sub>i</sub> 83-84 श्रींग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रिजस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985 मोहर: प्रकप बाह्र टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

#### भारत तरकार

अर्थानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० श्राई-3/37-ईई/7682/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 41, जो प्राउंड फ्लोर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेंट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०) बम्बई-62 में स्थित है (भ्रार इससे उपाबड़ अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रौर जिसका करार-नामा भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्मित काकार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्वत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

वतः वतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसम्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

1. मेसर्स गुंदेया बिल्डर्स

(भन्दरके)

2. श्री मूलचंद वंश्रिजी माला

(प्रन्तरिती)

का यह स्थार बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिए लिए व विद्या, करता हुंगू।

नरा नम्पत्ति के कर्नन के सबंध में को**ई भी नाक्षेप :---**

- (६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्व कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेध्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कर्ण अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सर्तिस इंडस्ट्रियल माला नं० 41, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगाव (प०), बस्वई-32 में स्थित है।

प्रनृत्ता जैसा कि कि से प्रार्थ-3/37-ईई/768283-34 रार जो नभन पा प्रहत्त, बम्बई द्वारा विमांक 1-5-1984 को राजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सह।यक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10--t--1985

प्रक्य बाह्", दी. एव. द्रस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० म्रई-3/37-ईई/7680,83-84--- म्रत मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु., से अधिक हैं उद्देश माला नं० 26, जो,

म सकी सं० डिस्ट्रियल माला नं० 26, जी, ग्राउंड फ्लोर, किरण इडस्ट्रियल इस्टेंट, एमं० जी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्टी हैं, तारीख 1-5-1984

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) निरुप्त से हुई किसी बाव करी नानत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या जससे बचने में नदिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैत्ना के लिए;

1 मेसर्स गुदेया बिल्डर्स

(श्रन्तरक)

2 श्री सेवकराम दुला<mark>हनोमल वाटवानी</mark>

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्त्यौ

सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 26, जो, ग्राउंड फ्लोर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रौड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/7680/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्**यई** 

· तारीख: 10→1−1985

मोहर ः

प्ररूप आई. ट्री. एन. एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 व (1) के सधीन सुवाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7896/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 44, जो, 1ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इच्टेट, एम०ं जी० रोइ, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूणं रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वेक्ति अम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्दृह इतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्का निम्निलियन उद्दोल्य से उक्त बन्दरण मिदिन में बास्तिक क्या परिनक्ता परिकास के किया गया है:---

- (का) जन्तरण से हुई फिली श्राम की वाबत, सक्त अधिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/मा
- (ख) एसी किसी आय माँ किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को पा) प्रा अक्ट अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बतः अब उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीत, निम्निसिंखित व्यक्तियों, सर्थात है—— 1. मेसर्स गुंवेचा बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. मास्टर इलेश पी० पटेल ।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके प्वासित सम्मिति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विव की जविभ या इत्तन्त्र-भी क्वितिस्तों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की वविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्वांक्स में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जन्त स्थानर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रमुख्य बज्यों और दर्श व्या, आहे बज्य स्विधित्वम्, के मध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यवा है।

# भनुसूची

सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 44, जो, 1ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37—ईई/7896/83–84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

# प्रक्ष नाइं.डी.एन.एस.------

बाधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

#### भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) मर्जन रेज-3, बम्बई

षम्बर्ध, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7983/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दाजार गुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० माला नं० 1 श्रीर 2, जो, किरण इंडस्ट्रियल बिल्डिंग, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितिसर, के सभीन कर दोने के अन्तरक के बार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के न्सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधर के लिए;

बतः भय, उक्त विधिवयम की भारा 269-ग के अन्सरक भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. सेंट थामस मार थोमा सिरियन चर्च।

**(अग्त**रक)

, 2. मार थोमा सेंटर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकारो।

स्पट्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **न**म्सूची

माला नं 1 श्रीर 2, जो, किरण इंडस्ट्रियल बिल्डिंग, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (पश्चिम) वम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/7983/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

सारीख: 10-1-1985

प्ररूप आई.्टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7977/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० जी 12/4, जो, जलपद्मा कोआप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांगूर नगर, गोरेगांबू (प०),
बम्बई-90 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूच में ग्रीर
पूर्ण हिप्प से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख
1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उच्यमान प्रतिफल से एसे उच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः— 1. श्री निर्मल जैन ।

(अन्तरक)

2. श्री आर० वि० अयर (राजमणी वेंक्टराम अयर) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त, सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्**त्र**ी

फ्लैंट नं० जी 12/4, जो, जलपद्मा की-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, बांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-हेई/7977/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख:** 10-1-1985

प्राराप आहर्त दी. एन् एस. ------

भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सर्कार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

सम्बर्ध, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदेश सं० अ**ई-**3/37—ईई/7678/83—84——अतः मुर्से, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 52, जो, 1ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेष्ट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अभ्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं: उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मैं० गृडिया बिल्डर्स

(अन्तरक)

 श्री जगवीश के० मेहता, एच० यू० एफ०, श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

उन्नत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्रमा है।

#### वनसर्वी

मर्विस इंडस्ट्रियल माला न० 52, जी, 1ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), वस्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/7678/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

तारीख: 10-1-1985

प्रकप आहें हो हो । प्रा. एस -----

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-3, बम्बई

बम्ब**ई, दिनांक** 10 जनवरी 1985 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/7677/83-84--अतः मुझें, ए० प्रसाद,

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

मीर जिसकी सं० सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 49, जो, 1ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोइ, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल कें लिए वन्सरित की गद्द मुओं विष्वास करन यह का कारण कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफर्लको पन्द्रहप्रतिकात से अधिक है नौर अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवाहै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे यचने में स्विधा कें लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-बार प्रिथिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डियाने में सुविधा के चिए।

अतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिविस, व्यक्तियों, अभित् :--- 1. मेसर्स गुदेचा बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री गणपतभाई वाबाजी ठनकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ह्रौ, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अन्स्**ची

सर्विस इंण्डस्ट्रियल माला न० 49, जो, 1ली मंजिल, किरण इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि सं अर्ह-3/37-ईई/7677/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10~1-1985

मोहर 🗓

# 

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० आई-3/37-ईई/7679/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं)₁, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 48, जो, 1ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूणं रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६ १ यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है युक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, स्थात्:—

1. मेसर्स गुदेचा बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री नारायणभाई बाबाजी ठक्कर

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु-

- . (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति खुबारा अंभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### तत सची

सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 48, जो, 1ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/7679/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

अर्थिकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निवेश सं 0 अई०-3/37ईई/7681/83-84---अतः मुझे ए ० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- त. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 51, जो, 1 ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है बिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्नुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंमी कि मो आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवश के निए;

बतः वव, उक्त विधितियम, की धारा 260-म के अनुसरण क्षे, क्षे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निकित किल्लामी, क्षेत्रिक —— मैसर्स गृदेचा बिस्डर्स ।

(अन्तरक)

2. मेहल जे० भेहता (मायनर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्कॉर्ग।

स्पर्ध्वीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

# अनुसूची

सर्विस इंडस्ट्रियल माला नं० 51, जो 1 ली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगाच (प०), सम्बर्ध-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37ईई/7681/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक 10-1-1985

मोहर 🛚

# प्रसम् वाहं . टी., एम्. एम्. ----

# नायकार अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वन.

#### ब्राइक बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985 निदेश सं० अई०-3/37ईई/7846/83-84——अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार म्ह्य 25.000/- रुट से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० माला नं० बी-316, श्रीर बी-317, जे. विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस, हायवे, 3 री मंजिल, गोरेगाँव, बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के द्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रामान प्रतिफल से, एसे द्रामान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-चिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मं कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए नौर/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अल्य बास्तिओं को, जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :—— 54—456 GI/84 1. मैसर्स बी० पारीख, एण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

2. सुनील कोल कारपोरेशन।

(अन्तरिती )

नां यह त्यना थारी करके पृथानित सम्परित के वर्षक के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मरित के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी बाओपः-

- (क) इस् स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी सवीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (७) इस त्यना चे ग्राव्यन के प्रकारन की वारीय के 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति वृदारा अभोहस्ताक्षरी के पार किस का किस किस का सकतेंगे।

स्पट्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बनस्पी

माला नं बी-316 और बी-317 जो विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, 3 री मीजल, गोरेगाँव, अम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/7846/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) · अर्जन रेंज 3, वम्बई

दिनातः 10-1-1985 मोहर

# मस्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985
निर्देश सं० आई०-3/37ईई/7861/83-84--अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मन्य 25.000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 115, जो 1 ली मंजिल, विल्डिंग नं० 3, आणिर्वाद है वी इंडस्ट्रियल इस्टेट, राम मंदिर रोड, गोरेगाव, बम्बई-62 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रौर जो पूण प्य से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से एसे दश्यमान श्रीतफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तण कि जिसते में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तित्यों, अर्थात ..... 1. श्री आर० सुकुमारन पिलाई, ।

(अन्तरक)

2. श्री के०पी० मर्णा, प्रोप्राइटर आफ एस० वि० मौल्ड टेक्स । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पधांहम्याक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाष्टिः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्वी

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 115, जो 1 ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, आशीर्वाद हेवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, राम मंदिर, रोड, गोरेगांव, (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-3/37ईई/7861/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अजे⊤ रेंज 3, बस्बई

दिनांक 10-1-1985 माहर . प्रकृष साहु . टां . एन . एस . ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकाह

# कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश स० अई०-3/37ईई/7785/83-84---अत मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उविश्व गाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

मौर जिसकी स० राईअ टायलटल श्रौर इटनेस्ट यूनिट न० 9 मे, जो सती इडिस्ट्रियल इस्टेट, आय० बी० पटेल रोड, गोरेगाव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका न रार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख क अधीन नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 1-5-1984

को पृत्रिक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से क्रम के टर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अत्तरिकार्ग) के बीच एसे जतर्य के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्तविक स्पर से कथित नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा बससे बचने में शुविधा की निए; बाँद्व/शा
- (ब) एेमी किसी बाय या किसी धन मा अन्य अहिन्छ को जिन्हों भारतीय बाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 7) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए;

अत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, जक्त अधिभियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, मधीन .--- । विश्वनाथ सदाशिव रागणेकर।

(अन्तरक)

2 प्रदीप अनत निकर्गे,

(अन्तरिती)

को बहु सूचना आही करक पृत्रों कत सम्पत्ति के वर्णन क विष्यु कार्यमाहिया करना हुै।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप ६--

- (क) हस सबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उदा तावर पर्यात्त में हितबसध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पाकाकरण --इमम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### वग्त्वी

राइट टायटल और इटरेस्ट, यूनिट न० 9 में, जो सती इडस्ट्रियल इस्टेट, आय० बी० पटेल रोड, गोरेगीव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैंमा कि कि० सं० अई-3/37ईई/7785/83-84 मोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक 10-1-1985 मोहर प्रक्ष. अर्थः टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुवना

#### भारत धरकार

कार्याक्षय, सहायक नामकर नामृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश स० आई०-3/37ईई/8030/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो बिल्डिंग "ए" भागनारी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डंकन काजवे रोड, युनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब क अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त शांधिनियम के अभीत कार दान के अन्तरक के बासित्व में कभी करने मा समये बचने मा मृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी नाम या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में द्विया के शिवा;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— श्रीमती राधा के० वोंडानी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शाती आर० गुरबानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्थ किसी अन्य स्थावत व्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित के किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### नंत्रा

फ्लैंट नं० 102, जो, बिल्डिंग "ए" भागनारी को-आप० हार्जीमंग सोसायटी, लि० डंकन काजवे रोड, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अन्न सं आई०-3/37ईई/8030/83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

।देनाक: 10-1-1985

मोहर 🛭

ए० प्रसाद,

प्रकृष वाह<sup>र</sup>, की. एव<sub>ं</sub> एख<sub>ं व</sub> - - - - - -

भावकर साभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी । वास 269-म (1) को संधीन स्थान

#### धारत सरकार

V. .

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरा 1985 निदेश सं० धर्द०-3/37ईई/7507/83-84---महा: मुही,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

'श्रीर जिसकी सं० यूनिट न० 142, जो 1 ली मंजिल, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल, इस्टेट, कांजूर मार्ग, 'विम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद मनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारतामा आयकर श्रीधिनियम 19,61 का धारा 269 जख के श्रधीन सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय बम्बईमें र्राजस्ट्रा है दिनांक 1-5-1984

जो पूर्वोक्त सम्बन्धित के उभित बार्गार मुख्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की राइं हुँ विश्व मुक्ते यह विश्वास देने का कारण है कि यथर पूर्वोक्त सब पत्ति का उभित बाजार ल्या, उसके दश्यमान प्रति कल से एसे ब श्यमान प्रतिफल का पंद्रह तिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कां) और अन्तरिती बन्तरितियाँ) के र्वाच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नि लिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवृद्ध हम से अकत अन्तरण लिखित वास्तिवृद्ध हम से अकत अन्तरण लिखित वास्तिवृद्ध हम से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित मा कमी करना मा असमे अपने में स्विधा के लिए और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उवः अधिनियमं की धारा २६९-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियमं की धारा २६९-घ की उपधारा (1) अधीरः, निम्नलिषित व्यक्तियों, अर्थतं --- हिरानंदान) इंडस्ट्रियल इंटरप्राइसेस,

(मन्तरक)

2. डायनाटेक इंडस्ट्राज ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया समा है।

#### वयसची

बूनिट नं० 142, जो , 1 ला मंजिल, हिरानंदाना, इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्गे, बम्बई में स्थित है।

भनुसूचा जैसा क० सं० भई-3/37ईई/7507/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनोक 1-5-1984 को रजिस्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रायंत्र रेंब-3, बन्दाई

वियोक: 10-1-85

महार ६

# प्रक्य बार्ड , ही. एत्. पुर ....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

'कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्भन रेंच-3, बम्बद्

वम्बर्ध, दिनांक 10 जनवर: 1985

निवेश सं० भई०-3/37ईई/8134/83-84--- ग्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, इह जिस्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृस्स 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकः सं० दुकान नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, मिना भ्रपार्टमेन्टस, वेसाई फैमिलं, स्किम, मामसतदार, वास्त, मालास (प०), बम्बई-64 में रस्थत है (ग्रीर इपसे उपावड ग्रनुसूषा में भीर जो पूर्ण रूप से विजित है) भीर जिसका करारनामा भागकर अधिनियम 1961 का धार। 269 कख के भवान सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्र। है दिनांक 1-5-1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के रश्यमान लिए अन्तरित' विश्वास करने का यह कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे टब्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्क है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एंस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदुद रथ में उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ कियो लाग ती राजत, अस अभिनियम को अभीन कार प्रीये की जन्तरक को दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा की 'आए; प्ररि/मा
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के निए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. भिखाभाई सौंकाभाई पटेल ।

(अन्तरक)

2. श्रीष्ठर कारोया शालोपम ।

(धन्तरिती)

को यह सृष्या शारी कारके पृश्नोंक्य सम्पृत्ति के वृष्य के निष्य कार्यशाहियां करता हुं।

उमत सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाधित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

#### वन्स्ची

द्काक नं० 1, जो ग्राउंड फ्लोर, मिना अपार्टमेंट देसाई फींसिकी फिरमा मामलतदार वाडो, मालाड(प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क र्म० अई-3/37ईई/8134/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रॅज-3, वस्बई

बितांक : 10-1-1985

मोहर 🖫

प्रक्य बाह् ु टो. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269-म (1) के अभीन सुज्ता

#### धारत सरकार

आयांस्य , सहायक अरयकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजैन रेंज 3, बम्बई बम्बई, विनांक 10 जनवरः, 1985

निर्वेश सं० भई०-3/37ईई/8133/83-84--- मूझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िष्से इसके राज्यके पश्चात उक्त निधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-स को अिन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित नाजार संस्य 25,000/- सं की कि हैं

भीर जिसकी सं० दुकान नं. 5, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, मिना प्रपार्टमेन्टस देसाई फैमिला स्कोम, मामलतदार वाड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है ग्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रामकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रध्न, सक्षम प्राधि-कारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुइ किन्दी नाम की पायत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कन्नी करने या उससे अधने मे सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धने कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधर के लिए;

नतः कव, उक्त निभित्तियम की धारा 269-ग के निग्तरण मं, को, उपत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) हो अधीन, निज्ञतिस्तित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्रीमतः भंबाबेन नाथालाल पटेल ।

(मन्तरक)

श्राधर काराया सालायन ।

(भ्रन्तरितः)

को यह सुषमा जारी करके पुनावित सपांत्त के अर्जन के सिक् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी नाम व्यक्तिस द्वारा अभांतरक्षश्चरी के पास विश्वास में किए जा सकारो।

स्थव्योक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शक्त और पक्षा का, जो उक्त विभिन्नयम, क वश्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विशा मया है।

#### *प्र*नुसूची ।

हुकान नं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोश्नर, मिना ग्रपार्टमेन्ट्स, देसाई फैमिला स्काम, मामलतदार वाडा, मालाड (प०) वस्वई-64 में स्थित है।

श्रनुपूज, जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/8133/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकार' बम्बईद्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 19-1-1985

मोहर .

# मक्ष वार्ड, टी. एष. एष्.—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
भार्जन रेंज 3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्देश सं० ग्रई०-3/37/ईई,8092/83-83--- मुझे ए॰ प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क र्यात सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० दुकान नं० 58, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, ग्रानन्द शापिक सेंटर, गौशाला लेन, मालाड (पू०), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्राधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनोक 1-5-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रव्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंगरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्त कि रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उकत अधिनियद के अधीन कर वाने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थीस् :--

1. आ भारत सा० चन्हाण ।

(अन्तरक)

2. श्रा संनोक सिंह एस० कोइला।

(भ्रन्तरिता)

का वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

्र उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 🏣

- (क) इस सुजना क राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुमना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत स्थितियों भें से विसी व्यक्ति दशार,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में विया गया है।

#### ननुसूची

दुकान नं 58, जो प्राउन्ड फ्लोग्रर, ग्रानन्द गापिंग सेंटर, गौशाला लेन मालाड (पू०), बस्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि कि कं ग्रंड श्रई-3/37ईई/8092/83-84 भौर जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 का रिजस्टक किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी! सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज 3, बस्वई

दिनांक 10-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरः, 1985 निर्योग सं० प्रदे०-3/37ईई/8061/83-84—-प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 12 जो गुरु कुपा, लिकिंग, रोड, के पीछे, एवरणाईन, नगर के काजू में, भित चौकी, ग्राफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के अंतरिती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक दरयमान प्रतिफल से, एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, यानतः धिमिनम के सभीत कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को १1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियः वर्धात् क्रम्म 55--456 GI/84 1. प्रगति इंटरप्रायजेस ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री ग्रन्तत मुदाम पहाटे।

(भ्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिल कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

दुकान नं० 12, जो गुरु कृपा, लिंकिंग रोड के पीछे, एवरणाईन नगर के बाजू में, मित चौकी, भ्राफ मार्बे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई/3/37ईई/8061/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग 3, बम्बई

दिनांक 10-1-1985 मोहर: प्रस्य नाइं त दी तु एवं तु एस व्यवस्थान

जायकर जिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 4, बम्बई सम्बई, सिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई०-3/37ईई/8046/83-84--अत. मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उधत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट, बेग्नरिंग, नं० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, "सम्ग्राट" बिल्डिंग, जनकल्याण नगर, मालाड, बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कवा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में दिनांक रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्स्टिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (४) पुरेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मैससं शांग्रीला कन्स्ट्रमणन कपनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री दिलीप एस० बुडनाईक।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सृष्त्रा भारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के केंजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य श्वातिक ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पक्ष्तीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदों का, थो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्वी

फ्लेट बेझरिंग, नं० 4, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, "सम्प्राट" विल्डिंग, जन कल्याण नगर, मालाड, बम्बई-68 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्नई० 4/37ईई/8046/83-84 झौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्ट उँकिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

कतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभारत :---

दिनांक: 15-1-1985

## प्रथम् आर्द् .टी.एम्.एस्.------

# नायकड निप्तियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के नवीन ब्यान

## भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिय)

म्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निवश सं∘ श्रई०-3/37ईई/8060/83-84----मतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाचार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है:

भौर जिसकी सं० फ्लेट, नं० 404/बी, जो 4 थी मंजिल, भाराधना 97, किशन रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वीक्त संपरित को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रसिर्फल के लिए अन्तरित की यह विश्वास करने ਰਜ कारण है येथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ब्लारण वे हुई किसी आग की बाबत, जबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा क निए; मार/या
- (च) ऐसी किसी नाय वा किसी वन वा अन्य आरित्यों का, विन्हें भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा वै किए;

अतः अने, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित अथिक्तियों, अर्थात् ह 1. श्री श्रशोक कुमार के० देवरा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गजानन्द, एन० ग्रड़िकया श्रीर **श**न्य ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करंके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी धाओंद :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी है हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए वा सकांगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

पलेट नं० 404-बी, जो 4 थी मंजिल, ग्राराधना, 97, किशन रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

प्रनुसूत्री जैसा कि कि सं प्रई-3/37ईई/8060/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा धिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिनांक : 10-1-1985

## प्रकथ गाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरुकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37/ईई/8094/83-84:---भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर भििनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावस सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, तोसरा मंजिल, "एफ" विंग, (श्रांतलांटा)", प्लाट नं० 38, वालनाय व्हिलेज, मार्ने रोड़ मालाड़ (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिएं और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्ल गास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निष्;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) मैसर्स ग्रार० जी० बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(भन्तरक)

(2) श्रोके० एन० सुर्याप्रकाशजी।

(भन्तरित))

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्पी

फ्लैट नं० 302, जो, 3री मंजिल, "एफ" विंग, "ग्रटलांटा", प्लाट नं० 38, वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं।

भ्रनुसूची जैसा कि की० सं० श्रई-3/37 ईई/8 094/8 3-8 4 भीर जो सक्षम प्राधिकार।, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेज-3, बम्बई

तार)ख: 10-1-1985.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्देश मं० श्रर्श-3/37/ईई/8140/83-84:--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसका मं० पर्नेट नं० एल/12, जो, 3रा मंजिल, बिल्डिंग हराह्वार-1, प्लाट नं० 18-19-20ए, ग्राफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुस्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 का धारा 269 के, खे के ग्रीध न बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारोख 1-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिएम्फे यह विष्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री लक्ष्मा नारायण ग्रगरवाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शामा विनोद कोटक ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जा<u>री करको पूर्वोक्त सम्पृत्तिः</u> के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हु<u>न</u>े।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्मन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन, की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त् स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विष्ण गया है।

## अनुस्धी

प्लाट नं॰ एल/12, जो, 3रा मंजिल, बिल्डिंग हरीद्वार-1, प्लाट नं॰ 18-19-20ए, आफ मार्वे रोङ, मालाड (प॰), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूचे। जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/8140/83-84 भोर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंअ~3, बस्ब€

नारीख: 10-1-1985

**४स्य बार्**ू टी. एन. एस. -----

कासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुचना

## शाहत राज्याह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीम रेंज-3, यम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/8043/83-84-- मत. मुझे, ए० प्रसाद,

ब स्वकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक के पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,00 ज/- रु. से अभिक है

भीर जिसक र सं० प्लाट नं० 4, जो, रोड़ नं० 3, प्रपोसडू को-भाग० हाउसिंग सो, पाउटा "भीवनर", लिबर्टी गार्डन, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट के बाजू में, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद म, सूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा मायक र मधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के मधीन बम्बई हि एक सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, ताराख 1-5-19 84

को प्वास्तित सम्पत्ति को खिषित बाबार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि य चाप्वोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिकास से, एसे दर्यमान प्रतिकान का पन्नाइ प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बं जि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मसिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से करियत नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्च अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

िश्वतः वव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण -में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, जधीत :— (1) मैसर्स एस० मार० इन्टरप्रायजेस ।

(मन्तर♥)

(2) श्री भिषालाल सोखभाई पटेल।

(ब्रन्तरिती)

चीं वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वें
  45 यिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्तवी

प्रपोल्लाडू को-म्राप० हाउसिंग मोसाईटी "ग्रीदुबर", प्लाट नं० 4, जो, रोड नं० 3, लिबर्टी गार्डन, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट के बाजू मे, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूचा जैसा कि क० म० ग्रई-3/37-ईई/8043/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज--3, बस्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

أوا ماند

# कार्यासय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्देश सं० **मर्र-**3/37-ईई/98098/83-84:--प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर क्रिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं प्लैट नं 402, जो, 4थी मंजिल, "ए" विंग, "मन्टलांटा", प्लाट नं 38 म्राफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (अन्तरितियार्ने) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत स्रवत निध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सि या जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः व्या, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स भार० जी० बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(भन्तरक)

(2) श्री हरवर्ट लोबो ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करको पृत्रों कर सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 वित की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारं वधोहस्ताक्षरी के 'पास लिक्ति में किए जा सकों में।

स्वक्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा गया है।

## नगचर्च

फ्लैट नं० 401, जो, 4थो मंजिल, "ए" विग, "म्रटलांटा", प्लाट नं० 38 म्राफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड़, मालाख (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूच<sup>1</sup> जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/8098/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निराक्षण), मर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985.

प्रकप बाह . टी. एन. एस.-----

भावफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-म (1) जे अधीन सूचना

## प्रारत स्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

ं निर्देश सं० भई-3/37-ईई/8177/83-84---- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/45, जो 4थी मंजिल, नालंदा-2, प्लाट नं० 32 भौर 33, व्हिलेज वालनाय, एवरणाईन नगर के बाजू में, मिथ चौकी, ग्राफ मार्चे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक का मिम्नीविषत संदृश्य से उसत अन्तरण निचित में वास्तिक क्य से कार्यन नहीं किया गया है :---

- (का) बन्तरण से हुए किसी साम की बाबत उक्त सिध-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धवने में सुविधा के लिए, बीट/बा
- (क) एंसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियां की, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया एप्रा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिधा को लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती मोहिनी सी० खिलनानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संध्या ग्रमोकन त्रिक्का हेरी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बाड़ी करके प्वांचित सम्मिति के मर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्त्रन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में टेन्ग् चा सकांगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उपद अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याम में दिशा नवा है।

## नम्स्ची

फ्लैट नं० बी-45, जो, 4थी मजिल, नालंदा-2, प्लाट नं० 32 भ्रौर 33, व्हिलेज वालनाय, एवरणाईन नगर के बाजू में, मिथ चौकी, श्राफ मार्वे रोड, मालाड (प०), वम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि करु मंरु श्र $\frac{5}{3}$ 37-ईई/8177/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज-3, बम्बई

तारीख 10-1-1985

(मन्तरिती)

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० धर्म-3/37-ईई/8074/83-84:----- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिस्का अचित बाबार मृस्य 25,000/- सं अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 503, जो 5वीं मंजिल, "एफ" विंग, "श्रटलांटा", प्लाट नं० 38, श्राफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके परयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से किक नहीं किया नवा है है

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उनमें बचने में मृतिधा के लिए. और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिम्हुं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिन में स्विधा के लिए;

अत: अज, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित यिक्तियों, अधीत ——
56—456 GI/84

- (1) मैससं श्रार० जी० बिल्डर्स प्राह्मवेट लि०। (श्रन्तरक)
- (2) श्री साईनाथ रामाकृष्णा ।

का यह सूचना जा**दी करके प्**वांदत सम्परित के अर्थन के िए कार्यवाहियां कर**ता ह**ै।

उक्त सम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचमा की तामील में 30 दिन की स्विभि , जो भी जयि। बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत स्थानितयों में से किमी स्थानित हुआए।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति केवाग अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

फ्लैट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, "एफ" विंग, "ध्रटलांटा", फ्लाट नं० 38, ऑफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड़, मालाड (प० सम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/8074/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985.

प्रकल आहाँ, टी. एन एस. -- ---

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/8095/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो न्यू एवरणाईन को-प्याप० हार्जिस सोसाइटी लि०, (गोकुल), एवरणाईन नगर, ग्राफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इसते उपावड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम. 1961 की घारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को प्योंक्ड सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ने यह विश्वास अरन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार इत्या, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में नामायिक ल्प से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के लाखित्व में कमी करने या उससे बचने में भविधा मिल्ल और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा औं सिए;

कतः अवतः अविशिवसम् की धारा 269-ग के अनुसरण बें, मैं, उपकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को कभीन निम्मिसित व्यक्तियों, वर्धात अस्त (1) श्री कन्हैयालाल पोपली श्रीर श्री केशव चंदर पोपली।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी मोनिका नंदलाल पंजाबी श्रौर श्रीमती सुशीला नंदलाल पंजाबी।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुने।

जनतः सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मृत्यना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति तुत्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्त में किए जा सकरा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनसूची

प्लैट नं. 11, ओ, न्यू एवरशाईन को-आप. हाउसिंग सांसाउटी लि., (गोकुल), एवरशाईन नगर, आफ मार्के रोड, मालाड (प), अम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. मं. आई-3/37-ईई/8095/84-84 और जो सक्षम प्राधिकय्री, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहींयक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज-3, सम्बद्ध

तारीख : 10-1-1985

## त्रक्य वाही, दी, इन, एव, ----

## बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निर्देश सं० ग्रर्ड-3/37-ईई/8069/83-84:--श्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, विल्डिंग—सी, ग्राउंड फ्लोग्नर, फिलरेना को-श्राप० हार्डासँग सोसाईटी, शंकर लेन विस्तारित, एन्ड ग्राफ टन्क रोड़, ग्रोर्लेम, मालाड (प०), बम्बई—64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1~5~1984

का पृत्रा कत संपत्ति को उचित नाजार मूस्य से अम के क्ष्यमान प्रतिफल को सिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रों कत संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके देशयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जोर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नितिवत उद्वेश्यों से ब्लद जन्तरण कि बिद्ध में बास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरूप स हुरू फिली अध्य की शब्द, समध बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (थ) एंसी किसी जाथ या किसी वन वा कत्य जारिसवाँ को जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, ता धन-कर अधिनियम, ता धन-कर अधिनियम, ति 1957 को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के जिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती खिस्तिन डिसोजा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीटी० भास्कर मेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना वारी करके पूर्वोक्त बन्गीत के वर्षन् के विश् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्रोप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकालन की तारींच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामींच से 30 दिन की जबिध, को भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स क्षित्रयों में से किसी क्षित्र ब्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन कि तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो सबस जिमितियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, नहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में विका यवा हैं।

## बन्स्ची

फ्लैट नं० 9, जो बिल्डिंग—सी, ग्राउंड फ्लोभर, । कलरेता को—ग्राप० हार्जीसंग सोसाईटी, गंकर लेन विस्तारित, एन्ड ग्राफ टन्क रोड़, ग्रोलेंग, मोलांड (प०), बम्बई—64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/8069/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा विनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

तारीख: 10-1-1985

अरूप आइं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजीन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/8056/83-84:--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 16, जो 3री मंजिल, प्लाट नं० 56ए-2, टी० पी० एस० नं० 1, मेघा पलैट ग्रोनर्स की-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, दफ्तरी रोड़, मालाड (पूर्व)., बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती कमलाबाई गुरुराज पांडुरंगी।

(भ्रन्तरक)

(2) मावजीभाई खोदाभाई पटेल ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में की हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तित्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों से किसी व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं 16, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं 56-ए-2, टी पी एस नं 1, मेघा फ्लैट म्रोनर्स को-म्राप हाउसिंग सोसाईटी लि , दफ्तरी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/8056/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985.

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

(1) मन्भाई के० शहा।

(भ्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

(2) श्री विजय छोटालाल शहा।

(भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/8053/83-84:--- ग्रतः मुझे.

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है"), की भाग्र 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 67 मालाड, ग्रजठा को० भ्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, दफतरी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) आँर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्यों से उक्त मन्तरुण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (अर) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया पाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के निए:

असतः वयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्---

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्य

फ्लैट नं ० 9, जो 3री मंजिल, प्लाट नं ० 67, मालाङ ग्रंजठा को-म्राप० हार्जीसग सोसाईटी लि०, दक्तरी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई--64 में स्थित है।

धनुसूची औसा कि क॰ सं॰ धई-3/37-ईई/8053/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण), धर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रार्जन रेंज-3, बस्बई बस्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निर्वेश सं० भ्रई०-3/37-ईई/8181/83-84:---म्रतः मुझै, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

25,000/-रा. सं अधिक हुं भीर जिसकी सं० गाला नं० 67, जो, ग्राउंड फलोग्नर, मालाड ग्रांपिंग सेंटर, प्लाट नं० 346, स्वामी विवेकानंव रोड़, मालाड (प०), बम्बई—64 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिस्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात ः— (1) मैसर्स डी॰ डी॰ शहा एण्ड सन्स ट्रस्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केशवजी रायशी सतरा, उर्फ शहा शांताराम भट्ट।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुसूची

गाला नं० 67, जो ग्राउंड फ्लोग्नर, मालाड शॉपिंग सेंटर, फ्लाटनं० 346, स्वामी विवेकानंद रोड़, मालाड (प०), वम्बई-64 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कर सं  $\pi \xi - 3/37 - \frac{1}{2}\xi/8181/83 - 84$  भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🥫

प्ररूप कार्ड् . टी . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## सारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई , दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० **शई**-3/37ईई/8180/83-84-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उ कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000'- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं भाला नं 68, जो ग्राउंन्ड फ्लोर, मालाड शापिंग सेन्टर, फ्लाट नं 346, स्वामी विवेकानन्द रोड, मालाड (प०), बम्बई – 64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा शायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्र, है सारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंचह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-निष्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे अचन में स्विधा के निष् बार/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय त्यायकर जीधी त्यम, 100 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स खी० डो० शहा एन्ड सन्स ट्रस्ट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवजी रायशी सतरा उर्फशहा शांताराम भट्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाधिया शुरू करता हु।

उक्त गपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 रिंदन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरूताक्षरी की पास विशेष्ट में किए जा सकरेंगा

स्पट्टोकरण :--इमरा प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उन्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुमूची

माला नं० 68, जो ग्राउन्ड फ्लोर, मालाड शांपिंग सेन्टर, प्लाट नं० 346, स्वामी विवेकानन्द रोड्, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रीनुसूची जैसा कि क्षम सं० श्रई-3/37ईई/8180/ 83-84 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸3, बस्बई

दिनांक : 10-1-1985

प्रकम बाह्र . टी. एव. एसं. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० मई-3/37-ईई/8179/83-84-मत: मुझे ए० प्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से कि धक्त है

भीर जिसकी सें० फ्लैट नं० 59, जो बिल्डिंग नं० 2, एस० के० पाटील रोड, भालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधनियम' 1961 की धारा 269क, ख के श्रथीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में र्राजस्ट्री। है तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्म हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि संभापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बल्वह प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीज एसे बल्तरण के लिए तस पासा जया प्रतिकृत का निम्नीमिक्त त्वृद्धिय से सकत बंतरण निम्नीमिक वे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) कलारण सं हुई किसी बाय की बायत स्वत अधिक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करन या उससे वचने में सुविधा के लिए बीर/या
- (व) इंसी सिक्सी बाव वा किसी थन या बन्य आस्तिवीं की, किन्हीं भारतीय आसकर विभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए:

अतः श्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) श्रीमती शांती राम प्रकाश धिग्रा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री देवकी मन्दन सहदेव कारोबाला। (झन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

## भ्रनुसूची

पलैट नं० 59, जो बिल्डिंग नं० 2, एस० के० पाटील रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि काम सं० प्रई-3/37ईई/8179/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) ⁴ ट भ्रजेन रेंज, 3–बम्बई

विनोक : 10→1-1985

## प्रकार जाद" ती . हम . एस . -------

भारक श्रीधनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## मारत सरकार

भार्यालय, सहायक जायकर आयृक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेष सं० अई-3/3-ईई/8151/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वसाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. स' अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 3-सी-37, जो, 2री मंजिल, बाफ-हिरा नगर, मार्वे रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्यं उपाके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह किया के शिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और (अं विष एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कर त उद्योग्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्त-विश तम्हीं किया गया है:---

> क से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त नवम के बचीन कर दने के बन्तरक के । में कमी करने या उससे उचने में सुविधा ए, और/या

(ब्रिट्रिसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों किसी, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः, जन, उन्त अधिनियमं, की धारा 269-न की जन्तरक कों, मीं, जनत अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----57---456 GI/84 (1) मैसर्स वाफ-हिरा बिल्डर्स ।

(ग्रम्तरक)

(2) श्री ग्रमर उदव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उच्छ संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वासरे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अबिध या तत्सन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताकारी के पास जिस्तित में किए जा सकींगे।

## गग्राम्

क्लैट नं 3-सी-37, जो, 2री मंजिल, बाफ-हिरा नगर, मार्बे रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/8151/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)। भ्रजन रेंज-3, बम्बई।

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

कामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/8067/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर क्षीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के मधीन सक्षम प्राधिकारी कां,, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित राजार मृल्य 25,000/- से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० पलैट नं० 606, जो, 6वी मंजिल, "ए" विंग, मान सरोवर, जंक्शन श्राफ गोविंद नगर और एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुस्त्री में श्रौर पूर्ण रूप विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

का पृत्रों कर सम्बर्धित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई हैं, और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभाप्बोंकत संपर्दित का उचित् बाजार मृस्य, उसके दश्मान प्रतिकत से एसे रश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया बातिकन, निम्नसितित उद्देश्य से उक्त जन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण वे हुई किती बाय की बाबत उन्त अधि-" निवास के अधीन कर दोने का अन्तरक के धायिम्ब सं कभी करने या उसमं बचन में स्विधा के लिए. बीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य नास्तिओं का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रथट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री क्रिज लाल सेवलदास ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संजीव मरन श्रीर श्रीमती शैली सरन। (भ्रन्तरिती)

की यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना क राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन की वर्वाध या सत्सबंधी प्रतिकार पर सूचना की सामील से 30 दिन की अधि , ओं भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य त्योकत द्वारा अ ग्रोहस्ताक्षरी के एक लिखित में अक्षिप जा सकरेंगे।

व्यक्टीकरणः---इसमें प्रण्क्स शब्दों और पदों कार को उक्त अधिनियम के स्थयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा जो उस अध्याद में व्यवस गया हैं।

#### er er vå

पलैट नं ० 606, जो, 6वीं मंजिल, "ए" जिला त्रिक्त, जंक्शन श्राफ गोविंद नगर, ग्रौर एस० वी० (प), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रमुसूची जैसा कि क० स० ग्राई-3/37-ई -84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), - श्रर्जन रेज--3, बम्बई ।

तारीख : 10-1-1985 मोहर प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

(1) देशमुख बिल्डर्स प्राईवेट लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रसाद ग्रानन्द चन्दन

(भ्रन्तरिती)

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांफ 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं० ग्रर्ई-3/37-ईई/8065/83-84--ग्रत मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अगरण हैं 'कि उदारण सम्भित्त, जिसका जिल्ल बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 008, जो, ग्राऊंड फ्लोर, श्रजिस पार्क—बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यासय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार शृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बांबंस, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने को अंतर्रक के दाजित्य में काम करन ना उससे बचने में स्विधी के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आथ या किसी अन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर रुधिनियम, स्तुर्भ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) औं अधीन, निस्निसिक्त अधिकतात्रों, अधीत् अ— को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों को पास लिकित में दिये जा सके पी।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पांच्याचित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय म विका परा है।

#### जन चर्ची

फ्लैट नं० 008, जो, ग्राऊड, फ्लोर, ग्राजित पार्क बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-3/37-ईई/8065/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जम रेंज-3, बम्बई

तारीख . 10-1-1984 मोहर : प्ररूप बार्ड. टी. एत. एस.-----

नाथकर जिभितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्थालय, सहाबक नायकर नायक्त (निरक्षिण)

नायक्षर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विच्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से नधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 9, जो, 2री मंजिल, कामाक्षी को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी, देविदयाल रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),/श्रीर जिसका करारनामा धायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख क श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्ड़ोक़र्ता के कार्यालय, शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्ष्म अध्कारी के सम्मूख/के पास रिजर्ड्डोक़त किया गया है मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्युद्ध से उक्ट अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से करीयत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में श्रीवजा के लिए।

चतः सम, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) क सभीन, निम्निलिखित स्थितस्यों, अर्थाल् क्र--- (1) श्री एल० एस० पुरोहित

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शशिकात एस० शहा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध धाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृथे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारास स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्द्रकी

फ्लैट नं० 9, जो, 2री मंजिल, कामाडी को-ग्राप० हाउ-सिर्ग सोसाईटी लि०, देविवयाल रोड, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-3/37-ईई/7793/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रस्जिटकं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण), भर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख: 10-1-1985

प्रकृप बाई .टी . एन . एत , ::========

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

## भारत बरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/8102/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 8, जो, बिल्डिंग नं० 3, विंग-ए, बाफ-हिरा नगर, व्हिलेज मालवनी, मार्चे रोउ, मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 196 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को प्रांक्त संपरिता के उचित बाजार मृल्य भे कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वें यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्थ, उसके क्रयमान प्रतिफल को एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (का) अन्तरण सं हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियज्ञ, अर्जे अधीन अर्थ केने अर्थे अल्लरक अर्थे दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः बब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के समुस्रक में, में उक्त अधिनियम का धारा 269 व की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित त्यिक्तयों, पर्यात् —

(क़) श्री बाफिहरा बिल्डर्स (प्राईवेट) लि०

(अन्तरक)

(2) श्री के ० गोपीनाथ

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के सिहर कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ----

- (क) इस स्थान के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 विम की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 विन की जनिथ, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुनारा,
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में श्रकासन की क्षारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनस्थ कियी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताकरी के ज्य हिस्सित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त **अध्याय** 20-क में परिभाषित **इ<sup>8</sup>, वहीं कर्य हो**गा, को उस अभ्याय में दिया, **गवा ह**ै।

#### नगराच

प्लैटन० 8, जो बिल्डिंग नं० 3, "एँ विग, बाफ-हिरा नगर, प्लाट बेअरिंग सी०टी० एस० नं० 8, सर्वे नं० 263/ (बंग), व्हिलेज मालवनी, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-3/37-ईई/8102-83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, **बम्बई**

विनांक : 10-1-1985

मोहर 🕆

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचत

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्देश स॰ अई-3/37-ईई/8100/83-84-अत: मुझे ए॰ प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पलें ट नं० सी/44, जो उर्रा मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, बाफ-हिरा नगर, व्हिलेज मालवर्ना, मार्चे रोड, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की थारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सभान प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) अधिकत्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय गागा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निल्का में वास्तियक रूप से किथत नहीं कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा वायित्य के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

जतः जस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) कृष्टे अधीन, निम्मतिश्वित स्पन्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं ॰ बाफ-हिरा बिल्डर्स प्रायवेष्ट लि॰ (अन्तरक)
- (2) श्री मोमर भाटकर, स्रोर श्रीमती मैमूना स्रोमर भाटकर

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिक शूरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होशी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भात्त में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे। गया है।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2:0-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनस्यी

फ्लैट नं० सी/44, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, बाफ-हिरा नगर, व्हिलेज मालवनी, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/8100/-83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, सम्बर्ध।

तारीख: 10-1-1985 मोहर :

## प्रक्रम बाह . दी . एव . एक , .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना .

भारत सरकार

## कार्यानय, स**हायक जायकर आयुक्त (निर्णक्षण)** अर्जन रेंज-3, वस्वर्ड

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/8158/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित् बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 46, जो, सी-विंग, बिल्डिंग नं० 3, वाफ-हिरा नगर, व्हिलेज मालवनी मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित .है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल न निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलाहा में वास्तिवक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अर्थिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविवा के निक्त; बीर/का
- (क) एमी किसी ठाव या किसी धन या जन्य वास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन का अधिनियम (१९५७, (1९५७) का 27) का जनार्थ वन्नियम (१९५०, (1९५७) का 27) का जनार्थ वन्नियम जाना नाहिए था, क्लिपाने में सीपान के जिन्न

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे एधीर निम्वलिखित क्यक्तियों, वर्षाव ह—

- (1) मैं ० बाफ-हिरा बिल्डर्स (प्रायवेष्ट) लि ० (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद अली। (म्रन्तरिता)

को यह स्वना कारी करके प्वाँकत सम्मत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हो:

उन्ध सम्मति के नदीन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुभ किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अक्षाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए हा सक्तें हैं .

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्थ इंग्या, को उस अध्याद में दिया गया है।

ग्रनुमुची

फ्लैंट नं० 46, जो, सी-विंग, बिल्डिंग नं० 3, बाफ-हिरा नगर, व्हिलेज मालवती, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37–ईई/8158/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एं० प्रजाद नजम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जनरेंज-3, बम्बई।

दिनांक 10-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीकाण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

्रुँबम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई--3/37--ईई/7805/83--84---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० सी०/34, जो, बिल्डिंग नं० 3 1 क्षी मंजिल, व्हिलेज मालवनी, मार्ने रोड, मालाड (प०), बम्बई-64, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-

कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूम्में यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविद्य स्था से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिन्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा केलि:
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया प्राना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे शिका;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मै॰ बाफ-हिरा विरुडर्स प्रायवेट लि॰। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अनिताकार**डोश**। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र के प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, थो भी वर्षाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

पर्जंट नं ० सी/34, जो, बिस्डिंग नं ० 3, 1ली मंजिल, विह्लेज मालवनी, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई—64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के अई-3/37-ईई/7805/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बम्बई ।

तारीखा: 10-1-1985

प्रस्य आई.टी.एन एस.-----

# बार्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (१) के अभीन स्पृता

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/8103/83-84-- म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके परिधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो, 4थी मंजिल, "ए" विग, बाफिहरा नगर, बिल्डिंग नं० 3, व्हिलेज मालवनी, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान लिए अन्तरित की विश्वास करने ह⁴ का कारण कि सथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके रूप-मान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्युद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण मं हुइ किसी बाम की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: बरि/या
- (५) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य ज्ञास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् .---58 -456 GI/84

- (1) श्री बाफहिरा बिल्डर्स (प्राईवेट) लि॰ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ओमप्रकाश श्रोबेरॉय (भन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिस्यः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्सुची

फ्लैट नं 15, जो 4थीं मंजिल, "ए" विग, बाफहिरा नगर, बिस्डिंग नं 3, व्हिलेज मालवनी, मार्बे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/8103/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेज--3, बम्बई

दिनांक 10-1-1985 मोहर ; 1-5-1984

## प्रक्य आहें . टी . एर . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश स० श्रई-3/37-ईई/8102/83~84~श्रनः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, "ए" विंग, बाफहिरा नगर, बिल्डिंग नं० 3, व्हिलेज मालवनी, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वायत सपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाग की वाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के धायित्व में कमी अरते या उसमे बचने में मुविधा के लिए, ब्रोद/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थर या किया जाना नाहिए था छिपाने में रिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों. सथीत :---

- (1) श्री बाफहिरा बिल्डर्स (प्रायवेट) लि०। (श्चन्तरक)
- (2) श्री दिग्विजय ग्रोबेरॉय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन के सिष् कार्यवाद्यिया क्रुफ कर्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के, पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोक्षरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### नग्स्ची

फ्लैट नं० 15, 4थी मंजिल, "ए" विग, बाफहिरा नगर, विल्डिंग नं० 3, व्हिलेज मालवनी, मार्चे रोड, मालाड (प), बम्बई--64 में स्थित है।

ग्रनुसुधी जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-3/37-ईई/8102/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम म्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेज 3, **बम्बई**

विनांक: 10-1-19

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रेज-3, बम्बर्ष

धम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/8170-83-84-अनः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 3/डी/56, जो, बाफहिरा नगर, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-95 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिमका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5+1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सः, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण स हुइ किसी नात की बाबत, उनक नोधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य से अभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, नौर/वा
- एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कै लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री वाफहिरा विल्डर्स (प्राइवेट) लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्याम सुन्दरलाल श्रार० गुप्ता। (श्रुन्तरिती)

का यह सूचना बारी करक पृथाँकत सम्पृतित के वर्जन के निष् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

## जबत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी स्पिक्तयाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

फ्लैट न० 3/31/56, जा, बाफहिरा नगर, मार्व ोड, $\geq$  मालाड (प), बम्बई-95 में स्थित है।

श्रनुसूची जँसा कि ऋ० स० श्रई-3/37-ईई/8170/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-3, बम्बई

तारीख 10—1—1985 ----

माहर

अक्य बाइ ्टी. एम. एस.-----

नायकर निपानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के न्यीन सुचना

#### मार्व चुडकान

कार्यात्व , सङ्घायक कायकर आधुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज--3, बम्बई।

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई-3/37-ईई/8167/83-84--भतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इत्तमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं वृकान नं 4, जो, नरसिंह प्रपार्ट मेंटस, नरसिंह लेन, ऑफ एसव बीव रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से 'विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिबक रूप से केशित नहीं किया गया है:—

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी जाय की वावस, उच्च अधिनियम के जभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृतिभा के जिए; जीर/या
- (क) एंबी किसी बाय या किसी थन या अन्य बास्तिनों को, बिन्हें भारतीय आवकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिशा के लिख;

बत: शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन मुस्लिकी खत स्थीनतभी अभात छ--- (1) श्री पितांबर बशाराम पहुजा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभावेन असवन्त शाहा

(अन्तरिती)

को वह सुचना चारी कर्ड़के पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन क सम्बन्ध में कोड़ें भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के सम्पन्न में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनींथ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध जो भी वृष्टि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वाडीन के 45 विन् के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तक्ष्य किसी सन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाक सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया स्या है।

## अनुसूची

दुष्तान नं० 4, परसिंह ध्रपार्टमेंटस, नरसिंह लेन, श्राफ एस बी० रोड, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रर्ड्-3/37—ईई/8167/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1−5−1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मञ्जम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राचैन रेंज-3, बम्बई ।

तारीख: 10-1-1985

नोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवर। 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/8145/83<math>-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25.000/ रू. से अधिक है

25,000/- रत. से अधिक है श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० सी० (308), जो 3 मीजिल, बिल्डिंग नं० सी० पा० एन० कोठारा इस्टेट, कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचे। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 को धारा 269 के, ख के प्रजीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, ताराख 5-1-1984 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान लिए प्रतिफल के अन्तरित की गर्ड विश्वास करने का कारण यथापूर्वा कत सम्परित का उचित बाजार मृख्य, का कारण है कि उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का प्राह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निभ्नसिसित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित' में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबस, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, ख्रियाने में स्विधा के सिए।

जतः जंज, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रा पी० एन० कोठारी, प्रोप्रायटर भाफ मैसर्स निलेश कन्स्ट्रक्शन **क**म्पना। (भन्तरक)
- (2) श्रो अमीरचन्द नोटाराम कालरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें अयुक्त काब्यों और पर्यों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धन् सूची

फ्लैट नं० सी० (308), जो. उरी मंजिल, बिल्डिंग सा० पो० एन० कोठारो इस्टेट, कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

स्रतुसूचा जैसा कि क० सं० स्रई-3/37-ईई/8145/83-84 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

मारो**य**: 10-1-1985

भूकन वाह<sup>र</sup> . टी . एक् . एक् <sub>. क्रम्म</sub>न्यन्यन्यन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुका

#### भारत बहकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/8178/83-84--यतः, मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इतसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० फ्लैट नं० एसं० 1/302, जो मालाड कोकिल को-श्राप० हो उसिंग मोसाईटी लि०, मुन्दर नगर, एस० व ० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूचो में ग्रौर पूर्ण इप में विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रग्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्रं, है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करनी का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (॥) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसित्यों कां, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने भं सुविधा के लिए;

बंदः बंद, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (१) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रामिती गुणवंत। भगवान जेसवानी ।

(भन्तरक)

(2) श्रा मोहम्मद हनिफ जमाल कादिवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

इक्त सम्पत्ति के बर्जन के अम्बन्ध में आहे भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारी व ब 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हातो हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त - अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नथा है।

## प्रमुख्यी

पलैट नं एस० 1/302, जो, मालाड कोकिल को-म्राप० हाऊसिंग सोमाईटो लि०, मुन्दर नगर, एम० वी० रोड, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित हैं।

अनुसूर्च। जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/8178/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼3, बम्बई ।

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आह". टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्**य**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 10 जनवर्रः 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-5र्ड|8143,83-84-श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), ेकी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार एच्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो बिल्डिंग नं० एस-1, सुन्दर संगम को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, सुन्दर नगर, स्वामी विवेकानन्द रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द है प्रीर मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्विक रूप से कथित नहीं किया भया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, छिदाने में सुविधा के लिए।

अतः अकः. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियन व्यक्तियों, अर्थान :----

- (1) श्रीः गुलाम मा० मोहमद सुलेमान मुन्गाः । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रः चंद्रकांत जगर्रुः शराम धमल । (श्रन्तरिता)

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यमाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में कि ग गया है।

#### नगत्त्वी

फ्लैंट नं० 2, जो बिल्डिंग नं० एस-1, मुन्दर संगम को-ग्राप० हाऊसिंग मोसाईटी लि०, सुन्दर नगर, स्वामी विवेकानन्द रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई--3<sub>1</sub>37-ईई<sub>1</sub>8143<sub>1</sub>83--84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--5--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊷3, बम्बई

तारीख : 10−1−1985

माहर ः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/8144/83-84--श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० र्बा. 302, जो, 3रो मंजिल, शितल छाया बिल्डिंग, एस० वा० रोड, मालाड (प), बस्बई – 64 में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, नारोख 1 – 5 – 1984

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्तों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिबित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्रयाजनार्थ अतिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, ख्याने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:—— (1) श्रा चन्द्रविजय बिल्डर्म।

(म्र∹तरक)

(2) श्रीमर्ता मनभरोदेवा चन्द्रमल ग्रगरवाल, भौर श्री दुर्गाप्रसाद चन्द्रमल ग्रगरवाल।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पेक्त में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्वव्यक्तिरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनसंची

प्लैट न० बी-302, जो 3रं। मजिल, शितल छाया बिल्डिंग, 77, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/8144/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

तारो**ख** - 10-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत दरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नित्रीक्षण) अर्जन रेंज- 3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० धर्ड-3/37-ईई/8132/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाव

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विद्याभ करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसका सं० 32 फ्लैटस श्रीर 3 दुकान बिल्डिंग में प्लाटस नं० 8, बेश्निरिंग एस० नं० 84, एच० नं० 1, 2 (श्रंग), सर्बे नं० 85, एच० नं० 4 (श्रंग), श्रीर 5 (श्रंग) व्हिलेज मालवनं, तालुका बोर, बली बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय-कर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, ताराख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उियत बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म्ख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह गथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, ऐसे रहयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर्त, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिवक रूप से किया गया है :—-

- (क) जन्तरण से हुई किसी काथ करें बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के अधिम करें अस्तरक के अधिम में अधीन करें अस्तरक के अधिम में अधीन करें अस्तर्भ अधीन के सिन्ह और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) मैसर्स मिनल इंटरप्रायसेस।

(मन्तरक)

(2) श्रा सा० एस० करलकर।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णभ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसर्ची

32 फ्लैट्स और 3 दुकान बिल्डिंग में, प्लाट नं० 8, बेग्नरिंग एस० नं० 84, एस० नं० 1, 2 (ग्रंग), 3 (ग्रंग), 4 (ग्रंग), और 5 (ग्रंग) और सर्वे नं० 85, एच० नं० 4 (ग्रंग), श्रीर 5 (ग्रंग), ब्हिलेज मालवर्ना, तालूका बोरीवली बम्बई में स्थित है है।

श्रनुसूचः जैसा कि क० सं० अर्ध 3/37-ईई/8132/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज⊶3, बम्बई ।

तारं(ख · 10-1-1985

मोहर .

प्रक्रम बाही, जी, एन, एक.---

बायकर जोभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्पीन स्थान

#### नारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं । भई-3/37-ईई/8 096/8 3-84-म्रतः मुझे ए । प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चर्ए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसका सं० दुकान नं० 19, जो, गुरु क्रुपा, लिकींग रोड के पीछे, एवरणाईन नगर के बाजू में, मित चौकी, आफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्वेदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नेपण्य के अधीन कर रोने के अन्तरक के दाणिक में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए, और/बा
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त गिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269--च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस्त व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) मैसर्स प्रगती इंटरप्रायसेस।

(मन्तरक)

(2) श्री चन्द्र शेखर मार० शेट्टी मौर मन्य

(भन्तरिती)

क्षे यह सूचना बारी करके पूबाँक्त सम्बस्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

**उन्ह स**म्पारत के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निक्ति में किए जा सकनें।

ल्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

#### बन्स्ची

दुकान नं 19, जो, गुरु कृपा, लिंकिंग रोड के पीछ, एवरशाईन नगर के बाजू में, मित चौकी, ग्रॉफ मार्चे रोड, मलाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/8096/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी ,सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज--3, बम्बई ।

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आह. टी.एन.एस. -----

बाबकर जिथिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37ईई/7565/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद।

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं पर्लंष्ट नं ० 7, जो बिल्डिंग नं ० 13, नवजीवन सोसायटी, चेंबूर बम्बई में स्थित है (घौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्स संपर्ति के उच्ति बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वदेश से उच्त अन्तरण निचित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

जतः अयः, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा. श्री एलं० एच० पूनवानी।

(अन्तरक)

2. भी एम० के० तहीलरामानी ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के हैंसब् कार्यनाहियां करता हु ।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस त्वना के राजपन में त्रकावन का लागील के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्ध किसी बन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए वा सकामे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्त्ची

फ्लैंट नं० 7 जो बिल्डिंग नं० 13, नवजीवन सोसायटी चेंबुर बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/38-ईई/7565/84-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई 1984 को रजिस्टडं किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बई

दिनोक : 10-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वा 269-म (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, महायक आयकर आयक्त (नि.रीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/7830/83-84--यतः मुझे. ए० प्रमाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/-एउ स अधिक है

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, श्रोम श्री साई अपार्टमेंट को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि 0, प्लाट नं 0 6, पांडुरंग वाडी, गोरेगांव (पृषं), बम्बई - 63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पृणं रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बिम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्टी है तारीख 1-5-1984 को पृवाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क दूरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त जीधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क द्यीपत्थ में कमी करने या उसस बच्चने में सृधिधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या विस्ता धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था कियाने में मृविधा क तिरा;

अंतः भव, उक्त अधिनियम की धारः 269-ए के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धार 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) तुलसीराम गुमनाजी कलाल।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचंद वालचंदजी जैन ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 2, जो प्राउंड फ्लोर, श्रोम श्री साई अपार्टमेंट को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० 6 , पांडुरंग वाडी, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/7830/83-84 शौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) वर्णन र्रेज-3, वस्वर्

ता**रीख**: 10-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के संधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निदश सं० अई-3/37-ईई/8072/83-84--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-2 (403), जो 4थी मजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेंट, कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इमसे उपावड अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणित है), मौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानयमें रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मून्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार जुन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रस्ति प्रतिफल के प्रस्ति प्रतिफल के प्रतिफल के प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (शंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- क्षण, निम्नसिचित उव्यवस्थ से उक्त अंतरण निचित में वास्तिक क्षण से क्षित नहीं किया गया है क्षण

- (का) अभारण पंहुइ किसी बांच की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ध्रेषी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर सिंधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया मुसा था या किया जाना वाहिए था, जिन्माने में व्याय के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० एन० कोठारी, प्रोप्रायटर आफ मैससं निलेश कन्स्ट्रकशन कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेघा राजेंद्र बंदिकर ।

(अन्तरिती)

को यष्ट सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकंत व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

पलैंट नं० बी-2 (403), जो 4थी मंजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 32, 33 और 36 (भंग), सी० टी० एस० नं० 70 से 75, 84/1 से 7, 95/1 से 4 कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/8072/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख : 10-1-1985

मोहर ः

प्रकृप बाहै. टी. एवू., एवू.----

भायकर भभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के बभीन ब्यमा

## बाउँद ब्रुकार

कार्यां लय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण अजंन रेंज 4 वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० अई--4/37-ईई/8156/83--84-- अतः मुझे ए०, प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० एन-4/10, जो, दि फोर इन्स को-आपरेप्टिव हार्जीसग सोसायटी लिं०, सुंदर नगर, एस० वि० रोड मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (मौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) भौरजिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रिजस्ट्री है। दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के ज्यमाम प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्देशय से उक्त अन्तरण लिकिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वावत उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के समित्व में कमी करने या उसने वचने में स्विधा के निए; भौर/य'
- (क) ऐसी किसी जाव वा किसी धन वा वन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) खे हसोजनार्थ ज्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया जाना धाहिए था, किनाने में विविधा खे किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) कुमारी मोनिका नंदलास पंजाबी।

(अन्तरक)

(2) श्री शैलेश विरचंद शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनव सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिप्राधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट न॰ एन-4/10, जो दि फोर इन्स को-आपरेटिक हार्जीयम सोसायटी लि॰, सुंदर नगर, एस॰ वि॰ रोड, मालाड (प') बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-4/37-ईई/8156/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्वी

तारीख : 10-1-1985

मोहर:

प्ररूपः आर्षः दीः एतः एसः -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के बधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-4, बस्याई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/8201/83-84---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 105, जो 1ली मंजिल, अशोक अपार्टमेंट्स, महात्मा फुले रोड, मुल्ंड (पूर्व), बम्बई-80 में स्थित है (मीर इससे उपावक अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से बणित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधि-मियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारंख 1-5-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वस्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एचे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्वर्ष से उकत कन्तरण लिकत में वास्तिवक रूप से कियत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियः को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ना, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री माधवदास जी० मटटा, धौर श्री प्रभुदास जी० मटटा ।

(अम्तरक)

(2) श्री मुरलीधर बी० नारंग, भौर श्रीमती निर्मेला पी० नारंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्णा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध कि सी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

# नन्स्य

प्लैट नं 105 जो 1ली मंजिल, अशोक अपार्टमेंट्स, महारमा पूले रोड, मुलूड (पूर्व), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि का सं अई-4/37-ईई/8201/83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-5-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सम्रम प्राधिकारी तहायक भायकर आयुक्त (निरीऊण) भर्जन रेंज:4, बम्बई

तारीख । 10--1-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बार्द, टी. एन एस. -----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ल (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

सं० अई--4/37-ईई/7908/83--84---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिक्यिम कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी प्राप्ते, गतः जिलास परावे का कारण ह<sup>े</sup> कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मत्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० पसैट नं० 6, जो 1ली मंजिल, ऋषभ दर्शन ऑफ 90 फीट बाइड डी० पा० रोड, मुलुंड (पृत्रॅ), बम्बई-81 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूर्वा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा बायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-5-1984

की पूर्वोक्त रंपीत को उचित बाजार मृल्य में कम के इध्यमान प्रतिफत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-रिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुए किसी काय की बाबउ, उसन विधिनिसम को अभीन कर दोन का अन्तरका को वायित्व में कमी करन या उससं अचन में सविधा के लिए; और/या
- (सा) अन्सी अल्ली आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अप्लिंग्ली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया **बाना चाहिए था, छिपाने में स्**विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियमं का धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कं वधीन . निम्नसिवित व्यक्तियों. कर्वात ६०००

(1) श्री भालचंद्र अनंत यष्टटे ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अअय बिल्डसं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील में 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की नारीच से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकों गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दौं और पद्यौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में स्या गया है।

फ्लैट नं० 6, 1ली मंजिल, ऋषभ दर्शन, भ्रॉफ 90 फिट वाइड डी० पी० रोड, मुल्ड (पूर्व), बस्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची ज़ैसाकि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/7908/ 83 - 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-1-1985

मोहर:

प्रस्य बाई.टी.एन्.एस.------

काथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अभीन स्थना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/7812/83-84--अतः मुझे, ए • प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

मोर जिसकी सं० पलैट नं० बी/104, जो आराधना, किसन रोड मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाधद अनुसूची में भीर पूर्ण रप से विणित है), भीर जिसका कैरार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मई 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिपाल, निम्नितिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आशत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक हो शियत्व मा कामी कारने या उससे अचने मों स्थित के लिए, और या
- (क) एसी किसा नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) देवरा कन्स्ट्रक्शन कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मध् अशीक बांधवानी ।

(अन्तरिती)

कार यह सूचना जारी कारके प्रशंक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमे प्रयास्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० /बी 104, जो आराधना, किसन रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी कि० मं० अई-4/37-ईई/ 7812/ 83-84 घौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 मई1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंब-4, बस्बई

विनांक : 10-1-1985

मोहर:

60-456 G1/84

प्ररूप नाइ .टी. एन. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बर्ध, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश मं० अई--3/37--ईई/8062/83--84-- अनः मुझे, ए० प्रशाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त विधिनियम' कहा यथा है"), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका व्यक्ति बाजार मृत्य 25,000/- रा भे अधिक हैं

मौर जिसकी सं० दुकान नं० 13, जो, गुरू कृपा, लिकींग रोड कं० पिछे, एवरणाईन नगर के बाजू में, मित चौकी. मार्वे रोड, मालाड़ (प), बम्बई-64 में स्थिन है (मौर इसमे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्ण कप से वणित है), मौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ज के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मई 1984 को

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उत्तिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित गृहीं किया गया है ---

- थ्क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की कावत खकत अभिनियम के अधीर घार दान के अन्तरक के दायित्व में कमी यान्ने या उससे अचने में स्विधा के लिए, बारि/मा
- (क) एनि किमी आय या किसी धन मा अन्य वास्तिय. को जिन्हों भारतीय जायकार आंधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया कम धा या किया जाना चाहिए था, जिल्लानं में स्विका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण मो, मी उन्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:— (1) प्रगती इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनंत बृदाम रहाटे ग्रीर अन्य ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्य - वाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोब्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ
  किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  विखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**म**न्म सी

दुकान नं 13, भीर गुरू, छुपा, लिकीग रोड के पिछे एवरणाईन नगर के बाजू में, मित चौकी, आफ मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई -84 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/8062/ 83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, पक्षप्रप्राधिकारी महायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंत्र-2, बम्बई

दिनांक : 10 -1-1985

मोहर:

प्ररूप शाइर्व, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दनाक 10 जनवरी 1985

िदश स० ग्रर्थ-4/37-ईई/8202/83-84--यत , मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अिर्ानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पृत्य\_ 23,000 '- का से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 201 जा 2री मजिल, न्यू श्रीन अपार्टमेंट 'ए'', नुरल पखाडी रोड, मालाउ (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रींग उपासे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है ) ग्रार जिसका करारनामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के पार्यालय में रजिस्ट्री है तारीय 1-5-1984 को

को पूर्विक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई और मुक्तें यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वित सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस रश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिहात स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एस अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है .—

- (क) जन्तरण स हुई किसी आय की पावत, उक्त विध-अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के वायित्व में कमी करन भा उसमे बचूने भें सूविधा के लिए; और/या
- (च) ६ सो किसो जाय था । कसी धन या अन्य लारिनयां का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को प्रयोजनाथ अन्तरिती दुव,रा घ हा नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए,

अत अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिशित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) मैं सस ए० ग्रार० कुरेणी एण्ड कपनी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमनी मुणिया ग्रात्माराम णर्मा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भागी ताक गुगेचन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उस्त सम्पोतिक विनार स्वारा श्रीके भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या नत्सावरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिय मा भ िस्सी व्यक्ति दुधारा,
- (स) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किए। जन्म का निर्माण किए। जन्म के स्थान के किए जा सके स्थान

स्थाद्याकरण ——इराम किंदा और पदी हा, आ उक्त अधिराधिक अध्याय १०० के मा प्राप्तास्थित हीं, वहीं अधिराधिकों उस अध्याय **में दिया** गया ही।

## जन्स्वी

फ्लैंट न० 204, जा 27ी मर्जित, न्यू ग्रीन निग्नपार्टमेंट "ए', तुरल पखाडी रोड, मालाड (प), बम्बई--64 में स्थित है ।

श्रनुमूची जैसाि १० स० श्रई-4/37-ईई/8202/ 83-84 श्रीर जो पक्षम प्राध्यकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 मई 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बस्ब**र्स**

नाराख 10--1-1985 **मोहर** 

# श्रुक्त जाहाँ , टी , एन् <u>,</u> एन् <sub>, रूटन्य</sub>न्य

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक बायकार बाय्क्स (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/7812ए/83-84-- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'छक्त विधिनयम' कहा गया है), की बारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 102, (टेरेम के साथ), जो पहली मंभील न्यू ग्रीन ग्रपार्टमेंट तुरल पखाडी रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है ), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है विनाक 1 मई 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला स कम के दश्यमान प्रिपफल के लिए अन्दरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रीपफल का पन्द्रह प्रिपश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्योद्यों से उक्स अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- . (तः) अन्तरण सं हुई किसी भाग की गाउत, अक्त अधिनियम के अभीन कर दोनेक अन्तरक के अधिरत में कमी करने या उससे अचने से सृजिधा के सिष्धु और/मा
  - (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या कन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय नाय-कर मिर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या अन्त विधिनयम, या अनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में विश्वा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स ए० म्रार० कुरेशी एण्ड कपनी । (म्रन्तरक)

(2) श्री एकनाथ तुलसीराम पाटकर। (श्रन्तरिती)

सह सुचना बारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के कर्जन के निए कार्यवादियां करता हूं।

# उनत् सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओबु:--

- (क) इस स्वाग के राजपत में प्रकासन की तारीब से 45 दिन की बनीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की सर्वित, वो भी जनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी भन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाद निश्चल में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उनसे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट न० 102 (टेरेस के साथ), पहली मंजील न्यू ग्रीन अपार्टमेंट तुरल पखाडी रोड , मालाड (प), बम्बई -64 में स्थित है ।

श्चनुसूची जैसाकी कि० स० -प्रई-4/37–ईई/7812 श्रे 83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है 1

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण, श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाफ : 10-1-1985

मोहर 🖫

त्रक्ष आहु . टी. एन . एस . -----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

## भारत सहकार

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रर्ड $-4/37-\frac{5}{2}/7757/83-84$ — यतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

प्रौर जिपकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो "श्रंगारी" सर्वे नं० 245, सी० एस० नं० 736, गांव कांजूर, दातार कालोनी भांडूप (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन ग्रम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1984 को

कां पृत्रोंकन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य भ कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और गुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकन मञ्जूषित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक रूप से किंबत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण सं क्ष्म किसी बाय की बाबता, उस्त सिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित स्पिक्तियों, अर्थातः :— (1) सितालक्ष्मी एण्ड कंपनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेण आत्माराम राणे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुई।

उपत सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, पो भी अविध नाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पण्डि में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्क किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में हिमा नया है।

### النسمة

फ्लैंट नं० 9, जो श्रंगेरी'', सर्वे नं० 245, सी० एस० नं० 736, गांव कांजूर दातार कालोनी, भांड्प (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-4/37—ईई/7757/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ायक र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-4, बस्बई

दिनांक: 10-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## नारुत तरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश म० ग्रई-3/37-ईई/7524 /83-84--- भ्रत मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिमका उचित बाजार अस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बेग्ररीग ग्रोल्ड सर्वे न० 85/3(ग्रग), 87/1 (ग्रंग) ग्रौर 215/1 (ग्रंग) ग्रौर न्यू सी० एस, नं० 563 (ग्रंग) ग्रीर 5634 (ग्रंग) घाटकोपर (पूर्व) बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रतृसूची में ग्राप्पूर्ण रूप में वर्णित है ), ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की भारा 269, कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायालय में रोजस्ट्री है, दिनाक 1 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यणान पित्रफल सं, एम दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एके अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उज्त अन्तरण निकित में बास्य-विक क्रम से किथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबस उक्त अधि-िस्माल की संभीन कर अने के अन्तरण के स्वीयत्व की अर्थ, अर्थ का तमक जनमें के प्रतिकार सिंह, और/या
- (ल) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वतं अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम को भारा 269-त के अध्यस्य मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) वा पालवण भडारी को आपरेटिव केडी सोसायटी लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स विमल बिल्डसं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाज होती हो, के भीतर प्रविकत किताम सा । किसी क्यों कित इवादा;
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यांक्त द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

णिक्टीकरण.--इसमी प्रयुक्त ग्रन्थों कार पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-दा का परिभाषित हीं, बही अर्थ होता, ज उस प्रध्याय मी दिया गया ही।

## अनुसुची

बेग्रिगी श्रोल्ड सर्वे न० 85/3(श्रिष) 87/1(श्रिष)श्रौर 215/1(श्रिष)श्रोर न्यू मी० एम ७० ५७३1 (श्रिष), श्रीर 5634 (श्रुष), घाटकोपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।

श्रनुपूची जैसाकी करु सरु श्रई-3/37-ईई/7524/83-84 श्रीर जो सक्षप्त प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-984 को रजिस्ट है किया गया है ।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 3 बस्बई

दिनाक .- 10-1-1985 **मोहर**ः। प्ररूप माई'.टी.एन.एस ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

## भारत गुरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवर्र. 1985 :

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/7722 /83-84-- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसक। सं० ग्राल दट पिस ग्रार पार्सेल ग्राफ लैंन्ड स्टक्चर के साथ, बेअरींग प्लाह नं० 9(ग्रंग), सी० एस० नं० 129 (अंग) कुली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपामद्ध ग्रनुसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है ), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करों का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सं हुइं किती आय की गावतः. उक्तः विभिन्नयः वं वर्धातः कर दोनं के जन्तरक के दासित्व में १८ मी कारन १९ उपमें लखन में सुविधः के लिए; क्रीर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिन्या खाना चाहिये था, स्थिपाने में पृतिधा के लिए:

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिक्षें, अर्थात् :—

- (1) श्री हसमुखलाल वि० गहा और अन्य (अन्तरक)
- (2) कुर्ला इंडिंग्ट्रयल इस्टेट प्रायवेट लि० (ग्रन्तरिती)

को वह सूजना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिण करता है।

उसर संपरित को अर्फन को सबंध में कोड़ों भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना, के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  विकास में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम निष्ति में किए पासकों

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

ग्राल दट पिस ग्रार पासत ग्राफ लैन्ड स्टक्चर के साथद्व बेग्ररीग प्ताट नं० 9 (ग्रंग), सौ० एस० नं० 129 (ग्रंग); कुर्ला, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूचों जैमाकी भ० सं० अई-3/37-ईई/7722 / 83-84 और एजों सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1 मई 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम शाधिकारो नहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक :- 10-1-1985 मोहर : परूप नाइं.टी.एन.एस. -----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

# धारत चरकाड

# कार्याजव, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिक)

ग्नर्जन रेंज 4 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेण मं $\circ$  ग्रई-4/37-ईई/7542/83-84---श्रतः मुझे, ए $\circ$  प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, जो ग्रिभिषेक को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, III, गरोडिया नकर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं ), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित में बास्तविक स्थ से किचत नहीं किया प्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कार दोने के बन्तरक के वावित्य में कमी करने या उत्तसे दक्ते में सुविधा के जिए; शुद्ध/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय नाय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गदा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-य के अमृतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (!) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वथित् :——

(1) श्रं। मुदर्शन कुमार बाघू।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीः जयेश मधर्वः ।

(अन्तर्रतः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास सिसिस में किए जा सकों में।

स्वकाकरणः - इसमें प्रयुक्त कथां और पर्वा का, को अक्स विभिन्नमा, के कथ्याय 20-क में परिभाविद है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो र्छामयेक को श्रपारेटिव हाउसिंग सोसायर्टा लि०,  $\Pi$ , गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई  $\sim77$  में स्थित है ।

श्रनुसूज्ञी जैसार्क। ऋ० सं० श्रई-4/37–ईई/7452/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार्7, गम्गई बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-84 को र्रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ज**-2, **अम्बई** 

तारीख: 10-1-1985

मोध्रर :

प्रथम बार्ष. टी. एन. एर. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के सभीन सुचरा

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1185

निर्देश स० अई०-4/37 ई० ई०,7661,83-84---अतः मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो त,सरी मंझील, शागीयाना "ए", व्हिलेन्ज ढोड कुर्ला बम्बई-70 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण हुए से विणत है भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 1 मई 1984

का पूर्वोक्त सर्गार्त के उचित वाजार मृत्य से क्रम के रूप्यमान क्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्ष्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल के, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पामा ग्या प्रतिफल का निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक रूप स कथित नहीं किया नहा है:——

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी भाय की बाबत, उक्त सभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया भा था जिल्ला जाना चाहिए था, खिषाने में सरीवशा के निक्न,
- कत. जय . उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निश्मितिसित व्यक्तियों, अधीत् :—~ 61 —456 G1/84

(1) श्री एन० वि० पाल ग्रीर ग्रन्य

(भन्तरक)

(2) श्रीमती वशोचा भास्कर ।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टांकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और ५वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### बन प्राची

फ्लैंट न० 8 , जो 3री मङील, णामियाना (ए), सी० टी० एम० न० 461, 461/1 से 5, व्हिलेंज रोड , कूर्ला , बम्बई -70 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी कि० स० श्रई-4/37 -ईई/7461/ 93-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनाक 1 मई 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायाः आयक्त अयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज 4, बस्बई

दिनाक - 10-1-1985

मोहर:

GAT VIZ. . W. Tel ---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सभीन भ्याना

# भारत सरकार

कायालय, सहायक शायकर आयम्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निदेश स० श्रई--4/37--ईई/7434/83-84 --श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का क्षारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

मौर जिसकी साल पर्लेट नंल 204, जो बी-विग , दूसरी मंजिल, हिनेश अवार्टमेट, अभरूका किलज, घाटकोपर (प), बम्बई मे स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है ), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिध नियम 1961 की धारा 269 क, ख के घधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म रिजस्ट्री है दिनाक । मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारतया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिनित उद्दश्य स दृष्टित अन्तरण चिनित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण स हुई किसी अध्य की बाबल, उबत अधिनियम को अधीन कर दन्ने के अधारक क दायितन में कमी करन या उससे बाबल भार्मिक क राजिना; जोर/मा
- ा) एसी िन साथ मारियों पर या भय नगर। को जिन्हों भारतीय आप कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11 का जिन्हों भारतीय आप कार अधिनियम, एक धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिया द्वारा प्रकट नहीं विकास गरा का का का का भारति का मार्थ का किया जाता साहिए था, किया में मुनिया के लिए;

शत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भी, भी, उक्त लोपाल्यम का भारा 269-भ की उपधारा (1) अं अभीन के निकालियान व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) मेसस कृती ६टरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कभलाम एस, नायर ।

(भ्रन्तरिती)

का ग्रह्न सूचन। आर्था करके प्रवेचत मञ्चात्त के अर्थन क

राबत साम्यानि क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षण :

- (क) इस स्थान के राज्यत मा प्रकाशन की ताराव से 45 दिन की अपिय मा तत्सकारण व्यक्तिया अप स्थान की तामील में 30 दिन की अपिय, जो भी अविध बाद में सम्पद होती है। से भी राज्य में के लिए तीकत स्थारा,

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदी का, जा उक्त अधिनियण, के जनाय 20 में में परिभाषित हैं, बार्ष अन्य अध्याय में दिया या भे

# वन्स्ची

प्लैट नं० 204 जो बी-विग दूसरी मझील हितेश श्रपार्टमेट, श्रसल्फा व्हिलेज घाटकोपर (प), बम्बई में स्थित है।

भनुभूची जैसाकी कि स० ऋई-4/37-ईई/7434/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, पर्वा द्वारा दिनाक 1 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० पमाद, सदाम पर्गधकार्गा सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 4, बस्बई

िताक - 10−1−1985 माहर. प्रस्य बाह". टी. एन. एस.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेण सं० अई-4/37-ईई/7894/83 -84-- अतः मुझे, ए० प्रभाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् उदा अधिनियम कहा गरा है), की आरा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विस्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्त. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फलर नं , 4 जो, ग्राउड फ्लोर, घरमन्पा बिल्डिंग गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांग । मई 1984 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमन प्रतिफल के जिए अन्तरित की गर्ड हैं और मभे पह विश्वास करने जा कारण है कि सक्षापूर्वोवत सम्पत्ति की वह विश्वास करने जा कारण है कि सक्षापूर्वोवत सम्पत्ति की वह विश्वास करने जा कारण है कि सक्षापूर्वोवत सम्पत्ति की वह विश्वास प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्रया प्रा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कियन नहीं किया गया है किया कर है किया कर है किया से इस्तिक रूप से कियन नहीं किया कर है क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्दम के अधीन कर तो है कल्पर के दारित के कमी करने मा उससे दलने में मुख्यमा के लिए; और/सा
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिल्हां भाषांचा भाषांचा भाषांचा अस्तियाँ १९२० (१९२०) का ११) या उपन आप्यानस्य पा धन-कर आधानसम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा का मानिति हो। स्वारा प्रकट नहीं किया गरा के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा का स्वारा के निर्मा के निर्मा के निर्मा स्वारा स्वार

अतः अतः, अतः अधिनियम की भारा 260-म के उपसम्भ मी, मी, अला अधिनियम की भारा 269 म की सम्मन्द (१) के अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अभीतः :--- (1) श्री विजय गोपाल कुलकर्णी ।

(अन्तरक)

(2) श्री विपूल एस० गांधी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारा करके पृत्रोक्त संपत्ति के अच्छ का किए कार्यवाहियां करता हो।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध मा कोड़ी भी आदार :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां १६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्ध
  किसी अन्य व्यक्ति हुन। (धीक्तिकार) के पास
  निधित में किए आ स्तिगः

स्पट्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पटी का, अ अन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी तरिभाषित हैं, बही अर्थ को उस कापा का विशा गया है।

# **प्रन्**सूची

फ्लैंट नं० 4, जो, ग्राउंड फ्लोर, धरम कृपा बिल्डिंग, गोरिडिया, नगर, घाटकोपर (पूर्व), वस्वई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-4/37-ईई/789483-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक :- 10-1-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/7667/83-84--अतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं 188/5254, जो 4थी मंजिल, समती को आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिं , एम० एच० बी०, कालोनं। पंत नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अप्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रें। है दिनाक 1 मई 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यह

मुना पह प्रस्पात प्रारंप का जार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा दायित्व के लिए; और/मा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, को धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 289-ग को अनुतरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री अनील सी० बाम्ब

(अन्तरक)

(2) श्री। मक्बूल अहमद सईद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगराजी

फ्लैप्ट न० 188/5254, जो चौथी मंजिल, समती को०-आपरेटिव हार्जीसग सोमायटी लि०, एम० एच० बी,कालोनी, पंत नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/7677/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1
मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनाक :- 10-1~1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्काण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/7423/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उजत अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 29, जो 4र्था मंजिल, श्रीसती निवास बिल्डिंग, प्लाट न० 178, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापवोंक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितिया) के बीच एस अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्यों स उक्त अन्तरण निस्तिन में वास्तिवक रूप से विश्वत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि। नयम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचन में सूविधा के लिए; और/या
- (क) पर्पी किसी अस्य । किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1942 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जीना चाहिए था, छिपाने में सविधा की किए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, उक्त गोधिनियम के भारा 26९ घ की उपधारा (1) निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गोर्धनदास शिवचंदराय ग्रौर महेश कुमार गोर्धनदास।

(अन्तरक)

(2) डा॰ विजय गोपाल कुलकर्णी मौर श्रीमती सुषमा व्हि॰ कुलकर्णी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उत्त सम्पतित के वर्जन के सबक्ष में जाई भर काद र 😅

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अर्काट मा का का किया पर सूचना की तामील से 30 का का का किया को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भागर उका प्या र सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यान्त इतार राजहराज्या के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के पध्याय 20 ह में पाल भारत हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्स्यी**

फ्लैट नं० 29, जो, चौथी मंजिल, श्री सती निवास बिल्डिंग, फ्लॉट नं० 178, सर्वे न० 249, एच० न० 3 (ग्रंश), सी० टी० एस० नं० 195 (ग्रंश), गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि॰ सं॰ अई-3/37-ईई/7423/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 10-1-1985

मोहर ः

पक्ष बाह्र टो एक एस .----

आयकर आविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन स्चना

## HIXE EXPER

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश स० अई-3/37-ईई/7460/83-84--अन मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अिनियम 1961 निष्ठा का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के के एक एक एक एक एक प्राथम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनवा तिचन बाजार मुल्य 25,000/रा में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पर्नैष्ट न 1, जो ग्राउड फ्लोर, शामियाना "बी", प्लाष्ट बेअरिंग सी० टी० एस० न० 461, 461/1 से 5, 558, 561 ग्रीर 563 गाव कुर्ला, वम्बई -70 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अर्थिनयम 269 क, ख के अर्थान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1 मई, 1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल स एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफन, निम्निविकत उद्देश्यों में उक्त अन्तरण किल्ह में अस्तिक लप पे किथत नहीं किया गया हैं —

- (क) रान्तराव १ ६ इ विक्रमी खाध की बाबस. उक्त प्रक्रिया के अधीर कार दोन के अन्त १ के दक्षीयत्थ में १ के करने या संस्थ उक्त वा सीमधा कि स्वयं का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 के अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, विश्व के किसी स्थान के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण मो., मौं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् — (1) मैसर्स मंत्री इटरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) श्री वाल्टर डिसोजा ग्रौर श्रीमती जे० डिसोजा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हू।

# उन्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में बोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यादनको पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविकास में से किसी विकास स्वार
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा पारकत्यत ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट न० 1, जो, ग्राउड फ्लोर, शामियाना "बी" प्लाट बेअरीम सी.टी एस. न. 461, 461/1 से 5, 558, 561 और 563, विहलेज कुर्ला, बम्बई -70 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क.स अई -3/37 - ईई /7460/83 - 84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 10-1-1985

मोहर :

# प्रहम आर्थं. टी. एवं. एस------ 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० सर्वे न० 300, एच० नं० 8 (श्रेश), सिटी सर्वे न० 4871 श्राफ कालिना, कोले कल्याण, तालुका श्रधेरी, सांताऋज, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 1-5-1984

को पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का त्रारण है कि सक्षावर्षोक्त नम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में अस्तिवक रूप से विश्वत नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या जससे बचने गें मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 1!) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ पयाजनार्थ अन्तिरी द्वाप एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सविधा क लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निस्तिस्थित त्यिक्तयों, अर्थात्.---

- 2 (1) श्री एस० एस० बोस, ग्रौर
  - (2) श्री डी० के० दास,
  - (3) श्री स्नार० पेरीस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रकांक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र मं प्रकाशन का तारीस स 45 दिन की अवधिया तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (य) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य कांक्त द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, **जो उक्त** अधिनियम के अपाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बत सची

सर्वे न० 300, एच० न० 8 (प्राप्त), सिटी सर्वे न० 4871 प्राफ कालिना कांत्रे कल्याण साताक्रूज, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि करु सुरु श्रई-3/37ईई/7485/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टडे किया गया है।

> ए० प्रसाव मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-३, बम्बई

दिनाफ 10-1-1985

मोहर .

प्ररूप आह . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1984

निर्देश स० ऋई० 3/37ईई/7662/83-84——ऋत मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

घौर जिसकी स० फ्तैट न० 5327, जो बिल्डिंग न० 192, महाराष्ट्र हार्जासम बोर्ड (एम० आय० जी० पंत नगर, घा टकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित है) और इससे उपाबद अनुसूची में में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 1-5-1984

को पूर्वोक्त स्म्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तयिक रूप से किथत नेही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रताजनार्ध अतिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत<sup>.</sup> अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री बी० पी० भाटिया।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती हिराबेन प्रभ्दास शेठ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूचा

प्लैंट नं० 5327, जो बिल्डिंग न० 192, महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड, एम० श्राय० जी० पत नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० म० श्रई-3/37ईई/7662/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज -3, बम्बई

दिनाक: 10-1-1985

मोहरू 🗧

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सर्व ऋई-3/37-ईई/7515/83-84--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पर्लंट न० 4, जो 8 वी मजिल, बिल्डिंग नं० 3/डी दामोदर पार्क, लाल बहादूर शास्त्री मार्ग, घाटकीपर (प), बम्बई — 86में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मई 1984

को पृषों करा सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाका गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निखत में वास्तविक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसिंध व्यक्तियों, अर्थात् :— 62—456 GI/84

(1) श्री माला डी॰ गहा ।

(श्रन्सरक)

(2) श्रीमती गिना संतिष ल्गानी ।

(श्रन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की व्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

मनसर्थ

फ्लैंट न० 4 जो, 8 बी मजिस बिस्डिंग नं० 3/डी, दामोदर पार्क, लास बहादूर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० स० ऋई-3/37-ईई/7515/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1 मुँमई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 3 बस्बर्ष

विनांक - 10-1-1985

मोहर :

# वरूप बार्च हो .स्व .एस . ------

भावभार निधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

#### MAN TANK

कार्याचय, सञ्चायक भावकार वायुक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंख 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/7514/83-84--- प्रतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निस्ते इसमें इसके परवात् 'उक्त निभीनयम' कहा नवा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरिता, चित्रका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से निभक्त हैं

ष्मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 206, जो, दूसरी मंजिल, बिस्डिंग नं० 16, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड कुर्ला (प), बम्बई-400070 में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मई 1984 को

को पूर्वाकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्ल्यमान प्रतिफल से, ए से व्यथमान प्रतिफल का बन्द्रह्म प्रतिशत से जिथक है जीर जन्तरक (जंतरकों) और जंदरिती (जन्तरितियों) के बीच ए से जन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्त से निम्नलियित उद्देश्य से उच्च मन्तरण जिथित में वास्तक क्य से कथित नहीं किया जया है :---

- (क) जन्तरम् ते हुइ किसी बान की वानतः, उपस् समितियान से समीप कर दोने से अन्तरक से वासित्त में कसी अपूर्ण वा अवसे नचने में त्रिमा से विष्; स्वीर/या
- (क) एंसी किसी आथ वा किसी थन या अन्य बास्तियों को, चिन्हुं नारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

कतः वंद, वंदत विधिनियम की धारा 269-य को, बनुसरण मों, मों. उदत विधिनियम की धारा 269-य को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् :--- \_ (1) श्री दिपक बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रली अहमद बगदादी ।

(ग्रन्तरिती)

वा वह सूचना चारी करके पृशासित सम्बन्धित के कर्बन के लिए कार्यवाहिकां कुक करता हुए।

# उन्हां कम्पीरत् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेष् :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ष होगेर को उस अध्याय मे दिया गया है।

# वपूज्यी

फ्लैंट नं० 206 , जो, दूसरी मंजिल बिल्डिंग न० 16, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड कुर्ला (प), बम्बई 400080 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी कि० स० श्रई-3/37--ईई/7514/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 मई 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 3, बम्बई

विनांक :- 10-1-1985

मोहर :

# प्रकल् बार्ड , टी. एन्. एस., ----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वृ (1) के वृधीन सूचना

#### भारत चहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बहै बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देण मं० आई०-3,7714,83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजर्म इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये स अधिक है

स्रौर जिसकी सं प्लैंट नं 401, जो चौथी मजिल 'रोज, मोतिका'' विलेज चर्च राइ, कालिना सांताऋस (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्धरण के लिए तय पामा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अवत बन्तरण मिखित में सासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियुक के बधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्य मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/था
- (व) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त बिधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निनिसित व्यविनयों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सुधा जे० पालोद मास्टर रोहित ज० पालोद, श्रीर मास्टर विशाल जे० पालोद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० आर० फोन्सेका।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा अभोहत्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकींगे।

स्पक्तकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सकत विधिनियम के विधाय 20-क में परिशाधित है, वहां वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

# अमृसूची

फ्लैंट नं० 401, जो चौथी मंजिल, ''रोज मोनिका'' विलेज चर्च रोड, कालिना, सांताकुज (पूर्व), बम्ब्ई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37ईई,7714/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई व्रारा दिनाक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद मक्षम प्रक्रिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

नायकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सुचना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनभरी 1985

निर्देश स॰ आई॰-3/37-ईई<sub>।</sub> 7964/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा सं अधिक है

भौर जिसकी में ० पलैंट नं० बी-19, जो 'बी' बिल्डिंग, 4भी मंजिल, मुकद एम्पलाइज कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी, सिं०, गोविन्द नगर, असल्ला घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-84 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क रिचित बाजार मृत्य से कम के दशक्तान प्रतिफल को लिए बन्तिरित को गई है और मृत्रे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापुनांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल म, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण संहुई फिसी आय की बाबस, उच्च अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक को वासित्य मो कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्य अन्तिरती इतारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

जतः नय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः--- (1) श्री प्राणजीवन दयाराम पचाल।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन लाल जिनासा कार्लीकर।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा प्रिरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनवर्षा

प्लैट र्न० बी-19 जो 'बी' ब्रिल्डिंग, 4थी मजिल, मुकंद एम्पलाङ्ज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि०, गोविन्द नगर, असल्का घाटकोपर (पिष्चिम), बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कम 'स० आई०-3/37 ईई/7964/83-84 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रिजस्टई किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्ब**ई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🕄

मुक्य बाई ्डी. एन . एव ..-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्पना

# भारत ब्रुक्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० 3, 37 ईई०, 7874, 83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

नावकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रः से जिनक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, प्लाट न० बेर्जीरंग नं० 2072 से 2075, ग्रेन्ट चालिस कान्वेन्ट स्कूल के बाजू में, वकीला सांताकूस (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पन्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तप्रण से हुई किसी जाय की वावस, उक्त बर्षिन्वस के अधीन कर दोने के असारक क दावित्य में कानी करने मा उच्छो ब्वने में सुविधा में सिद: अदि/शा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, शिनह आरवीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 1:) में लिए जी प्रतियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विचा के सिक्ष,

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :-- (1) नै० बी० एच० कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री अल्लन्सो बी० लाझर श्रीर कुमारी शिरलीं क्रिसोंजा ।

(अन्तरिती)

का यह सुचना चारी करके पृत्रों कर सम्मरित के अन्त के सिए कार्यमाहियां करता हूं।

क्क सम्पतित के बर्चन के सम्बन्ध के खंडें भी बाह्येप ध--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वकारिकरणः -- इसमें प्रमुक्त कन्तां और पदा का, धी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

पर्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, प्लाट बेअरिंग नं० सी० टी० एस० नं० 2072 से 2075, सेन्ट चार्लिस कानवेंट स्कूल के बाजू में, वाकोला, साताश्रेंझ (पूर्व), बम्बई-55 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-3, 37 ईई0, 7874, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई 3। रादिनांक 1 मई, 1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्ब**ई

नारीख: 10-1-1985

माहर 🕄

प्रकल बाहै, दी, ६४, एस.-----

# बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश स॰ आई०-3/37 ईई०/7416/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

प्रौर जिस्ती मंग पनैद नग 006, जो प्राउत्व पलीर, बिल्डिंग नंग 19, कपाडिया नगर, सीग्टीग्एसंग्रेड, कुर्ली (पिष्चिम) बम्बई-70 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की बारा 269 के खे के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय बम्बई स्थित में रिजस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशंत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच मुसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाव की बावत उनके मिश्रिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वं दायित्य में कमी कारने या उसमें बचन में कृतिको के लिए; और/मा .
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती द्वररा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्मरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रा दापक बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री आफताब श्रालम श्रब्द्ल गफार कुंडगाल ।

∙ (ग्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपण मं प्रकाशन का तारीख श्रे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की टारांख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा ग्रकांगे।

स्थळकिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया **ह**ै।

## अनुसूची

पर्लैट नं 006, जो ग्राउण्ड फ्लोर,बिल्डिंग नं 19,कपाडिया नगर, सी० टी० एस० नं रोड, कुर्ली (पश्चिम), बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3 $_{1}$ 37 ईई० $_{1}$ 7416 $_{1}$ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, वम्बई

तारीख ' 10−1−1985

मोहर 🤢

प्रस्प आई. टी. एन. एस. - - - --

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/7746/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ र से अधिक है

ग्रौर जसकी सं० फ्लैंट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, ए विंग, हितेश ग्रनार्टमेंट्स, ग्रमाल्फे विलेज. होम गार्डस पेव्हेलियन के बाजू में, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई –84 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका कराजनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख ग्रधीन बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वेहिल ए. और / या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1302 के 11) दा उन्नत अधिनियम, या उन्नद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के लक्ष्म अस्तियों देशारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं ज्वन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसायों, अर्थात् .—

(1) श्रीजहांगीर स्रबूवकर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रसिफया बी० ग्रली चौगले।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अ हि । अन्य पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

फ्लैंट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, ए विंग, हितेण अपार्टमेंट्स, असाल्फे विलेज, होम गार्डस पेवेलियन के वाजू में, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-84 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-3/37 ईई०/7746/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई. 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीच : 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप कार्ड टी. एन एस ----

भायकर व्यथिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-3 बम्बई
बम्बई, विनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश म० अर्ह-3/37-हेई/7414/83-84--यत, मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मृल्य (१९०) रू से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट न० 005, जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्गिन न० 19, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड कुर्ला, बम्बई-70 मे स्थित है (श्रौर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से बिणित है), श्रौर जिसका कारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है तारीख़ 1-5-1981

को पूर्वोक्त सर्पात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में उक्त अन्तरण विविद्य में उक्त अन्तरण विविद्य में उक्त अन्तरण

- (का) अभवनक ते हाई किसी जाग की बाक्षभ, शक्त प्रीधनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के बाधित्व में कमी प्रश्ने या उक्षम अचने में सुलिधा र कि प्रतिर्था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अप पर अधिनियान 13€ १ (1920 को 11) या उबप सिंधिनियान ग्रा धनपार प्रिमियान, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एक भाषा जिला जाना गालिए का लिएक में स्वीत र

अतः जात असल अभिनित्रण की धारा १६०-ग को अन्यस्था भें, मैं, प्रका ३ विनियम की धारा १६० एउ वर्षधाटा (१) को अभीन निक्निपिलित व्यक्तियों वर्षां . . (1) मैं ० दीपक बिल्डमं प्रा० लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० कादर ए० चौगले।

(चन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप .---

- (क) इस सूजना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में विभाजा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त कक्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रन सूची:

फ्लैट न० 005, जा ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग न० 19, कपाडिंगा नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम स० प्राई०-3/37 ईई/7414/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विसंक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

नारी**ख** 10—1—1985 **.मोह**र ⊭ प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश स० ग्रई०-3/37-ईई०/8023/83-84---प्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं 103, जो, 1 लो मंजिक, 'वो बिंग, निर्माताधीन इमारत' प्रभु श्रपार्टमेंट्स', प्रापर्टी कोल्ड 'महेन्द्र विला', बेग्नरिंग सी० टी० एस० नं० 4556 से 4580, विलेज किरोल, रजावाड़ी, घाटकोपर, बस्बई-77 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रुप से बर्णित है। श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की विश्वास करने का कारण यह है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके **ट**रयमान प्रतिफल से,, एेसे दृरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदारेश से उक्त अंतरण लिखित मां वास्तिधिक रूप से कथित नहां किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के यथीन कार दोने के अंतरक के दायित। मा कमो करन या उपमें वसने मो मनिक र जिला और दि।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 1957 का 27रे के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए को जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण थों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की रापधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :---63-456 GI/84 (1) मै० विवेक इन्टरप्राइज।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परमानन्द जी मनियार -

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (₹) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारील र 45 दिन के भीतर उत्तन स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकागे।

स्थब्दोकरण. -- इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगरा जी

फ्लैंट नं० 103, जो पहली मजिल, 'बी' विंग, निर्माणाधीन ईमारत 'प्रभु भ्रपार्टमेट्स' 'महेन्द्र विला', बेग्नरिंग नं० सी०टी० एस० नं० 4556 से 4580 विलेज किरोल, रजावाड़ी, घाटकोपर, बम्बई—77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०--3/37 ईई०/8023/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज–3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर '

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस्. - - - = -

बायकर शांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

#### भारत चरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० श्रर्ष-3/37-ईर्ष/7513/83-84—यन:, मुझे, ए० प्रभाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 404, जो 4थर मंजिल बिल्डिंग नं० 19 कपाडिया नगर, मी० टी० एस० रोड, कुर्ला (प), बम्बई—70 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के नधीन कर दोने हैं अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उभने बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कल अधिनियम 1957 (1957 का 27) र प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण का या विका जाना चाहिए था. छिपाने में सुविता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् १ --- (1) मैं ० दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री शेख ग्रफरोक्ष जहान।

(श्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृथाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:--इसमं अयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हों, वहीं कर्ष होगा जा उस अध्याय में दिया गया हो।

# अनुसूची

फ्लैंट नं० 404, जो 4थी मंजिल, ब्रिल्डिंग नं० 19, कपाडिया नगर, मी० टी० एस० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-3/37-ईई/7513/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रंज∽3, बम्बई

तारीख . 10-1-1985

मोहर :

# त्रक्य बार्च. टी. एन. एक.------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश स० श्रई०-3/37-ईई/7701/83-84---यत., मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रूपमें में अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 102, जा पहली मजिल, बिल्डिंग न० 12, कपाडिया नगर, 198, मी० एस० टी० रोड, कुर्ला (पिंचिम), बस्बई-70 में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को पित बाजार मूल्य में कम क दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सपित्त का उविन गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) को बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) को प्राया गया तिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में तिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में तिफल, में किया नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी ज्याने या उससे बचने में सृविधा के लिए जौर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० दीपक बिल्डमं प्रा० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शमशेर गुलाम मोहिउद्दीन शेखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना कर राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामींल से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखन में दिए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इस्मानयान्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया री।

# **भ**न्स्ची

फ्लैंट न० 102, जो पहली मजिल, बिल्डिंग न० 12, कपाडिया नगर, 198, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (पश्चिम), बम्बई-70 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क० स० स्रई-3/37 ईई/7701/83-84 स्रोर जो सदाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) · ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-1-1985 मोहर. प्रक्म बाह् . टी. एन. एस.-----

भावकर मोधनियम, 196४ (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के तथीन स्वना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

मुझे, ए० प्रसाद

वायकर बिधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- ए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 13, जो 'डी' विंग, ग्राराम को० भापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि० ग्राराम सोसाइटी लेन, वाकोला, सांताऋस (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैतारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उपका अधि-वियम के अधीन कर बोने के जन्तरक के वायित्व में किमी करने या उनसे अपने में सुविधा के सिए: श्रीर/या

लतः अभ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) चै अभीन, जिस्स्तिस्थित व्यक्तिकों, अभीत् :--- (1) श्रीमती पद्मा हृशुमल मनुवानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरैया ग्रब्दुल रजाक शंखा ।

(अन्तरिती)

को यह सूच्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की भर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इन, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में विया मया इनै।

### क्या संबंधि

फ्लैटनं 13, 'डी' विंग, श्राराम को० श्रापरेटिव ह। उसिंग सोसाइटी लि० श्राराम मोसाइटी लेन, वकोला मांताऋूस (पूर्व), बम्बई--55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-3/37 ईई०/7475/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-1-1985

माहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

# भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई०-3/37 ईई०/7492/83-84-मत: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, 'साई भ्रपार्टमेंट्स', एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यकान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाश्वत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक औं वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अधीत् '--- (1) मैं ० महेश बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री किशोर एस० देसाई
  - 2. श्री विनय एस० देसाई भौर
  - .... 3. श्रीविपुल एस० देसाई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मालत में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

पलैट नं० 202, जो दूसरी मिजिल, 'माई अपार्टमेंट्स', एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है । ] अनुसूची ग्रैसा कि कम मं० श्राई०-3/37 विद्दांत 1 मई, 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

<sup>ए</sup>० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक धाय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर:

प्रकर बाह्र . टी. एन . एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/7512/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाओर मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं िपसेस श्रीर पार्सल ग्राफ वलैण्ड एण्ड बेग्नरिंग सर्वे नं 24. एच नं 4 श्रौर 6 (श्रंग), बेश्नरिंग सी टी एस नं 68 (श्रंग) श्रौर 86 (श्रंग) श्रौर सर्वे नं 23 (श्रंग) एच नं 1-2 (श्रंग) सी टी एस नं 88 (श्रंग) जिवदया लेन, भटवाड़ी, घाटकोपर (पिष्चम) बम्बई-84 में स्थित है (श्रौर इससे उपाब ग्रुन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वो स्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इस पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उनत अन्तरण विश्वत में धास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (36) अतरण स हाई किसी आय की बाबत, उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कृष्ट अधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्याप्रनाथ अपितीयम, विवास प्रथाट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकत व्यक्तियों, अर्थात ः—-

- (1) 1. श्री राम दास विट्ठल दास,
  - श्री नारायण दास तुलसीदाम ग्रीर
  - 3. श्री नलीन भाई द्वारका दास।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० एन० सावंत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजीव्यत सम्पतितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बवृष्ट किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

"पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया। गया हैं।

#### नगत्त्रची

पिसेस श्रीर पार्सलम ग्राफ लैण्डअट जीवदया लेन, भटवाड़ी, सर्वे नं० 24,उएव० नं० 4 श्रीर 6 (श्रंग), बेग्निरिंग सी० टी० एस० नं० 68 (श्रंग) श्रीर 86 (श्रंग) श्रीर सर्वे नं० 23 (श्रंग), एव० नं० 1-2 (श्रंग), सी० टी० एस० नं० 88 (श्रंग), घाटकोपर (पिचम), बम्बई-84 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/7512/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज–3, बम्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर:

# प्रकार बार्ड. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० श्राई०-3/37 ईई०/7885/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,0000/- रुपयो से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो ग्राउण्ड फ्लोर, ए विंग, बिल्डिंग नं० 3, "दामोदर पार्क" एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पिश्वम), बस्यई – 86 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबल एप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी कारने या उससे बचने में नृष्टिमा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री उदय नागेण श्रमनोटकर।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० पारूल इन्टरप्राइसेस।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चन: की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर बादनया मा सानिक में। व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपथ में प्रकाशन को तारीत में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

फ्लैट नं० 1, जो ग्राउण्ड फ्लोर, बिंग ए, ब्रिल्डिंग नं० 3 'दामोदर पार्क', एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई–86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/7885/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 10-1-1985

भोहर:

प्ररूप बाइ.टी.एन,एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश र्स० आई०-3,37 ईई.,7486,83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-8 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  $25.0(\cdot 0)$  - रुपए से बिधक है

श्रीर जिसकी र्सं० पलट र्नं० 303 जो तीसरी मंजिल, सारेंस अपार्टमेंटस, कालिना, बम्बई-98 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई

को पूर्वो कत संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्ति,रितिया) के बीच एसे अन्तरण के खिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- 'क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विस्तर के वधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व औ कभी करने या उससे कचने में स्विधा के बिए: बीर/श
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर विधितव्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त नाभनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया नाना नाहिए था, जियान में सुविधा क लिए,

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) म० रियाज कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरिती)

(2) श्री मोहम्मद अली अब्दुल कावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### बार संची

पनट र्न॰ 302, जो तीसरी मैजिल, नारेंस अपार्टमेंट कालिना, बम्बई-98 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैंसा कि क्रम र्स० आई०-3/37 हैहैं०,7486, 183 -84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-,3 बम्बर्ड

दिनांक : 10-1-1985

मोहर :

प्रकृष् बाही, टी॰ एनं । एसं : ------

नागकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश 🕏 आई०-3,37 ईई०,7702,83-84--- अतः

मुझे, ए० प्रसाद भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लट नं० 6, जो ग्राउन्ब फ्लोयर, बिल्डिंग नं० 15, कपाडिया नगर, विद्या नगरी मार्ग, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला, बम्बई—70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बहै स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984 को पूर्वोक्ट संपित्त के अधिन बावार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उत्तके क्रयमान प्रतिफल को, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब बाबा गया धितफल निम्नितिबंद उज्ववेय से उक्त बंतरण कि बित्त में वाकारिक क्या पन से कीचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सविधा के लिए;
- (क) एंसी किसी जाय था किसी घन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए वा किया में ध्रीविषा के सिए;

जंताः वय उपल जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः :-----64—456 GI/84 (1) म० दीपक बिस्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहसीन अब्दुल कादर सन आफ श्री एम० ए० कादर।

(अन्तरिती)

को यह म्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

कक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाहरे :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीं म से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारींब वें 45 दिन के मीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्थाबाकरणः --- इसमें पयुक्त कव्यां और पदां का, वा उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया प्या हैं।

#### अनुस्वी

पलेट नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, विल्डिंग नं० 15, कपाडिया नगर, विद्या नगरी मार्ग, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला, बम्बई— 70 में स्थित है।

अनुसूची जमा कि कम सं० आई०-3,37 ईई०,7702, 83-84 और जो सक्षप प्राधिकारी, बम्बई ढारा विनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-3. बम्बई

दिनांक : 10-1-1985

gamentagas gara y say us a se menganama, a filima — a pilitan dag ya man ka a ya man ka a ya man ka a ya man ka Manaka man a a pa i na i na ka i na man ka man a pilitan dag ya man a ka man a man a man a i na man a man a ma प्रस्प कहा, टरे एक, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/7415/83-84--अन: मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. मे अधिक है

श्रीरजिसकी सं० फ्लटनं० 402, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 8, कपाबिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (पश्चिम बम्बई-70 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उनित बाजार म्ला मे कम के बस्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजाए मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधियं है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ित्रीसत भे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ते. दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में वृधिक के लिए: और /पा
- (६) ऐसी किसी या किसी धन या को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया पदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रतिका के लिए:

बत: प्रव, उक्त द्रिधिनयम को धारा 260-ग के बनगरण , मैं, उक्त अधिनियम की शास १६०-५ को ल्पपास 🗥 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

(1) मैं वीपक जिल्हमें प्राव् लिमिटेट।

(अन्तरक)

(2) श्री जुनेड स्लेमान झवेरी ग्रीर श्री तुरान स्लेमान झवेरी।

·(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त मम्पित्त के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मध्यन्धी व्यक्तियां पर सुचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त त्यिकत्यों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस तूनना के राजात्र में पदाशर की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िक्षि अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकरी।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वही अर्थ होगा., जो उस अध्याय में दिया

### मन्स्यी

फ्लैट र्न० 402, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 8, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कूर्ला (पश्चिम), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-3/37 ईई०/7415/83-84 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारः आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-1 1985 मोहार :

प्ररूप बार्ह. टी एन एस. ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) हो अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/8031/83-84--अत: मझे, ए ० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्मति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं. दुकान नं. 3, जो ब्राउन्ड फ्लोब्घर श्री राज राजेश्वरी अपार्टमेंट, नारायण नगर, एल० वी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मई,

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार बूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए जन्ति ति गेर्न हैं अर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि गथापूर्ज कित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, जमके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्दश्य से उच्त अन्तरण निचित में वास्तिक स्प से क्षियन नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण त सुद्ध किसा आय की बाबत . इक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के गायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर गण्डितान, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरण की भी भी कि की अप की अप (1)-को भी , उक्त की भी कि की धारा 269-म की अपनारा (1)-के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० वाला एण्ड बदर्स।

(अन्तरक)

- (1) 1. श्री प्रदीप चंपक लाल गहा, पार्टनर आँफ : मैं० राज इंजिनियर्स श्रीर
  - श्री धिरज लाल हरचन्द शहा, पार्टनर आँफ :
     मैं० सेल्स इंजिनियरिंग वक्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि में उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्रमी

दुकान नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोर, श्री राज राजेश्वरी अपार्टमेंटस, नायरायण नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाट—कोपर, बम्बई—86 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कम सं० आई०-3/37 ईई०/8031/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

्र बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/7658/83-84—मतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269 ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसका सं० फ्लैट नं० 228, जो दूसरी मंजिल, 'रमेश' बिल्डिंग, प्लाट-सी, प्रमृत नगर, एल० बा० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मै० गेठ इन्टरप्राइसेस।

(ग्रन्तरक)

(2) मै॰ विद्या सागर माणिक सिलम।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की उन्नीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 228, औं दूसरी मंजिल, 'रमेश' बिल्बिंग, ब्लाट सी, श्रमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, बाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/7658/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन **रैज**-3, दस्वर्ष

तारी**ख** : 10-1-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. ------

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाम करते का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित याजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20, जो पहलीं मंजिल, कैलाण विल्डिंग, नेहरू रोड, सांताकृम (पूर्व), बम्बर्ड-55 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ग्रीर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 268 के ख के प्रधीन यम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्टा है तार, ख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में केंग्र के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्याम करने का कारण है कि यथाप्त्रींकत सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल बा पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का किसर अधिनियम, का किसर अधिनियम, का किसर अधिनियम, 1957 (1957 का 97) दे क्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, खिपाने मो सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नोनिस्तित व्यक्तियों. अर्थात :---

- (1) मैं० विलोक कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।
- (घन्तरक)
- (2) श्रो हुसेनी वाई श्रादमजी बगास्रावाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा संकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 20, जो पहली मंजिल, कैलाश बिल्डिंग, नेहरू रोड, सांताकूस, (पूर्व), यम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूच! जैसा कि कम सं० श्राई० 3/37 ईई०/8033/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायके श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज--3, बम्बई

तारोखा : 10-1-198 5

माहर.

# प्रकृष बाह<sup>2</sup>. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/7441/83-84--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर आधिकियम 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301 है तोसरो मंजिल, सी विग बिल्डिंग नं० 2, शांति पार्क, गरीडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), वम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व। में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के स्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्र। हैं तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से काधन पहा किया गया है:---

- (क) अन्तरण वं हुई किसी आप की बाबस, उच्छ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की इशियत्व में कमी भारतेश उस्से वचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं-कर अधिनियम, या धनं-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अस्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया आ या किया आना काना नाहिए था, जियान यें सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मै० नोलम डेवलपर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पो० एन० श्री धरन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ १४ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के जध्याय 20-क मां परिभागत है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ua a A

फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, सी विंग, बिल्डिंग नं० 2, शांति पार्क, बरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं ।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/7441/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज∽3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालयं, सहायक जायकर् आयुक्त् (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० भ्राई०-3/37 ईई०/7694/83-84--म्रत: मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-15, जो पहली मंजिल, ग्राराम को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, सांताकूस, (पूर्व), वस्वई-55 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप मे किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त बिधिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाधित्व में तारी करने या उससे अधिने में स्विधा के जिल्हा और रेगा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय। को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन -कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दनारा एकट नहीं किया धरा के निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा के निया.

शत: अन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्लिसित व्यक्तियों, अधार . - (1) श्रा गोविन्द त्रिमदास वाधवागी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा सा० जोसेफ मैन्युल।

(अन्तरितो)

को यह सचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर ग्रम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण — इसमें प्रयादत एको और पदा का, जा उक्त अधिनयम क अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, बहाँ अर्थ हारेग, जा उस अध्याय मो विकार की हाँ

#### अनुसूची

प्लैटनं ए-15, जो पहली मंजिल, ग्राराम को॰ ग्राप-रेटिव हाऊसिंग सोसाइटा लिमिटेड, सांताकूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/7694/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

त.रोख: 10-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २०१०-थ (1) के सधीन स्थना

#### भारत चरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/7991/83-84--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

काम कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम श्रिधकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृन्य 25,000 र र से अधिक हैं

श्रीर जसकी सं० फ्लैटनं० 701, जो सातवीं मंजिल, सी-विंग. बिल्डिंग नं० 2, णांति पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अणुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मई, 1984

को प्रवेशित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत सं अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वोश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में बास्तिक रूप सं किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियस के अधीन खर दोनें के अम्मरक के सस्यित में कमी करने का उससे क्चने में मृहैंक्या क रेक्ष: भीर/मः
- (क) एसी किसी नाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयांजराण कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा था किया जाना चाहिए था, स्थिपने के अधिका के जिए;

नतः कथा, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मीं, धाक्त अधिनियम की बारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) नेव नोलन इंबलपर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामत राजू जातल दाम परियानी ।

(अन्तरिती)

का यह स्थान चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के विश कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की व्रामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला के किसी क्षा किसी की सकरों।

स्यष्टीकरणः — - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

#### BENERAL SERVICE

फ्लैट नं० 701 जो सातवीं मंजिल, सी-विंग, बिल्डिंग नं० 2, णांति पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूर्चा जैसा कि कम सं० ब्राई०-3/37 ईई०/7991/ 83-84 ब्रौर जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मई, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

वारीख: 10-1-1985

मोहर 🎖

प्रकप बाईं, टी. एन. एस.----

नाधकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा , 269-न (1) के अधीन सुमना

#### भारत चरका

•ार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-क से अधिक है

भीर जिसकी सं ० पर्लंट नं ० 702, जो, 7वीं मंजिल, सी-विंग, बिल्डिंग नं ० 2, शांसी पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन बार दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा ह निम्, जीकाय)
- (क) एसे किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उत्वत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा.(†) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिस्यों अधीत :---- (1) मैसर्स निलम डेव्हलोपर्स

(अन्सरक)

(2) श्री सितलदास गोबिदराम परीयानी

(ब्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाही शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यवस्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की शस निकास में किए का सकेगे।

स्मब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं जर्थ होंगा जो उस जाया में दिया स्था ही।

#### en e el

फ्लैट नं० 702, जो, 7वीं मंजिल, सी-विंग, बिल्डिंग नं० 2, शांती पार्क, गरोडिया नंगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई, 7990, 83-84 मीर जो सक्षप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरोक्षण) कर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एम.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

#### ध्वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जनवरी 1985

नि श सं० आई-3/37-ईई/7745/83-85--अत : मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर राष्पत्ति, जिसका उचित बाजार रास्य 25.000/- रह से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० दुकान नं० 6 जो हिल व्हयू अपार्टमेंट हिमालया पार्वतीय के - आप० हाउसिंग से साईटी लि० नेताजी पारकर रोड, असाल्फे घाटकोपर बम्बई - 84 में स्थित है (मीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घरा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-5-1984

को पर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) वंतरण से हुई किसी बाय की नामस, ज़क्स विधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कामी करने मा उसने लगाने में मिलिया के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19/22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (१०५७ का 97) के प्रसोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकर प्रति किया गर्म था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के जिए:

बत:. जब, उक्त जींधीनयम की धारा 269-ग के जनसरण कों. गों उक्त जींधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-- (1) श्री गणेश कन्स्ट्रक्शन कार्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) मै० ऊषा टेक्सटाईल्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि ग्रा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए आ सकेंगे।

स्याद्धीकरण :---इसमें प्रयादत शब्दों और पदों का, जो उनके अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं 6 जो हिल व्हयू अपार्टमेंट हिमालया पा रंतिय को-आप हार्जीसंग सोसाईटी लिं नेताजी पालकर, अस<sup>्टं</sup> घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37-ईई/7745/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज–3, बम्बई

दिनांकः 10-1-85

मोहरः

धरूप बाइ. टी. पुन. एस.------

# भायकर अभिनियम, 1961 (19<mark>61 का 43) की</mark>

## भारत तरकार

भारा 269-म (1) के बभीन सुधना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-3, बम्बई

बम्बई , विनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/7970/83~84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परजात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, दि कोयस गीत को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 353/बी—3, टी० पी० एस० 2, वल्लभवाग विस्तारित लेन, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-84 को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मृत्य स कम के इश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल सी, एसे इश्यमान प्रतिफल का नन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योव से उकत अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योव से उकत अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योव से उकत अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योव से उकत अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योव से उकत अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योव से उकत अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित च व्यव विस्त पर्वा विष्त पर्वा विस्तर विष्त स्था विस्तर विष्त का निम्निस्तर का निम्निस्त का चित्र स्था विष्य पर्वा विष्त अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित च व्यव विस्तर पर्वा विष्त सित्तरका विष्त विष्त

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बातत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के बिए।

बतः जब, उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) बै अधी न. निम्मनिस्तित व्यक्तियों, अधित :---- (1) श्री एम० कुमारस्वामी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अरुण जेठालाल अदलखा भीर श्रीमती कुसुम ए० अदलखा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिक् कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारील दे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

## धनुसूची

फ्लंट नं 14, जो, 3री मंजिल, दि कोयल गीत को-ऑप हाउसिंग सोसाईटी लि॰, प्लाट नं 353/बी-3, टी॰ पी॰ एस० 2, बल्लभवाग विस्तारीत लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० प्अहे-3,37अईई7970/83-84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

**ए० प्रसाद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रेंज-3, बम्बई** 

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप् आइं.टो.एन.एस.------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकानु

# कार्यात्तय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) धर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई, 7872, 83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वक्त (जिसे इसमें इसके पर्वक्त (जिसे इसमें कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० पलंदस न० 5 मीर 6, जो 2री मंजिल, प्लाष्ट न० 122'सी, नेजरिंग सी० टी० एस० नं० 11/24, टेम्पल दर्शन, पबई बन्बई में स्था हैं (श्रीर संक्षे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित्त हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की जारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सर्पात के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल न्ये लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत स रिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसं अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोलिसित उद्यक्त से उक्त अंतरण निचित में भास्तिक रूप से करिया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण संहुइं सिसी माम की वाबत, उक्त अप्रधानमम के भंगीन कार भने के अंतरक के वासित्व में अभी करन या उत्तम क्लन में मृजिधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अविनिध्य, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुक्रिश के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निलिमित व्यक्तिस्यों, संधातः— (1) श्री चित्तरंजन चन्द्रभान शर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दरजित कौर लूग्गानी

(अन्तरिती)

को यह सुष्पना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की लारी का स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, को अक्त जिविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 5 धौर 6, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 122/सी, बेऑरंग सी० टी० एस० नं० 11/24, टेम्पल दर्शन पवर्द्द, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/7872/83-84 ग्रीर जो सज़म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-3, *बस्च*ई

सारीख: 10-1-1985

मोहर 🕹

प्ररूप नाइ . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक मायकर नाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अंक्षे-3/37-ईई/7728/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 207, जो, 2री मंजिल, "छोटालाल विला", विल्डिंग, प्लाट "जो", अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटको पर (पू०) बम्बई—86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन , बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अस-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) सनरण से हाइं फिल्मी आय सनी बाबत, उक्त लिक्षित्रयम के बधीन कर दोने के अंतरक के लिक्ष्य मा कामी कारत या उसमें बबने में मृजिधा के लिए; और/या
- (भ) एंसी किसी जाय या किसी भन था जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में कृतिथा के नियह;

बराः वयः, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग की अनूजरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कश्रीण, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ।—— (1) मैसर्स मोठ इंटरप्रायजेस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जुबेदा सैयद लाम्बे।

(अन्तरिती)

 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स प्रविक्त में से नेकसी व्यक्ति होता.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरनाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी गे।

स्पष्टीकरण :----हगम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त जिल्हां की क्षान्यम के अध्योद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस बध्याय में विमा गुमा है।

#### प्रमुसूची

पश्चार तं० 207, जो, 2री मंजिल, "छोटालाल विला" विलिंडन, प्लाट "जी", अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, वाटकोपार, बम्बई—86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं० अई-3/37-ईई/7728/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बईद्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज--3, बस्बई

तारोख: 10-1-1985

मोह्द 🖫

# प्रकपः बाह्रं. टी. पुन्. एसः -----

आपकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### भारत स्रकार

क्रयांलिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश र्स० अई-3/37-ईई/7727/83-84--अतः **मुने**, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मल्य 25,000/-स से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 6, जत, ग्राउन्ड फ्लोअर, "भारिषी विला" विल्डिंग, प्लाट एफ-1, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बस्वई-86 स्थित भी र इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1971 की धा 69 क, ख के अश्रीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क एजि है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्दोष्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोते के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे अभने में सुविभा ओ लिए; और√या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन ए अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें स्विधा के सिए;

जतः अव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (१) के प्रधीन, निम्नसिन्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) मैसर्स शेठ० इंटरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोझी जोस, भौरश्री पी०वी० मोस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीब सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह छे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मस्पत्ति में हिस्साद्य किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो इविष अभिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वाधिक हो, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में धिदा गया है।

#### **अगराजी**

पत्रैट र्न० 6, जो, "भागिरथी विला" बिल्डिंग, ग्रांउडं फ्लोर, प्लाट एल्फा, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बुम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई, 7727/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

(ए० प्रसाद) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई** 

**सारीख**: 10-1-1985

मोहर 🕄

प्रकृष बाह् . टी. एन . एस . ---- ---- ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं ० अर्ध – 3/37 – ईर्ध / 7773 / 83 – 84 — अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीम सक्षम प्राधिकारी बचे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका बचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 10वी मंजिल, विग-डी, बिल्डिंग नं० 3, दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग, घाटकीपर (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयक्द अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्ब स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 1-5-1984

करं पृथोंकत सपत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह निश्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करनेया उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पारल इंटरप्राईसेज

(अन्तरक)

(2) श्री खदय नागेश असनोटकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अमीध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखिस में किए जा सर्कांगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वग्स्की

पर्लैट नं 0 1, जो, 10वीं मंजिल, विग-डी, विरिंडग नं 0 3, "दामीदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटक, पर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के बई-3, 37-ईई, 7773, 83-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

(ए० प्रसाद) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक : 10-1-1985

प्रमण् बाद् े ही त्य. ११४ -----

जायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना '

#### बारव बहुन्छर

कार्यांसब , सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण । अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-4,37-ईई,7503,83-84--अत. मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो, श्री शांती कुज को-आप० हाउसिंग सोसाईटी, चेंबूर, वम्बई-74 में स्थित है (ध्रौर समसे उपावड अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विभाग है), श्रौर जिस्क्रा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घरा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिजकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री सारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड हैं और म्र्फे यन हिन्द्रभास करने का कारण हैं कि स्थाप्त्रॉक्त सम्पर्तित का जिन्द्रभास प्रतिफल को एस्में द्रश्यमान प्रतिफल का कार प्रतिफल का कि प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पाया गया प्रतिकात निम्नीसिक्त ल्युडिंग से उक्त अन्तर्य कि कि में कि प्रतिकात में कि कि प्रतिकात से अधिक हैं कि प्रतिकार के लिए तस पाया गया प्रतिकात कि कि प्रतिकार के कि प्यों कि प्रतिकार के कि प्रतिकार के कि प्रतिकार के कि प्रतिकार के क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य भास्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ का उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :~ (1) श्री जगजितपाल सिंग कोहली

(अन्तरक)

(2) कशीमती अमरीतकौर एन० सिंग

(अन्तरिती)

को यह मृजना जारी करके पृथिक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

बक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध र कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजणत मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिया की प्रविध या ताल्यकाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जा भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा ;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाणन की तारीच से 45 विन को भीतर उबते क्यार सम्पान्त मा हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अथोहस्ताक्षरी के शस जिसित थी सिक्ष जा सामी

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग '(:-दें में परिकाशिय हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 12, जो, श्री शाती कुंज को-आप० हाउसिंग सोसाईटी, चेंब्र, बम्बई-74में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4, 37-ईई, 7503, 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज∼3, बम्बई

दिमांक: 10-1-1985

प्ररूप आहुरै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना .

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

> अर्जन रेंज-8, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/7567/83-84---अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 107, जो, 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, जय शास्त्री नगर, मृलुंब कालनी, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत: अब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

66-456 GI/84

(1) श्री मेघराजपी० सेवलानी।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार आर० वालेचा।

(अन्सरिती) ■

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शिक अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## घनुसू**ची**

फ्लैंट नं० 107, जो, 1 ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, जय शास्त्री नगर, मुलुंब कालनी, बम्बहै में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3, 37-ईई $_1$ 7567 $_1$ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10~1−1985

प्रस्प बार्षः टी. एत. एस. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

काम्बेलय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, धिनांक 10 जनवरी, 1985

निर्वेश र्सं० अई-37-ईई<sub>।</sub> 7736<sub>|</sub>83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 32, जो, विंग-बी, 3री मंजिल, निलिमा अपार्टमेंट, एस० पी० एस० मार्गे, भाडप, बम्बई-78 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विंगत हैं), ।श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह वश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबता, उक्त मधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा धाहिए था, कियाने में मुस्थिध के सिए।

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स गणेश बिल्डर्स।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती मिताकारने।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन् के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरना:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त व्यभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित , हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन सची

फ्लैट नं ० 32, जो, ''बी'' विंग, 3री मंजिल, निलिमा आपर्ट-मेंट, एस० पी० एस० मार्ग, भाड्प, बम्बई-- 78 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/7736,83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

तारीख . 10-1-1985

# प्ररूप गाई..टी.एन. एस. -----

कायकर के भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई। बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985 निर्देश र्स० अई-3/37/ईई/7571/83-84—अत मुझे ए० प्रसाद

आयक्तर औ । निर्मा । )61 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परवात उक्त अधिनियम कहा ज है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. स अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 68, जो, 2री मंजिल, भाडुप विशाल ईडस्ट्रियल प्रिमायमेंस को-आप० सोसायटी लि० व्हिलेज रोब, भाडुप (प), बम्बई-78 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसं स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरिक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्दश्य स उक्त अन्तरण सिविद् वे वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है —

- (क) अतरण स हुई किसी आय की बातत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व मा कमी करन या उससे बचने मा सुविधा के लिए, और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सुविधा के सिष्

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नतिश्विक व्यक्तियों, अभीत :— (1) कुमार मौलीक घिरजलाल एन० कामदार।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स वेल्बकापट इंजीनियर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यकरिया करता हो।

उक्त सम्पर्शित के अर्जन क सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षप --

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य उथक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षर। के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं ० 68, जो, 2री मंजिल, साडुप विशाल ईडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी लि०, व्हिलेज, रोड, भाडूप (प), बस्बई-78में स्थित।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37–ईई/7571/83–84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बहैं द्वारा दिनांक 1-5-19 84 को रिजस्टर्श किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई।

तारीख 10--1-1985 मोहर प्रकष बाह्र .टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत् सूचना

#### भारत वरकाड

फार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-3, बम्बई

बम्बईदिनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश र्सं० अई-37-ईई<sub>/</sub>7737<sub>/</sub>83-84--अतः

ए०प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

भौर जिसकी र्सं पूर्विट नं ० 59, जो, 1 ली मजिल, भांडुप विणाल ई डिस्ट्रियल प्रिमायसेस को आप ० सोसायटी लि ०, व्हिलेज रोड, भांडुप, बम्बई - 78 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 279 क ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य ते कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल ते, एसे द्रायमान प्रतिफल के पेच्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की वावत, उपत जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी अन्तर्त या उससे अथने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ जन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए;

जतः अव, डक्त मधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियमं की भाषा 269-च क्री उपभास (1)' के अभीन, हैनम्मलिखिस व्यक्तिकां, क्यांत् ८——

- (1) श्री कांतीलाल छमनलाल गोसालिया।
- (अन्तरक)
- (2) मैं सर्स शिव गायती प्रिंट आर्टस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारि करके पूर्वोंक्त सम्पर्टित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध को कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के उप्रथम में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्थों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# वन्स्ची

यूनिट र्नं० 59, जो, 1 ली मैजिल, भांडुप विशाल इंडस्ट्रियल प्रीममसेस को-आप० सोसायटी लि०, विहलेज रोड, भांडुप, बम्बई-78।

अनुसूची जैसा कि क० र्स० अई-3/37-ईई/7737/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रें**४-3, बस्बर्ध** 

तारीख: 10-1-1985

प्र<del>क्य बार्ड</del>. थी. एन. एस. ------

# मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, 'सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं० भई-3/37-ईई/7939/83-84--- स्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, टायर-जी, गोवर्धन नगर, एल० बी० एस० मार्ग, मुलुंड (ए), बम्बई-80 में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके टश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय अयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिखित स्यक्तियों, अधीत् ध— ( / ) श्रो ए न० श्रार० गंगारामानी मौर श्रीमती हरी एन० गंगारामानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० एम० कटीरा श्रौर एम० एस० कटीरा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

#### अनुसूची

पलैंट नं० 2, जो, टावर-जी, गोवर्धन नगर, एल० बी० एस० मार्ग, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-3/37/ईई/7939/83-84श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख: 10-1-1985

महिर .

# प्रकृष् भाइ . टी . एन . एस . ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरी 1985

निर्देश स० ग्रई-3/37-ईई/7904/83-84---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 222, 2री मंजिल, हरानन्यानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉजित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के मर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाब प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उपक जभिनियम के जभीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व मों कमी करन या उससे वचन मों सविभा के तिए, जौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपान में सृविधा के लिए;

(1) श्रो हिरानन्दानी इंडस्ट्रियल इंटरधायजेस।

(मन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीराम प्लास्टिक्स।

(मन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 जिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 जिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्थित द्वारा मधाहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त श्रीभित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूजी

प्लैट नं ० 222, जो, 2री मंजिल, हिरानन्धानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजुर मार्ग, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/7904/8 3-8 4 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध।

बतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधारा :—

तारीका: 10-1-198 5

# प्रकल काही, टी., एत., एत., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, अस्बई

बम्बई, दिनाक 10 जनवरो 1985

निर्देश सं० ग्रई– 3/37–ईई/7668/83–84–-ग्रनः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं बाला नं 1 जो स्रशोक इंडस्ट्रियल इस्टेट नाहर व्हिलेज, मुलुड, बम्बई—8 ए में स्थित हैं (स्रोर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्णस्प में विणित है), स्रोर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 के, खे के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख

## 1-5-1984

को प्रवेक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अतिरत्त की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंदृष्ट प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्दोह्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उल्लिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्राएम०टा०को कुजग्रीर प्रन्य।

(श्रन्तरक)

(2) 1 श्री डेनीयल घीवर्गिम और श्रन्थ

(श्रन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू ।

उक्त संपर्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भग्स्ची

माल नं ० 1, जो, अशोक इंडस्ट्रियल इस्टेट, नाहुर व्हिलेज, मुसुड, बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० स० अई-3/37-ईई/7668/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई।

नारीख : 10—1—1985 ———

मोहर 🕆

# प्रकृषः वाद्"ः टीः एन्ः एसः -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/7972/83-84---अतः मुझे ए०प्प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० यूनिष्ट नं० 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, यूनिट इंडिस्ट्रयल इस्टेंट, डा० आर०पी० रोड, मुलुड (प), बम्बई-30 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से वर्णित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उष्वत बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उपनत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वेषय से उक्त बन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः प्रवः, उक्त अधिनियम वृती भारा 269-ग कौ जन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति में, अर्थात :-- (1) श्री गावियल बेंजामिनतावरो ।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स अनंत इंडस्ट्रिज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वनसंची

यूनिट नं ० 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोअर, यूनिट इंडस्ट्रियस इस्टेट, डा० आर०पी० रोड, मुलुङ (प), बम्बई—80में स्थित है।

अनुसूची जी कि कि० सं० अई-3/37-ईई/7972/83-84 श्रौर जो सक्षमण्याधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

नारीख: 10-1-1985

अरूप बाई. टी. एत. एव.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीय सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश र्सं अर्ध-3, 37-ईर्ध, 7734, 83-84-अतः मुझे छ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

ष्ठौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 61, जो, "ए" विंग, 6वी मंजिल, निलिमा अपार्टमेंट, एस पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), । श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसक रव्यमान प्रतिफल न एसि इत्यमान पतिफल का पंच्य प्रतिफल का प्रतिफल का पंच्य प्रतिफल के बाँच प्रतिफल की विश्वास से ब्रिक्ट है बाँच जंतरक (अंतरका) और अर्तान्ती (अन्तरितमा) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक क्य के किया गया है ——

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी भाग की बाबत, उक्त भीधिनियम के अधीन कर राने के अतरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

(1) मैसर्स गणेश बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री एल॰ एन॰ वासंगम् ग्रीर श्रीमती इलीझाबेथ विमल (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पद्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हाँ:

#### वनसर्वा

प्लैट नं 61, "ए" 6वी मंजिल, "निलिमा आपर्टमेंटस" एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई, 7734, 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गय है।

सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, **बस्बई** 

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप. बार्च, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । ाग 269-व (1) के अधीन स्थना

#### WIND WEIGHT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं० अई-3,37-ईई,7917,83-84--अतः सुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्थात (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० बी, 103, जो, 1ली मंजिल, सौरम अपार्टमेंटस—बी, ध्राफ पी० के० रोड, गावनी पाडा, नाहूर, मुलुंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1—5—1984

नो प्वोंकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में अम्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायसा, उबस प्रीधिनियम को अधीन कर दोने को बग्तरक औ दायित्व में कमी करने या जसके बच्चे थीं स्विका की सिए; बॉर/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या या किया भारती नाहिए था व्हिणाने में शांविधा के लिए;

अतः अव उक्तः अधिनियमः कौ भारा 269-भ को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भैसर्स एस० एन० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० बालकृष्णन, श्रीर श्रीमती विजया बालकृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त राजितक में क विजी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के जाम जिल्लि में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकर .-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ शोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ध्रनुसूची

फ्लैट नं बी, 103, जो, 1 ली मंजिल, सौरभ अपार्टमेंटस-बी ग्राफ पी बोक रोड, गावनी पाडा नाहूर, मुलंड (पिचम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-37अईई, 7913, 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

सारीख: 10~1-1985

इक्स बाइ'.टी.एव.एव.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं॰ अई-3/37-ईई<sub>/</sub>7915/83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25.000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/103, जो, 1ली मंजिल, सौरभ अपार्टमेंटस-त्री, ऑफ पी० के० रोड, बाहूर, गावनी पाडा, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवेकित सम्पत्ति का उनित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के चाँचल मं कमी करने या उसम बचन मा सूर्यिक्ष के लिए, बौर/या
- हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या उत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूप आधानव्या, १९६० 195, १०१२ प्रशिक्तार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री एस० एन० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० राधाकृष्णन मेनन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस धं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुत्रारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्याकरणः — इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनसची

फ्लैंट नं ० ए/ 103, जो, 1 ली मंजिल, सौरभ अपार्टमेंटस— बी, ऑफ पी० के० रोड, नाहूर मुलुंड (प), बम्बई 80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई 3/37-ईई/7915/83-84 भौर जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप आई.टी.एम.एत. -----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्सण) अर्जनरेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं अर्श- $3_l$  37-ईई $_l$  7750 $_l$  83-84-- अतः मुझे, ए प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- रु. से अधिक हैं:

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 2, जो, विग—बी, 1 ली मंजिल, "निलिमा अपार्टमेंट" एस० पी० एस० मार्ग, भां डूप, बम्बई—78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम एक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इस्में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके एक्यमान प्रतिफल से, एसे एक्यमान प्रतिफल के कृद्ध प्रतिहत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और किसरितों (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया क्या प्रतिकार, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बाजित्य में कभी करने या उससे अवने मा साम्बरा के जिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य ज्ञांस्तयों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए।

जतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नजिसिक व्यक्तियों, अभीत ह---

(1) मैसर्स गणेश बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीक्लारा सालढाणा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किया अस्ति किया व्यक्ति द्वारा अस्तिहस्ताक्षरी के पास निमित्र में किए जा सकेंग।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमागया हैं।

#### वन्त्रुची

फ्लैटनं॰ 12, जो, विग—बी, 1 ली मंजिल, ''निलिमा अपार्ट— मेंट'', एस॰ पी॰ एस॰ मार्ग, भांडुप, बम्बई—78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-ईई, 3/37-7750, 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख: 10-1-1985

अक्य बार्ड . टी. एन. एव. - - - - -

नायकः विभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० अई-3,37-ईई,7741,83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा मं बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 22, जो, "ए" विंग, 2री मंजिल, "निलिमा अपार्टमेंट 6, एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई—78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रंजिस्ट्री तारीख 1—5—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिकत उद्देश्य से उन्त बन्तरण जिचित में शास्तिक में से अधित नहीं किया गया है ----

- (क) संतरण सं क्ष्म किसी नाम की बाबतः, उस्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क जिए; बार/वा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए जा, जिनाने में तुविधा से सिए.

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्सित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मैसर्स अणेश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यशोदा जी० करकेरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अभि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यित्रयों में से किसी व्यक्ति क्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पार लिखित मों किए वा सकाँगे।

स्पच्छीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं ० 22, जो, "ए" विंग, 2 री मंजिल, "निलिमा, अरार्टमेंटस" एस० पी० एस० मार्ग, मांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्ह-3/37—ईर्ह, 7741 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज--3, बम्बई

तारीख: 10--1-1985

मोहर 🖫

प्रस्प आई.टी.एन.एस. -----

**बावकरु वधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की** धारा 209-ध (1) के अ**धीन स्**चना

#### साइत सरकार

कार्याक्ष्य, सहायक जायकार जायुक्त (पिरीक्राण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1985

निवेश पं० अई-3 37,ईई, 7713, 83-84:--अतः मुझे ए प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लैट नं० 25, जो मिलांजली, शिवराम को० आप० हाउरिंग सोसाइटी लि०, 1099, देविदयाल रोड, मुनूंड (प०), अम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सिक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल। के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उसक आ अन्तरम के अधीन कर दान को अन्तरक क दायित्व भी किमी करने या उससे स्वाने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (का) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 को 1327 की 11) या उन्त को धीनग्रम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सरगम रमेश जैन।

(अन्तरक)

2. श्री नरेश बी० शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस कै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण. — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवाहीं।

#### **प्रनुपू**ची

पलैट नं० 25, जो, मितांजली, शिवराम को० आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 109 , देविदयाल रोड, मुलूंड (प०); वस्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं० अई-3/37/ईई/7713/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

वारीब: 10-1-1985

इस्प नार्डे. टी एन. एत. ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी 1985

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/7494/83-84:--अतः मुझे, ए प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के नधीन सक्षम प्राप्तिकारी को वह निरमास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौय जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-303, जो, उषा नगर, मांड्फ विलेज रोड, भाडूप, बम्बई 78 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबस अनुचर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है, ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख, 1-5-1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दस्यमान प्रतिफल से एोमे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी अपने या तससे बचने में बुविधा के लिए; बीप/मं
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, रा अब-कर अधिनियम, 1957 को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निकालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- 1. मैसर्स खण्डेवाल इंजीनियरिंग कम्पनी लि०। (अन्तरक
- 7. श्री अण्णभा जॉय श्रीर जॉय वर्गिस। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप '--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्य किसी अन्य स्थावत द्वारा, अथावस्ताभरों के यास जिस्ति में किए अर सन्धरी

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दाका, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हूं, वही अर्थ द्वीगा. था उस अध्याय में दिया गर्थ है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० ए० 303, जो, उथा नगर, भांडूपू विलेज रोड, भांडूप, बस्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37-ईई-7494/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; 8, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### प्रारुव सन्कार

भावीस्य, बहायक जायकर वायुक्त (गिरीक्षण)

अर्जम रेंज-3, बम्बई

वम्बई, धिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/7673/83-84:—अतः मुझे, ए प्रचा द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैंट नं० 9, जो, निर्मानाधीन इमारत प्लाट नं० 48, कांजूर को आप हाउसिंग सोसाईटी लि०, कांजूर मार्ग, बम्बई—78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है (श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख 1-5-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य मं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष स, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विश्वित में वाका-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए अ कियाने में सिक्सा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मॉडर्न बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० शिन्दे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के गर्जन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र .--

- (क) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविधि, जो भी सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकर स्थितवारे में से किसी स्थित द्वारा.
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शस

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

पलैट नं० 9, जो, निर्मानाधीन इमारत प्लाट नं० 48 कांजूर को आप हाउसिंग सोसाईटी लि०, कांजूर मार्ग, बम्बई 78 में स्थित है।

अनुवाची जैसा कि क सं० अई-37/ईई, 7673/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत अरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 त्रम्बई बम्बत्, दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० आई-3/37ईई/7768/83-84;--यतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्याग करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी संख्या यूनिट नं ं 1, जो, प्राउण्ड फ्लोर, विशाल इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, सिऐट टायर के बाजू में, विजले रोड, भाण्डुप (प०), वम्बई—79 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधी। बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी ब 1-5-1984

कां पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (स) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ;—— 68---456 GI/84 1. श्री कांतीताल सी० गोसालिया ।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स गंगासिंग सुखविन्दर सिंह श्रौर अन्य । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसूची

यूनिट नं∘ 6, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, विशाल इण्डस्ट्रियस ह्रइस्टेट, सिएट टाथर के बाजू में, विलेज रोड, भांडूप (प०) ंबम्बई–79 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा कि क सं० अई-3-37। ईई|7768| 83-84 भ्रौर जो सक्षम भ्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पू० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

**स**ारीख: 10-1-1985

# व्यव आहे <u>वी एव एक अञ्चलका</u>

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सूचवा

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई वम्बई दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं • अई-3/37-ईई/7916/83-84:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या दुकान नं० 2, जो सौरभ अपार्टमेंटस— ए०, आफ पी० के० रोड, भावनी पाडा, नाहूर, मुलुड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (भीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूणं रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खू के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वेक्ति संपित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरच से हुं इं किसी बाब की बाबत, सक्त जीभीनिवय के जभीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयाप्रकाथ अन्तिरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गर किया भाग जाहिए था, स्थिपने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ी की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. एस० एन० बिल्डसी।

(अन्तरक)

2. भीमती ए० जार्ज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के हिन्ए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सृष्टना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्टना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में - एरिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में - दिया ग्या है।

# मन्स्ची

दुकान नं० 2, जो सौरभ अपार्टूमेंटस-ए०, आफ पी० के० रोड, भावनी पाडा, नाहुर, मुखुड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37/ईई/7916/83 84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सअप प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर .

# इच्य बाइ ् टो ् य्यु एवं -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

#### भारत वरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० अर्६-3/37ईई/7735/83-84:--अत: मुझै, ए० प्रसाद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जितकी सं० फ्लंट नं० 63 जो विंग ए, 6वी मंजिल,

"निलिमा अपार्टमेंट्स", एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई,

78 से स्थित हैं) भौर इससे उपायद अनुसूची हू भौर पूर्ण
रूप से बाणत हैं), भौर जितका करारनामा आयकर अधिनियम

1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं कि मूभी यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकं द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का

पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा क निए;

वितः वर्ष, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण थो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा ﴿﴿﴾ के अधीन, निम्निचित्रित व्यक्तियों, वर्षात् क्र-- 1. मैसर्स गणेश विल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री के० टी० थापा।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्र ची

फ्लैंट नं ० 63, जो, विग-ए, 6वीं मंजिम, "निलिमा अपार्टमेंटस एस० पी० एस० मागं, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-3/37ईई/7735/83-84 भौर जो सक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 10—1—1985

प्रकथ बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

र्सं ॰ अई-3<sub>1</sub> 3ईई<sub>1</sub> 7906<sub>1</sub>83-84:--अतः मुझे, ए०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट एस० नं० 74, जो 1ली मंजिल, ऋषभ छ।या, सी० टी० एस० नं० 564, आफ 90 फिट वाईड डी० पी० रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुम्ची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है, भीर जिसका करारनामा आयकः अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधी। बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-5-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में, एमे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरितों (अन्तरित्यों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधित्यम के अभीन क्लेर दान के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपानं में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—- 1. अजय बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील बाबूराव खालवडेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ज़त्री करक पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशक्रिया कारना ह्या।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) ६४ मध्या के राजण्य में प्रकाशन की तारीक स 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तिया में में किसी व्यक्तित द्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपक भी प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीनर उथत स्थावर सम्पत्ति मी हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम सम्पत्ति नाम सम्पत्ति ।

श्यक्ष्यंकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जा उक्त ेधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### अनुसुखी.

प्लाट नं॰ एस॰ नं॰ 74, जो 1ली मंजिल, ऋषभ छाया, की॰ टी॰ एस॰ नं॰ 564, आफ 90 फुट वाईड डी॰ पी॰ रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई,7906,83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-8, बम्बई

नारीख: 10-1-198**5** 

् माहर .

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

र्सं० अई—3,37ईई,7506,83—84:—— अतः मुझे, ए प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पर्लट नं० 3, जो, 3री मंजिल, फाल्गुनी विल्डिंग, लादीवाला कालोनी, माडेल टाउन, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोंकृत दिलंख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति, का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथन नृहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या फिरी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें शरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं⊸हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् ६—— (1) सूषार फैमिली ट्रस्ट ध्रू इट्रस ट्रस्टीज श्री ए०टी० गणात्रा भौर श्रीमती यू० ए० गणात्रा

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मीचन्द्र हंसराज शाह ग्रीर श्रीमती हिराबाई लक्ष्मीचन्द्र शाह

(अन्तरिती)

111

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्राची

फ्लैट नं 8, 8री मंजिल, फाल्गुनी बिल्डग, लादीवाला कालोनी माडेस टाउन, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम र्म० अई-3,37ईई,7506, 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-1-1985

मोहर :

# प्रकल बाइ" टी. एन. एस.----

नायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985 सं० श्चई/3/37ईई/7435/83-84:→- अल:, मुझे, ए प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/31, जो, उसा धिल्डिंग, तादिवाला कालजी, बाल राजेण्यर रोड, माडेल टाउन के बाजू में, मुलुंड (५०), बम्बई-80 में स्थित है (प्रौर इससे से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), घौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के शबान बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्रं। है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए दय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एँसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री बोरजोर एस. कपूर और
  - (2) श्रीमतो कुमी बी० कपूर।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री करूणाकर मेट्टी,
  - (2) सुजाया जे० फ्रमैट्टी

(मन्तरितीः)

को यह सूचना कारी करके पृत्रांक्त सम्पृत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा उत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यांक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास जिस्सा में कियू जा सकोंगे।

स्यक्ष्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं!

#### नगस्य

फ्लैंट नं ए/31, जो, उसा विश्विग, लाई।वाला कालनी, बाल राजेश्वर रोड, माडेल टाउन के वाजू में, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूर्चा जैसा कि क स० अई-3/37ईई/7435/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारं:, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० **प्रसाद** सक्षम प्राधिका**री** राडायक आयकर आयुका (।न**राक्षण**) क्रजेन रेज-3, **बस्ब**\$

तारीख: 10−1−1985 |

मोहर :

प्रस्प बाह्रं, टी. एन. एस. - -- -

बायकर ब्रॉभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज-3, यम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० श्रई-3/37ईई/7495/83-84:--श्रतः मुझे, ए० प्रसादः

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 27, जो त्थी मंजिल, "बिल कण्ट ग्राणिष" बिल्डिंग, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुर्लुड (प०) बम्बई—80 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद धनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्राय-कर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रार्धन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्रं है, सार्ख 1--5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापृष्टिक सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहसमान प्रतिफल से एसे रहसमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल का नम्निलिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त सिम-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए साँद्र/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या क्रन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धव-कर बिधिनियम, या धव-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाशा बाहिए बा, जियाने में सुविधा के लिए;

बर्तः वयः उक्त विधिनयम की पारा 269-व वी जन्मरण मैं, मैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधीत्:—

- 1. श्रीमतः कमलावेन ग्रार॰ गोठ गौर
  - 2. श्री जयन्त ग्रार॰ शेठ।

(मन्तरक)

- 2. श्रा लाल जा जे० ठक्कर श्रीर
  - 2. श्रं(मर्ता शांताबेन एल० ठक्कर।

(मन्तिरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षण के तिथ् कार्यशाहियां करता हुए।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थिकत दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित-. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्ट तरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों अहैर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियय गया है।

#### अमस ची

प्लैट नं० 27, जो 6वीं मंजिल, "बिल कण्ठ भाशिष" बिल्डिंग, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुलुंड (प०) बॅम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/7495/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर ;

प्ररूप आई.टी.एन.एस "-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकार आयुक्त<sub>ो</sub>(निरीक्षण) श्रजीन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10-1-1985

सं० ग्रई- 3/37ईई/7984/83-84:--- ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

जारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या यृनिट नं० 115-ए०, जो, 1लीं मंजिल, गोबिन्द उद्योग भवन, वालराजेश्वर रोर्ड, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद मनुमूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा पाय-कर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारी ख 1-5-1984

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुँइ किसी आय की शबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; अर्थित्या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया स्याधा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अथात्:— मैंचर्स इण्डो सायमन एजेन्स।
 प्रोत्राटबर गोजन्द के० दर्मनार्ता।

(ग्रन्तरक)

 श्री: हर्पदराय एन० शहा श्रीर श्रीमती कांचनबेन एन० शहा।

(भन्तिर्देती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ये 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध कसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरण:--इसमें प्रयुक्त कळों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनसची

यूनिट नं० 115-ए० जो, 1ली मंजिल, गोबिन्द उद्योग भवत, बालराजेश्वर रोड, मुर्लुड (प०), बम्बई-80 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37/ईई/7984/83-84 श्रीर जो सञ्जन प्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिनांकर 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ंए० प्रसाद सिक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जनरेंज-3 बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🛭

# प्रस्य नाइं.टी. १व . एस . न------

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268=थ (1) के प्रधीन सुचना

#### ब्रारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरो, 1985

सं॰ धई-3/37ईई/7432/83-84:--धतः, मुझे, ए प्रसीव,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उथन प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अश्वीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ ये अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9/4 जो, सचिन को० भ्रागरेटिब हार्जीसग सोसाईटी लि०, मिठागर रोड, मुलुंड (पूर्व०), बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड अनुस्चः में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्। है, तारोख 1-5-1984।

को पूर्वेक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरकों (मन्तरकों) मोर मन्तरिकों (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखिन में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आंस्तियों को, जिल्हें भारतीय प्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया बाना बाहिए था, खिपान में सुविद्या के लिए ;

बतः जब, तकत बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्न अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित क्यिक्तयों, अथाँत् :---

1. श्री सी० जी० सोलशे।

(म्रन्नरक)

2. श्रीमती ए० वी० मण्डके।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

# इक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 2--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की बबिध, को भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया मुंगा है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 9/4, जो, सचिन को० आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, मिठागगर रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/7432/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निर्राक्षण) झर्जन रेंज-3,बस्बई

तारीख 10-1-1985 मोहर : प्रकृत बाई . टी. एव . एव . - - - ----

श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर ब्राय्क्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जनवरी, 1985

सं० अई-3, 37ईई, 7578, 83-84:—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या इन्डस्ट्रियल शेंड नं० 6, जो, वर्धमान इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को आप सोसाईटी लि०, 75, भांडूप विलेज रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरण के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-5-1984।

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के किए: और/या
- (ण) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सक्थि के लिए;

1. श्री दिनेश पेंट इण्बस्ट्रिज।

(अन्तरक)

2. अशोक एफ० णाहा।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना आरी करके पूबोक्त मर्ध्यान के अर्थन क म्यू कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्यन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पाचीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उरु अध्याय में विया स्या है।

### वन्स्ची

इण्डस्ट्रियल शेड नं० 6, जो, वर्धमान इण स्ट्रियल प्रिमाय-सेस को आप सोसाईटी लि० 75, भाडूप विलेज रोड भांडूप सम्बर्ध-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई--3,37ईई 7578,83 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–३, बम्बर्ड

अतः अक्ष, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गै, शै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 10~1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भागकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार, 269 म(1) के अधीन सूचना

#### भारत सुरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 जनवरी, 1985

सं० अई $-3_l 37_l$ ईई $_l 7672_l 83-84:$ —अत**। मुन्ने, ए०** प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राज्जिती को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000 - उन से अधिक है

25 000 - र म आधक ही और जिसकी स० पलैट नं० 4, जो, 1ली मंजिल, ऋषम आशिष, प्लाट नं० 74, 564, मुलुई, (पूर्व), बम्बई—82 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 को पूर्विकत गम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिद की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप रूप को शत महीं किया वसा है क---

- (क) अन्तरण स हाइ किमी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बनने में मृविधा के लिए; और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री अजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

श्री नयन बलराम पाटील, श्रीर
 श्रीमती पार्वती बाई बलराम पाटिल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कान की तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगराची

फ्लैट नं० 4, जो, 1ली मंजिल, ऋषभ आशिष, प्लाट नं० 74, 654, मुलुड ऋपूर्व०), बम्बई-81 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3,37ईई,7672,83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-84 को रजिस्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

ता**रीख**: 10-1-1985

मोहर ः

# प्रस्य बार्'. टी पुर, एस् अनननननननननन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### बारव बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/7574/83-84:--अत मुझे, ए० प्रसाव,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, ऋषभ आशिष आफ 90 फिट बाईड रोड, मुलुंज (पूर्व०), बम्बई 81 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुचर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय हैं रजिस्ट्री में, तारीख 1-5-1984 को पूर्णेक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक्ष (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) मन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना धाहिए था, स्थिनने में सुविधा भी लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वी अधीन, मिम्नलिबित अधिनत्यों, अधिद् ध—— 1. मैसर्स अजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री पांडुरंग मुकन्द हरचांदे।

(अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सं भी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुची

फ्लैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, ऋषभ आशिष, आफ 90 फिट आईड रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/7574/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-5-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिका**री,** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें**ज**–3,बम्ब**ई** 

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाइ. टी. एन. एस. 🚥

**बायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

र्सं० अई $-2_l$  37ईई $_l$   $7873_l$ 83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद.

स्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 21, जो, ग्राउण्ड क्लोअर, भांडूप विशाल इण्डस्ट्रियल, प्रिमायसेस को आप० सोसाईटी लि०, विलेज रोड, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-5-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क दिया प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्यहर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) कर उन्हों (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विश्वित के बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी अध की बाबत, अब अभिनिय्त्र के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाखिल में कभी करने या उससे बचने में स्विधा था लिए, और/सा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अनिस्त्रको को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृतिका के लिए,

बतः बब उक्त अधिनियम की भाग २६९-ग के अरमरण का, में उक्त अधिनियम की धारा २६९-म की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. लालजी हिरजी कर्ता आफ लालजी हिरजी गोशर, (एच० यू० एफ०),।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कातीलाल इण्डस्ट्रियल।

The second secon

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता है।

उत्त नम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना क राजपत्र ता प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध त तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यध्दीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### arril .

यूनिट नं० 21, जो, प्राउण्ड फलोअर, भांडूप विशाल इण्बस्ट्रियल प्रमायसेस को आप सोसायटी लि०, विलेज रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3, 37, ईई, 7873, 83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–5–85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर ;

प्रस्प आहर्ष. टी ११४ . ११४ -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुद्रा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 3,-बम्बई

बम्बई, विनाक 10 जनवरी, 1985 सं० अई-3/37ईई/7897/83-84 --अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह एक्जाम करन का कारण है कि एथावर सम्पत्ति, रोजभवा पास्ति पास्ति प्राधिक रोजभवा पास्ति प्राधिक रोजभवा पास्ति प्राधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० सी०/7, जो, 4थी पजिल, देविदयाल, को आप० हाउमिंग मोलाईटी, ई० एस० आई एस० हास्पीटल के सामने, मुलुड (प०), बम्बई में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आवतर अधिन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षस पाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है लान एके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्वित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (भां) अन्तरण संदूर्घ किसी १९० की साजन, अक आधिनियम की अधीन केटबर के अन्तरक की दायित्व मों कभी करते या उपस्वचर प्रामिक्श के लिए, और पा
- (६) एसी किसी आय या किसो धन " उत्ते श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वास अन्तरिती किया अन्तरिती स्वास अन्तरि

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री० बी० आर० के० नयर।

(भन्तरक)

(2) श्री रमेशपा० छात्रा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाजित हूं, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्त्जी

फ्लैंट नं॰ सी/7, जो, 4 थीं मीजिल, देविदयाल को आप हाउसिंग सीसाईटी, ई॰ एम॰ आई॰ एम॰ हास्पीष्टल के सामने, मुलूंड (प॰), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37/ईई/7897/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एव. एस. -----

1. एरा० एन० बिल्जर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रोमती चित्रा रामकष्णन।

(अन्तरिती)

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महाएक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/7918/83-84:—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० ए/301, जो, सौरम अपार्टमेंटस, बी०, आफ पी० के० रोड, भावनी पाडा, नाहूर मुलूंड (प०), बम्बई—8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधियिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के पिचन बाजार मुख्य र कम के ध्रथमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मफे यह विश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित प्रविचा कास्तिक का म किथत नहीं किया गरा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त व्यथिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसके बचने मा सुविधा के लिए गौर/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशाजनाथ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया थ या किया जाना चर्निए था, छिपाने में सविधा के निए:

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उपन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /ूरे के अपं नियमितिसत व्यक्तियों, ल्थात :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहिया अरता हूं।

उक्त सम्पत्ति 🤞 अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस क्विंग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवार बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यान्त्रकार में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ७ 45 दे के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध नार -पिक द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास िका में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोब्स्ण .-- सःम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा हा।

#### अनसची

पलैंट नं० ए/301, जो, सौरम, अपार्टमेंटस, बी०, आफ पी० के० रोड, भावनी पाडा, नाहुर, मुलुड, (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थिन है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/7918/83-84 ग्रीर जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बंबई

**दिनां**क : 10-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई. ट्री. एन . एस . -----

आभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रींज -3, बम्बई,

बम्बई, दिनाक 14 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/8042/83-84—यत मुझे, ए० प्रसाद

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मन्य 25.000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 8, पहला भंजिल सम्प्राट जनकल्याण नगर मालांड बम्बई 400062 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269क्ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 1-5-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरामान प्रीपफल के लिए अन्तरित की गई है

है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वीवत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उच्चेश्य से उकत अन्त-लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय अध्य-का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए तकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने पं मृथिश के बिक;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स कांत्रिला कल्ल्स्ट्रक कल्स्ड्रक्शन । (अन्सरक)
  - 2 श्री गामसुन्दर नथ लाल अगरवाल। (अन्तरिती)

टा यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिग्वित में किए जा सकोगे।

स्पप्टिकिषा --इसमा प्रवित शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

पर्लंट न० 8, जो, "साम्राष्ट" पहली मिजिल, प्लाप्ट न 6, जनकत्याण नगर, मालाड, बम्बई 68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क स० अई 2/37ईई/8042/83 84 थार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-5-1684 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकरी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण), अर्जन रेज-2, **बम्बर्स**

तारीख ' 14-1-1985 महिर ' प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी, 1985

सं० अई-2/37/ईई/8131/83-84:---अत मुझे, लक्ष्मण ए० प्रदास,

जायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 65 फ्लप्टस, जो विहलेज मालवनी, तालूका बोरीनली, बम्बई में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-5-1984।

को पूर्वोक्त सम्मिति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिस में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की वाबत, उक्त वीभीनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उक्के क्यने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य श्रास्तियों की शिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः भव, उन्त नीभीनयम की भारा 269-ग के ननुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) हे सभीन, निम्नसिखित स्यक्तियों, अर्थात् :---

-456 QI/84

1. में सर्स मिनत एन्टरप्राइसेस:

(अन्तरक)

 श्री सी० एस० करलकर,
 चीफ प्रमोटर, अपना को आपरेटिव हाउसिंग डेवलप मेंट सोसाईटी (नियोजीत ।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकेंगे।

स्यव्योकरण — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उक्त विभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होगा वो उस सभ्याय में दिया मवा है।

# अगृस्ची

65 फ्लैटस, जो, प्लाट नं० 5 तथा 7 मौर जिसका एस० नं० 84 एच० नं० 1, 2(पार्ट), 3 (पार्ट), एस मं० 85, एच० नं० 4 (पार्ट), मौर 5 (पार्ट), मौर जो विलेज मालवनी, तालुका बोरीवली में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई 3/38ईई/8131/83 84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 55 84 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 14-1-1985

मोहर ≟

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मुधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक मायकर भायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रज, 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

र्स॰ अई $-3_l$  37ईई $_l$  8182 $_l$  83-84:—अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25.000/- रा. स अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 603, जो बिल्डिंग, टाईप-बी "तपोवन" पठाणवाली रोड, वेस्टर्न एक्सप्रस हायवे, अनुसूची (पूर्व), बम्बई 64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध मालाड में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-5-1984

का प्रवीकत सम्यक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय संगम में धारा 269 ए. बी. के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के सम्मृत्य रिजिस्ट्रीकृत किया गया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) कलरण से हुंचूं किसी अथ चौः बातत, उनतः विधिनियम के वधीक कर गोने के कल्टरक कें। यिएल में कनी करने में उससे वचने में: सुनिधा के लिए; बॉर/था
- (थ) एसे किसी बाथ वा किसी थवा वा अन्य बारिस्त को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वब्द कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने में सुविधा के खिए;

जतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरक भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः:—- 1. मैसर्स देवरा केविया डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रीटा गौतम पाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना कें राजवात में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिंध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इ.स. स्क्रना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक सं-4.5 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितक्इ अ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

ह्म्यक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त खब्दों बीर पर्दों का, थी उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

#### धनसर्थ

पलैट नं ० 603, जो, बिल्डिंग टाइप बी०:2, "तपोवन", पठाणवाडी रोड, वेस्टर्न एक्सप्रस हायवे, मालाड (पूर्व०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ र्स० अई-3/37ईई/8162/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बर्ध द्वासः दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्श किया गंगा हैं।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🛢

# प्रस्थ बार्'.टो.एव.एस.,-----

भायकार कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भाडा 269-म् (1) के स्थीन स्मृता

भारत चुड्याह

· " 1: 24

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

सैं॰ अई-3/37/ईई/7722 ए/83-84:--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जानार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, (टेरेस के साथ), जो, 1ली मंजिल, न्यू ग्रीन अपार्टमेंट, सूरेल पखाड़ी रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबश्च अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बहैं स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गद्दे हैं और मृभ्ने यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा बया प्रतिकृत, निम्नसिवित् उद्देश्य से उक्त सन्तरण विविद् में वास्तरिक रूप से किया नहीं किया नवा है ----

- (क) बन्तरण हे हुई किसी बाव की बावत, उक्त विधितियम के बधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में ब्रुविधा के लिए; और/या
- (भा) प्रेसी निक्सी साम वा निक्सी मण वा अन्य आपिस्तरी कारे, मिन्हें भारतीय नाय नगर कि पिनियम, 1922 (1922 का 11) वा स्वत्य विधिनयम, वा भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा. फियाने में नृविभा के निष्;

अतः अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलियिक व्यक्तियों वर्षात् कर् मैसर्स ए० आर० कुरेशी एण्ड कम्पनी।

(अन्सरक)

2. श्री एकनाथ सुलसी राम पाटकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशक की तारी हैं 45 दिन की बनीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्ष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (च) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच को 45 दिए के भीतर उक्त स्थावर सम्पंतित में हितबक्ष फिसी कृष्य कावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच सिर्चत में किए जा सकति।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त षट्यों और पर्यों का, जो जनत अभिनियम दें अभ्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया हैं।

प्लैंट नं 102, जो, (टेरेस के साथ), 1 ली मंजिल, न्यू ग्रीन अपार्टमेंट, तूरेल पनाडी रोब, मालाब (प०), बम्बई 64 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० अई-3/37/ईई,722 ए/83 -- 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3,बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मृहिद्र 🛭

प्ररूप आध्री. टी. एन. एस.-----

आयंकर मिश्रीनयम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्चना

# बारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

**सं**० अई-3,37ईई,8146,83-84:—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिन्नका उजित वाचार मृत्य 25,000/- उसे अधिक हैं

मीर जिसकी सें० फ्लट नं० 2, जो बिल्डिंग, नं० एच
1, सुन्दर नगर, एस० वि० रोड, मालाब, बम्बई-64 में
स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से
विजत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मृल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य
पूर्व उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
(अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय वाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखिल
भाराविक स्थ वे करिए वहाँ दिका पंचा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) बी प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

नतः जन, उन्त जाधीनयम की भारा 269-ग के जन्तरण में, मैं, उन्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जी० सी० एम० एस० मुन्शी।

(अन्तरक)

2. श्री सी० के० अमला।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यकारियां शरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहम्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय १८-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वसा है।

#### अनुसूची

फ्लट नं॰ 2, जो, बिस्डिंग, नं॰  $[v=-1, y=x+n\tau, y=x+n]$  एस॰ वी॰ रोड, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० अई-3,37ईई,8146,83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, 3 बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🛭

ţ

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस 🗸 ------

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विधीन सूचना

भारत सहकार

# कार्धालय, शहायक जायकर जायूक्स (निरीक्ण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985

र्स० अ**ई**-4/47/ईई/8154/83-84:--अमे मुझे, ए०, प्रसाद,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-तः से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो, ग्राउण्ड क्लोअर, मान सरोवर, स्वामी विवेकानन्द रोड भौर गोबिन्द नगर रोड, र्जन्शन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थयान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत: बब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) बो बधीन. निम्निवित स्थितयों बर्धात् :---

- 1. श्रीमती निल् मुरलीधर कटारा ग्रीर अन्य। (अन्तरक)
- 2. श्री के॰ पी॰ अन्नाहम।

(अन्तरिती)

को सह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाधीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### समय की

दुकाम र्न० 11, जो, ग्राउण्ड क्लोअर, मान सरोवर, स्वामी विवेकानन्द रोड श्रीर गोबिन्द नगर रोड जंक्शन, मालाड (प०), बम्बई-54 में में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई $_{1}8154/83$ -84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-84को राजस्टाई किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांकः 10-1-1985

मोहर 🗓

प्रसम असर्वं . हो. एन . एस . -----

आयफर अधिनियम, 196-1 (196-1 का 4-3) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985 सं० अई $-4_l37_l$ ईई $_l7531_l83$ -84:—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास व उने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० यु 2/8, जो जें० बीं० डीं० की आप हाउसिंग सोसाईटी लि०, भांडूप, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269-ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख के पासे रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिक्षत सं अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ग) एसी किसी आय य तिकसी धन वा अन्य आस्तिस्यों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती जे० एम० अमिन।

(अन्तरक)

2. श्री डी० मुरलीधरन बाम्ब।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध शब में समाप्त होती हो, के शीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे [8]

स्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उत्तर श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्भी

प्लैट नं यू--2,8, जो, जें० बी० डी० को० आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, भांडून, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37/हैहै/7531/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**द,** स*त्त*मप्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज−4, बम्ब**ई** 

दिनांक. 10-1-1985

मोहर:

प्रकल बाहै, टी. एन. एस/.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1985 सं० अई-3,57ईई,7535,83-84:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अजगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अक्षरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- र<sub>ि.</sub> से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 15, जो, 3री मंजिल, "शिव गिरी", आफ एल० बी० एस०, मार्ग, मुलुंड, बम्बई-80 में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित 👣), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1984 क्षे पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गर्ड और विश्वास करने का कारण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीम्फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(मंतरितियों) के बीप एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नतिबित उद्वरेश से उस्त अन्तरण सिवित में बास्त-

बिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावस उक्त विध-निवस से वचीत कर दोने के बस्तरक के दासिकः में रुभी करने वा उससे वचने में सूर्विधा के लिये, बारिया/
- (क)' एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तिय, की, चिन्ह" भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया धन वा किया वाना चाहिए था, ख्याने में बृविधा की किया

वतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं को, अनुसुरणं वो, वो, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थं की उपचारा (1) के अधीन, जिक्किकिक व्यक्तियों, वर्धात् उस्त े 1. मैसर्सं रूबी कन्स्द्रवशनः कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री टी० रामास्वामी मुदालियार।

(अन्तरिती)

को यह बुचना चारी कार के पूर्वोक्त- संपरित के अर्चन के विष् कायत्राहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नात में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्त के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभेहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्दीकरणः—-इसमें प्रमुक्त कथ्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित इं, कहीं वर्षः होगाः को उस अध्यायः में दियाः गया है।

### मनुसूची

पर्मीट नं० 15, जो 3री मंजिल, "शिवपुरी" एल० बी० एस० मार्ग, मुलुंड, बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7534/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-1-1985

मोहर 🖫

# प्ररूप बाइ .टी.एम.एस------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई
अम्बई दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० अई~3<sub>|</sub>37|ईई|7516|83~84:—अतः **भुने** ए∙ प्रसाद.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 10, जो, 1क्षी मंजिल, श्रोम शिक्त को आप हाउसिंग सोसाईटी, लि०, बालजी लाघा रोड, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, जायकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में तृतिथा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के समूतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एस० सुब्रमनी अय्यर।

(अन्तरक)

2. श्री विनोव कुमार मेघजी दोधिया।

्र(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बग्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिय! में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रपी

"फ्लैट नं बी-32, जो मानन्य मनार्टपेन्ट, आनन्य मिलन प्रीमामसेस को-भापरेटिय सोसाईटी लिमिटेड, सान्ताकूज सबवे रोड, सान्ताकूज (पश्चिम), 400 054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क०सं० अई-2/37ईई/7516/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, मस्बई

विनोक: 10-1-1985

माहर:

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

#### NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta, the 19th January 1985

No. G-65/S. O.—The Director General National Test House, Calcutta has been ple-sed to appoint the following Scientific Assistants (Chemical) of National Test House as Scientific Officers (Chemical) in National Test House, Calcutt, and its branch offices a flombay, Madras & Ghaziabad respectively with effect from the date mentioned against each on a temporary basis until further orders.

Sl. Name No.	Promoted to the post of	Date of promotion	In the office of
1. Shri Pravat Bhattacharjee.	Scientific Officer (Chem.)	31-07-84 (F.N.)	National Test House
Scientific Asstt. (Chem.)			Calcutta
2. Shri P. C. Majumder, Scientific Asstt. (Chem.)	Do.	31-07-84 (F.N.)	Do.
3. Shri S. K. Ghosal, Scientific Asatt (Chem.)	Do.	31-07-84 (F.N.)	Do.
4. Shri T. K. Majumdar, Scientific Asstt. (Chem.)	Do.	31-07-84 (F.N.)	Do.
5. Shri S. Rahut, Scientific Asstt. (Chem.)	Do.	31-07 84 (F.N.)	Do.
6. Shri N. N. Tarachandani Scientific Asstt. (Chem.)	Do	4-08-1984 (F.N )	National Test House Ghaziabad.
7. Shri B.P. Talukdar, Scientific Asstt. (Chem.)	Do.	4-08-84 (F.N.)	National Test House Bombay
8. Shri A. K. Achuthan, Scientific Asstt. (Chem)	Do.	31-07-84 (F.N.)	National Test House Madras.
9. Shri S. Chandrasekharan. Scientific Asstt. (Chem.)	Do.	31-07-84 (F·N.)	Do.

J. M. BHATTACHARJEE
Deputy Director (Admn.)
for Director General
National Test House, Calcutta-27

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Sendil Andavar Chit Fund Private Ltd.

Madras-600 006, the 15th December 1984

No. DN/5323/560(3)/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560(3) of the Companies Act,1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Sendil Andavar Chit Fund Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/ Illegible Asstt. Registrar of Companies. Tamil Nadu, Madras

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and In the matter of M/s. East Coast Metcaps Private Limited.

Pondicherry, the 17th January 1985

No. 150/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Compaines Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company M/s. East Coast Metcaps Private Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. KOTESWARA 1: AO. Registrar of Companies, Pondicherry.

(1) Mrs. Madhu Ashok Bodhwani.

(Transferor)

(2) Deora Construction Corpn.

and the second s

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-----

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37FF/7812.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the competent authority under Section 269B of the historieste Act. 1951 of 1951 (Actionafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Flat No. b-104, Aaradhara, Kisan Road,

Hat No. B-104, Aaradhara, Kisan Road, Midad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bembay on 1-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afpressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument w transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which out it to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B/104, Aaradhana, Kisan Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/7812/83-84 1-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Smt. Badar Jahan Begum

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

......

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 4th January 1985

G. I. R. No. A-158/Acq.—Whereas, I.  $\Lambda$  PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-bearing No. One house

situated at Mohalla-Kohna-Mughalpura, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad in 29-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shri Abdul Samad 2. Shri Abdul Wahab

(Transferee)

(3) Vendor

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house with land measuring 210 sq. mtrs. situated in Mohalla-Kohna-Mughalpura, Moradabad registered by the Registering Authority, Moradabad, on 29-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4 1-1985

#### PORM ITNS....

(1) Shri Mukhtar Ahmed Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Shri Apsar Ali Khan 2. Shri Abid Ali Khan 3. Shri Sharafat Ali Khan

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

57, RAM TIRTH MARG, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 5th January 1985

G. I. R. No. A-159/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

6122

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

stituated at Vill-Shivpuri, Pargana and District Moradabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 16 acres 18 decimals situated at Village-Shipuri, Paragana and District-Moradabad (as mentioned in 37 G Form No. 3937) registered by the Registering Authority at Moradabad in May, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 5-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) 1. Shri Yakub Hussain 2. Shri Maksood Hussain

2. Shri Maksood Hussain
3. Shri Javed Hussain

(Transferor)

(2) Haji Hafiz Akbar Hussain

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW.

Lucknow, the 8th January 1985

G. I. R. No. H-55/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. House No. 40E/12 situated at Mohalla-Tabela, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on May, 1984 for an unparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 40E/12, situated in Mohalla-Tabela, Distt. Moradabad (as mentioned 37G Form No. 3934) registered by the Registering Authority, Moradabad on May. 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-1-1985

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW,

Lucknow, the 4th January 1985

G. I. R. No. N-88/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house

situated at Mohalla-Kisrol, Jhabu-Ka-Nalla, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Moradabad on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising in the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any names or other asset, which have not been or other asset, which have not been or other or other assets to be disclosed by the transferse for the original forme as Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) 1. Shri Mohd. Anis 2. Shri Mohd. Ilias

(Transferors)

(2) M/s. New Radiant Brass Art, Wares, Kisrol, Moradabad Partner, Shri Mohd. Yakum Chowdhary. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inumovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house with land measuring 220 sq. mtrs. situated at Mohalla-Kistol. Jhabu-ka-Nalla. Moradabad. registered by the Registering Authority, Moradabad, on May, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Lucknow

Date: 4-1-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 5th January 1985

G. I. R. No. S-35/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18/2

situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 6-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Amropalli Sohkari Grih Nirman Samiti Ltd. Lucknow, Through Secretary,

Shri Dinesh Chandra Scivastava

(Transferor)

(2) 1. Smt. Swaran Devi Aggarwal 2 Smt. Asha, Aura mi

(Transferee)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property tracy be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ple No. 18/2, measuring 12000 sq. ft. situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, P. S. Hazratganj, Lucknow, registered by the Regi tering Authority, Lucknow, on 6-5-84. Moradahad

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Da'c : 5-1-1985 Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri J. Narayana Singh, No. 448, VIII Cross Road, Mahalakshnit Layout, Blore-86.

(Transferor)

(2) Shri Dasegowda, Southemagenahalli, Channapatha Tq. Mysore Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 5th January 1985

C. R. No. 62/44172/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H-445.

situated at Mahalakshmi Layout, B'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ciffre on the Registering Officer at Rajajinagar in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the stability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 703/84-85 Dated May, 84] House No. 445, Situated at Mahalakshmi Layout, Banga-lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1985

C. R. No. 62/R-1168/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chala No. 276 and 277 situated at Panjim Sub-district of Ilhas District of Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bangalore under Registration No. 967/84-85 on 29-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937) 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

73-456 GI/84

- (1) I. Maria Helena de sousa
  - Berta Benedita de sousa Caetano Francisco de sousa

  - Bernardino Luis de sousa
  - Maria Ema Azardo e sousa
  - Antonio Basilio de sousa
  - 7. Jose xaiser de sousa And
  - 8. Maria Ligia Menezes e sousa All are residing at Dr. Domingos Roque de sousa Road, Panjim-Goa.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Habib Valjee2. Quesovan Govinda Durl3. Vasudeva Camoolin

  - Tukaramladu Malgaoncar
  - Ralino de sousa Xavu Signapurcar
  - 6. Xavu Signapuren.
    7. Duttaram Valuscar
    8. Joozinho Vaz

  - 9. Barnabe sousa 10. Satia Vitikai Govhind Raicar 11. Calinata Verucar 12. Deodata Shirodkar

  - Gajaram Karpurcar
     Club vas co da Gama and the

15. Owners

Dr. Domingos Roque de sousa Road

Panjim, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Clarette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 967/84-85 Dated 29-5-84] All that part or piece of land admeasuring 1487.36 sq. ms consisting of a Building of a ground floor and 1st floor and a portion of open land with a well situated at Panjim, Sub District of Ilhas District of Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-1-1985

Scal :

#### FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1985

C. R. No. 62/R-1177/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 et 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Chalta Nos. 132, 133, 134, 135 and part of Chalta No.

139 situated at Panjim Taluka Ilhas Panjim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bangalore under Registration No. 974/84-85 on 28-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

party and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mr. Manuel Simplicio Carvalho and Mrs. Esquiel Helena Exaltação Carvalho House No. E-338 Swami Vivekananda Road, Panaji Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Domnic Issac Premier Builders, Panaji Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered No. 974/84-85 Dated 28-5-84). All that part of property admeasuring about 754 sq. ms. situated at Panjim Taluka Ilhas, Sub District of Ithas, District of Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bungalore

Date: 3-1-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012.

Kanpur, the 10th January 1985

Ref. No. M-667/84-85.—Whereas, I. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at the Mall, Mussoorie

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 507 on 18-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument me parties has not been truly stated in the said instrument on transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naimely:--

(1) Smt. Gianwati, R/o Rustgi Mohalla, Chandausi, Distt. Moradabad.

(Transferor)

(2) M/s. Superior Hotels & Properties (Pvt.) Ltd., Satyam Cinema Building, Ranjit Nagar. New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s, Superior Hotels & Properties (Pvt.) Ltd., Satyam Cinema Building. Ranjit Nagar, New Delhi.

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s. Superior Hotels & Properties (Pvt.) Ltd., Satyam Cinema Building, Ranjit Nagar, New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Known as 'Kenilworth Lodge', the Property Mall. Mussoorie.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-1-1985 Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NFAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2010.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have feason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a rain market and bearing No. 162 situated at Village Chakhandi Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at of 1908) in the Office of the Registering Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oth r assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purpose of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) Shri Milkhi Ram Sharma R-15/1, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Parkash Duggal and Smt. Bimla Rani Both R/o 196-A-2 S. P. Mukherjee Park, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Single storeyed property bearing Municipal No. 162 comprising one drawing-cu, dinning, three bed rooms, one kitchen, one stores, bath, toilet and court yard built on Khasra No. 15/25 Khatauni No. 3/4 Village Chakhandi Delhi. Measuring 225: 5/9 sq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY BOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Debi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2026.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

situated at Inderpuri Colony Mouza Naraina Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay use under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclessed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax (ct., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Eashwar Meena W/o Sh. P. Easheariyer C-52 Inder Puri. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Suman Singh W/o G. Singh C-52 Inder Puri. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. C-52 at Inderpuri Colony Mouza Naraina Delhi, Measuring 500 sq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI KOAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-2/5-84/2177.—Whereas, I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31/15

situated at Punjabi Bagh, New Delhi. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Rajinder Singh & Shri Matiwainder Kaur -1039 Kucha Natwan Chandni Chowk, Delhi.

(2) Shri Desh Bandhu Gupta 31/35 Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 31/35 Punjabi Bagh, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-Ill.
Delhi/New Delhi.

Date : 8-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-2/5-84/2154 —Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. C-99

situated at Akal Garh Fateh Nagar, Vill. Tihar, New Delhi. And more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on May 1984

Delhi on May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Dr. Anil K. Gupta C-68, Clock Tower Hari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Subhash Chander Chopra Ashok Chopra, Lalit Chopra Near Govt. Higher Secondary School Gharaunda Dist. Karnal Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-99 Khasra No. 539 Akal Garh Fatch Nagar Vill. Tihar, New Delhi. Measuring 200 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-1-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2126.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Rewla Khanpur. New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984.

Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

(1) Sh. Vijender Singh, Sh. Raiesh Kumar Sh. Inder Singh, and Sh. Ram Kumar Ss/o late Sh. Kaptan Singh Village Chawla, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Exclusive Properties Pvt. Ltd. B-4/4, Safdarjang Enclave New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property r may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazente or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imm: > -able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Killa No. 15/2/2 (0-4) M. N. No. 9 Killa No. 11/2 (2-16) Village Rewla Khanpur, New Delhi. Measuring 3 Bighas.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-11/5-84/2125.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Rewka Khanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—74—456 GI/84

(1) Shri Chhotu S/o Shri Sis Ram Chawla, Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Evrest Farm House Pvt. Ltd., B-4/4, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land M. N. No. 19 Killa No. 20/2 Village Rewla Khanpur, New Delhi, Measuring 3 Bighas and 12 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II'
Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Brahmo Devi W/o Pokhat Mal B-5/8 Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Surjit Singh HD/47 Visakha Enclave, Pitampura, Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2072.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respectively beginning to the competence of property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Agricultural land
situated at Village Alipur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land Khas No. 1873 (4-16) and 1874 (4-16) in village Alipur Delhi. Mcasuring 2 Killa,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 8-1-1985 Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Hyderabad, the 8th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2071.—Whereas, I, G. S. GOPOLA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value occeeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamlesh Gope W/o Shri Suresh Chand Goel B-5/8 Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Surjit Singh R/o HD/47 Visakha Enclave, Pitampura, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 1871 (4-16) and 1872 (4-16) at Village Alipur Delhi. Measuring 2 Killa.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi,

Date: 8-1-1985

Scal:

(1) Smt. Kamlesh Goel W/o Shri Suresh Chand Goel B-5/8 Rana Partap Bagh.

(Transferor)

(2) Sh. Surjit Singh HD/27 Visakha Enclave Pitampura, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2070.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land

situated at Village Alipur. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evision of the linbling of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 1857 (4-16) at Village Alipur Delhi. Measuring 1 Killa.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 8-1-1985 Scal ;

#### FORM LT.N.S.—----

\_\_\_\_\_

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2038.—Whereas, 1. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land

situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexted hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Shri Kishan Singh, Hem Singh, Jai Mal Singh, Dharma and Mahender S/o

Sh. Sher Singh R/o Village Alipur Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Raman Kumar Behal and Sh. Ramesh Behal S/o Sh. Daulat Ram Behal C-III, Kirti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra Nos. 983 (1-11) 995 (3-4) 994 (3-4) 1013 (3-4) in the area of village Alipur Delhi. Measuring 3 Bighas.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2013.—Whereas, I. G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

3/43-44 D/S situated at Tilak Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Sh. Banarsai Lal R/o J-5/73, Rajouri Garden New Delhi. through Jagdish Chander, Naresh Kumar, Om Prakash, Ram Prakash and Anup Inder Kumar

(Transferor)

(2) Sh. Kewal Krishan S/o Sh. Banarasi Lal 3/43-44 D/s Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of persons, whichever notice on the respective period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Govt. built up quarter No. 3/43-44 D/s Tilak Nagar, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985

2002 :

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2061.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Shingola Delhi

(and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Delhi on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Sh. Swaran Kumar Choudhary C-2/234, Janakpuri, New Delhi, and Sh. Santosh Singh S/o Tara Singh S/o Tata Singn J-11/81, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Parmod Gupta BO-24 Shalimar Bagh, Delhi Permanent Add. 14/39 Shakti Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 10/14 (4-16) 10/17 (1-12) Village Shinogla Delhi. Measuring 6 Bighas and 8 Biswas.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985

(1) Sh, Kuldip Singh Gomber & Kirpal Singh Chaudhary BL-15 Jail Road, Anand Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2060.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the competent authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural lnad situated at Village Shingola Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the offi Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initia's proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mrs. Kamlesh Aggarwal BQ-24 Shalimar Bagh, Delhi. Permanent R/o Broach Sadan Brouch St.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 10/13/2 (2-14) 10/8/2 (3-Village Shingola Delhi. Measuring 5 Bighas and 18 Biswas.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985

#### FORM I.T.N.S.-

\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN
> NEAR BROADWAY HOTEL
> 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
> NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2059.—Whereas. I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land

situated at Village Shingola Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—75—456 GI/84

(1) Sh. Kuldip Singh Gomber and Thakur Singh Gomber BL-15, Anand Vihar, Jail Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Kumar Aggarwal, BQ-24 Shalimar Bagh, New Delhi. Permanent R/o Broach Sadan Broach St.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immovable notice in the Official Gazette or a period of 30 days property, within 45 days from the date of the publifrom the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 10/7 (4-8) at Village Shingola Delhi. Measuring 4 Bighas and 8 Biswas.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985

Scal :

-= =

#### FORM ITNS

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2058.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6144

No. Agricultural land situated at Village Shingola Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Nirmal Singh Gomber HL 15 Block C Jail Road, Anand Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Anil Kumar Aggarwal BQ-24 Shalimar Bagh Delhi Permanent R/o B-3 Atur Park S. T. Road, Chembur, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 10/23/2 (1-5) and 10/24 (4-16) at Village Shingola Delhi. Measuring 6 Bighas 1 Biswas.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Swaran Kumar Choudhary C-2/234, Janakpuri, New Delhi, and Sh. Santosh Singh S/o Sh. Tara Singh J-11/81, Rajourl Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manmohau Gupta BQ-24 Shalimar Bagh, Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2057.—Whereas, I, G S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land

situated at Village Shingola Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 10/18 (1-19) at Village Shingola Delhi. Measuring 1 Bigha & 10 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985

#### FORM TINS

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/2056.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Shingola Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely t—

 Sh. Swaran Kumar Choudhary R/o C-2/234, Janakpuri, New Delhi, and Sh. Santosh Singh Oberoi J-11/81, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumar Aggarwal BQ-24 Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 10/17 (3-4) at Village Shingola Delhi. Measuring 3 Bighas and 4 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 8-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-II/5-84/2055.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Shingola Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than thee ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Kirpal Singh & Sh. Kuldip Singh, r/o BL-15, Jail Road, Anand Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Kumar Aggarwal, BQ-25 Shalimar Bagh Delhi. Permanent R/o Broach Sadan; Broach Street, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 10/6 (2-1) Village Shingola, Delhi.

Measuring 2 Bighas and one biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 8-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASTIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No IAC/Acq. 3/SR-II/5-84/2095.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Mundela Khurd, Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hari Singh, H. No. 95 Humayumpur, New Delhi-29.

(Transferor)

(2) Sh. Narayan Banerjee and Anupam Banerjee through their father S. Janardhan Banerjee 9-A Humayunpur, New Delhi-29.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agricultural land Khas No. 17/2 (3-16). 19 (4-16), 20 (4-16), 22 (4-16), 28 (0-02) Killa No. Rect No. 28 16/1, (15) Area of Village Mandelakhurd, Delhi.

Measuring 23 Bighas 6 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-85.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 8th January 1985

Kef. No. IAC/Acq 3/SR-II/5-84/2039.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Alipur Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Kishan Singh & Sh. Hem Singh Jai Mal Singh, Dharma & Mahinder Sons of Shri Sher Singh r/o Village Alipur Delhi.
- (Transferor) (2) Sh. Rakeshm R. Shah & Smt. Sharmith Shah 115-A Bichhamal Building, Ind Floor Kamla Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra Nos. 982(1-11), 1040(0-17) and 137 situated in the area of Village Alipur Delhi.

Measuring 8 Bighas.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 8-1-85.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL.
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-II/5-84/2037.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Harpal Singh, Sh. Kashmerilal Sh. Rajpal Singh & Sh. Randhir Singh Village Alipur, Delhi.
- (2) Sh. Rakesh R. Shah & Smt. Sharmitha Shah No. 115-A Bhichamal Building, Hnd Floor, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication, of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ps given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra Nos. 992(3-4), 993(3-4), 1015 (2-7), 1023(3-9) situated in the area of Village Alipur, Delhi.

Measuring 42 Bighas & 4 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-85

(1) S/Shri Kishan Singh (2) Hem Singh (3) Jai Mal Singh, (4) Dharama, (5) Mahinder Se/o Sh. Sher Singh, r/o Village Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Nagpal & Smt Prem Kumari, 3520 Chhutani Mazal Nicholson Road, Mori Gate, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC, Acq. 3 SR-II/5-84/2040.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tra Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 982(1-11), 995(1-12), 1014 (1-3), 1013(1-12), Khata No. 994 (1-12), Khata No. 137 Village Alipur, Delhi.

Measuring 8 Bighas

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. The following persons, namely:—76—456 GI 84

Date : 8-1-85

Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Huipal Singh (2) Kashmeii Lal (3) Rajpal Singh (4) Shi Randhii Singh Ss/o Shii Karan Singh, r/o Village Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Nagpal & Smt. Prem Kumari 1/0 3520 Morr Gate, Delhi.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI BHAWAN. NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/SR-11/5-84/2035,-Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasia No. 992(1-12), 993(-12), 1023 (2-4), 1012(1-7) situated in the area of village Alipur, Delhi. Measuring 6 Bighas and 15 Biswas.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following -tons, namely:--

Date : 8-1-43

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC, Acq 3/SR-II/5-84/1983.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at Village Budhpur Bijapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) S Shri Dev Raj (2) Mehtab Singh (3) Jai Pal (4) Ray Singh (5) Jaswant Singh (6) Taj Singh Singh (7) Dharam Singh (8) Rajan Singh Alias Rajender Singh (9) Surinder Singh (10) Jasbir Singh & (11) Jasmander Singh Village Nangh Poona, Delbi.

(Transferor)

(2) M/s Jain Family Prust, D-18, Green Park, New Delhi through Trustee Sh. P. II. Shah D-18, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 266, 284, 285, 286, 287 and 306 at village Budhpur Bijapur, Delhi. Measuring 4 Bighas and 16 Biswas.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Dolh

Date 8-1.85 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-II/5-84/1982.--Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-mx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Agricultural land situated at Village Budhpur Bijapur, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer and Delhi in May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not boom or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

S/Shri Dev Raj (2) Mehtab Singh (3) Jai Pal Singh (4) Raj Singh (5) Jaswant Singh (6) Tej Singh (7) Dhatam Singh (8) Rajan Singh Alias Rajender Singh (9) Stuinder Singh (10) Jasbir Singh & (11) Lastnander Singh R/o V.llage Nangh Poona, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Jain Family Trust, D-18, Green Park, New Delhi through Trustee Sh. P. H. Shih D-18, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 266, 284, 285, 286, 287 and 306 at village Budhpur Bijapur, Delhi.

Measuring 4 Bighas and 16 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1 85 Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAE ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No IAC/Acq. 3/SR-II/5-84/1981.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Budhpur Bijapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Mey 1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Dev Raj (2) Mehtab Singh (3) Jai Pal Singh (4) Raj Singh (5) Jaswant Singh (6) Tej Singh (7) Dhaiarm Singh (8) Rajan Singh Alias Rajender Singh (9) Surinder Singh (10) Jashir Singh & (11) Jasmander Singh R/o Village Nangh Poona, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Jain Family Trust, D-18, Green Park, New Delhi through Trustee Sh. P. H. Shah D-18, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasia No. 266, 284, 285, 286, 287 and 306 at village Budhpur Bijapur, Delhi. Measuring 4 Bighas and 16 Biswas,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-III
Oelhi/New Delhl

Date . 8-1-85 Seal : FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-II/5-84/2113.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at Village Budhpur Bijapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the expect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dharam Singh & Others. 1 o Village Budhput Bijapur, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Jain Family Trust, D-18, Green Park, New Delhi through Trustee Sh. P. H. Shah D-18, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignes:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 266, 284, 285, 286, 287 and 306 at Village Budhpur, B'japur, Delhi. Measuring 5 Bighas and 19 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-85 Seal:

Seal

FORM ITNS \_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTFL, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELIII

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No IAC/Acq  $^3$ /SR II/5-84/2112 —Whereas, I, G S GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Budhpur Bijapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Acgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Msy 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 7922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dharam Singh 1/0 Village Budhpur Bijapur,

(Transferor)

(2) M/s Jain Family Frust, D-18 Green Park, New Delhi through Trustee Sh P H Shah D-18, Gieen Park, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasia No. 266, 284, 285, 286, 287 and 396 in Village Budhpur Bijaput Delhi

Measuring 4 Bighas and 16 Biswas

G S, GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date 8-1 85 Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONI (
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC Acq. 3/SR-II/5-84/2118.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Nangli Poona, Delhi-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Aegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said isct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Dev Raj & Vatinder Singh R/o Village Nangh Poona, Delhi

(Transferor)

(2) Shree Atom Vollabh Jain Fmarak Shikshan Nidhi, 2/88, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Rectangle No. 13 Killa No. 10 Village Nangli Poona, Delhi-36. Measuring 2 Bighas and 8 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-85

 S/Shri Dev Raj & Varinder Singh R/o Village Nangli Poona, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 ( ) Shree Atam Vallabh Jain Smarak Shikshan Nidhi, 2/88, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-II/5-84/2117.—Whereas, I. G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing

and bearing
Agricultural land situated at Village Nangli Poona, Delhi-36
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the eRgistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Rectangle No. 13 Killa No. 11 Village Nangli Poona, Delhi-36. Measuring 2 Bighas and 8 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely:—
77—456 GI/84

Date: 8-1-85

Foal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTFI.,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No IAC/Acq. 3/SR·II/5-84/2116.—Whereas, I, G. S. GOFALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to believe that the

memovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00% /- and hearing Agriculture land situated at Village Nangli Poona, Delh-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been it unsferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer. 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair macket value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cousideration for such transfer at agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Sh. Dev Raj, Mehtab Singh and Varinder Singb r/o Village Nanglipoona, Delhi.

(Transferor)

(2) Shree Aram Vallabh Jain Smarak Shikshan Nidhi, 2/88, Roop Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricu'tural land Rectangle No. 13 Killa No. 11 Village Nangli Poona, Delhi-36.
Measuring 2 Bighas and 8 Biswas.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid roperty by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following mersons numely :---

Date: 8-1-85 S 41 ,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC /Acq. 3/SR-II/5-84/2115.—Whereas, I, G. S. GOPALA

the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Agricultural land situated at Village Nangli Poona, Delhi-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Delhi in May 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Dev Raj, Mehtab Singh and Varinder Singh r/o Village Nangli Poona, Delhi.

([ransferor]

(2) Shice Atam Vallabh Jain Smarak Shikshan Nidhi, 2,88, Roop Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Jand Rectangle No. 13 Killa No. 10 Village Nangli Poona, Delhi-36. Mensuring 2 Bighas and 8 Biswas.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8-1-85

#### FORM I.T.N.S .--

 Shri Kishori Lal Soo Shri Raghunath Parshad, Roo 9-D. Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hall Mark Textile Ltd. Co., B-127, Naraina Vihar, New Delhi Through its Director Mrs. Anita Thapar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 10th January 1985

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II/7-84/2456.—Whereas, I, G. S. GOPALA

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 25 on Road No. 51 situated at Punjabi Bagh, New Dathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906 in the Office of the Registering Officer at Delhi in

Delhi in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 26, Road No. 51, mg. 533.33 Sq. yards, Punjabi Bagh area of Vill. Madipur, Delhi state, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-85 Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/5-84/698.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B situated at J-5-A Green Park Extn. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, inserefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Avinash Bindal S/o Sh. J. P. Bindal F-9 Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Gyanendra Mohan Saxena & Mrs. Usha Saksena J-6-A, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee) .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B ground floor Part of property No. H-5-A Green Park Extn., New Delhi. Measuring 1150 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-85

(1) Shrı Mulk Raj, 80/4-A Malviya Nagar, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Ramesh Kumar Sachdeva, C-22 B. K. Dutt Colony, New Delhl.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/1- A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985-

Rel. No. IAC/Acq. 3/SR-III/5-84/642.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 's.i'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,00/- and bearing No. 80/4-A situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property No. 80/4-A Malviya Nagar, New Delhi. Measuring 105-5 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-1-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4.14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/5-84/672.—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. BI/16 situated at, Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

Delhi in May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Inder Singh Mundal Katra HUF 81/16 Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mutarilal Kakria, 16-B/17 Original Road, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iramovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Government built property No. BI/16 Malviya Nagar, New Delhi,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-85 Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. 3/SR-III/5-84/676.--Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No 2558 & 2580 situated at Naiwalan Delhi

(and more fully described in the Sheedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Narinder Raj & Shavas Dev r/o 5658 Nicholson Road, Ambala Cantt,

(Transferor)

(2) Sh. Brij Mohan Arora & Smt. Prabha Arora & Master Bimal Arora 17-A Arya Kumar Road, Rajinder Nagar, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 2558 and 2580 (New) situated in Beadon Pura Ward No. XVI Karol Bagh Naiwala, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Datc: 8-1-85

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Sham Lal Khandpur, 76, Bhagat Sinon Market, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Ashvin K., Berry, 65/8, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION PR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NLAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/SR-III/5-84|679.-Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 96 situated at Bhagat Sirigh Market New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Rogistration Act 1908 (16 of 1908) in the office the registering officer at

Delhi on May 1984

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a per ou of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) fecilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Government built property Shop No. 96 Bhagat Single Market, New Delhi. Measuring 385 ng. ft.

THE SCHEDULE

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJI Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely

Date: 8-1-85

Seal .

78 --- 456 GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-S!ONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/S-III/5-84/683.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (443 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.
15/84 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hes said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Devender Kumar, 15/84, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Avon Consultants P Ltd., 1206, Surya Kiran Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Government built original quarter No. 15/84 old Rajinder Nagar, New Delhi. Measuring 57-4 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985 Seal:

(1) Shri Sham Sunder Lal. R-646, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

6169

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Kıshan Chand Chug, Dina Nath, Suresh Kumar Chug r/o 3117, Sangtrashan Pahargani, Paharganj, (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ....

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

New Delhi, the 8th January 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/5-84/682.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No. 3507 to 3510 situated at Block D, Basti Rahgar, Karol Bagh, New Delhi

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi in May 1984

Delhi in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any minneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3507 to 3510 Khasra No. 2321 & 2322 Block L Plot No. 144/7 & 144/8 at Basti Rehgar Karol Bagh, New Delhi.

Measuring 130 sq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons agreedy: ing persons, namely :-

Date: 8-1-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Dami, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-HI/5-84/686.—Whereas, I, G. 5. GOPALA,

being he Competent Authority under Section 269B of the Income-tal Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. G. B.P. Quarter 2-B35, situated at Old Rajinder Nagar, New

Delhi

(and the fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1900) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1984

or an appearen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bedieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rate is the not been truly stated in the said instrument of a consideration the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Roshan Lal, C-29, Inder Puri, New Delhi through General Attorney Shri Rajinder Pal, C-29, Inder Puri, New C-29. Inder Puri. Delhi.

(2) Smt. Chander Prabha w/o Shri Gulshan Kumar II-B/60, Nehru Nagar, Ghaziabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

GBP Quarter 4-B/35, Old Rajinder Nagar, New Delhi. Measuring 85-9 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. JAC/Asq.3/SR-III/690.-Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-63, situated at N.D.S.E. II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annaxed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in May 1984

for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such acrarent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Globe Hi Fab Pvt. Ltd., N-10, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. East West Consultants Pvt. Ltd. & KLP Finance Ltd., New Delhi, C-63, N.D.E. II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 1 C-63 (Basement) N. D. S. E. Part-II, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Satwant Kaur through General Attorney S. Harinder Pal Singh, 12/161, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Hukam Singh, 1650-51, DLF Chhattarpur, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/5-84/631,--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 548/135, situated at Abadi Laldora Savitri Nagar, Old/Sheikh

Sarai, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-Scal

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 548/135 (Plot No. 1) Abadi Laldora Savitri Nagar Old Sheikh Sarai, New Delhi. Measuring 470 Sq. Yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Imp Mail Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 8-1-1985

Smt. Raj Kumari, 70-D, Railway Colony, Shahdara.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Smt. Pratibha Sharma, 12, Pandit Marg, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III

GOVERNMENT OF INDIA

# **NEW DELHI**

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/700A.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

has the said Act), have least to believe that the hamov-nble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing R-756 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Government built property No. R-756, New Rajinder Nagar, New Delhi. Measuring 200 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actics under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III **NEW DELHI** 

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/5-84/669.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.5/5R-III/5-67/605.—Tracecon, 2, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the in 25000/c. p operty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

123, situated at Municipal Market Saraswati Marg, Karol

Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair with value of the aforesaid property and I have reason to be seen that the fair market value of the property as aforewed the apparent consideration therefor by more than there per cent of such apparnt consideration and that the essignation for such transfer as agreed to between the nurties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sat Narain r/o D-29, Rattan Park, New Delhi and Indresh Kumar, r/o 29/133, West Patel Nagar, New Delhi. (Transfero-,

(2) Shri Ramesh Chandra & Shri Charan Jeet r/o 29/21, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

MCD Built shop No. 123, on ground floor Municipal Market, Saraswati Marg. Karol Bagh, New Delhi. Measuring 134-81 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Dharam Bir, 5471, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Kaur, 4443, Katra Raiji, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/5-84/629.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-11/5-84/629.—Whereas, 1, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 31, situated at Baird Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 31 Baird Road, New Delhi. Measuring 19-7 sq. yds.

> G. S. GOPALA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, it parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following termons, namely :--

Date: 8-1-1985

Scal:

79-456 GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Master Rajesh, Master Kamal, Master Ashok through father Shri Dharambir Khattar, 431, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Jindal Steel Tube Ltd., 5-4-86/92, Rani Ganj M. G. Road, Secunderabad (A.P.).

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-3/5-84/628.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25.000- and bearing
Gula No. 1 situated at Chuna Mandi Paharganj, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Deln. in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gali No. 1 Chuna Mandi Paharganj, New Delhi. Measuring 145 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

# FORM I.T.N.S.

(1) Master Rajesh, Master Kamal, Master Ashok through their father, Shri Dharambir Khattar, 431, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-3/5-84/627.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and hearing No.

and bearing No. Gali No. 1, situated at Chuna Mandi Paharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

. (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Dinesh Jindal. 1/77, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within 2 per n. of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gali No. 1 Chuna Mandi Paharganj, New Delhi. Measuring 145 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-111
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq 3/SR-III/5/84|626 —Whoreas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Gali No. 1 situated at Chuna Mandi, Paharganj,

New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons. namely—

 Master Rajesh, Master Kamal, Master Ashok through their father Sh. Dharambir Khattar,
 431, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Jindal, W/o Sh. Kailash Jindal, 1/77, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other peron interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gali No. 1 Chuna Mandi Paharganj, New Delhi, Measuring 145 sq. vds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 31-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-III/8-84/625.—Whereas I, G. S GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Gali No. I situated at Chuna Mandi, Pahargani, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

D. Ihi in May 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Ast, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Master Rajesh, Master Kamal, Master Ashok through their father Sh. Dharambir Khattar, 431, Mathura Road, New Delhi.

(Transferce)

(2) Mis. Anita Jindal.
 W/o Sh. Arvind Jindal.
 1/77 Punjabi Bagh, New Delht.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the aid Acc. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gali No. 1 Chuna Mandi, Pahargani, New Delhi. Measuring 145 sq. yds.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-lil, Delhi/Newe Delhi

Date: 31-12-1984

# FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Master Rajesh, Master Kamal, Master Ashok through their father Sh. Dharambir Khatta, 431, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vandand Jindal W/o Sh. Anil Jindal, 1/77 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR CR BULDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. 1AC/Acq.3/SR-III/5-84, 624.--Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have meason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Gali No. 1 situated at Chuna Mandi Paharganj. Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be distincted by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gali No 1, Chuna Mandi Paharganj, New Delhi. Measuring 145 sq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/Newe Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Master Rajesh, Master Kamal, Master Asnok through their father Sh. Dharambir Khattar, 431, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Savita Jindal, through father Sh. Debi Sahai Jindal 1/77, Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The -terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/5-84/623,—Whereas I. G. S. GOPALA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believing that the immovable property, having a fair value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Gali No 1 situated at Chuna Mandi Pahargani,

New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesald property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Gali No 1 Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi. Measuring 145 sq vds

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely -

Date: 31-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Kartar Kaur r/o Village Meng i P.O. Gadiwal Distt Hoshiarpur Punjab, at prescut 51-B/1 Shahpura, New Delhi

(Transferor)

 Sh. Subhash Chander, A-38, Fatch Nagar, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR CK BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-II/5-84/645.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. 25 situated at Baird Road Market,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

Officer at Delhi in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 25 Baird Road Market, New Delhi. Measuring 19-7 Sq. yds.

G S GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

Scal:

1

(Transferor)

(Transferee)

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

B-2/16A. Model Town, Delhi. GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/SR/HI/5-84|654.-Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XV/3048 situated at Gali No. 1 Chunamandi Paharganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annnexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; ्राह्म आकर् end/or 1.1
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, it hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Master Ashok through Sh. Dharambir Kattar

(1) Master Rajesh, Master Kamal,

(2) Sh. Madan Lal Jain,

431, Mathura Road, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

G.F. being property No. XV/3048 Gali No. 1 Chuna Mandi Paharganj, New Delhi.

Measuring 375 sq. (t.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date : 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq 3/SR-3/5-84/652 --- Whereas I. G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. XV/30 49, situated at Gali No. 1 Chuna Mandi Paharganj. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 168C of the unid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Master Raiesh, Master Kamal, Master Ashok, through Sh. Dharambir Kattar 431. Mathura Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Sanjay Jain. B-2/16-A Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

G.F. being property No XV/3049 Gali No 1 Chuna Mandi Pahargeni, New Dellii Measuring 375 sq. ft.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq 3/SR-3 5-84/653.—Whereas I,

G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 3050 situated at Gah No. 1. Chuna Mandi Pahargani, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Master Rajesh, Master Kamal, Master Ashok through Sh. Dharambir Kattar 431, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sajjan Kumar Jain 30/75 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

G.F. being property No. 3050 Gali No. 1 Chuna Mandi Pahargani, New Delhi.

Measuring 350 sq. ft.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq 3/SR-IV/5|84/1209.—Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 207/4, situated at Plot No. 6 Village Dhondli Shahdara Delhi-51.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kishan Chand Alias Sh. Krishan Chand & Smt. Kenta Devi R/o
  Satish Bhawan Ashok Colony Karnal (Haryana).
  (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Devi A-6/9, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 207/4, Plot No. 6 Block II-A Cinema Block Village Ghondli, Krlshan Nagar Delhi-61.

Measuring 36.2/3 sq yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-IV/5 84/1208 -- Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 207/4 situated it No. Block II-A Village Ghondli

Krishan Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Kishan Chand Alias Sh. Krishan Chand & Smt. Kanta Devi Satish Bhawan Ashok Colony Karnal (Haryana).

(Transferor)

(2) Smt. Fushpa Devi r/o A-6/9, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used beroin 85 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 207/4, Plot No. 6 (Block II-A) Cinema Block Village Ghondli Krishan Nagar, Delhi-51.

Measuring 30 sq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq.3/SR-IV/5-84/1232.—Whereas I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. J-11, situated at Krishan Nagar, Vill Ghoundli
Shahdara Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefore by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jai Kishan Dass Verma, J-11, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Radhey Kishan Verma S/o Shri Bangali Singh Verma 1855 Chandni Chowk Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to .he undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Built up property built on Western Portion of Plot No. J-11, Krishan Nagar, Village, Ghoundli Shahdara Delhi, Measuring 141-2/3 sq. yds.

G, S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1984

(1) Shii D. P. Wadhwa C/40 Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kuusum Hain D-130, Vivek Vihar Shahdara, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-HI G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq 3/SR-III/5-84/1196 - Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D-9 situated at Jhilmil Tahirpur Residential Scheme

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the lair market value of the property as allocated exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

99 years lease hold plot of DDA bearing D/9 Vivek Vihar (comes under the Jhilmil Tahirpur Residential Scheme)

Measuring 305 66 eq. yds.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-HI. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unae, sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:---

Date: 31-12-1984

# FORM ITNS ----

(1) Shri J. B. Singh. F-18, Bhagwandas Ngr., New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sobha Rani, A-1A, D.D.A. Flats, Ashok Vihar, Phase-II Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 31st December 1984

Ref. No. IAC/Acq 3/SR-2/5-84/1975 -- Whereas I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-10 situated at Bhagwandas Ngr, Vill. Shakutpur. Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressinos used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. F-18, 334 Sq. Yds, Bhagwan Das Nagar, Vill. Shakurour, Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 31-12-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC /Acq.Π/SR-I/5-84/126.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the imme vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3202 to 3206 in ward No. VII, situated at Kucha

Pandit, Lal Kuan, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dalhi on May 1924

Delhi on May 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
81—456GI/84

(1) Sh. Bakhtawar Lal Syc Sh. Daulat Ram. C-51, Rajouri Garden, N. Delhi (2) Sh. Gurdas Ram s/o Sh. Gulab Rai r/o 19 Road No. 14 Fast Punjabi Bagh, N. Delhi, (4) Sh. Daulat Ram s/o Gulab Rai, C-52 Rajouri Garden, N. Delhi (4) Sh. Ram Lol s/o Gulab Rai, C-38, Rajouri Garden N. Delhi (5) Sh. Ravi Bhushan Madan, B-2/40-D. MIG Flats, Lawrence Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohammed Ismail s/o Sh. Mohd. Shafi, 3204 Kucha Pandit, Lai Kuan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 3202 to 3206 in ward No. VII, Kucha Pandit, Lal Kuan, Delhi Mg. 120 Sq. Yds.

R. P. RAJFSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1985

FORM I.T N S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.I/37EE/5197/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

K-509, 5th floor Keshava, Plot No. C-5, Bandra, Kurla

Compex, Bandra East, Bombay-400051.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 22-5-1984

at Hombay on 22-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instr transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tempect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Madhava United Hotels (International) Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Manmohal Kohli, Mrs. Anita Kohli & Raksha Ohri & Mr. M. L. Ohri,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

K-509, 5th floor Keshava, Plot No. C-5, Bandra, Kurla Compex, Bandra East, Bombay-400051.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5197/83-84 on 25-5-1985

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Hombay

Date: 2-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5199/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 103 in Jamuna Mahel, TPS V at Jamuna Mahel, Prabhat Colony, Plot No. 73 TPS Santacruz (E), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Jamnadas M. Choksi & Associates.

(Transferor)

(2) Shri Nagindas Mulchand Chauhan & Ashok Nagindas Chauhan & Kishor Nagindas Chauhan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcenid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Jamuna Mahel, IPS V at Jamuna Mahel, Prabhat Colony, Plot No. 73 IPS Santacruz (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE 5199 83-84 on 25-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No IAC/Acq.II/SR-I/5-84/137.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 25/23, situated at Village Bassai Darapur, Punjabi Bugh, New Delni (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 )of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Vinod Kumar Verma, S/o Shri Sidhu Ram, 25/23, Punjabi bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Km Sudershan kumari Wasen D/o Shri Ram Lal Wasen and Mrs. Sudesh Kumari 2. Mrs. Sugesh Kuntar. W/o Shri Lekh Raj, 9/141, New Moti Nagar, Karampura, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 25/23, Vall. Bassai Darapur, Punjabi Bagh, Delhi. Mg. 375.96 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1985

# FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.11/SR-1/5-84/138.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 36/66, situated at Punjabi Bugh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under and section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Smt. Kuhar Kaur Wo Shii Mohan Singh Pruthi, 36/66, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Gutbachan Singh and Jasbir Singh 73/42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Froperty No. 3, Road No. 66, Punjabi Bagh, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1985 Seal:

# FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Anusaya Sadashiv Kangokar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Padamshi Amratalal Nishar.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5227.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing
Shop No. 14, Plot No. 7-8-9 Manish Nagar, Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West, Bombay-58.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tah Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 14, Plot No. 7-8-9, Manish Nagar Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5227/83-84 on 26-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14/1/1985.

(1) M/s. Minoo Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gene Pretto.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EF/5228/83-84 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 504, 5th floor 'B' Wing, Bldg. No. 2 'Minoo Minar' Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay (and Standard West), Bombay (and Standard W

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the H of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfero for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor 'B' Wing, Building No. 2, 'Minoo Minar' Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/5228/83-84 on 25/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IT Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14/1/1985.

(1) Shri Nand Prakash s/o Late Ram Lal 620, Sector XVI, Far.dabad (Haryana) Now residing at Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Nizamuddin & Shahbuddin Ss/o Mohd. Sher 2016, Ganj, Meer Khan Near Delite Cinema, Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/5-84/154.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Shops Nos 646, 647, 647/1, 647/2, situated at Chandhi Mahal, Near Kann Meer Khan, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

New Deini in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Property No. 646, 647, 647/1, 647/2, Chandni Mahal, near Ganj, Meer Khan Delhi, Mg. 100 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acculsition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Date: 15-1-1985

Seal ·

#### FORM I.T.N.S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. 1AC Acq.1I/SR-1/5-84/156.—Whereas, I, R. P. RAJI SH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 443, situated at Gali Rajan Kalan, Mori Gate, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1984

New Delhi in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
82—456GI/84

(1) Shri Ghan Shyam Singh s/o Shri Shyam Lal, 1067. Gandhi Gali, Fatchpuri, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar s/o Shri Jaswant Rai, A-96 Gujranwala Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 443, Gali Rajan Kalan, Mori Gate, Delhi. Mg. 80 Sq. Yds.

R. P. RAJFSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-1-1985

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIN RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NFW DFLHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/5-84/162.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 14 Block No. 4 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1208 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) 'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. (hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Major General (Retd.) Bikram Parkash Wadhers, s/o Ran Bahadun Bhim Sen Wadhera, S-50, Panchsheela Pank, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Gawri Brothers Private Ltd., 7303 Jangal Wali Masjid near DCM Delhi through its Director Sh. Rudhey Shyam s/o Shir Ram Chand Gauri.

(Transferce)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 14 Block No. 4, East Patel Nagar, New Delhi, Mg. 200 Sq. Yds.

R, P. RAIFSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIN RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. 1AC/Acq!!/SR-1/5-84/171.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No. 3958/3, Gali Sate Wali, situated at

Chawri, Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Laxim Devi Tandon w/o Shri Jagdish Pal Tandon, J-11/50, Rajouri Garden, New Delhi.

(2) S/Shri, Rajesh Vij and Rajesh Vij

(Transferor)

S/Shri Rakesh Vij and Rajesh Vij S/o Shri Late Sh. Jawahar Lai Vij Both R/o B-32, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XYA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 3958/3, 3 shops Ground floor and 3 room one storey and bath room FWC with stair case, in Gali Sate Wali. Chawri Bazar, Delhi. Mg. 62.5 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 15 1-1985

# NOTICE UNDER SECTION 26%D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/5-84/179 —Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

848 Ward No X, situated at Chandni Mahal, Kasra, Bangash, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act. to the following persons, namely:—

(1) Syed Mohd. Saeed S/o Syed Mohd. Hiday.at. 690 Chandni Mahal Kamra Bangash, Delbi.

(Transferor)

(2) Mohd Ikiam & Mohd. Islam. Ss/o Mohd. Ishar 2085, Ganj Meer Khan Turkman Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 848 Ward X, Chandni Mahal Kamra Bangash, Delhi-6. Mg. 120-4/9 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-1-1985 Seal :

# PART III-SEC. 11

# FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4'14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/180.—Whereas. I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B off the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 971, 979 situated at Chhota Chhipiwara, Purana Katra Patharwala, Chawri Bazar, Defhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or enty moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abdul Hakim so Abdul Qadii Makki, 1031-32, Makki Manzil Behind Jama Masjid, Delhi.

(Transferor)

6203

(2) Shii Mulkh Raj Anand sio Shri Nathu Ram. 979 Chhota Chhipiwara. Purana Fatharwala. Chawri Bazai, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHIEL WILE

1 /10th share of property No. 971, 979 in Chhota Chhipiwar a Purana Katra, Patharwalla, Chawri Bazar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissi oner of Income-tax
A cquisition Range-II
Delhi/New Delhi

I Jate : 15-1-1985

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14-4 ASAF ALT ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. LAC/Acq.II/SR-1/5-84/186.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

1/4th share in 1761-64, Wsrd No. M. Kucha Dakhinni, situated at Darya Ganj. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Singh s/o late Shri Jiwan Singh, 1610, Pattodi House, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh s/o late Shri Jiwan Singh, 1610 Pattodi House, Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 1761-64 (1/4th share) Ward No. XI, Kucha Dakhinni, Darya Ganj, Delhi. Mg. 265 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 16-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Chanan Sineh so Shii Kheia Singh, J-3/169. Rajouri Garden, New Delhi

(2) Shir Ashok Kumai Dang,

s/o Shii Kundan Lal Dang C-3/6, Rajouri Garder, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-HE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIN RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/188.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

No C-2/8, situated at Rajouri Garden Village Basai,

Daraput, Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1'xplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, respect of any income arising from the transfer;

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. C-2/8, Rajouri Garden, Village Bassai Daraput, Delhi, Mg 50 Sc. Ndz.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-1-1985

Ĭ

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIN RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NFW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/5-84/189.—Whereas, I, R. P. R \JFSH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Shop No. 221 situated at Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Yash Pal, 1797, Gali Chabuk Sawar, I al Kuan, Delhi-6.

(Transferot)

 1. Sh. Sneh Parveen and
 2. Shri Vishwa Karmesh,
 219/4. Gali No. 8. Padam Nagar, Kishan Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 221, Old Rohtak Road, Kishan Gani, Delhi, Mg.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 16-1-1985

Seal ·

# FORM ITNS----

(1) Shri Mulakh Raj, 5/29-A, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITIN RANGE-II
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/199,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43. of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveble property, having a fair market value exceeding F<sub>3</sub>, 25,000/- bearing

No. 5/29-A, situated at Moti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore; in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

83—456GI/84

(2) Sh. Nand Kishore, 5/29-A, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intersted in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 5/29-A, Moti Nagar, New Delhi Mg.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14-A. ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/200.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. FA/92 (old) and F-344 (New) situated at Khasra No.
1399 Mansrover Garden, Vill. Basai Darapur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Diljit Kaur w/o Shri Jagjit Singh, 2382/83-12, Beadonpura, Karol Pagh, New Delhi Present No. 11/363, Sunder Vihar Paschimpuri, New Delhi through her G.A. of Shri Manohar Lal s/o Shri Wasu Ram,
 T-235/1-A, Baljit Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi, W/o Sh. Manohar Lal, T-235/1-A, Baljit Baljit Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. F-344 (new) Khasra No. 1399, Vill. Basai Darapur, Delhi Mg. 200 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1985

# FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Jagdish Raj Pathela and Smt. Ram Pyare Pathela, 12/29, East Patel Nagar, New Delhi.

(1) Smt. R. B. Talwar (Rukmani Bai), 12/29, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84|203.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Secvetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

to as the 'said Act') have reason to believe that the impurable property having a fuir market value exceeding.

Rs. 25 000 /- and bearing

Na. 25.000/- and bearing
No. 12/29, situated at East Patel Nagar, New Delbi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 12/29, East Patel Nagar, New Delhi Mg. 200 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/ New Delhi.

Date: 15-1-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/5-84|284.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 2607, Mohalla Nihariyan, situated at G. B. Road, (and more fully described in the Schedule mnexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Ac, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mohd. Ishaq S/o Mohd. Hussain, 2605, Moh. Nihariyan, behind G. B. Road, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mohd. Aslam S/o Abdul Wahid, 2477, Katra Rajji behind G. B. Road, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 2687, Mohalla Nihariyan, G. B. Road, Delhi-6, Mg. 77.56 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/ New Delhi

Date: 15-1-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. AIC/Acq.II/SR-1/5-84/205.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 594 Khasra No. 262/258/217/4, situated at Village Bharola Village Majlis Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Miss Rani Bala Seth d/o Sh. Amar Nath, A-29, Indira Nagar G. T. Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi W/o Sh. Pyara Lal, Gali No. 12 Majlis Park, Delhi-33. at New Delhi on May 1984

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 594 Khasra No. 262/258/217/4, Village Bhasola Vill. Majlis Park, Deihi. Mg. 111 Sq. Yds. Block-C.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/ New Delhi.

Date: 15-1-1985

# FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. AIC/Acq.II/SR-1/5-84/206.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. 3185 Gali Sui Wali, situated at Mori Gate Ward No.
3, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on May 1984

for an apaprtment consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- no) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shadi Lal S/o Sh. Gurdutt Singh K-1/10, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Lal Sharma 3/0 Sh. Chhotta Lal Sharma, Smt. Roshan Devi W/0 Sh. Madan Lal Sharma and Smt. Krishna Devi W/0 Sh. Babu Ram, Gali Kandle Kashan, 234 Fatchpuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 3185 Gali Sui Wali, Mori Gate, Ward No. 3, Delhi, Mg. 95 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/ New Delhi.

Date: 15-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84|209.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5998/XII. Plot No. 43-B, 44-A, situated at

Jawahar Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Tara Devi W/o Sh. Harivash Lal, 5998/12, UA Block, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shashi Bhushan Duggal S/o Sh. Bhagat Rum, 5998/12, UA Block, Jawahar Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

First Floor P. No. 5998/12, UA Block, Plot No. 43-B. 44-A, Jawahar Nagar, Delhi Mg. 175 Sq. Yds.

> R. P RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/ New Delhi.

Date: 15-1-1985

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84|218.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19-A Block No. 5, situated at Moti Nagar, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Narain Devi W/o Sh. Vishnu Datt, D/19-A, Moti Nagar, New Delhi through her general attorney S/o Sh. Mohan Lal Wadhwa, D/19-A, Moti Nagar, New Delhi

(2) Smt. Veena Wadhwa W/o Sh. Madan Lal Wadhwa, 5/19-A, Moti Nagar, Now Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Government Built Qr. No. 19-A, Block 5, Moti Nagar, New Delhi Mg. 255 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/ New Delhi.

Date: 15-1-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.fI/SR-1/5-84|219.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/, and bearing No.

205, Municipal No. WZ-61, situated at Raja Garden, New Delhi Village Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass in respect of any income arising from the tran

(b) facilitating the concealment of any-income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---84-456GI/84

(1) Smt. Kusum Kunj, W/o Sh. Ved Prakash and Sh. Prithvi Raj Nagpal S/o Sh. Veer Bhan, 205 Municipal No. W7-61, Raja Gorden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Makhan Singh S/o S. Amar Singh, G-12, Vishnu Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 205 Municipal No. WZ-61 Raja Garden, New Delhi village Bassai Darapur, Delhi Mg. 93 sq. Yds.

R. P., RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/ New Delhi. .

Date: 15-1-1985

# FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II 4 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DFI-HI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84|221.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 26 9, situated at Najafgarh Road, New Delhi-15
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) National Chemical Industries Ltd., 26 Najafgarh Road, New Delhi.

(Transfeior)

(2) Tobu Enterprises Pvt. Ltd., 8/29, Kirti Nagar Industrial, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 26/9, Najafgarh Road, New Delhi-15 Mg. 196.94 sg. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/ New Delhi.

Date: 15-1-1985

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985 Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84|225.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJFSH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 55 Block-E, situated at Shivan Road,

Adarsh Nagar, Delhi.
(and more fully described in the Schedule and

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Harbans Lal Dua S/o Sh. Gopal Dass Dua, 1443, Shambhu Nath Building, Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kailush Chander Garg, S/o Sh. R. D. Garg, F-6. Maharaja Ranjit Singh Road., Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticein the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: The terms and expressions used \*herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 55, Block E, Shivaji Road, Adarsh Nagar, Delhi Mg. 150 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/ New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/5-84|232.-Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2256. Qard No. 18 situated at Gali Dekotan, Turkman Gate,

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the lie of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or th weight to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the sold Act, or the Weelth-text Act, 1957 (27 - 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ast, the following persons, namely :-

(1) Shri Mohammed-Mustakim S/o Sh. Abdul Kayam, 1291 Gahi Sharif Wali, Kala Mahal Darya Ganj, New Delhi and Mohd, Rafiq S/o Sh. Mohd. Hanif, Gali Gondiwali, Kala Mahal, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mohd. Aziz S/o Sh. Mohd. Yasin and Smt. Roshanara Begum d/o Sh. Zahuruddin w/o Sh. Mohd, Aziz , 1977 Gali Wazir Beg, Turkman Gate, Delhi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public. cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 2256, Ward No. 10, Gali Daletati, Turkman Gate, Delhi Mg. 66.7 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1985

Seal •

# FORM LT.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84[233.—Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH, being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 2556, Baradari, Sherafgan, situated at Ballimaran, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mst. Azizan-& Mst. Mumtaz d/o Muniruddin, 1076, Katra Ghulam Mohd. Lal Kuan Delhi. (Transferor)

(2) Fazlur Rehman, Habubur Rehman, Azizpur Rehman, all Se/o Mohd. Sultan, 2556, Baradari, Sherafgan, Ballimaran, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of "45 days from the date of publication of this notice in the "Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of "the "table".

Act, shall have the same freaming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

House No. 2556, Baradari Sharafgan, Ballimaran, Delhi Mg. 96.8 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-1985

# FORM I.T.N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) QF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref No IAC/Acq II/SR 1/5-84|234.—Whereas, I, Sh R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 1875, situated at Kucha Khuali Ram Kucha Patnam, Bazai Sitaraf, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trapafer as agreed to between the parties has not been thuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh Ravinder Kumar
 So Sh Om Prakash Aggaiwal,
 3529, Gali Hakim Baga, Chawri Bazar,
 Delhi

(Transferor)

(2) Smt Omwati W/o Sh Duh Chand Gupta 1875 kucha khyaliram, Kucha Patiram, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 1875, Kucha Khyali Ram, Kucha Patiram, Bazar Sitaram, Dekh Mg. 115 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 15-1-1985 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84|238.--Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 397, Lal Katra, situated at Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consit ration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Daya Wati W/o Sh. Brij Kishore, 2123, Mukimpura, Subzi Mandi,
- (Transferor) (2) Smt. Ram Dulari W/o Sh. Bal Saroop Singh, Bara Bazar, Dadri Distt. Ghaziabad (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propert , within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 397, Lal Katta, Subzi Mandi, Delhi Mg. 32.25 Sci. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-1985

# FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84|244.-Whereas, I,

Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

see the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
MPL No. 2260 New 3380, situated at Gali Tabela Bala

Pershad, Bazar Sitaram, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interestor by more than ifferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(I) Sh. Bikaram Dutt. W/o Sh. Sant Ram and Sh. Ashwani Kumar S/o Bikaram Dutt, 17/261, Jali Gali Chili Institute, Road, Agra-3 U.P.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Gupta W/o Sh. Chander Prakash Gupta, 2770, Gali Arya Samaj, Bazar Situram, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in. the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. MPL No. 2260 New 3380, Gali Tabela Bala Pershad, Bazar, Sitaram, Ward No. 9, Delhi Mg. 150 Sq. Yds.

> R. P RAJESH ~ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq. $\Pi/SR-1/5-84|250$ .—Whereas, I, Sh. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

4847, Ward No. XII, situated at Aryapura, Subzi Mandi, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
85—456GI/84

 Sh. Tilak Raj S/o Sh. Sri Kishan, 4847, Aryapura Subzi Mandi, Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh Chander S/o Sh. Harchand Mal, 908, Sish Mahal, Azad Mkt. Delhi.

(Transferœ)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 4847, Ward No. XII, Aryapura, Subzi Mandi, Dtlhi Mg. 125 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 15-1-1985

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-84/261.—Whereas, I, R. P. RAIESH, 's being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 25.000/- and bearing No.
No. 4327 situated at Gali Kayasthan, Ansari Road, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer, at
New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) faciliating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Satish Chand,
Ramesh Chand,
Harash Chand and
D. Yogesh Chandra
all sons of late Sh. Kailash Chand,
R/o 220 Dr. Mukherjee Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Satyam Builders havings at Office a. Chamber No. 19, 8th Floor, Mayur Bhavan, Con. Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exptres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 4327, Gali Kayasthan, Ansari Road, Delhi Mg. 136 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm scioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 15/1/1985

(1) Sh. Ishar Singh Bajaj, H. No. 8, Road No. 14, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/8. Kailash Special Steel (P) Ltd. C/22, Pase No. 1, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAG/Acq.II/SR-1/5-84/264.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. D/43. S.M.A. Cooperative Industrial Estate Ltd. situated at Vill. Haiderpui, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1984

New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuante of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. D/43, S.M.A. Co-operative Industrial Estate Ltd., Vill. Haiderpur, Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15/1/1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/246.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3248 to 3250 situated at Mori Gate, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of, any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Urmil, \*3304, Mori Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Lal Sethi, 3250 Mori Gate, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. 3248 to 3250, Mori Gate, Delhi, Mg.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15/1/1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43'OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/249.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 2167, Chah Indara situated at H. C Sen Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---Date: 9-1-1985

(1) Mr. Sund Mohan D-316; Defence Colony, New Delhi. Regd. Genl. attorney of Smt. Bimla Devi

(Transferor)

(2) Smt, Lakshm, Sharma, 2163, Chah Indara H. C. Sen Road, Fountain, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said: property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property No. 2167, Chah Indara, H. C. Sen Road, Delhi-6.

R. P. RAJESH Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax) Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15/1/1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA** 

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/257.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-426, Majlis Park, Vill. Barola Khasta No. 262/258/217/4, M.C. D., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Santosh Kumar Marwaha and Sh. Ghanish Kumar Marwaha wife and son of late Sh. Mela Ram Marwaha, C-509, Majlis Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Roshan Lai Misra s/o Pt. Ram Chand, A-152, Majlis Park, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. C-426, Majlis Park, Colony, Delhi 33 Vill. Barola Khasra No. 262/258/217/4, Mg. 111 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-1-1985

Seal: -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, 4'14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. AIC/Acq.II/SR-1/5-84/258.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-A, Block-C, Gali No. 5, Majlit Park, Delhi-33 (and more fully described in the Schedule appearance).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Delhi in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Amrit Kaur v/o Sh. Bal Mukand, II. No. 51 Gujrwala Town, Part-II, Dellin.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kali w'o Sh. Kanwar Sain, H. No. 260, Block A, Majlis Park,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi.hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 7-A, Block-C, Gali No. 5, Mailis Park. Delhi-33 Mg 111 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following nersons, namely :-

Date: 15/1/1985 Scal:

# FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/267,—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 321/2-C, 782/71, Vill. Sadhora, Than Singh Nagar,

Anand Parbat, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the gaid Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, recreity :--

(1) Sohan Lal s/o Sh. Sunder Lal, 16/873, East Park Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kastoori Devi w/o Sh. Ganpat Ram. 10414, Bagichi Alauddin, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House built on plot No. 321/2-C, Kh. No. 782/171, Vill. Sadhora Khurd Than Singh Ngaar, Anand Parbat, New Delhi Mg. 100 Sq. Yds.

, w/o Sh. Ganpat Ram, 10414, Bagichi Alauddin,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 15/1/1985

# FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/269.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 1083, in Ward No. VI, situated at Katra Gulam Mohammad Khan, Bazar Lal Kuan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Smt. Afsar Sultan Jahan Begum, Chhammi Wd/o Dr. Mirza Sultan Ahmed, 1284, Gali Mazarwali, Kala Masjid, Delhi.

(Transferor)

Mohd Shafi
 Mohd. Zeki &
 Mohd. Khalil
 sons of Mohd. Tagi,
 Masjid Tewar Khan, Naya-Bans,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1083 Ward No. VI, Katra Gulam Mohammad Khan Bazar Lal Kuan, Delhi, Mg. 187 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

111—446G1/84

Date: 15/1/1985

Seal:

86-456GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/273.—Whereas, I, R. P. RAJESII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 956 Ward No. VII, situated at Gali Chah Sharin, Farash Khana Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Manohar Lal Manchanda s/o Kanhiya Lal Manchanda, S-26, Krishna Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

- Md. Sammi Uddin s/o Zahoor Uddin, 960, 962 Gali Chah Sharin Farash Khana, Delhi.
  - Rais Uddin
     1/0 Zahoor Uddin,
     1724, Gali Akhara Wali Hauz Suiwalan,
     Dlehi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 956 Ward No. VII Gali Chah Sharin, Farash Khana, Delhi Mg. 116---75 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delbi/New Delhi

Date: 15/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/274.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. Shop No. 133, Gadodia Market, situated at Kharl Baoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Jeam Saigh see Sir. Bahgwan Singh, B-33, Gujranwaia Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Man Mohan Singh s/o Sh. Niranjan Singh, A.73, Kirti Nagr, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days frow the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Half of the Shop No. 133 (9 ft. ×6.7 ft.) (Carpet area) Gadodin Market, Khari Baoli, Delhi, Mg. (9ft./6.7 sq. ft.).

R. P. RAJESH
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-II,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 15/1/1985

Seei :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/275.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 131-A. Vill. Rajpur, situated at Chhaoni, Old Gupta Colony, Dlehi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Hans Raj Sagar
 s/o Sh. Chhajju Ram,
 Kothi No. 469, Phase-I,
 S.A.S. Nagar, Distt. Ropar,
 Punjab.

(Transferor)

(2) Smt. Sawrana Rani w/o Sh. Darshan Lal, 131-A, Old Gupta Colony, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 131-A, Khasra No. 736/21, Vill. Rajpur Chhaoni Old Gupta Colony, Delhi Mg. 624 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 15/1/1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/277.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a ran market and bearing
No. 11, situated at Hakikat Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the follows: persons, namely :--

(1) Sagar Mal s/o Rati Ram Aggarwal, 11 Hakikat Nagar. Delhi as Genl. attorney of Sh. Badri Nath Malhotra.

(Transferor)

(2) Sarla Devi Aggarwal w/o Sh. Ram Niwas Aggarwal, 11 Hakikat Nagar. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

G.B.P. Qr. No. 11 Hakikat Nagar, Delhi Mg.

R. P. RAJESH Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax) Acquisition Range-II, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 15/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1985

Ref. No. IAC/Acq, II/SR-1/5-84/385.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3/3830 situated at Pattodi House, Daryaganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Kirpal Singh, Gill Farms P. O. Madangiri, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Gupta, E-15/21, Krishna Nagar, Delhi-51, New Delhi.

(Transferce)≯

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Building No. 3830, Pattodi House, Darya Ganj, New Delhi, Mg. 262 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority \* (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax) Acquisition Range-II. 4/14-A, Asaf Ali Road.

Date: 15/1/1985

Scal ;

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Rajgir Buildrers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Risvi Foundations

(Transferee)

# OME-1AX AC1, 1901 (45 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2468/83-84.—Whereas, as, I, A, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office No. 22, 3rd floor, Rajgir Chambers, 12/14, shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 22, 3rd floor, Rajgir Chambers, 12/14, Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/83-84 dated 2-5-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1985

(Person in occupation of the property)

#### FORM ITNS-

(1) Shri Shirish Chhaganlal Jhaveri

(Transferor)

(2) Shri Deepak Rasiklal Shah

(3) Transferee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4729/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, Kunj Bihari Co-operative Housing Society Limited, Gurjar Lane, Santacruz(W) Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different and contains the said exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. 2, Kunj Bihari Co-operative Housing Society Limited, Gurjar Lane, Santacruz (W), Bombay-400 054." The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4729/83-84 on rity, Bo 1-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

Date : 4-1-1985 Seal :

(1) M/s. Reshma Constructions

(Transferor)

(2) Mr. Mohommed Khan Elahi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Transferce

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4778?83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd floor Wing 'B' Georgina, Plot bearing CTS Nos. C/1308, 1284, 1283 & 1304 at Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay 400 050,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

87-456GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 201, 2nd floor, Wing 'B' Georgina, Plot bearing CTS Nos. C/1308, 1284, 1283 & 1304 at Village Sherly Rajan Bandra, Bombay 400 050.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4778/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-1-1985

(1) Savani Family Trust

(Transferor) (Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4783.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing Flat No. 307, 'Shirin Sohrab Palace', Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle(E), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 7-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(2) Usha Pravinchandra Mehta and others

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Clarette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter

## THE SCHEDULE

"Flat No. 307, 'Shirin Sohrab Palace', Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay No. AR.II/37EE/4783/83-84 on 7-5-1984.

LAXMAN DAS-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 3-1-1985

(1) Savani Familiv Trust.

(Transferor)

(2) Keshav S. Shirodkar & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4784.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 104, 'Shirin Sohrab Palace', Plot No. 225, Narman Road, Vile Parle (E) Bombay-400057.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 7-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaio property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 104, 'Shirin Sohrab Palace', Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-57. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR/37EE/4784/83-84 on 7-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-1-1985

Soal:

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Mrs. Ratnabai R. Shenoy

(Transferor)

(2) Mr. Ratnakar T. Shetty & Other.

(Transferee)

(3) Transferee & others

(Person inoccupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4804.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Flat No. 2, Ajay Apartments CHS Ltd., Saraswati Rd., Santacruz(W), Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

"Flat No. 2, Ajay Apartment CHS Ltd., Saraswati Road. Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4804/83-84. on rity, Bon 11-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 4-1-1985

## 6243

## FORM ITNS

## (1) M/s. Concord Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Joseph Willie Pinto and Mrs. Juditha Pinto.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bomhay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR LAXMAN DAS, AR.II/37EE/4808/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 4 in Savia-II, Off Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bembay 400 050, (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preserve by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

"Flat No. 4, in Savia-II, Building at Off. Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bombay-400 050.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay undre No. AR.II/37EE/4808/83-84 11-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 2-1-1985.

Scal:

(1) M/s Madhava United Hotels (International) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. G. Naik & Mrs. Sumitra G. Naik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/4826/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 403-M, in Madhava Plot C-4, in the 'E' Block of Bandra Kurla Commercial Complex, Bandra East, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

Under the Registration Act of 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and /or

"403-M, in Madhava Plot C-4, in the 'E' Block of Bandra Kurla Commercial Complex, Bandra, (East), Bombay-51. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4826/83-84 on rity, Bon 11-5-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by theh issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 2-1-1985.

## FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Madhava United Hotels (International) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sumat G. Naik & Mr M. G. Naik

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR,II/37EE/4827/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Fiat No. 404-M in Madhava Plot C-4, in the 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex. Bandra East, Bombay and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 404-M, in Madhava Plot C-4, in the 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra East, Bombay 400 501

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4827/83-84 on 11-5-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-wection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 2-1-1985.

## FORM ITNS ....

(1) Peter Nolasco D, Souza

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Naresh J. Sukhwani & Other

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4840/83-84.—Wheras, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Fiat No. 5, 1st floor, Block A, Sagar Sanjog CHS Ltd., 50-C, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax. Act, 1961, in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-5-1984 for an apparate consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 5, 1st floor, Block 'A', Sagar Sanjog CHS Ltd., 50-C, J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61

The Agreement has been registered by the Competent Autho-Bombay under No. AR.II/37EE/4840/83-84 rity. Bon 14-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-1-1985,

Scal:

## FORM ITNS----

(1) Sh. Motiram P. Chawla & Others

('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4864.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.

Piece & Parcel of and at Andheri Gaothan Taluka South Salsette in the Regn Dist. & Sub Dist. of Bombay City & Bombay sub bearing C.S. No. 93, & Pardi Nos. 3-1, 4/2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not neen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax. Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :-88 -456GU '84

(2) M/s. Samrat Builders

(1) M. M. Jain

- (2) Allarakha Jusub, (3) Ibrahim . Ghaudiwalla,(4) Aminabai Dawoodsha
- (5) N. J. Patel and

(6) C. H. Rehman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a periou of 45 days from the date of publication of this moitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter,

## THE SCHEDULE

"Piece or parcel of land at Andhrei Gaothan, Ta'uka South Salsette in the Regn. Dist. & Sub Dist. of Bombay City and Bombay sub bearing C.S. No. 93, & Pardi Nos 34/

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARJH/37FF 4865/83-84, on 14-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 3-1-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4875.—Whreas, I. LAXMAN DAS,

under Section 269B of being the Competent Authority the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 13 & 14, 3rd floor, in building 'Sheesh Mahal' at Sheesh Mahal Co-operative Housing Society 1 td., 5-A, 'D' Mount Road, Bandra (West), Bombay-50

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the other of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sh. Maghanmal Khemchand Chablani Mush Maghanmal Chablant and Manik Maghanmal Chabalani

(Transferor)

(2) Kakad Property Developers.

(Transferee):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 13 14 31d floor in building known as 'Sheesh Mahal' at Sheeth Mahar Co-op. Housing Society I td., 5-A, D'Mount Road, Bandra (West), Bombay 400 050,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4875 83-84 dated, 14-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Deted: 4-1-1985.

## FORM ITNS----

(1) Sh. Akhtar Nazir Ahmed & Others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jonathan F. Correa

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4909/83-84.-~Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value cavening Rs. 25000/- and bearing No. Flat No. 314, 3rd floor, Versova Manish CHS Ltd., D-Wing. 43-Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 314, 3rd floor, Versova Manish CHS Ltd., D-W. 43-Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. 9A.II/37EE/4909/83-84 on 14-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-1-1985.

(1) M/s. Govant Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4911/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 7, 1st floor, Amarkunj building at Beasant Street, Santacruz West, Bombay-400 054

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferee)

(2) Mis. Miudulaben Bipinchandra Shah. Mr. Bipinchandra Chandrakant Saha

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor in Amarkunj Building, at Beasant Street, Santaciuz (West), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent rity, Bombay under AR.II/37EE/4911/83-84 on 14-5-1984.

LAXMAN DAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sursection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 2-1-1985.

## (1) Inderkumar N, Chawla

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## (2) Mr. Shafiq Ahmed Abdul Hamld

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4914.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 6, Sea Crest, at Seven Beungalows, Versova Road, Andheri (West), Bombay-61

has been transferred and the agreement is registered under Sec ion 269AB of the Income Tax Act, 9161, in the office of the Competent Authorith at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansier with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immenable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

"Shop No. 6, Scacrest Building No. 1 Seven Bungalows J.P. Road, Andheri (West), Bombay-61.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4914/83-84 on 14-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985.

(1) Sushil Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 2nd Jinumy 1985

Ref No AR II/37EE/4922/83-84 -- Whereas I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Flat No 304 3rd floor 10 Pali Road Bandra situated it Bombay 400 050

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered and Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the client of the Computation of the Computation and Computat

of the Competent Authority Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(2) Mr Kamillo Quadros & Mrs Cheryl Rose Quadros

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 304, 3rd floor, 10 Palı Road Bandra, Bombay 400 050

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No AR II/37EE/4922/83-84 on 14/5/1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date 2/1/1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4928.—Whereas I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 (4 and beauing No.

Ps 25.000/- and beating No. 502, Chanakya, Lullubhai Park Road, Andheri (West) situated at Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18/5/1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1) Mr Daulal M. Bhatter. Mi Pushpa D Bhattet

(Transferor)

(2) M1. Dilip U. Bhende, Mrs Sushma D. Bhende

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever are a large state.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No 502, Chanakya, Lallubhai Park Road, Andheri (West). Bombay-58.

The agreement his been registered by the COMPLIENT AUTHORITY, Bombay under No AR II/37EE/4928/83-84 on 18/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisi on Range-II, Pombay

Date: 14/1/1985

FORM ITNS----

(1) Shi Peter Henry Fernandez.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Meena M. Khanna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4938/83-84.—Whereas I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 5, Shiv Smruti Society, Plot No. 32/33, Union Park, Khar, situated at Bombay-400 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet veen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exp. res later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that ( hapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, Shiv Smruti Society, Plot No. 32/33, Union Park, Khar. Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/4938/83-84 on 18/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2/1/1985.

Scal:

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. K. Sharma.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5034.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 304, 3rd floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bungalows, Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between hite parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bungalows, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5034/83-84 on 19/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---89--456GI/84

Date: 14/1/1985.

Scal:

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajan R. Ramchandani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

CELLOT OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5036.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

for an apparent consideration which is less than the fair marlet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid each to the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of true sier with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the proposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this sotice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, A Bungalows, Verrova, Bombay-58. A-Wing, Sea Shell. Seven

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No AR.II/37EF/5036/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I have be initiate proceedings for the acquisition of the alorestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14/1/1985.

Seal ·

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Parkar Q. Fazluddın.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5037.--Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 203 2nd floor, B Wing, Sea Shell, Seven Bungalows,

situated at Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Merceaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, B-Wing, Sea Shell, Seven Bungalows, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No AR.II/37EE/5037/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Date: 14/1/1985.

Scal -

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bisamber Dayal

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5038.--Whereas I, LAXMAN DAS,

of transfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 703, 7th floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bungalows, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5038/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 14/1/1985. Seal :

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohan S. Mehtani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5039.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, A-Wing Sea Shell, 7-Bunglows,

Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby marate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Bunglows, Versova, Bombay-58. A-Wing, Sea Shell, Seven

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5039/83-84 on 9/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14/1/1985.

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Majidali Mohd. Jumani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5040.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, B-Wing, Sca Shell, Seven Bunglow, Versova, Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the color of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evamon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Bunglows, Versova, Bombay-58. B-Wing, Sca Shell, Seven

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY. Bombay under No. AR.II/37EE/5040/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14/1/1985.

#### FORM ITNS....

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rajiani Bhatia & Other.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5041.---Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]bearing No.
Flat No. 604, 6th floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglow,
Versova, Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
of the Competent Authority at
Bombay on 19/5/1984
for an apparent consideration which is less then the fair

Bombay on 19/5/1984 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrucent of transfer with the object of stated in the said instrucent of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Flat No. 604, 6th floor. A-Wing, Sea Shell. Seven Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5041/83-84 оп 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Date: 14/1/1985.

Scal :

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Parkar A, Fazluddin.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.JI/37EE/5042.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000

and bearing No. Plat No. 201, 2nd floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglow, Versova, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concentement of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5041/83-84 on 19/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 14/1/1985.

Scal:

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sofi A. Shahpurwala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5043,---Whereas I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 402, 4th floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under cubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-90-456GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property withiin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5043/83-84 on 19/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14/1/1985.

Scal :

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. ARJI/37EE/5044.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 302, 3rd floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows,

Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for , - - wake ##
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(2) Mr. Major A. K. Kochhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5044/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-II. Bombay

Date: 14/1/1985.

## (1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Necna A. Kochhar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5045.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglow, Versowa Bombay-59

Versova, Bombay-58

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the first state of the consideration which is less than the first state of the consideration which is less than the first state of the consideration which is less than the first state of the consideration which is less than the consideration of the consideration which is less than the consideration which is the consideration which

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Bombay-58

The agreement has been registered by the COMPETIENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5045/83 84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 14/1/1985.

Scal :

## FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gurdip Kaur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5046.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, B-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows. Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984 for an apparent consultant and the schedule annexed the schedule annexed to the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Schedule annexed hereto).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, B-Wing, Sca Shell, Seven Bunglows, Versova, Andberi (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5046/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14/1/1985.

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajesh N. Chia & Other.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 14th January 1984

Rcf. No. AR.II/37EE/5048.—Whereas, f, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000

and hearing No. Flat No. 204, 2nd floor, B-Wing, Sea Shell, Seven Bunglow,

Versova, Ardhett (W), Bombay-58

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, B. Wing. Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay 58,

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/5048/83-84 on 19-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date + 14-1-1985

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mr. Kamal J. Nandwani & Other.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

Ref. No. AR. 11/37LE/5049.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the faceme-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. 404, 4th hoor, B-Wing, Sea Shell; Seven Bunglows, Versova Bombay-58.

flows, Versord normaly-56, (and more, fully accepted in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an appare & consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rate matter value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen purcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, B-Wing, Sea Shell, Seven Bung-

Flat No. 404, 401 Boot. 5 Hag. lows, Versova Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/5049/83-84 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, thereto, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :-

Date: 14 1-1985

FORM NO. I.T.N.S. ----

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. E. Dawoodani.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 14th January 1984

Ref. No. AR. 11/37EE/5051.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 103, 7th floor, B-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984 for an apparent consideration.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, B-Wing, Sea Shell, Seven Bung-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FF /5051/83-84 on

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-1-1985

lows, Versova Bombay-58.

19-5-1984.

Seal;

FORM ITNS ---

(1) Shri K. N. Sheshadri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jahn S. Engineer.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR,11/37EE/5064/83-84,--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 35. 5th floor, Building No. 22, Amariyoti CHS Ltd., Four Bunglows, Andheri, Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; The state of the state of and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 35, 5th floor, Building No. 22, Amarjyoti CHS Itd., Four Bunglows, Andheri, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5064/83-84 on 19-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 14-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS

## ('r) Shri Raman H. Mehta.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Lalii Patel & Smt. Hiraben Mohanlal Patel. GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1984

## Ref. No. AR.II/37EE/5076/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Flat No. 3 on 1st floor, 'Satyashraya' 8-B West Avenue, Santacruz (West). Bombay-400054. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 1st floor, 'Satyashraya' 8-B West Avenue, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered b the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5076/83-84 on 10.5 10.5 10.5 10.5

19-5-1984.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

91-456 GI/84

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

(1) Smt. Neela B. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vidyaben P. Pandya.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 3rd January 1984

Ref. No. AR. II/37EE/5081.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Unit No. 92, 31d floor, 'Ratnajyot Ind. Estate', Irla Gauthan, Vile Parle (W), Bombay-56.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 'n that chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 91, 3rd floor, 'Ratnajyoti Ind. Estate', Irla Gauthan, Vile Paile (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5081/83-84 on the Competent 19-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Scal:

Date: 13-1-1985

## (1) Mrs. Zarina Sadruddin Dharani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Akbar Suleman Rangila.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IL, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rcf. No. AR.II/37EE/5094.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 110, 1st floor, Mount Mary Apartments, Dr. Peter

Flat No. 110, 1st floor. Mount Mary Apartments, Dr. Peter Dias Road, Bandra (West), Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market orders of the document of the property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

Flat No. 110, 1st floor, Mount Mary Apartments, Dr. Peter Dias Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR/37EE/5094/83-84 on 21-5-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-1-1985

(1) Mrs. Kunda Bhalerao.

(Transferor)

(2) Bengal Lamps Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 14th January 1984

Ref. No. AR.II/37EE/5108.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, Gautam Dharshan Co-operative Housing Society J. P. Road, 7 Bunglows, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the residual have the residual to the said factor. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 7, Gautam Dharshan Co-operative Housing Society Off. J. P. Road, 7 Bunglows, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5108/83-84 on 21-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IL Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-1-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5135.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

Flat No. 6, Devmohan Co-operative Housing Society, Plot No. 71, TPS VI, Santacruz (West), Bombay-400054.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinedkumar Jaichand Bhatt.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Venkatesh Koppar and Jayalakshmi Prakash Koppar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, Devmohan Co-operative Housing Society, Plot No. 71, TPS VI, Santacruz (West), Bombay-400054. The agreement has been registered b the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5135/83-84 on 22-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-1-1985

(1) Smt. Rameshwari B. Datwani.

(Transferor)

(2) Shri Madhukant G. Valia & Other.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 3rd January 1984

Ref. No. AR.II/37EE/5144.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. Industrial Unit at Ratnajyot Industrial Estate, Irla Lane, Irla, Vile Parle, Bombay-36.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 21-5-1984

at Bombay on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

## THE SCHEDULE

Industrial Unit at Ratnajyot Industrial Estate, Irla Lane, Irla, Vile Parle, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR. II/37EE/5144 on Authority, 21-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-1-1985

#### FORM TINS-

(1) Smt. Rani Lalii Shethia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish T. Ajwani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th January 1984

Ref. No. AR.II/37FE/5152.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 13, 2nd floor, Laldev Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 49, 33rd Road, Bandra, Bombay-50.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 22-5-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration snd that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction for evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) achitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957); Flat No. 13, 2nd floor, Laldev Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 49, 33rd Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5152/83-84 on 22-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-1-1985

(Person in occupation of the property

FORM ITNS---

(1) M/s. Reshma Constructions.

(Transferor)

(2) Dr. J. V.Bhatt.

(3) Transfere.

(3 Transferee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1984

Ref. No. AR.II/37EE/5162/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 101, 1st floor, Building 'Georgina' Wing 'B' bearing CTS Nos. C/1308, 1284, 1283 & 1304 at Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-400050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor in the proposed bldg. Georgina, Wing 'B' on plot bearing CTS Nos. C/1308, 1284, 1283 and 1304 at Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5162/83-84 on 22-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-1-1985

Seal

.--------

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 14th January 1984

Ref. No. AR.II/37EE/5190,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 803, 8th floor. Beach Apartments, Co-operative
Housing Society J.P. Road, Versova, Bombay-61,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, jiid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2/59D of the said Act, to the following persons, namely:— 92-456 GI/84

- (1) Shri Pawan Kumar Jain Dushankumar Jain HUF. (Transferor)
- (2) Mr. Syed Abu Nasser and Mr. Farzana Nazzar.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 803, 8th floor, Beach Apartments, Co-operative Housing Society J.P. Road, Versova, Bombay-61. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5190/83-84 on 23-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

the primer than the second and the s FORM I.T.N S .-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.I/37EE/5197/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
K-509, 5th floor Keshava, Plot No. C-5, Bandra, Kurla
Compex, Bandra East, Bombay-400051.

Compex, pandra East, Bombay-400051.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984 for an apparent consideration which is

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Madhava United Hotels (International) Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Manmohal Kohli, Mrs. Anita Kohli & Raksha Ohri & Mr. M. L. Ohri,

(Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chanter.

## THE SCHEDULE

K-509, 5th floor Keshava, Plot No. C-5, Bandra, Kurla Compex, Bandra East, Bombay-400051.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE/5197/83-84 on 25-5-1985

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5199/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 103 in Jamuna Mahel, TPS V at Jamuna Mahel, Prabhat Colony, Plot No. 73 TPS Santagruz (E), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, us

respect of any lacome arising from the transfer; and /or

.ransfer with the object of :--

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Jamnadas M. Choksi & Associates.
  - (Transferor)
- (2) Shri Nagindas Mulchand Chaukan & Ashok Nagindas Chauhan & Kishor Nagindas Chauhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Jamuna Mahel, TPS V at Jamuna Mahel, Prabhat Colony, Plot No. 73 TPS Santacruz (E), Bombay-55

55.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5199/83-84 on 25-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-1-1985

Scal

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Alfa Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) My Cyril Anthony Briganza.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.IJ/37EE/5205.—Whereas, 1,

Ref. No. AR.11/37EE/5205.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A, Thomas Palace, Jai Bhavanimata Marg, Off Ceaser Road, Ambivali, Andheri (West). Bombay-400 058. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984.

at Bombay on 19-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Thomas Palace at Plot No. 4, Jai Bhavanimata Marg, Off Ceaser Road, Ambivali, Andheri (West). Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5205/83-84 on 19/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14/1/1985.

(1) Smt. Bharatidevi M. R. Rana,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajan K. Chhabra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5216.--Whereas, I,

LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 205, 2nd floor, 'Grand Canyon', 87-Pali Hill Road, Portley 50.

Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regis, cred under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under stabsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, 'Grand Cauyon', 87-Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5218, 83-84 on 25/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-II Bombay

Date: 14/1/1985.

#### FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Anusaya Sadashiv Kangokar.

(Transleror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Padamshi Amratalal Nishar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5227,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 14, Plot No. 7-8-9 Manish Nagar, Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West, Bombay-58.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tah Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Shop No. 14, Plot No. 7-8-9, Manish Nagar Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II./37EE/5227/83-84 on 26-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 14/1/1985.

(1) M/s. Minoo Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Gene Pretto.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Rombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EF/5228/83-84.—Whereas. I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 504, 5th floor 'B' Wing, Bldg. No. 2 'Minoo Minar'

Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habilit of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor 'B' Wing, Building No. 2, 'Minoo Minar' Veera Desai Road, Andheri (West), Boobat

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5228/83-84 on 25/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14/1/1985.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5250/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25.000/- and bearing No. Flat No. 701, Mount Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombny-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Kamala I Keswani, Mrs. Asha P. Kirpalani.
- (2) Mrs I iavati Kirti Shah, Mr. Kirit Natwerlal Shah.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 701, Mount Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Rembay under No. AR.II/37/5250/83-84 on 26/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14-1-1985

#### FORM ITN3-

(1) Mr. Kanakray Anandji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harish J. Narindra, Mr. Ashok Kumar Jannath Narindra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONIR OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5254/83-84 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 36 Jewel Mahal Shoping Centre Premises, Co-op. Housing Society Ltd., Opp. 7 Bunglows, J

(West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 36, Jewel Mahal Shoping Centre Premises Co. op. Housing Society Ltd., Opp. 7 Bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/5254/83-84 on 26/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-1-1985

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
93—456 G1/84

(1) M/s Sanket Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmibai Srinivas Hegde.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5273/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 15, 5th floor on F.P. No. 1262(A), TPS IV, Mahim
at Prabhadevi, Bombay-400 025.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, 5th floor, F.P. No 1262(A) TPS IV, Mahim at Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37FF/5273/83-84 on 26 / 5 / 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14/1/1985.

(1) M/s Sanket Builders.

(Transferor)

(2) Miss Savitri Shriniyas Hegde.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5274/83-84.--Whereas, 1, LAMMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 14, 5th floor on F.P. No. 12612(A) TPS IV, Mahim

at Prabhadevi, Bombay-400 025. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-5-1984.

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jocome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate receedings for the acquisition of the atoresaid property by the essue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14, V floor on F.P. No. 12612(A) TPS IV Mahim at Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5274/83-84 on 26/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 2-1-1985

(1) Mr. Morarji Nensi Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Manilal Kanji Mota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5277/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One-half share of shop No. 2, ground floor of the bldg. 'Ajay shopping Centre' at T. H. Kataria Marg. Matunga (W), Bombay-400 016.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

One-half share of Shop No. 2, on the ground floor of the building known as 'Ajay Shopping Centre' situated at T. H Kataria Marg, Matunga (West), Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5277/83-84 on 26/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 2-1-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

(2) Mohd. Peer Mohammed.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5613/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the recome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1. 1st floor of Bldg 8, forms part of S. No. 41

village Oshivara, behind Bahram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984.

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the conseniment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saio Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 1st floor of building No. 8 forming part of Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Baharam Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5613/83-84 on 26/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-1-1985

Seel:

FORM NO. LT.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5617/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 16, Ground floor, 'Minoo Minar' Veera Desai

Road, Andheri (West), Bombay-57.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 191, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26/5/1984.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideraton therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Minoo Builders.

(2) Mrs. Tasneem Abdul Sattar Mukri.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 16, Ground floor, 'Minoo Minar Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5617/83-14 26/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-1-1985

(1) M/s Minoo Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hemida Iqbal Ramratkar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5618.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred by the improvement of the lines better immovements). to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 15 ground floor. Minoo Minar, Veera Desai Rd., Andheri (West), Bombay-57. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefore his more than fifte n regions of such apparent consideration. therefor by more than fifte-n per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee 1 or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 15, ground floor, 'Minoo Minar' Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-57.

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5618/83-84 on 26/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. of the following persons, namely:—

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5629/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 4, Ground floor, New Bldg, constructed on Tec. No. 473, CTS No. 1898 (p), Azad Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984.

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(Transferor)

(1) Dr. Ashok Rajmal Mehta & Other.

(2) Shri Pramodchandra V. Shah & Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable Property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, New bldg. constructed on Plot No. 473, C.T.S. No. 1898 (part), Azad Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5629/83-84 on 26/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 3-1-1985 Seal:

(1) M/s Amar Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Lalbhał Manilal Zaveri & Nirmal Zaveri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR II/37EE/5630/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 204 'Amar Tower' 2nd floor, Near Chandan Cinema Juhu, Bombay-400 049.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204, 'Amar Tower', 2nd floor Near Chandan Cinema, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5630/83-84 on 25/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
94—456 GI/84

Date : 2-1-1985

(1) Mrs. Varsha A Sheth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rupesh P. Zaveri, Mrs. Mrudula R. Zaberi. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR II/37EE/5632/83-84.—Whereas, I,

Ref. No. AR 11/3/EE/3032/03-04.—Vincous, A. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No.

Flat No. D 810, 8th floor, Manju Mahal, 41 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/5/1985.
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the resuction or evasion of the liability of the transferor te pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or 14
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. D 810, 8th floor, Manju Mahal, 41 Pali Hill

Road, Bandra, Bombay-400 050,
The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.II/37EE/5632/83-84 on Authority, 26/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby min to proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-1-1985

(1) M/s. Nav Bharat Development.

(Transferor)

(2) Mr. Lalchand Uttamchand Jogeshwar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- \* TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5635/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing
Flat No. 703A, 7th fioor, 'Bharati Apartments 'A', Sherly
Rajan Village, Bandra, Bombay-400 050.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the office of the Competent Authority
at Bombay on 26/5/1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same from the same in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 703A, 7th floor, 'Bharati Aartments 'A' Sherly Rajan Village, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5635/83-84 on 26/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date : 2-1-1985

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS----

(1) Miss Wilma D'Souza.

(Transferor)

(2) Mrs. Munira R. Manjit.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5654.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. B-3, 1st floor, B-Bldg., Padmavati, Village Osh wara, Taluka: Andheri. (and more fully described in the schedule annexed hereto), Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority at Bombay on 21/5/1984.

at Bombay on 21/5/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-3, 1st floor, Bldg. 'B8, Padmavati Plot No. 54, S. No. 41(p), Village Oshiwara, Tal. Andheri.
The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37FE/5654/83-84 on 21/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 14/1/1985.

#### (1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Rekha Mohan Mulchandani, Sund Mohan Mulchandani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5677.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 210 Anjali Plot No. 2, S. No. 121 7 Bunglows, Versova, Village. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income of after moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 210 anjali Plot No. 2, S. No. 121 7 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/5677/83-84 on 28/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14/1/1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Brij Bhushan Handa.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarla Melhotra.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5684.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a 'fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 105/106 B-Wing, Building No. 42, Manish Nagar, Andheri (West), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tah Act. 1961, in the office of

Section 269AB of the Income Tah Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 105/106, B-Wing, Building No. 42, Manish

Nagar, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5684/84-85 on 28/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14/1/1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5694/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 106 in building No. B, in Laram Centre Premises (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21st May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Deepak P. Kuril, 2. Premchand M. Kuril.

(Transferor)

(Transferee)

(2) 1. Thangapandi Narayanan Nadar,

Thangapandi Raja Nadar, 3. Thangapandi Balraj Nadar,

4. Thangapandi Natesan Nadar.

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 106 in Building B in Laram Centre Premises Co. operatives Society Road, at M.A. Road, Andheri (West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5694/83-84 on 21/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14/1/1985.

٠.

(1) M/s. United Builders Construction (I) P Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Maulik Jasubhai Trust,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5701/83-84.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 206 to 210, 2nd floor, Balarama Bldg. Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (E) Rombay-400 051 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1984 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B-206 to 210, 2nd floor, Balarama Bulding, Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (East), Bombay-400 051.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5701/83-84 on 21-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 2-1-1985 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sh. Jahn S. Engineer.

(Transferor)

(2) Sh. Prayinchandra G. Rana & Other.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5713/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

and bearing
No. 140-B, Near Kamgai Nagar, Four Bungalow,
Andheri-Versova Rd., Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby unitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sursection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
95—456 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

140-B, Neat Kamgai Nagar, Four Bungalow, Andheri-Versova Rd., Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No., AR.II/37EE/5713/83-84 on 30-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

#### FORM (TNS-----

#### (1) M/s. Airways Travel Bureau.

(Transferor)

(2) Mr. Abhijit Rajan.

(Fransferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

# GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 4th January 1985

Rei. No. AR.II/37EE/5727.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 362. Juhu Capri Co-operative Housing Society I imited, Green Field A.B. Nair Road. Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective presount, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, Juhu Capri Co-operative Housing Society Limited, Green Fields, A.B. Nair Road, Juhu, Bombay-400, 049

The agreem at has been, regreted by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37LE/5727/83-84 on 28-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Da'e: 4-1-1985 Scal:

(1) M/s. Kumar Brothers Co.

(Transferor)

(2) Ash Raj Holidings Private Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th January 1985

Ref. No. AR. 11/57EE/5729.—Whereas, I. I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 301, tulut Capri Co-op. Housing Society. Ltd., Green fields, A.B. Nau Rd., Juhn, Bombay-49

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, Juhu Capri Co-op. Housing Society Ltd., Green Fields, A.B. Nair Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/5729/83-84 on 28-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-1-1985

Seal

(Person in occupation of the property)

be interested in the property).

(Person whom the undersigned knows to

#### FORM ITNS----

(1) Dwarkedas Amratlal Gandhi.

(Transferor)

(2) Sunder Builders.

(3) Tenants.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Transferor & five others.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5928.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gandli Bhuwan, S.V. Road, Vile Parle (W),

Bombay-400057

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AP of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Gandhi Bhuwan, S.V. Road, Vile Parle (West), Bombay-

57.
The agreement has been registered by the Competent AD III/2714F /5928/83-84 on Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5928/83-84 on 28-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date<sub>1</sub>: 3-1-1985

6307

LORM HNS----

(1) M/s. Jainika Builders.

The state of the s

- ('Fransferor)
- (2) Mrs. Mahmooda Issaque & Other.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.II|37EF/6124.—Whereas, I,-LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing Flat No. 404, 4th floor, Jainika Apartments,

S.V. Road, Jogeshwari (E), Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Jainika Apartments, S.V. Road, Jogeshwari (E), Bombay-60

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FF/6124/83-84 on 28-5-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sec. 32, 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

Date: 3-1-1985. Scal :

(1) Smt. Tarla Mahesh Desai.

(Transferor)

(2) Sh. Iikam Chand B. Chowhan & Other. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.II/37EL/6127.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs.

25,000 /- and bearing
Flat No. F/13, 4th floor Paras Nagar CHS Ltd.
Majas Road, Jogeshwa i (E), Bombay-60
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any non-ys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the nansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. E/13, 4th floor, Paras Nagar CHS Ltd. Majas Road, Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6127/83-84 on 28-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-1-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

AR II/37EF/6672 -Whereas, I. No I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the In ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

Prices of land bearing No Plot No CJS 41, CTS 62, Plot No 799 & 59 (pt.)
An lher (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

ha been transferred and the agreement is registered under Section 260AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appai nt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tar Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following person namely --

(1) Vasant K. Goregaokar.

(Transferor)

- (2) Mr. Noormohomad Adam Halai Mr. Abubikai Haji Ahmed Kassam Sotathia. (Transferce)
- (3) Mr. Ismale Noormohomad Halar M/s Govindjec & Co (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Pieces of land Property bearing Plot No CTS 41, 62, Plot No 799 & 59 (rart) Andher (West), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37FF/6672/83-84 on 28-5 1984

1 TP/2018

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Bombay

Dite : 14-1-85

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Bosco M. B. Noronha.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6684.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and heating
Flat Nos. 13 & 14, 3rd floor, Bldg. No. 2,
Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Rd.,

Andheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The 'Trms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat Nos. 13 & 14. 3rd floor; Bldg. No. 2, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/6684/83-84 on 28-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 3-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETY'S ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12164.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
Flat No. 204, C-Wing, 2 floor,
Abhishek Apartments, 4-Bungalows, Versova, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property of
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
96—456 GI/84

(1) M/s. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Padma Sudhakar.

(3) Transferor.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Dr. Bomsi S. Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204. C-Wingmwnd floor, Abhishek Apartments, Behind ESIC Nagar, 4-Bunglows, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12164 on

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 14-1-1985

(1) M/9 Samarth Development Corporation.

(Transferor)

(2) Dr. Harishikesh B. Parikh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12232.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R- 25,000/- and bearing

Flat No. 2, Ground floor, Hrishikesh 'D' Apna Ghar No. 1, Co-op Housing Society Swami Samarth Nagat, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No 1 Co-operative Society Ltd. Swami Samarth Nagar, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37CE/12232/83-84 on 4-5-1984.

LAXMAN DAS Competent authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, iamely:-

Date: 14-1-1985

(1) M/s. Raviraj Corporation.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12240.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 306 on 3rd floor in Citizen at Plot No. 27, Oshiwara, S. No. 41 (Pt) 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Ramesh H. Tejsinghani Mrs. Jyot R. Tejsinghani,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 306 op 3rd floor in Citizen at Plat No. 27 Oshiwara S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/12240/83-84 on 4-5-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

(1) Sharma Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Rajkumar Agencies.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.I[/37EE/12255.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinature referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 4 on ground floor in building Plot 'Prerna' 67 S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, 4 Bungalows, Off J. P. Road, Versova, Andheri (West) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesaid property by the Issue of this notice under subing, persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Shop No. 4, on ground floor in proposed building 'Prerna' Plot No. 67 Survey No. 41 (Part) at Village Oshiwara, 4 Bungalows, Off J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12255/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sharma Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Deepa R. Chopra & Mrs. Chitra Prem Mehra.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12256.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement of the competency of the said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

property, having a rain manust that and bearing Shop No. 2 on ground floor in proposed building 'Prerna' Plot No. 67 S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off J. P. Road, Versova, Andheri (West),

Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269A3 of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-84 of the Competent Authority at Bombay on 4-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Moresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

proposed building Shop No. 2, on ground floor in proposed building 'Prerna' Plot No. 67 S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12256/83-84 on 4-6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

(1) Sharma Properties Pvt Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Raj Kumar Agencies.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No AR II/37EE/12257 -- Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Shop No 4 on ground floor in Preim Plot No 67 S No 41 (Part) at Oshiwara 4 Bungalows Off JP Road, Versova, Andheri

(W), Bombay-58

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5 on ground floor in proposed building 'Prerna' Plot No. 67 Survey No. 41 (Part) at Village Oshiwara, 4 Bungalows, On J. P. Road. Versova, Andhen (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/12257/83-84 on 5 6-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 14 1-1985 Scal .

## (1) Mrs. Gomti Rupchand Vazirani,

(Transferor)

(2) Miss Rashida T. Sitabkhan Miss Zainab T. Sitabkhan, Miss Munira T. Sitabkhan, Master Mohamed T. Sitabkhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12268.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and beaming
'Oceanic' I. Plet Nos 1296 to 1300
Off Seven Bungalows, Versova, Andheri
(West) Bomboy-400 061

(West), Bombay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the 'purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wentth-rax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

'Oceanic' I, Plot Nos. 1296 to 1300, Off Seven Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12268/83-84 on 11-5-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-, SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref No. AR II /37EE /12273 -- Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 42 on 4th floor of 'A' Wing, Plot No. 24 of Shree Swami Samartha Prasanna Co-operative Housing Society Ltd.
S. No. 41 (Part) Oshiwara Village, Near Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Sharad Ramkrishna Dandekar,

(Transferee)

(3) Transferois.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Faplanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 42 on 4th floor of 'A' Wing on Plot No. 24 of Shree Swami Samartha Prasanna Co-op, Housing Society Itd. S. No. 41 (Part) Oshiwara Village, Near Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37FF/12273/83-84

on 5-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Abhay Behere.

(3) Transferors.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12274.-Whereas, I,

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 54, B-Wing, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Prasanna Co-op.
Housing Society Ltd., S. No. 41 (Part)
Oshiwara Village, near four Bungalows,
Versova, Andheri
tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons namely:-97-456GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 54 on the 5th floor of 'B' Wing on Plot No. 24 of Shree Swami Samartha Prasanna Co-op. Housing Society Ltd., S. No. 41, Oshiwara Village Near Four Bungalows, Versova, Andheri (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12274/83-84 on Competent

5-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 14-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

[PART III-Sec. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kishan Kailashnarain Mehra

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12278.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

6320

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Fult No. 308 Anjali Plot No. 2, S. No. 121 7 Bungalows, Versova, Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the , parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer: and /or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 308 Anjali Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows. Versova Village,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under on 5-5-1984. No. AR.II/37EE/12278/83-84

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-1-1985

(1) Shri Devshi Kaya Satra.

(Transferor)

(2) Shri Premji B. Shah & Other.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/12293.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

name bearing shar maker value executing ker. 25,000, and bearing Shop No. 1 Jatin Ashish Coop. Soc., Natwar Nagar Rd. No. 1, Plot No. 60, Oif Hindu Friends Soc. Rd., Ground floor, Jogeshwari (E), Bombay-60. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 260AR of the trace stax Act. 1961, in the office

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incare-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-5-84 for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1, Jatin Ashish Coop. Soc., Natwar Road No. 1, Plot No. 60, Off. Hindu Friends Soc. Ground floor, Jogeshwari (E), Bombay-60. Natwar Nagar Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12293 on 7-5-84.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Nilkanth Raghunath Modak Smt. Neelambari Nilkanth Modak

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONOR OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12294.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 41, 4th floor of 'A' Wing Plot No. 24, of Shree Swami Samartha Prasanna Co.op. Housing Society Ltd. S. No. 41 (part) Oshiwara Village Versova, Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 41, 4th floor of 'A' Wing on Plot No. 24 of Shree Swami Samartha Prasanna Co.op. Housing Solety Ltd., S. No. 41 (Part) Oshiwara Village, Four Bunglows, Versova, Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR II/37EE/12294/83-84 on 5/5/1984.

LAXMAN DA9
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 14/1/1985

(1) The Nirbhay Coop. Hag. Soc. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Dr. M. R. Kallyanpur

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12302/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. S 41, 3rd floor, Off. Jayprakash Rd., Villago Oshiwara, Andheri(W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Hombay on 7/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

undior

(b) facilitating the concealment of any income or sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. S-41, Off. Jayprakash Road, Village Oshiwara. Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12302/83-84 on 7/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 14/1/1985

(Person in occupation of the property)

## FORM ITNS-

(1) Roika Construction Co.

(3) Transferors.

(Transferor)

(2) Shri Nilkanth Raghunath Modak

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. CUMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12307.--Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 4l'1 on the 4th floor of 'A' Wing on Plot
No. 24 of Shree Swami Samartha Prasanna Co.op. Housing Society Ltd. S. No. 41 (Part) Oshiwara Village, Near Four Bungalows, Versova, Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4P1 on the 4th floor of 'A' Wing on Plot No. 24 of Shree Swami Samartha Prasanna Co.op. Housing Society Ltd. S. No. 41 (Part) OSHIWARA, Village, Near

Four Bungalows, Versova, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12307/83-84 on

5/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 14/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mrs. Kiran Bala Vohra

(Transferor)

(1) Skipper Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IL **BOMBAY**

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12331.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 504, 5th floor at Skipper Beach Queen, Jayprakash

Road, (Versova Road, Versova, Bombay-400 061.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which on the one of the one of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor at Skipper Beach Queen, Jayprakash Road, (Versova Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12331/83-84 on

8-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereov initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12338.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop premises beraing No. 117-B on the ground floor of the building premises known as Laram Shopping Centre, at Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Indubala Madhukant Valia & Mr. Madhukant G. Valia

(Transferor)

(Transferee)

(2) G. S. Tung H.U.F. Mr. Sunil Kumar Sharma

Mr. Sanjiv Sharda

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop premises bearing No. 117-B ground floor of the building premises known as Laram Shopping Centre, at Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR-II/37EE/83-84 8-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14/1/1985

(1) Dholakia & Dayal Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sumitradevi Gupta

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 14th January 1985

Pef. No. AR.II/37EE/12341/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001and bearing no.

Flat Nos. 105, 305 & 306, Building Nos, C-27/28 Yamuna Nagar, Plot No. 41 (Part) Ochiwara Village Andheri(West),

Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/5/1984

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely; --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat Nos. 105, 305 & 306, Building Nos. C-27/28 Yamuna Nagar, Plot No. 41 (Part) Oshiwara Village Andheri(West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12341/83-84 on 8-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H, Bombay

Date: 26-12-1984

Seal :

98--456 GI/84

FORM ITMS---

(1) M/s. Minoo Builders

(Transferor)

(2) Mohan K Rao

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12342.—Whereas, I, I AXMAN DAS.

seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res 25 000 /2 and bearing no

Rs. 25,000/- and bearing no.
Flat No. 2, 6th floor 'A' Wing, Bldg No. 2, 'Minoo Minar' Veera Desai Road, Andheii (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reassfer with the object of the said instrument of the said instr

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here is as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 6th floor 'A' Wing, Bldg No. 2, 'Minoo Minar' Veera Desai Road, Andheii (West), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Auhtority, Bombay under No. AR.II/37EE/12342/83-84 on 8-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 14-1-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) Mr. Vineet Mohsin Sayani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rosario D'Souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12353/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Flat No. 203, Darya Darshan, Plot No. 30-B, J. P. Rd.,

Versova, Andherr(W), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 203, Darya Darshan, Plot No. 30-B, J. P. Rd., Versova, Andheri(W), Bombay-59.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12353/83-84 on 11-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 14/1/1985

# FORM IINS

(1) Bombay Housing Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Gbond Bulchand Vaswani Mrs. Kiran Gobind Vaswani

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12357.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

Bombay on 11/5/1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 320, 325 & 326, Anjali, Plot No. 2 S. No. 121, 7 Bunglows, Versova Village, J. P. Road, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred, and the agreement is registered, under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in-respectof of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 320, 325 & 326. Anjali, Plot No. 2 S. No. 121, 7 Bunglows, Versova Village, J. P. Road, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/12357/83-84 on 11-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Rombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Date: 14-1-1985

(1) Shri Hemant Rasiklal Aya

(3) Transferor

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Uttam Badarmal Bafna

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EL/12373.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing no.

Flat No. 603, 6th floor, Building No. E., Manish Park,

Flat No. 603, 6th floor, Building No. E. Manish Park, Rajmata Jijabai Roud, Pump House, Andheri (East), Bom-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Building No. E, Manish Park, Rajmata Jijabai Road, Pump House, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12373/83-84 on 11/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14/1/1985

(1) Mr. S. R. Shanbhag & Other

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II37EE/12392.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoving the said Act's have reason to believe that the immoving the said Act's have reason to believe that the immoving the said Act. able property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing no. exceeding

Gala No. 48, B-Block, Ist floor, Nandbhuvan Ind. Estate,

Mahakali (aves Rd., Andheri(E), Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) M/s. Zenith Electro Systems P. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 48, B-Block, Ist floor, Nandbhuvan Ind. Estate, Mahakali Caves Rd., Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/7EE/12392/83-84 on 11/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14/1/1985

(1) M/s. Hitesh Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Sunder K. Punjabi and Shii Jagdish K. Punjabi

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/17323.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Shop No. 1A I annual Thoola Building Plot No. 107, Opp. Navrang Cinema. Andheri(West), Bombay-400 058, (and more fully described in the schedule appayed bereta)

Shop No. 1A Iannan thoola Building Plot No. 107, Opp. Navrang Cinema. Andheri (West), Bombay-400 058. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 260 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferon/to pay 'ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Shop No 1A Laxman Jhoola Building Plot No. 107, Opp. Navrang Cincma, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/17323/83-84 On 8-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Date : 11 1/1985

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s, Minoo Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX  $\Lambda$ CT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prakash Bansilal Agarwal

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EF/17324.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 4, 5th Floor, Bldg. No. 'A' Wing, 'Minoo Minar' Vecra Desai Road, Andheri (West) Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, 5th Floor, Bldg. No. 2 'A' Wing, 'Minoo Minaı' Veera Desai Road, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/17324/83-84 on 5-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per opnamely :--

Date: 14-1-1985

Seal

## 6335

## FORM ITNS-

#### (1) Smt J D, Mathur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mi H G lyer & Other

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 14th January 1985

Ref. No. AR 11/37F J- /4867/83-84 --- Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 206, 2nd floor, Sholoy Premises Coop. Soc 1td, 50/54, Seven Bunglows, Versova, Bombay-61.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor, Sholay Premises Coop, Soc. Ltd., 50/54, Seven Bunglows. Versova. Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No AR II/87EE/4867/83-84 on 14/5/1984. 14/5 '1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

99 456 GI/84

Date : 14/1/1985

FORM I.T.N.S.---

(1) M s. Chetan Developments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Chamelidevi Agarwal

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th Tanuary 1985

Ref. No. AR, II/37EF, 5047 —Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

Flat No. 704, 7th floor. A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Ver avi. Andher: (W). Bombay-58.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Setion 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said interument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, A-Wing, Sea Shell, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5047/83-84 on 19/5/1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting, Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 14/1/1985

Scal '

- (1) M/s. Chetan Developments.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

## (2) Mrs. Veena J. Nandwani,

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME. TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE 5050/83-84.--Whcleas,I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under

Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 403, 4th floor, B Wing, Sea Shell, Seven Bungalows, Versova, Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 19 5-1984

for an apparent consideration which is less than the market v lue of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as a said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of trunst with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been . which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor B-Wing, Sea Shell, Seven Bungalows Versova, Andheir (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Compauthority, Bombay under No. AR.II/37EE 5050/83-84. on 19/5/1984. Competent

> (LAXMAN DAS) Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Dated: 14-1-1985.

# (1) M s. Mohammad Bashir Mohammad Aquil and Afaq Manzare.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Apira Exports Pvt Ltd.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II 37EE/5072.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 143, Andheri Industrial Premises Co-op. Society Ltd., Plot No. 22, Ambivli, Versova, Andheri (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. 143, Andheri Industrial Premises Co-op. Society Ltd., Plot No. 22, Ambivli, Versova, Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EE/5072/83-84 on 19-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-1-1985.

## (1) M/s, Raviraj Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Kailash Chander Bhatia, Miss Sunita K. Bhatia. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGF-II, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR. II/37FE/5165/83-84 -- Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000|- and bearing Flat No 102, in Wing B' on 1st floor, in Denzil Building on plot No. 31, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AF of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, in Wing-B. 1st floor, Denzil, Plot No. 31, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Versova, Bombay (W), Bom-

bay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE/5165/83-84 on 22-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 14-1-1985.

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 14th January 1985

AR. 11/37EE/5614.-Whereas, 1,

Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 302, 3rd floor, B-Wing, Sea Shell, Seven Bungalows Versova, Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomt Tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely \--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, B Wing, Sea Shell, Seven Bungalow, Versova, Andheri (W), Bombay-53

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/5614/83-84 on 26-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 14-1-1985.

~ ~ <del>-</del> - - - \_ -

## FORM ITNS----

(1) Sunder Builders

(Transferor)

(2) Leroz Sherali Husembhai Hudda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No AR II/371 F /5929 - Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No. 11, 3rd floor, Mattu Chhaya, Vithalbhai Patel Road,

Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meoning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; md/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or, which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 11, 3rd floor, Matru Chhaya, Vithalbhai Patel Road, Andhert (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37FE/5929/83-84 on 28-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 14-1-1985,

- (1) Dr. Mahesh Chandra Nigam.
- (Transferor)
- (2) Mr. & Mrs. S. S. Kapur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# -

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6108.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 26, 5th floor, Sea Glimpse Co-operative Housing Society, J.P. Road. Versova, Andheri (West), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same speaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 26, Versova Sea Glimpse Co-operative housing Society, Andhen (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37FE/6108 83-84 on 14-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the said of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-1-1985.

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Manohar K. Hırani,

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwanti Ramchand Rohira.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/6674.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

at Bombay on 24-5-1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Flat No. 301, 3rd floor at Woodland-B Lokhandwalla Complex Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Anthority at Bombay on 24-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons comely 100-456GT/84

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 301, 3rd floor, at Woodland-B, Lokhandwalla Complex, 4 Bunglows, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6694/83-84 on 24-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authorn Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 14-1-1985.

Soal:

- (1) Mrs. Kamlesh Tikiya.
- (Transfere
- (2) Mr. Valamji Premji Shah.

(Transfe.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12337.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Andheri Manish Garden CHS Ltd. Manish Nagar, 4-Bungalows, Andheri (W), Bombay-58,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Andhori Manish Garden CHS\_Ltd., Manish Nagar, 4-Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12337/83-84 on 8-5-1984.

19 E 1

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 14-1-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43-OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

'Ref.' No. 'AR.II/37EE/12343.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the (emperent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property maving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, Sholay Premises Co-operative Society Ltd., Plot No. 50 to 54; Seven Bungalows, Andheri (W),

Bombay-61,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent of the property as a proced to between the parties has not been 1 may a find in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- . .(1) .Poonant Rajinderlal Chawla and Smt. Motia Rajinderlal Chawla. (Transferor)
- 1 (2) Smt. Anjana, Bedi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occuption of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Sholay Premises Co-operative So-velety Limited, Plot Nos. 50 to 54, Seven Bunglows, Bomba-400 061.

The agreement has been registered by the Compe Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12343/83-84 11-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Last Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 14-1-1985.

## FORM TINS-

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sudhir Asthana.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12409.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 104, 1st floor, A Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the office of the Competent Bombay on 11-5-1984 Competent Authority

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesan' property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 104, 1st floor, A-Wing, Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/12409/83-84 on 11-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 14-1-1985.

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Girijashanker R. Singh.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/17338/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 303, 3rd floor, A-Wing, Sea Shell Seven Bunglows, Versova, Bombay-58,

Versova, Bombay-38, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, A-Wing Sea Shell, Seven Bunglows, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/17338/83-84 on 11-3-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 14-1-1985.

(1) Kedar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendra Rajarami Shinde, Smt. Madhuri Narendra Shinde. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 8th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4728.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
Flat No. 2, 5th floor, Bldg No. 2, Plot No. 290 TPS.III,

Mahim, Bombay,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore and existed the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer:
- b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Kedar Apartments, Flat No. 2, 5th floor, Bldg No. 2, Plot No. 290, Town Planning Scheme III, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4728/83-84 on 1-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bembay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely '-

---

## FORM ITNS-

(1) Mr. Vishwa Bhushan.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4738.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. B-2 in Sangam Co. op. Housing Society, Ambedian Department of the Property of

kar Road, Bandra, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquesition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely; --

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mrs. Rita Kaur & Sardar Santok Singh.

may be made in writing to the undersigned : -

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-2, in Sangam Co-op. Housing Society Ambedkar Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.II/37EE/4738/83-84 on Authority, 1-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated , 15-1-1985. Scal; \*\* \* \*\*

(1) Natasha Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

! .abay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4763/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing Flat No 202, 2nd floor, 'Anchorage' St. Alexius Road, Ban-

dra West, Bombay-50.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the market parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration are the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration. transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lokhandwala. (Transferee)

(2) Mr. Kamrudin G. Lokhandwala, Mrs. Shamim K.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, 'Anchorage' C.T.S. No. 553( St. Alexius Road, Bandra West, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4763/83-84, on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated . 15-1-1985.

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mrs. N. R. Venguammal.

(Transferor)

(1) Mr. M. S. Raghavaharibaran.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occuption of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR, II/37EE/4771/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C/30, Gopal Bldg. Topal Scheme, 2nd floor, Vile Parle (E), Bombay-57,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the odate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfero and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C/30, Gopal Building, Ground floor, Scheme. 2nd floor, Vile Patle East, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EF 4771 83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bembay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
101—456GI/84

Dated: 15-1-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4796/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 3, Alsahab Apartment. A Wing, L. J. Cross Road, Mahim, Bombay 16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer: and or L - O. E. C. P. S. C. P. S. C. P. S. C. P. P. C. P. C. P. P.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Five Star Enterprises

Partners:
1. Shri Shahenshah Nawab, Mehmood Usman Padiyar,
 Faroukh Yusuf Kadawala &

4. Kaneez Haider.

(Transferor)

(2) 1. M/s. Mahavir Traders.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Alsahah Apartment, A Wing, L. J. Cross Road, Mahim, Bombay-400-016.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No ARJI/37EE/4796/84-85 on 8/5/1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 1/1/1985,

(1) The Aarti-Amar Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Cromption Greaves Ltd.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4772.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 505, 5th floor and the garage Apartment to the flat in the Bldg. 'Daffodils' at CTS No. 1368-K, Pali Hill Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference apparent consideration meretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sa d Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 505 on the 5th floor and the garage appartment to the flat, in the building known as 'Daflodils' at CTS No. 1369-K, 1371, 1372-B, 1372-C, Pali Hill, Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.II/37EE/4772/84-85 Authority. on 5/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15/1/-985, Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

١

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4806.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and hearing No.

and bearing No. Shop No. 1 & 2 in B—2 Gangavihar. Poddar Road, Santacruz (West), Bombay-54

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferusald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Gangavihar Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Alexa Corporation.

(Transfered)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1 & 2 in B-2 Gangavihar Poddar Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IJ/37EE/4796/84-85 on 11/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2/1/1985.

## FORM TINS-

(1) M/s. Devidayal Stainless Steel Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt, Ammu Joseph Saran.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4813/83-84.--Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Manju Mahal, Flat 306, 3rd floor, 'B' Block, Chetak Cooperative Housing Society Ltd., 41 Pali Hill, Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor 'B' Block, Manju Mahal, Chetak Co-operative Housing Society Itd., 41, Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.H/37EE/4813/83-84 Authority, Boson 11/5/1984.

> TAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2/1/1985.

- (1) Smt. Niranjana Suresh Nanavati,
- (Transferor)
- (2) T. V. Krishnamurthy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4823.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 3. Plot No. 468; Ground floor, Nav-Chitrakoot Apartment, Co-operative Housing Society Ltd., 15th Rd., Chitrakar Dhurandhai Marg Junction, Khar, Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arosesaid property and I have reason to besseve that the sair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sisteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this actice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, Plot No. 468, Ground floo! Nav-Chitrakoot Apartment, Co-operative Housing Society Ltd., 15th Rd., Chitrakar Dhurandhar Marg Junction, Khar, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4796/84-85 on 11/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7/1/1985.

FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

11) Shri Roque John Carlos.

(Transferor)

(2) Shii Satvavrata Ghosh.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Rcf. No. AR II/37ED/4824.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. B-2, Om Som Tirth Co-op. Housing Socity Ltd.,
Ground floor, Plot No. 35, Sherley Rajan Road, Bandra (West), Bombay150,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at
Bombay on 11/5/1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the line t, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. B-2, Om Som Tirth Co-op Housing Society Ltd., Ground floor, Plot No 35, Sherley Rajan Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EF/4824/83-84 on 11/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7/1/1985.

# ------FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th January 1985

Ref. No. AR II/37FE/4833.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/-

property, naving a lan market and bearing Flat No. 16, Neel Building, 182-B. Police Station Road, Vile Parle (West), Bombay-400 056. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11/5/1984

Bembay on 11/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Kamladevi Devi D. Chnabria.

(Transferor)

(2) Mr. Hassanand J. Chhabria.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hat No. 16 Neel Building, 182-B. Police Station Road, Vil. Park (West), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/4796/84-85 Authority, Bo on 11/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-1-1985

١

mentioneral mind district

FORM ITMS-----

(1) Mrs. Ratnabai R. Shenoy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ratnakar T. Shetty & Mis. Sarasu T. Shetty.

(3) Transferee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Ref. No. AR.II/37EE/4839.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Bombay, the 4th January 1985

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovative property, having a fair market value exceeding.

Rs. 25,000/- and bearing.

Flat No. 2, Ajay Apartments. Co-op. Housing Society Ltd., Saraswati Road, Santacruz (West), Bombay-400 054, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official the Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ajay Apartments, Co op. Housing Society Ltd., Saraswati Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EL/4834/83-84 the Competent on 11/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 102—456GI/84

Date: 4/1/1985.

(1) M/s. Govani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Tushar Gunvantlal Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4851.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Room No. 3, 'Amar

Kunj', Beasant Street, Santactuz

(West), Bombay-400 054.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the riability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: دة / أحدد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tramsferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPL. MATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 3, 'Amar Kunj', Beatant Street, Santagrun (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4851/83-84 on 14/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bembay

Date : 7/1/1985 Scal:

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4878/83-84,---Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000 and bearing No. 6, Bhimanagar, Mathuradas Vasanji Road, Andheri (East), Bombay-69. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Computant Authority at of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) Mrs. Meena Bhupendra Shah.
- (2) Mr. Suryakant Karandas Thanawala.
- (Transferor) (Transferee)
- (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act," shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hat No. 15, Building No. 6. Bhimanagar, Mathuradas Vasanji Road, Andheri (East), Bombay-400069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4878/84-85 on 14/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7/1/1985.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4899/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Hat No. 604, on the 6th floor, Bldg. Harmony/A at Plot No. 343, of S. No. 41 (Part) Bungalows, Versovn, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto); has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more 'han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Y. E. Merchant.

(Transferee) ((3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

'Flat No. 604 on the 6th floor in the building Harmony/A Plot No. 343 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Comptent Authority, Bombay under No. AR.II37/4899/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-1-1985

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. J N Das & Mrs. Nalini Devi

may be made in writing to the undersigned ---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Rcf. No. AR.II/37EE/4900/83-84.—Whereas, I, LAXM AN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immune the property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 201 on the 2nd floor in the building Home Court at Plot No. 336 of S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14/5/1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, mand /or

> Flat No 201 on the 2nd floor in the building Home Court at Plot No 336 of S. No 41 (Part), Four Bungalows Versova, Andheij (West), Bombay-500 058

The agreement has been registered by the Competent Autho-y, Bombay under No. AR.II/37EE/4900/83-84 on літу, вош 14/5/1984.

(1), facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesend property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 14-1-1985

### FORM TINS-

(1) M/s. Yasmin Enterprises.

(Transferor)

(2) M15. Apolina Monteiro, M1. Isidor Joseph Monteiro.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR. II / 37EE / 4902 / 83-84, --- Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 160-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part) Four Bungalow, Oshiwara, Versova, Andheri, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of tthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 106-Λ, Plot No. 4, S.No. 41 (pt) Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Autho-11ty, Bombay under No. AR.II/37EE/4902/83-84 on 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

Scal .

### FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

1

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4903/83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2 on 1st & 2nd floor in the Building Sunnyside Umt No. 3 at Plot No. 355 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows Versova, Andheri (West) Bombay-400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphy. ing persons, namely :-

(1) Lokahndwala Development Corporation,

(Transferor)

- (2) Mr. Surenderkumar Ahuja (HUF),
- (Transferce) (3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st & 2nd floor in the building Sunnyside Unit No. 3 at Plot No. 355 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4903/83-84 on 14-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Bombay

Date: 14-1-1985

### FORM ITNS-

(1) Mr. Rakesh Premji Shah,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sangeeta Vinoo Bhatt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4913/83-84.—Whereas, I, LAXAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 701, Kavita Apartments, Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14/5/1984

for an apparent consideration which is less than the 'fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 701, Kavita Apartments, C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4913/83-84, on 14-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Act. I herefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1985

(1) M/s. Asian, Development Corporation,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Mr. P. T. Surendran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ' OF INCOME-TAX

### ACOUISTION RANGE-D BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Rcf. No. AR.II/37FE/4915/83-84.---Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 303, Arti Apartments, C1S. No. 1027, Yari Road, Versova, Andheri (W) Rombay-61

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

Authority at Bombay on 4-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 103—456GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 303, Arti Apartments, CTS No. 127, Yari Road, Versova, Andheir (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37FF/4915/83-84 on 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

(1) M/s. Asian Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ayub Masood Khan.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4916/.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 203, Arti Apts 2nd floor, CTS 1027, Yari Road, Versova Andheri (West), Bombay-400 061

(and more fully described in the schedule annoxed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 203, Arti Apartments, 2nd floor, CTS No. 1027, Yarl Road, Versova, Andherl (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/4916/83-84 on FIFTE 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely in the said Act, to the following namely in the said Act, to the said Act, to the following namely in the said Act, to the said Act, to the following namely in the said Act, to the s persons, namely :--

Date: 15-1-1985

(1) M/s. Asian Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Fatma A. Fahim.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/4917.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 103, Arti Apartments, CTS 1027 Yari Road, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed herete).

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103, Arti Apartments, CTS 1027, Yari Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. 9A.II/37EE/4917/83-84 on 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

(1) M1. C. T. Advani & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Mariamz Lakdawala,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.IJ/37FE/4925/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. F-15, Evershine No. 2, Versova Road,

Andheri, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 80 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

1

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No. F-15, Evershine No. 2, Versova Road, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/4925/83-84 on 17-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Mr. Varghese Samuel Mis. A. Samuel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME .
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. Thomas Mathew.

(3) Transferee.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR II/37EE/4939.—Whereas, I,

LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing Flat No. 2, Building No. 3, Bhawani Nagar, Marol Maroshi

Road. Andheri (Fast) Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Building No. 3, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road. Andheri (East) Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4939/83-84 on 18-5-1984.

LAXMAN DAS
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-1-1985

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Kishore J. Bahanania & Shekhar J. Bahanania.

.(Transferee)

(3) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P). Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II
ROMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/4993.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat 502 on the 5th floor in the Building Crossgates-A at Plot No. 334 of S. No. 41 (Part), 4 Runglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. In respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 502 on the 5th floor in the building Crossgates-A at Plot No. 334 of S. No. 41 (Part) 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4993/83-84 on 18-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the taid Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

### ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No AR.II/37LE/5029.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 11 on the ground floor in building Sunnyside at Plot No. 355 of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984 (or an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: nad /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M1. Tanveer Bashir Khalfey.
- (2) Mr. Gulam Mustufa Haji Usman.

(Transferor)

(Transferce) (3) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

\_ ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 11 on the ground floor in the building Sunny-side at Plot No. 355 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the \*Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5029/83-84 on 19-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

(1) Ashirwad Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5056/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 10, 3rd floor, A Wing, 'Abhishekh Oshiwara,

Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mis. Surckh Λ Bhatt & Mr. Atun N. Bhatt.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, A Wing, Abhishek', Plot No. 12, formerly part of Survey No. 41 (pt) of Village, Oshiwara, Taluka, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FF/5056/83-84 on 4-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985 Ref. No. AR.II/37I Γ/5057/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

Flat No. 28, 1st floor, Aashirwad, Oshiwara, Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 104—456GI/84

Į

(1) Aashirwad Enterprises.

(Transferor)

(2) Mis Kamplesh K Maheshwari.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 28, 1st floor, B Wing, Aashirwad, Plot No. 11, formerly part of Survey No. 41 (pt) of Village Oshiwara, Taluka Andheri (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FF/5057/83-84 on 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

### FORM I.T.N.S .---

# (1) Aashirwad Enterprises,

(Transferor)

(2) Lalit G Soonderji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR.II/37EE/5058/83-84 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 52, 7th floor, Ashirwar, Andheri (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Lax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984 for an apparent consideration which is the latest the latest

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 52, 7th floor, 'Ashirwas' Oshiwara, Andheri (W), Bombay Plot No. 11, formerly part of S. No. 41 (pt) of Village Oshiwara Taluka, Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authorits, Pombay under No AR.II/37EF/5058/83-84 on 4-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely -

Date: 15-1-1985

Seil:

(1) M/s. Raviraj Developers.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss Lalita Jiwanlal Thakur. Mr. Lachhman Jiwanlal Thakur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/3°EE/5074.—Whereas, I, LAYMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and hearing

Flat No 505 in Wing '\' on 5th floor in Denzil Building, on Plot No. 31 of S. No. 41 (Part) Oshiwara. Versova, Andheri (West). Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at

Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi.hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 505 in Wing 'A' on 5th floor in Denzil building on plot No. 31 of S. No. 41 (Part) Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5074/83-84 on 19-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 15-1-1985

(1) Shaco Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43' of 1961)

(2) Asbok T. R.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSET COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37E1/5078.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shaco Apartments Krupa Nagar Road, Itla, Vile Parle (West), Bombay-56 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) factifitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferaction.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Shaco Apartments, Kruta Nagar Road, Irla, Vile Parle (W), Bombay -56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5078/83-84 on 19-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5084/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 207, 2nd floor, Velova Chetna Premises CHSL, Off J. P. Road, Ancheri (W) Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is tegistered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Miss Komila Wirk

(Transferor)

(2) Mr Kurgathy Chimani Laxman

(Transferee)

(3) Miss Komila Wirk

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd ooi, Versova Chetna Piemises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 142/143/A Versova, Off J. P. Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF 5084/83-84 on 19/5/1984.

> . LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 15-1-1985

(1) Inderiit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Agya Singh Kochar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II '37EE, 5086.--Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Flat No. 2 on 1st floor, A-Wing in Twin Towers, Plot No. 8A & 8B. S. No 41 (Part) at Village Oshiwara, 4 Bunglows, Off. J. P. Roud. Versova, Andheri (W. ) Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, A-Wing, in proposed building Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, 4 Bunglows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5086/83-84 on 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 15-1-1985

(1) M/s. Vijay Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Deepak Doshi Trust.

(Transferec'

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5089.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, 'Acropolts' Plot No. 28 S. No. 41 (P), Oshivara, Andheri (W) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in rea pect of any income arising from the transfer and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned

(b) by any other person interested in the said unmove-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herea ... are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202, second floor, 'Acropolts' on plot No. 28, S. No. 41(P) Village Oshivara, Taluk Andheri (West) Borrbay.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No AR.II/37EF/5089/83-84 on 2-1-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Pato: 14-1-1985.

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

\_\_\_\_\_\_

### FORM LT.N.S ----

(1) Smt. Sophia S. Gulati

(Transferor)

(2) Miss Shirley Lee.

(Transieree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5095.—Whereas, I, LAXMAN DAS

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7-B, Ground floor, Osman Chambers, Juhu-Tara, 2nd Pandhya Lane, Bombay-49.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and for
- (b) faculating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45, days from the date of the publication of this notice in the Official January Branch Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7-B, Ground floor, Osman Chambers, Juhu-Tara, 2nd Pandhya Lanc, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5095/83-84 on 19-5-1984.

> . LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 15-1-1985

Scal ;

### FORM I.T.N.S.-

- (1) Asian Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Shri Balkrishan N. Sardesai'

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5106/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000 - and bearing Flat No. 4A, Lila Apartments, Opp. Gulmohar Gardens, Yari Road, Andheri West, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 4A, Ground floor, Lila Apartments, Opp. Gulmohar Gardens, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5106/83-84 on 4-5-1984.

. LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

105—456G1/84

Date: 15-1-1985

Seal ·

### FORM ITNS----

(1) Shaco Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpaben D. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5132.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 302, 3rd floor, Shaco Apartments, Krupa Nagar

Road, Irla, Vile Parle (West) Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o' 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, Shaco Apartments, Krupa Nagar Road, Irla, Vile Parle (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5132/83-84 on 22-5-1984.

. I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-1-1985. Seal:

(1) Bharat Trading Co.

(Transferor)

(2) P. K. Bhatt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5134/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. J. Ground floor, C Bldg. Chandan Apartment, Irla Gaothan Vile Parle East, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been trans(ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21/5/1984

PART III—SEC. 1]

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, C Building, Chandan Apartment,

Irla Gaothan, Vile Parle West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5134/83-84 on 21-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Вошьчу.

Date: 15-1-1985

(1) Mr. Anand S. Shetty C/o. M/s. Chetna Metal Industries

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5139.—Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Unit No. 9, Jai Mahavir Industrial Estate, Sakinaka, Bombay-72.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trans(ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Dattatraya Waman Pawar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any museys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 9, Jai Mahavir Industrial Estate, Sakinaka Bombay-400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/5139/83-84 on 22-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato :7-1-1985

# (1) Shri Jagdip Aivind Meichant. Smt. Gira Jagdip Merchant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dadamehand Tarachand Jain Smt. Sushiladevi Dadamchand Jain

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5153.—Whereas, I, LAXMAN DAS

\_\_\_\_\_

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomi-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

Flat No. 32, 31d floor, Laxmi Apartment Village Chak.la, Andhen (East) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trans ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have yeason to believe that the fair market value of the property as aforcsail exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 32 in Laxmi Apartment, Village Chakala, Andheri (East) Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5153/83-84 on 21-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 45-1-1985

(1) M/s. Roshma Constructions.

(Transferor)

(2) Prof. (Mrs.) Leela Joshi.

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5161.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 302, A-Wing, Georgina, 3rd floor, at village Sherly Rajan, Bandia, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Stetion 269AB of the noome tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnates with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this sotice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, Geotgina 'A' Wing. 3rd floor, in the proposed bldg. on plot bearing CTS No C/1308, 1284, 1283 and 1304 at Village Sherly Rajan Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5161 on 22-5-

1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-1-1985

(1) M/s. Ravirai Developers.

(Transferor)

(2) Miss Maya Jethmal Chatlani.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.11/37EE/5164/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 602-B on 6th floor in Denzil at 31 of S. No. 41

(Part) Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West)

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tien and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 602-B on 6th floor in Denzil at 31 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/5164/83-84 on 21-5-84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-1-1985

### FORM ITNS---

(1) Mr. Prakash M Ayer

(Transferor)

(2) Mr. Mallikarjun M. Aiyar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Oshivara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property remay be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No AR.II/37EE/5187/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 302, 3rd floor, Greenfields-B' Four Bungalows, Versova, Andhen (W) Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transificated and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, 'Greenfields-B' Plot No. 333 of No 41(Pt), Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5187/83-84 on 23-5-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-1-1985

Sent -

# FORM JTNS-

NOTICE (JNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGÉ-II BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref No AR.II 37EE/5185.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/s and bearing No

rnovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No 605, 6th floor, Arena-A, Plot No. 338 S No 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer unit/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

106-456 GI /84

(1) M/s Yazmin Corporation,

(Transferor)

(2) Mt L B Kazani & Master Zaheer Aboas

(4) Oshivara Land Development Co (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to

whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objectitons, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the some meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor in the Building Aiena-A at Plot No. 338 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/5185/83-84 on 23-5-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date 14-1-1985 Seal

(Person in occupation of the property)

## FORM ITNS------

(1) Mr. Rajaniohai J. Vyas.

(3) Transferor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mi Sharad Jagjiwandas Mehta,

(Fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5188/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

Flat No. 301, 3rd floor, A Wing, Ashik Apartments, 1-C, Tejpal Scheme, Vile Parle East, Bombay-57.

(and more felly lescribed in the schedule annexed hereto), has been tran iferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, A Wing, Ashik Apartments, 1-C, Tejpal Scheme, Vile Parle East, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, H537LE/5188/83-84 on 22-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bomb 1y.

Date 15-1-1985

Soil:

PART III—SEC. 1)

#### (1) Shri Vency Pereira FORM ITNS-

( Fransferor)

(2) M/s Thakur (onstructions. (Tranferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

9FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 15th January 1985

Rof No AR II 37LE 5198 —Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/ and bearing No

Moriety share in plot bearing No 37, CTS No C/627, Poly carp Lodge New Kantwadi, Perry Road, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-5 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Morety share in plot bearing N (A. No. 37, C.T.S. No. C/627, known as Polycarp Lodge, New Kantwadi, Perry Rd, Bandra, Bombay-50

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No AR II/37EE/5198 on 25-5-84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 15-1-1985

(1) M/s. Hiranandanı Builders

(Transferor)

(2) Joseph Timotio Menezes.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Rcf. No. AR.II/37EE/5201/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Flat No. 109. Jupiter Apartments, Humandani Istate, Four Bungallows, Andheri (West). Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in tht office of the Competent Authority at Bombay on 24/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transier with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 109, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/5201/83-84 on 24-5-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 15-1-1985.

(1) M/s King's Industries.

(Transferor)

(2) Shri K. S. A. Mohideen.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5204/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000;

and bearing B-Bullding, Unit No. 15, 1st floor, Saraf Kasker Indl. Estate,

transfer with the object of :-

B-Building, Unit No. 15, 1st floor, Saraf Kasker Indl. Estate, Oshiwara Builde, Jogeshwari (West). Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proceedings for the acquisition of the aforesaid proceedings for the acquisition of the aforesaid procedure by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

B-Building, Unit No. 15, 1st floor, Saraf Kaskar Indl. Estate, Oshiwara Bridge, Jogeshwari (West), Bombay-400 060.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARJI/37EF/5204/83-84 on Authority, 24-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-1-1985

(1) M/s. Yazmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Danwant Motilal Kantol.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

١

(3) M/s Oshiwaia Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5208/83 84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 701, 7th floor in the building Green Fields-B at Plot

No. 333 of S No. 41 (Part), I 4 Bungalows, Andheri (W). Bombay-58

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income tax tat, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested a the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereiz as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 701 on the 7th floor in the building Green Fields-B situated at Plot No. 333 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5208/83-84 on 25-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-1-1985 Seal:

(1) M/s. LZ Investments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Renuka Nayar.

(Transferee)

to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5209/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 704 on the 7th floor in the building Richmond at

Plat No. 704 on the 7th hoor in the building Richmond at plot No. 13 (New No. 345-A) of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-rax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than

market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ned/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(3) M/s. Oshiwa a Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 704 on the 7th floor in the building Richmond at Plot No. 13 (New No 345-A) of S. No. 41 (Part) Four Bungalows. Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR II|37EE|5209|83-84 dated 25-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Rcf No. AR.II/37EE/5210/83-84—Wherens, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25 000 /- and hearing

Rs. 25,000/r and bearing Flat No. 703, 7th floor in Richmond at Plot No. 13 (New No. 345-A) of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andhen (Wast), Rombay

Andhem (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-bax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25 5-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Lz Investments.

(Transferor)

(2) Mi Ripan Kumar Nayar.

(Transferee)

(3) M/s. Oshiwata Land Development Co. (P) Ltd (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor in building Richmond at Plot No. 13 (New No. 345-A) of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/5210/83-84 dated 25-5-1984.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 14-1-1985

Seal ;

(1) Shri Ashok M. Shah.

(Transferor)

(2) Smt Zarina Bharmal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5222/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing
Flat No. 110 on 1st floor at Everest Building at Jay Prakash
Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid averaged, the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 110 on 1st floor at Everest Building at Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5222/83-84 on 25-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 107-456GI/84

Date: 14-1-1985

(1) M/s. Hitesh Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Meena Vijay Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5230/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 301, Suman Building, S. No. 27, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri West, Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 24/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, Suman Building, S. No. 27, C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5230/83-84 on 24/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15-1-1985

(1) M/s. Hitesh Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Neelam Satish Gupta.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5231/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Hat No. 302, Suman Building, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, Suman Building, S. No. 27, C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/5231/83-84 on 24/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 15-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5232/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 303. Suman Building, S. No. 27 C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Hitesh Construction Co.

(Transferor)

(2) Satish J. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter. -

# THE SCHEDULE

Hat No. 303, Suman Building, S. No. 27, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π/37EE/5232/83-84 on 24/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Hitesh Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Phoolwanti J. Gupta.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5233/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

an dbearing No Flat No. 304, Suman Building, Yari Road, Versova, Andheri West Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/ori
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 304, Suman Building, S. No. 27 C.T.S. No. 1206, Yarl Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5233/83-84 on 22/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

(1) M/s. Hitesh Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mrs. R. Mohini Narsing Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

· OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5234/83-84.—Whoreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 503, Suman Building, Yarl Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expraons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Suman Building, S. No. 27, C.T.S. No. 1206. Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5234/83-84 on 22/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

# (1) M/s. A. S. Builders.

(3) Transferee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Louis Machado. Mis Marchline Machado

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5252/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Flat No. 301, Mapkhan Nagat, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, Mapkhan Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/5252/83-84 on 25-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-1-1985

(1) M/s. A. S. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Nisar Ahmed Bcg and Mr. Nahid Beg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mr. Nisar Ahmed.

. (Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5253/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 403, D. Building, Mapkhan Nagar, Marol Maroshi Road, Andheni (Fast), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 403, D Building, 4th floor, Mapkhan Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5253/83-84 on 25-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-1-1985

(1) Mrs. Pauline D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sureshbhai Poonamchand Varama,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref., No. AR.11/37EE/5256/83-84.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-4, Varsha Milan Varsha Colony, Sahar Road, Andheri (ast), Bombay-400 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the enid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazer's

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-4, Varsha Milan Varsha Colony, Sahar Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5256/83-84 on 26-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
108—456GI/84

Date: 7-1-1985

## FORM LT.N.S .--

(1) Smt. Sushila Bhanushankar Vvas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jayshree N. Shetty,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY 🛝

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5264/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 4, Building No. 5, Andheri Varnanagar Co-op. Hsg. Soc. 1td., Old Nagatdas Road, Andheri (E), Bombay-69 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26 5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: mod/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Building No. 5, Ground floor, Andheri Varnanagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Old Nagardas Road, Andheri (Fast), Bombay-69

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE 3264/83-84 on 26-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1985

PART III--SEC. 1)

FORM ITNS-

(1) Pereira Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Vera Clarissa Edwardes.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMPTAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR, II / 37EE / 5266 / 83-84. - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing

Flat No. 3, 2nd floot in Archlyn Plot No. 12. Kantwadi Scheme of the Salsette Catholic Co-op. Housing Society Ltd.,

St. Paul's Road, Bandra, Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed Lercto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on theh respective respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 2nd floor in 'Archlyn' Plot No. 12, Kantwadi Scheme, Salsette Catholic Co-op. Housing Society Ltd., St. Paul's Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/5266/83-84 on 26-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# ,

İ

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5285/83-84.—Wherens, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Plot of land bearing No. 242 in Sher-E-Punjab Co-op. Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduntion or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Mrs. Rai Mchra.

- (Transferor)
- (2) Vishva Associates.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 242 in Shei-E-Punjab Cooperative Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (Last). Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/5285/83-84 on 26-5-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-1-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

1 7 7

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5616/83-84 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 503, Versova Woodland Co-operative Housing Society Ltd., Lakhandwala Complex, Off 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58

fand more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lokhandwala Development Corporation.
  (Transferor)
- (2) Miss B. Sood,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Versova Woodland Co-operative Housing Society Ltd., Lokhandwala Complex, Off 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5616/83-84 on 21-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

(1) Shri Ramakant Vasudeo Pai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ansa Builders.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5623/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable walks averaging Rs. 25,000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Unit No. 18A Ground floor of Building No. A1, Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this socice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 18A on Ground floor of Bldg. No. A1 Ansa Industrial Estate, Saki Vihar, Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5623/83-84 on 26/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1985

## FORM TINS-

(1) M/s. L. S. Investments.

(Transferor)

(2) Mr. Sartaj Singh Thukral,

(Transferee)

\*\*OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to interested in the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EF/5626/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing

Flat No. 5'.3. 5th floor in the Bldg. Richmond at Plot No. 13 (New No. 345.A) S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri W. st. Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are deried in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 503 on the 5th floor in the building Richmond at Plot No. 13 (New No 345-A) of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5626/83-84 on 26/5/1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-1-1985

Scale:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s LZ Investments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Rajwans Thuktal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Ref. No. AR.11/37EE/5627/83-84.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein to

Flat No. 504 on the 5th floor in the building Richmond at Plot No. 13 (New No. 345-A) of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 504 on the 5th floor in the building Richmond at Plot No. 13 (New No. 345-A) of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/5627/83-84 on 26/5/1984. The agreement has been registered by the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authors Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Sombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nam

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/5637/83-84 -- Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
Flat No. B-25, 3rd floor, Krishna Society, Juhu Road, Juhu.

North Bombay-49,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at 26/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pattiyai Prabhakaran.

(Transferor)

(2) Prakash G. Prekh and Smt. Kshama Prakesh Parekh.

(Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have a period to the contribution lates. whichever period expires later;
- (b) by any other person laterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-25, 3rd floor, Krishna Society, Juhu Road, Juhu,

North Bombay-49.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5637/83-84 on 26/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---109--456GI/84

Date: 15-1-1985

- (1) Shri S. V. Vaswani.
- (Transferor)
- (2) Mr. Datey Abdul Rashid Hasan.

(Transferce)

(3) Transferce. (Person in occupation of the property),

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5653/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Shop No. 15, Versova Jank Deep Co-op. Housing Society
Ltd., 7 Bungalows, Versova, Bombay-61,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 15, Versova, Jank Deep Co-operative Housing Society Ltd., 7 Bungalow, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5653/83-84 on 21/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

Seal :

Nok, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons procedure. ing persons, namely :-

### FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5655/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 11, 3rd floor, Plot No. 308 Satchidanand Co-op. Housing Society Ltd., N. P. Thakkar Road, Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 21/5/1984,

for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have recoon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evusion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 4957 (27 of 1957);

(1) Smt. Chandrakanta L. Joshi,

(Transferor)

(2) Smt. Savitaben C. Vora and Narendra C. Vora.

(Transferee)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Plot No. 308, Satchidanand Co-op-Housing Society Ltd., N. P. Thakkar Road, Vile-Parle (East), Bombay-400 057

The igreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/5655/83-84 con 21/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5667/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Industrial Gala No. 22-A, Nandkishore Industrial Ed Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 093. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 28/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifte-in percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /01

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. L. K. Industries. Partners of (1) Shri R. D. Haran,

(2) Shr. Auil Gupta, HUF.

(Transferor)

(2) (1) Mahendia S. Joshi,

(2) Smt, Premila Mahendra Joshi (3) Smt. Uhavanna H. Joshi,

(4) Shir Mukesh II. Joshi & (5) Master Manish H. Joshi.

(Transferce)

(3) Transferor (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 22-A. Nandkishore Industrial Estate, Mahakali Caves Road. Andheri (East), Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARJI 37EE/5667/83-84 on

28/5/1984.

LAMIAN DAS Competed Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 7-1-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Rajeshwar Kumar Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Mrs Dipti & Pitel (2) Dr. Kirti Patel and (3) Mr. Ramesh P. Patel

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1985

Ref No AR II/37EE/5671/83-84—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the marrovable property having a fair market value exceeding

ks. 25,000/- and bearing No

B/32, Anand Milan Premises Co-ope ative Society Ital Santacruz Sub-way Road, Bombay-400 054,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er ~ / / J
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in wr.ting to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:-

## THE SCHEDULE

Flat No B 39, Anand Milan Premises Co-operative Society Syntactuz Sub-way Road, Bombay-54
The agreement has been registered by the Competent Authorit, Bombay under No AR II/37EE/5671/83-84 on

28 '5 / 1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assist int Comanism oner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Tre 21 1185

real:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5673/83-84.—Whereas, 1. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 405, Municipal Corporation of Greater Bombay Stalls Gilbird Co-op. Housing Society Ltd., Gilbird Hill Andheri (West), Bombay-400 058, (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been t ansferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 21/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Paranjit Kaur.

(Transferor)

(2) Shri Tukaram Dhondu Karadkar.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Transferor and Transferee.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gacette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No 405. Municipal Corporation of Greater Bombay Staff's Gilbird Co-op. Housing Society Ltd., Gilbird Hill, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5673/83-84 on 21/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

- (1) Bombay Housing Corporation.
- (Transferor)
- (2) Mr. G. K Shinkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE IF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR,II/37EE/5678/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Flat No. 110, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungatows, Versova, Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHPDULE

Flat No. 110, Anjali, Plot No. 2, B. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/5678/83-84 on 26/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

[PART III-SEC. 1

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No AR 11/37E1/5692/83-84 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 16/242 Ground floor, Sweet Sixteen Co-operative Housing Society, Azad Nagar, Andheri (West), Bombay-88, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Computent Authority at Bombay on 28/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Narumal Mulchand Jhangiani,

(Transferor)

(2) Melioy Arthur D'Mello.

(Transferce)

(3) Transferce, (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 16/242 Ground floor, Azad Nagar, Andheri (W), Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No AR II/37EE/5692/83-84 on 28/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U, BOMBAY

Bombay the 7th January 1985

Ref. No. AP II/37FE/5693 -- Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Unit No. 18 in Madhuben Industrial Fstate, Off. Mahakali Caves Road Andheri (Fast), Bombay-93, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regulated under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Com ctent Authority at

Bombay on 28/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely :--

110-456GI/84

(1) Uma B. Gupta, Anita S. Gupta

(Transferor)

(2) M/s. Art Pack.

(Transferee)

(3) Transferors. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No 18, Madhuban Industrial Fstate, Off, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5693/83-84. on 28/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-1-1985

- (1) Little Flower Co-operative Housing Society Limited. (Transferor)
- (2) M/s. Vaibhav Land Development Corporation. (Transferee)
- (3) Tillers & Occupats by the name of Arjun D, Oradhara and Two others. (Person in occupation of the property).

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5718/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Piece of land bearing Final Plot No. 427 (Part) reserved of the Bandia Town Plannig Scheme III situated at 15th TPS III, Bandra City, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land bearing Final Plot No. 427 (Part) reserved of the Bandra Town Planning Scheme-III situated at 15th TPS III, Bandra City, Bombay.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5718/83-84 28/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 15-1-1985

(Transferec)

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Anthony Dominic Mendonca.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5719/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Apna Ghar Unit No. 5 CHS Ltd., Oshiwara, Otl. J.P. Road, Near Four Bungalows, Andheti (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Schedule 260 Ab. of the Income Tox. Act 1961. Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

## THE SCHEDULE

Apna Ghar Unit No. 5 CHS Ltd., Oshiwara Off, J.P. Road, Near Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5719/83-84 on 4-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Jav Alias Domnic Pereira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nikesh Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants. (Person in occupation of the property),

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref. No. AR,II/37EE/5730/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land with structures bearing CS Nos. 661, 661/1, 661/2 & 661/3 of village Vile Parle (West) Irla Gavtham, Bombay-

400 056.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28/5/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective rersons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with structures bearing S. No. 661, 661/1, 661/2 and 661/3 of village Vile Parle (W) Irla Gavtham, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/5730/83-84 on 28/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

Date: 7-1-1985

Scal:

(1) J. D. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Champalal Agarchand Jain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5996/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'waid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 4 and 3rd floor of Vidhya Villa No. 3A at 24C/A, Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Comectent Authority at Bombay on 28/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 and on 3rd floor of Vidhya Villa No. 3A at 24C/A, Old Nagardas Road, Andheri (West), Bombay 69. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5696/83-84 on 28/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6103/83-84.—Whereas, J,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 102 and Garage in building Marylands, North Avenue, Santacruz (W) Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the effice of the Competent Authority at Bombay on 28/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for · And was
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M. E. Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Rahul Dev Burman.

(Transferee)

(3) Transferor (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property \_ may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later'
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 102 & Garage in building 'Marylands' North Avenue, Santacruz West, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/6103/83-84 on 28/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

Soul :

(1) Smt. Anita Advani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Marium Suleman & Other.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6120/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 604, 6th floor, Kohinoor Apartments 'A' Jogeshwari (W), Bombay-60,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Kohinoor Apartments 'A' Jogeshwari (W), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/6120/83-84 on 28/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-1-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Cedric 'Rebello.

(Transferor)

(2) Mr. Mariano Simon Pereira.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA?

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1985

Ref No. AR.II/37EE/6834/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

Flat No B 4 1st ficor. On Som Tirth Co-operative Housing Society I d. 35 She ly Ra an Read, Bandra, Bombay-400 058. tand more fully d abed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is legistered under Section 269AB of the Income-Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which, have not been or which ought to be disclosed by the transferee fee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-4, first floor, Om Som-Tirth Co-operative Housing Society Ltd. 35 Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/5634/83-84 on 25/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-1-1985

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6870/83-84.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 18, A Wing, Aashirwad, Oshivara, Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of

Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4/5/1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I he ehv initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :-

129-446 GI /84

111--456G1/84

(1) Aashirwad Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Ajita R Shah. Mr. Rainikant R Shah.

(Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property).

(4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 18, A Wing, Aashirwad, Oshiwara, Plot No. 11, S No. 41 (Part), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6870/83-84 on 4/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-1-1985

(1) Shri Haresh D. Kotwani.

(Transferor)

(2) Sri Prabhakar Narayan Mohile.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12193/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B/5, Ground floor, 'B' Building Sunit Niwas Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 89-90 near 4 Bungalows, Jal Prakash Road, Andheri (West), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B/5, Ground floor, 'B' Building Sunil Niwas Conferative Housing Society Ltd., Plot No. 89-90 Near 4 Bungalows, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12193/83-84 on 1/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12198/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

bein gthe Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 301, 3rd floor in the building Prime Rose at Plot No. 318 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Salim Mohammed Sani Son of Late Mohammad Mahamood Sani.

(Transferee)

(3) Nil.

(4) M/s. Oshiwara Land Development Corporation.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExpLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hat No. 301 on the 31d floor in the building Prime Rose at Plot No. 318 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheii (West), Bombay-58.

The nurcement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12198/83-84 om 1/5/1984.

LAXMAN DAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-II, Bomoay

Date: 14-1-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12199/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/-

and bearing Shop No. 2. Ground floor, Building Clarified at Plot No. 15 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Mrs. Laxmi Ramesh Bhatta and Mr. Ramesh Thakurdas Bhatia.

(Transferor)

(2) Mr. Hassan Ali Mirza.

(Transferee)

- (3) Nil.
- (4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE .

Shop No. 2 on the ground floor in the building Claufield at Plot 15 of S. No. 41 (Part). Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12199/83-84 on dated 1-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissione: of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1985

(1) M/s. Yasmin Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Peter Nolasco I D'Souza.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(4) M/s. Oshivara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/371 E/12200/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 102, 1st floor. Crossgates-B, Four Bungalows Versova, Andherr (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fautoral market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated to the call instance. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, in the building 'CROSSGATES-B' Plot No 334 of S. No. 41 (pt), Four Bungalows Versova, Andherr (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12200/83-84 on 1-5-1894.

> LAXMAN DAS Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-1-1985

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GUVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Laxman D. Kotwani.

(Transferor)

(2) Shri Vinay Prabhakar Mohile.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR II/37EE/12205/83-84,---Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

rand bearing No.
Flat No. B/6, Ground floor, 'B' Wing, Sunil Niwas Co.op.
Housing Society Ltd., Plot No. 89-90 Near 4 Bunglows, Jai
Prakash Rd., Andheri (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trinsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any . moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No B/6 Ground floor, 'B' Wing Sunil Niwas Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 89-90 near 4 Bunglows, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12205/83-84 on 1-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 14-1-1985

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. Amardeep Brothers.

(Transferor)

(2) Mr. Shamsuddin Mehiddin Ali Bapu.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

No. AR. 11/37EE/12210.—Whereas, I, LAXMAN Ref. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-

and bearing No. Flat No. 703, 7th floor, Thakker Apartments, C.D. Barfiwala Marg, Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lucome-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor Thakker Apartment, C. D. Barfiwala Marg. Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bon 2-5-1984. Bombay under No. A.R. II/37FE/12210/83-84 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay, ...

Dated: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR. II/3EE/12211/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. All. Our Home Co-op., Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 18—21, Adj Dhake Colony, Andheri, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mrs. Sara And Icuis.

(Transferor)

- (2) Mr. Ramesh S. Wadke & Mr. Girish S. Wadke. (Transferee)
- (3) Transferees and their family.
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. All Our Home Co-op., Housing Soc. Ltd., Plot No. 18—21, Adj Dhake Colony, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authorit. Bombay under No AR. II/37FE/12211/83-84 on 1-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 15 1-1985, Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th January 1985

Ref. No. AR-II/37EE/12212/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 205, 2nd floor, Raj Mahal Apartments, Jogeshwari (East) Bombay 400 060

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

112—456GI/84

- 1. Mr. Bhimrao Kashirao Thakre
   2. Mr. Arun Bhimra Thakre.
- (2) Mr. Navendra Inibrithna Goravi

(Transferor)

(2) Mr. Narendra Jaikrishna Gosavi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, Raj Mahal Apartments, Near B.M.C. Garden, Express Highway Jogeshwari (East), Bombay-400 060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12212/83-84 on 2-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 5-1-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bembay, the 14th January 1985

AR. II/37EF/12227/83-84.—Whereas I, Ref. No

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

No. Flat No. 404, 4th floor in the building Harmony-B at Plot No 343, S No. 41 (Part) four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. M/s. Yasmin Corporation

(Transferor)

(2) Mohd. Farooq Alni & Mrs Mona Alni.

(Transferce) (4) Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Per on whom the undersigned

knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, 'Harmony B at Plot No. 343 of S. No. 41, (Part) Four Bungalows, Versova, Andhri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authory, Rombay under No. AR, II/371-1/12227/83-84 on 4-5-1984.

> LAYMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay.

Dated: 14-1-1985.

(1) Shri Brijkishore Sharma.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Valiben Dhanji Patel & Shri Dhanji Gela Patel. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref No. AR. II/37 EE/12228.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs 25000/-and bearing

Soc. Ltd., Manish Nagar, Andheri (West), Bombay-58, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered inder Sect on 269AB or the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4 5-1984

not an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesald property, and I have reason to believe that the narr market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay are under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salet, I hereb untitle proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sup-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- th) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20 at Manishnagar, Andheri (West) Shree Sahjanand Krupa Co.op. Hsg. Society Ltd., Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12228/83-84, dt. 355-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombey.

Dated: 15-1-1985

Seal

section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR. 11/37EE/12231.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

41 (Part) Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the canon market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the sent than the sent than the sent than the sent transfer as agreed to sent the sent transfer as agreed to the sent between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbing from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Raviraj Corporation.

(Transferor) (2) Mr. Mohamad Yusuf Hingwala & Mrs. Rahimabai M. Hingwala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 301 on 31d floor in Citizen, Plot No. 27, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Andheri (West) Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authory, Bombay under No. AR. II/37EE/12231/83-84 on

rity, Box 3-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 15-1-1985 Soal .

- (1) M/s. Raviraj Corporation.
- (Transferor)
- (2) Mr. Shaikh Shabbir Amir.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

No. AR. II/37FE/12233/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor 'Citizen' Plot No. 27, of S. No.

41 (Part) Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'Citizen' Flat No. 601 on 6th floor, Plot No. 27 of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Oshiwara, Versova Andheri (W). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II. 37EE/12233/83-84 on 3-5-84.

> **EAG NAMXAL** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 15-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12238/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Flat No. 408-A on 4th floor in Denzil Bldg., at 31. S. No.

Flat No. 406-A on 4th floor in Denzil Bldg., at 31, S. No. 41 (Part). Osiniwara. Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has bc.n ransferred and the agreement is registered under Section 269 B of the Income Tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) M/s. Ravirai Developers.

(Transferor)

(2) Mulchand Kundandas Manwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said oroperty may be made in writing to the undresigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 406-A on 4th floor in Denzil Bldg. at 31 S. No. 41 (Part) Oshaiwara, Four Bunglows Andheri (West). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II/37EE/12238/83-84 on 3-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 15-1-1985

(1) M/s. L Z Investments.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12239/83-84 -- Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No

that No. 502 on the 5th floor in the building Richmond at Plot No 13 (New Plot No 345 (A) of S. No. 41 (Part) 4 Bunglows Versova, Andhrii (West). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tansferred and the agreement is registered under Section 262'B of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor TOTAL THE
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (2) Mr. Hessan Iqbalali Qaisarali Merchant. (Transferee)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the / Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 502 on the 5th floor in the building Richmond at Plot No. 13 (New Plot No. 345 (A) of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The Agreement has seen registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37/12239/83-84 dt. 4-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-1-1985

(1) Shri Kuthbudeen Gulam Hussain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Dharamveer Ram.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985 ..

Ref. No. AR. II/37EE/12259.—Whereas J, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. A-1, Vishwageet Co-operative Society Ltd., our Banglows Road, Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-1, Vishwageet Co operative Housing Society Ltd. 4 Bunglows Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12259/83-84 on 4-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-1,1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S .--

(1) Mrs. Zarina ziz Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Javed Akhtai Siddiqui & Mrs. Nayanatara Siddiqui. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12267/83-84.--Whereas, L. LAXMAN DAS,

> EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Flat No. 33, Guin Nagar Bldg. No. 11, New Akhand Jyot Premises Co-op. Hsg. Soc. J.P. Road, Andhen West, Rombay, 58

Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

THE SCHEDULE

Bombay on 4-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. In respect of any income arising from the transfer-

end/or

Flat No. 33, Guru Nagar Bldg. No. 11, New Akhand Jyotl Premises Co-op. Housing Society, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EF 12267/83-84 on 4-5 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-113-456 GI/84

Date : 15-1-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 1st January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12275/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No 8, 4th floor, Shree Sastha, Opp. New India Colony, Juhu Cross Lane, Andheri West, Rombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Acr, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, name'v

(1) M/s. Sitalaxmi & Co.

(Transferor)

(2) Shri S. Ramaswamy.

(Transferee)

(4) Housing Development & Finance Corporation Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective fundors whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 4th floor. Shree Sastha, Opp. New India

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12275/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 15-1-1985

#### FORM ITNS ....

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Turabbi Mohamed Khaja & Mr. Mohamed Khaja Shaikh Mehboob.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR II/37EE/12283. - Whereas, I, LAXMAN

DAS. oring the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. Flat No. 319-E, Anjali, Plot No. 2, S No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is, registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-5-1984

and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No 319-E, Aniali, Plot No. 2. S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andner (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II/37EE/12283/83-84 on 4-5-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :---

Date: 15-1-1985

- (1) Bombay Housing Corporation.
- (Transferor)
- (2) Mr. Govind Venkatrao Joshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Rombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12286/83-84.--Whereas, I, LAMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 120, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunga-

lows, Versova Village, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 120, Anali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Bomb iv.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12286/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 15-1-1985

PARI III-SEC. 1]

FORM ITNS

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Satish V. Tapkati, Mrs. Manjush S. Tupuari.

(Tiansferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR II/37EE/12288.—Whereas, f, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as tht 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 428, Aniali, Plot No. 2 S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Village, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Commerciant Authority, etc.

of the Competent Authority at Bombay on 4-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of th: Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDÜLE

Flat No 428, Anjai Plot No. 2 S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheii (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12288/84-85 on 4-5-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 15-1-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No AR. It/57EE/12290—Whereas, I, LAXMAN reads the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to b lieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No Flat No 4 on 2 ound 1900, of Vincett 'B' Bldg at Chakala, Anuheri (F), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the I come-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shashi Properties & Industries Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. Wilfred Dcosta.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 4 on ground floor or Vineeta 'B' Bidg. at Chakala, Andheri (East), Bombay

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR II/37EE/12290/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 15-1-1985

#### (1) Shashi Properties & Industries.

(Transferor)

(2) M Edward Thaddeus.

(Transferee)

CT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR. II/37EC/12291.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Flat No. 3, 2nd floor of Vineeta 'B' Bldg. at Chakala, Andheri (East), Bombay

(an I more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for cuh transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income, arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjects. (1) I Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the ervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 2nd floor of Vinesta B' Bulding at Chakala, Andheri (East), Bombos

The agrees and has been registered by the Competent Authority, Bombay under 117 AR. II/37EE/12291/83-84 on 5-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombar.

Date : 15-1-1985

(1) M/s. Raviraj Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Subhash Ramchandra Pewekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12296.—Whereas, I, LAXMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the reing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 101-B on 1st floor in Denzil Bldg. at Plot No. 31, S. No. 41 (Part). Oshiwara, Four Bungalow, Ahnderi (West) Rombar-58

(West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1984

Bombay on 5-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and the said instrument of transfer with the object of the consideration and the said instrument of transfer with the object of the consideration and the said instrument of transfer with the object of the consideration and the said instrument of the considera of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official (wazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101-B on 1st noor, in Denzil Bldg, at plot No. 31, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Four Bungalow Andheri (West). Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bo 5-5-1984. Bombay under No. 1R. II/37EE/12296/83-84 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-5-1984

(1) Shri Haishadiai Bhanushanker Vyas.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narayan G. Shotty.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.
(Person in occupation of the property) -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37FE/12301,—Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3 Ground floor in Bldg. No. 5 in Andheri Varmanagar Co-op. Housing Society Ltd. Andheri (W),

Rombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPENANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: und/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, Ground floor, Building No. 5, Andheii Varmanagat Co.op. Housing Society Ltd., Andheri-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR. II/37EE/12301/83-84 on 7-5-1984.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

LAXMAN DAS

Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date : 15-1-1985

Scal:

114-456 GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Dated the 15th January 1985

Ref. No AR. II/37EE/12305/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 8. 2nd floor, A Wing, 'Ashiward' Oshiwara, Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AP of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) factitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saroi K Mehta.

(Transferor)

(2) Smt. Kavita S. Gehi

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, A Wing of building 'Ashirwad' Oshivara, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12305/83-84 on 7-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authorit,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 15-1-1985

(1) Madhukar Shankar Kahane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mohini Lachmandas Shahami

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR. II/37EE/12306/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C-4 Gita, Prakash Housing Society Near Four

Bungalow, JP. Road Andheri West Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement 15 registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-5 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the toresant property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-4, Gita Frikish Housing Sect 1 Near Four Bungalows J. P. Road, Andher West Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Autho-bay under No. AR. II/37EL/12306/83-84 on 5-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 15-1-1985

(1) Mrs. Manju Mishra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vivek Prabhakar Nathana.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12310/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. G-202, 2nd floor, 'Sameer' Behind Avinash, J. P. Road, Seven Bungatows, Andheri West, Bombay-58. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office-of the Competent Authority at Bombay on 7/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. G/202, Sameer, Behind Avinesh. J. P. Road, Seven Bungalows, Andheri West. Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12310/83-84 on 7/\$/1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 15/1/1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s Bombay Builders.

(Transferor)

(2) Shri Ram Shricharan Yada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12316/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'enid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 12, Ground floor Building 'C', Yari Road, Vor-

sova, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground floor, Zohra Aghadi Nagar, Building No. 'C' Yari Road, Varsova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12316/83-84 on 7/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naimely:

Date: 15/1/1985

FORM NO. I.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Rombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12319 -Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 304 on the 3rd floor in the building Green Fields-B at Plot No. 333 of S. No. 41 (Part) 4 bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

Bombay on 1/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) faculitating the concealment of any income or any meancys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following parson, namely 1 --

(1) M/s Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Mis. Vimla Bhatia.

(Transferce)

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 304 on 3rd floor in the building Green Fields-B

at Plot No 333 of S. No. 41 (Part), 4 Bunglovs, Versova, Andheti (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/12319/83-84 on 1, 5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 15/1/1985

(1) Mr. Shirazz Akaralai Meherali.

(Transferor)

(2) Mr. Son'l Kumar Das.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No.  $\Lambda R.II/37EE/12335/83-84$  —Whereas, I, LAXM $\Lambda N$  DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 411, 4th floor, Versova Manish Co-op. Housing Society Itd., Manish Nazar 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hetelo), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7/5/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Flat No. 411, 4th floor, Versova Manish Co-op, Housing Society Ltd., Manish Nagarm J. P. Road, Andheri (West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12235/83-84 on 7/5 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 15/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay the 17th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12336/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 2 & Shop No. 2 in Plot No. 34 Tarun Bharat Co.
op. Hag. Society Ltd., Dr. Karanjia Road, Chakala, Andheri
(East), Bombay-99.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of the transferor to pay wax unavor was properly respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) Mrs. Shalini Laxman Bhonde.

(Transferor)

(2) Mr. Ghisulal Anraj Nahar.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 & Shop No. 2 in Plot No. 34, Tarun Bharat Co.op. Housing Society Ltd., Dr. Karanjia Road, Chakala Andheri (East), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12336/83-84 018/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Date: 17/1/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12361/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Ground floor, Vibhavari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Four Bunglow Road, Andheri West, Bombay-58. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10/5/9184. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

115-456 GI/84

(1) Shri Jayant Namdeo Shivalkar.

(Transferer)

(2) Smt. Laxmiben Ratanahi.

(Transferee)

(3) Trasferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Vibhavari Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Four Bunglow Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12361/83-84 on 10/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 15/1/1985

(1) Shree Padmavati Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Durai Swamy Shridharan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12362.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43' of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No.
Flat No. 5, A Wing, 2nd floor, Shree Padmavati Developers,
Plot No. 54 S. No. 41 (P) Oshiwara, Andheri (West),
Rombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcriton (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, A Wing, 2nd floor, Shree Padmavati Developers, Plot No. 54 S. No. 41 (P) Oshiwara, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/12362/83-84 on 4/5/1984.

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14/5/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12363.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 4, B-Wing, 4th floor Shree Padmavati Developers, Plot No. 54, S. No. 41 (p), Oshiwara, Andheri (West),

Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shree Padmavati Developers.
- (2) Mmt. Vcena N. Jagasia.

(Transferor)

6463

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, B-Wing, 4th floor, Shree Padmavati Developers Plot No. 54, S. No. 41(p), Oshiwara, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12363/83-84 on 4/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15/1/1985

(1) Shree Padmevati Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chano K. Shivdasani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12365.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, A-Wing, 6th floor Shree Padmavati Developers, Plot No. 3, S. No. 41(p), Oshiwara, Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any locome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, thereby:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plat No. 5, A-Wing, 6th floor, Shree Padmavati Developers, Plo No. 54, S. No. 41(p), Oshiwara, Andheri (West, Bombay.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12365/83-84 on 4/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Pombey

Date: 15/1/1985

### Shri Manuel Chollappan Solaya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gopichand Gangaram Madhrani.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR,II/37EE/12378/83-84.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 4A/34, Versova View Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Four Bungalow Road, Andheri West, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter X. A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3A/34, Versova View Co-op. Hag. Soc. Ltd., Four Bungalow Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/12378/83-84 10/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 15/1/1985

(1) M/s Yaumin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12398.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 403 on the 4th fioor in the building reen Fields-B
Green Fields-B, at Plot No. 333 of S. No. 41 (Part), Four
Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the (ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mrs. Vranda Chandrashekhar.

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 on the 4th floor in the building Green Fields-B at Plot No. 333 of S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12398/83-84 on 11/5/1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 15/1/1985

(1) Smt. Kantaben Damodarbhai Gandhi.

(Transferor)

(2) Shri Abhay Dattatray Athalye, Mrs. Ashwini Abhav Athalye.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/12407.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

RS. 25,000/- and bearing
Flat No. 13 on 3rd floor, Sumeet, Plot No. 17, J. B. Nagar,
Andheri (West), Bombay-59.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred the agreement is registered under
Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at Bombay on 11/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experts later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13 on 3rd floor, Sumeet, Plot No. 17, J. B. Nagar, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been regisered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12407/83-84 on 11/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 15/1/1985

#### FORM FINS

(1) Srichand Vishnudas Lalwani.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Meenu Harish Pariani.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

(4) M/s Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .....

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/13402.--Whereas, I,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (443 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 1906-A on 19th floor 'Brighton Towers-A at Plot No. 356 of S. No. 41 (Part), 4 bunglows, Versoya, Andheri (West), Bombay-58.

> used herein EXPLANATION: —The terms and expressions are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the

Comptent Authority at Bombay on 11/5/1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hes said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Towers-A at Plot No. 356, of S. No. 41 (Part) 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered iby the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/13402/83-84 on 11/5/1984. Flat No. 1906-A on 19th floor in the building Brighton

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

LAXMAN DAS Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 15-1-1985. Soal:

(1) Harasiddh Corporation.

(Transferor)

(2) Pankaj J. Dubla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

TOTAL COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME IN

ACQUISITION RANG-II, BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

No. AR.II/37EE/17325/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No. Flat No. 6, 6th floor of the proposed building Nastel, Shri Swami Samaratha Prasanna Co-op. Housing Society Ltd Plot No. 78, Unit No. 638, Off J. P. Road, Andheri (West),

Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or think cought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-116-456 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 6th floor of the proposed building Nestle under construction Shri Swami Samartha Prasanna Co.op. Housing Society Ltd., Plot No. 78 Unit No. 638 Off J. P. Road. Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/17325/83-84 on 14/5/1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date · 14-1-1985 Seal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER INCOME-TAX

CTION 269D(1) OF THE T. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-II. BOMBAY

Bombay, the 14th January 1985

Ref. No. AR.I/37EE/37G/3635.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

New Survey No. 1/1554 (pt) CS. No. 375, Collector's New No. 1/4557 Mahim Division, Cadel Road, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section under the registration Act. 1908 (36 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on Bombay on 16/5/1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ..) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said A.t or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Zainab H. Rahimtoola.

(Transferor)

(2) Mr. Madhuffar Baba Kotiamn. Miss Narsi Madhukar Kotian.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. BOM. 2761/ 80 and registered on 16/5/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Comm ssioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-1-1985

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following namely:—

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said

#### FORM ITNS

(1) Felix Lawrence Fernandes alias Louis Feranandes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Blue Bird Co.op. Housing Soc. Ltd.

(Transfer ')

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendors and the Confirming Parties. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANG-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 14th January 1985

(b) by any other person interested in the said immova ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37G/3642.—Whereas, I,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Survey No. 278, 284, 287 Hissa No. 13 (Pt) 5 (Pt) 18 CTS No. 1456 (Pt) and 1457, at Village Danda, Sherly Rajan Bandra, Bombay. (and more fully described in the Schedule annnexed hereto). has been transferred the agreement is registered under Section under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Bombay on 25/5/1984.

LAXMAN DAS,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schdule as mentioned in the Registered Deed No. 2217/ 83 and registered on 25-5-1984 by the Sub-registrar, Bombay,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS . Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-1-1985

Seal.

#### FORM ITNS-

(1) Bharat Kumar C. Gandhi.

(Transfero,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nila Chetan Kothari.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Sombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8152/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe the the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office Bearing No. 33, Plot No. CTS No. 48 Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad (E), Bornaby-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the surrement is registered under Section.

has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Comptent Authority at

Bombay on 1-5-1984. Bombay on 1-5-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as barried to be the such that the such th parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or .

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by alty of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given , in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Bearing No. 33, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IIII/37EE/8152/83-84 dated 1-5-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shree Ganapathi Venkat Iyer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8173/83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS. I being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing That No. 303, 31d floor. F. Wing, Atlanta plot No. 38 off Valnai village, marve Road, Malad (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Comptent Authority at Bombay on 1-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) recilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incompany Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 xerane from :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 303 3rd floor, F. Wing Atlanta plot No. 38 off Valnai Village, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37EE/8173/83-84 dated 1-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 10-1-1985

\_\_\_\_

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Mansa A Shah and others.

(Transferor)

(2) Shri Hanuman Traders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF It is INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37G/8150/84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No 27 Plot bearing C.T.D. No 348 Laxmi Narayan Shopping centre Poddar Road, Malad (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Comptent Authority at Bombay on 1-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignes:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 27 plot beating CTS No. 348, Laxmi Narayan shopping centre, Poddar Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered in the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/8150/83-84 dated 1-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date : 10-1-1985 Scal :

(1) M/s Lubin Fnterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gulshan Sahni & Miss Gunita Sani. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No.  $\Lambda R.III/37EE/8128/84-85$ .—Whereas, I, LAXM $\Lambda N$  DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the mannevable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Shop No. 2, Ground floor, CTS No. 397, 397/1 to 6 Village Valnai, D. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Comptent Authority at Bombay on 1-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which the period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, CTS No. 397, 397/1 to 6, Village Valnai, J. B. Colony Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered in the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/8128/83-84 dated 1-5-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M. D. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Gopal K. Patel.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No AR III/37 E/7803/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No 37, Malad Vishvashanti co op. Hsg

Malad (E), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Comptent Authority at Bombay on 1-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market consideration the fair market was aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

37, Malad Vishvshanti co.op. Hsg. 40 Kedarmal Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7803/83-84 dated 1-5-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 10 1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8081/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the ininovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Flat No 6. 1st floor, plot No. 16/A C.T.S. No. 432 Village Valnai, orlem Malad (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Comptent Authority at Comptent Authority at

Bombay on 1-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 117—456 GI/84

(1) M/s Geendale Enterprises.

(Transferor)

(2) Miss Lorraine Carejo.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6 Plot No. 16/A CTS No. 430 village Valnai Orlem, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8081/83-84 dated 1-5-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Oswal Buildors. FORM I.T.N.S.----

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Vindhyayasani Prasidhnath Dubey and others. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8058/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred . to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 10 ground floor, Usha Building plot No. I situated at Village Malwani Malad (W) Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) ractitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the altoresant persons within a person of 45 days from the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Shop No. 10 ground floor, Survey No. 84, Himssa No. 1 to 5 Village Malawani Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8058/83-84 dated 1-5-84,

١

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-1-85.

(1) Smt. Mayawanti Batra and Pritam Singh (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod C. Kamra,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EF/7807/84-85 -- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No 31st floor Deep Sadan Coop. S.V. Rd. situated at Malad (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefore by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to he undersigned--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the 'purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 31st floor, Deep Sadan co-op. S.V. Rd. Malad (W). Bombay.

The agreement has been registered in the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7807/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-85.

(1) Birendra Kumar Verma.

(Transferor)

(2) Smt. Heralata w/o Dinesh Chandra.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8021/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S 591 to 595 and Right title

and interest in flat No. 32 in building No. A/2 Liberty Garden

Malad (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the, transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shares Bearing No. 591 to 595 and right title and interest in flat No. 32 in building A/2 of the Nau Sanrakshan Liberty, Garden, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8021/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-85.

(1) Shri Ashok G. Hemnanı.

(Transferor) (2) Shri Gulam Hussain Ali M. Seliya and others.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACJUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7716/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

Shop No. 16 Ground floor Mansorvor society Jun. of Govind Nagar and S.V. Rd, Malad (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961; in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-test Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 16 ground floor, Mansolovar Junction of Govind Nagar Rd. and S.V. Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7716/83-84

dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-85.

(1) Shri D. P Bheda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) Shri V. K. Gohil.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACJUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7689/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-unx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Snop No. 2 ground floor Om Jay Aradhana coop. 389 N. L. Rd. Somwar Bazar, Malad (W) Bembay.

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Ast, 1957 (27 ef 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExpLanation:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2 Ground floor, Jay Aladhana coop. Hsg. 389 N. L. Rd. Somvar Bazar Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7689/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-85.

#### FORM LT.N.S.-

(1) Anthony Joseph Pattathu.

(Transferor)

(2) Koshy Verghese.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACJUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7686/83-84 --- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5 gr. floor, Bldg No. 2 Green Park Relief Rd. Orlem Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexted hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB, of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5 gt. floor, Bldg. No. 2 Green Park, Relief Rd. Orlem Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7686/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-85, Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Manali Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. Kashiram Dengomal Jashnani.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACJUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

· Ref. No. AR.III/37EE/7814/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop No. 8, ground floor, Manali Building No. 1 Valnai Village, Malad (W) Bombay 64 Shop No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; \*ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-85.

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 8, Ground floor Manali Bldg. No. 1 Plot No. 48, 49, 50 Valnai Village, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7814/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

(1) Vinodchandra S. Solankhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Santeam Printing Inks.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37LE, 7813/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Unit No. 22 Ground floor, Vinay Industrial 1 state Survey
No. 428/1 Devrukhar Wadi (hinch Bunder Rd. Malad (W)

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit-of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDILE

22 Vinay Industrial Estate S. No. 428/1 Derukhar Wadi Chinch Bunder Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7813/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 118-456 GI/84

Date: 10-1-85.

M/s. Bafhira Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. S. S. Bhagat.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, вомвлу

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8157/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>2</sub>, 25,000/- and bearing

Flat No. D-49, Bldg. No. 3, Bafhira Nagar, Village Malwani, Malad (W). Bombay

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto) and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more 'han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oright to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 23 are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D-49, Bldg. No. 3, Bafhira Nagar, Village Malwani Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE/8157/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-85.

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vandana G. Pande

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7952/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25000/-

and bearing
Flat No. 12 Ground floor, Hemal Apartment, C.S. No. 19, 41
Nos. 85/5 96/1 Malwam Vulage, Malad(W) Bombay
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the san Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12 ground floor, Hemal Apartment on plot bearing CS No. 19, 41 Nos. 85/5 96/1 at village Malwani Malad (W) Rombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7952/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-1-85.

- (1) Agarwal Construction Co
- (Transfero
- (2) Shri M K Rat and others.

(Transferer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No AR III 37EE/8122/84 85 -Whereas, I, A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/ and bearing No shop No 16 Ground floor, Bldg A/5 Highway view Scheme Malad (E) Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

and the agreement is registered under Sec 269AB Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Aut only, Bombay on 1584

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons with hever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION :—The terms and expression used herein as an edefined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No 16 Ground floor, Bldg No A/5 Haghway view Scheme Malad (L) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37EE/8122/83-84 dated 1 5-84

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 10 1-85

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Smita Gangaram Shinde.

may be made in writing to the undersigned. -

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EP/8048/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. FRAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 408, 4th floor, Ajit Park-B Somwar Bazar Rd. Maled (W) Rombay.

Malad(W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an applient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 408, 4th floor, Ajit Park-B Somwar Bazar Rd. Malad(W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37EE/8048/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Date: 10-1-85

(1) Shri Kishindas Madhavdes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Alimchand D. Ramnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8093/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Shop No. 13 ground floor, Somaya Shopping Centre, Malad (W) Bombay 64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms—and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 13 Ground floor, Somaya shopping centre, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8093/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-1-85.

(1) M/s. Shangrila Construction Co.

(2) Mr. Sharad B. Pawnikar.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EH/8041/84-85 - Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st floor, Samrat Janakalyan Nagar, Malad(W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bomb#v on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consid ration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propert within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Samrat Janakalyan Nagar, Malad (W),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8041/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 17-1-85.

(1) M/s. Oswal Builders.

(Transferor)

(2) Shri Shelar Shashikant Pandurang.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR 111/37EE/8959/84-85 —Whereas, 1, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 13, ground floor, plot No. 1 S. No. 84 H. No. 1 to 5 H. No. 85 and H. No. 1 to 4 and 5 Village Malwani

Malad (W) Bombay

6494

. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable Property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# , THE SCHEDULE

Shop No. 13 ground floor, plot No. 1 S. No. 84, H. No. to 5 H. No. 85 H. No. 1 to 4 and 6 village Malwani, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III 37EF/8059/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-85

#### FORM TINS

(1) Shree Ram Construction Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Smt Coses Montheire.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE, INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Rombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8050/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flut No. A-304 3rd floor, Shice Ram Towers Tank Lane near

Fint No. A-304 3rd floor, Shice Ram Towers Tank Lane near Orlem Church, Oll Marve Rd Maiad (W) Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part is has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of his liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-304 3rd floor, Shree Ram Towers Tank Lane, Off Maive Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8050/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Primbay

Date: 10-1-85,

FORM NO. 1.T.N.S.-

hmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Purandar M. Karkera.

(Transferco)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8049/84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 206 2nd floor, Ajit Park B Somwar Bazar, Malad (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5 84

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideraton therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 206 2nd floor, Ajit Park-B Somwar Bazar Rd.

Malad (W) Bombay.

The \_agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8049/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Desai Bhurke & Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhuri M. Joshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8203/84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plat No. 301, Amoghsiddha Bhurke Wadi, Turel Pakhadi Rd., Malad (W), Bobbay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, Amoghaiddha, Bhurka Wadi, Turel Pukhadi Rd., Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8203/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authors Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

#### FORM ITNS-

(1) M/s Lubin Enterprise.

(Transferor)

(2) Mr. J. V. Noronha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8051/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sand Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 4, Ground floor, under construction on part A of the bearing CTS No. 397, 397/1 Village Valnai J. B. Colony Orlem Malad (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-84 · for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ļ

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4 ground floor of the building under construction on Part A of the land bearing CIS 397, 397/1 to 6 Village Valnai J. B. Colony Orlem Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8051/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dute: 10-1-85.

Saal:

en e en la companya de <del>la companya de la companya del companya de la companya del companya de la companya de l</del>

FORM ITNS-

(1) Ashok Panchubhai Gala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rambhau Laxman Avhad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7732/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Shop No. 13, Jaykar Smiti CHS Ltd. Aarey Road, Gorega

(W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on theh respective respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, Jaykar Smriti CHS Ltd., Aarey Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7732/83-64 dated 1-5-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Date: 10-1-85.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Firaglass Brightware Industries.

(Transferor)

(2) M/s Satyanarayan Industrial Suppliers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.HI/37EE/7583/84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No. 120 Daulat Udhayog Bhavan, Vadhavali village Road,

Chembur Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration inferior by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 120 Doulat Bhavan Wadhavli Village Rd. Chembur Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7583/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-85.

(1) Conwood Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harbansingh Kedarnath Singh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7841/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing G-17, at Goburdham at village Dindoshi in Borivali Taluka on Goregaon Link Road, Goregaon (E), Bombay-400063. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

G-17, at Goburdham at village Dindoshi in Borivali Taluka on Goregaon Link Road, Goregaon (E), Bombay-400063. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

  45 days from the date of publications of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. G-17, in Sector Shopping Centre in Gokuldham at Village Dindishi/Chinoholi in Borivali Taluka on Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-400063.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7841/83-84 dated 15-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Date: 10-1-1085

(1) Shri Sayed N. Sayed Ali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

'(2) Shri Sayed Rahim Sayed All.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE//83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25.000/- and bearing No. Unit No. 211, 2nd floor "A" Building, Virmani Industrial Estate, Goregaon (E), Bombay-63.

fand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Scal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 211, 2nd floor, "A" Wing Building Virmani Industrial Estate, Western Express Highway, Opp. Ciba, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7779/83-84 dated 15-1984.

A PRASAD Competent Authority Integrating Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1085

#### FORM ITNS----

#### (1) Dr. A. S. Nagendra.

(Transferor)

(2) Mr. N. Vedanathan.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIO: 14 OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7439/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing Plot No. 2, 'Kamlesh' Road No. 4, Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waclth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said het, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-120-456 GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned .-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 'Kamlesh' Road No. 4, Chembur, Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7439/83-84 dated 1-5-1984.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Mrs. Geeta Arjun Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shyam P. Kulchandra.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8013/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 201, Building A, Bhagnari CHS Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabatti, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-1984

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, Building A. Bhagnari CHS Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabatti, Bombay-22. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37EE/8013/83-84 dated 1-5-1984.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

Date : 10-1-1985

#### FORM ITNS-

(1) Mr. S. H. Bhatwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Inderject Bhatia.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8009/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

9-A, Virwani Industrial Picmises Co-operative Society Ltd.,

Western Express Highway, Golegaon, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

9-A, Virwani Industrial Premises Co-operative Society Ltd., Western Express Highway, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8009/83-84 date. 1-5-1984,

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unotal sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date : 10-1-1985 Seal :

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Laxmi Narayan.

(Transferor)

(2) Shri N. V. Ramani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7878/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing
Shop No. 35 Heera Mani Ratan C.H.S. M.G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 35, Heera Mani Ratan C.H.S., M.G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (Wes), Bombay-90. The agreement has been registered with the Comps' Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7878/83-84 dated 1-5-1984,

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

#### (1) Conwood Construction Co. Pvt. Ltd.

(2) Mr. Kantilal P. Haria.

(Transferor)
(Transferoe)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7859/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop on Ground Floor, Village Dinoshi/Chincholi, Borivili Taluka, Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E). Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop on Ground Floor, Village Dinoshi/Chicholi, Borivili Taluka, Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E). Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competer Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7859/83-84 dated 1-5-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-1-1985

Scal

(1) Conwood Construction Co. Pvt. Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mr. Umakant H. Singh.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.11I/37EE/7839/84-85.--Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Shop at Village Dindoshi/Chinocholi, Borivili Taluka on Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eferencial property by the issue of this notice under sub-limited (1) of Section 269D of the said Act, to the following possess, remain:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHOOLLE

Shop at Village Dindoshi/Chinocholi, Borivili Taluka on Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7839/83-84 dated 1-5-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III.,
Bombay

Date : 10-1-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8078/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Right Tile & Int. alongwith Gala No. 27-A Pravasi Estate, Dindoshi Village. Goregaon (E), Off. Aarey Road, Bom-

5av-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menors or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M. N. Patel Trustee of Raju Shailesh Trust. (Transferor)
- (2) M/s. Deluxe Electronics.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Right, title and interest alongwith Gala No. 27-A, Estate, Dindoshi Village, Goregaon (E), Off. Aarey Road, Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8078/83-84 dated 1-5-1984.

A PRASAD
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dato: 10-1-1985

Seal

(1) Smt. Kanta Devi Ved Prakash Kochar

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Premila V. Kochar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR-III/37-FE/7525/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 42, 'C' Wing 3rd fl. Prem Prakash C.H.S. Ltd. Laxmi colony, Mahul Road, Chembur, Bombay-74 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 42, 'C' wing, 3rd fl. Prem Prakash C.H.S. Ltd. Plot Nos. 5, 6 & 7, Laxmi Colony, Mahul Road, Chembur, Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/7525/83-84 dt. 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dato: 10-1-1985

(1) Mrs. Neena B. Wadhwan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sonpec India.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/7717/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 22.300/- and bearing No.

Bngl. No. 6, Plot No. 3 & 4, Village Borla Near Amar Cinema, Govandi, Bombay-88 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate' proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:---

121-456GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein ea are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bngl. No. 6, Plot Nos. 3 & 4, Village Borla, Near Amar Cinema, Govandi, Bombay-88.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/7718/83-84 dt. 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) Pradip Champaklal Sanghavi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7895/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Service Industrial Gala No. 45, on 1st floor, Kiran Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered

Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Service Industrial Gala No. 45, on 1st floor, Kiran Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7895/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dato : 10-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Smt. Jyoti Jethanad Chatlani.

(Transferor)

(2) Shri Laxmishwar Choudhar.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7858/83-84.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 126, 1st Fl. "Guiu Gobind Singh Indl. Estate", Western Express Highway, Goregaon (East), Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 126, 1st Fl. "Guru Gobind Singh Indl. Estate", Western Express Highway, Goregaom (East), Bombay-63. The agreement has been registered Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7858/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

Seal

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. J. S. Jhaveri

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

ACQUISITION RANGE III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7415/84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 402, 4th floor, Bldg. 8, Kapadia Nagar, C.S.T.
Road, Eurla(V), Bombay-70.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
the Competent Authority at
Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be neade in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Bldg. 8, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla(W), Bombay-70,

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7415/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I befeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

## (1) M/s. Durolite Electrical.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACE, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Soushila Anand Shetty, Prop. of M/s Cheina Metal Indl.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

AR. III/37-EE/7840/83-84.--Whereas I, No. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable aronatty having a fair market value aronatty having a fair market value aronatty. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Gala No. 7 Ground H Bharat Indl. Estate, Ram Mandir Road, Goregaon (East), Bombay-400 063.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered und-Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac. shall have the same meaning as given in thr. Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Gala No. 7 Ground Fl. Bharat Indl. Estate, Ram Mandir Road, Goregaon (East), Bombay-400 063.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7840/ 83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

(1) Smt. Sunita M. Sohani.

(Transferor)

(2) Mr. Solly E. Chordekar & Other.

(Transferce)

## MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Eombay, the 10th January 1985

AR. III/37-EE/7769/83-84.—Whereas L. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 4, 1st floor, 'Swami', Plot No. 55, Swastik Park, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.
(and morefully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered unc Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-uble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, 'Swami', Plot No. 55, Swastik Park, The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7769/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

#### FORM LT.N.S.----

(1) Shri D. H. Waghmare and Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amrita Satish Bhande.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

AR. 111/37-EE/8025/84-85.—Whereas I, Ref. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to no the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,500/- and bearing No. Block No. 3, "E" Ridg., Kamgar Co-op. Housing Society Ltd., Hill Road, Mohan Nagar, Chunnabhatti, Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a 'period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Block No. 3, "E" Bldg., Kamgar Co-op. Housing Society Ltd., Hill Road, Mohan Nagar, Chunnabhatti, Bombay-22. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/8025/ 83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscition (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Date: 10-1-1985

(1) Shri B. G. Parekh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. A. Kharvandikar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

AR. III/37-EE/7584/83-84.—Whereas I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,500/- and bearing No. Flat No. A-101. First fl. Rameshwar Bldg. Seena Niwas, C-H.S.L. Swastik Park, Sion Trombay Road, Chembur,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the agreement is registered un Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respectivt persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-101, First fl. Rameshwar Bldg. Seena Niwas, C-H.S.L. Swastlk Park, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7584/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. B. Prikh & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Calcutta Art Jewellers.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. 111/37-EE/7945/84-85.—Whereas A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,500/- and bearing No.
Gala No. D-310 adn B C/4, Virwani Indl. Estate, Western.
Express High Way, 3rd floor, Goregaon (E), Bombay-62.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
nas been transferred and the agreement is registered under
Excion 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the offi-

the Comretent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—122—456GI/84

(b) by any other person interested in the said immovable notice in the Official Gazette or a period of 30 days property, within 45 days from the date of the publifrom the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. B-310 adn B C/4. Virwani Indl. Estate, Western Express High Way, 3rd floor, Goregaon (E), Bombay-62. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7945/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. Ill/37-EE/7753/83-84.—Whereas I A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
Unit No. 207, 2nd floor, "Guru Gobind Singh Indl. Estate,
Western Lapress Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by succeed that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Gobind K. Daryanani.

(Transferors)

(2) M/s. Ashwin Euterprises.

(Transferoes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immaovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 207, 2nd floor, "Guru Gobind Singh Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7753/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Gundecha Ruilders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vithalbhai M. Patel.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

No. AR, 111/37-EE/7771/83-84.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. Gala No. 65, Kiran Indl. Estate, 2nd Floor, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the addresser is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at

Bombay on 1-5-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incorae-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 65, 2nd Floor, Kiran Indl. Estate, M.G. Road, Goreagaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR. III/37-EE/7771/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7985/84-85.—Whereas I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing Schop No. 11, in Bharumati Co-op. Housing Society Ltd. Bangur Nagar, M.G. Read, Goregaon(W), Bombay-400090. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ia respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prpoerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Suvarnaben Bhikubbai Patel.

(Transferor)

(2) Smt. Parabha Ajay Agrawal & Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, in Bhanumati Co-op. Housing Society Ltd. Bangur Nagar, M.G. Road, Goregaon(W), Bombay-400090.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7985/ 83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

#### FORM ITNS----

(1) Shti T. L. Karkera.

(Transferor)

FOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Umesh N. Uchil.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISTION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR 111/37-LE/8014/84-85.—Whereas I, A. PRASAU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Plat No. 6, on 1st floor, Sanbhagya-C, Plot No. 36, 41 and 42, thickn Nagar, Chembra, Bombay-71, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been a ansterred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, on 1st floor, Sanbhagya-C, Plot No. 36, 41 and 42, Chedda Nagar, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/8014/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Gindecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMESTAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Mulchand Virji Gala.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-LE/7682/84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Service Industrial Gala No. 41 on Ground floor, Kiran Industrial Estate, M.G. Road. Goregaon (W), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Service Industrial Gala No. 41 on Ground floor, Kirar Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Rombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/3V-EE/7682/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sevakram Dulabnomal Watvani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7680/84-85.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Service Industrial Gala No. 26, on ground floor, Kiran Industrial Fstate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Service Industrial Gala No. 26, on ground floor, Kiran Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7680/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

#### FORM I.T.N.S. -

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Elesh P. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIN ORANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

AR. 111/37-EE/7896/84-85.—Whereas I, Ref. No. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Service Industrial Gala No. 44, on 1st floor, Kiran Industrial Estate, M.G. Read, Coregaon (W), Bombay-62 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Service Industrial Gala No. 44, on 1st floor, Kiran Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. JII/37-EE/7896/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

PORM ITNS-

(1) St. Thomas Mar Thoma Syrian Church

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mar Thoma Cente

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No. AR.III/37EE/7983/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gala No. 1 & 2 Kiman Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-600 062.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the the Comretent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

persons, namely 123—456GI/84 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 1 & 2 Kiran Industrial Estate, M.G. Road, Goregaon(W), Bombay-600 062

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No AR.III/37EE/7983/83-84 dated 1/5/1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10/1/1985

(1) Shri Niimal Jain

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. R. V. Iyer

(Transferce)

GOVER IMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTITION ASSETT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7977/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /and bearing No.

Flat No. G12/4, falpadma Co-op, Housing Society Ltd. Bangui Nagai, Goiceann (W), Bombay-400090, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the the Competent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) factitating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. G12/4, Jalpadma Co-op. Housing Society Ltd. Bangui Nagai, Goregaon (W), Bombay-400090.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7977/83-84 dated 1/5/1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10 1/1985

Seal -

(1) Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagdish K. Mehta HUF & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Rcf. No. AR.III/371-E/7678/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Sarvice Indl. Gala No. 52, 1st fl. Kiran Indl. Fstate, M. G. Road, Goregaon(W), Bombay-62,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scc. 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propertmay be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herea, are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter

#### THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 52, 1st fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Road. Goregaon(W), Bombay-62,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7678/83-84 dated 1/5/1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10 1 1985

Scal.

(1) Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. B. Thakkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7677/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Service Indl. Gala No. 49, 1st fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 49, 1st fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authoray, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7677/83-84 dated 1/5/1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10/1/1985

----

(1) M/s Gundecha Builders

(Transferor)

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narayan Bhai Babaji Thakkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III. 37EE/7679.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No

Service Industrial Gala No. 48, on 1st floor, Kiran Industrial Estate, M. G. Road, Gorcgaon(W), Bombay-62. (and more fuly described in the Schedule annexed heroto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), Service Industrial Gala No. 48, on 1st floor, Kiran Industrial Estate, M. G. Road, Goregaon(W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bmbaoy vide serial No. AR.III/37EE/7679/83-84 dated 1/5/1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/1/1985

(1) M/s Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mehul J. Mehta (Minor)

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III 37EE/7681/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Service Indi. Gala No. 51 first fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Service Indi. Gala No. 51 first fl. Kuan Indi. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7681/83-84 dated 1/5/1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date 10/1/1985

## (1) M/s. P Parikh & Co.

(Trausferor)

(2) M/s. Sunil Coal Corporation

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7846/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Gala No. B-316 and 317 in Virwani Industrial Estate, Western Express High way on 3rd floor, Goregaon(E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26913 of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netics: in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said momovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of . the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. B-316 and 317 in Virwani Industrial Estate, Western Express High way on 3rd floor, Goregaon(E), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7846/83-84 dated 1/5/1984

A. PRASAD

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10/1/1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7861/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Indi. Unit No. 115, 1st floor, Bldg. No. 3, Aashirwad Heavy Ind. Estate, Ram Mandir Road, Goregaon(W), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the naid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Sukumaran Pillai

(Transferor)

(2) Shri K. P. Mani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 115, 1st floor, Bldg. No. 3, Aashirwad Heavy Ind. Estate, Ram Mandir Road, Goregaon(W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7861/83-84 dated 1/5/1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10/1/1985

Scal:

#### FORM ITNS

## (1) Vishwanath Sadashiv Rangnekar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradip Anant Nikarge

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37FF '7785'84-85.-Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 9, Sati Ind Estate, I. B. Patel Road, Goregaon(E), Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferund/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :--

124--456GI '84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a periou of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Unit No. 9, Sati Ind. Estate, I. B. Patel Road, Goregaon(E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7785/83-84 dated 1/5/1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10/1/1985 S∽al .

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Radha K. Dondani

(Transferor)

(2) Mrs. Shanti R. Gurbani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8030/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 102, Bhagnar CHS Ltd. Duncan Causeway Road,

Chunabbatti Bombay-22.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bhagnar CHS Ltd. Duncan Causeway Road, Chunabbatti Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent , Auhtority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8030/83-84 dated 1/5/1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/1/1985

Scal :

(1) Huanandani Ind. Enterprises

(Transferou)

(2) Dynatech Industries

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR III/37EE/7507/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tal Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Unit No. 142, 1st floor, Hiranandani Ind. Estate Kanjur

Marg, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomaby on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than 'the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ) fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used buttern as defined in Chapter XXA of the , said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 142, 1st floor, Hiranandani Ind. Estate Kaniur Marg. Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7507/83-84 dated 1 5/1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III.

Date: 10/1/1985

Scal:

## FORM ITNS ---

(1) Shri Bhikhabhai S. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43' OF 1961)

(2) Shri Shridhar K. Salian.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8134.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 1, Meena Apartments, Mamaltadar Wadi, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, so respect of any income arising from the transfer; no/ bar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the stad immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressings used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. .

## THE SCHEDULE

Shop No. 1, Meena Apartments, Mamaltadar Wadi, Malad

(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8134/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Bombay Bombay

Date: 10-1-1985

Seal.

- (1) Smt. Ambaben N. Patel.
- (Transferor)
- (2) Shri Shreedhar K. Salian.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8133/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the meome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 5, Meena Apartments, Mamaltadar Wadi Malad

(W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per, cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5, Meena Apartments, Mamaltadar Wadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8133/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay
Bombay

Date: 10-1-1985

- (1) Shri Bharat C. Chawan.
- (2) Shri Santoksingh S. Kohli.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8092/84-85.- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 58, Ground floor, Anand Shopping Centre, Gausbala Lane, Malad (W), Bombay-64

Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument creating with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tn Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Shop No. 58, Ground floor, Anand Shopping Centre, Gaushala Lanc, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8092/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

Seal.

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8061/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Shop No. 12, Guru Kripa, Near Evershine Nagar, Mith
Chowki, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the option of the property as agreed to between the the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sufsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely :---

(1) Shri Pragati Enterprises.

(Transferor)

(2) Shrì Anant Sudan Rahate.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 12, Guru Kripa, Near Evershine Nagar, with Chowki, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8061/83-84 dated 1-5-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, • Bombay

Date: 10-1-1985

Scal:

## FORM ITNS----

- , (1) M/s. Shangrila Construction Co.
  - (Transferor)
  - (2) Mr. Dilip S. Chudnaik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref., No. AR.111/37.EE/8046/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 4, Ground floor at Plot No. 6, 'Samrat', Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 ,27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat Bearing No. 4m ground floor at Plot No. 6. 'Samrat', Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8046/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.----

(1) Mr. Ashokkumar K. Deora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gajanand M. Adukia.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8060/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 404-B, Auradhana, Kisan Road, Malad (W),

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 404-B, Aaradhana, Kisan Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8060/83-84 dated 1-5-84.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
125—456GI/84

Date: 10-1-1985 Seal:

(1) M/s, R, G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. N. Surya Prakashji.

<del>valoritate i valoritati de la como e la como de la como</del>

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8094/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 302 3rd floor, F-Wing Atlanta Plot No. 38 Valanai Village Marve Rd. Malad (W), Bombay-64 (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in

the office of the Registering Officer at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302 3rd floor, F-Wing Atlanta Plot No. 38 Valanzi

Village Marke Rd Malad (W). Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8094/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-1-1985,

Scal:

## (1) Sh.i Laxmi N. Agrawal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(?) Smt. Shama Vinod Notak.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8140/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. L/12 3rd flooi, Haridwar-I Plot No. 18, 19-20A off Marve Rd., Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gizzetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. L/12 3rd floor, Hardiwar Bldg Plot No. 18-19-20A Village Valnai, off Marve Rd., Malad (W), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8140/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-1-1985

Scal:

T

(1)-M/s. S. R. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhikhalal S. Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.JII/37.EE/8043/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 Rd. No. 3 I iberty Garden, Near Mehta Industrial Estate, Mala 1 (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

andlor

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. 1 L. Plot No. 4 Rd. No. 3 Liberty Garden Near Mehta Industrial Estate, Malad (W), Eombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8043/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Herbert Lobo.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8098/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269 B of the theologe tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Flat No 401, 4 h floo. A-Wing Atlanta plot No. 38 Off Valuai village Marve, 4th Rd. Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration, which is less than the for

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195?);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovements able property, within 45 days from it. date of the publication of this notice in the Official Gazerre

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 401 4th floor, A-Wing Atlanta Off Valnai village, Marve Rd. Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8098/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-1-1985 Seal:

(1) Smt. Mobani C. Khalanani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sandhya A. Thikkadeeri.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8177/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 25,000/- and bearing Flat No. B/45 4th floor, Naland 2 Plot No. 32 and 33 Village Valnai Evershine Nagar Mithchowky off Marve Rd., Malad, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

B/45 4th floor, Nalanda II plot 32, and 33 village Valnai near Evershine Nagar Mithchoky off Marve Rd., Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8177/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

Scal:

FORM ITMS --

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sainath Ramakrishna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA ·

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.111/37.EE/8074/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 503 5th floor, F-Wing Atlanta plot No. 38 off Valnai Village, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed heretd) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office. of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

whichever period expires har i

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable pix perty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

BxFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 503 5th floor, F-Wing Atlanta plot No. 38 off Valnal Village, Marve Rd., Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8074/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.HI/37.EE/8095/84-85 ---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 11 New Evershine co.-op. society, Gokul Evershine Nagar off marve Rd Malad (W) Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the eggenment is registered under Section 269AB of the Income Tax Act 1931, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in . respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or men ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Shri K. Popli and Shri Keshav C. Popli.
  (Transferor)
- (2) Miss Monica Nandlal Punjabi and others.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undresigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11 New Evershine co-op Society, Gokul. Evershine Nagar off marve Rd. Malad (W) Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serila No. AR III/37 EE/8025/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Mrs. Christine D' souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. T. Bhasker Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IU BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.JII/37.EE/8069/84-85.---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 9, Bldg C Ground floor, Philveena co-op. society, Shanker Lane Extn Tank Rd. Malad (W) Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9 Bldg C Ground floor, Philreena co-op. Hsg. Tank Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8069/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

126—456GI/84

Date: 10-1-1985

Scal:

(1) Mrs. Kamlabai G. Pandurangi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. K. Patel.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8056/84-85.—Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Flat No. 16 3rd floor, Plot No. 56 A T.P.S. No. 1 Megha flat owners co-op Hsg. Daftary Rd. Malad (E) Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, Megha Flat Owners co-op. Hsg. Daftery Rd. Malad (E) Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37.EE/8056/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

(1) Manubhai K. Shah.

('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-

(2) Shri Vijay C. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8055/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9 3rd floor, Plot No. 67 Malad Ajanta co-op

Flat No. 9 3rd floor, Plot No. 67 Malad Ajanta co-op Hsg. society, Ltd. Daftary Rd. Malad (W) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period ampires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9 3rd floor, Malad Ajanta co-op Hsg. Ltd. Daftary Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/8053/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesend property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-1-1985

(1) M/s D. D. Shah and sons trust.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri K. R. Satra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.IH/37.EE/8181/84-85. - Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Gala No. 67 ground floor, Malad shopping centre

Malad (W) Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nam

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gala No. 67 ground floor, malad shopping centre Malad (W) S.V. Rd. Bombay 64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8181/83-84 dated 1-5-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s D. S. Shah and sons trust.

(Transferor)

(2) Shri Devii Baishi Satra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.IIJ/37.EE/8180/84-85.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Gala No. 68 ground floor, Malad shopping centre S.V. Rd. Malad (W) Bornbay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the gaid instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 68, Ground floor, Malad shopping Centre S. V. Rd. Malad (W) Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37.EE/8180/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Smt. Shanti Ramprakash Dhingra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devkinandan S Kariwala.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Rcf. No. AR.III/37.EE/8179/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 59, Bldg No. 2, S. K. Patel Rd. Malad (E)

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the bacome Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period •: 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 59, Bldg. No. 2 S.K. Patil Rd. Malad (E) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authoity Bombay vide strial No. AR.III/37 EE/8179/83-84 dated 1-5-1984.

> PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

> > e- 11

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 10-1-1985

FORM ITNS ...

(1) Bafhira Builders Pat, Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Amar Udhav.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8151/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3. C/37, 2nd floor, Bashira Nagar Marve Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at being the Competent Authority under Section 269B of the

of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

from an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, C/37, 2nd floor. Bafhira Nagar, Marve Road, Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/815/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985 Scal :

#### FORM ITNS----

(1) Shri Brij Lal Sevaldas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanjiv Saran and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8067/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 606 6th floor, A Wing Mansorover Junction of Govind Nagar and .V. Rd Malad (W). Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income srising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPL. "ATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 606 6th floor, A-Wing, Mansorover, Junction Govind Nagar and S.V. Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8067/83-84 Date: 10-1-1985

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 1-10-1985

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Prasad Anand Chandan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8065/84-85.-Whertas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 008 Ground floor, Ajit Park B Somwar Bazar

Malad (W) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195? (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 088 Ground oor, Ajit Park B Somwar Bazar, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8065/83-84 dated 1-5-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under rubsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :--127-456GI/94

Date: 10-1-1985

(1) Shri L. S. Purohit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. A. Shah.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/7793/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 9, 2nd floor, Kamakshi CHS Devidayal Road,

Mulund, Bombay-80.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the nationion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, un respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concoalment of any tacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Kamkshi Coop, Hsg. Soc. Devidayal Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7793/83-84 dated 1-5-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

dated 1-5-1984.

Scal:

(1) Bafhira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Gopinath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8102/84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

and bearing

No. Flat No. 8, Bldg No. 3, A-Wing, Bafhira Nagar,
Marve Road, Malad(W). Bombay-64,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, Bldg. No. 3, A-Wing, Bafhira Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8102/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Bafhira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Omer Bhatkar & Others.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8100/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)-Flat No. C/44, 3rd oor, Bldg. No. 3
Bashira Nagar, Village Malwani, Marve Road,
Malad(W), Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C/44, 3rd floor, Bldg. No. 3. Bafhira Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide seril No. AR.III/37.EE/8100/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

(1) Bafhira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Ali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/8158/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 46, C-Wing, Bldg. No. 3, Bathira Nagar, Village Malwani, Marve Rond, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to believe that the fair market value of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

IMPIANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 46, C-Wing, Bldg. No. 3, Bafhira Nagar, Village Malwani, Malad, Marve Road, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/8150/83-84 dated 1-5-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Bafhira Builders Pvt. Ltd.

(2) Smt. Anita Cardoz.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/7805/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C/34, No. 3 1st floor, Village Malwani, Marve itd., Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the the consideration for such apparent consideration and the the confideration for such apparent consideration and the the confideration for such apparent consideration and the the confideration for such apparent consideration and the textual apparent consideration and the confideration for such apparent consideration the confideration for such apparent consideration and the confideration and the con

sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

mid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. C/34, Bldg. No. 3, 1st floor, Village Malwani, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide seril No. AR.III/37.EE/7805/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

### FORM ITNS----

(1) Bafhira Builders (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Omprakash Oberoi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8103/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 15, 4th floor, A-Wing,

Bafhira Nagar, Bldg. No. 3, Village Malwami,

Malad (W), Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1. of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th floor, A-Wing, Bafhira Nagar, Malwani Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8103/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1985

## FORM LT.N.S .--

Appropriate particles and the second of the

(1) M/s. Bafhira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Digvijay Oberoi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

AR.III/37EE/8102/84-85.—Whereas, I, Ref. No. A A. PRASAD,

being the Competent Authority under Secvtion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 16, 4th floor, A-Wing, Bafhira Nagar, Bldg. No. 3, Village Malwani Marve Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-5-1984 the Competent Authority, Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian mountains with the (1) of 1922) or the said Act or the Westernes Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property "w, he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor, A-Wing, Bafhira Nagar, Bldg. No. 3, Village Malwani, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8102/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the ing persons, namely :-

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Bafhira Builders.

(Transferor)

(2) S. S. R. Gupta.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8170/84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flot No. 3/D/56, Bashira Nagar,
Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Sec: the Competent Authority, Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

gansfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Not 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

128-456 GI/84

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE .

Flat No. 3, D-56, Bafhira Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8170/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1985

(1) P. B. Pahuja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. I. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HL BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985.

Ref. No. AR.III/37FE/8167/84-85.—Whereas, I. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the in movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4, Narsingh Apt., Narsingh Lane, Off. S.V. Rd., Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tux Act, 1961, in the office of the Competent Authority. Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the bansferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Narsingh Apartment, Narsingh Lane, Off. S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EF/8167/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:---

Date: 10-1-1985

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref., No. ΔR.III/37ΕΕ/8145/84-85.—Whereas, I, Δ. PRASΔD,

Leing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing Flat No. C-308, 3kd floor, Bidg., No. C.

Flat No. C-308, 3rd floor, Bidg., No. C. P. N. Kothari Estate, Malad (E), Bombay-97. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) P. N. Kothari, Delhi.

(2) Amirchand N. Kalra.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-308, 3rd floor, Bldg, P. N. Kothari Estate Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8145/83-84 dated 1-5-84

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1985

Scal :

(1) Mrs. Gunwanti Bhagwan Jeswani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mohamed Hanif Jamal Kadiwal.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8178/83-84.—Whercas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Flat No. S 1/302, Malad Kokil CHS Ltd., Sunder Nagar, S. V. Rd., Malad (W), Bombay-65. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair

Competent Authority, Bombay on 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tast under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afordsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. S1/302, Malad Kokil CHS Ltd., Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8178/83-84 dated 1-5-84,

A. PRASAD.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 10-1-1985

(1) Mr. Gulam Chisty M.S. Munshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandrakant J. Amal.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No.  $\Delta R.III/37EE/8143/83-84$ .—Whereas, I, A. PRAS $\Delta D$ ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 2, Bldg. No. 1-H, Sunder Sangam CHS Ltd., Sunder Nagar, Swami Vivekananda Rd., Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269.1B at the Income-tax Act, 1961, in the office of the

found more fully described in the Schedule annexed hereton, has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB at the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Bldg. No. H-1, Sunder Sangam CHS Ltd. Sunder Nagar, Swami Vivekanand Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/8143/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1985

Scal :

(1) M/s. Chandravijay Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Manbharidevi C. Agarwal & Other.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 10th January 1985

AR.11I/37EE/8144/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing Flat No. B-302, 3rd floor, Sheetal Chhaya Bldg., 77-S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the (ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-302, 3rd floor, Sheetal Chhaya Building 77-S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8144/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1985

Soal :

(1) M/s Minal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 +43 OF 1961)

(2) Mr. C. S. Karalkar,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Hombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37FE/8132/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 32 Flats and 3 shops in Bldg, on Plot No. 8 bearing S. No. 84, Hissa No. 1.2 (p) to 5 (p) S. No. 85, Hissa No. 4 & 5 (p), Village Malwani, Taluka Borivili (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of any of the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

32 flats and 3 shops in Bldg, on Plot No. 8, bearing S. No. 84, Hissa No. 1,2 (p) to 5(p), S. No. 85, Hissa No. 4 & 5(p) Village Malwani, Taluka Borivili.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37EF[37EE[8132] dated 1-5-84.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, it sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versions, namely :-

Pale : 10-1-1985 Seal :

#### FORM ITNS----

(1) M/s, Pragati Enterprises.

(Transferor)

(2) Sh. Chandrasekhar R. Shetty.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

1

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8096/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Shop No. 19, Guiu Kripa, situated behind Linkind Road, Near Evershine Nagar, Mith Chowki Ofl Marve Road, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-5-84

Competent Authority Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 19, Guru Kripa, behind Linking Road, Near Evershine Nagar, Mith Chawki Oll Marve Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide script No AR.III/37EE/8096/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones of Income Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-1 1985

(1) Sh. L. H. Punwani.

(Transferor)

(2) Sh. M. K. Tahilramani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7565/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PKASAU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, Bidg. No. 13, Navjivan Society, Chambay, Bombay

Chembur, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agroment is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11' of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-129-456 GI/84

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, Bldg. No. 13, Navjivan Society, Chembur,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7565/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1985

Seal ·

(1) Tulsiram Gumnaji Kalal.

(Transferor)

(2) Laxmichand Valchandji Jain.

(Transferec)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EF/7830/84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and

bearing No. Om Shri Sai Apt. CHS Ltd. Plot No. 6, Pandurangwadi, Goregaon (E), Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of :-- '

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

flow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Om Shri Sai Apt. CHS Ltd., Plot No. 6, Pandurang Wadi, Goregaon (E), Bombay-63,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7830/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-1-1985

Seel :

#### FORM I.T.N.S.-

(1) P. N. Kothari Properitor of M/s. Nelesh Const Co.

(Transferor)

(2) Smt. M. R. Bandekar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.HI/37EE/8072/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-bearing No. Plat No. B-2/403 4th floor, P.N. Kothari Estate Kurar Village, Malad (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-2/403 4th floor, P. N. Kothari Estate Kurar Village, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8072/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-1-1985

Scal:

(1) Miss Monica N. Punjabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shailesh V. Shah.

(Transferee '

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8156.—Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 4/10 The Four Enns
Co.op. Sunder S.V. Rd. Malad(W)
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it report of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other peron interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 4/10 The Four Enns co.op. Sunder Nagar S.V. Rd. Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/8156/83-84 on 1-5-1984,

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely

Date: 10-1-85

(1) Sh. M. G. Matta and others.

(Transferor)

(2) M. B. Narang and others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8201/83.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable proproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 105, 1st floor, Ashoka Apartment, M.P. Rd. Mulund (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Ashoka Apartment, M.P. Rd. Mulund (F) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8201/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.IJI/37142/7908/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 6 1st floor, Rashabha Darshan off 90 feet wide D.P. Road, Mulund (E) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhalachandra A. Thate.
- (Transferor)
- (2) M/s. Ajay Builders.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Fiat No. 6 1st floor, Rushabha Darshan, Off 90 wide D.P. Road, Mulund (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7908/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Deora Construction Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. A. Bodhwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-LII **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37I·E/7812/83-84 --- Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. B/104, Aradhana Kisan Road, Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any accome arising from the transfer The Market

#### THE SCHEDULE

Flat No. B/104 Aradbana Kisan Road, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/7812/83-84 on 1-5-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

Scal:

Ц.

#### FORM ITNS

(1) Pragati Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Anant S. Rahate and others.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME . TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8062/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Shop No. 13 Guru Krupa Linking Road, Evershine Nagar Mithehokdy Off Marve Road, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Sop No. 13 Guru Krupa Linking Road Evershine Nagar, Mithchoky o: Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8062/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, iamely:--

Date: 10-1-1985

Scal:

(1) M/s. A. R. Qureshi and Co.

(Transferor)

(2) Smit Sushila A. Sharma

(Transferee)

NIVICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. N. AR.III/37EE/8202/84-85 - Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tall Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 204 2nd floor, New Green Apartment Turel Pakhadi Road Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

andor

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and the property and the property are the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said by the West by the Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

130-456 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204 2nd floor, New Green Apartment Turel Pakhadi Rd., Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8202/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s. A. R. Qureshi and Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri E. T. Patkar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## ()FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. ARJII / 37EE / 7812A 83-84. -- Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 102 with Terrace, 1st floor, New Green Apartment Tahel Pakhadi Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is under Section 269AB of Income-tax Act. Act, 1961, the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sworeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- the said immov-(h) by any person interested in able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102 with terrace 1st floor, New Green Apartment, Tutel Phakadi Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.III/37EE/7821 A/ 83-84, dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Sitalkshmi and Co.

(Tran feror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh A. Rane.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7757|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]. and bearing Flat No. 9 Shringeri, Survey No. 245 at Village Kanjur Dattar Colony Bhandup (L), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9 Sringeri, Survey No. 245 at Village Kanjur Dattai Colony Bhandup (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EF/7757/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) The Malwan Bhandari Coop. Credit Soc. Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) M/s. Vimal Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR III/37EF/7524/83-84 — Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing old S. No. 85/3 (part), 87/1 (part) and 215(1) part, Ghatkopar (E), Dist Bombay Suburban and Sub Regd Dist of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax &ct 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely -

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation '--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Old Survey No. 85/3 (p) 87/1 (p) and 215(1) part and New CS. No. 5631(p) and 5634(p) at Ghatkopar (E) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7524/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Hasmukhlal V Shah & Other.

(Transferor)

(2) M/s Kurla Industrial Estate Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7722/84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 9 (part), C. S. No. 129 (part) in parcel of land at

Kurla, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 9 (part), C. S. No. 129 (part) in a piece of land at Kurla, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7722/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-1-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Sudarshan Kumar Raghu.

(Transferor)

(2) Mr. Jayesh Sanghvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EL:/7452/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 13, Abhishek CHS Ltd., 111-Garodia Nagar, Ghatkopar (F). Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facultating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13, Abhishek CHS Ltd., 111-Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7452/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely

Date: 10-1-1985

(1) Mr. M. V. Paul & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Yashodha Bhaskar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37FE/7461/83-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 8, 3rd floor, Shamiana 'A', Village Road, Kurla, Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act. 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

trensfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslits-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the scoulsition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the stid property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, Shamiana 'A', CTS No. 461, 461/1 to 5, Village Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7461/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-1-1985

Scal:

FORM ITNS:

(1) M/s. Kruti Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Kamalam S. Nair.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-111 BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No. AR.III/37EF/7434|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 204, B-Wing, 2nd floor, Hitesh Apartment Asalpha Village, Ghatkopar (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expr tons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 204, B-Wing, 2nd floor, Hitesh Apartment, Asalpha Village, Ghatkopai (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7434/83-84 dated 1-5-1984

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Asstt Commissioner of Income tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 10-1-1985

Scal:

(1) Shri Vijay Gopal Kulkarni,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Shii Vipul S Gandhi

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMI.SIONEP OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-III** BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No AR.HI/37FF/7894/84-85—Whoreas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Ground floor. Dharam Kripa Bldg..

Garodia Nagar. Ghatkon (F). Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the famarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which eught to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--131-456 GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, Dharam Kripa Bldd, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7894/83-84 dated 1-5-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-1-1985

- (1) Mr. Anil C. Bamba.
- (Transferor)
- (2) Mr. M. A. Sayed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.111/37EE/7667/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 188/5254 4th floor, Sanmati Co.op. Society Pant Nagar, Ghatkopar (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat 188/5254 Sammati Co op. Society, Pant Nagar, Ghatkopar ( $\Gamma$ ) Lombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/7667/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-1-1985 Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gordhandas Shivchandrai & Other. (Transferor)

(2) Shhi Vijay Gopal Kulkarni & Othehi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 4 ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No AR JII/37E1 /8423/84 85 --- Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/ and bearing No Flat No 29, 4th floor, Shree Sati Nrvas Bldg Garodin Nagar, Ghatkopar (E), Bombay 77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-5 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 29, 4th floor, 5htee Sati Niwas Bldg Garodia

Nagar Ghatkopai (I) Bombay 77

The agreement has been registered with the 10 perent Authority, Bombay vide serial No AR 111/37F1 /.427/83 84 dated 1-5-1984.

A PRASAD Competent Authority Inspectant Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

10-1-1985 Seal.

(1) M/s. Mantri Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Walter D' Souza & Others.

(Transferec)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7460/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2091s of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 1, Ground floor, Shamiana 'B' Plot bearing CTS
461, 461/1 to 5 of Village Kurla, Bombay-70
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of
the Commetent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiatron of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Caret

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 1, Ground floor, Shamiana 'B', situated in Plot bearing CTS No 461, 461/1 to 5, 558, 561 & 561/1 of 5 Village Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EF/7460/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III., Bombay

Date: 10 1-1985

(1) The Church of our Lady of Egypt Trust. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Bose & Others

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7485/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Survey No. 300, Hissa No. 8(p) City S. No. 4771, Kalina,

Kole Kalyan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 300, Hissa No. 8 (p) C. S. No. 4871, Kalina, Kole Kalyan.

The agreement bas been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7485/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date 10-1-1985

(1) Shri B. P. Bhatia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hitaben P. Seth

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7662/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5327 Bldg 192, M.H.B. M.I.J. Pant Nagar, Ghatkopar(F) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office, of the Competent 1001

Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which make not which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for Vadlan Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5327 Bldg. 192, M.H.B. M.I.J. Pant Nagar, Ghatkopa (L) Bombay

The agreement has been registered with the Competent Autority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7662/83-84 dated 1-5-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date · 10-1-1985

#### (1) Mala D. Shah.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta S. Lugani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No 1R III, 37HE, 7515/83-84 — Whereas, I, A. PRAS \D.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Flat No. 4 8th floor, Bldg No. 3/D, Damodar Park, LBS

Marg, Ghatkopai (W). Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxp) anation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 8th floor, Bldg. No 3/D, Damodar Park, LBS Marg. Ghatkopar(W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7515/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t-ix
Acquisition Range-III,
Bonnay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Ali Ahmed Bagdadi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th January 1985

AR III/37EF /7514|84-85,—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No.

bearing No. Flat No. 206, 2nd floor, Bldg. No. 16, Kapadia Nagar, CST Kurla(W), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AR of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given is that Chapter.

- (a) facilitating the resuction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor, Bldg. No. 16, Kapadia Nagai, CST Road, Kurla(W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/7514/83-84 dated 1-5-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Sudha J. Polad and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. A. R. Fonseca.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7714/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 401, 4th floor, Rose Monica Village Church Road,

Kalina, Santacruz(E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred from the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Rose Monica Village Church Rd., Kalina, Santactuz(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7714/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby increase proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—132—456 GI/84

Date · 10-1-1985

#### (1) P D. Panchal

P (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. J. Karlikar

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Rei. No. AR.III/371-E/7964/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a t. r market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. B/19 B Blog. 4th floor, Mukund Employees Co.op. And No. 18719 B Biog. 4th moor, Multind Employees Co.op., Society Ltd. Crovind Nagar, Asalpa Ghatkopar(W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the off of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

١

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any measure string from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3θ days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as owen in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. B'19 B Bldg. 4th floor, Mukund-Employees Co.op. Society I to Govind Nagar, Asalpa Ghatkopar(W), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/7964/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay .

Date: 10-1-1985

#### FORM ITNS----

(1) B. H. Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Alphons B. Lazer

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7874/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Plot bearing No. CTS 207 to 5, near St. Charles Convent School, Vakola, Santacruz(E), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers sed/er
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FIXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, near St. Charles Convent School, Vakola, Santacruz(E), Bombay-55,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7874/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Data: 10-1-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s, Deepak Builders Pvt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree A A. A. Gaffar Kundgol

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR 111/37EE/7416/84-85 --- Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing No

Flat No. 6. Gr. floor, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla(W),

Bombay 70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair matket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentrated of any moorae or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 6. Gi floor, Bldg No 19, Kapadia Nagar, CST Road Kuila(W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.III/37EE/7416/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

1

Dite: 10-1-1985

# (1) Mr J A Baker

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mrs A B. A. Chougale

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No AR III/37EE/7746|84-85 —Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Flat No 303 3rd floor, A Wing Hitesh Apartment Near Home Guards Pavillion Ghatkopar (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 5/1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between his parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 303 3rd floor, A Wing Hitesh Apartment Near Home Guards Pavillion Ghatkopai (W), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR  $\rm III/37EE/7746/83-84$  dated 1-5-1984,

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

Mr. A. Kader A. Chougley

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No AR.III, 37EE/7414/84-85.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No 605, Ground floor, Bldg. No 19, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla (W), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 5 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any uncome or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the negulation of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 005, Ground floor, Bldg. No. 19, Kapadia Nagar, C S.T. Road, Kuila(W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7414/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of this notice under subing, persons, namely :-

Date: 10-1-1985

# (1) M/s Vivek Enterprises

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8023/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Flat No. 103, 1st floor, B-Wing, Prabhu Apartment Village

Kirol, Rajawadi Ghatkopar Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

(2) Shri Parmanand G. Maiar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, B-Wing, Prabhu Apartment Village

Kirol, Rajawadi, Ghatkopar. Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8023/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tes Acquisition Range-III. Bombay

Date: 10-1-1985 Scal:

FORM ITNS ....

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sheikh Afroz Jahan

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No AR, III / 37EE / 7513 | 83-84. -- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. 19, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla(W), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. 19, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla(W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, JII/37EE/7513/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 10-1-1985 Scal :

## FORM NO 1. I.N.S.---

# (1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) S. G. M. Shaikh

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7701/84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Hist No. 102. Ist floor, Bldg. No. 12, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla(W), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269.\B of the Income-13x \(\lambda\)ct, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1/5/1984

Bombay on 1/3/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and free
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act. 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. 12, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla(W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7701/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-1-1985

(1) M.s. P. H. Mansukhani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Suraiya Abdul R. Shaikh

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EF/7475/84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 13, D-Wing, Aaram Society Lane, Vakola, Santacruz, Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 1/5 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

Flat No. 13, D-Wing, Asiam Society Lane, Vakola, Santacruz, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7475 83-84 dated 1-5-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authorn. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

#### FORM ITHE

(1) M/s. 'Mahesh Builders

(Transferor)

(2) Shri Kishore S. Desai & Others

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7491 84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Sai Apartment,, LBS Marg, Ghat-

kopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269 \B of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Sai Apartment,, LBS Marg, Ghatkopar. Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7491/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Shri Ramdas Vithaldas & Others

(Transferor)

(2) Shri D. N. Sawant

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III, 37EE 7512/84-85,—Whereas, I. Λ. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jivdaya Lane, Bhatwadi, Ghatkopar Bearing S. No. 24 Histor No. 16 (42) bearing (TS. No. 68(2))

S. No. 24, Hissa No. 4 & 6(p), bearing CTS No. 68(p),

86(p)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land situated at Jivdaya Lane, Bhatwadi, Ghatkopar Bearing S. No. 24, Hissa No. 4 & 6(p), bearing CTS No. 68(p), 86(p), S. No. 23(p) H. No. 1-2(p) CTS No. 88(p).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No.  $\Delta R.\PiII/37EE/7512[83-84]$  dated 1-5-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1985

- (1) Shri Uday N. Asnotkar
- (Transferor)

(2) Parul Enterprise

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Rci. No. AR.III/37EE/7885|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 1 Gr. Fl. 'A' Wing, Bldg. No. 3, 'Damodar Park' L.B S Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Rombay on 1,5 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrimum of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
  ad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 Gr. Fl. 'A' Wing, Bldg. No. 3, 'Damodar Park' 1.B S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7885/83-84 dated 1-5-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Riaz Construction

(Transferor)

(2) Mr. Mhd. Ali Abdul Quadir

may be made in writing to the understaned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7486[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fiat No. 302, 3rd floor, Luwrence Apartment, Kalina, Santa-

cruz. Bombay-98.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Net, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the move of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Lawrence Apartment, Kalina, Santacruz. Bombay-98.

The agreement has been registered with the Competent Authorizy, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7486/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

FORM 1.1 N.S.---

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mr. Mohsin Abdul Kadir

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37FF/7702|84-85 - Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to / as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 1, Ground floor, Bldg No. 15, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferentiath with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferce for the pur poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Bldg No. 15, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7702/83-84 dated 1-5-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 10-1-1985

FORM ITNS

- (1) M/s. Gundecha Builders.
- (Transferor)
- (2) Shri J. M. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7772/83-84,— Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Service Indl. Gala No. 24, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inocem-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, y whichever period expires later:
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act. shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- facilitating the concealment or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the Indian Income-tax Act, 1922. (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 24, Gr. Fl. Kiran Indl. Fstate, M.G. Road, Goregaon (W). Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Pombay vide serial No. AR. III/37-EF/7772/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 10-1-1985

# FORM ITNS----

- (1) M/s. Vala & Brothers.
- (Transferor)
- (2) Pradeep C. Shah & others.

(Transferec)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8031/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

shop No. 3, Shree Raj Rajeshwari Apt., Narayan Nagar, LBS Rd., Gharkopar (W), Bo.mbay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

Bombay on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHUDULE

Shop No. 3, Shree Raj Rajeshwari Apt., Narayan Nagar, LBS Rd., Gharkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III/37EE/8031/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:— 134-456 GI/84

Date: 10-1-1985.

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vidyasagar M. Silam.
(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUÍSITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7568/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing
Flat No. 228, 2nd Fl., "Ramesh" Bldg., Amrut Nagar.
L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 228, 2nd Fl., "Ramesh" Bldg., Amrut Nagar. L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7658/83-84 dated 1-5-1984,

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985.

Seal ·

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Trilok Const Co.

(Transferor)

(2) Shri H. C. Bagasrawala,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/8033/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 20, 1st floor, Kailash Bldg., Nehru Rd., Santaccuz (E), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian ancome-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20, 1st floor, Kailash Bldg, Nehru Rd., Santacruz (E), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/8033/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-1-1985.

#### FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Neelam Developers.

(Transferor)

(2) Shri P. N. Shreedharan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7441/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 2.,000/- and bearing
Flat No. 301, 3rd floor, C Wing, Bldg. No. 2, Shanti park,
Garodia Nagger, Ghatkopar (E), Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 2694B of the Incometer Act. 1061 in the offer-Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor bv more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULL

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 301, 3rd floor, C Wing, Bldg. No. 2, Shanti park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7441/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985.

(1) Shri Gopichand P. Wadhwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri C. J. Manuel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7694/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A/15, 1st floor, Aaram Co-op Hsg. Society Ltd., Santacruz (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. A/15, 1st floor, Aaram Co-op. Hsg. Society Ltd., Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7694/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-1-1985.

(1) M/s. Neelam Developers.

(Transferor)

(2) Smt. Raju Sitaldas Paraini.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7991/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

and bearing
Flat No. 701, 7th floor, C Wing, Bldg. No. 2, Shanti park,
Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, C Wing, Bldg. No. 2, Shanti park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7991/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombya

Date: 10-1-1985.

# FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Neelam Developers.

may be made in writing to the undersigned :-

- (Transferor)
- (2) Shri S. G. Paraini.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7990/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No. 702, 7th floor, C Wing, Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

# THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, C Wing, Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Compe'ent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7990/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Date: 10-1-1985.

(1) Shree Ganesh Construction Corpn.

(Transferor)

(2) M/s. Usha Textiles.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7745/84-85.—Whereas I. A. PRASAD,

heins the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000) and bearing

and bearing
Shop No. 6, Hill Vie v Apartment, Himalaya Parvatiya
CHS, Netaji Parkar Road, Asalpe, Ghatkopar, Bombay-85
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Shop No. 6, Hill View Apartment, Himalaya Parvatiya CHS Netaji Parkar Road, Asalpe, Ghatkopar, Bombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7745/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-1-1985.

(1) Shri M. Kumaraswamy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arun Jethalal Adalza & Ors.

(Tranferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR III/37EE/7970/84-85 --- Whereas, I. A. PRASAD,

peing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 14, 3rd Fl., The Koyalgeet C H S. I td., Vallabhaug Exten. Lane, Ghatkopar, Bombav-77

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or one moneys or other wasets which have not been o which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 31d Fl., The Koyalgeet Co.-op. Hsg. Soct. Ltd., Plot No. 353/B-3, T.P.S. II Vallabaug Extn. Lane, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7970/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspect ng Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Rombny

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hembe initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely: 135-456GI/84

Date: 10-1-1985.

#### FORM ITNS----

(1) Shri C. C. Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Inderjit Kaur Luggani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7872/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5 and 6, 2nd floor, Plot No. 122/C bearing No. 11/24, Temple Dharashan Pawai, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer =r 1/0r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used borein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULL

Flat No. 5 and 6, 2nd floor, Plot No. 122/c bearing C.T.S.

11/24, Temple Dharshan, Pawai, Bombay.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EF/7872/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 10-1-1985.

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Zubaida Sayed Lambey.

(Ttansferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7728/84-85.--Whoreas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 207, Chhotalal Vila, 2nd Fl., Plot 'G', Amrutnagar, LBS, Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 207, Chhotalal Villa, 2nd Fl., Plot 'G', Amrutnagar, LBS Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7728/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985.

## FORM ITNS-

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Rosy Tose & Ors.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR, III/37EE/7727/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. 6, Gr. Fl., P lot Fl., Amrutnagar, Bhagirathi Villa.

L.B.S. Marg, Ghatkopar (W). Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) modification the reduction or stations of the limitality of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising frees the transfer: not for a
- (b) facilitating the concealment of any income or an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6, Gr. Fl., 'Bhagirathi Villa', Plot Fl. Amrutnagar, LB.S. Marg, Ghatkopat (W), Bombay-80,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III, 37EE, 7727/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range\_III, Bombay

Date: 10-1-1985.

\_\_\_\_\_

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7773/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 1, 10th floor, Wing D, Bldg. No. 3, L.B.S. Marg,
Damodar Park, Ghatkopar (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Parul Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Uday N. Asnotkar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of ruble stion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that (Thapter.

# THE SCHEDULF

Flat No. 1, 10th floor, Wing D. Bldg. No. 3, L.B.S. Marg. Damedar Park, Ghatkopar (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7773/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Smt. Amritkaur H. Singh.

(Transferor)

(1) Shri Jagjitpal Sıngh Kobali.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7503/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12, Shre Shanti Kunj, CHS, Chembur, Bombay-74. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12, Shri Shanti Kunj, CHS, Chembur, Bombay-74. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7503/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-1-1935, +

₹

#### FORM ITNS-

(1) Shri Manghraj P. Sevlani.

(2) Shri Rameshkumar R. Valecha.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA ..

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7567/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Flat No. 107, 1st floor, Bldg. No. 6, Jai Shastri Nagar, Mulund Colony, Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- far facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHROULE

Flat No. 107, 1st floor, Bldg. No. 6, Jai Shastri Nagar, Mulund Colony, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7567/73-74 dated 1-5-1984.

A. PRASAD
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985.

•

# FORM ITNS---

(1) M/s Ganesh Builders

(Transferor)

(2) Smt Meena Karne

(Transfered)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, it and to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . —

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGF III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No AR III/37EE/7736/84-85—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Flat No 32, B-Wing, 31d floot, 'Neelima Apt' SPS Road Bhandup, Bombay-78

(and more fully decibled in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the eduction of evasion of the lamb of the transfere to pay tax under said. Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires lates,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No 32, B-Wing 31d floor Neelima Apartment SPS Road Bhandup Bombay 78

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37EE/7736/83 84 dated 1-5-84

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquision Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2646 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the section has following persons namely:

Date 10 1-1985 Seal

(1) Kumar Maulik son of Dhirajlal M. Kamdar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Welderaft Engineers.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Fef. No. AR.III/37EE/7571/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000

bearing No.

Unit No. 68, 2nd floor, Bhandup Vishal Ind. Premises Coop.
Soc. Ltd., Village Road, Bhandup, Bombay-78.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84. for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 68, second floor, Bhandup Vishal Ind. Premises Coop. Soc. Ltd., Village Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7571/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--136--456 GI/84

Date: 10-1-1985

(1) Kantilal C. Gosalia.

(Transferor)

(2) M/s Shiv Gayatri Print Arts.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7737/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000 (a and hearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
Unit No. 59, 1st floor, Bhandup Vishal Ind. Premises CHS
Ltd., Village Road, Bhandup, Bombay-78.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 59, 1st floor, Bhandup Vishal Ind. Premises Coop. Soc. Ltd., Village Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7737/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

Seal ;

Bombay on 1-5-84.

## FORM ITNS-

- (1) Shrl N. R. Gangaramani & Other.
- (Transferor)
- , (2) Shri C. M. Katira & Other.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

. OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7939/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Residential Flat No. 2, Tower C-Govardhan Nagar, LBS Marg, Mulund (West), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE .

Residential Flat No. 2, Tower-G, Goyardhan Nagar, L.B.S. Marg, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7939/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

Soai :

(1) Hiranandani Ind. Enterprises.

may be made in writing to the underrighed :--

(Transferor)

(2) M/s Shriram Plastics.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7904/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961); (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 222, 2nd floor, Hiranandani Ind. Estate, Kanjur Marg. Bombay

Marg, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84. for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ojections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 222, 2nd floor, Hiranandani Ind. Estate, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7904/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bombay**

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Seal:

Date: 10-1-1985

ing persons, namely :---

FORM ITNS----

(1) Mr. M. T. Kochukunju & Others.

(2) Mr. Daniel Gheevarghese & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (43 OF 1961)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7668/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Gala No. 1, Ashok Ind. Estate, Mulund, Bombay-80.

Gala No. 1, Ashok Ind. Estate, Mulund, Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Gala No. 1, Ashok Industrial Estate, Mulund, Nahur Village, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7668/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisilon Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) Mr. Gabriel B. Tauro.

(Transferor)

(2) M/s Anant Industries.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7972/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 10, Ground floor, Unique Ind. Estate, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

(and more tully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesais property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 10, Ground floor, Unique Industrial Estate, Dr. R. P. Road, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7972/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri L. N. Vasangam & Others.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

AR.III/37EE/7734/84-85.—Whereas, I. A PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 'reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
Flat No. 61, A-Wing, 6th floor, 'Neelima Apt' S.P.S. Road, Bhandup, Bombay, 78

Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 61, A-Wing, 6th Floor, 'Neelima Apartment' S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7734/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex Acquisiton Range-III Bombay

Date: 10-1-1985

# FORM 1TNS-

(1) M/s S. N. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Balakrishnan & Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7917/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. B/103, 1st floor, Saurah Apartments-B Off. R. K. Road, Gavni Pada, Nahur, Mulund (West), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sale instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sax Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B/103, 1st floor, Saurabh Apt.-B, Off. P. K. Road Gavni Pada, Nahur, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1917/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisiion Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 10-1-1985

FORM ITNS----

(1) S. N. Builders.

(Transferor)

(2) Mi N. Radhakrishna Menon.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7915/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. A/103, 1st floor, Saurabh Apt.-B Off. P. K. Road, Nahur, Mulund (West), Bombay-80.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A/103, 1st floor, Saurabh Apt.-B, Off P. K. Road, Gavni Pada, Nahur, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7915/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authorit (Inspecting Assistant Commusioner of Income tax) Acquisiion Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the follows: persons, namely :-137--456G1/84

Date · 10-1-1985

١

Scal ;

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Clara Saldhana.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-JIJ, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7750/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 12, B-Wing, 'Neelima Apartments, S.P.S. Marg.

Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persom, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37FE/7750/83-84 dated 1-5-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s Ganesh Builders.

(Transferer)

(2) Yashoda G. Karkera.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

AR-III/37EE/7741/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 22, A-Wing, 2nd floor, 'Neelma Apt.' S.P.S.

Marg, Bhandup, Bombay-78.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 22, A-Wing, 2nd floor, 'Neelima Apartment', S.P.S. Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EF./7741/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range-III Bombay

Date: 10-1-1985

SenI:

(1) Mrs. Sargam Ramesh Jain.

(Transferor)

(2) Mr. Naresh B. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.JII/37EE/7713/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 25, Geetangali, Shivram CHS, 1099, Davidayal
Road, Mulund (West), Bombay-80.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within, 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, Geetanjali, Shivram Coop. HS. 1099-Devidayal Road, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7713/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquision Range-IM
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

Date: 10-1-1985

Seal

(1) M/s Khandelwal Engg. Co. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Annama Joy & Joy Verghesc.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7494/83-84.--Whereas, I.

A. PRASAD. ocing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 250(0)/- and bearing No. Flat No. A-303, Usha Nagar, Bhandup, Bombay-78. Bhandup Village Road,

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tas

Act, 1957 (27 of 1957);

THE SOMEDULE

Flat No. A-303, Ssha Nagar, Bhandup Village Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/7494/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following portons, namely :-

Date: 10-1-1985

Modern Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. S. Shinde.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7673/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
Flat No. 9, Plot No. 48, Kanjur Coop. HS Ltd. Kanjur

Marg, Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, Plot No. 48, Kanjur Coop. HS. Ltd. Kanjur Marg, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7673/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1985

(1) M/s Kantilal C. Gosalia.

(Transferor)

(2) M/s Gaugasingh Sukhwindersingh & Sons. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7768/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Unit No. 1 Ground floor, Vishal Industrial Estate (Near Ccat Tyres) Village Road, Bhandup (West), Bombay-78. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961, in the office of the Computant Authority at office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84.

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-time Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Unit No. 1, Ground floor, Vishal Industrial Estate (near Ceat Tyres), Village Road, Bhandup (West), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/7768/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons namely :--

Date . 10-1-1985

### FORM ITNS----

### (1) S. N. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Alice George.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7916/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 2, Saurabh Apartments, Off. P. K. Road, Gavni Pada. Nahur, Mulund (West), Bombay-80.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84. for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, Saurabh Apartments, Off. P. K. Road, Gavni Pada Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7916/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range-III

Date: 10-1-1985

<del>\_\_\_\_</del>-\_-

# FORM ITNS-

(1) M/s. Ganesh Builders

(2) Shri K. T Thape

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7735/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 63, A-Wing, 6th floor, Neelma Apartment S.P.S. Road Bhandup, Bombay-78 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trans (ferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---138-456GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 63, A-Wing, 6th floor, Neclma Apartment, S.P.S. Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-RE/7735/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Ajay Builders

(Transferor)

(2) Mr. S. B Khalwadekar

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7906/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rushabh Chhaya, 1st floor, Plot No. 74, Off 90-vide D. P. Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-5-84

from apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rushabh Chhaya, 1st floor, Plot No. 74, off 90, vide D.P. Road, Mulund(e), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7906/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

Seat -

(1) Tushar Family Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Laxmichand H. Shah & other

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. 10/37-EE/7506/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 3, 3rd floor, Falguni Bldg., Ladiwalla Colony, Model Town, Muhund (W), Rombay, 80

Town, Mulund (W), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd floor, Faiguni Bldg. Ladiwala Colony, Model Town, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37-EE/7506/83-84 dated 1-5-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

FORM ITMS---

(1) B. S. Cooper & Others

(Transferor)

(2) Shri Karunakar Shetty & Others

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7435/83-84,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing no. Flat No. A/31, Uma Bldg. Ladhiwala Colony, Bal Rajeshwar Road, Near Model Town, Mulund (W), Bombay-80 situa ed at (and more fully described in the Schedule annuxed herito) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are tefined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A/31, Uma Bld., Ladhiwala Colony Bal Rajoshwar Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EF/7435/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

### FORM I.T.N.S.-

- (1) Smt. K. R. Seth and Others
- (Transferor)
- (2) Shri Lalid J. Thakkar and others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7495.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 27, 6th floor, Neelkanth Ashish Dr. Rajendra Prasad Road Mulund (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule amnexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

he Competent Authorny at Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acceed to between the transferor(s) and transferee(s) has as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 27, 6th floor, Neelkanth Ashish Bld. Dr. Rajendra

Prasad Road Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7495/8-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Indo Saigon Agency

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7984/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 115 A 1st floor, Govind Udyog Bhavan Bal Rajcshwar

Road, Mulund Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration end that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(2) Shri H. N. Shah and Others

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 115 A 1st floor, Govind Udyog Bal Rajeshwar Road Mulund Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7984/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

Soal:

### - FORM ITNS---

(1) Shri C. J. Solshe

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. A. V. Mandke

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7432/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 9/4, Sachin CHS, Mithagar Road, Mulund (E),
Bombay-81 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the fifteen yer cent of such transfer as accreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9/4, Sachin Coop. Hsg. Soc. Mithagar Road, Mulund, Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. 111/37-EE/7432/83-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 10-1-1985

### FORM ITNS ...

(1) M/s. Dinesh Paint Ind.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok S. Shah.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7578/83-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Industrial Shed No. 6, Vardhaman Ind. Premises, Bhandup Village Rd., Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Shed No. 6, Vardhaman Ind. Premises, Bhandup Village Road, Bhandup, Bombay-78. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7578/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Alay Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. N. B. Patil & Others.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7672/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4, 1st floor, Bhushabh Asish, Plot No. 74, Mulund (E), Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Rushabh Ashish, Plot No. 74, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7672/83-84 dated 1-5-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

- (1) M/s. Ajay Builders.
- (Transferor)
- (2) Pandurang Mukund Harchande.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIN-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/7574/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Flat No. 7, on 2nd floor, Rushabh Ashish, off 90' wide Road,
Mulund (E), Bombay-81.

(and more fully described in the Schedule annexed heret). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

omee of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7, on 2nd floor, Rushabh Ashish, off 90' Wide Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7574/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

10-1-1985 Date Seal .

### FORM IT'NS

(1) Lalji Hirji Karta of Lalji Hirji Goshar H.U.F. (Transferor)

(2) M/s. Kantilal Industries

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR III/37-EE/7873/84-85 -- Whereas. I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Unit No, 21 Ground floor, Bhandup Vishal Industrial premises co-op, society Ltd. Village Rd. Bhandup Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 260-28. Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-5-84 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) wellitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 21 ground floor, Bhandup Vishal Industrial co.op. society, Village Rd. Bhandup Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7873/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 140-456GI/84

Date : 10-1-1985 Seal :

(1) Shri V. R. K. Nayar

(Transferor)

(2) Shri Ramesh P. Chhabra

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/7897/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have leasen to believe that the infinovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C/7 4th floor, Devidayal Co.op. Hsg. Society opp. of E.S.I.S. Hospital Mulund Bombay situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 260Ab of the Income Tay Act 1961 is the offer Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-5-84

some apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C/7 4th floor, Devidayal Co.-op. Hsg. Society, Opposite of E.S.I.S. Hospital, Mulund (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7892/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) S. N. Builders

(Transferor)

(2) Mrs. Chitra Ramakrishnan

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref No. AR. III/37-EE/7918/84-85.—Whereas, I.

Ret No. AR. III/37-EE//918/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing no. Flat No. A-301, Saurabh Apartments-B, Off. P. K. Road, Gavni Pada, Nahur, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) taciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/301, Saurabh Apartmentments-B, Off. P. K. Road, Gavni Pada, Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. JII/37-EE/7918/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1985

### FORM ITNS ---

(1) M/s. Shangrila Custruction Co.

(2) Shri S. N. Agarwal

(Transferer)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. AR. 1II/37EE/8042/83-84.—Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8 1st floor, Samrat Jankalyan Nagar, Malad (W),

Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any minimum or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

•

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8 1st floor, Samrat Janakalyam Nagar, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EE/8042/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASADCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Minal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. S. Kırlkaı Chief Promotor Apana Co.op. Hsg. Development Society.

(Transféree)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/83-84.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

65 plats, Village Malwani Tal. Borivali Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

65 flats Village Malwani Tal. Borivali Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/8131/83-84 dated 5-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-1-1985

(1) M/s. Deora Kedia Dev Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Rita Gautam Paul

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

'Ref. No AR. III/37-EE/8182/84-85.-Whereas, I, A PRASAD,

A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 603, Bldg. Type B-2, 'Tapovan' Pathanwadi Rd., Western Express Highway Malad (EE), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-84 Bombay on 1-5-84

Bombay on 1-5-84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act respect of any income arising from the transfer, سه / أنكة

to) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 603, Bldg. Type B-2, "Tapovan' Pathanwadi, Western Express Highway, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/8182/83-84 dated 1-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 10-1-1985

(1) M/s A R. Qureshi & Co.

(Transferor)

(2) M1. Ekanath T Patkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR 1Π/37-EE/7722A/84-85 --- Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Flat No. 102 (with terrace) 1st floor, New Green Apt, Turel Pakhadi Road, Malad (W) Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 102 (with terence), 1st floor, New Green Apartment, Turel Pakhadi Road, Malad (W), Bombay-64
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR, III/37-EE 7722A/83-84 dated 1-5-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date - 10-1-1985 Soal:

(1) G.C M S. Munshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT. 1961 (43 OF 1961)

(2) C. k. Amla

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No AR. III/37-FE/8146/84-85 -- Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing
Flat No. 2, Bldg. No. II-1 Sunder Nagar, S.V. Road, Malad,
Bombad-64 situa ed at

found more fully described in the schedule amexed hereto) has been transferred and the agreement is registered to be section 269AB or the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Building No. H-1, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Beinbay vide serial No. AR. III/37-EE/8146/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-1-1985

(1) Smt. Neelu Muilidhar Katara.

(Transferor)

(2) Karathaplakal P. Abraham.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Rombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/8154/84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

and beating No. Shop No. 11, Cround floor, Man Sarovar, Swami Vivakanand Rd, and Govind Nagar Road In. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income l'ax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer mith the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCREDULE

Shop No. 11, Ground floor, Man Sarovar, Swami Vivekanand Road, & Govind Nagar Rd. Jn., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/8154/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 10-1-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. J. M. Amin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Murlidharan Bombay.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ret. No. ARIV/37-EE/7531/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Hlat No. U-2/8, JBD Coop. Hsg Soc. Ltd., Bhandup, Bombay-

78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. U-2/82, J.B.D. Coop. Hsg. Soc. Ltd. Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/7531/83-84 dated 1-5-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-1-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 200 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Ruby Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. T. Ramaswamy Mudahar,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR.III/37EE/7535.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (\$\frac{4}{3}\$ of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Flat No. 15, 3rd floor, Shivgiri LBS Marg. Mulund, Bombay-80 (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Shivgin, LBS Marg, Muland, Bombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/7535/83-84 on 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-91-456 GI/84

Date: 10-1-1985

(1) Mr. S. Subramony Iyer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinodkumar M. Dodhia.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1985

Ref. No. AR III/37FF/7516.—Whereas. I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Block No. 10, 1st floor, Om Sakti CHS Ltd. Valji Ladha Rd, Mulund (W), Rombay 80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ludian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922), or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957);

therefore, in purstance of Section raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 10, 1st floor, Om Sakti CHS Ltd., Valji Ladha Pd., Mulund (W), Bombay-80, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.HL/37EE/7516/83-84 on 1-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III | Bombay

Date: 10-1-1985 Seal :